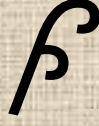


ISSN 2229-547X VIDEHA



विदह ३१२ म अंक ११ जून २०२३ (वर्ष १६ मास १६६ अंक
३१२)

[विदह (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) www.vidha.co.in

]



विदह मैथिली साहित्य आस्थालनः मान्धीमिह संघुगाम्



विदह- प्रथम मैथिली याञिक व्ही-यप्रिका

सन्ध्यादकः गजुञ्ज ०।कूना



Videha
e-Learning

Gajendra Thakur



उ यथीक सर्वाधिकान सर्वाज्ञा अछि। कोयीनास्ट (©) मानक लिखा अनुगणिक विना यथीक काना अंगक छाया प्रीं अर्न निकोठिग सहिग डलकडोनिक अथवा यथिक, काना मान्यमर्त, अथवा सानक संश्रुध वा युनईयागक प्रधाली दाना काना नुयम पुनन्यादन अथवा संवानन-प्रसानध नै कअल आ सकी अछि।

(c) २०००- २०२३. सर्वाधिकान सर्वाज्ञा। रालसनिक गछ ऊ सन २००० सँ यादूसिटीजयन डल http://www.geocities.com/.../bhalsarik_gachh.html , <http://www.geocities.com/ggajendra> आदि लिंकयन आ अखना ग इलाह २००४ क याद्यु <http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> कन नुयम ड्युननटयन मैथिलीक प्राचीनाम उयसिगक नुयम विश्रमान अछि। (किछ दिन लल <http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> लिंकयन, आ wayback machine of https://web.archive.org/web/*/videha 258 capture(s) from 2004 to 2016- <http://videha.com/> रालसनिक गछ-प्रथम मैथिली ब्लोग / मैथिली ब्लोगक अश्री(गटन)।

ड्यु मैथिलीक यखिल ड्युननट यथिका थिक अकन नाम वादम १ जनवरी २००४ सँ 'विदरु' यअली ड्युननटयन मैथिलीक प्रथम उयसिगक यात्रा विदरु- प्रथम मैथिली याजिक ड्यु यथिका धन यरुवल अछि, ऊ <http://www.videha.co.in/> यन ड्यु प्रकाशिग खरुअ अछि। आव "रालसनिक गछ" जालवृष विदरु ड्यु यथिकाक प्रककाक संग मैथिली रायक जालवृषक अश्री(गटन)क नुयम प्रयुक्त रुड नरुल अछि।

(c)२०००- २०२३. विदरु: प्रथम मैथिली याजिक ड्यु यथिका (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004). सथादक: गछु ओरुना Editor: Gajendra Thakur. In respect of materials e-published in Videha, the Editor, Videha holds the right to create the web archives/ theme-based web archives, right to translate/ transliterate those archives and create translated/ transliterated web-archives; and the right to e-publish/ print-publish all these archives. नवनाकान/ संश्रुधकार्पा अयन मौलिक आ अयप्रकाशिग नवना/ संश्रुध (संयुध उषनयसिग नवनाकान/ संश्रुधकार्पा मथ) editorial.staff.videha@gmail.com कँ मल अटैवमधक नुयम यअ सकी अछि, संगम डा अयन सजिक यनियय आ अयन नैन कअल गिल खरुटा सह यअवीथा अइ प्रकाशिग नवना/ संश्रुध सरक कोयीनास्ट नवनाकान/ संश्रुधकार्पाक लगम छहि आ अइ नवनाकान/ संश्रुधकार्पाक नाम नै अछि गइ ड्यु संयादकार्पाक अछि। सथादक: विदरु ड्यु प्रकाशिग नवनाक वव-आकालव/ धीम-आमानि वव-आकालवक निर्माधक अथिकान, उ सर आकालवक अनुवाद आ लिप्यनध आ पकन वव-आकालवक निर्माधक अथिकान; आ उ सर आकालवक ड्यु प्रकाशन/ प्रिंट-प्रकाशनक अथिकान नखी अछि। उ सर लल काना नोयरी/ यानिध्रमिकक प्रावधान नै छै, स नोयरी/ यानिध्रमिकक ड्यु नवनाकान/ संश्रुधकार्पा विदरुसँ नै अअथु विदरु ड्यु यथिकाक मासम दू टा अंक निकली अछि ऊ मासक ०१ आ ११ तिथिक www.videha.co.in यन ड्यु प्रकाशिग कअल अछि अछि।

Videha eJournal (link www.videha.co.in) is a multidisciplinary online journal dedicated to the promotion and preservation of the Maithili language, literature and culture. It is a platform for scholars, researchers, writers and poets to publish their works and share their knowledge about Maithili language, literature, and culture. The journal is published online to promote and preserve Maithili language and culture. The journal publishes articles, research papers, book reviews, and poetry in Maithili and English languages. It also features translations of literary works from other languages into Maithili. It is a peer-reviewed journal, which means that articles and papers are reviewed by experts in the field before they are accepted for publication.

Font/ Keyboard Source: <https://fonts.google.com/>
<https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts> , <https://keyman.com/>

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com. The eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send your queries to sales.videha@gmail.com. The contents and documents e-published by Videha (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/ documents.

© Preeti Thakur (sales.videha@gmail.com)

Videha e-Journal: Issue No. 372 at www.videha.co.in



समानान्न यन्मनान् विद्यायि- विप्र विद्वद्द स्मान्नां स्मानिा श्री यन्काल मधुल द्वाना

मैथिली राधा जगज्जननी सीतायाः राधा आसीत् हनुमन् उक्तवान्- मानुषीमिह संवृगाम्।

अस्त्रन सखा (आखन खाइ)

गिह्अन खफदि काऽि गस् किफिदलि यसनह्। अस्त्रन सखानस्र ऊउ म(त्र) वधि न दह्। (कीर्णिला
प्रथमः यन्नः यदिल दाहा।)

मान आखन नूयी खाइ निर्माध कऽ उह्येन (गद्य-यद्य नूयी) मं व जै ने वाइल जाय गं उ पिगवननूयी
ऊप्रम उकन कीर्णिनूयी लफि कना यसन।

शुक्ल यजुर्वेद (२६.२)-यथर्मा वाचं कथाधीमावदानि जनयः। वक्रनाजयायां शूद्राय चार्याय च स्याय
वानधाय च। ह्यम सर (गोटकं ळी यविप्र नाधी (वदनाधी) सुनावी। ब्राह्मणकं, ऊप्रियकं, शूद्रकं आ
आर्यकं; अयन लककं आ अयनिवाकं सख (मान सरकं)। मूदा उ वदवाक्यक विपनीग मन्मूगि
वदनाधीक अधयन/ श्रवणकं समाजक किद्ध (गोट लल निषध कनऽ वाहलक, मूदा मूगि सख
वदवाक्यकं प्रमाध मानेग अद्धि (शुद्ध प्रमाध) गं गकन विनूद्ध दल उकन निर्दश स्रयं अमाय रऽ
जाल्लग अद्धि।

Do not judge each day by the harvest you reap but by the seeds that you plant. -Robert Louis Stevenson

Videha: Maithili Literature Movement

ॐ श्रीः शान्तिरुनिजु श्रुंग शान्तिः

: :

अनुक्रम

ॐ अंकम अष्टिः-

१.१. गजब्रु 01कून- नून अंक सन्धादकीय

१.२. अंक ३११ यन टियधी

२. गश्य सधु

२.१. यनमानद लाल कर्ध- गीगा माहाग्य (आगाँ)

२.२.कूमान मनाज कथय-झाँल निशानी

२.३.आचार्य नामानन्द मधुल-हिंदू धर्म आ हिंदू विनाय/ धर्म क जीव

२.४.आशीष अनविज्ञान-गोनू कथा- सयना आ त्रम, घन, कारल कथा

२.५.आ. यागानन्द मा- श्री नाज किशान मिश्र आ हूनक 'प्रलय-याग'

२.६.आँ किशन कानीगन-मैथिली म नवना चानी क त्रिकट समस्या आ समाधान

२.७.लालदत्त कामग- १ टा लघुकथा आ ६ टा विद्वेन कथा

२.८.लालदत्त कामग- याथी समीजा अक विमर्श- १.विद्यायगि आत्मकथा कन दृष्टिवाध २.यूफुक समीजा: लालू-लीला ३.जगदीश प्रसाद मंजल-उयग्यास "यंगू"

२.९.निर्मला कर्ष- अग्नि शिखा (स्वय-२१)

२.१०. कृष्ण कर्ष- लघुकथा त्रीठ आ वीहनि कथा दार

२.११. नद विलास नाय-वैषुद छी

२.१२. उगदीश प्रसाद मधुल- सूचिणा (धानावाहिक उयग्यास)

२.१३. उगदीश प्रसाद मधुल- आव नळ जीव (लघुकथा)

२.१४. नवीद्व नानायध मिश्र-वदलि नहल अछि सरकिछ
(उयग्यास)- धानावाहिक

३. यद्य स्वध

३.१. नाज किशान मिश्र-रुन आउल जाठ

४. अनुलभक

१. विदह ँली-यत्रिकाक सररा यूनान अंक Videha e journal's all
old issues

२. मैथिली याथी उउनलाउ Maithili Books Download

३. मैथिली ँतिया-वीडियाक संकलन Maithili Audios-Videos

४. मैथिली शिशु, बाल आ किलान साहित्य Maithili Children Literature

१. विदरु क्री काना

६. विदरु ली-लनिदु

१. विदरु सूचना संयुक्त अन्वेषण (including Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement)

८. विदरु मिथिलाक खज

९. विदरु मिथिला नद



ॐ द्यौः शान्तिरन्तरिक्षं ग्वंग शान्तिः पृथ्वी शान्तिरापः
शान्तिरोषधयः शान्तिं वनस्पतयः शान्तिर्विश्वे देवाः
शान्तिर्ब्रह्म

ॐ ङोः शान्तिरन्तरिक्षं W शान्तिः पृथ्वी शान्तिरापः शान्तिरोषधयः शान्तिं
वनस्पतयः शान्तिर्विश्वे देवाः शान्तिर्ब्रह्म

ब्रह्मणसँ प्रार्थना जे द्यूलोकमे, अंतरिक्षमे, पृथ्वीपर, जलमे, औषधमे,
वनस्पतिमे, विश्वमे, सभ देवतागणमे आ ब्रह्ममे शांति हुअय।


ॐ-ब्रह्मण, द्यौ-सूर्य-तरेगण, अंतरिक्ष- पृथ्वी आ द्यूलोकक बीच, आपः-
जल, विश्वदेवा- सभ देवता, ब्रह्म- सर्जक।

ब्रह्मणसँ प्रार्थना जे द्यूलोकमे, अंतरिक्षमे, पृथ्वीपर, जलमे,
औषधमे, वनस्पतिमे, विश्वमे, सभ देवतागणमे आ ब्रह्ममे शांति
हुअय।


ॐ-ब्रह्मण, द्यौ-सूर्य-तरेगण, अंतरिक्ष- पृथ्वी आ द्यूलोकक बीच,
आपः-जल, विश्वदेवा- सभ देवता, ब्रह्म- सर्जक।


ॐ


ॐ, सहस्रंशीर्षा पुरुषः। सहस्राक्षः सहस्रपात्।

 (Wheel of Dharma)

 (Swastik)

 (सिद्धिरस्तु, सिद्धम प्रिक्खिबुध, प्रिक्खम Devanagari Anji)

 (Gwang ग्वंग- two small circles connected by u and a dot placed over it, used in reference of Vedic texts)

 (Tirhuta Anji, Ankush of Ganeshji, placed at the beginning of something)





१.१. गजड्ड 0कून- नून अंक सन्यादकीय

१.२. अंक ३११ यन टियधी

१.१. गजद्वारा- नूतन अंक सन्ध्यादकीय

१

वृद्धी नाथ नाय 'अमात्र' क 'मैथिल रैया कनू विवान'

वृद्धी नाथ नाय 'अमात्र' क 'मैथिल रैया कनू विवान' वृद्धीनाथ मिश्र जी कन यद्य जकाँ मनमनाळंग वजो, समधन, लय आ गुकवर्दी यक्त, गया मूदा री समानगा उगदि खगम रुऽ जाळो, आ उ नियनीगा अवो स अछि उ संग्रहक विषय वरू आ गकन अँखिगन निनीऊधा आ स अछि वृद्धी नाथ नाय 'अमात्र' क अँखि आ खून दूनुक योजितिव हवाक कानध, आ स उ वी उा वा उवी योजितिव ने अछि, री अछि मिथिला योजितिव। खूना ने नळ मिथिला कन छदि, जागिवादीक उऊन कष 'उळ' कना दगा मिथिला कन नळम, उ उा धानन छथि।

गन-मन उ घवाह रल छदि आ यासल कृकू कटाह रल छदि गकन उफन चाहियदि कविक, आ स उफन मैथिलसँ चाही हनका। नसक हनीयकँ उा नसखान कदगा। मूदा मात्र यक्ष ने 016 कने छथि, उफना दळ छथि- कादा कनव घास क गानव/ अगिला खी धान कनव हमा।

वृद्धी नाथ नाय 'अमात्र' विभाखादफक मूझानाऊसक अमात्र मान याँ

दलद्वि।

२

कथना मा- नभामूक्ति दिग गावी गीग

मद्य निषध निराग आदि ज्ञाना नभामूक्ति विषयक कार्यक्रमम द्विष्टीम 'नभामूक्ति गीग' कार्यक्रमक प्रान्शम अहाँ सूनन दअवा कथना मा मेथिलीम गग टा गीगक अकटा संग्रह लऽ कऽ प्रकृष रली ज मात्र अही विषययन अछि। लखकक समाजक समग्रसँ सनकान नखवाक छी अकटा उदाहनध अछि। आ समग्र ज अक्क संग मनावेज्ञानिक आ सामाजिक दून अछि। समग्र ज सर उमन आ सर आर्थिक स्थिति वला लोक लल समान न्यूसँ खणना वनि आयल अछि। अहाँक घनक लोक अकटा खणनाक बीच घूमि नहल छथि, आ काना काल छी समग्र दूनका मयडा मानि अयनाम समाहित कऽ सकै छथि। काकीन, हनबून, गाजा, गानी, दानू सँ लऽ कऽ दर्द नाथी दवाबू, आ सृवाक (गाली, राठ आदि सह अकन यनिअप्रम अवेग अछि। कथना मा उ म गुटखा आदि सह जाति दन छथि। जर्दाम नभा हबूग छै, मूदा सनकान गुटखाम जर्दक मिश्रधयन प्रगिवव लगा दन छै, स गुटखा वनि गल अछि यान मसाला। मूदा उ उग्रादक आव लखनऊ अरु. अम. यन प्रचान अना रऽ नहल अछि- वउ मियाँ संग छार मियाँ क्री, मान यान मसाला संग चूनक त्रिषी आ जर्दक यूतिया अलगसँ क्री, मान अहाँ यान मसालाम चून आ जर्दा अयनसँ मिला कऽ गुटखा वना लिअ, उग्रादक मिला कऽ ने दग, कानध सनकान मना कन छै। स

वउ मियाँ रल यान मसाला आ छार मियाँ रल चून आ जदी।

कवि सरु गनरुक उग प्रयागक जानकानी नखेग छथि आ ठाकन दूनययागक प्रीग सवग छथि, चारु सुँरुया रकवाक हूअय, संघवाक हूअय वा जीहयन लवाक गनीका हूअया ॐ घनकँ गाउे, समयाक जठि अछि। मूदा कवि आक, धगूनक औषधीय प्रयागसँ अदगग छथि आ ठाकना वदनाम ने कनवाक आग्रह कने छथि। उा खेनी सूनी वनि अयन वखान सह्य कने छथि, अयन दुर्गुधक चर्वा कने छथि। हलाहल शंकनक चर्वाक संग वसन्त आगमन आ मद्यक वषम वेन रंगक चर्वा अछि। रुन शंकन आ काली सँ कवि यथ प्रदर्शन कनेल सह्य कहै छथि।

गमाकू कृषियन सह्य अयन दृष्टिकाध कथना जी नखन छथि। मूदा गs गमाकू कृषिक आलाचनाम वाहनी दशसँ सिगनरुक वरुग गम्नीयन हूनकन धान ने गेलनि। गमाकू कृषकक जन्म-मन्मनयन आञ्चलन आ ारुक याछाम गमाकू कृषकक कनेग कल जाउन आकृगि दिल्ली नग्रम ह्मना अरुनल अछि। सिगनरुयन अनाय-भनाय् टेकसँ उ सिगनरु गम्नन मारिहयाक नव वर्ग उथल्ल रल अछि गकन कानध गमाकू कृषक उ गनरुक लॉवीकँ मानेग छथि उ हूनका लाकनिकँ (गमाकू कृषककँ) विलन वना कs उ गम्नन मारिहयाकँ रूयदा यहुँचा नहल अछि, आ उँ छद्म प्रचानक शकान रली कथना सा।

ऊँ अहाँ अलीरु सिगनरु लॉवीसँ गय कनव गँ उा की अहाँकँ यूछग आ अहाँकँ उफन की हूग स प्रक्षामनी नीचाँ दल जा नहल

अच्छि-

-की अहाँ सिगनट यिवे छी?

-नो

-किया सिगनट ने यीवि नहल अच्छि, हमन छारका राळ सिगनट ने यिवे अच्छि। हम कॉलजम सिगनट यिवे नही आव ने यिवे छी। सिगनट ब्रुसूद्री मनि नहल अच्छि।

ऊँ अहाँ अलीट वीठी लॉवीसँ गय कनव गँ उा की अहाँकँ यूछग आ अहाँकँ उफन की हण स प्रक्षाफनी नीचाँ दल जा नहल अच्छि-

-की अहाँ वीठी यिवे छी?

-नो

-किया आव वीठी ने यिवे, निक्कावला आव सिगनट यिवे। वीठी उछाग मनि नहल अच्छि।

ठी.आन.आळ. कन नियार्टक माणाविक २०२१-२२ म ११ कना७ सिगनट सिककँ उव कअल गल, बूी सक्केआ सिगनट गबनीसँ आनल जा नहल छला। अकन कळअक गुधा माल यकअल ने जा सकल हण। विहानम मद्य निषधक वाद किछ दिन गँ सर ठीक नहल, मूदा आव गाम-गामम अकटा अयनाध नटवकी वनि गल अच्छि ऊँ गाम-गाम दानू उयलब कनवेग अच्छि। गँ मद्य-निषधक

गीग (गोनिहानकँ अहाँ अयनाथ नरवर्क लल लॉवी श्रुय मानव? उफन अछि नै, मूदा दूनकान उययाग कऽल (गलइि स गँ मानेय यऽग।

कानध कवि आक, धूनक ओषधीय प्रयागसँ अदगग छथि आ ठाकना वदनाम नै कनवाक आग्रह कनेग छथि गँ दमना ल(गेऽ उ दशम वनल सिगनट (ठिमिनट गुप्त) यन अग्यधिक टैक लगलासँ दऽऽग विदशी सिकनटक गघनी आ गकन यनिधामसूनूय गमाकूक कृषकक दुर्दभायन ऊँ धान नखिगथि गँ आन नीक नहैग। कथना मा अयन दिग-अयच्छिगक नशा प्रयागसँ चिन्निग छथि, नशामूकि दिग लल गीग गावि नहल छथि। ऊँ अहूँ उ लल चिन्निग छी गँ अहूँकँ वूमवाक चाही उ ँली नशाक आदगि कना ला(गे छै, अकन दूनययाग कना शुनू दऽऽ छै आ वडिग जाऽऽ छै। गऽऽ लल ँली याथी उययागी दऽग। ऊँ अहाँ सयं नशा कऽ नहल छी आ उ सँ मूकि चाहे छी गँ ँली याथी अहाँ कँ वूमवाम मदगि दग उ कना उ समघासँ लऽी आ जीगी आ अयन जीवनयन नशाक नियंत्रध सँ मूक दऽऽ।

-Gajendra Thakur, editor, Videha (be part of Videha www.vidaha.co.in -send your WhatsApp no to +919560960721 so that it can be added to the Videha WhatsApp Broadcast List.)

अयन मंगद्य editorial.staff.vidaha@gmail.com यन यऽऽ।

१.२. अंक ३११ यन टियन्धी

मनाज 01कून

मिथिला मेथिल जा७वाक म आहाक वद्दग नीक यद्दल, धय्यवादा
अक त्रि(षयांक मिथिलाक दती दवगाक महद्द आ आशक समय म
अकन स्यान यन आधानिग हावक चादी अद्दन अयजा अद्दि।

कयना मा

प्रथमदृष्टया नीक त्रिषय वरूँ सँ यूकू अंक लागि नद्दल अछि।
सार्थक यद्दल अछि त्रिदद्दक त्रि(षयांक सर।

लम्बध मा 'सागन'

वद्दग नीक आलख सव श्टाय लन छी। अणक अरू जीवन म मेथिली
साहित्यक प्रगि अद्दन नूचि आ अण वनका वनका काज हाथ म ल
क गकना सदी समय म सग्यादिग कय लोण छी स अहाँ आ अहाँक

टीम सं संरुव र नरुल अरुठि। अरुहँक उरुगा आ इनुन क रुम
सलाम करुने कूी! वरुवाः!!

डुररुकरु मरुधु

सरुहदुडु डुरुगुतरुद! 'रुदरुह'क मरुधुमरुसँ वरुहू करुठु सरुखवरुक, वरुमवरुक
अरुवसरुनरु संग रुमनरु सरुकँ मरुगुदरुशन सरुह रुहअगु। रुमन सरुक
डुरुडरुसरु नरुहू उ अरुडनरुम नरुनरुगन सुखरुनक संग करुअ कनवरुक डुरुडरुसरु
करुनी।

अरुडन मरुगुधु editorial.staff.videha@gmail.com **डन डुअ**

२. गरुधु सरुधु

२.१. डनडरुनरुह लरुल करुधु- गीगरु मरुहुरुगुधु (अरुगँ)

२.२. कुरुडरुन डनरुअ कथुडु-रुठुअल नरुशरुनी

२.३. आचार्य नामानन्द मधुल-हिंदू धर्म आ हिंदू विनाय/ प्रेम क जीव

२.४. आशीष अनविज्ञान-गीनू कथा- सयना आ प्रेम, घन, कारल कथा

२.५. ज. यागनन्द सा- श्री नाज किशान मिश्र डा दूनक 'प्रलय-याग'

२.६. डॉ किशन कानीगन-मैथिली म नवना चानी क विकट समस्या आ समाधान

२.७. लालदत्त कामग- १ टा लघुकथा आ ६ टा विद्वेन कथा

२.८. लालदत्त कामग- याथी समीजा एक निमर्ष- १. विद्यायगि आत्मकथा कन दृष्टिवाच २. यूकक समीजा: लालू-लीला ३. जगदीश प्रसाद मंतल-उयग्यास "यंगू"

२.९. निर्मला कर्ष- अग्नि शिखा (स्वय-२१)

२.१०. कृष्ण कर्ष- लघुकथा नीठ आ वीहनि कथा डॉट

२.११. नद्य विलास नाय-वैष्णव छी

२.१२. जगदीश प्रसाद मधुल- सूचिणा (धानावाहिक उयग्यास)

२.१३. जगदीश प्रसाद मधुल- आव नळ जीव (लघुकथा)

२.१४. नवीन्द्र नानायध मिश्र-वदलि नदल अछि सरकिठ्ठ (उयग्यास)-
धानावाहिक

२.१. यनमानह लाल कर्ष- गीगा माहाग्य (आगाँ)

Scan 03 Jun 23 16:57:50

Friday, 2 June 2023 12:27 PM



गीता माहाग्ये (पय पुराण उरु थन्ड) दोसब अध्याय

श्री लगवान कहनथिन - नश्मी पहिन
अध्यायक माहाग्येक उरुम उपाध्यायन
हम अहाँ के सुना देनहै। आर दोसब
अध्याय के माहाग्येक प्ररुण कर। दक्षिण
दिश वेदवेदा ट्राफल नोकनिक प्ररुण
बनर नाम सँ एक नगर मे श्रीमान्
देवधर्मा नाम सँ एक विद्वान ट्राफल
बहे छनाह। ओ अतिथी नोकनिकक
पूजक, स्वाध्यायधीन वेदध्यासुक
विशेषत, यतक अनुष्ठान करवाना
आ तपस्वी नोकनिकक सदिखन
प्रिय छनाह। ओ उरुम द्रष्ट सँ आगि
मे हरन करके कतेको देब धरि

দেৱতা কেঁ তপ্ত কেনথিন । মুদা
 ও প্ৰমাণ্যে চাক্ৰল কেঁ কখনক্ক জানি
 নহি মিননৈন । ও পৰম কন্যাশয়
 তত্বক জ্ঞান প্ৰাপ্তিক তচ্ছা সঁ সৰদিন
 বেৰে সামগ্ৰী সঁ সত্য সঙ্কল্প বান্ধা
 তপস্বী নোকনিকক সেৱা কৰই
 নগনাহ । এহি প্ৰকাৰ শ্বত্ৰু-প্ৰাচৰণ
 কৰেত কুনকা কতেকো সময় বীত
 গেন । তদনন্তৰ এক দিন পৃথ্বী পৰ
 কুনকা নগ এক ত্যাগী মহামো
 প্ৰকৰ্ত লৈনাহ । ও পূৰ্ণ অন্তৰী,
 আকাংক্ষা বহিত নাসিকাক অগ্ন
 লাগ পৰ নজৰি ৰাখই বান্ধা আ
 জান্তু চিঃ চনাহ । সদিখন পৰমা-
 মোক চিন্তন মে নাগত আনন্দ
 বিলোৰ বাহেত চনাহ । দেৱধৰ্মা তহি
 নিত্যসম্বুৰ্ত্ত তপস্বী কেঁ শ্বত্ৰুশাৰ সঁ

প্রশাসন কঃ প্রচলনশিল্প - মহামেন ।
 হুম্বা জ্ঞানিময়ী স্থিতিকোনা মিত ।
 তহন আমোজানী স্ত দেবজ্ঞানী কেঁ
 সোপ্পৰ গাঁৱক নিৰাসী মিত্ৰবানক
 পৰিচয় দেনশিল্প জে বঁকৰীক চৰবাং
 চন অৰু কহনশিল্প - বংহ অৰুপনেক
 উপদেজ দেঅহ ।

জা স্মনি দেবজ্ঞানী মহামোক চৰনা
 বন্দনা কঃ সমৃদ্ধিজনী সোপ্পৰ গাঁৱ
 পৰুচি ওকৰ উত্তৰ দিঙ্গ একৰ্ণা বিজ্ঞান
 বন দেখনশিল্প । অহি বন মে নদীক
 কাচৰ একৰ্ণা পাথৰ পৰ মিত্ৰবান
 বেসন চনাহ । কনকৰ আঁখি আনন্দ-
 তিবক সঁ নিষ্চল লঃ বহন চন । ও
 অৰুপন নজৰি সঁ দেখি বহন চনাহ ।
 ও স্মান অৰুপসক স্মাতাৰিক বৈৰি
 চোড়ি এক ঠাম জমা লঃ পৰুপৰ
 নিষ্চল লঃ বহন চন ।

ৱৰোৱা গন্তু স। যবন ছন। ৩। ৫
 ঠাম উদ্যান মে হৰা সিসকি বহন ছন।
 মৃগক জুও জ্ঞানু ভাব সঁ বৈসন ছন।
 মিত্ৰান দয়া সঁ ভৱন শ্ৰানন্দময়ী
 মনোহাৰিণী নজৰি সঁ পৃথ্বী পৰশাস্ত্ৰ
 অমৃত চীৰ্ত্ত বহন ছন। এহি ৰূপ মে
 ক্লনকা দেখি দেৱধৰ্ম্মকি মন প্ৰসন্ন
 ভৱ গেন। ৩ উদ্ভেক ভৱ বিনয়পূৰ্বক
 মিত্ৰান নগ গেন। মিত্ৰান সোহে
 মাথ জুকা কৱ দেৱধৰ্ম্ম কে সকোৰ
 কেনথিন। তদন্তৰ বিদ্বান বেদধৰ্ম্ম
 শ্ৰবন্য চিত্ত সঁ মিত্ৰান নগ গেন।
 জখন ক্লনক প্ৰ্যনক সময় সমাপ্ত
 ভেন তহন দেৱধৰ্ম্মকি অপ্রন মনক
 ৰাত প্ৰচনথিন - মহাৰাজ হম শ্ৰামোক
 জ্ঞান প্ৰাপ্ত কৰৱ চাহেত ছি। হমৰা
 এহি মনোৰথক পূৰ্ত্তিক নেন এহন
 উপায়ক উপদেহা দিশ্ব জাতি সঁ

হুমৰা সিদ্ধি মিন সকে ।
 দেৱধৰ্মকি বাত স্থানি মিস্ৰান যোকে
 দেৱ কিচ্ছ সোচনেথ তকৰ বাদ এহি
 প্ৰকাৰে কহনথিন - বিদ্বন এক সম্ভ
 ক বাত অষ্টি হম জংগন মে ঝঁকৰীক
 বক্ষা কঃ বহন চনক্ৰ তখন এক ঠা
 ঝঁঘ পৰ হমৰ নজৰি পহন । ও
 তেহন প্ৰযকৰ চন জে মান্ব ও
 সৰকৈ খা জায়ত । হম মৃন্দু সঁ
 তৰেত চনক্ৰ তে ঝঁঘ কৈ আৱেত
 দেখি ঝঁকৰীক সঁচ কৈ আগু কঃ
 ওহি ঠাম সঁ পৰা গেনক্ৰ । মৃদা এক
 ঠা ঝঁকৰী তবঁত সৰ প্ৰয কৈ ত্যাগি
 নদীক কাচৰ মে ঝঁঘ নগ বেবোক
 ঠেঁক চনি গেনীহ । যেৰি তঃ বাঘ
 সেহে সৰ হ্বেষ ছাড়া ছপচাপ
 ঠাট তঃ গেন । ঝঁঘ কৈ এহি অৰসু

মে দোখোঁ বঁকৰী কহনখিন-হেৰাঘ
 অক্সনেক তঃ অলিঞ্চ লোজনমিনন
 অছি। হমৰা ধৰীৰ সঁ মাউস নিকাৰি
 অহাঁ প্ৰেম পূৰ্বক খাণ্ড। অহাঁ এডেক
 দেৰ সঁ কিণ ঠাদ ছী। অহাঁক মন
 মে হমৰা খায়ক বিচাৰ কিখনহি
 হোয়ত অছি।

বঁঘ কহননি- বঁকৰী এহি ঠাম আৰি-
 তহি হমৰা মন সঁ হ্বেষক লাৰনিকনি
 গেন অছি। লক্ষ্য প্যাস সেগে মৰিগেন
 অছি। তেঁ নগ মে আৰিতঙ্ক আৰ হম
 অহাঁ কেঁ লক্ষ্য কৰঃ নহি চাহেত
 ছী। বঁঘ কেঁ এনা কহনা পৰ বঁকৰী
 কহনীহ- হম নহি জানেত ছী জে
 হম কোনা নিৰ্ভয় লঃ গেনঙ্ক অছি।
 একৰ কোন কাৰণ লঃ সকেত অছি।
 জোঁ অহাঁ জানেত ছী তহন বজাড।
 ন হি ঠাম কহনি

७। आन राध कहनाम - हम सेहो
 नहि जानेत छी । चब सोमा मे
 ठाठ लेन महाप्रकृष सँ प्रचेत छी ।
 एनय निष्काय कइ उ ब्रह्म उहि ठाम
 सँ चरनाह । कनका ब्रह्मक स्वप्नर
 मे ७ विचित्र परिवर्तन देखि
 हम विस्मय मे पड़न छनकै । उअनहि
 उ सर हमबा नग आरि प्रह्ला केननि ।
 उहि ठाम गच्छक जाहि पर एक र्था
 बानबबाज बैसन छनाह । कनका
 ब्रह्मक संग हम सेहो बानबबाज सँ
 प्रचनकै । हे विप्रवर हमबा प्रचना
 पर बानबबाज कहननि - हे अज्ञपा-
 न ब्रह्म । एहि विषय मे हम अहाँ के
 प्रबान चृङ्गनु सुनारैत छी । एहि
 सोमा मे बनक अन्दर जे प्रेष
 मन्दिर अछि उम्हर देखु । एहि
 मन्दिर मे शंकरजी सँ सापित

কখন একৰ্ণা শিৱ নিংগ-স্বৰ্চি ।
 পাহিনে এহি ঠাম স্বকৰ্মা নাম
 সঁ একৰ্ণা চুহ্মিমান মহামো
 বহেত চনাহ জে তপস্যা মে সন-
 গ্ন লঃ এহি মন্দিৰ মে উপাসনা
 কৰেত চনাহ । ও বন সঁ য়ন নোটি
 কঃ আ লাদিক জন সঁ পূজনীয়
 ভগৱান ঈকৰ কে স্মান কৰাকে
 ক্লনকৰ পূজা কৰেত চনাহ । এহি
 প্ৰকাৰে প্ৰৰাধনা কৰেত ওহি ঠাম
 স্বকৰ্মা বহেত চনাহ । কিছু সময়
 বাদ ক্লনকা নগ একৰ্ণা প্ৰতিথিক
 প্ৰাগমন লেগ । স্বকৰ্মা লোজনক
 নেন যন নঃ কেঁ প্ৰতিথি কেঁ
 অৰ্পণ কণনথিন আ কহনথিন-
 হে ৱিহ্ন, হম কেৱন তত্ত্বজানক
 জাছা সঁ ভগৱান ঈকৰক প্ৰৰাধ-

না কৰেত ছী। আজ এহি আৰা-
ধন্যক যন পৰিচকু লঃ হেৰাভেষ্টি
গেন কিংক তঃ অখন অহাঁ এহন
মহাপ্ৰক্ৰমক হেৰা পৰ অশ্ৰুগ্ৰহ ভেন
অছি।

স্বকৰ্মা জা মঞ্চৰ বচন স্নিতিপ্ৰমাণ-
ক ধনি মহামো অতিথি কেঁ বড় যুষ্টি
ভেননি। ও একৰ্থা জিনাখত পৰ
গীতকদোসৰ অশ্ৰুচয় নিম্ন দেনথিনা
চুফল কেঁ ওকৰ পাঠ আ অশ্ৰুস-
ক নেন আজ দৈত কহনথিন-হে
চুফল এহি সঁ অপানক আশ্ৰেণন
সঁ সম্বন্ধীত মানোৰথ অপনে আপ সনে
লঃ জায়ত। জা কহি ও চুফিমান তপস্বী
স্বকৰ্মকি সোম্য মে দেখেত দেখেত
অনুধনি লঃ গেনাহ। স্বকৰ্মা বিস্মিত
লঃ ক্ৰমকা আদেজ্ঞানুসাৰ নিবনুৰ

গাওঁ দোসৰ অধ্যায়ক অল্যাস
 কৰঃ নগনাহ । তদন্যনুৰ কিছু সমষ্ক
 পঞ্চাৰ অন্স কৰনা ধ্বংসঃ কুনকা
 আমেগানক প্ৰাপ্তি ভেননি । যেৰিও
 জতঃ - জতঃ গেনথিন ততঃ - ততঃক
 তপোৱন জানুঃ ভঃ গেন । ধীত-ঔঃ
 আ বাগ হ্বেষ সব বাঁধা হ্বে ভঃ গেন ।
 এতৰে নহি ওহি ঠাম লম প্যাসক
 কৰ্ণঃ আমে ভঃ গেন আ লয় মেহে
 সমাপ্ত ভঃ গেন । জা সব দোসৰ
 অধ্যায়ক জপ কৰঃবান্য স্বকৰ্মা
 ঙ্গাফলক তপস্যাক প্ৰত্যৰ সমজ্৷)

মিত্ৰবান কহনথিন - বানৰৰাজ
 কেঁ এনা কহনা পৰ প্ৰসন্নপূৰ্বক বঁকৰী
 আ বাঘ সংগ হম ওহি মন্দিৰ দিছা
 চনি গেনক্ৰ । ওহি ঠাম ধিনাখাঃপৰ
 নিখন গীতক দোসৰ অধ্যায় কেঁ
 হম তদখানক্ৰ আংহৰ পদনক্ৰ ।ংকাৰ

वेरि - वेरि पढेण सँ हम उपस्यक
 पारि पारि नेनङ्क तँ हे लद्रप्रकष
 अङ्क सेहो सदिखन गीतक दोसर
 अष्टायक पाठ कब । एना कबना
 पर मृजि अहाँ सँ ह्वर नहि बहत ।

श्री लगवान कहनथिन - प्रिये .
 मिरवानक अपदेछा पर देरछामर्षि
 कनका पूजन र प्रणाम कर प्रबन्ध
 पर दिछा छनि गेनाह । उहि ठाम
 कोना देवानथ मे पूरजि प्रामे-
 जानी महामो के पारि उत्र सर
 टुङानु कहनथिन । अप सरसँ पहिने
 कनके सँ गीतक दोसर अष्टाय
 के पढेथिन कनके उपदेछा सँ
 अङ्क अन्तः कबल यज स्वकर्षि सरदि
 अङ्क सँ दोसर अष्टायक पाठ कब
 नगनाह । तखन उ अन्वद पबमपद

কৈ প্ৰাপ্ত কৈনৰি ।



প্ৰবন্ধানন্দ নগৰ কৰ্মী

৫

গীতা মহামেড
(প্ৰেম প্ৰকাশ উত্তৰ খণ্ড)



তেসৰ অধ্যায়

শ্ৰী ভগৱান কহনখিন - প্ৰিয়ে .
জনস্মান মে জহ নাম সঁ একৰ্থা
চক্ষুৰ চনাহ . জে কৌশিক ৰঙা
মে উপেন্ন লৈন চনখি । ও অৰ্পন
জাতীয় ধৰ্ম চোড়ি কহ বনিযাক
কাম কৰে চনাহ । ও দোসৰ স্মীক

संग व्यलिचाब कबऱ क व्यसन मे
 प्रडि गेनाह । उ सदिकान ज्ञान
 खेनेत, क्षरार पीरेत आ शिकार
 कऱ जीरक हण्य करेते छनाह ।
 एहि प्रकार झनकर समय रीतेत
 छन । धन नष्ट भऱ गेना पर उ
 व्योपारक नेन सहर उडर दिझा
 छनि गेनाह । उहि ठाम सँ धन कमा
 कऱ घर दिझा छननाह । किछु हर
 छननाक बाद सर दिझा अन्हार
 भऱ गेन तहन एकथा गाछक नीछ
 बरथेबा सर घेरु दरा केँ प्रान
 नऱ नेनकेनु । झनकर धर्मिक नोप
 लेनाक कारणे उ लयानक प्रेत
 योनि मे जन्म नेनथि ।

झनकर पत्र रउ धर्मात्म्य आ
 वेदक विज्ञान छनाह । उ अखन धरि

পিতৃক নৌথক বাহু দেখেত চনাহ।
 জখন ও নহি এনখিন তহন জনকৰ
 পত্নী নগাৰহ নেন অ্বপনে সেহো
 ঘৰ চোড়ি চনি দেখাহ। ও সব দিন
 জনকৰ খোজ কৰেত চনখিন মূদা
 বাহুগীৰ সঁ প্ৰচনা পৰ সেহো কোনে
 সমাচাৰ নহি মিনেত চননি। তদন্তৰ
 এক দিন একথা বাহুগীৰ সঁ জনকা
 ভেৰে ভেননি জে জনকৰ পিতৃজীক
 সহায়ক চনাহ। জনকা সঁ সব জান
 জানি পিতৃক মৃত্যু পৰ ব্ৰখ ভেননি।
 ও চুফিমান চনাহ। কিছু দেৰি সোটি
 বিচাৰি কেঁ পিতৃক পাবনৌকিক
 কৰ্ম কৰবাক জাছা সঁ সব আৰম্ভকে
 সামগ্ৰী নহ কে ও কাৰ্মী জয়বাক
 বিচাৰ কেননি। বাৰ্থ মে ককেত
 সাত আঠ দিন চননাক বাদ নৰম
 নি ...

।दन ३।१ गण्ड नग पकूटनाह जा।१
 ठाम इनकर प्रिताजी मारन गेन
 छनाह। उहि ठाम उ सन्ध्यापसव
 कः गीतक तेसर अघ्यायक पाठ
 केनथिन। तखनहि आकाश मे
 लयंकर आवाज भेल। उ अपन प्रिताजी
 केँ लयंकर आकाश मे देखनथिन।
 येरि उबतहि अपन सामने आकाश
 मे एकटा नीक विमान सेहो
 देखनथिन जे तेज सँ च्यपु छन।
 तहि मे कतेको घडी नागत छन।
 विमानक तेज सँ सर दिङ्ग आनोकित
 लः बहन छन जे दृश्य देखि इनकर
 टिक च्यगुअ हब लः गेन। उ विमान
 पर अपन प्रिताजी केँ दि.च्य रूप
 मे बैसन देखनथिन। इनका धरि
 पर पीताम्वर घोलायमन छन आ
 मनि नोकनि इनकर सति कः बहन

ছননি। কুনকা দেখি পুত্ৰ প্ৰশাম
কেনথিন। তহন পিতাজী সেহো
কুনকা আৰ্জীবাৰদ দেনথিন।

তকৰ ৰাদ ও পিতাজী সঁ সৰ
ৰাত প্ৰচনথিন। তহন কুনকৰ
পিতাজী সৰ ৰাত এনা কহনথিন-
বোঁধা. দৈৱৰক্ষ হমৰা নগ গীতক
তেসৰ অধ্যায়ক পাৰ্ঠকঃ অহাঁ
হমৰা সঁ কখন গেন ব্ৰহ্মজ কৰ্মক
বঁফন সঁ চোতা দেনকঁ। আৰ অহাঁ
ঘৰ জাও কিওক তঃ জাহিনেন অহাঁ
কাৰ্জী জয়ত ছনকঁ ও প্ৰযোজন
নীতক তেসৰ অধ্যায়ক পাৰ্ঠ সঁ সিহ
ভঃ গেন অৰ্ছি। পিতাজীক এনা কহনা
পৰ পুত্ৰ প্ৰচনথিন - তত. অহাঁ হমৰা
হিতক উপদেহা দিস্ব আ কোনো কাম
জে হমৰা নেন হোয়ত সে ৰজাও। তহন

प्रिजाजी कहनथिन-अनघ,अहाँ
 जणह काम येरि करव । हम जे कर्म
 कवनहुँ अछि रणह कर्म हमर लग्ना
 सेहो केने छनाह । उ घोष नरक मे
 पड़न छथि । कनकर उहाब सेहो
 अहाँ केँ करवाक चाही आ अपन्या
 लनक आउब जतेक लोकनि नरक
 मे पड़न छथि कनका सर केँ उहाब
 अहाँ सँ ल३ जेवाक चाही जणह हमर
 मनोरथ अछि । बेथा जाहि साधन
 सँ अहाँ हमरा संकष्ट सँ छोड़नहुँअछि
 ओकरे अनुष्ठान दोसरबक नेन करनाज
 उचित अछि । ओकरे अनुष्ठान क३ अहाँ
 अर्जित फल्य केँ नारकी जीव केँ
 संकल्प क३ के द३ दिउ । जाहि सँ
 समसु पूर्वज हमरा जकाँ यातना सँ
 मुज ल३ कम समय मे धी रिशुक प्रब

পদপায় নেতাহ ।

পিতাজীক জা সঁদেছা স্ননি পুত্র
 कहनथिन - तत जो एहन बात अछि
 आ अपनैक ज़ाछा अछि तऽ हम समसु
 न्नाबकी जीर केँ बरक सँ 'इश्कार कऽ
 देर । ज़ा सनि कूनकर पितोजीकहनथिन
 बैथा एरमसु, अहाँक कन्याण हो। हमर
 अन्तनु प्रिय काम सम्पन्न तऽ गेन ।
 एहि प्रकारे पुत्र केँ आश्यासन दऽ कूनकर
 पितोजी लगवान रिक्कूक परमधाम
 छनि गेनाह । तप्रेकछा ७ सेहो
 नोथि केँ घर आवि गेनाह । उकर
 बाद परम सुन्दर लगवान श्री कंक
 मन्दिर मे कूनका सोमा मे बैसि
 पितोजीक आदेखानुसार गीतक
 तेसर अध्यायक पाठ करऽ नगनाह
 न्नाबकी जीरक 'इश्कार केँ नैन गीत
 जनित घर पला एग संकल्प कऽ

के कनका दइ देनथिन ।

एहि रीँट लगवान रिक्कूक छुट
यातना लागइवाना नाबकी जीर
केँ छोड़वइक नेन यमराज नग
गेनथिन । यमराज कतेको प्रकार
सँ सकोर कइ कनकर पूजन केनथिन
अण लक्षणधेम प्रचनथिन । उकहननि
धर्मराज हमरा नेन सर दिइसँ अण-
न्दहि अणनन्द अछि । एहि प्रकार सकोर
कइ पिठनोकक सम्राथ परम चूडिमान
यमराज रिक्कूछुट सँ यमनोक अरइक
कारण प्रचनथिन ।

उहन रिक्कूछुट कहननि - यमराज ,
क्षेत्रध्या पर विराजमान लगवान
रिक्कू हमरा नोकनि केँ अहाँ नग किछु
सन्देश देवाक नेन लेजनिथि अछि ।
लगवान हमरा नोकनि के अहाँ सँ

লাজান্বেম প্ৰচলনি অ্ৰি প্ৰা প্ৰাণ
 দেনেত অ্ৰি জে বৰক মে প্ৰহৰসমসু
 প্ৰাণী কেঁ ছোহি দেন জাও ।

অমিততেজস্বী ভগৱান বিষ্ণু
 প্ৰাদেহ স্বনি মাথ সূকা কঃ স্বীকাৰ
 কেনথিন অ্ৰ মনে মন কিচ্ছসোচন-
 থিন । তপ্ৰেচ্ছা মদোন্মত্ত নাৰকী
 জীৱ কেঁ বৰক সঁ মূজ দেখি ক্ৰনকা
 সঁগ ভগৱান বিষ্ণুক বাস সুান চনি
 গেনাহ । যমৰাজ সেহে জেষ্ঠ বিমান
 সঁ স্বীৰসাগৰ প্ৰক্ৰচনাহ । ক্ৰনকা
 লীতৰ কোষ্ঠি-কোষ্ঠি স্বৰজ সন
 কান্তিমান নীত কমত দন সন
 জ্যাম সুন্দৰ নোকনাথ জগদ্ধৰু শ্ৰী
 হৰিক দৰ্শন কেননি । ভগৱানক
 তেজ, ক্ৰনকৰ জাথ বনন জেষ্ঠনাগক
 মনক মালিকক প্ৰকাছ সঁ দুগ্ৰনা

छन । उअनन्दयज दोअ पडेउ छनाह ।
 कनकर हृदय प्रसन्नता सँ परिसूर्ण छन ।
 लगवती नअमी अपन सबन चित्रन सँ
 प्रेमपूर्वक कनका बैरि-बैरि निहारि
 बहन छनीह । चाककात योगी नो-
 कनि लगवानक सेवा मे ठाढ छनथि
 तहि योगी नोकनिकक अँधिक
 तब ध्यानसू लेनाक काबलेनि-
 छन प्रतीत त्रि बहन छन । देरबाज
 अन्द्र अपन रिषोधी केँ परासुकबरक
 उद्देश्य सँ लगवानक सुति कइ बहन
 छनाह । उँकाजीक मुख सँ निकलन
 वेदानुवाक मूर्तिमान त्रि लगवानक
 अलगान कइ बहन छनाह । लगवान
 पूर्णतः अनुष्ठ लेनाक संगहि संग
 समसु योनी दिहा सँ उदासीनप्रतीत
 होयत छनाह । समसु जीव मे सँ जे
 जीव तपन तपन कइ योगी बनत

সাঁচয় কেনে চনাহ কুনকা সবকৈ
 ংকহি সগ নিহাৰি বহন চনাহ। ভগবান
 অখন স্বৰূপ লভ অখিন চৰাচৰ জগত
 কৈ আনন্দপূৰ্ণ চক্ষি সাঁ আমোদিত
 কঃ বহন চনাহ । জ্ঞেয়নাগক প্ৰভা
 সাঁ হুদ্ৰাসিত আ সৰ্ব্ব চ্যাপক দিচ
 বিগ্ৰহ ধাৰণ কেনে নীতকমন সচক্ষ
 জ্ঞামৰূপ ধী হৰি বহন জানি পচে
 চন জে মানু চাঁদনী সাঁ ঘিৰন নত
 স্বপ্নোতিত ভঃ বহন অছি । এহি প্ৰকাৰ
 ভগবান কৈ আঁকি যমৰাজ অখন
 বিজ্ঞান চক্ষি সাঁ কুনকৰ সৃতি কবঃ
 নগনাহ।

যমৰাজ কহনখিন - সমসু
 জগতক নিৰ্মাতা পৰমেষ্ৱৰ অখনেক
 অনুকৰণ নিৰ্মন অছি। অখনেক মুখ
 সাঁ বেদক প্ৰাঙ্গলৰি ভেদ অছি। অঁহী

रिद्धिकरुप आ एकर रिधायक रुद्ररुप
 छी । अपनैक नमन अछि । अपनना
 बँन आ बेग सँ जे इर्ष्य प्रतीत होयत
 अछि । एहन दानवेन्द्रक अलिमान
 छर करइवाना लगवान रिद्धि केँ नमन
 अछि । पानन करैत खन सङ्गमर धारी
 धारी रिद्धिक आधाबन्धत सर्वछोपी
 छी हबि केँ नमन अछि । समसुदेष्ट्या-
 बी लोकनिकक पातक बाधि केँ इर
 करइवाना परमामेण केँ नमन अछि ।
 जिनका ननार्थवर्ज आँशिथोके
 अूनना पर आगिक नपथ निकनइ
 नगेत अछि । ताहि रुद्ररुप धारी
 अपनैक परमेष्ठुर केँ नमन अछि ।
 अहाँ समसु रिद्धिक गुरु आमोण आ
 महेश्वर छी । सर बैकर नोकनि केँ
 संकष्ट सँ मुजकइ कनका पर अन्नग्रह

কৰেত ছা অহা মায়া সঁ যেনন অৰ্থন
 বিশ্ব মে .চ্যাপ্ত লেনাক বারজ্বদ কখনক
 মায়া ব ওহি সঁ উপজন গুল সঁমোহিত
 নহি হোযত ছী । মায়া অমাযাজবিত
 গুলক মধ্য স্থিত লেনাক বারজ্বদ
 অহাঁ পৰ ওকৰ কোনো প্ৰলয় নহি
 পঠেত অছি । অপনেক মহিমা ক শ্ৰু
 নহি অছি কিংক তঃ অহাঁ অসীম ছী
 তহন অহাঁ বাণীক বিষয় কোনা
 তঃ সকেত ছী । হমৰ মৌন বহন
 উচিত অছি ।

এনা স্তুতি কঃ যমৰাজ কৰ
 জোহি কহনথিন - জগদ্বক, অপনেক
 অাদেহা সঁ হিনকা সব কেঁ গুল
 বহিত লেনাক বারজ্বদ হম ছোহি
 দেনকঁ অছি । অার হমৰা যোগ্য জে
 কাম অছি সে বতঃ । কনকা এনা
 কহন পৰ লনমন মাখ্যাদন গাৰা

सन् गङ्गीर बाली सँ मान्य अमृत
 बस सीचेत कहनथिन- धर्मराज ।
 अहाँ सरहक प्रति समान लार
 बाखेत नोक केँ प्राप्प सँ 'इहार
 कइ रहन छी । अहाँ पर देहधारीक
 लार बाधि हम निश्चिन्त छी । अहाँ
 अपन काम कर अण अपनय नोक
 चनि जाइ ।

जा कहि लगवान अनुष्ठान लऽ
 गेनाह । यमराज सेहो अपनयनोक
 चनि गेनाह । उच्छ्रम अपन जाति
 अण सर नारकी जीव केँ नरक
 सँ 'इहार कइ अपने सेहो श्रेष्ठ
 रिमान सँ श्री विष्णुधाम चनि गेनाह

— ० —

परमानन्द नारायण

२.२.कृमान मनाज कथय-छाउल निशानी



कृमान मनाज कथय

१ टा लघुकथा

छाउल निशानी

चंगल-चोकती सूझाक गेहू क शीशा गाछक धाधि सऽ गाकि कऽ निकाललक आ रेंया ठाकना आँजन म यूलकिग ठा नामाँचिग द्वाळीग घन लऽ अनलाद। अखन ठाकना याँरखा नदिं रल छलौ घनक सरु लाकक यनिचर्या आ ब्रह्म रटले गऽ गेहू सऽ यूध सूझा म विकसिग द्वा म काना वसी समय नदिं लगलौ ठाकना लल द्वाट सऽ नवका यिंजऽ अलौ आ अक दिन ठाकना उदि म वन्न कऽ दल गेलौ ज ठा उँउ कऽ यऽ न जाँ ठा सूझा लाकक आवाजक नीक नकल कनेग किछु खिन्नी गीगा क

अक-दू याँगी सहा सीख ललका आव सरक आकार्षध आ चर्चा क
निषय छल आ सञ्ज्ञा।

रैया उच्च शिक्षा खागिन विदध कि (गलाह; आगदि क रऽ कऽ नदि
(गलाह) क्रमशह गाम-घनक अवनजाग कम रल; रून भावाळील
यन सहा हाल-चाल क क्रम घटेग (गला अश्न आ सञ्ज्ञा
अकवन यिंजऽ सऽ निकलि कऽ यउवाक प्रयास गऽ कलक मूदा दू यल
नीमक जानि यन वैसे नदिं जानि की साचलक कि यूनऽ आसाना यन
आवि कऽ वैसे (गला गकना वाद आ यिंजऽ म कहिया नदिं वल
केल (गला अदिना घन-वाहन रूदकेग नहेग अछि। आन खन आ
काहू नहे मूदा माय क गङ्गन निये काल आ गुलसी चौग लग
यूजा काल इनक लऽग नहेग अछि।

माय क संघष अ रैया नदिं सही इनकन छाऽल निशानी गऽ संग
छनि।

-कृमान मनाज कथय, सम्प्रगि: रानग सनकान क उय-
सचिव, संयर्क: सी-11, रावन-4, राळय-5, किदवळी नगन युर्व
(दिल्ली हाट क सामन), नळी दिल्ली-110023 मा. 9810811850
/ 8178216239 वळी-मल : writetokmanoj@gmail.com

अयन मंगद्य editorial.staff.videha@gmail.com यन यऽआ

२.३. आचार्य नामानन्द मधुल-हिंदू धर्म आ हिंदू विनाथ/ प्रम क जीव



आचार्य नामानंद मंजल

हिंदू धर्म आ हिंदू विनाध/ धर्म क जीग

१

हिंदू धर्म आ हिंदू विनाध

वर्तमान रानग क चानटा नाम ह्य -आर्यावर्ग, हिब्रूफान, ँँतिया आ रानग। गहिना वर्तमान हिंदू धर्म क चान टा नाम ह्य -आर्य धर्म, ब्राह्मण धर्म, सनागन धर्म आ हिंदू धर्म । समय यानी कि काल यनिवर्गनशील हया ग ऊना रानग क नाम वदलोग नह्लेय गहिना धर्मा क नाम वदलोग नह्लेया आँँ कालि सवस झादा चर्वा - यनिचर्वा हिंदू आ हिंदू धर्म यन ह्य नह्ल हया हिंदू धर्म क विनाध झादा हिंदूय क नह्ल हया खास क ऊ हिंदू धर्म म (शाषिग आ दमिग वर्ग हया हिंदू धर्म मं ऊ वर्धद्यवस्था वा वर्धध्रम धर्म ह्य दाँँस लाग नानाग हया आँँ कालि संग गुलसीदास नचिग नामचनिगमानस यन झादा वाद -विवाद ह्य नह्ल हया नामचनिगमानस मं कूळ जागि क अंधम आ नीच वगायल गेल हया ग उ वर्ग झादा आक्रामक हया वा लाजिमीया हया जेँँ वर्ग क गुहगान वा महिमा मीतिग केल गेल ह्य वा वाकना यऊ म हया वाकन कहना ह्य कि नामचनिगमानस मं सर जागि क समरात्र सं दखल गेल हया ऊना भवनी क ऊँँ वेन खाय क वाग ग कवरट क दाफी। गँँ वाग अड्डा न लगेय हया भवनी ग रूक हया दासी ह्य यामन हया नीच जागि क ह्य ऊ भवनी स्रयं

स्त्रीकान कनेय ह्या एला अव अळ्ळ य्ग म शवनी क जागि क काळ्ळी काह मान्ग कवट मल्लाह अयन दास नाम क (धा क यीयेग नहा कि आळ्ळ क य्ग म काळ्ळी दास क (धा क यीयगा वाह म दास मं दासना ह्यळ्ळ ह्या वनावनी मान कि समानगा क राव। यनंगु कवट आ नाम क राव दास आ प्रगु मालिक क राव ह्या ग कवट वंशी वा काळ्ळी काह मान्ग।ळ्ळ सर विनाध आळ्ळ न अगीग मया महाग्ना क्ख,संग कवीन,संग नैदास, महाग्ना रूल,संग यनियान आ वावा साहव रीमनाव अष्टकन कोल नहलना।

संग कवीन आ संग नैदास ग नाम क मानेग नहला। यनंगु संग गुलसीदास क अथाथावासी नाम क न वनन् घटघट वासी नाम क मानेग नहलना। मान कि संग कवीन आ संग नैदास निर्गुध नाम क ग संग गुलसीदास सगुध नाम का। निर्गुध नाम वर्धनहिंग ग सगुध नाम वर्धशिगा।

वर्तमान समय म ऊ असल विवाद ह्य वा जागीय सामाजिक विषमगा क लक हे न कि धार्मिकगा क लका। राग क सविधान जागीय विषमगा यन नाक लगवेय ग काना धर्म क मान क स्थापगा दळ्ळ। राग क लाग क राग क सविधान म अयन विवाद क समाधान मिलगा।

२

प्रम क जीग

अगा गांव मं यूवगी मैथिली आ यूवक नान क घन न्हऱ। मैथिली दखं मं खूव सून्न न्हऱ। गहीट अँव क कद न्हऱ। दूधिया नंग, नागीन सन कश, चान सन् मुखना, विलनी सन आंखि, कना क थर सन जांघ, शननी संन कमन, अप्रचूटिंग कमल सन उनाज, आम क नयका ललका याग सन येन, दूधनी जैसन चलनाळी आ कायल जैसन वाली। ऊ दख स दखग न्ह जाया लाग कह कि रगतान रूनसग क समय मं मैथिली क वनेल दऱ।

मैथिली क वाय मैथिल लट(गना क दकान कोले न्हऱ। वा रांग यीस क री वचेग न्हऱ।

गहिना नान गहीट अँव क वांका जमाना सांक्ला नंग, उँठिया काला कश, नाजीव सन नयन, दलका माछ, सिंह जैसन छगी। काना यूवगी क आकर्षिग कन, लल समथी नान सम्यन्न किसान क वटा न्हऱ। नान करी करी सोख मं रांग री खाया न्हऱ।

अकटा दिन नान रांग खनीद क लल मैथिल क दूकान यन गला। यनं व दकान यन मैथिल क वदल वाकन वटी मैथिली वेँल न्हऱ। मैथिली वालक “वावू जी अक गहिना क लल वाहन गल छथिन । गेला दम वेँल छी। वाला गाना की चाही। नान कहलक-दम थाग सा रांग लवा सोकिया करी करी खा लळ छी। मैथिली रांग नान क द दलका नान री दाम ०२ नूयया द दलका।

अव नान आज रांग खनीद आव लागला। वाकना मन मं मैथिली स प्रम हाय लागला। रांग आ दाम क लन दन मं दूनू क हाथक छूअन

स प्रमक गनंग एक दासन क हृदय स प्रवाहिन हय लागल। कृष्
ही दिन मं प्रम अयन नंग दिखाव लागल। अयन हाल नान अयन
खास दास स वोलक । दास-गू मेथिली क लक राग जा। गू अयन
नयाल क कूट्रं वळ्हां चल जा। मेथिली क वाय मेथिल गाना न छाउ
गा।

ळ सर वाग नान मेथिली क वोलका। मेथिली वालल-अंहा क हम
प्रम कने छी। आळ्ळ हम दूनु (गान घन छाउ दू अंहा जंहा ल
चलन, हम चल लल गेयान छी।

हम दूनु (गान मदिन मं भादी क लन।

दा प्रमी मेथिली आ नान जनकयून क मदिन मं यहूव (गला रगवान
आ यजानी क सामन नान मेथिली क मांग मं सिंदून रन दलका
अव नान मेथिली क स्यामी आ मेथिली नान क स्यामिनी वन (गला

नान आव मेथिली क लक अयन कूट्रं व क ँंहा हनिओन (नयाल)चल
(गला यहागी जगह यन मेथिली आ नान क खूव मन ला(गो।
यहाउ यन घूमा कहिया नदी मं नहाय ग कहिया मनना मं
नहाया घंटा यहाउ यन वे0 क प्रम क वाग कना उम्कू नागावनध
मं उम्कू थान कना अळ्ळ वीच मं मेथिली गरुवगी र (गला उ(गो
सूदन लेळ्का क जनम दलका दूनु (गान मिलक नाम नखलक
अंगनाज।

मैथिली क वाय अदालग मं अयहनध क कस क दलका लकिन मैथिली आ नान लायगा नहा साल रन वाद नान आ मैथिली नवजाग भिषु अंगनाज संग अदालग मं हाजिन रलना मैथिली अदालग मं कहलन-जज सारुवा हम आ हमन स्यामी नान वालिग छी। हम दूनु गान अक दासन क प्रम कने छी। हम दूनु गान यून दाश द्वास मं मंदिन मं शदी क लेल छी। हमना दूनु गान क अ नवजाग भिषु हेया हम दूनु गान आव जीयव मनव साथ साथ।

जज सारुव-अहा दूनु गान नान आ मैथिली क विआह कानूनी न्यु स जायज हउ।

नान, मैथिली आ अग्रन वच्चा क लक घन आ गला नान क माँ अयना वहु वटा क आनी उगान लेना यागा सहिग घन मं शुरु प्रवश कनेलना आँ मैथिली क वाय मैथिल री खुश हउ। मैथिल कहे छथिन-वालिंग वटा-वटी क प्रम मं माँ वाय क वाधा न वने क चाही। आँ मैथिली क यनिवान आ नान क यनिवान खुश आ खुशहाल हउ। प्रम क जीग र गला।

-आचार्य नामानंद मंउल सामाजिक चिंक सीगामठी, सत्रानिवृत्त प्रधानाध्यायक, मागा-वड्ड दत्री, यिगा-सन्नानाजधन मंउल, यत्री-प्रमिला दत्री, जन्म तिथि-०१ जनवरी १९६० याथगा- अम-अससी (नसायन शास्त्र), अम अ (द्विबी)। नूचि- साहित्यिक, मैथिली-द्विबी कविगा - कहानी लेखन आ आलखा प्रकाशिन याथी - मैथिली कविगा संग्रह रासा क न वॉटिया। २०२२ प्रकाशिन नचना - समिया कविगा

संश्रद्ध याथी - जनक नैदिनी जानकी आ (शौर्य गाना २०२२ यप्रिका
-मिथिला समाज, घन -वाहन आ अयूर्वा (मेसाम)। अखवान -दैनिक
मैथिल ग्रनर्जागनध प्रकाश। सामाजिक-सामाजिक विंगन, दायिद्व- पूर्व
जिला प्रगिनिधि, प्राथमिक शिऊक संघ, रूमना, सीगामठी। स्थायी यद्दा-
ग्राम-यियना विशनयून थाना-यनिहान जिला-सीगामठी। वर्गमान यगा-
यियना सदन, मूनलियाचक वाँ-०४ सीगामठी यासु-चकमहिला जिला-
सीगामठी नाय-विहान यिन-८४३३०२ मा नं-९९७३६४१०७५ ईमेल-
ramanandmandal001@gmail.com

उ

नवनायन

अयन

मंग्य editorial.staff.vidaha@gmail.com यन य०१३

२.४. आशीष अनविज्ञान-गीनू कथा- सयना आ त्रम, घन, कारुल कथा



आशीष अनविज्ञान-संयर्क-8876162759

गीनू कथा- सयना आ त्रम, घन, कारुल कथा

(मैथिली कथाम ह्मन यागदान अणव अछि जगक कि नमानाथ साडीक यागदान मैथिली गजलम छनि। अखन धनि कुल मिला कऽ ह्मन गीन (गाट कथा प्रकाशित रल अछि ऊ कि निरिख माध्मसँ प्रकाशित रल अछि। अदि०म ह्म गीनू कथाकँ अकटा दऽ नहल

छी जाहिसँ या०ककँ सद्दूलियग रहनि आ संग-संग विदहक
याटक सह अकना यठि सकथि- आशीष अनचिहान)

१

सयना आ उम

घटनासँ यूँक गथ :

सयना देखेग लाक सावधान रऽ जाउ। वउ दिन धनि अहाँ सर
सयना देखलहुँ, किछु दिन विन् मयन देखन नहु।

"की कहलहुँ? सयना देखवाक हिसक लागि गेल अछि हमना
सरकौं हँ स ग सफ कहलहुँ- अहाँ, आ स हमहुँ वूमि नहल
छी। "

"रुन की कहलहुँ। सयना देखव आवथक छेक जिनगीक लला ॐ
क कहलक अहाँकँ? वस मानलहुँ हम उ सयना देखव आवथक
छेक, मूदा कनक ॐ अहाँ रुनिछाउ-उ की कवल सयन देखव
आवथक छेक आकन क्रियान्धन किछु नहि। "

"की रल ओ, चूथ छी किअक किछु वाइ ना "

"आह वृमाळग अछि उ रुन अहाँ सर सूगि नहलहुँ घान निन्नम
सयना देखवाक लल, खाली आ खाली सयना देखवाक लला। "

सूाव अक नंगक गथ रला। सयना देखव दासन नंगक आ सयना
दखि आकना क्रियान्धन कनव गसन नंगक गथ रला। मूदा ॐ

गोनू एक दासनसँ संवीधन अछि प्रजापंक नगा जकाँ। अह कती महुँक जँ काना कती टूटि (गल गँ सरटा खल खगम आ येसा हजम ।

"आ त्रम की छेका "

"अच्चा, अच्चा उठि (गलहुँ की ?"

"हँ कनक आँखि लागि (गल छल"

"हँ स गँ लगव कनक हिसक अछि ना मूदा हम अहि प्रसंगकँ छति अहाँक प्रश्नयन आवी स उफमा उना अहाँक प्रश्नक उफन जाक काठिन गव सनला आव अहाँ रूी उदाहनध नहि दव ज संसान त्रम थिका रूी गथ हमना वृषल अछि। मूदा अहि वार जाअव हमना अरीष्ट नहि। "

"हँ गँ अहाँ हमनासँ की प्रकृतन छलहुँ, रूँअह न ज त्रम की थिका अच्चा अकटा गथ कहूँ, अहाँ सर ग निश्चिन नूयँ मेथिली साहित्यक प्रमी हएवा हएव कनवा जकना यावि कऽ अनन यूनयान ठा सम्मान रटेग ह। ठाकनासँ प्रम नहि कनक गँ कनवेक ककनासाँ हँ गँ जखन अहाँ लाकनि साहित्यक प्रमी छी गँ किछ न किछ कहवी जनिग हएवेका आव अहाँ सर मान-मान

कहव ज रूँह काना प्रकृवाक गथ छेका मूदा हम जनेग छिअक ज गथ छेका आव जखन गथ कहवीयन अलेक अछि गखन अहाँ सरकँ गँ अकटा कहवी मान हएग न उी? कान, जनेग छियेक ? वअह

जाहिम कहल गेल छेक ज अयन सूल छी आ विआह दहल्ल
अछि। " आव अहाँ सर किछ-किछ वूमल लागल दहल्लेका

"की कहलहुँ, अखना धनि नहि वूमलिअल्ल। ठीक छेक गखन हमना
दासना कहवी कहल यग। "

"जना"

"जना की उा कहवी छेक-अयन नहाल्ल छी आ कीदन दहाल्ल
अछि। " आवा वूमलिअल्ल यो? की वजलहुँ, अखना धनि वूमलल ली
गया अने वाय ने वाया आव हम काना वूमलव अहाँ सरकाँ
अच्छा, काना गय नहि, अहि वन हम गनहम विद्याक प्रयाग क
नहल छी। "

"अर्थीग। "

"अर्थीग ज आव हम साम-साम गयकँ खलि कऽ कहवा। "

"कहू"

"हुँ, सनल जाग। मनुख जा धनि सयना देखेग अछि गा धनि गँ
ठीक आ आवथका छेक, मूदा जहाँसँ मनुख सयनाम क्रियाबिग काज
क वार्षिक जीवनम सफ वूमि लेग छथिह उही ठामसँ ग्रम शुनु
रल जाल्ल छेका। अकन जँ दासन गनहुँ अना कही ज-सयना देखव
जनुनी छेक मूदा सयनाम रल काज क वार्षिक जीवनम विन् हाथ-
यअन अलन सफ मानव ग्रम थिका। आव गँ वूमल गेल दहल्लेक
ज सयना कि थिक आ ग्रम की। "

"आवा वूमलिअळ्ळ ओ"

"की रल ओ"

"आह रुन सूगि नहलिअळ्ळ की ? जाउ, सू ग। "

घटनाक गथ :

यूनवा वहे

मडून कटे निन्न नदि अवे

कनियाँ मान यउे...

उयसँ मधून गीग वदान र नहल छल आ अहन वावू साहव अयन मिप्र दिलीयकँ नागुक सयनाक संवंधम सूना नहल छलाह। वावू साहव दिलीय क कहलखिह- "वूमलरु नागुक सयनाम गाँ ह्मनासँ प्रक्षयन प्रक्ष कनेग चल (गलरु आ ह्म जवावयन जवाव देग। "

दिलीय अविश्वासक रात्रसँ साहव दिस गकलक आ य्छि दलके- "कहक गँ ज ह्म गानासँ की-की य्छलिअह आ गा ह्मना की-की जवाव दलह। वावू साहव जाँघयन हाथ मानेग वजलाह- "अही०म गँ मानि खा (गलरुँ) अखन धनि मान नदि यल अछि। रात्रसँ मान याँ नहल छी। दिलीय हँसि दलथि। वावू साहव थाउक नृह हाळ्ळग य्छलिखिह-की विश्वास नदि हाळ्ळग छह ? दिलीय पूर्वता रात्रसँ उफन दलखिह "सयनां सर काना विश्वास कनवाक वरु हाळ्ळग छेक। प्रथक दिन-नागिम प्रथक मन्थ नदि जानि कगक सयना दखेग

होका क गनी नाखा हँ ऊँ आ वास्तविक जीवनम सफ हूँ
 गखन न आकना सफ मानल जाय " वावू साहवक मूँह अथन सन
 रूँ (गलाह, मदा कनकव दन धनि किछ दन घनि आ किछ
 विचाना दिलीयसँ जिझासा कलखिह अच्चा मीग अकटा गथ कहूँ
 ऊ वरू सच का आकन छाँह?

आ दिलीय अकवका (गलाह अनचाकम अहन प्रश्न सूनि कऽ। किछ
 न रूँलखि उफनमा सावम ठूवि (गलाह। मदा कनक दन धनि, किछ
 न किछ ग उफन दवह यगनि। किछ विचाने आ गंरीन सनम
 वजलाह-"दूनु सफा "

वावू साहव रूँन यछलखिह "काना"

दिलीय रूँनखिह कहलखिह- "रूँ गथ गँ निश्चि क्लेक ऊ वरू सच
 थिक आ वरूअसँ ग छाँह दारूँ क्लेक, गँ वरूक संग-संग छाँह
 सफा "

वस आव की छल वावू साहव खूँ दारूँ यछि दलखिह "अच्चा
 मदा रूँ कहह ऊ वरू सफ क्लेक गँ आकनासँ उगल छाँह सल
 सफ रूँ (गला मदा गान कथनानूसान सयना रूसि आ आकन
 सकान नूय सफ, अहन दाहना रात्र किअक जखन की मूल प्रश्न अके
 क्लेक। अना वरू आ आकन छाँह अक दासनसँ संवधिा क्लेक गनाहिा
 संयना आ आकन सकान नूय अक दासनसँ संवधिा क्लेक। " दिलीययन
 रूँ दासन वन वजान खसलेह। आ विन् ययनी खसन वावू साहव
 दिस दखूँ लगलाह आ वावू साहव दिलीयक आँखिमा

घटनाक यष्ठागिक गथ :

अहि कथाम न किछु सान छेक न नस स हम मानेग छी। मूदा कनक काल लल हम अथवा अहीं ऊँ दिलीय रु५ जाळूँ गँ वावू साहव क रहगार ? क आखिम उ०। सकोग छथि वावू साहव

वनवाक लल ? ली प्रश्न जगव अनिर्धार्यक छल गगव अखना अछि आ आँगा नरुग की नहि नरुग स हम नहि कहि सकी, कानध हम काना रनिधनका नहि छी।

मूदा प्रश्न गँ सामाम ०।७ अछि। ऊँ ब्यक्ति ककना एक यज क सफ मानेग छथिह ग उाकन दासन यज क रूसि किअक ? अखन की दूनू यज एक दासनसँ संबंधिग छेका अनिराशक छेका प्रश्न गँ उ०व कनगेक, आखिन किनका लल ब्रह्म किअक सफ आ माया किअक रूसि ? प्रश्न वरुग नास आवि सकोग अछि। व० जानसँ नाकलाक यष्ठागिठा। आ ऊँ मायाकँ सफ मानग छथिह स ब्रह्मकँ रूसि किअक ?

प्रश्नक काज छेक वटनाळ वरुव कनगेक, खाली हम अहाँ एक दासनक मूँह दखेग नरुवेका अच्चा ली कहुँ ऊँ-प्रकृगिक उद्दीयन सफ की आग्नाक द्रव्य सफ की ल्छिद्यक दमन सफ। सफ की छेका।

प्रश्न वरुल जा नरुल अछि।

नाम सफ की नावध ? कडा कहराह नाम कडा नावध। मूदा की नामक विन् नावधक आ नावधक विन् नामक अस्मिन्न संख्य छेका। ली प्रश्न सरु रूणकालक थिक स अहाँ कहि सकोग छिये संगहि-

संग अहाँ हमना रूजितीक उयमा सह द७ दव, गँळ आव हम वर्तमान कालम प्रवेश कनव।

आव अहीं कदू ज अहि मंसँ सफ की छेक अमनिकाक दादागिनी, याकिरानक आगंकादी, वनानक सारिमान, चीनक कूरनीगि की रानगक शक्ति सफ की छेक अहिमसँ। अहाँ कदव कनव ज अमनिकाक दादागिनी आ याकिरानक आगंकादी दूसि आ रानगक शक्ति सफ। मूदा वी रानना रन अहाँक दश-प्रमक यनिचायक हूअ७। मूदा अकना निनयज नहि कदल जा सकै७। अंग११ शक्ति की छे। आगं अवं दादागिनीक दमनक यक्ष्ण ज आनंद व्सावंग छेक अकन नाम हम अहाँ शक्ति दन छिये ना आव अहीं सर सचिओ कनक ज ऊँ आगं नहि हगेक गँ शक्तिक उग्र हगेक कगअसँ आ ऊँ कहींसँ उग्र रळूअ (गलेक गँ, हगेक ककना लल। गँळ आगंका सफ आ शक्तिया सफ।

"अयनक कहक अरियाय?"

"अच्चा उओ गलहँ। वउ दनक यच्छागि निन्न टूरल अहाँक?"

"हँ, रून कनक आँखि लागि गल छल।"

"अच्चा "

"हँ ग हम अयनक अरियाय यच्छेग छलहँ"

"अरियाय? हँ गँ हमन कहक अरियाय ज संसानम सर सफ थिक"

"अच्छा मानू ज सर सफ थिक गँ रूसि की थिका की यृथ्वी रूसि
निदीन अछि"

"नदि-नदि, बूढ़ा कहव निनयऊ नदि दूग ज यृथ्वीनिदीन अछि"

"अँउ की वजलहँ, अखन कहैग छलिये ज यृथ्वीयन सर सफ अछि
आ अखन कहलिअबू ज यृथ्वी रूसिनिदीन नदि छेका अना
द्रविपायन किअक?"

"सनकान बूी द्रविपायन नदि थिका हम ज यद्विन कहलहँ सहा
सफ आ अखन ज कहलहँ सहा सफ"

"रुन अहाँ गथकँ घुनछिया दलिये" "नदि सनकान गथ गँ अकदम
साम छेक, खाली हमन अहाँक मान वोआ नहल अछि"

"बूी अहाँ की सर वाजि नहल छी स नदि जानि"

"जानअ क प्रयासा गँ कनियो"

"गखन अहीं कहू".

"की"

"बूअह ज अहाँक दूनू गथ काना सफ"

"हम कहैग छलहँ ज शानिया सफ आ आगँका सफ सअह न"

"हँ"

"अद्धा आव अकटा गथ सूनु मानू ज अकटा आगंकवादी आगंकक प्रसान कअलक आ नूता गेला। गकना यछागि शासक ठाकना गकि-द्वनि कऽ सम्विग दंतु दलका। आव अदि गथकँ नीक उकाँ वूमियो आगंकवादी ज आगंक प्रसान कअलक ॐ रल आगंकवादीक सफ आ शासन ठाकना दंतु दलका ॐ रल शासनक सफ। मूदा की दखेग छिअक ह्म-अहाँ सर। आगंकवादी अयन सफ दखा चल जाअंग अछि आ शासन वथ नहगे अछि। ॐअह वथी गँ दूसि थिक, ग्रम थिका। नावध सीगाहनध कअ लो अछि आ आवक नाम नामधनक स्यायना कअ घुनि अवेग छथि, ॐअह घुनि जनाअ गँ दूसि थिक, ग्रम थिका। शासनक सफ गखन नहगेक जखन की ठा आगंकीकँ दंतु दगा। नामक सफ गखन जखन की ठा नावध क यनाफ कअ सकथि। मूदा स नदि रअ नहल आ ॐ ज नदि रअ नहल सअह गँ दूसि आ ग्रम रला। आ ॐअह दूसि ॐअह ग्रम वानू दिस यसनि नहल अछि। ॐअह आँगन, दूआनि, चोकाँ, वउनी, मान, आगा सन क गछानन अछि। आ ह्म-अहाँ ॐअह दूसि ॐअह ग्रमक दूनियाँम वोआ नहल छी, अदि छाउसँ उदि छाउ, अदि आनसँ उदि यान धनि हाथम अकटा टूरल छोकी लन।

(ॐ कथा ह्मन यदिल प्रकाशित कथा अछि ज कि २००१म विद्यायगि सवा संस्थानक स्नानिकाम प्रकाशित रल छला।)

घन

घन गीन प्रकानक हल्लंग छेका उच्च, मध्यम आ निम्न। अकन आना रूद उयरूद रू७ सकी छेक मूदा गार्हिसँ ह्मना काना वहस नहि। उहि०म ह्म जाहि घनक खनहा कहव स रल मध्यमा गँ आगा सनू खनहा मध्यम घनका। घनक मंगलव मध्यम घन व्मल जा७।

प्रथक घन उा जीव हल्लंग छेक ज मनमानी क७ सक७। गुष्ठ आर्दभक संग। गानाभाहीक विना काना घन, घन नहि हल्लंग छेक, चाह उा ह्मन घन ह्य ना कि अहाँका सफ ँ७ह थिका। घन का० अथवा ँरीटासँ नहि, ह्मसँ वने छेका। घन रूकय अथवा गा७लासँ नहि, ह्म गा७लायन रूटेग छेका। घन उा नहि जाहिम कडा ह्ममाळ्श क७ सकला। घन उा छेक जाहिम हाथ उ०। क७ द७ दि०का। अकना रागम ज ह७गेक स रूटेका।

घन अयना मान किछ नहि हल्लंग छेका। हल्लंग छेक सरक मजीसँ मूदा ँरी घन थिक ज अयन मजी क सरक मजी व्म७ लागे अछि। अकना ँरीह मान नहि नहेग छेक ज ह्मन अम्निव का७सँ अछि। ँरी घन थिक ज जानि व्मि क७ कागवालक यदनी ले७ प्रवून याथगा आ संरावनाक अछेगा। प्रथक समय उा कागवालीक न्वावा दखवेग छेक अन्ना। ँरी घन थिक ज कागवाल वनि सूगि नहेग अछि आ निम्न गवेग नहे७-जगल नहिअह ह्य रा७। आ चान व्मचाय माल निकालि लेग अछि। घनकँ दसटा आँखि हल्लंग छेक दसटा दिशाक न्युं ज सदिखन लाल टनस नहेग छेका। आ ँरी आँखि दखिग दासनक आँखि मूकि जाळ्ग छेक अनायासा।

घनक अकटा गनदनिम अक लाख द्वाथीक आवाज न्हेंगे छेका।
 कनिका सखसलायन लाकक यअन थकमका जाळ्ग छेका। कान र्हाटि
 जाळ्ग छेका। माथ दूखाअ लगेगे छेक अयन मना लगही-नदी वंद
 रअ जाळ्ग छेका।

प्रान्रिक वाक्क-: घन हिरलन अछि वा हिरलन घन अछि अकन
 खाज कनव आवथका।

घन आ जगह थिक जाहि आमक घेलम नान रनल न्हेंगे छेक आ
 चुआयन चढाउल न्हेंगे छेक हँसी। यिआस लगलायन लाक नान
 यिवेगे छेक आ रूख लगलायन हँसी चिववेगे छेक स अहाँ सर
 विन् लिखन वूमि गेल द्वाअवेका। घनक लाक जखन लगही कनेगे
 द्वाअगेक गखन नान निकलग द्वाअगेक याखनि दिस जाअ कालम हँसी।
 आ लाक जगअ लगही कनेगे छेक अहिआम रूटि जाळ्ग छेक
 मानि। दिसा हिनलाहा जगहयन अनमि जाळ्ग छेक गाछ। कथीक
 स साचि लिआ। आ मानि जगक गहीन रल चल जाळ्ग छेक अहि
 मरुक यानि गव सखाअल जाळ्ग छेका। गाछ जगक नमहन द्वाळ्ग
 छेक, मनदूसी आगव नमहन रअ जाळ्ग छेका। गाछक आनि-याग
 नमानि जाळ्ग छेक, सांसानिक समथा अकाँ।

हँ, अकटा गथ आना द्वाळ्ग छेका। याहन-यनक अअलायन घेलक
 नान नहि दल जाळ्ग छेका। नाइल हँसी जनून रटगे छेका। याहनक
 जखन लगही कनेगे छथि गखन मानि नहि रूटगे छेका। हँ, दिसा
 हिनलायन गाछ जनून अनमि जाळ्ग छेका। आ सहयाग दवअ

लागेण छेक यद्दिनसँ जनमल गाछकां। मानि रूटेण अछि, गाछ जनमि जाळ्ण अछि घना-चलेण नदेअ।

रनग वाक्क - : नान आ हँसीक माँस घनक छान छेका।

घन ठा जगह थिक, जाहि ठामसँ दू टा वार रूटेण छेका। अकरा आगू दन आ दासन याछू दना वाम ददिनक प्रक्ष नदि। आगू महुँक वार एकएव गँ घंटा रनि लागण चोविआयन यहुँचवामा आ चोवितिआ गहना। कइ विष्टसँ चानि टा वार निकलल आ रून उहि एक-एक वारक शुनुआण मँ चोवितिआ रूटि गेल छेक आ क्रमशः प्रथक वारम अहनादिण चोवितिआ रूटल छेका। आ अहाँ चोवितिआयन यहुँचि, थकमका जाएव। अथ-उथम यीउ जाएव। किछ नदि काज दगा। कखना साचव ऊ उहि वारयन चलल जाए गँ कखन उहियन। घनचक्काना किछ न रूनाएगा। आ अहन समयम वाग अहाँ थकि कए उहि ठाम वेंसि जाएव ना काना वारयन चलि विला जाएव ना यूनः घन घनि जाए जहाजक चिउे जकाँ। आ ऊँ याछूक वार एकएव गँ याँवा मिनटसँ वसी नदि लागण चोवितिआयन यहुँचवामा मूदा उही चानि मिनटम याँव जगक अनूरुव रए जाएगा। गोआसँ आगू वरि जाएव ऊँ उहि महुँक निकलल वपीसँ आँखि माथ सही-सलामग वचि गेल गँ। आगू वढलायन दू(गा) घन वीचक अकरा गली रूटेण छेका। दहसँ कम्म चोआ। कहिठा दवालम लागि छिला जाएगा। कहिठा किछ...। अग्या यान कए जवेक अहाँ कानाहूण उहि गलीकाँ आवि जएव चोवितिआयन। मूदा चोवितिआयन याछूक वारसँ यहुँचवाक यछागिठा अहाँक आगू मँ

डाँह सनागन प्रश्न आवि 016 र७ जाँगा। कान वारयन वडल जाँगा निर्धय नहि क७ सकव स ह्मना वूमल अछि। आँडान अंग मं डाँह गीनटा उयाय-थाकि क७ वीस नहव ना अनचिहान वारयन य७न वडा दव ना घन घनि आँव।

ॐ घन थिक ज दू-दूटा वार नाखिडा क७ ककना आँगा नहि वड७ देग छेका वृहद्यगिडा ग्रहसँ वसी आकर्षण शक्ति छेक अकनामा जगक प्रवल शक्तिसँ अहाँ वारयन वडवाक प्रयास कनव अकन शक्ति डाँव वडल जाँल्ले छेका नामक समकालीन वालि जकाँ। आ अंगम नूकाँले लगे डाँ अयना परमा घन अह्नियामा परकोगे नहू माथ अहि दवालसँ अहि दवालयना रूरग नहि। रूरग नहि।

निष्कर्ष नाकः- घन दू मूँह अजगन थिका।

घन डाँह थिक ज यूग-यूगसँ दुर्गा वनवाक दखेग दखेग मनि जाँल्ले अछि। घन कहिडा न वनि यवेग अछि दुर्गा। दुर्गाक दसटा हाथ आ अकटा मूँह दखि घन साचेग नहि जाँल्ले अछि ज दुर्गा जकाँ ह्मना दसटा हाथसँ अविगे आ अकटा मूँहम जाँल्ले स काक नीक हाँलेका मूँह ॐ सयना दखिग-दखिग डाँ र७ जाँल्ले छेक नावडा। अवेग छेक दूटा हाथसँ मूँह जाँल्ले छेक दस टा मूँहमा कखना कऽ घन ब्रह्मा आ नावडक नकसँवंधक प्रसंगम साव७ लागेग अछि। सफ चगुर्मखीक सांगन दसमुखी कना न ह्य।

कहिडा-कहिडा घन सावैण अछि ऊ दुर्गा नहि सही गद्येण किअक नहि रउ जाळ्ण छी। यर नहण मन्खक मूँह नहण जानवनका जानवनक मूँहसँ दुरि-याण चिवाळ्ण सकैण छी। साहानी उा राण गँ खअवाम काना दिकाण नहि। मूँदा घनक ँलीह मनाकामना यूना नहि रउ यवैण छेका। आ नहि जाळ्ण छेक उा यहिनह उकाँ। कहिडा कअ अवनगिआम घन विसनाअ लागैण अछि आ उाही कालम उाकन वउवउनाळ् चालू रउ जाळ्ण छेका। वउवउनाळ्म ँलीह मिलल नहैण छेक प्रार्थनाक नूयम-ह रगवान ना गँ ह मन मूँह गाअव कअ दिआ ना यर। ँली दूनू वउका गुंग अछि। खास कअ ँली यर। आ अंगम ँली प्रलाय सह वड रउ जाळ्ण छेक औखिक सं(ग)-संग।

नियोगि वाक :- घन वउ किछु सावैण छेक मूँदा उा यूना नहि रउ यवैण छेका।

घन अकटा अहन जीव हळ्ण अछि ऊ अयना रीणन वाजल (गल हनक शवुकँ नाकवाक लल छारासँ छार गुनकी वष कअ देण अछि। ँली जनिा ऊ शवुक दूण वसाण हळ्ण छेका। आ घन गँ छेक ऊ दासन 0मक गथ सूनवाक लल टार की चानाकँ हटा देण छेक चारु उाहिम नहअ वलायन याथन खसोक ना यानि यउेक ना नोद ल(गोका। काना अरानि नहि घनयना। आ अहन सामर्थ गँ घन क ह ऊ घन मं नहअवाला सर याथन, यानि नोदसँ रनि जाळ्ण छेक मूँदा उा अयन काज कळ्णक निवेन हळ्ण।

छाट वाक्क :- घन मन डा घायानी रल्ल ड कनक लार लल वऽका
हानि क भाजन नहि देख आ वूमैठ ड हमना यो वानह अछि।

कहिडा अहाँ सर सावलहूँ अछि ड आळनक घन आ दनवजाक
घनम की अंगन हल्लंग छेका नहि ना प्रयासा नहि कउन हल्लवेका
उना दनवाजायनक घनकँ घन कहल. नहि जाळंग छेका गळ्ळडा...।
आळनक घन मन घनवेआ कवाऽ लगा लगाह गँ चानू दिससँ
सूनजिगा। दनवजाक घनम अहाँ सूनजिगा रळ्ळडा सकोग छी आ
नहिडा रऽ सकोग छी। कपका (गाराक घन आ दनवजाम माघ
अकटा टारक अफिन्न नहेंग छेका टार हटा दिडोक कान घन
नहण कान दनवजा स वूमि नहि यऽगा मूदा गेडा आळनक घन
आ दनवजाक घनम अंगन हल्लंग छेका।

आळनक घनम अहाँ ककनायन खिसिआ कऽ हाथ छाति दवेक
मूदा दनवजाक घनम चूय नहवाक अगिनिक आन काना उयाय
नहि। कानध ड हल्लेका आळनक घनम कडा नान वहा कऽ टारकँ
अपन कथा कहि सकोग छथि। मूदा दनवजाक घनम नान की वसी
हँसिडा नहि सकोग छी। वसी हँसव गँ लाक वगाह वूमणा आळनक
घनक काना कानम अकटा कायी आ अकटा कलम नहेंग छेक जाहिसँ
लिखाळंग छेक कनजक गथा। दनवजाक घन महँक काँयीयन
लिखाळंग छेक नून-गनकानीक हिसाव।

नमहन वाक्क :- आळनक घनम सहजगा हल्लंग छेका। दनवजाक
घनम कृप्रिमगा।

घन मन अकटा उरहन मंच जाहियन दाहण नहेण छेक हन समय नंग-विनंगी चोकी गा७ नाचा अही चोकी-गा७ नाचकँ लाक गँघिघुम्मा नाच कहण जाळ्ळ छथि आ नाचम नरुआक ज घुमे घनक मूँह जनून घूमि जाळ्ळ छेका नाच खग्न रलायन चोकी टूरल ककना ररुगे की नहि ररुगे मूदा टूरल मंच, टूरल घन जनून ररुगे छेका नाच शुनु दाहण छेक चोकीगा७क नाम मूदा अंगम उकन नाम नखवाक ँँच्चा र७ जाळ्ळ छेक घनगा७। मूदा ँँही अकना अजगुण गथ छेक ज अहि नाचक नाम हनक वन शुनु मं चोकीगा७ आ अंगम घनगा७ नहिण छेका लाककँ दूनु नाम यस्तिन्न छेका अकेटा नामसँ गुजन नहि चल्लो आ ँँही घन अछि ज अहि नाचम उा स्रयं रूमिका लो७ आ दासना घनकँ रूमिका दे७। आ सर मील क७ खल्ले७ चोकीगा७ उरुँ घनगा७ नाचा।

आफ वाक्क - : घन अकटा मंच छेक जाहियन नाच दाहण छेका सर मील नाचे७ आ ख७ दाह्ले७। साँम दाह्ले७, रान दाह्ले७। ँँजानिआ जाळ्ळे७ अझनिआ अवे७। दवाल ढहे७, चान टरे७। नडाँ यउे७, घीलन ग७ाळ्ळे७। अस्मरुस किनाळ्ळे७ वा छग (०।का७। सर किछु दाह्ले७। एक घनसँ अकेस घन दाह्ले७। दाह्ले७ जाळ्ळे७। दाह्ले७ ज७वाक लल वाध दाह्ले७।

अन्निम वाक्क - : घन उा घन नहि अछि ज यदहन छला घन उा घन नहि नहण ज अखन अछि।

(ँँही कथा अकूवन-दिसम्बर २००६ म यटनासँ प्रकाशित घन-वाहन नामक यत्रिकाम प्रकाशित रल छल)

३

कारल कथा

10 जनवरी (समय रानक 5.39 मिनट)--- आँखें रान गंगासागन
 ड्रनसँ दऱिंंगा नलव सृभन उगनलहँ। किछु उग चललाक यछागि
 व्सांल जना तँउसँ निञ्चा यानि महनैग ह। तँउसँ उयन नै, किञ्च
 गँ गंजीयनसँ अंगा, अंगायनसँ अन्धकड़ी सूँटन आ गकना उयन
 यूना वाँहिक जैकट छला यूना माथ गुलवंद महानाजक भनधमा
 गँउ तँउसँ उयन किछु नै व्मना गला मूदा तँउसँ निञ्चा छल
 माप्र खोनकी हारु जँधिया आ गहियनसँ दूल येन। गखन यानि की
 याथना व्मगेका

आव अहाँ सर ह्मना किछु कहव स ह्मना व्सा नहल अछि।
 अहाँ सर कभीनक यानिकँ वरुम वदलनाँ निश्वास कऱ सकैग
 छिउ मूदा अहि गथकँ नै कानध----- उना कानध
 अकन वउ सांस छै आ अहाँ गँ व्मिग हवे ज सांस गथ मगजम
 वउ दनीसँ घुसेग छै। उना ज हल्लक अकन कानध, छै मूदा
 सारानिका मनुख जाहि वरु आ उकन यनिवर्णकँ आँखिसँ दखैग
 छै उकनयन उ निश्वास कनेग छै। विनु आँखिक दखन कउ निश्वास
 कना गहि लल माथक यसना अीसँ याछु यउग छै। उना अहि
 गथक वीचम ह्म अयन राँग अउअव ज किछु गथ दखवाक नै
 निश्वास कनवाक हल्लग छै, उनाहिन जना की कथाग कहे छथिह
 ज ह्मन कथा यनिप्र छथि आ वनागकँ निश्वास कनह यउग छै।

उना वनागणक विश्वास कान जोऽसँ वझाल७ नहेंगे छै स हम ने कहवा अरू कानाहूगा जाँघ-टाँगसँ यानि महनवेग वरिंंग नूम अलहँ, किछ खन वेसलहँ आ रुन उ० क७ चाह वला लग अलहँ। आव अहाँ सर अनूमान क७ सकोग छिउ ज उहि ०म हम निश्चिा नूयँ चाह यीन रहव आ स सारणविक छै। अर्थम ककना यकानयन जा क७ ०।६ र७ जवे गँ गमजन हल्लंग दनी ने लागगा।

गिलासक चाह आधा खग्न र७ (गल छल, आधा वाँवल छल (कृया अहाँ लाकनि अकना दर्शनक विषय ने वूमव) गखन अकरा विचित्र प्राधीक आगमन रला। उना अक (गार विज्ञान कहन छथि ज मनूख अयना आयम अकरा विचित्र प्राधी अछि। आव उा विज्ञान विचित्र प्राधीकँ दखन हथिह की ने मूदा आळ हम देख ललिउ। आगंगुक प्राधी अहाँकँ न युध नूयँ यनूष वूमगाह आ न श्री। जँ गँदिकी नजनिसँ देखवे गँ उा अहाँकँ ह्रिज७ ने वूमगाह। आव उा अहाँकँ ज वूमधि स वूमो नहु, मूदा हमना उे प्रसंगसँ उगनि हूनक वयसयन अवाक चाही। उना उा देखलासँ सा०क सह वूमगाह आ सफनिक सह, मूदा हूनक वयस चालीससँ उयन नै। आव अहाँ सर ७ी ने कहव ज अहाँ काना हूनकन टियनि वनन छि७ह्रि ? सफ, हम गँ हूनकन टियनि नहि७ वनन छिउ मूदा ज हम कहलहँ स सग्र जँ ग७व०उा हों गँ अकै-दू वर्खका। आव अहाँ सर चाह वलाक वयस युद्ध। अहाँ युद्धव गँ हम उफन दव ज हूनकन वयस हमनासँ वीस हल्लह्रि की उझीस छलाह हमन वनावन।

आव अहाँ सर वान र७ गल ह७वा हरिआळ्ग ह७व आ कखना खिसिआ क७ यूकव ज ळी ळ्गिहास सूनोलासँ कान लार। हँ वावू उना ळ्गिहास सूनोलासँ गँ काना लार ने छै मूदा ळ्गिहास गँ ळ्गिहास ह७ळ्ग छै। रुन ह७म कहाँ रसिया गलहँ। कखना काल क७ ह७म उनाहिंग रसिआ जाळ्ग छै। उना की मूद्राष्टीगिक वाढिम घन आ घनक वजटा।

हँ गँ आव सूनू- उा निचिप्र प्राधी चारह वलासँ चारह मंगलको चारह वला चारह छानि उाकना हाथम दव७सँ यहिन याळ्ळ मंगलको आव गँ वावू कहवी७ छै " घन कहाँ दनरंग, मा७म की छै अंगा, टिकट कहाँ वावू रिखमंगा "। आव गँ अहँ सर वूमि७ गल ह७वे, अवूम गँ नहि७ छै। चारह वला वमकि उ०ल----- राग सान-----
 ---मादन-----रुादन-----वहान-----
 ---सर नि७षध उमीलि दलको वमकोग वाजल--- ह७म ज्ञानकँ रीख ने देग छिओ। जा साला वूढवा हागा हे... उसीकँ माळ्ळ का उाही छिनी साँळ्ळ का रीख दगा हँ। निचिप्र प्राधी याँव उग याँछा हट गला। चारह वला याँव उग याँछा हटि गला। ह७मना चारह खग्न र७ गल छल, याँळ्ळ दलिउे आ विदा र७ गलहँ वस सृनुक लला।

10 जनवनी (समय खानक 6.38 मिनट)--- नलव सृभनसँ निकलि वारयन अलहँ र७म्यू यक७वाक लला। किछ्ख खन प्रगीजा कन७ य७ला। र७म्यूक ने, र७म्यूकँ आदमीसँ रनवाक लला। र७म्यू आव चालू रला। कन-कन वसाग आ जकिंसँ दह यनमहंसीय अत्रस्राम यहँचि

गला न स्रस्रु जकाँ रूगिगन आ न लकवाश्रफ जकाँ निषिक्रया
 कदूना वस स्रुनु यदूँचलदूँ आ यदूँचिग सूयक राँटा रउ (गलदूँ
 वाम-दहिन द्वाळ्ण-द्वाळ्ण यगा लागल ज वसक लल प्रगीजा कनउ
 यउग सहल काक गँ योन अक घंटा। वस कअल जा सकैअ। आव
 अहाँ सर कदव कनव ज अहाँक प्रगीजा लल दम किअक प्रगीजा
 कनु। वस अहाँ प्रगीजा किअक कनव दम कदिअ देग छी। हँ, उदि
 योन घंटाभसँ जखन शुद्ध कअ विस मिनट वीगि (गल गखन अगा
 कूटक वक्ताम किछु दिखी यप्रिका लन अकटा वच्चा आअल आ सूरसँ
 आँखिक आगाम अगा सनस-सलिल चमका कअ वाजल-----

" लिजिअगा ह "

दम प्रगियक्ष कनेग यूछलिअ-----

" मेथिली यप्रिका नखेग छदक "

दमन प्रगियक्षक उफनम आह प्रगियक्ष कनेग यूछलक---

" मान का "

दम कदलिअ-----

" जना हाल-चाल छे "

अ वन आ मूठी अलवेग दीर्घ " आ " कन उच्चानध कलक आ वकसासँ
 अकटा याथी निकालि दखवेग वाजल-----

" ॐ ह "

आ अनवाकम खन-खन अकरा ज्ञान अंतीक नाकर खरा
आँखिक सांमा आवि गेल आ संगम गनमी थाउक सह सनसनी
आ गननीक अगिनिका हम उकना रुन प्रकलितु---

" ली ने ह, उा उ मधिकांग मा निकाले कथिह स "

उा अोग चड यथीक रीगन नाखे वाजल----

" न उ सर हमन यास नहीं दगा "

आ सनसनाळंग उा चल गला आ हम उही 0म 0ंतीम गनमीक
अनूख कने गदि गलहँ माप्र अकर वसक प्रगीजामा

10 जनवनी (समय खनक 7.50 मिनट)--- वस अयना निय
समयसँ लट रउ गेल संगदि-संग कडूमड्वी सह डुकउ लागला
अहन समयम यगा लागल उ हमना गामक गँ ने मूदा हमन गामसँ
गीन गाम याँकक वस रहलँ 0म लगगे। मानम कडूमड्वीकँ लन
उदि0म यहुँवलहुँ मूदा वस ने आउल छला उाना उकन अवाक
समयां ने रल छलो उ-स रुन हम लगीचक चाहक दकानम
वेसलहुँ आ चाह यीवाक लल वाध रलहुँ। चाह खग रला निय
समय सह यूनला आषवर्य, वस अयना सानयन आवि गेल छला
याळ देग रूगीसँ हम उ0लहुँ आ वसम चिउ आगुक सीर
दरानलहुँ। आव उँ अहाँ सर साकांउ हउव गँ हमनासँ यूछि
सकेग छी उ आगुअक सीर किअक अहाँ वीचाम गँ वेसि सके
छलहुँ। वंधू ली सय उ हम वीचाम वेसि सकेग छलहुँ मूदा जा
धनि काना वाधगा ने ह हमना अगुअळंग नीक लगैउ की

यह अर्द्धा। अर्द्ध वसम लाक मालव नंग विनही माल-जाल रनलाक यथागि कंतुवन प्रसन्न कनवाक अर्द्धाना कलकी वस गँ प्रसन्न कनव कनो मूदा अहाँ सर ने प्रसन्न कनू आव ह्म रून मालावक गय्ययन अवेग छी। वस वाघ माऽसँ द्वाऽग वला माऽ आ गकना वाद द्वाऽरंगा-जयनगन नभनल द्वाऽद्व यकऽलक आ हनहनाऽग चलऽ लागल। हनहनाऽग मान उाक गजी ज की नाउक कंठीभन दको उय्य छे। हँ गँ लिअ अगव दनम वस खिनमा चोक यद्द्वि (गल आ अयन गनग्यसँ माप्र आध घंटाक दूनीयन अछि। अदि चोकयन अकटा जनानी वसम चढलीह आ ह्मक संगम अकटा वच्चा आ मर्द सदा। आव जनानी, वच्चा आ मर्दक बीच की संवंध छे स ह्मना ने यगा। रऽ सकोग अछि ज उा दूनू यगि-यग्री द्वाथि ना रऽ-वहीनि ना अय काना--। किहू रऽ सकोग छे। अखन अहन समय छे जँ काना यूवक-यूवगी अक सं(ग) दखा (गल गँ लाक उाकन संवंधक ब्याख्या प्रमक रूनयन कनेग छे। अदि छाऽि आना काना संवंध रऽ सकोग छे ँी साचवाक रूनसगि ककना लग ने छे।

उह, ह्म रून रसिआऽल जाऽग छी। हँ, गँ अखन वस खिनमा चोकसँ आगू वऽल गखन वच्चा अयन स्ररावक अननूयँ चानू काग मूँह घूमनाऽ चालू कलका। आ अखन काना वच्चा कोगुक कनऽ लागऽ गँ उाकन आगू-याहू वलाक मान सदा कोगुक कनऽ लागेग छे। चारू वूढ ह्य की ज्ञाना आ अकन कानध ज द्वाऽका। गँ वच्चाक दखाँउस अकट अय यूवक सदा कनऽ लागल ज याहूक सीरयन वेसल छला। वच्चा किहू दन धनि दखेग नहल आ अके वन ररा

क७ हँस७ लागला ह्मन वगलम वेसल अकटा यूवक उ
क्रियाकलायकँ दखि वाजल-दखिओ घाघकाँ वज्जाकँ हँसा उकन
माअकँ लाग्णो

ह्म किछू ने वजलहँ। जनूनग की छला मूदा साववाक लल वाध
छलहँ। की हँसी खाली स्त्रीकँ हँसवाक लल ह्मण छे अथवा
हँसवाक लल काना त्रि(ष कानध वा समय ह्मण छे। ह्मन मान
ने मानेग छला मूदा प्रमाध गँ यूवक सञ्च दन छलाह उ हँसीक
उययाग माप्र अही सरहँक लल कने७ लाका अहाँ सर ह्मन साव
ह्मन निवानक खंउन कनव उ अहन गथ ने छे। आ ह्महँ मानेग
छे। उ अहन गथ ने छे, मूदा जखन काना (शाधकर्गा कहलके उ
हँसी जनूनी छे स्नास्थक लल आ गकना वाद उ लाहन कब, (शा
हँयादि चलल छे गकना दखि मान७ य७ल उ हँसीक माप्र अके-
दूरा उययाग छे।

मन्ख लग आव स्नायतिक हँसी ने छे। स्त्री हँसवाक नामयन वा
नीक स्नास्थक नामयन ह्दसँ वसी हँसेग लाककँ दखि हँसी विश्वास
कनव काने छे उ उ ओम कडा कनिग ह्मणो अमीनसँ गनीव सर
हँसि नहल लाहन (शाकँ सहान मूदा स्नायतिक ने। अहि मामिलाम
याहँ काना निराजक ने। दूध यिवेग लाक आ माँ७ यिवेग लाक दूनू
अके लाहन (शा क दखि हँसेग अछि आ कामना कनेग अछि उ
रनि दिन रनि नागि अहन सुखद ह्मण। मूदा स की संख छे-
-----।

आ अके मटकाम वस नूकल संगहि-संग ह्मन विचान सह। वसक
गंगद्य आवि गल छल मूदा ह्मन ने। ह्मना अखन गीन गाम आना
यान कानवाक अछि। मूदा जा धनि ह्म उ गीन गामकँ यान कने
अयन गाम यहुँची, अहाँ सर काना न काना लाहुन (आकँ
दखू, वलजानीसँ हँसू आ उ ग्रमम नहू ऊ ह्मन स्नास्थ सूधनल जा
नहल अछि।

[ॐ कथा नहूआ-संग्रामम आयाजिग "सगन नागि दीय जन७" म
य७७ लल नहू७ मूदा उाग७ किछ लखक सर सूगि नहल
नहथि (उाहि सप्रक अथुऊ जागल नहथि) आ गकन विनाध कने
ह्म ॐ कथा ने य७न नही।]

अयन मंगद्य editorial.staff.videha@gmail.com यन य०उ।

२.१.३. यागनद्ध मा- श्री नाज किशोर मिश्र डा हूनक 'प्रलय-याग'



डा. यागनद्ध मा
श्री नाज किशोर मिश्र डा हूनक 'प्रलय-याग'

मैथिली साहित्य आ सांस्कृतिक विकास म प्रवासी मैथिल लाकनिक यागदानक ळगिदास अण्ण (गोनदमय नदल अछि)। अकन प्रगिरुल थिक अ मैथिली यप्रकानिगाक आनष्टिक कइ मिथिला सँ सूदून रानगक गुलावी शहन जययून, आधुनिक मैथिली नाटकक सूप्रयागक कइ विश्वनाथक नगनी काशी आ मैथिली आद्यालनक विशिष्ट कइ विष् कालकागा कदल जाळ्ण नदल अछि। मैथिल लाकनि आजीविका किंवा आन काना लाथं उखन मिथिलाक धनी कॅं छाऽवाक ह्ण वाध रलाह गँ अयना संग मागृराषा आ मागृरूमिक प्रगि अजस्र प्रमान्वच्च कँ जा(गोन नदलाह आ गकन अरिष्टिक सांस्कृतिक अन्वष्ठान आ राषिक सक्रियगाक नूय म द्वाळ्ण नदल, अकन प्रराव मिथिला कँ सह सग्वगवेग नदलेका। आळ्ण्या प्रवासी मैथिलक राषिक सक्रियगाक दृष्टिऽ प्र.उदय नानायध सिंह 'नचिकागा', नवीन चौधनी, अ(भाक कृमान मा, शेल मा, लङ्गध मा 'सागन', शरालिका दर्मा, डा. गंगेश गुञ्ज, मन्त्रधन मा, दतशंकन नवीन, अनल कान्, प्रकाश मा, विजय चड मा, यंकज यनाशन, प्रम कान् चौधनी, महड्ड मलीगिया, विद्यानद मा, नवीड्ड कृमान चौधनी, अ(भाक अविचल, दीयक कृमान मा, सिया नाम मा'सनस', गजड्ड ओकून, सूशील, डा. महड्ड, नाजकृमान मिश्र, मनीष कृमान मा, वीनड्ड मल्लिक, दिनाद कृमान मा, चड्डमाहन कर्ध आदिक नाम अण्ण आदनक संग लल जाळ्ण छनि। तथायि किछ् अदना छयकल मैथिल लाकनि छथि अ सर्वथा अनासक रावं मिथिला -मैथिलक अर्वा -चर्वा म दफचिफ छथि। अहन अकरा स्तिगग्रहू मैथिली कर्मयोगी थिकाह श्री नाज कि(भान मिश्र। मूलगः अउनतीह, मध्वनी निवासी श्री मिश्र (जन्म तिथिः 27.01.1960) सम्प्रगि दिल्लीय म वसि (गल छथि आ

मूत्र महाप्रवृत्तक (विश्रुत), राना संवान निगम लिमिटेडका
 गनिमामय यद सँ अक्काश श्रद्ध कयलाक वाद सँ जना यूद्धा
 काद्यभास्त्र विनादहिक व्रज्जानइ सदादनक अतगाहन म निमज्ज नहऽ
 चाहेग ह्यथि, गदिना निनक्कन लखन -प्रकाशन सँ आवद्ध रऽ चकल
 छथि। गद्य आ यद्य लखन म समान नूयँ निष्ठाग अहि मनीषीक
 अगानह (गोट काद्य यूक्त नाष्टुराया म तथा साग (गोट कविगा
 संग्रह, एक (गोट गद्य संग्रह आ एक (गोट आलख संग्रह मागुराया
 म प्रकाशित रऽ चकल छनि। नाष्ट्रीय आ अन्कऽनाष्ट्रीय रुन यन
 चर्चिग आ सम्मानिग दिनक यथी सरक सामाज्य लज्ज रन लाकनंजन
 ह्यञ्जनि मूदा विशिष्ट लज्ज नहलनि अछि। लाकशिक्षा, जाहि म लाक
 कल्याधक रावना प्रजयिग रलनि अछि आ सैह सप्ताहियक लज्ज(धा
 थिका ०० साहिय कँ वैज्ञानिका सँ उाग-प्राग दखऽ चाहेग छथि
 जकन सविशेष लज्ज आ गद्ययिग मिश्रक 'हमहुँ कविगा लिखि
 सकैग छी 'आ या(गद्य या0क 'वियागी'जीक 'उ०न हू (गाला '
 आदि किहू अ यथी म यनिलजिग ह्यञ्ज अछि। स्रगावगऽ दिनक
 नवनावली सर मैथिली काद्यक उग्र म अकटा अरिनव आ सचिन्तिग
 यदजय थिकनि।

मैथिली म श्रीमिश्रक उ यथी सर हमना दृष्टियथ यन आयल अछि
 स सव थिक क्रमशऽ चाननि, मंथन, अष्टदल; नव याग नव वाग ;
 उयायन ,सक्यर्ष ; नव घन 30य , यूनान घन खसय ; अवं प्रलय
 -याग। अहि सव म प्रथम छउा (गोट 2022००.म तथा तथा अन्किम
 दून वर्गमानहि वर्ष म प्रकाशित रलनि अछि। मूलगऽ कवि ह्यञ्ज
 ०० नवनाकान गद्या विधा म अयन स्रर्ष लखनीक चमकान प्रदर्शित
 कनवाक प्रयास कयलनि अछि। अहि विधा म 'मंथन ' दिनक

समसामयिक विषय यनक दस (गोट निवव्वक संग्रह थिकनि आ 'अष्टदल 'आ० (गोट गत्यक संग्रह। (षष सवटा याथी कविता संग्रह थिकनि जाहि सव म यनन्यनान्मादिग छद्मवङ्गना कँ यथासंख्य मर्यादिग नखवाक प्रयास रल अछि। नयनारिनाम जिय उ आकर्षक छयाँ-सखाँ सँ यूक दिनक याथी सर सहज सहृदय या०कँ दनस -यनस, अवगाहन उ चिन्कनक द्गु प्रणिग कनेग अछि। तथायि यृष्ट-निर्मिगि म वसी सँ वसी कागग छकवाक प्रवृत्ति नाश्रुकल्याधक दृष्टि म पुनश्चिन्कनक आह्वान कनेग अछि, गँ गुकान्क याँगी सरक अदम्यायन अनक क्लल यन साज -सजा यन कषाघाग कनेग व्रमना जाँग अछि। अयाधिकक प्रगि अग्रमनङ्गा लखकीय -प्रकाशकीय उदाय कँ प्रगिहायिग कयन अछि।

श्रीमिश्रक कविद्व-शक्तिग आरग-मंजल वैज्ञानिकगा सँ संयूटिग छनि जकन (श्रष्टगम प्ररूगि थिकनि सञ्च प्रकाशिग 'प्रलय -याष 'कविता संग्रह। अहि म दिनक एक काठी कविता संगृहीग रलनि अछि जाहि म समसामयिक विषय -दरूक चयनकs शृङ्खलावङ्ग खान कँ यथार्थयनक, लौकिक उ प्रायागिक सन्नूय म प्ररूग कनेग विवान -मीमांसा कयल (गल अछि।

ँी सव मानव -मरिद्व कँ मकमानि दवाक सामर्थ्य गँ नखिगहिँ अछि संगहि विशुद्ध नूयँ आधूनिक यनिवधक विश्व -मानवगाक समस्था उ गकन समाधानक उयायक नूय म कान्कासम्मिगगयायदधक नियाजन कनेग अछि । दरू चयनक दृष्टि म दिनक ँी कविता सव अरिनव चिन्कन यनक उ मार्गदर्शक प्रकृगिक थिका।

आधूनिक यग वैज्ञानिक प्रगिक यग थिका समग्रिग मानव विज्ञानक वल यन सूख -समृद्धिक समरु संसाधन कँ इटयवा म सहूल सिद्ध

रल अछि। निनकन वैज्ञानिक आविष्कान ठा यांप्रिक उमगाक वद्विबूगाक कान(ध रूगाल -खगाल यन मानकक साम्राज्य स्यापिग रऽ गल अछि। अळ नदि कवल विश्व ग्रामक यनिकयना साकान सिद्ध रऽ गल अछि अयिगु चड, मंगलादि ग्रह यन वसवाक हगु मानव उगाहल अछि। राजन, वस्त्र, आवास, भिजा ठा मनानंजनक निग्न नूान साधन यन मानकक अधिकान स्यापिग रऽ गलेक अछि । आगि सलाळ म वड रऽ गल अछि गँ वर्षा, वाडि आ समूड धनि यन मानकक नियंप्रध स्यापिग रऽ गल अछि। ऋग, नार्धक, उंगली जीव, शीग, उबूगा आदि सह मानकक नियंप्रध म आवि गल अछि। अगऽ धनि ऊ प्रकृति प्रदग् लिंग -रुदह यन मानकक सफा स्यापिग रऽ गल अछि। मूदा प्राकृगिक अवनसाक वियनीग चलवाक हगु मानव कँ प्रकृगिक वियूल (आषध कनवाक वाधगा नहलेक अछि, जकन यनिधाम ङी रल अछि ऊ वगदल प्रकृति अन्क समथा लऽ कऽ उयन्निग रऽ गल अछि यथा माटि म उर्वना शक्ति अराव, गलेग हिमनद जय प्रलय -प्रवाह, जल प्रदूषध, वायू प्रदूषध, असामयिक मृगु चक्र, रूटेग उजान यनग जय असाध उबूगा, वनक विनाश जय वाडिक प्रकाय, युथीक गरुन्ठ जल -गलक निम्नगामिग, मनरूमिकनध, जेव विविधगाक विनाश, अंगनिजीय उग्राग, धनि प्रदूषध , प्रकाशक ऋगिधर्मिग, प्राकृगिक शीगलगाक अराव, कंक्रीटीकनध, सांघृगिक विकृति, यर्यावनध प्रदूषध, अगिला यीठीक हगु जयाल अवनकानमय रुविद्य आदि। श्रीमिश्र 'प्रलय-याश' कविगा संग्रहक कविगा सरक माधम अहन समथा सर यन गहन चिन्कन कय समाधानक उयाय सर दिस ङंगिग कयलनि अछि। सूरवावः हिनक

कविता सर म विज्ञान आ साहित्यिक गोजाउ रटेग अछि, असन्कलित विकास यन प्रहानयूर्वक प्रकृतिक संग गालमल वेसयवाक भिऊध -प्रभिऊध रटेग अछि, मूदा स रटेग अछि उयदशात्मक (थायल सन्नूय म नहि, अयिगु शृङ्खलावद्ध जीवन -मीमांसाक माध्म, ऊ सहज आऊ रऽ जाळ्ग अछि, खास कऽ संवदनशील सद्गदय कौ। अगावगा ङ्गी संग्रह मेथिली कविता विधा कँ कविक समसामयिक आ प्रगतिवादी दृष्टिकाध सम्यन्न अगुलनीय दन थिकनि। अयजा कयल जा सकैछ ज ङ्गी संग्रह मेथिलीक कवि-समूदाय कँ निय नव चिन्तन दिस प्रनिग कनगनि।

प्रलय-याशक कविता सव प्रसाद गुध सम्यन्न अछि गँ अर्थक निर्वचन म कगद् वाधा नहि अवेग अछि। कवि एक दिस ऊँ गाम -घनक वाली -वाधीक सहजगा कँ अयनावेग गइत आ दशज शब्दावलीक प्रयाग कनेग देखि यउेग छथि, गँ गममा शब्दक प्रयाग म उहिना निष्ठाग वूमना जाळ्ग छथि। स दिनक अध्ययनशीलगा आ विद्वान्पाक यनिचायक थिका। मरुनल, हहनल, उघनल, हूलसल, रूलसल, सदृश शब्दावलीक संगहि नग्नि, जलनिधि, अयभिष्ट, काकिल, भिभिन सदृश शब्दावलीक प्रयाग साहाडान अछि। यप्र -गप्र विदशज शब्दक प्रयाग म कवि कागाही नहि कयलनि अछि।

अकटा कविता 'नव जीवन -संवृति' म संवृतिग उनधक प्रणि कविक जगुष्ठा रात अहि शब्द प्रकट रलनि अछि -

यानिक वदला म काका काला ।

मसल्ला -गल सँ लथयथ छाला।।

मूर्गा, मासू, वर्गन ,मामाजा।

अकान मगलव रले राजा।

वगिआ, पि॒किया, टिकी, गु॒यनी ।

अदि यकमान सँ उ॒ठेछ सू॒सुती ।

नवगुनिया म हँसी -०हा।

छाटा वाग यन लहम -लहा।

क उ॒ठाउग ००नी यन, मूर्दा क रान।

शत्रवाहन रल जा नहल , अँगिम कहान (यु. 84,86)

अदिना दिनक अदि संग्रहक सवटा कविगा या०कक मनामस्तिह म चिन्कनक यथान लगवैग चलैग अछि, मानव -कल्याणक मार्ग दिस अ॒श्रयिग कनेग नहैग अछि। अन्क म कविक उयसंद्दिग छनि - प्रदूषध नहैग ह्यअय विकास।

गखन जीवन , गखन प्रकाशा। (यु. 128)

स्वराजगः दिनक नचनावली आधुनिक मैथिली काव्यधानाक अग्रगम निधि प्रमाधिग ह्यअग, स अयजा कयल जा सकैछ।

उना नायुराया द्विद्वीअहू म श्रीमिश्रक अगानह (गार याथीक प्रकाशनक सूचना अछि जादि म साग (गार कविगा संग्रह विधाक गथा चानि (गार खध काव्य विधाक अछि। कविगा संग्रह सरक नामावली अछि क्रमः प्रवादिनी, यूथनध, शगरिया, जल -लगा, वधयप्र, कृगांजलि गथा द्विवा उा खध काव्य सरक शीर्ष अछि क्रमः ऊर्जा -वर्धन, संवग, प्रदूषध गथा जल -संकटा। अदि म ऊर्जा -वर्धन कँ 'लँठिया वूक आँरु नकसी', 'अशिया वूक आँरु नकॉसी' गथा 'वउ वूक आरु नकॉसी' झाना ऊर्जा विषयक प्रथम द्विद्वी काव्य गथा प्रदूषध कँ 'लँठिया वूक ारु नकॉसी'झाना 'कम्प्रीहसिन ठिरस

आरु याँलूशन 'यन प्रथम द्विद्ये काद्य घाषिग कs समलंकृग कयल
(गलनि अछि। वृप्पियँं विद्युग अरियन्ना अदि मेथिल सयूगक
जीवनायलब्वि यन सहजदिँ (गोनव्राब्विग रल जा सकैग अछि। वृद्धिन्न
नाथुँ निमली कूनल्ल।

-यागानद्ध मा, रगवरीसुठान मार्ग, कविलयून, या. -लह्नियासनाय,
जि.-दनरंगा -846001(विहान), M : 9334493330

अयन मंगद्य editorial.staff.videha@gmail.com यन य0उ।

२.६.ॐ किशन कानीगन-मैथिली म नचना चानी क क्रिकेट समस्या
आ समाधान



ॐ. किशन कानीगन

मैथिली म नवना चानी क विकट समस्या आ समाधान

मिथिला मैथिली स झुल लोक सव एक नमन धूर्, दलाल आ नवना चान प्रवृत्ति क हल्ले। हल्ले कर सय स्त्रीकानह यंग। कृषक क अहाँ सव का दिन चाननकवा खला खलेगे अथन कृषक मांय गाय कनेग नहव?

जसोगी कमवा दूआन अहाँ मिथिला मैथिली क आयाजक प्रकाशक सलाहकान आदी वनल साहित्य अकादमी बला यूनूसानी आयाजनी बचिनान मलाहली खा ठकनेग दिने जाहली छी स का दिन छजग? यन्निक अहाँ क कृषक वृत्ति गेल ये आ ककवा वन अहली साहित्यिक दलाल सवहक दखान चिहान रहल। गह्ये लाज कथिक निनलजा रहल च्यचाय नवना चानी क जसोगी कमाहली ले सवटा अयकर्म ककर्म कनेग नहे जाउ। धून छिया।

नवना चानी समस्या क कानध:-

1. मैथिली क अधिकांश यप्र यप्रिका साहित्यिक गिनाहक अधिन प्रेमासिक छमाही जेमासिक नूय वहनाहल नहले। जकन यन्निक गक काना यहूँव ने नहले।
2. काना नीक नवना क चाना क अयना नाम प्रकाशिक क लव। नवना य(ोनिहान वा यन्निक गक ने यप्रिका यहूँव देवे आ ने नवना चानी क दाख लागग।

3. नचना य(0निहान क काना माधम स सूचिा नै कनव ज उक्कान नचना प्राय् रल्ले प्रकाशिन अय्प्रकाशिन? आखिन की रल्ले?

4. काना अय्निचिा वा आन गिनाहक वा स्रंगं लखक क मौलिक नचना क सद्यः वा की येनाठी गळ्ळु मनाळ्ळीउ क अयना नाम प्रकाशिन कनवाक 0कहन प्रवृत्ति.

5. नचना चान क दखान रला यन उकान सामूहिक प्रयास नै क उळ्ळी चानवा चाननी क (गेंगवान वचवाक प्रयास आ कृकृयक मांय गाय क मैथिली म अहिना द्वाळ्ळण उल्लेउ दला नाग अलायव.

6. काॅयीनाळ्ळीट अधिनियम क जानकानी नै नाखव वा संयदाकीय मनमाना रूमूला यन चलव. ज क की ह्मना कउ लग?

7. नचना चानी सिद्ध रलाक वाद्य उळ्ळी नचना चान सवक मंच दव आ अय्यन गिनाहवादी 0कदानी क रिनाक म नहव.

समाधान:-

1. नचना चानी कननिहान यनूष स्त्री ज काळ्ळी द्वाऊ गकन साद्विधिक वहिद्वान आ काॅयीनाळ्ळीट अधिनियम क दूआना 0स इर्माना लगवाक चाही.

2. नचनाकान क अहि वाग क सूचना भल वा लिखिा दाझुय

माध्यम सूचना अवस्य दी ज उकन नचना प्राय् रल्ले णकना वाद प्रकाशिन अप्रकाशिन की रल्ले.

3. काॅयीनाळीट अधिनियम क मानव आ जानकानी नाखि निव्यज प्रकाशक संयादक ब्यवस्था क मजवूणी स लागू कनव.

4. अहाँ संयादक प्रकाशक क धर्म निनवाह कनेग नचना मौलिका क जाँच वा मौलिक नचना संग छुञ्छा कनवाक प्रयास अवस्य कनी.

5. मौलिक नचना प्रकाशन लखन प्राप्ताहन दिस सामूहिक प्रयास म रगिदान वनि नचना चानी क नाके म सहयोग अवस्य कनी.

अ्यन मंग्य editorial.staff.videha@gmail.com यन य0उ0

२.१.लालद्वन कामग- १ टा लघुकथा आ ६ टा विद्वेन कथा



लालदत्त कामरा- १ टा लघुकथा आ ६ टा विहैन कथा

१

१ टा लघुकथा

अयन हानल वहूक मानल किया-किया वडैछ।

कथागत १२ वज नागिम अयन विछोटा १०(गोटक आकस्मिक
वैसान कलनि)क(गोट समर्थक यूछलखिन कणय कनव
वै०का गहियन कथागत वाजल चलू ल०का कँ दियादक दूआनि
यना वटी धी वाली वाग थीकैक, की कनव?जागिगत खाय वैसानम
कथागत उगललनि"यो (गोगिया लाकनि!"लागल नहलौह अयन
सवदिन "वटी वचाडा-वटी यडाडा "मौ यनंच दूनू व०कि दूदिश
वन (गल या काश्चिखन यगा चलिग खूव मानयीरधनि कन
नहियेका अयन चीनचाली एक हया सँ दूनू छौंनि अन्कय नाखि
आयल अछि। धनि कार्टमेनजक उमन गँ गीन शाल कम, दूनू छौनाक

नय यूनल छेक उमन ,स की कयल जाय?

अक नव यजधन अर्थजिग टानि दलकनि-अयन हानल आ वदूक मानल थनि किया - किया सुनावेछ!विन् निर्धय क वेसान खग्न दख्खण वटी वाला हानल नट्टआ सदृशसमान र' यंचायण रनिम गिनल।

२

६ टा विहैन कथा

१

उम्मीदवानी आकर्षक

लाल वावू यंचायणी नाज च्चनाव मँ 018 रलाह ,तँ हूनक विनाधी प्रग्राशी अक(गोट वल्आवाला मँडिलयन दस (गोटक सामन वाजो अयन च्चवानी आकर्षक लल वाजि 30लेक जो अहाँ सँ अक राट कम ह्मना रटग तँ सदा लल रांटरांट सँ संघास ल'लवा दखा चाही आगू की दख्खीछ।

२

गुष्टिकनक

व्मव्ळीम आन अस अस० सँ प्रथिजक यावि गामम अकटा शक खव ह्निन्नक वीच अयन प्रथंसा अयन वघानेग न्हया गावीच सनयंच यदक व्ळलकन कँ उगउगी वाजि (गलेका उकन यनासी अक माहम्मद खां साहव नहेक ज व्मलको -नो वोआ गाना वाउक चानि(गा गहन जागि ज सनयंच वनय चललखन स गहन यनीजा धनि उवन

लोकों का नाँ की कनविही। उ शक वाजल-हो नोण सँ नोण चणुन सजान
वाला विहिन कथा सूनन छहक नो सयह कनव ,रुमन ऊ मुखिया
उम्हदवान छथि न, हूनक कहल सँ अयना कूरूमा कँ नँय आ हूनक
मिलानीक ऊ गारहन जागि सनयंघम 01रु छह;गकन यालींग अजंट
वनि गुष्टिकनध नीगि अयनायव, उहल गँ (गोत्राँ समाज छथि ककना
की दवोरम छिये?अयन गनगन अकानध हँसयधनि लागल।

३

नमाला

आखना यासंग मानिकय नोवन लग कयकँ गोललका दशम धनि
(01सगन यो०ग 01कूनजी वाजल,वस-वस र'गल सांघजनका आखना
गनरु नखेण कहलक हो समांग!वाट जकाँ हम वृणागा आखेण छी,गँ
न हमना लाक आखना नाम यनायडाम जनेण अछि। आगू गथ वढवेण
००ह वाजल-हो हमना टालक नगाजी आ0का0 यन सँ उगनलाह
अहिवेनक सनयंघक रांटम ,स 0ीक कहल गल छेक-नमाला र
'जना सूफ येन गल हल ह हो,स अना कियक वृषेण छह,आनिलेह
वृहल (धनकँ कपोह मोसक वदला घास खा००ग दखलहक हया रुन
कानू वृनावर लगिवाय दहक ने,दखम अयन आवि जगह। उहन
उम्हीदवान गँ नो दिनक प्रवास यन सव मास गाम सँ वाहन
सामाजिक नाजनीगिक जगना कनेण नहेण छेक,गँ की नमाला काना
दिनदूनागमन कन वादक यहिल नोनाजी विदागनी थीकेक?

४

नहला यन दहला

अक गामम अकटा दनवान कहवे वाला मन० नहथि हूनका नाँगन
वटाक वियाह समय सँ नहिँ हल००ग नहनि। स अकटा मजविकनीक

किछ याळी कन लालव द' वान याथलनि दासन अकरा गामम अक
 वटीक वाय मखेथ नहथि ,अयन आइनि समर्थ वटीक वियाह ला स
 उहि घटक कँ टवि जाना साँचि (धाणी आ किछ कँचा थञ्जवोण शुरु
 लक्ष्म वटी वियाहेक रान दलखिना मधुसू वजलाह-माचजन संग
 टवनागिक संग अम्क गामक दकिधवानि टालम वटा वियाहेल
 चलल जाया रलदिन रल,मंगलदिन चल....।घनदूआनिक वाद
 लठिकाक वावूजी खूशीमन नाग प्रलाय कनय लगलाह-"अवाह वटा
 काहवन (गल,नाउगक मान वट हखिण रल.....।।

समेध सूनिकाँ प्रणिदन देण उम्माहम गावय लगलाह- "नोण सँ
 नाउग वणुन सजान,दूनु आँखि निनयट दखव विहान.....!गहनमन्
 कथादानम गीगहानिक स्यानी (वेन खूव जथगन सँ वन रटलनि।

७

सौसक दिअमान

मन्नी नामू जी अयना द्वितीय सासनाळन मेनही गाम आयल
 नहया आणय दूयहनका कलोम छः गनकानी,न अँवान सजल
 नहेका खाळकम गीन गनहक चटनी सह्य यनसल (गल
 छलेका सासमाय वट अल्लाद सँ जमायक नूचि सनि-वूमि घोकाक
 साग सह्य वनोन नहथिना गीमन गनकानी क' लल थानीम यनसल
 रण मँयाधनि (गल नहेका वाटीम गिलगन खाळक सूआद कन गीग
 नहनि।स यदूनाळीम अक अणयन अयूर्व सागक मान सहिण
 वाटिरनि अकनिशाम गटागट यी ललका कानध वन-वन कोन खाळग
 काल ज जीग लगणेन स अकवन ने किया गीग सूआद
 वूमणा सासमाय जना वटी मूहँ यहिल सूनन छलीह,स सँय दृथ

दखि यगिअलीह्द ह्दका नीक लागेग दखि आठान वाटी दन वाटी
रनि यनभन ह्दनियन उग-उग सागयफाक मान यनसलीह्द आव गँ
अयन जान अवश्रह्दम दखि नामूजी वनवउलाह्द-"अक ज प्रलय
कनवाक छहि गँ वन् घंट माळ्क दोथ ने! अश-वीश कनेग नामूजी
विन् दूध-दही,अमोट खयन थानियन सँ उ(0) सँ यहिल उ0हाथ
लाटाक जलम घाँळ्क लन छलाह्द।

६

ह्दकना

अकटा अग्रंग मद्दप्रयुर्ध राज जाहि चिह्निग नागदानी लल रल
नह्दक,गार्ही मँ किछ विन् सिददासमन कँ ह्दकना राजक याँगिभ
खायल (0सी सँ वेसला यनाऊ नूय गकना (0लियाक किछ गमभगीन
लाक ज य(0न नह्दक,स सवसँ अह्दगनकँ ब्रूयन नूय दफचिग
र'खलका जिनका लल राजन गेयान नह्दक स अयनाकँ दचिग
वूमलका कानध रले ज गाधनि राजक वरू सीधि (गलेका गहन न
मिह्दि चूनादां मौसम मं यानखि लाक यनेखेग अछि। गँ कहल (गल
छेक "विन् नोगहि जाळ्छि ज ह्दकना। "

अयन मंगद्य editorial.staff.videha@gmail.com यन य0उ।

२.६.लालदत्त कामग- याथी समीजा अक त्रिमर्ष- १.विश्यायगि
आग्नकथा कन दृष्टिवाध २.यूक्त समीजा: लालू-लीला ३.जगदीश
प्रसाद मंउल-उयग्यास "यंगू"



लालदत्त कामग

याथी समीजा अक त्रिमर्ष- १.विश्यायगि आग्नकथा कन
दृष्टिवाध २.यूक्त समीजा: लालू-लीला ३.जगदीश प्रसाद मंउल-
उयग्यास "यंगू"

१

निद्यायगि आग्मकथा कन दृष्टिवाध

निद्यायगिक आग्मकथा 'उयग्यास' (गाविंद मा कृग १९९३मँ वहनायल नह्या) (भखन प्रकाशन यटना'क अदि मेथिली याथीक दाम १००रंका सफ संघनध ३०टाका धनि नाखल (गल छेका) अदिम१२५यृष्टाँकिग अछि। ४१अध्यायक या० कन अगिनिक आखनि यज्ञा यन रनिगाम वह्ग किछ नयावृद्ध लखक महादय कहि चकल छथि। लखकक विषयम सजिक जनगव दूनू रीगनक कारन यन अष्ट दल (गल या गेया या०क वर्गक मिथिला'क ळगिदास आ प्राचिन मेथिली साहिग्रम नूचि नखन उयग्यासक कथा(भेली यन निदचना कनव आदथक व्सायग। निद्यायगिक यूग आ ह्नुक वांभयक वि(भषहू प्रा०कृषूचह मा"मयंक" जी सँ ह्मना मिथिला निरूगि अगि समानाह हटनी मँ वह्गनाथ गय रल नह्या। गादि प्रसंग किछ प्रक्ष मानम उेनाळ्ग नदि (गल ,गँ अयन दृष्टिकाध नाखव यनम आदथक सन व्मना (गल ह्नु। निद्यायगिक आग्मकथा हिनक सर्जनाग्मक कृगि थिकेना अखना सयसालक उमनम लिखल अकटा नद याथी मेथिली राषीक वीच अधिक चर्चाम अछि। हिनक पूर्वम सामाक योगी कथा संग्रह आ अँगिम अकनी नचना जगम वि(भष नूय मेथिली साहिग्रक अऊय रंजानकँ रनन या प्रायः कथाकान सँ नचनाकान लाकनि उयग्यासकान दाय दिभ वटेग य,स हिनका यन उगनेग छेका। समकालीन मेथिली राषाम संदचनाग्मक गद्य लखन कार्यम कथा वसी आ उयग्यास कम लिखाअल या गादिम हिनक गुमिका नीक कहक चाही; यनंव मिथिला समाजक जनसंघा आधानिग अरिहान गँ ह्नुका यक(०)स नहवा सँ वीचिग केन छेक; अदि उयग्यासक अरिजाग

वर्गक समर्थन वर्षी रटल अछि। यनंव वैदहीक अंकम नमश चड
मा सद्यप्रकाशिन उयग्यास वावग धर्री उ०वेग छथि।

"विद्यायगिक आगमकथाक" आनह् विद्यायगि ज्ञाना अयन जिंदगीनामा
कँ घनम सुअरु कनेग रल या यनंव योप्र नान ज्ञाना महाकवि
क'आगमकथाकँ आगि सँ सुनजिग निकालि दल गल अछि। गदयनांग
, विद्यायगि अयन जीवनक अमूर्त रावक चीनरान आनर कनेग
छथि। "हम मया खालला उद्विम सँ किछ याथी वाहन कय कागम
नाखल । (शष याथीक वदना खालि-खालि आ का०क यरनी हटा-
हटाय उकन गिगि सर यन दासन काग थकियाउला गखन
वहलाहा याथी सवक रुन उदि मयाम दय लल आ नानक अह्हा
दलिउक , आव व्ही मया जगय छलेक गदि नाखि आवहा। यृष्ट-१
उदि गनहँ उयग्यासक हिंदी उकाँ शुनु रल छेका। उयग्यासक कथावरु
नाग्यवंशक अँगिम अकन नाजा हनिसिंह दवक नयाल यलायन सँ
शुनु हाळ्ग अछि। दनवानक प्रधान यजिग आळ्न्नवान वंशक
संस्थापक यूनष कामधन ०।कून ज्ञाना शासन कनव, रहिनाजगार गुगलक
ज्ञाना हिनका सकन नाजा घाषिग कनव, कामेश्वन ०।कूनक गिन(गोट
कूमानम नाजगद्दी क' हगु नाजकीय दावयंव चलायव , असलान ज्ञाना
ग(धधनक हया, नाय अर्शन उवं शिवसिंहम जनमी दूधमनि
उळ्न्नवानवंशक आठिक चानि खधुम विराजिग हायव, कृगिसिंह ज्ञाना
हाजीयूनक गुर्कक यनाजिग कनव, दवीसिंह ज्ञाना वागमगिक किनानम
दवकूली गामम अयन नाजधानी वनायव, शिवसिंह ज्ञाना नाजधानीक
सुानम यनिवर्गन क७ गजनथयून किलाघाटम नव वारुकलाक नींददव
आदि मिथिलाक मध्यकालक व्गिहास काथायकथन (बेलीम उदि
उयग्यासम रटग अछि। उदि प्रसंग संधा गायत्रीक जय, मारिक

महादत्तक यूजा, साहनक सन्नलहनी, विशिष्ट मूल (गाप्र सादनयूनि७, खोआन७) अं माधुन कूलक विशेष चर्च, विसयवानक उयजा, मूलक आधान यन अक-दासनाक छार-येघ वूमव, चोया७ शिजाक कद्ध, दर्शन ग्याय -नघ ग्यायक अघयन, दियादि कलह, नार्गा लव, स्त्री अं दास विक्रय असहनीय कन रान अधिक उल्लख अहि साहित्यिक कृगिम कयल (गल अछि) नधकादवीक मूसलमान आक्रान्ता झाना क्लाकानक यनियास आ मिथिलाक धर्मशास्त्री झाना ठाकना अजागि वूमव, यनंच विद्यायगि झाना अहि रागल अनिजाग नधकाक अयना घन मं नाखि मोसी वना अं नोक दर्शन अछि। १४म् शताब्दिम विद्यायगि प्रगतिशील देखलाह या गेया ७७ी विद्यायगि 'क आत्मकथा नय र'क शिवसिंह 'क आत्मकथा मानल जायग। विद्यायगि 'क जीवन चरित्रम ७७ी काहुँ लिखल नय य अ वा संघुग शिजा ग्रहक कनवाक ह्यु सनिसवयाही अयलाह। स वाग ७७गिदास सम्मग नहिं नहेग (गाविह मा दर्शन धनि कयलहि, अकना सांच नय मानल जा सकैग या लखक स्रय माधुनवंश सँ संवंध नखैग छथि गँ गकालीन मिथिलाक माप्र याँजिवाला ब्राह्मक अं शिजिगकध कायसूक चर्च कयन छथि। मिथिलाक अग्निगा किसान चगना सँ शूल अ अकना यात्रीजी उजागन कयलेन। विद्यायगि 'क आत्मकथाम मिथिलाक किसानक साजाकान, ठाकन सामाजिक-आर्थिक दशाक चर्च गुलहँ सँ नय रल या अगोका संघुगि, धनाहन आ माटि यानिक दिशुर्शन नहि कनावेग या गँ ७७ी मिथिलाक उयग्यास नय अ७७ीनदान वंशक विनूदावली वा शाहनामा कहल जा सकैछ। अहिवंशक यदाधिकानी झाना सर्वहाना आ किसान नून म७न सँ युध लगान नहिं अदाय कन मंप्रीवन चड्ढाकन ठाकना हनीम (०)कि यि०यन छौकियवेग छेक। अकदिवसीय

श्रीयूजा द्वाङ्ग अष्टि गँ दासन दिस श्रीदासी कँ वचवाक यनम्यना
दखम अवेष्टा गँ ली उगिहासिक उयग्यास नदिँ वनध उल्लनवान
शासकक लीगितृगि माप्र थीका अदि याथीक सूत्रिह या०क विद्यायगिक
याँगि नवनावली वूमग।

२

यूफक समीजा: लालु-लीला

लालु-लीला: लखक-सुशील कृमान मादी प्रकाशक-प्रराग ययनवेक
4/19 आसदुअली नाउ - नली दिल्ली 02 खोन नंवन -
23289777 यृष्ठ- 198 (वृहृट् आकान) मूख्य ₹ 200
छाप्र आश्वलनक उयज, विद्वानक दूवन सँ उयमूच्यमंघ्री उयमूच्यमंघ्री
सुशील कृमान मादीक "आ विद्वान री अस्म वनगा ", चाना चान-
खजाना चान, आनऊध, विरुद मूलक ग्याय गथा वीच समन मं
कनवाद आव सद्य: प्रकाशग यूफक'लालु- लीला"लालुजी यनीवानक
प्रष्टाचान कन अंगदीन दफ्तानक जीवंग दफ्तानज थीक अधिकान
अदि याथीम ऊ गथ दखल (गलेक,स समा० 40सँ वसीय वन प्रस
कॉन्फ्रेंस कनेग उजागन कनन छथि।विद्वानटा नदिँ अयिगु
दशविदशक सूत्रि या०क कँ ल(गेग नद्वेग छेक ऊ अखवान मँ लालु
जीक माद आगु की वगाडाल जायग। दूनकन सार्वजनिक जीवनकँ
याल खलोग चदरुगन नूयँ सुशील कृमान मादीजी यनसेग छथि, गथक
आंकठा जानवाक हनदम मनम जिह्लासा वनल नद्वेग छेका। गहन
मँ सम्युध खानाक रति सामग्री प्ररुग याथी मँ अत्रलाकन कनय
लायक ररुग। याथीम या० आनष्ट दायसँ यद्विलक यृष्ठ यन दू (गार
कड्डीय मंघ्री मा०अनुध ऊरली (विर आडान कानयानर मामला)

आ मा० निगिन गउकनी (याग अवं यनिवहन, सउक अवं संसाधन , नदीविकास आ गंगा संनउध) कन उडान अहि अक्सन यन छायल अछि। अहि लालू-लीला कँ प्रसिद्ध प्रराग प्रकाशन निरिंकगायूवक छायि याथी (हिंदी) निर्माध कार्यम लागल अयन 60 वर्ष यूनलनि अछि। दिनकन प्रकाशिन प्रमुख याथीक निः शुक्क सूचि प्रायि लल अयन नाम-याग 78270-07777 यन अस अम अस वा मिशुकॉल दवालल आखनि करन यन निह्रायन लागल यायव । अहिक संग 65 वर्षीय लखक सूशील मादीक नंगील खरायूक हनक सजिय जीवन यनिवय यन अयनक नजन सह जाया। सूशील क्रमान मादी जीक लखकीय यन्ना शुनुआग सँ यहिल प्राक्कथनम रानग सनकानक माननीय मंत्री नविशंकन प्रसाद (कानून व ग्राय, वल्लड्रॉनिक अवं आळी०टी) कन सानगरिग व लखककँ हार्दिक वनाळी देग, हनक नाजनीगिक संगी सरक जिव सह यडवाक ररग।

अहि हिंदी किगावम अंग्रजी उटा कन सह जगह-जगह समावश कनेग याथीक आकर्षिग वनाडाल (गल अछि। गेया हिंदी साउनगा सँ कम यडल-लिखल ग्राकिक याथीक सानांश जानयम दासन भिजिग लाकक सहाना लिअ यउगेका। याथीमं कगे स्वामी नहिं, यनंच खदी आ खाभियग दृष्टि(गावन ह्यया। प्रायः यूवा यीठीक या०क (शारुक) याथी किनेगकाल वृकग्याँल यन याथीक उनरावेग यूनरावेग समय चिप्रांकनक अक मलक यावय आ नपगृयिक आनइ उ०वेग छेक, स अहि याथीमं सचिप्र ररग।

मादीजी वड सौष्टव अड्यादम अहि याथीम विषय वरूक अनूक्रमम सजोन छथि। प्रमुखनूय अहिम खाखा कग्यनी, दान वसियाग, यावन

रु अटोर्नी आ हनक काजक वदलाम जमीन- मकान दधियवाक लालू यनिवानक नायव रंग दनसोन अछि। अधिक जनगव लल आवशक नूय यदू आ अहि याथीक घनलू यूफकालय मँ संग्रहण कनवाक मान मानिजायग । लानाक अर्थ न वटा- वटी माहम येसल लालू- नावगीजीक सह्य ङ्गी याथी दाहूणि सँ वँचवाक सक्क देग रहनिहू नूय दखायग छेका।

यनयन विनाधी नाजनिगिक गलियानाम अहन याथी छूहका उज्जवाक संरावना वनल नहैग छेका।

३

जगदीश प्रसाद मंठल-उयग्यास "यंगू"

अहिवनक मेथिली राषा मँ मूल यूनयानक विजगा चर्चिग साहित्यकान श्री जगदीश प्रसाद मंठल,हिनक उयग्यास "यंगू" साहित्य अकादमी ज्ञाना यूनयुग रल अछि। १०वर्षयुव हिनक याथी "गामक जिइगी"कँ सह्य नदिहू अवार्ठ "नभनल "रटल नहनि दालदिम हिनक नवयाथी "संचनध" कँ लाकार्यध 'सगन नागि दीय जनय'वेनन गन सर्वहाना मंच, मेथिली कथा (गोष्ठीम रल अछि।सयह कथा याथी यल्लवि प्रकाशन सँ सद्यप्रकाशित' संचनध 'हमना रटल नहय,गहि यन मधूनाम वाजक मोका नहिँ दाथ लागल छला एक या० यटिया नहिँ यन नही। उहीक कथा सफेनम- ट्रिटि क' खसि य०लेन,मृगू सजियायन य०ल विवक वावा, संचनध, जिइगी सँ प्रम,यनिवान वगेद (गल, जिइगी यिछेन (गल आ श्रमहीन कथा मेरन उ उयलख रल छल,यटि लन नही। वउ नीक लागल नहया श्री मंठल जीक प्ररूप याथीक आखनिया० समुद्रलंघन अहिवीच यदुवाक सोराथ प्राय

रुला मानव आर्ट सँ छयल "संवनध " कँ सनकान सँ ISBN (978-93-93135-16-2) ग्राफ छद्दि 101 यूयुक अदि याथीक दाम रानू 0250टाका निर्वाणिग छेका 2022में वहनायल ॐी याथी मागृराषा मेथिलीक अऊय रंगान कँ रनयम अक उग आना आगू वडला आगिलव्व जगदीश प्रसाद जीक लखनभेली वा नवनाधर्मिगा गहन न दख्छे ज कथाक यात्र कन कथ प्रदर्शन घुमाकय सामगन नूय समरल व्माछ्छे,स नव या0क कँ सह वाधगय राषा (भेलीकँ रुनिव्वसन गथ सममि-वूमि जायवाम कानू रांग0 नहिँ नहणेना सेकउं मेथिली याथीक लखक अदि 10शालम गगिमान नवनाकान मंउल जी नि0ह कगका विधाम कलम चलन छथि आखनी या0 क्र08 समझलंघनम जानि सकलौह स किछ अदि गनहँ छेक,ज आन कथाकान सँ दिनक यहिवान अलग कनेग अछि।

निर्वाणिग समय यन यंचायगी नाज च्नाव आवि (गल छेक,5-6खय ज यहिला च्नाव रल नहेक स समय कन वाइक मजव्वा कलको यूनना नूगवाम सूधानां रलेका जीवानइ काका आ व0वनिया रायम गिनु रुनक यंचायक प्रखंउक आ जिला यनिषद कन च्नावक निदिगार्थ सव गनहक गय कनय छेका उना आव लखक अयनाकँ अदि रांटराट सँ अलग नखे छथि यनंव नाइ आ कड्डीय सनकान ज रुनिजन,अधिक यिछनल गवका आ अनिजाळ्गक वरुँ ल आनऊध सीट सीमा नीक टुंग नहिँ निमाहेग छेक,गादी यन अधिकान सँ वीचि गदसंवंधीग गय सह विमर्शक हिस्या वनेछ। मगदान सँ गीन दिन यहिल कहैग छेक नंग गँ राट विगला यन समाजम लागग। कानून गँ निभन 99 चार दनहानक कदाँ यकने छेक,उा गँ सोवां चार दनहान ज अक वन उयन सँ समधाळ्नीन चार देग अधागि

कनेछ, कँ अयनाथी मानेग अछि; ऊ हयानायी धनि दखैछ। गुलटन कँ आवि (गला सँ गह्वरनिक वागक चर्चा दखैछ। चानीसन मलक सारू दखायल गेल या० मँ गह्वरनगन चर्चा रखैक अछि। जग वदेल (गन न जीनगी जीयग लाक, नहिँ गँ समूहनक यानिक रहन ऊकाँ रहका जायग हिलकानमँ सफाधानी जमाग समूहन ऊकाँ अयना यट सँ लहनि उ०। वसाग वनि आकाशमधुल कँ प्ररगति कनेग छेका। दुनियांम लाक खलानी-मदानी सँ रनल छेका। जौं यनखन-वूमन नहिँ नहे जायग गँ रांज नँय लगैके। वनवनी कँ वनवनायल दख यीह सप्ता अवेग छेक ज उठनां गँ वशी वाजव कँ वगारक अवेग लउध कहेग, अधिक वाजव यन नाक कने छेका। अयन जीवन धानध लाक अयन वाहिवल सँ कन न छेक आ विन् खगगाक विचान अयना मूहँ कियाक निकालग। वृद्धिजीवी लाक गँ उहन अगिनिक वाजव कँ वृनियन्नाक दर्जाधनि देग छेका। मजविकनी दूआन -दूआनि७ वाटन लगधनि यायल यहुँचाय अयना यजम कनव निगांग आवथकगा -वगुनाय कथा मँ दखायल (गल अछि। किछु वाटन गँ मानसीक नूयँ समर्थक नहेछ, किछु पार्टीक कोउन रल, जाहि मँ खर्व नहिँ लागेग अछि। उना अयवाद मानूँ गँ वटैक टोआम अदहा - छिदहा अयन नूका लन नहेछ। किछु प्रदबनम सँ सख कयेव हथिया लेग छेका। वहणी गंगाम कियाक न हाथ धूल जाल्ल। नैगिकागा यन प्रश्न ०।८ कनवाम आना वशीखले सँ कथाकान चकलाह अछि। धनि या० मँ यी आवि (गलेक अछि -" गामक सव किनदानी सव किया औखिय दख नहल छी, तिसवासू लाकक मूहँ सुनेग छी; याखेन, धान आकि मदासमूह मँ जलादीय दिग किया खगना दख काना वढग, ने जाल्ल छेका। "मात्र कथाकान कथाम वृथावनक (गायीकँ हँटे- दवाने

वला द्वायन यूगक दूर्वासा वावा,प्राणा यूगक हनुमानजी समुद्रकूदि लंकाक चनचिग लेग यूनःआवि नामक संग लक्ष्मध सहिग वानन खेलक सना धनिक वीच ँलीमानयूर्वक सव कथा यन अंशगः ब्याच्यान दना सँ धार्मिक दागावनध वनवाम समर्थ रलाह अक्ति। ँली सव अनर्थःउयकथा साहियन छथि आव अत्रस्ता दूनान कथाकान क' नव याथी लिखवाक नक्षान कमगन हयग जवाक अंशका द्वाळ्छ। जखनकि या0क कँ दिनक लिखल आन याथी उयाय ववाक वगनगा वृमागगा अखन अगवा।

-लालदत्र कामग, स्रगंय यप्रकान अवं लखक, यूर्व मंप्री जिला उयाअज
- अगि यिद्धा मोर्वा राजया, संमानयून

अयन मंगअ editorial.staff.vidaha@gmail.com यन य0उ।

२.६.निर्मला कर्ध- अग्नि शिखा (खय-२१)



निर्मला कर्ध (१९६०-), शिजा - अम् अ, नेहन -
खनाजयून,दनरुद्धा, सासून - (गाडियानी (वलहा), वर्फमान निवास
- नाँची,मानखधु, मानखंठ सनकान महिला अवं वाल विकास
सामाजिक सूनजा विरग म वाल विकास यनियाजना यदाधिकानी
यद सँऽ सत्रानिवृप्ति उयनाक स्रगं लखना
मूल हिन्दी- स्रगीय जिगद्ध कृमान कर्ध, मैथिली अनुवाद- निर्मला कर्ध

अग्नि शिखा (राग- २१)

पूर्व कथा:

नाजा यूननवा स्रगक अर्धसन क ग्रागि,उर्वशी सँ विदाळी लऽ कऽ
यृष्टीक लल प्रस्रान कअला

आव आगू:

"स्रामी, अहाँ नाजा यूननवा कँ नानाज कय नीक नहि कलहँ। अहि
सँ स्रग कँ काना लार नहि रऽ सकोग अछि। "

वेजयं प्रासाद म षड्भुक्त कयान आ कश कँ आँगुन सँ साहनावेण
वजलीह दूनक अर्धांगिनी शची।

हम नीक ना वजाय कलौं, अहाँ अहि वागक विंगा किअक कऽ नहल
छी? अहाँ अहि यन धान नहि दिया। षी हमन काजक उप्र अछि।
हमना सूर्यं दखऽ यण - हमना ककना सँ काना नियटाना कनऽ
क अछि । हमन काजक उप्र म आहाँ क हकअय कनवाक काना
आवथका नहि"।

"यत्नी क कर्ण्य छेँ उ अयन यगि क कूकर्म सऽ विमुख हायवाक
लल चावनी दथिन" - शची वहा विनमगा स वजलीह।

"उ हमन शासन मँ सदिखन हकअय कनेग छलाह, ज हमन
सहनशीलगा सँ सीमा यान रऽ गल छला आव हम दूनका सहन
नहि कऽ सकलहँ" - षड्भु गमसाँगा वजलाह।

"सामी, अहलाह काज म टाकव आ मना कनव काना हकअय नहि
कहाँगी अछि" - शची षड्भु कँ वृसावय चाहेग छलीह।

"अहाँ षी सव नहि वृसव, षी सव नाजनीगि क वाग छेँ। अहाँ
वस रीगन अयन कर्ण्य क निर्वहन कनू हमन काज नहि दखू
जाउ हमना लल सामनस योउ" - गय समाक कनेग षड्भु वजलाह।

"नीक वाग छेँ, हम जाँगा छी, मूदा अहाँक षी षीर्घाल् आ घमंठी
अवदान हमना अकदम सय नहि लागेग अछि। दवाक यगिकूल
नाउस सनक अवदान अछि षी" - शची काँली सँ कहेग आगू
वहलीह।

"उह शची, अहाँ हमन मान कँ दश्च कऽ दलहँ"। यत्नी शचीक
नीगियनक वाग सँ षड्भु क मुख यन क्राधक राव आवि गलनि।
अहि क्राध मँ कज मँ उ षड्भुन उअन चहलकदमी कनेग वाजि

30लाह “ अहाँ नाजनीगि नहि वूमव शची। अकना नाजनीगि कहल जाळ्ग छेका आव हम ऊ किछु जना चाहव स गदिना कनव । पूननवा हमन आधा अधिकान अरुध कअन छला। उकना नामक ऊ उंका वाजे छलेक, गकना नष्ट कनाळ्ी अणंग आवथक छला। दखु आहाँक यगि कगक वृद्धिमान छथि। उकना सँस सहायगा सह ललनि, आ दूधक माछी जकाँ मूर्ग सँस सह रंगा दलखिना। ँी नाजनीगि थिक, आ हम थिकहूँ कृशल नाजनीगिहूँ । हमना सँस नाजनीगि क हान सवक ग्राफ कनवाक चाही, नाजनीगि म कूरनीगि आवथक अछि ।

उर्वशी मधि खचिग सानाक यर्यक यन कगका दिन सँस विनह-बथा रागि नहल छलीह, कानेग-कानेग हूनकन आँखि प्रागः कालीन आकाश जकाँ लाल र’ (गल छलनि, हूनका अयन दह कन वाध गक नहि छलनि।

हूनक सखी विप्रलखा हूनका सान्धना दवाक वद्ग प्रयास कलकनि, मूदा सव किछु बर्थ साविग रल। कगका अज्ञना उर्वशीक वीमानीक वाग जानि हूनकन का०ली म आवि (गलीह आ हूनकन वीमानीक काना कानध नहि जनेग वायस चलि (गलीह, सूचनाक अराद म हूनका लाकनिक लल निदान संरुद नहि छलनि।

विप्रनथ, विश्वदस् आदि गंधर्व सह दूखी छलाह। उयवान कनवा मं बरु सखी नष्टा कगका वन उर्वशीक हृदयक स्मिति जानवाक प्रयास कलनि, मूदा उहा किछु नहि वूमि सकलीह । मिथिग औषधिक लय

आ यानिजाग रूलक विद्वान सह्य ह्नुक शनीन कँ शीगलगा प्रदान कनवा म असमर्थ छला .

अदि उन सँ उ कागद् नह्य नदि खलि जाय, उर्वशी दू दिनक बाद उँ (गलीह, मूदा ह्नुका काना काज म काना नूचि नदि छलनि। जहिया सँ यूनूनवा ह्नुकन आँखि सँ ठामल रऽ (गल छलाह, गहिया सँ उँ अयना क अर्थं निःसहाय शक्तिहीन अनूएव कनऽ लागल छलीह। उँ ककना अयन दर्द क विषय म कहि गक नहि सकलीह। उँ अयन हृदय क यद्दिन क (0ान कऽ स्वयं यी७ क अनूएगि सहन कनवाक प्रयास कने छलीह, आ सहन कनवा मँ असमर्थ एलायन ह्नुक चगना विल्य रऽ जाळ्ण छलनि।

ळी हालग कगका दिन धनि चलै नहला अंग म उँ अयन हृदय क दृढ कऽ निर्धय ललनि। अयन प्रम क संयुर्ध जानकानी देग उँ अयन हृदय कन सिद्धि विप्रलखा आ नष्टा कँ कहलनि। रविद्य क विषय मँ अयन संयुर्ध याजना ह्नुका द्रुनू क वगला क वाद अकटा वचन ललनि द्रुनू (गारसँ “ ँळी याजना ककना सामाँ प्रगट नहि हामय दवाक लला। द्रुनू (गार उर्वशीक मानसिक सिद्धि, ह्नुक कनूधा आ विनहक यी७कँ सह्य वूमि अदि वागक वचन दलखिना। उँ सर ह्नुकन ग७य, विनहजय यी७ मँ ह्नुका गिल-गिल घुलै, नहि देखि सकै छलीह। कानधा!” उँ सर ह्नुक प्रिय मित्र (सखी) छलीह। आ अदि कान(हँ ह्नुका ँळी वचन दमऽ क कानधा स्वर्ग सऽ छल कनवाक अयनाधी वनय य७लनि। उँ सर अयन प्रिय सखी क ग७यै नहि देखि सकै छलीह, गहि सऽ ँळी दाष सहर्ष स्त्रीकान कलनि।

उर्वशी कन लखनी स्र्ध यप्र यन गीत्र गगि सऽ चलि नह्ल छला
 ठा अयन लखन क माध्रम सँऽ अयन दिल क ऋगि प्रम-संदश क
 नूय मं स्र्ध यप्र यन उमलि नह्ल छलीह। किछू घठी क प्रयासक
 वाद प्रम यप्र गैयान रऽ (गल छला

ठा अयन प्रिय सखी चिप्रलखा कँ संकग सँऽ अयना निकट वजोलथि।
 गदयनांग का प्रम यप्र हूनका दलनि, आ कहलखिन -

"प्रिय सखी चिप्रलखा!ॐ प्रम यप्र लऽ कऽ आँहा गुफ नूय सऽ
 यृथी यन जाऊ ! यप्र गुफ नूय सँऽ यृथी यन नाजा यूननवा कँ दऽ
 कऽ ज गुनक घनि आउ"।

चिप्रलखा सहमगि म मूठी उला दलथि ।

"अगुका आँहा चिन्ता जनि कनू। हम ककना सँ अहाँक अनूयस्मिगि
 यन चर्वा नहि कनवा। जौं काना चर्वा ह्यग आँहा क संवंध मं
 अथवा कठा आँहा क विषय मं यूछग गऽ हम हम वाग वदलि
 दवा दवद्ध कँ गऽ सयनहँ मं ह्राग नहि हगनि ज अहाँ स्र्ग सँऽ
 अनूयस्मिग छी। ॐ काज हम स्र्ग कनिगहँ, मूदा हम कगका दिन
 सँऽ नाजप्रासाद नहि (गल छी। हमना लल ॐइक मान म संदह
 अंकुनिग नहि हवाक चाही। गँ आँउ उगय (गनाँ आतथक
 अछि।

चिप्रलखा आक्षरु रऽ (गलीह आ रूलाक जवाक लल गैयान रऽ
 (गलीह। गिह्कनेधी विद्याक कान(हँ ठा ऊहहि म गायव र'
 (गलीह, नहि जानि उगय सँऽ चिप्रलखा कखनि विदा र' (गल
 छलीह।

"आव अहाँ ठीक ठी न? अहाँ क की रल छल ? " ँँइ प्रसन्न मूत्रा मं उर्वशी सँऽ पृच्छलखिन।

"दवनाज, वसी बरुणाक कान(धँ) थकान सऽ हम अस्त्रसू रऽ (गल छलहँ, मूदा आव हम ससू छी" - उर्वशी वजलीह। गणध्याग ँँइक अन्मगि सँऽ आ अयन आसन यन जा कऽ अशना सरक मध वीसि हँसेग गय कनऽ लगलीह। अखनि हनक मान कनि हल्लक छलनि कानध आ अयन क्रदय क बथा प्रम-संदश क नूय मं सखी क माधम सऽ प्रियगम तक यहुँचा चकल छलथि । गखन आ रावना नूकावऽ क सह आबथक छलेक, गँ आ नाटक कऽ नहल छलीह ज किछ नहि रल छेका।

सिंहासन यन विसल ँँइ अयन काज मं बरु छलाह । किछ ऊधक वाद ँँइक सानथी मागलि प्रवश कअला आ सग्रीधियगि क अरिवादन कलनि। ँँइ अरिवादन क प्रणुफन दऽ यनः अयन कार्य मं बरु रऽ (गलाह। किछ काल धनि मागलि आर रऽ प्रगीजा कलथि, गणध्याग दवनाज क धान अयना दिस आकर्षिग कनवा हगु वजलाह -

"दवइ, अहाँक काज म ऊधिक बवधान लल हम उमा चाहेग छी। हमना किछ महद्वयूर्ध सलाह कनवाक छल अहाँक संग"।

"आह! मागलि कह की वाग कनवाक अछि " ?

"दवइ, हम अहाँक आदश सँऽ वायू दवक संग सग्रीक निनीऊध कनय लल (गल छलहँ। वायू दव चिप्रलखा कँ अदृथ नूय सँ सग्रीक सीमा कँ अगिक्रमध कनेग दखलथि । "वायू दव" जिनका सामँ

गिह्वनिधी विद्याक काना प्रराव नदि छेक गकाल आ विप्रलखा कँ
 अदृथ नूय म सहा चीइ (गलथि । अक गs विप्रलखा स्वर्गक सीमा
 क अगिक्रमध कनेग छलथि, गदि क अगिनिक दूनका हाथ म अकटा
 गुफ संदश छलनि। नाय् दन ह्मना गुफ संदश अ स्वर्ध यत्र यन
 लिखल छल दs कs विप्रलखाक संग अहाँ क दमय ह्नु य0। दन
 छथि आ स्वयं अखना आगदि निनीउधक काज मं अरु छथि"।
 ॐइक आँखि ब्राध सँ जनय लागल, विप्रलखा कँ दन-सरा म उयस्त्रिग
 ह्वाक आदश दलनि आ मागलि सँs स्वर्ध यत्र लs कs पुनः नाय्
 दनक संग नह्वाक अन्मगि दs दूनका विदा कs दलनि।

उर्वशी आव रय सँ काँयि नहल छलीह। उध रनि म दूनकन आशा
 वूमि (गल छलनि आगामी यनिधाम दखि आ प्ररु रs (गलीह। ॐइ
 विप्रलखा आ उर्वशी कँ सरा कज मं सरासद क मध उयस्त्रिग
 हायवाक ह्नु आदश कलथि। आ स्वर्ध यत्र यन अँकिग संदश यडलाक
 वाद यूना स्त्रिग वूमि (गलाह। आ ब्राध सs आवधिग रs (गल
 छलाह। ब्राधावश सँs काँयिग अपन आवाज क अक सीमा गक
 निर्यप्रिग कलथि, मूदा दूनक मूख मंउल क राव ब्राध क अष्ट कs
 नहल छलेक। उर्वशी दूनक राव दखि प्ररु रs (गल छलथि । ॐइ
 अपन दृष्टि उर्वशी यन टिकोलथि । मूख मंउल यन धान कँडिग
 कनेग वजलथि -

"हँsss! गs अहाँ यूननवा सँs प्रम कनs लागल छी ! उर्वशी! अक अमन प्राधी क नखन प्राधी सs प्रम कनवाक चाही! ॐ हायाय्यद वाग अछि।की अहाँ ॐ वाग नहि व्रमेग छी! मूदा संरवा:प्रम अहन गद्व अछि ज ॐ सव नहि दखेग अछि। उ आइन दळ्ळग अछि !अहाँ क सदा ॐ वीमानी रs गल अछि। किअक! हमन ॐ वाग 0ीक अछि?हमना अहाँ यन वद्ग गामस अछि, कानध हमन अन्मगि क विना स्वर्ग सs वाहन संवाद रजव वद्ग येघ अयनाध अछि। ॐ दंउनीय अयनाध दळ्ळग अछि। आ अहाँ स्वर्ग क नियम गाँि दलहँ। अक गs अहाँ नखन संसान क अकटा प्राधी सँग प्रम कलौ! आ गखन अहाँ अकना संदभ सदा य0ी नहल छी? आ अहि लल अहाँ स्वर्गलाकक अस्मनाक प्रयाग कलहँ?"

आव अकन यक्षाग चिप्रलखा दिस घूमि गेलाह।

"आ अहाँ सदा हमना सँ अन्मगि लव वा हमना अहि विषय म सूचना दव उचिग नहि व्रमलहँ? अहाँ दूनू (गार अयनाधी छी,अहि लल अहाँ कँ दधु अवथ ररगा। गँ हम अहाँ दूनू (गार कँ अहन दधु दवय चाहेग छी ज रविथ मं स्वर्ग क नियम क विनह्व कया किह्व काज कनवा सs यहिल अयनाधक दधु स्मनध कय नियम रंग कनवाक प्रयास नहि कs सकैथ। नियम विनह्व प्रथम उग उ0वै सs यहिन अहि दधु क स्मनध कs साहस नष्ट रs जाँ क चाही। आ अगय क नियम क विनह्व काना काज ने कनवाक चाही। अहाँ क क0ानगम दधु दमय चाहेग छी मूदा--"

व्मायल उना ॐव्व वद्ग क0नाॐी सँs अयन काध यन कावू कनवाक प्रयास कs नहल द्वाथि। किह्व काल नूकलाक वाद रुन वजलाह -

"उर्वशी, अहाँ कँ महान नन-नानायध झाना वनाउल (गल अछि आ स्वर्ग कँ उयहान म दल (गल अछि, गहिया सऽ अहाँ निश्वसनीय नहलहुँ। ग्रानंर सऽ अखनि धनि अहाँ अयन संयुध निष्ठा सँ स्वर्गक सत्ता कनेग अलहुँ । एक दिन सँ महान नन-नानायधक सम्मान आ अहाँक निष्ठापूर्वक सत्ता दखि हम अहाँ कँ स्वर्गक समय-सानधीक अनुमान याँच वर्ष स्वर्ग सऽ निष्कासन क दधु देग छी। अहाँ कँ निष्कासिग कयल (गल अछि स्वर्ग सऽ। चिप्रलखा! अहाँ ऊ अयनाध कलहुँ गाहि लल हम अहाँ कँ एक मास धनि स्वर्ग सँ वीचिग कऽ नहल छी ।

"स्वर्गाधिय! अहाँ हमना ऊ क(0)न दधु दव स हम स्त्रीकान कनव, मूदा हमन मिप्र चिप्रलखा कँ उहि अयनाधक दधु नहि दियोक ऊ उा नहि कन छथि। हम दाषी छी, उा सम्युध निर्दोष छथि"।

"ठीक छे, हम हुनका उमा क देग छी, कियक ग उा अहाँक कहव यन आ अहाँक ग्रम मं नियम गाँठि दलथि, गाहि लल अकन स्नान मं अहाँ क हुनकान दधु सहय य७गा मूदा अहाँ लल ७७ी अवधि 5 साल क ह्ययग।

उर्वशी वृषचाय उहि दधु कँ स्त्रीकान कयलनि। अशना लाकनिक वीच रूसरूसारुटि रऽ नहल छला। सव - दव, किन्नन, गंधर्व, अशना आदि कँ उर्वशीक ग्रमक स्नान रऽ (गल छलनि।

क्रमशः

अ्यन मंग्य editorial.staff.videha@gmail.com यन य0उ।

२.१०.कृश्न कर्ध- लघूकथा नीठ आ वीहनि कथा हॉट



कृश्न कर्ध

लघूकथा नीठ आ वीहनि कथा हॉट

१

लघूकथा- नीठ

कनॉट प्लस मं आगू चलेग अकरा चनेल (गंजा) छकि क हनिश्चद्व
वावू यादू स' यजिया क' यक७लिखन

"यऊ जनार्दन वावू कहाँ गायव रय (गल छलहुँ अहाँ !!"

ऊ चनेल आदमी दह मरुकेग कहलकेन , "यागल ह्य झा, कोन ह्य गुम ?"

गखन हनिधुंइ वावू क अखियास रलेइ ज काना अनजान आदमी क जनार्दन वावू वूमि यकेअनन छलाह, उहि अनजान आदमी सँ उमा माँगि आगू वढलाह।

अहियासँ दिल्ली क साहिष्कान सव हनिधुंइ वावू क वाळन (प्रतिवंधिग) दलकेन अछि गहियासँ ऊ निजिय रय (गलाह अछि।

काना चनेल आदमी हनका जनार्दन वावू वूमाल छथिन, ग काना गुइ आदमी हनका शिवचंद्र जी वूमाल छथिन, साठीवाली महिला हनका कनियित्री कामिनी जी वूमाल छथिन।

काना वियाह-दानक मंच हनका कवि(गाथी क मंच दखाल यउग छथि।

जखन मंच यन हनका याग अयटा यहिनायल जाल छलेन ग हनका नैसर्गिक सूख रउग छलनि।

अकदिन मंचसँ ऊ सनकान क प्रशंसा मं कविगा यरि दलखिन, मंचयनसँ सव साहिष्कान हनका दूनदूना दलकेइ।

सव साहिष्कान क कहव छले, साहिष्कान मं सनकानक आलाचना

कनवाक साहस ह्वाक चाही, हनिश्वंद्र वावू सनकानी यूनघान लवाक
हिनाक मं सनकानक गुधगान कलाह अछि गाँ हिनका सव
साहित्यिक मंचसँ वानल जाय !!

हनिश्वंद्र वावू हाथ जाँ सव मोधीश लाकेन क सहाळी दलखिन,
हम सरदिनसँ अहि पार्टी क यज्जन नहल छी , हम अकन
विचानधाना आ निर्धयसँ सहमति नहैग छी गाँ प्रशंसाम कविता
या० कलहँ , ऊँ काना गूना दखाळू य० ग उहा कहवा

मूदा सव मोधीश अक सन मं कहलखिन "साहित्यिकान दअह उ
सनकानक आलाचना कनवाक वृषा नाखय , अहाँक शनीनम नीटक
हउी नहि अछि!!"

गहियासँ हनिश्वंद्र वावूक आव काना मंच यन नउाग नहि रस्टेग
छहिन।

सवदिन अयन कनिया क याग जयराद' कहैग छथिन, हमन स्याग
कनु। घन आयल याहन यनख क गंजी उ०क' दखवेग छथिन,
दखियोग' हमना दहमं नीक क हउी छै ??

गुधाकन वावू वऱका 0७की छलाह। गामक वटी यूगाह् द्वाउ कि जऱन-मझननी सऱव यन नऱनि गऱऱेन नऱहेग छलाह। दूनक घऱन मं काज लल आऱल रूलकी क अऱसगन यावि काइ यन द्वाथ नाखि दलखिना।

"द्वाथ द्दराउ नऱहि ग थाना यूलिस दऱखा दऱवा " रूलकी वाजि उ0ल!

"थाना क काज यऱेग छेक ग गऱहन टालक लाक द्दमना लग अऱवेग छे आ गऱं द्दमन थाना सिखऱेग छऱं ?"

"नवका कानून SC/ST क नाम सुनलियेक अछि कि नऱहि ज थाना द्दला नियार्ट लिखेसँ छीह करगे गकना नाकनी जगे!"

गुधाकन वावू क लगलेन ज काना धियल चीज द्दऱा (गलेन अछि, गुनग रूलकी क काइ यनसँ द्वाथ द्दरा ललाह, आऱ्ह यदिल वन दूनका "द्वॉट" क अर्थ वूमि मं अलेन !

(स्वर्गप्रगाक अमृग मद्दासत्र यन त्रिऱष)

अयन मंगद्व editorial.staff.videha@gmail.com यन य0ाउ।

खरूँ, गखन खाँव काँसँ, गँ कर्लोँ वैषूद वूँ “

निनयजी वजला-

“अड्डा गँ स वाग छौ “

निनयजी दँसँ लगला। मूदा अयना मूहसँ दँसी नहि निकेल सकला।

अयन मंगछ editorial.staff.vidaha@gmail.com यन य०उ०

२.१२.जगदीश प्रसाद मधुल- सूचिगा (धानावाहिक उययास)



जगदीश प्रसाद मधुल

सूचिगा (धानावाहिक उययास)

'सूचिगा' धानावाहिक नूयँ छयव प्रानसू रल 'मिथिला दर्शन'म, ऊ यद्विन प्रिंटम छयव वड रल आ माप्र यी.जी.अरु. म वूँ-प्रकाशिन

हृदय लागल आ रून सदा वद रऽ (गला आ गँ 'सूचिणा'क सदा
 छयव/ ङ्गी-प्रकाशिन हृदय वद रऽ (गला अही आलाकम ङ्गी
 उययास धानावाहिक नूयँ ङ्गी-प्रकाशिन कऽल जा नहल अछि।-
 सथादका।

चानिम यऽल

गसन साँसा नाधानमध अयन का०नीम वेस अयना जीवन दिस
 देखि नहल छला। आजक ज क्रिया-कलाय नहल मान हिम्मागलाल
 उ०मक ज समुच्च नहल उा जीवनक एक अरिनद अमूल्य उयलधि
 नहल। उ उयलधिकँ कना जीविग नखेग प्रगाढ वनाभव, ङ्गी गँ
 अयन कन हऽग। दुनियाँम साग अनवसँ वसी लाक अछि, सर
 मनुखकँ हाथ-यऽन, मूँह-आँखिक संग वृधि, विचान-विवक अछि
 मूदा सर किछ एक नहिग। एक-दासनसँ अयनिविग कना अछि..?
 नाधानमधक मनम विनार प्रक्ष उ० कऽ ०।७ गँ रऽ (गलेन मूदा
 जवाव किछ रटिय न नहल छलेन। गेवीच खलेग-खलेग सूचिणा
 लगम छलेन। सूचिणाकँ देखिग नाधानमध वजला-

"वृद्धी, हिम्माग चाचा उ०म की सर दखलहक?"

यगिक वाली अकानि सूत्रासिनी सदा नाधानमध लग यदूँच वजली-

"(धाखा-(धाखीम चारु वनाभव विसेन (गलौं। एगनसक वन रऽ
 (गला की चारु वना कऽ नन आभव?"

चारुक ङ्ङ्घा जग नाधानमधकँ प्रराविग नहि कलकेन गऽसँ वसी
 प्रराविग कलकेन सूत्रासिनीक अयन रूलक कवूला। स्त्रीगधक वीच
 काना काज नहि कनेक वहन्ना ज घन कन अछि, उा सूत्रासिनीम
 सदा छलेइ, मूदा सूत्रासिनीक अखनूक नूय गऽसँ रिन्न वूमि यऽलेन।

कि० गँ काना काज नळ कलाक यळाळ्ळग जखन सूत्रासिनीकँ नाधानमध नळ कनेक कानध यूछे छलखिन गँ सूत्रासिनी अयन गलगी कवूल नहि कनेग वदन्नाक वीच वदन्ना गा(धेन 01७ कनेग नहे छली जा(धेन खगल काज दखि नाधानमध वि(गे७ कs नहि वजेथा स आळ्ळ अयना मूहँ अयन रूलक कवूल कनेग सूत्रासिनीकँ दखि नाधानमधक मनम घीगक अक नत्र नीगि उदिग रल्लेना वजला-
"उना, हिम्मगलाल उ0म गग खा नन छलीं आ गेयन सँ चारु यीलीं स मन गदगनल अछि। अखन चारु यीवेक मन नळ्ळ दळ्ळ०।"

हिम्मगलालक चर्च सूनिग सूत्रासिनी वजली-

"जहिना हिम्मगलालक सारग छे गहिना घनावाली आ माळ्ळ्याक छे। वाल-वच्चा गँ सहज यशुधन जकाँ दूधमूहँ अछि।"

उना, सूत्रासिनीक वाग सूनि नाधानमधक मनक विचान गहना० लगलेन, मूदा गळ्ळ गहनाळ्ळकँ उठन वनवेग वजला-

"अकटा चीज (गोन कलिउ?)"

सूत्रासिनी-

"की?"

नाधानमध-

"अयना सर जकाँ हजान चिन्नाम हिम्मगलालक यनिवान नळ्ळ अछि।"

यगिक वाग सूनि सूत्रासिनी 0मकली। मान य०लेन, जगकाल ह्म सर दनवजायन छलीं गगकाल हिम्मगलाल सवगून अयना-अयनीकँ आदन-सकानम लगल छला। आन काना काजक रूग सवान नळ्ळ छले...।

यन्नीकँ 0कमकाञ्जल दखि नाधानमध यूनः वजला-

"द्विष्मालालक यनिवान अकाकी अछि। अयन जगटा जीवन छे
गळ्ळम सर गून जटल नहेअ जळ्ळसँ न वाहनी काना दवाव यउे छे
आ न अयन समटल जिनगीम कगे काना वाधा उयस्मिग द्वाळ्ळ छे।
यनिवानक सर अयन-अयन जिम्माक काज व्सेअ आ गळ्ळ दिसाव
अयनाकँ ल(गोन नहेअ। "

यगिक वाग सूनि जहिना कयअम लागल काना दागकँ यानिम लाक
सारु कनेअ गहिना सूत्रासिनी सह्य मन-मन अयन विवानकँ धूअ
लगली। मूदा यनिवानम ऊ जीवन रुन वनि जाळ्ळअ उाह गँ साधानध
नाग नदियँ छे। ऊ लगल धूआ जाअगा उना, मनुस्क अङ्ग जीव
छे। असीम शक्ति मनुस्क रीगन छियल अछि। ऊँ उा अयन
छियल शक्तिकँ जगा अयनाकँ जागनिगक प्रधयन कनेग दृढ संकत्यक
संग समर्यिग रऽ जाअ, गँ जीवनक काने संकट असानीसँ अयन
दून रऽ सकेग अछि। मूदा स निरुन कनेअ उाकन जीवनक
दिशायन।

सूत्रासिनीक मन जना विवानसँ रनि नहल छलेन जळ्ळसँ नंग-नंगक
विवानम मन उेनाअ लगलेना वजली-

"अखन खनसक वन रऽ गल अछि, जाअ दिआ। "

बृश्रवाध छाउेग नाधानमध वजला-

"हम काना कि अहाँकँ यकअन छे। यकउेवलाकँ चिह्व-दखव न
कने छे। आ ऊ नळ्ळ यकअन अछि गकना कहे छिअे..!"

उना, यगिक विवान सूत्रासिनी नीक उकाँ नदि व्से यली मूदा
द्विष्मालाल-उ0मक आदनयूर्ध ववहान मनम नाचिय नहल छलेन।
आद्दादिग द्वाळ्ळ वजली-

"सूजम साग नंग अछि, सवहक चमक-दमक अक-दासनसँ सटला आ हटला गँ अछिअ।"

सूत्रासिनीक त्रिचानक प्रवाहम गज गणिय प्रवाहिन दखल्लेग नाधानमध वजला-

"हँ, स गँ अछिअ।"

सूत्रासिनीक त्रिचानक धान दासन दिस माऽ (गलेना आगू वढिग सूत्रासिनी वजली- हमना माऽ उदिना अछि जदिना हिम्मगलालक माऽ अछि। यिगाजीक अत्रजयन जदिना हमना माऽकँ नाकनी रल गदिना हिम्मगलालकँ सदा रल, मूदा द्रुनु यनानीक लगन ज यनित्रानक प्रणि अछि अ अद्वितीय अछि। कहाँ अयन यनित्रान उहन अछि..?

लगल सूत्रासिनीक नजेन आगू वढि यणियन आवि अँटेक (गलेना अयन घनक काज मान यिगाक अत्रजम माऽकँ नाकनीम नाधानमधकँ त्रिवाहसँ युवँ उदिना न रल हगेन जना हिम्मगलालकँ रला हमहुँ कोलजम यटे छलौं, कहाँ किछ वूमि यलौं। जदिना हिम्मगलालक मन यजवाक घन वनवेयन छल, जऽ हिसावसँ नूयेआ रटल छले, यिगाक उणियूगिसँ घनक अददा काज नदि रले आ याऽ चल (गल खर्व-वर्वम, गदिना गँ नाधानमधकँ सदा रल हगेन, रऽ सकैअ कगे-कगे नदियाँ रल दखल्लेना कान गनहक सम्व द्रुनु (गानक यनित्रानम छला कनी-मनी यिगाजीक यटोल छलेन, स सम्व छलेन, गदूम नाधानमध गँ अयन यटेक दीस गँ दऽ छल, जऽ वदलाम यडलेन। आखिन कान अहन शक्तिक आकर्षध छल ज नाधानमधकँ अण आकर्षिण कलकेन? समाजक ज यनिवध नानी जगक प्रणि वनि (गल अछि अ दर्दनीय अछिअ, मूदा निवनवाक ज दिशा अछि

दुःख एक आँसू-मधु आँसू अच्छि जल्सँ दर्द-यीश घटेक जगह
 वरिय जाँसू समाजक आ यिनाक यल-लिखल वरी गँ अयना
 छी, अयना यनिदानक रान उठवेक दम अयनाम कहाँ अछि।
 कहिया मनम उठल ज समाजम विधवाक रूसनी अखना किउ जीवित
 अछि, जँ अयन रऽ जाउ गँ समाजक अंग नहि कलंक वनि जीवित
 नहेक अछि। कहाँ अखन तक मनम उठल ज अयन दुखक नागिसँ
 नमहन कना सुखक दिनकँ वढावी मान भ्रमहीनगासँ भ्रमशीलगा दिस
 कना वढी..? अकाँक सिनहासिक रऽ सत्रासिनी लजहँसी हँसि
 वजली-

"की खाँसूक खँडा हँसू?"

गहिनाँसू मन नाधानमधक छलेन, गँसू सत्रासिनीक विचानयन
 यलारनि ल नहि अलेना जकना वक-वकी वृमि नाधानमध वजला-
 "जागीकँ कृपा वलाउ अनन...।"

यगिक विचानकँ मद्दहदीन वनवेग सत्रासिनी वजली-

"वीनवलक, अकवनक दनवानसँ यहिलूका जीवन की अछि?"

जान छाँवेक यनियार कनेग नाधानमध वजला-

"खा-यीकऽ जखन निचन देव गखन जग मन दुःख स सरटा
 जीवन अकवन-वीनवलक सूना दवा "

यदीक वनहवरिया गीग सुनि नाधानमधक मन अकोछ गलेना मनम
 उठलेन कृपा राग गँ राग नहि गँ अयन रागि। यथावक वहन्ना
 वनवेग नाधानमध यथाव-घन दिस वरि गेला। यथाव कनेम गना
 दनी लगा दलेन ज सत्रासिनीकँ वृमि यलेन ज रनिसक येखाना
 चल गेला। उना, दनी लगेन येछला विचान सदा नाधानमधक
 अगुआँसू आगू आवि गलेना सीगानाथ आ गीगानाथसँ आँसू

गय-सथ कनव कनवा

सूत्रासिनी आ नाधानमधक वीच गय-सथक शुनुआग दाळ्ळग सूचिगा असगन खलाळ्ळल रनसा घन दिस वढि गेला ज सूत्रासिनीकँ यद्द्वग (रनसाघन) सूचिगाकँ यिगाक य्छल वाग मान "द्विम्मा चाचा उ०म की सर दखलक" मान य०लो मान य०ग सूचिगा निच्छाद्द दोउग का०नीम, जळ्ळ का०नीम नाधानमध छला, यद्द्व वाजल-
"वावूजी, द्विम्मालाल चाचा उ०म रून जा०वा नखासँ ह्मना वदिना लागि गेला "

दू-अ०ळ्ळ वर्खक वटीक वाग सूनि नाधानमधक मन उदिना ल०गुजा गेलें जना क०ान-सँ-क०ान यागवला वृजक मू०ी यनक याग ल०-गुजा०ल नद्दे०। जळ्ळसँ मनम उयकलेन ज सूचिगाकँ आना कि० न नत्र जीवनक प्रराग वलाम वद्लावी। कि० गँ चान ह्ज कि वूढ, चानावस्त्रा ना वृद्धावस्त्राम सीखल वद्द वाग लाक विसेन जाळ्ळ छेथ मूदा जन्मक यच्छाळ्ळग मान जीवनक शुनु दाळ्ळक अवस्त्राम ज "अ-आ" सीखलेन स कि मृगूसँ यद्दिन किया विसने छेथ, रलँ किच्छ गान उदना गँ दाळ्ळग छेथ जिनका मूळ्ळला यच्छागिक ज स्वर्ग-नर्कक लाक अछि गळ्ळम ०ीकदानक अनुशंसायन ऊँ कहीं मासुनी रलेन गँ उे लाकसँ उाळ्ळ लाक गक सद्द नदियँ विसने छेथ। सूचिगाक मनकँ वदलवेग नाधानमध वजला-

"नखासँ जखन वदिना लागि गेल गखन गँ वदिनावला गीगा सीखन ह०व?"

"वदिनावला गीग" सूनि सूचिगाक मनम अकटा नत्र शब्दक जागनध रला जागनध दाळ्ळग सूचिगाक मन लयेक कऽ उाळ्ळ शब्दकँ यको० वाजल-

"वावूजी, वहिनकाँ न वहिना कहेउ?"

सूचिणाक मन वहलवेग-वहलवेग नाधानमध अयन वहलाउ लगला।
वहलाळ्ळण नाधानमध सूचिणाकँ कहलखिन-

"वूञ्ची, मम्मी गँ कहनहि द्दथून किन, सउद ह्मदूँ कहे छिआ।"

मम्मीक वाग सूनि सी.वी.आळ्ळी. जकाँ सूचिणा यिणाक वाग सूनि चार
मम्मी लग मान सूत्रासिनी लग यदूँच वाजल-

"मम्मी, वहिना ककना कहेउ?"

ववहानम ज चलोन अछि गळ्ळ अनकूल सूत्रासिनी सूचिणाकँ
कहलखिन-

"वूञ्ची, जहिना वालकम दाफी द्दळ्ळु गहिना वालिकाम वहिना
द्दळ्ळु।"

अयन विचानकाँ सग्रायिग कनेक खियालसँ यिणा लग आवि सूचिणा
वाजल-

"वावूजी, वालक-वालिका की रल?"

उना, नाधानमधक मन वहिन-वहिनारसँ उठेग रवइआनम अन्का
शुद्धकँ यकेउ विचान कनउ लगलेन ज "वहीन" की रल? "राउ"
की रल? "रैयानी" की रल? "दाफी" की रल? "रजान" की रल
आ "रजानी" की रल? "मीग" की रल? आ "मिप्रयध" की रल?
"संगी" की रल आ "संगयन" की रल? मूदा गळ्ळ विचम यून:
वाल-वाधक प्रश्न "वालक" की रल आ "वालिका" की रल?
नाधानमधक मनम आवि गलेना वजला-

"वूञ्ची, अखन वञ्चा छद्द, अखन अ-उ-आ न सीखलद्द हन, गळ्ळम
वालक-वालिकाक लिंग-रुद द्याकनधक वाग कना वूमवहका
दिम्भालाल चाचा उठाम ज वहिना रललद्द उ की सर कहलकद्द?"

माँक मूँक सूनल वालक-वालिका श्व मनसँ गकाल डीध रऽ (गले आ वदिनाक विचान मनम प्रवल रऽ (गलळ्ळ। यल्लविग द्वाळ्ळ सृचिगा वाजल- "वावूडी! वदिना कहलक अदिना आँल-जाँल कनवा " अयन (गाटी रुकौग नाधानमध वजला- "वूडी, आँव-जाँव की रल?"

जदिना नाधानमध (गाटी रुकलेन गदिना सूनवा कलेना सूनलेन ली ज नाधानमधक मनम गति चकल छेन ज आँल डी सीगानाथ आ गीगानाथसँ गय-सथ कनव कनगा मूदा समय गना नाँळ-वाँळ रऽ छितिग्या नहल छेन ज अयन काज गनयन चडिय न नहल छलेना। स चडलेन, चडलेन ली ज सृचिगा आँव-जाँवक मान क्पेल माँ लग वडला। सृचिगाकँ आगू वडिग याहूसँ नाधानमध वजला-

"वूडी, रनसा देखि लवा सवन स्रोके लूँडा अछि।"

"सवन स्रोके लूँडा अछि" रनसाधनसँ सूत्रासिनी सह सूनली। सृनिग अकाँक मनम मोक उलेन। मोक उलेक कानध रलेन ज अयन मूँ मान योगि, वजल छला ज खला-यीला यछाळ्ळ अकवनाक आ दानाशिकाहाक कथाक वृगान्क सूनाँवा। स खाँळ्यासँ यदिन स्रोकक विचान कऽ नहला अछि। उना, स्रवाक नामयन नाधानमध उहिन चिक्कनक गहनाळ्ळम जाँ चारहे छला जेँमक अवस्था नीनरन स्राल मनूख जकाँ द्वाळ्ळ अछि, जळ्ळम दुनियाँक सर किछु हना जाँँँ आ वीँच जाँँँँ सन्न सन्नूय चगना।

मोकसँ मोकौ सूत्रासिनीक मनम उलेन ज जदिना खाँँँँँ यदिन, योगि स्रोक उनियान कनँ चारि नहला अछि गदिना न अयना चार अछि। गँ किँ न गहन चार यीआ दिनेन ज स्राल-स्राल

सूत्र मनि जणेना मान रानसम १११ दनी कऽ दव ज नियानल नीन
 अयन सूखा कऽ सूखि जणेना मूदा लगल जना विद्रक जगलेन,
 विद्रक जगिण सूत्रासिनीक मनम उ०लेन ज रानसम दनी कनव
 नानीक नानीयनक कमजानी रल, ज०० कमजानीसँ लाक ००ी निर्धय
 नदि कऽ यवे छेथ ज समाजम किनका मूदँ कहन कान कानल जा०
 मूदा स गँ द००० अछि नदि, सर रानरुक मृगूकँ अक मानि अक
 कान सवरुक मू००ला य०००० कानल जा००० वा (आक प्रकट क०ल
 जा०००) ज०००सँ विद्रक (आखाम य००य जा०००) विद्रकक (आखा गँ
 रखन न नि(आख द०ग जखन गाम-समाजक लाकक नीक जकाँ चीन-
 यदचीन द०ग) नीक जकाँ चीन-यदचीनक मान रल जहन मनूकक
 चिप्रांकनक चनिप्रांकन नीक जकाँ रऽ जा० जखन मनूकक चनिप्रांकन
 रऽ जा०ग रखन न आँकि सकव ज चानक घन चा००न रल आकि
 ००मानदानक घना आकि चा००न कनिहानक गलगी अक नंग रला
 मूदा दूनूक दूनी गँ साम-सामी वनल अछि। जँ किया चान अछि
 अ कदिया ककना घनम चा००न कन नरुल आ किया ००मानदान
 अछि ज चा००न कनवकँ कान वाग ज चानीक नामयन थूक रुको०,
 अहन लाकक घनम जँ चा००न द००० गँ दमना क०ग कहन वदना
 द०ग ज०००सँ अयन संवदना अक कनवा।

त्रिचानम आमना०ल सूत्रासिनीक मनम उ०लेन ज जखन दू००य
 यनानीक वीचक वाग अछि रखन अनन कि० उ खि०की दन आकि
 अ०० खि०की दन मू०यानी दव ज सगल छेथ कि सगल क्रमम छेथ
 कि वाल-वाधकँ अयना लग अवेसँ टाट लगवे छेथ आकि मनम
 की छेन स य०छिय कि० न लवेना य०द साचि सूत्रासिनी यगिक
 का०नीम यदूचली।

का०नीम सूत्रासिनीकँ दखिण नाधानमधक मनम उ०लेन ज रल्ल रून याकल जौ म याथन खसगा। ठीक लाक कहें छै ज खगल घनम वसी खगलक वास दाळ्ळ छै। जकना हाथम याळ्ळ नहि नहें छै गकन हाथ गनह्छीसँ ससेन आँगुनम जा० जाळ्ळ छै जळ्ळसँ सेयाक कान वाग ज हजाना रून रूटिंग अछि आ रूटला गँ अछि७। नाधानमधक मन अस्थिन दाळ्ळग नहेंन कि यत्नीकँ का०नीम दख, दूनू हाथ जा० वजला-

"किश्चन-किश्चन, श्रीमगीजीक आगमन रल्लेन अछि?"

अखन गक मान हिम्मगलाल उ०म जाळ्ळसँ युर्व गक ज सूत्रासिनीक सूत्रात्र छल्लेन ज जहिना आन-आन स्त्रीगधकँ (०।नयन वनी यकै७ गहिना यकै छल्लेन मूदा आव गळ्ळम कमी जल्लेना नव विचानक दो०म अक चगन क्रिया प्रवल रळ्ळय (गल छल्लेन ज कि७ न जखन दूनू यनानियँक वीचक काना समथा छै। गँ उाकना दूनू (गान मिलि समाधान कऽ ली। गळ्ळ ल मूह रूलवेक कान खगगा छै। कि७ न दूनू यनानी योन्की उकाँ मद्-मदीनक लालक-वालम अकनूयगा आनि ली। अचगाळ्ळग-यछाळ्ळग सूत्रासिनीक मन थीन रल्लेना थीन दाळ्ळग वजली- "मनम कहन थकान वूमि यउे७ ज खाळ्ळसँ यहिनि स्रोक विचान क७ नहल छै?"

अयन यटक विचानकँ छियवेग नाधानमध विचानम विचान जाउेग वजला-

"दिनसँ मन रनियाजल उकाँ वूमि यउे७ गँ७ सावे छै ज रनियाजल मनकँ आनाम दव वसी नीक ह७गा "

यगिक वाग सनि सूत्रासिनीकँ सह्य गन स्रानलेना गन स्रणेग वजली-

"उखन दिनसँ मन रनियाँल छल गखन अग दौ७-व७हाक कान खगगा, दासन-गसन दिन हिम्मगलाल उ०म जळ्ळौं।"

जहिना क०घनाम मूहा रूसि जाळ्ळु गखन जहिना उकन गगि दळ्ळु छे गहिना नाधानम(धाकँ रलेन। मूदा यानिक (गेंची माछ जकाँ, जकना आन माछसँ जीवैक वसी लूनि छे, यानिसँ थालम घासियाळ्ळग नाधानमध वजला-

"उखन हिम्मगलाल उ०म जवाक मन वना ललौं गखन नळ्ळ जाँव नीक द्यअग?"

वदलल जीवनक यङ्गिसँ सूत्रासिनीक निचान यङ्गि सहा वदललु लगल छलेन जळ्ळ कान(धै मूहसँ रूटलेन-

"जहिना हिम्मगलाल उ०म जवाक मन वनल गहिना न दासना-ल मन वनवअ य०ग।"

जळ्ळ निचानयन सँ नाधानमधक मन दृष्टि चकल छलेन सअह वाग सूत्रासिनी नखि दलखिन जळ्ळसँ नाधानमध समूचिग टुंगसँ निचान नहि कऽ सकला, गँअ वजा (गलेन-

"उचिग न वनाअवा।"

मान याँउ सूत्रासिनी वजली-

"हमना न कहन छलौं अ खला-यीला यछाळ्ळग आछाळ्ळनयन वीनवला- अकवन आ अकवना-दानाभिकाहक कथा वृगान्क कहवा।"

अयनाकँ रूसैग दखि नाधानमध (गौंची माछक (गौचिआह चालि यकै७ वजला-

"अहाँ कि वृषे छिअ अ हम विसैन (गलौं। मूदा ङ्ळी गँ दूनू (गानक वीचक छी, उखन दूनू (गान निचन दअव गखन ०(०ग-रूसैग कहेग-सुनेग नहवा। गळ्ळ ल अग ध०रुठी कान अछि। अवा न वृषे छिअ

ऊ ँगिहासक वाग छी कना वीनवल कूफकँ सवानी वना जानेन उधे छल आ वरुह कूफा अखन उन.वच.यन गागी-सवानीक मन याँ मनेन। गँअ अकवन किगाव उनटा दखि लव गखन ऊ कहव-सुनव हएग स आ अखन ऊ धउरुगअलम किछ कहि दव स, अहीँ कहू ऊ अकनंग हएग?"

यगिक विवानम सूत्रासिनी गना वाहिया (गली) ऊ वजेक द्वाष न नदलेना वहाषम वजली-

"हँ, स अक नंग कना हएग। "

नदलायन दहला रुकेग नाधानमध वजला-

"कान नंग-कहन हएँअ स धउरुउन वूमवे अहीँकँ अग ओगाएँ किअ अछि। आँअय कि काना मनि जाएवा ऊखन जीवेक अछि गँ निचनसँ किअ न जीवा जाउ, अहँँ रानस कनू आ ह्महँँ कनी दह-हाथ माँउ लएँ छी। "

वदलल सारात्र सूत्रासिनीक, गँअ मनम विवान जगि (गलेन), किछ छेथ गँ यगि छेथ, ऊ कना सू० वजगा। घनम ऊँ ह्महीँ हजान वन वाजी ऊ ँरी काज नहि रल, अहँँ मूठ वजलौं, गखन दूनियाँ की कहणेन। अयना वृधिक मशीन आग रङ्ग०ल अछि ऊ यगिकँ गँ यगि माने छिअन मूदा ह्नुका जीवनकँ यनियगसँ वसी नहि वूषे छिअन। विवान मगन रऽ सूत्रासिनी विना किछ वजन नाधानमध लगसँ निकेल (गली) नमहन साँस छाउेग नाधानमध गुध-गुधा कऽ वजला- "जान छटला। "

रीगनक ह्वा निकेला नाधानमधक मनम उ०लेना सीगनाथ आकि गीगनाथसँ सभ्यक कऽ किअ न आकन समयानूसान समय वनावी।

काजक समय अन्कूल वनलासँ न काज नीक जकाँ देख्छु। ओम सख्ख गटेक प्रश्न अछि गेओम तँ छी वृम्व यग ज मनखकँ माल-जाल जकाँ छान-वाइ नख्छ लगेव मूदा नैधिक रन वृद्धिक छान-वाइ नहि लगेव सख वाग नहियँ अछि। उकना छान-वाइटा नहि जाल-मइजाल सख कहि सकै छिउ।

नाधानमध सीगानाथकँ खनसँ सय्यक कव वजला-

"वोआ सीगानाथ..?"

सीगानाथ वाजल-

"हँ रयेा, नाधानमध।"

सीगानाथक मूहक "रयेा" सनि नाधानमधक शनीन यसीज (गलेना राय दाफियानम दूनु (गान वनवनि रलौं, तँव दूनु अकनंग वृधियान रलौं। मूदा "वोआ" आ "रयेा" तँ स नहि छी। नाधानमध वजला- "वोआ, की कहवह! जहियासँ ओम अलौं गहियासँ वृमह ज मनेयाक छुट्टी नहि रटला मूदा काबि तक सर सखानेा आख्छ निचन रलौं। नीक हवग ज आगूक गय कनेसँ यहिन गीगानाथकँ वजा, चाह उहीओम जा गीनु (गान संग गय कनिगह।"

सीगानाथ वाजल-

"तख्छ कनी दनी हवग।"

अयन निसचिन्की देखवेा नाधानमध वजला-

"वोआ, गान समय हमना समय रला। गार्दी कहह ज कखन गय-सय्य हवग?"

सीगानाथ वाजल-

"रयेा, घठी दिस सख देखै छिउ, अहाँ शहन-वजानम नहे छी तँव अवन कऽ खाख्छ छी, हमसर गमेया लाक नअ वजसँ यहिन

खा ल०० छी। खा००० काल योन नअ वजवला समाचाना सूने छी। " सीगानाथक मूँहक सूनल बरुणा मान खवा कने छी आ नठियासँ समाचाना सूने छी, सूनि नाधानमध मन-मन मूँनला। मूदा वाल-वाधक वाल वूमि वजला-

"वोआ, जहियासँ गामसँ निकललौं गहियासँ वूमह ऊ निचन-निचन नहे छी। वीचम काज वटि (गन थाउ बरुणा वडल मूदा आव अस्थिन रऽ (गलौं। गँउ जखनका समय वनवह ह्म गेयान छिआ। " सीगानाथ वाजल-

"अखन ह्म सरु खा००-यीवे छी, यछा००० अहाँ सरु, मान समय रन खा०व-यीअव, गँउ गकन यछागिक समय रल जखन सूकेक अछा००नयन नहवा। "

सीगानाथ मूँहक "सूकेक अछा००नयन नहव, संयागसँ सूत्रासिनी सह सूनि (गली, कि० गँ ग००काल रानसक का०नीसँ निकेल असानयन आ०ल छली। "सूकेक अछा००न" सूनि सूत्रासिनीक मनम अन्का प्रश्न अक संग उ० (गलेना उ०वा कना न कनिगेन, चनिप्रक गँ अयन घार-वार छी। अकचलिया लल जहिन सूगम घार अछि गहिन वहचलिया ल दुर्गम घार सह वनियँ जा०००। कि० गँ वहचलिया लाक ह्अ आकि वहचलिया विवान, जखन वहचलिया ह०ग गखन चोक-चोनाहा वसी रन वारा-घार दुर्गम र००य जा०००। सूत्रासिनीक चनिप्रक विवानानूसान ऊ यनिवर्गि रऽ नहल छलेन ग००सँ अन्का विवान मनम उ० (गलेना अना, अयना विवान मान यगिक संग निचनसँ गय कनव छलेन, मूदा ककनासँ सृगकालक समय वना नहला अछि अ कहन जिह्मास् छेथ ऊ सृग अछि विवान-विमर्ष कन० चाहि नहला अछि। विवानक जिह्मासा ग

गणि ठाकना चणवेंग यकाऽ दळ्ळु गदिना सूत्रासिनीकँ सह्य रल्लेन मूदा यकाऽण कना स वूमिम भुव न कलेना जळ्ळुसँ मानी खाऽल साँय उकाँ सूत्रासिनीक मन गँ उनटऽ-यनटऽ लगल्लेन मूदा निनूफन रन अस्थिन दळ्ळुग चूय नहली। नाधानमध वजला-

"अकऽम वेसन-उऽन, गय-सथ्य रन आ जिनगीक गणिक चर्व-वर्व कन लाकक मनम लाक वसेऽ आ नळ्ळु रन उयटऽ।"

अयना जनेग नाधानमध सर वाग वाजि (गला मूदा सूत्रासिनीक उदिस मनम नीक उकाँ वेसव न कलेना वजली-

"स कना दऽग?"

गैवीच अयन समय नाधानमधक मनम नाचि उऽलेना नाचि ळ्ळी उऽलेन ज सीगानाथ कहलक अखन दम सर खाळ्ळु-यीवें छी यळाळ्ळुग अहाँ सर खाऽव, गकन यळाळ्ळुग न उळाळ्ळुनयन जाऽव। दमना नळ्ळु काना काज अछि गँ गय-सथ्य कनेक ळ्ळुआ अछि, मूदा सीगानाथक कान गँ ठाऽ दऽग किना गीगानाथसँ सथ्यक कन दऽग, गैवीच ळ्ळीह सावेंग दऽग ज साऽ नअ वज, उा सर मान दम सर खाऽव, गकन मान रल्ल ज दस वज उळाळ्ळुनयन जाऽवक समय रल्ल, गँ दस वज उळाळ्ळुनयन यद्वँ जाऽव अछि। ळ्ळीह गँ उचिग नहियँ दऽग ज दूनू (गान-सीगानाथ आ गीगानाथ गैयान रऽ "हला-हला" कनऽ आ अयन खाऽकयन वेसल नही...।

नाधानमधक मनम अयन क्रियमान विचान जगलेना जगिग विचान उऽलेन ज जदिना अयन खाऽव टा वीचम अछि गदिना हनका मान यग्नियाकँ रानस कनव सह्य गळ्ळु विचम छेना गैवीच ऊँ गय-सथ्य कनी स वृऽवकी दऽग। गय-सथ्यकँ समटेंग नाधानमध वजला- "कना दऽग स काना हनाऽल अछि ज अहाँ दखव न कने छी।

मावाळल अछिउ, जग सखी-वहीनया छैथ गिनका आ अयना यनिवानक सरकँ हकान दऽ दियोन ज जगननाथ वावासँ (था७व हटल, विञ्च नरुायन ह्म छी, किछु दिनक यछाळ्ण "नथ याग्रा" मान जगननाथ वावाक नथयाग्रा चलग, उही दखउ सर किया अवे जाळ जाडा उ०म ओगी, सख्बक अकटा नदसूप यनयग। काश्चि दिन ऊँ वैजनाथ वावा उ०म जवाक प्राग्राम वनग, गँ ँँहनसँ अयना सर चलव, उअहनसँ मान गामसँ उा सर ओगी, अयना यजगनीक मान यञ्चक धनमभाला छैइ, सर किया अक०म नहवा कनव आ गया-सय कनवा "

दस वाजिकऽ याँव भिनटयन सीगानाथक मावाळलसँ घन्टी नाधानमधक मावाळलम रलेन, उ०वेग नाधानमध वजला-

"वोआ, सीगानाथ, दूनु राँळ छह किन?"

उना, जखन नाधानमध खन निसर कलेन कि दूनु (गान मान सीगानाथ आ गीगानाथ अक्ववन वाजल-

"(गो७ लगी छी राया आव गँ अयन उहन राय रऽ (गलिउे ज अयनक ऊँ वनदहक नहग गँ ह्म सर निरुय नहि अरुय सह रऽ सके छी। "

अयन-अयन वाग सर वजला मूदा सूननिहान किनका किया ना माहेन भान्क ह्मळ्ण नाधानमध वजला-

"(गोँआँ गँ गीनु (गान छी, गहूम रैयानीक सख्ब सह अछिउ, गामक किछु दशा किउ न रऽ (गल ह्मळ्, मूदा जन्मक धनी गँ वउह छी, गळ ल..?"

"गळ ल" गक अवेग-अवेग नाधानमधक वाक् हनध रऽ (गलेना गीगानाथ कोलजम यडेग नदयूदक, गँउ मनम उश्राह जगल नहळ्ळ

गहूम मिथिलासँ लs कs वंगालक नतीइ वावू गकक मागूरूमिक गीग
सूनि आना वसी प्रराविग जन्मरूमिसँ नहव कनअ। वाजल-

"राय साहेव, अयन वहग आगूक नफा दखि चकल छिअ गँअ
सूमवे गँ अही ना "

गीगानाथक मनम काना गहन विचान नहि छल ज काना गनहक वाधा
उपस्थित कनेग मूदा अयनासँ आगू वढल लाकक विचानम आगू
वढेक प्रनधा छियल नहेअ, मूदा उसकवेक ज जिह्वासा अछि अ
सजग ह्वाँअ ज(गेवग अछि। नाधानमध, अयना ऊयन आअल
रानकँ टुकड़ी-टुकड़ी कनेग मान खधु-खधु कनेग वजला-

"वोआ, अयन ज यनिवान अछि स ककनासँ छियल अछि। अयन
झानिसँ गलल जाँअ छी। अयना कि लाज नहँ ह्वाँअ ज जहँ
यनिवानम हमना सन महनगी अछि गहँ यनिवानक रेंयानीक की
गि अछि..!"

उना, अन्धा-छिन्धा गीगानाथ नाधानमधक विचान वूमवा कलका मूदा
ककना (आनक) यनिवानक काना विचानम लगल ह्वाँअ कनवकँ
उचिग नहि वूमि वाजल-

"राय साहेव, अहाँ कान हिसाव वजे छी आ हम कान हिसाव
वूमि छी स लगल कना..?"

गीगानाथक विचानकँ नाधानमधक मन मानि ललकेन ज गीगानाथ
विकूल सय वाग वाजल अछि। काना यनिवान गीन नूयँ 01८ ह्वाँअ।
यहिल ह्वाँअ ज याहूसँ अवेग धानाम धअ जाँअ आना गज गिगिय
प्रवाहिन कनेअ। दासन रल ज जही गिगिय प्रवाहिन ह्वाँअ आवि
नहल अछि उही गिकँ यकेँ आगूमहँ वढव आ गसन रल ज
धानाक विकूल वियनीग दिभाम वढेग जाअव। अयन गँ गहन धाना

यनिवानक वनि गेल अछि। वावाक अमलदानीम यनिवान श्रमशील छल, जकन रूलादूल यनिवान स्यूरु रूल मूदा यिगाजीक अमलदानीम अक द्रास रूल अछि जळसँ आगूक यीठी विवूल निकम्मा-जादिल वनि गेल अछि। अयन साव, समस अछि गँउ उ वागकँ वूमि यव नदूल छी। मूदा गीगानाथ गँ अखन वञ्चा अछि, वञ्चाक मान जन्मक आयूसँ नदि, अधयन-मननक विवानसँ, गँउ नीक दहण उ ठाकन विवानम किउ न गगिशीलगा आ रविस-नूयाक दृथ दखवेग चली। अयन मन मानि जौ उ की नीक की अधला अछि। अग विवान मनम अवेग-अवेग नधानमधक विवान माउ ललकेन। माउ लली ललकेन उ अयन यनिवानक समथा अयन रूल, उळ यनिवानक कर्ग यनुष अयन रूलौ। यनिवानम उ दूर्गुध प्रवण कऽ चकल अछि ठाकना नीक वनाउव मान सूधानव अयन दायिद्व रूला जँ अनका लग वाजव आ यनिवानक लाक वूमगा गँ कदव कनगा उ अहन वटा वंश उजाउन दळ्ळु। गेसंग आन उ आनक किछ कहै चाहगा गँ अयना यनिवान सहउ छैन, गेवीच अनन सवदक वीच नक्का-टाकी 016 दहण मूदा उळसँ लार (थाउ दहण। नक्का-टाकी विवाद वढवेउ जखन कि साव-विवान प्रमक समाज गटेउ। अयन यूध याषा वदलेग नाधानमध वजला-

"वैआ, गाँदू दूनू गान समाजम किछ कनउ चाहे छह आ अयना मनम जिझासा छल, मूदा अयन गँ अयन गामसँ दजाना किलामीटन दूनयन छी। जे0म धनी अयन अधिकान मंगेउ गे0म अग दून दारि कना किछ कऽ सकै छी।"

जदिना सीगानाथक गदिना गीगानाथक मन गदगनल छल उ नाधानमध सन आळ.उ.उस. जँ यी0यन नदगा गँ कौ काना रय

नहि अछि। दूनूक मनकँ काट-कचहनीक विचान मान सनकानी सहायगा समाञल छलेन। मूदा नाधानमध समाजकँ खूब नीक जकाँ गँ नहि, मूदा नीक जकाँ अनून वूमि नहल छैथ ज समाज की छी आ कागञ वाहियाल अछि। उअँ वाहियनकँ सूधानि धउयन वनवेक अछि...। गेवीच दूनू वाल-वाध, मान सीगानाथ आ गीगानाथ अछि, गँअ अयन यूत संघानकँ जगवेग सम्मिलिग नूयँ वाजल-

"राय साहेव, अयन सर गनहँ (श्रुष्ठ रलिउे गँअ अयनक विचान वसी नीक हव कनगा अयन ज विचान दवअँ, स शिनाधार्य अछि। " उना, दूनू (गानक विचानकँ नीक जकाँ नाधानमध सनलेन मूदा अयन-आयकँ सहज जानि नहल छैथ ज यनिवान अग वियनीग रऽ गल अछि ज ऊँ किछ वाजव गँ आनसँ यहिन अयन यनिवानक लाक मूह नाचि लगा। गखन समाजम आन क सूनगा। सर अयन यनिवान कहि टानि दगा। नाधानमध वजला-

"वैआ, समाजम जखनसँ काना काज कनेक संकथ मनम लवह, गखनसँ उअँम विनाध सहज 0।६ हगह। विनाधक काना सीमा नहि अछि, गे0।म गूँ दूअँय (गान अक राग रऽ जवह आ समाज दासन रागसँ थायअ दगह। यछाअँग गँ कहव कनवह न ज नाधानमध र्हाँटियन चढा मानि खूआ दलेन। गार्हीं कहह ज अहन दाखी वनेम अयन की गल्ती हअग?"

नाधानमधक विचान सूनि सीगानाथ वाजल-

"रूया, उँधीसँ दह रँसियाअँअ। अहाँ न दिन-नागिक दनमाह्ला यवे छी गँ काजक रलौं, मूदा ह्मसर गँ स नहि छी, गँअ ह्मना सरकँ की ररगा। जखन विचान कनअ सर वेसलौं गँ किछ विचानिय कऽ न अन् कनवा। "

नाथानमध वजला-

"वोआ, आमक गाछी जखन आमक मासम जवहक आ आम जै
रुनखेन यकोग नहगह, गँ दखवहक ज अकटा अछनसँ एट-द खसल
कि दासन आछनसँ कछन दोउ कऽ लवह। गँय यद्विन दखि लिअ
यगह ज किया दासना न ग दोउ नहल अछि। जखन नदि अछि
गखन असथिनसँ आहन काज कनह ज जीवनकँ उज्जवान बनवो। "

उंघाअल सीगानाथ वाजल-

"राय साहेव, आखिनी निवान अयन दियो। नीनसँ कान वन्न रल
जा नहल अछि। "

नाथानमध वजला-

"वोआ, गहू दूनु (गान अखन कोलजम छह आ हमहूँ हालम
छाओलौं अछि। गँय यद्विन "गामक रूगिदास" गीनु (गान मिलि
लिखह। अखन अयना सर यटे-लिखेक धानम वलि नहल छी, गँय
यद्विन समाजकँ विज्ञेक खगगा अछि। "

गीगानाथ वाजल-

"राय साहेव, नीक निवान अछि। "

(जानी---)

अयन मंग्य editorial.staff.videha@gmail.com यन य0अ

२.१३. जगदीश प्रसाद मधुल-आव नळ जीव (लघुकथा)



जगदीश प्रसाद मधुल

आव नळ जीव

आन दिन आ अनक सर जकाँ चानि वज खानसँ सञ्कयन दो७ लगा आउल नही कि दनवजायन ग्रुगिया खोजीकँ मूँह लटकोन वैसल दखलयेन। वद्ग आश्वर्य नळ रल मूदा कहव ज आश्वर्य नदियँ रल, स आश्वर्य जग हवा चाही स खव कउला वद्ग आश्वर्य नळ हवाक कानध छल ज सर दिनक ङ्गी लीला छीह,

कलयन मूँह-कानम यानि लला यच्छाळ्ण दनवज्ञायन आवि यूगिया
रोजीकँ कदलयेन-

"थूथून व७ खसल दखे छी रोजी.!"

उना, रागुन मदीना अन्किम उगान-उगेन रुगुआक कनीव यद्वैचिय
गल अछि जळ्ळसँ सर उमादिग रळ्ळय गल छेथ मूदा गळ्ळसँ
रिन्न उमाद यूगिया रोजीकँ दखलयेना लs दs कs गामम दूळ्ळय
रा रोजी वँवल छेथ, आन सर जदिना अकीस सा७ वदक
आआकानम यननदटा वँवल छेथ वाँकी मनि गला, गदिना मनि
गली।

लजकारन नदिगेथ गखन न, स गँ सर दिनसँ रुनहन वाली यूगिया
रोजीक छेथ, वजली-

"आव दम नळ्ळ जीवा "

अक गँ रोजीक अन्न म छेथ यूगिया रोजी आ दासन अकउमनिया
सद्व छथि७, गँ७ वजे-युकेम सद्व आ७ि-धून नदियँ अछि। वजलीं-
"रोजी, जीवी वा मनी स अथन मनक विवान रल, मनेवला कर्म
कनव गँ मनव आ जीवेवला कर्म कनव गँ जीअवा मूदा, नळ्ळ जीव
गकना गँ किछ कानध हव कनग किन?"

यूगिया रोजीकँ जदिना दमन वाग सूनेम नीक लगलेन गदिना अथन
वथा-कथा सूनिद्वाना गँ सामम रटलेन, गँ७ मन मधूआ गल छेलेना
वजली-

"वोआ, अना लाक गहन रवठाद रs गल अछि ज किया अथन
यूजी लगा अन्कन याखनिक माछ नष्ट कने७, गँ किया अथन छोआ
लगा ककना घन जनवे७। गँ७ रगवानासँ वसी दाखी मनुक्क अछि७।
उना, रगवाना दाखी छथि७, मूदा उा कम-सम छेथ, लाक वसी

अच्छि। अनवाकम 0नका कि७ खसा द०० छेथा वनखाक गँ अथन
 हिसाव नाखक चादिअन किन, सहा न०० नखे छेथा जखन सर
 व्षे छी ज सूर्य अयना धनीम नवे छेथ गहिना गँ चाना आ आना-
 आन यृथी सहिग ग्रह अयना-अयना धनीम नवे७, गखन कम-वसी
 कि७ कने छेथ? (गार साल वसी वनख दs द०० छेथ गँ (गार
 साल नहियँ वनिस नोदी कs द०० छेथा "

रू(गालक वर्धन यूगिया रोजीक मूहसँ सूनि यूछि दलिअन-

"रोजी, बूला दखन छिउ?"

रोजी वजली-

"००बूलक-गिबूलक मूह न०० दखन छी, मूदा साल-साल ज वनहम
 छानम रागतग कथा यननह दिन कागिकम हा००७ स गँ सव साल
 सूनव कने छी। ग००म ज सूनलौं स७ह वजलौं। "

निध्रल, निध्रयट रोजीक मूहक वाग सूनि, विसवास न०० कनिगौं स
 अही कहु ज कहन हा००गा वजलौं-

"रोजी, छारू दुनियाँदानीक गय, जान७ यृथी आ जान७ सूनजा
 कखन ग्रहसँ ग्रहध वनि जा००७ गकन कि (0कान अच्छि। कखन
 मारिक ठनी आकि आगिक ठनी वना कि कखन यार्वी आकि
 प्रकाशिन झान वनि जा७ग गकना काना (0कान अच्छि। अहाँक मन
 कि७ खसल अच्छि, स वाडा। "

यूगिया रोजी वजली-

"वोआ, जीवन मनि नहल अच्छि.!"

"जीवन मनि नहल अच्छि" यूगिया रोजीक मूहक वाग काना राँजयन
 न चढला राँजयन कना चढेग, अखना जीवन मान जीना०० व्षे

छी, चारु ज जीवन हूअं। मूदा रूी नरू व्षे छी ज जीवन वृप्ति (कर्म) यन 01७ अछि। उना, गामक लाक किया यूगिया रोजीकँ “गनकानीवाली दादी“ गँ किया “गनकानीवाली काकी“ कहिण छेन मूदा अयन यनरूज कन नरूलौं ज कहिया “यूगिया रोजी“कँ “गनकानीवाली रोजी“ नरू कहलयेना अखन नरू कहे छिउन आ मनिया जगी गेया न कहवेना वृप्ति-वृप्तिक विर्ण (खल) छीह। कर्म आधनिग मान-अयमान सह अछि। कर्म-कर्म छी, ज जीवन कनग, मूदा कर्मक मान कम रन जीवनक मान कम हूअं रूी कगोसँ उचिग नहि अछि। कवीनदास कयं वृनकन छला आ कगका महायूनष (साधक) आसन यकेँ साधना कने छेथ, गँ सिद्धिम कमी-वसी कहल जाअ सह गँ उचिग नहियँ अछि। हँ, अं जनुन अछि ज सिद्धि-सिद्धिम अन्न हव कनग। वाघ-सिंह हूअं आकि नडिया-गीदन, उकना सरकँ अकनंग वन-जंगल रटे छे मूदा मनुक्कम स वाग नरू न अछि। अगुआअल-यदुआअल अन्का खाडीम मनुक्क वाँटल अछि।

उना, रूगुन मासक रूगुआक लहैनिक ज्ञानि वृमियो आकि मनक आवग, मूरूसँ वजा (गल-

"जीवन न मनि नरूल अछि रोजी, अयन नरू न अखन मनवा " जहिना काना हँसी-चौलकँ किया गहीन नूय यकेँ अँकs 01७ हारूअं गहिना यूगिया रोजी अँकs 01७ हारूअं वजली- "वोआ, साँम वनख येछल साल यूनि (गल, अवन अकसीम छी, अखन गक जहियासँ अयना ऊयन यनिदानक रान यअल गहियासँ माथयन गनकानीअक यथिया लs समाजम अँगन-अँगन वचवा कने छलौं जरूसँ दू याअक कमाअया हारू छल आ यनिदानक नीक-वजाअ

गय-सथ सहा कने छलौं, मूदा आळ् उा सर मनि नहल अछि।
आव अहीं कहू ज कना जीव?"

ग्रुगिया खेजीक गहीन प्रश्न सनि मन 00ा (गला शनीनक क्रियासँ
मनक क्रिया धनिक विचान ग्रुगिया खेजी अऊ याँगीम वाजि (गली।
आगू-याहू दखे लगलौं, मान साव-विचान लगलौं गँ दखि य७ल
ज समयकँ आगू वढन आळ् नव-नव गनकानी वचनिदानक जन्म
रल अछि। माथयन जे0ाम अक यथिया गनकानीक लारसँ मान
दस-यननह किला गनकानी वचिकऽ यनिवान चले छल, उयजीनिदान
अलग रला, दहनकन मूख अलग रलेन, मूदा गळ्सँ ग्रुगिया खेजीक
याँच (गानक यनिवान गँ उहीसँ चले छलेन, जखन कि गहन
यनिवानम (0लाक वयानी वनन आळ् दस-यननह किलाक लारक
जगह द्विचल-दू-द्विचलम वरि (गल अछि। दासन दिस, ग्रुगिया
खेजी दिस दखी गँ च्यष्ट दखि य७७ ज दासन काना लुनि-वृधि गँ
छेन नहि। जहा छेन स खरवसँ लऽ कऽ अयन हिसाव-वानी जाउ
धनिम समटा (गल छेन, गे0ाम लगल कना दासन जीवन 01८
ह७ग।

मोसम दिस, मान समयक अनुकूलगा दिस गकलायन दखिउे ज लाक
जकाँ समया वँटा७ल अछि। जहिना गनीव लाककाँ जीवनक
आवृथकग कम अछि, जहा अछि उा अरावम खगि जाळ्७ आ
धनीक लाककाँ वसी सथ्यदा अछि आ वसी ग्रुगिया गँ दख्खग अछि,
गहिना समयाक अछि७। कहव ज समय गँ अजन्मा छी, उा अयन
धनीयन साला रनि अयना गगिय चलव कने७ आ आगूडा चलिग
नहग। समयक प्रराव जीवनयन की यउे७, सहा गँ सवहक सामम
अछि। दखिग छी ज जा७क मासम यानिक गृष्ठा कम दख्ख७ आ

अक गँ उरुना अक घटना नरुिा गनमी मोसम्म उग वालीम राँस नरुेअ गग जाअक मासम नरुियँ नरुेअ ..अयन मन-मन विवानिय नरुल छलौं आ गँअ मरुँ वन्न छला मूदा यूगिया रोजी गँ वजुना लाक छथिअ। रुनका अयना मनम उ नरुल रोन मूदा अयना वूमि यअल उ रोजी वसी विन्कि छेथा विन्काक हल-चाल आ कृशल-समाचान आकि विआरु-रुनागमनक हल-चाल चारु काना यावनिय-गिहानक हल-चालम गँ अकन हळ्ळण अछि। गेवीच अयन रूनन यूगिया रोजी टाकि दली-

"चूय किअ छी वोआ, लाका दरुका गँ की करुग!।"

विनु विवान कनरुि रोजीक प्रुक्षक उफन दलिअन-

"लाक की करुग! लाक यरुिन अयन वथा-कथा वूमि लिअ गखन दासनकँ करुग।"

रुमन विवान रूनि उना रोजीक मनम शीगलयन अलेन गरुिना वजली-
"गरुिन न जाअ आवि गल अछि उ कग वूँ-यूनानक श्राद्ध हअग।"
अयना वूमि यअल उ रनिसक रोजीक मनसँ अयन वथा मटा अनका दिस वरुेग आव मृगूयन आवि गलेन अछि। उओम मृगूक मान रूँ उ उँ मनरुुक अयन अकिम सीमा, मृगूक नरुय वूमि जाअ गँ अनन मनसँ नाग मटा जाअग आ विनाग आवि जाअग। उखन विनाग गखन जीवना वजलौं-

"रोजी, अरुँक मनम अयन श्राद्धक राज न गँ आवि गल अछि। अरुँ उ अछि आकि उ आवि गल रुन, गकना अखन काग-क गाव नाखि यरुिन अकवन चारु यीव?"

उरुँ गनरुक यूगिया रोजीक संग अयन सखुव अछि गरुँम आरुँ गक यूगिया रोजी अयना लगम वेस चारु नरुँ यीलेन अछि, स

विसेन (गलों आ दनवझाक मान नखेग वाजल छलौं।

ग्रुगिया खेजी वजली- "अहाँकँ काना गफनम लाज नळ्ळ अछि!"

ग्रुगिया खेजीक विचान मनकँ चौकलका वूमि य७ल उ ग्रुगिया खेजी यछानि दलेन। उग्रा दाँन लगा अयन गनसँ उयन अवेक गन लगवेग वजलौं-

"खेजी, दुनियाँदानीक वाग छा७ू, वगीरा दुनियाँ अछि, अनन का७ दोआळ्ळ जा७वा अयन उ वथा अछि गेयन विचान कनू " ग्रुगिया खेजीकँ विचान नीक लगलेन, जळ्ळसँ मनम धीनयन अलेन। वजली-

"वोआ, अखन तकक उ जीवन नहल, मान माथयन यथिया लऽ कऽ गनकानी वचव, उ आव उना मटा नहल अछि। उही घडा-नझाम अयन य७िकऽ यछे७ नहल छी। "

अऊ मूहँ ग्रुगिया खेजी घडा आ नझा दूनू वाग वजली गँ७ वीचम साहि दखि गन रटला वजलौं-

"की घडा-नझा, खेजी?"

ग्रुगिया खेजी गन-गन मनसँ विचानि वजली-

"वोआ, घडा ँली रल अछि उ विकनी वन्न रन समाजम आवा-जाही कम रऽ गल, जळ्ळसँ उ उधानी लागल अछि उहा उळ्ळम जा७गा आ नझा ँली दखि नहल छी उ अयन दस सनक कमाळ्ळ कने छलौं आ आव उँ वटा-ग्रुगाद् व७ह कानावान कनग आ (0लाक सहाना लग गँ वाना-दू-वानाक कानावान कनग जळ्ळसँ यनिवानक आमदनी व७व कनग किना। "

ग्रुगिया खेजीक विचान मनम वंशी लागल माछ जकाँ घाव कलका सारानिक अछि उ कामगानकँ जीवनक अन्कूल काम रटन

सरलगाक आशा वडिय जाळ्ळु। जखन छद्दा किसानी जीवन न्है। वा हाथक काना दासन काजक जीवन न्हल, गखन संचालिग गज मधीन न्हि, हथकनघा वसी उययागी द्दळ्ळु। मूदा जना-जना जीवनम उज्जिग द्दळ्ळु जाळ्ळु। गना-गना मधीनक गगिक अनूय अग्रास सह वने। मूदा स वजलो न्हि। वजलो- "रोजी, का गानक यनिवान अछि?"

यनिवानक नाउं सनिग, मान यनिवानक जिह्सा सनिग गूगिया रोजीक मन खशीसँ द्दहल गलेना द्दहलाळ्ळु वजली-

"वोआ, खाळ्ळुकाल रनसाधन रनि जाळ्ळु। मूदा काज कनेकाल साशअना अयनयन न्हि जाळ्ळु।"

गूगिया रोजीक वाग सनि वजलो-

"वटा-गूगि सए किछ न कने?"

अयन वअयनक मर्यादा वँववेग गूगिया रोजी वजली-

"वोआ, जाव अयन जीवे छी गाव वटा-गूगि कमाळ्ळु कना कहवो।"

गूगिया रोजीक निवान सनि मन-मन हँसिया लग। जूँ गँ उदहन नवयुवकक यळ्ळुन रऽ गल अछि जूँ वैकक लान लळ्ळु याछु सालक-साल दोआळ्ळु। आ अयन युर्वजक दल लाख-लाख नूयेआ कहाक दामक यँव-यँव-दस-दस वीघा जमीन, ँळ्ळुगक नामयन द्रासहन नळ्ळु कनगा। राय जखन जीवन वदेल न्हल अछि, गखन सन्धेगिक सनूय सह वदलव कनग किना। जूँ सन्धेग किसानी जीवनम खवाक वरू उयजवे छल वअह सन्धेग मधीनी जीवनम मधीनक नूयानकुल जीवनक अधिकगन खगगाक युर्गि कनेम उययाग ह। जूँ युर्वजक मान-ग्रिगिष्ठा वूमि, अयन वनाजगानक नूय वना वेंसल

छी। ..धनीयन 01८ हळ्ळ वजल्लो-

"रोजी, अखन कन दासन काजक वगनगा रऽ (गल अछि, न गँ नीक उकाँ कदिगोँ उ यूग वदलन कना लाक जगेँ आ कना लाक स्रोँ " "

“कना लाक जगेँ आ कना लाक स्रोँ” स वाग सनि आकि यूगिया रोजीक मनम अयन काना वाग उ0 (गलेँ, स गँ यूगिया रोजी अयन जनगी मूदा अगव वजली-

"वोआ, अखन जाळ् छी, अहँ अयन गाक सझानू, मूदा यहिल साँस गँ नळ् आवि हग, दासनि-गसनि साँस धनि अगव कनवा जाव मन नळ् रनिकऽ मानग गाव थीन कना हग। "

वहाना वनवो वजल्लो-

"वन-म अनाग जाअव, गँ दायस अवेक काना 0कान नळ् अछि। अहँ आवि आ अयन नळ् नही गखन रुन न अहँ गनिअविग घमवा " "

यूगिया रोजी वजली-

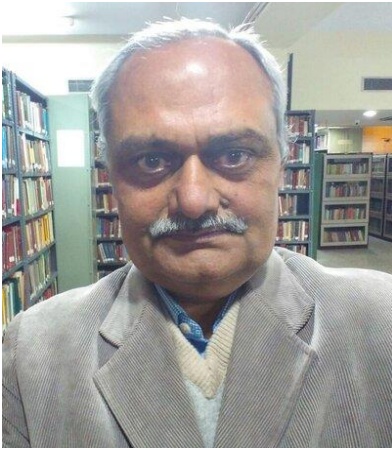
"काहि रानम आअवा " "

की कदिगिअन, वजल्लो-

"आअवा " "

अयन मंगद्य editorial.staff.videha@gmail.com यन य0उ0

२.१४. नवीद्ध नानायध मिश्र-वदलि नह्ल अछि सरकिद्ध (उयद्यास)-
धानावाहिक



नवीद्ध नानायध मिश्र

वदलि नह्ल अछि सरकिद्ध (उयद्यास)- धानावाहिक

खध १-१

वदलि नह्ल अछि सरकिद्ध

चानूकाग अरुना-गरुनीक माहोल छल । सामिआना लागल छल ।
मंवयन श्रीमान् लाकनिक हगु मसलंग लगा दल (गल छल । माहूकसँ

वन-वन घाषणा कञ्जल जा न्हल छल-”माळ्क र्छींग,माळ्क र्छींग”। अकरा नदयूक्त वीच-वीचम वाजि न्हल छलाह- ”अयन-अयन सान शीघ्र ग्रहण कञ्ज लिअ । नगाजी यद्द्वि वला छथि ।” लाकक मनानंजन ह्यु नहि-नहि कञ्ज नंग-विनंगक गीगसर वजाडाल जा न्हल छल । सामिआनाक (गटयन प्रमुख-प्रमुख लाकनि (गनाक माला द्वाथम लन 01७ छलाह। सर अक-दासनसँ उयनेज कन । ह्यम आगू न्हव गँ ह्यम ।

मंथयन नगाजीक अगिनिक माप्र चानिअ(गोटक वेसवाक अनिआन छल । वीचम नगाजी,आ ह्नकन द्नुकाग दू-दू(गोट । मंथ आ अकन लगयासम अ्प्रक छिअकाव कञ्जल (गल छल जाहिसँ अहि0मक ह्ना सुर्गाधि लागि न्हल छल । नीचामँ आ0-दसटा कथासर स्याग गानक ह्यु गेयान छलीह । अ सर सानिय उच्च विद्यालयक छात्रा न्हथि । केकदिनसँ अ सर स्याग गानक युर्वाग्यास कञ्ज न्हल छलीह। अधिक सँ अधिक लाक अहि कार्यक्रम राग लथि गहि ह्यु केकदिन यद्दिनहिसँ लाउउचीकनसँ गाम-गाम प्रचान कञ्जल जा न्हल छल । निष्कायन नाखल रयनकाँउन वजे न्हल छल । (गलँ आव अ उमाना जखन निष्कायन वेसल आदमी माळ्कयन वाजा आ लाउउचीकनसँ गकन विद्यास ह्युग। आव गँ अकवन उद्याषक अयन वाग रय कनवा देग छथि आ रयनकाँउन यन अ वन-वन वजे न्हल अछि । सअह अगद् रञ्ज न्हल छल ।

”विसनव नहि । अदथ आव । अलाकाक जानल मानल जननायक, ह्यमनसरक महान शुरचिंणक, द्नुआम मिथिलाक नाम चमकावञ्ज वला नगाजीक आगमन रञ्ज न्हल अछि। उच्च विद्यालयक

प्रांगणम आयाजिग ए७ नदल कार्यक्रमम अन्थ आउ। संग अयन
द्विग-मीग, संवंधीसरकँ लन अविअन्। ”

वैसानक वाद रनिषाष उफम राजनक प्रवंध सदा क७ल (गल छल
। स वाग सदा कदल जा नदल छल । केकदिनसँ निरंगन ए७
नदल प्रवानक यनिधाम सकानाभक रल छल । मंचक लगयासम
सरटा सान रनि (गल छल । ब्रसकूलक आगूक मेदानक सरटा
जगह रनि (गल छल । लगेम आमक कलम छलेक । लाकसर
खास क७ प्रकसर ठाकना अनियन अयन-अयन सान वना चकल
छल ।

नाजीकँ अ७वाम दनी ए७ नदल छलनि । लाकसर अगुगा नदि
जा७ गदि हगु मनानंजन गँ र७७७ नदल छल, वीच-वीचम चारु-
यानक विपनध सदा क७ल जा नदल छल । लाकसर वाज७ ”

”वहग वैसान दखलहँ मूदा अहन अनिआन विनलेक दखल जा७७ग
अछि । ”

नाजीकँ अगिथिगृहसँ अन्वाक हगु हम स्रयं (गल नही। हमना
संग वाहन चालक आ प्रदाना संदीय छला। नाजी अगिथिगृहम
आगन्कसरसँ रंट कनवाम अरु छलाह । मोका यावि क७ हम
अकवन हनका नमघान क७ आ७ल नही। अ हमना दखिाहू हँसि
क७ जवाव सदा द७ दलथि । हमसर गाव स्राग कजम चारु
यीवि नदल छलहँ । चारुक चूचीक संग आदि नाखल अखवानक
यन्नाकँ उग्रा-यूग्रा नदल छलहँ ।

नाजीक आगमनम दनी दखि मंच संचालक स्रयं किछ-किछ वजो
नदलाह । हन लगयासक प्रमुख-प्रमुख लाकसरकँ किछ-किछ
करवाक अन्सन दलखिन । तखनहू नाजी नदि अ७लाह । गर्मीक

मोसम छलैक । दस वजसँ वानर वाजि गेल । लाकसर घाम-
यसीन यनसान छल । वरूण गोर गँ उठि -उठि कऽ मान हल्लक
कनेग छल । अक मान हल्लक उ चलि जाळ् । मूदा वैसानक वाद
राजनाक जागान छलैक ।

”आव जखन आगल छी गँ राजन छाति कऽ काना जागव ।”

उहा काना मामूली राजन नहि नहैक । गनर-गनरक एकजानसरक
सुगंधसँ नागावनध मर-मर कऽ नहल छल । कूलमिला कऽ
अहिसरक प्रयाव रलैक आ लाकसर अगल नहल । कडा नायस
नहि गेल ।

2

आखिन नगाजीक कारिला सरासुलपन यहुँचल । नगाजीक स्वागम
चानूकासँ लाकसर मंच लगम यहुँचि गेल ।

”बूँकिलाव! जिंदावाद !!नगाजीक जय! हमन नगा करन ह, दवन
वावू सन ह! ”

नाना प्रकारक नानासँ संयुध आकाश गुंजायमान रऽ नहल छल ।
नगाजीक सनजाम लागल यूलिससरक हगु बूँ वरूण कठिन उध
छलैक । ककना नाकि नहि यावि नहल छलैक । उ स नगाजीक
गनाम माला यहिनावऽ हगु उगाहल छल । नगाजी शनेः शने मंच
दिस वढि नहल छलाह । कनमान लागल लाक आ उकनसर
उमाह दसि नगाजी वरूण आनंदम छलाह । सनजाम लागल
यूलिससर केकवन हनका आगू-याहू धनवाक प्रयास कनेग छल
जाहिसँ उ सनजिग नहथि । मूदा नगाजीकँ स नीक नहि लागनि

। अकवन उा वद्ग जानसँ यूलिसकँ उाँटि दलखिन । उाँदि सर की कनिगु? याडू रगु गेल । नगाजी आगू वढि नदल छलाह।
दूनकन आगू-याडू उाँदिना कनमान लागल लाक वलि नदल छल ।

आव नगाजी मंचयन चढवाक हगु अग्रसन रगु नदल छलाह की वती जानसँ धमाका रल । मंच आ उाँकन आस-यासक लाकसर कागु-कहाँ उाँउाँ गलाह । ककना हाथ काहू रूकाउल गँ ककना टांग कटि कगु चानि लडा रूटकी जा कगु खसि यगुल । मंचक गँ नामा-निसान नदि नदि गेल । मंचक स्नानयन वस यैघ खधिआ वनि गेल छल । चानूकाग प्रलयक दृथ छला दखिग-दखिग उाँदि०म चानूकाग हाकनास कनेग लाकसर अयन-अयन यनिचिग, उँउ-मिग, संवंधीकँ गकि नदल छलाह । नगाजीक याडू ०।७ यूलिससर गुनंग सवग रल आ विद्युग गगिसँ आगू वढेग दूनका उ०। कगु याडू रूकलक । अयना रनि जानयन खलि कगु नगाजीक जानक नजा कनवाक प्रयास कलक । गकन रूगुद रल्लेका नगाजीक जान वीचि गेलनि । मूदा ददिना टांगम चाट लागि गेल नदनि। यी०यन सदा घाव रगु गेल छलनि । कष्टसँ उाँ कूदनि नदल छलाह । यूलिससर गुनंग दूनका नागी वाहनम नाखि अथ्यागाल विदा दळ्ग गेल । कडा साचिउाँ नदि सकल छल उाँ कनीक काल उँहन आनंदयुर्ध वागावनध अगक दूखद दृथम यनिवर्णिग रगु जागु । मूदा सगुह रल ।

मंचक लग-यासम वद्ग नास लाकसर घायल वदनि गीउ नदल छल । किडू लास सर छिन्न-रिन्न रल उमहन-उामहन यगुल छल । गामक उँसकूलक मैदान अकटा नधरूमिक राग वनि गेल छल

।

था७व कालम यूलिस मद्दकमाम ँली समाचान ऊयन धनि यद्द्विचि (गला जिलाक कलकन, असयी कमिश्नन यर्यी घटनासुललयन यद्द्विचि (गलाह । दूर्घटनाक समयम ह्म नगाजीक कानसँ ह्मकान वेग निकालवाक ह्गु वायस कान धनि (गल नही । संया(ग कद्वाक चाही ज अदि कांउम वैचि (गल नही । ह्मनासंग नगाजीक अनवाक ह्गु (गल यूवक संदीयक काना अगा-यगा नदि छलैक । यूलिससरसँ यद्दिन ह्मना एकलक, जीययन वेसलक आ थाना लन चलि (गल ।

थाना यद्द्विचि रयावह दृथ्य दखलद्द्वि । केकटा घायल लाकसर उागु विना काना ग्राथमिक उयचानकँ यल छल । यूलिसवलासर अयनाम गथ कने छल-

“यगा नदि नागी वाहनकँ अभावम अक दनी किअक रअ नहल छेक? ”

“अनाम गँ ँली सर विना काना ँलाजकँ मानल जाअग ।”

“अक रानी दूर्घटना आखिन रल काना? ”

“जनून काना षउयंग रल अछि ।”

अदि गनहँ गनह-गनहक वागसर यूलिससर अयनाम कअ नहल छल । कलकन साहव नगाजीक संग आगू वीठि (गल छलाह। ह्मक संग-संग कमिश्ननक गाी सद्द चलि नहल छल । उखन नगाजी (गलाह गँ असयी साहव काना नदि जळ्गथि? असयीक याद्ध-याद्ध तीअसयीक गाी काना नदि जाळ्ग । जद्दिना वउका अधिकानी सर उागु अल्लाह गद्दिना नगाजीक कानक संग-संग वायस चलि (गलाह। उमहन थानाम यल घायल लाकसरक

यनसानी वरिष्ठ नरुल कुल । उरिठमसँ अरुगाल उवाक रगु नगी
 वरुन उनूनी कुल,स अरुविष्ठ नरुि नरुल कुल । रानि कठ
 (गुंनरसर अरुन-अरुन उनिअन कलरु आ उनर-गनर घरुल
 अरुकरसरकँ लरुदि-रुदरि अरुगाल यरुँवलरु । रूनकरसरक यरुठू-
 यरुठू यूलरुसक उीय सरु यरुँवल ।

रुमनर लन-दन यूलरुस असुी सरुदव लग यरुँचरु (गल । उ वन-
 वन संदीयकँ गरुकि नरुल कुल । मूदर उकन कानर अरुगर-यरुगर नरुि
 कुल । उ कगठ (गल? कहीं उ कगदू घरुल यल गँ नरुि
 अरुठरुि? कहीं अरुन अन गँ नरुि गमार वरुसल । मूदर यूलरुसकँ उकन
 कानर थरु नरुि लरुगर नरुल कुल । रुमरुी उकनर वरुनम की
 करुदरुगरुअक? सरु(गरुठ सं(ग कुलरुँ । मूदर उ(धम कुनरक की-कानर
 रलुक उ अरुन घरुनर घरुि (गल । यूलरुसकँ अरु वरुगसँ वरुदू वरुंग
 रलुक कुलुक उ रुम कानर वीचरु (गलरुँ,संदीय कगठ वरुि (गल?
 नीचरुसँ उरुन धनर सरु यनसान कुल । अरुखन रूी सरु रल
 कानर? अकन यरुठू ककन-ककन ररुथ अरुठरुि ? अरुि वरुशुक उवरुव
 करुिठ नरुि रूनर नरुल कुलुक ।

3

रूनरुअक मीसमम रल अरुन ररुनी रूधरुनरक वरुदू वरुगव यरुि
 सकीग कुल । गरुदरु वरुगसँ सरु वरुिगर कुलरुद । यउ-वरुियउक
 लरुकसरु गनरु-गनरुसँ अकन वरुि(शुषध कठ नरुल कुलरुद ।
 लरुकसरुक मनम अरुकरुठरु वरुग वन-वन घूम नरुल कुलुक-अक
 ररुनी वरुशरुठ रल आ नरुगरी उरुगरुि कुलरुद । गथरुय रूनककरु

मामूली चार लागल आ उा वीचिआ (गलाह । उखन की लगयासम 01७ वीकि७ लाकसर रयानक नूयसँ आहण र७ (गल । ह्म काना वीचि (गलहँ ? संदीय का७ विला (गल? प्रभासन अहन घटनाकँ यद्दिन कि७क नहि यगा लगा सकल? सीआळ्ठी विराग की क७ नहल छल?

चिकिशाक वाद नगाजीकँ अय्यालसँ झुडी द७ दल (गला उा नागिम शक्तियूनम अयन उनायन वायस यद्द्वि (गलाह । ह्मना नागि रनि थानाम वंद कन नहल । रान रन काना रहन थानदानकँ अ७लेक । गकन वाद उा ह्मना वजा क७ कहलाह-

”अहाँकँ शक्तियूनम जा७ य७ग । अहि मामिलाक गहकीकाग सीआळ्ठी विराग कनकेक । गँ अहाँ उाग७ असयी सीआळ्ठीसँ रंट कनिअन् । उना अहाँकँ खिलारु काना सवूा नहि छेक । म्दा अ७क रानी घटना घटलेक अछि आ अहाँ उहि०म नही, नगाजीक संगे सह नहिअनि गँ अहाँसँ गथ-सथ कनव दूनका उनूनी व्साळ्ण छनि ।”

”काना वाग नहि । ह्मना उना कहव, ह्म सहयाग कनवाक ह्गु गेयान छी।”

”था७कालम यूलिसक गा०ीसँ अहाँ शक्तियूनम विदा र७ जा७व । सूनजा कानधसँ अहाँक संगे यूलिस सह जा७ग । आगूक निर्धय उही०म क७ल जा७गा कहवाक मान उ अहाँकँ छा०ि दल जा७ग की किछु दिन यूलिसक दिनासगम नाखल जा७ग स उागहि यगा लागगा ”

”सअह कहु। ह्मना गँ अहाँसर अनन यिनउारनम नखन छी।”

”भाव अहिसरयन गथ-कलासँ काना रु७दा ह्मअ वला नहि थिक

। अयन सरवाग स्रयं वूमि नहल छी ।”

”ठीक छेक । हम ग्लान क७ लेग छी । रुन जना-ज कहव, हम स७ह कनव ।”

हम ग्लान-धान क७ लेग छी । थानदान साहव किछ जलखे,वाहक उनिआन सह कन छथि । गकनवाद हम यूलिसक गा७ीसँ शक्तियूनमक हगु विदा दाख्ख छी । हमना संग हमन नजार्थ किछ यूलिस सह छथि ।

शक्तियूनम यद्दूवगहि हमना यूलिसक गा७ी नगाजीक उनायन लन चलि गल । उहि०म संदीय यद्दिनदिसँ साहसीरयन वेसल चाह यीवि नहल छल । अकना दखिगहि हमना वजा गल-

”गू उहि०म? ”

”स की? ”

गाना गँ यूलिस गकोग-गकोग यनसान रल अछि आ गूँ उहि०म चाह यीवि नहल छह ।”

हमन वाग स्रनि क७ नगाजी ररा क७ हँसि देग छथि। सदिय सह नगाजीक संग देग अछि । हम वूमि नहि यावि नहल छी ज वाग की छेक? हमन यनसानी नगाजी वूमिग छथि ।

”अहाँ यनसान नहि नहू । ज रल्लेक, जना रल्लेक सर वाग अयन यनिछा जा७ग । अखन चनाअक मोसम छेक । गँ अहाँकँ किछदिन उहल जा७ य७ग जादिसँ जनागाम गलग धानधा नहि वन७ । रगरम हम जीगव कनव । सनकान हमन वना । गकन वाद अहूँ वाहन आ७व आ वदमाससरक वल्लाज गँ हव कनके ।”

नगाजीक वाग हम नहि वूमि सकलहूँ । अ संदीय संग अंदनक का०नीम चलि गलाह । हम चाह यीविग नही की यूलिसक अकरा

अधिकानी हमना वाहन अथवाक खसाना कनेा छथि । हम इनका संग नगाजीक का0नीसँ वाहन दाखल छी । यूलिसक जीयम वैसे जाखल छी। यूलिस हमना लन अझाग सान यन चलि जाखल अछि ।

गकन वाद केकदिन धनि हम जहलम वंद नहलहँ । हमना खिलारु गनह-गनहक धनाक अधीन माकदमा काअम कअ दल छला । हम काना प्रगिवाद कनवाक छिगिम नहि नही। रान-साँम कडा अझाग अकि हमना सामनम आवअ आ गनह-गनहक खसाना कअ किछ कहि जाअ । किछ नहि वाजअ । व्यचाय अपन काज कनअ आ चलि जाअ । अहि गनहँ केक दिन वीगि गेल ।

4

हमन वअस सफाखस साल अछि । हम दूसाल युर्व अमअ यास कलहँ । शुनुअसँ आदर्शवादी छलहँ । असलम विश्वार्थी सरकँ मानम सामाअगः दश,समाजक हनु किछ कनवाक रावना जागल नहेक । कालअम अहिसर विषययन दानवान चर्चा दाखल नहेग छला । दश-विदशक जानल-मानल विज्ञान,नगा,कवि ,गायक अवेग-जाखल नहेग छलाह । हम आ संदीय अकहि वअसक नही । अकहि किलासम यठेग नही । हमसर संग-संग अहन वेसानसरम अनवधि कअ जाअल कनी । यूवावस्था,किछ कनवाक उमंग आ संगी सरक संगान सर मिलि कअ हमन मानकँ गक प्ररविग कअ दलक अ अमअ यास कलाक वाद नोकनी गकनाख छति नगाजीक याह-याह घुमअ लगलहँ । संदीय अहि मामिलाम हमनासँ आगुअ छल । अ कालअक समयम नगाजीक अनुगामी रअ गेल । इनका

संग-संग वेसानसरम जाउ लागल । यनिधामसूनूय,ठा अमउ
 यनीजा यास नदि कउ सकल । लरकि गेल । दासना साल सउद
 हल नदलेक । गसन प्रयासम ठा जना-गना गृणीय श्रधीम अमउ
 यास कउ सकला । गाव ह्म अमउ यास कउ यूनान रउ गेल नही
 । माणा-यिणाक असगन संगान नही । गँ वद्दुग दूलनूआ नही ।
 ह्मका लाकनिकँ ह्मनासँ वद्दुग उमीद नहनि । ह्म ह्मकान सरक
 रावना आ ॐॐकाँ व्मोगे यॐॐ कनेगे नदलहँ । सरदिन ओअल
 अवेगे नदलहँ । मूदा अमउ यास कनेगे-कनेगे ह्मन वृद्धि वदलि
 गेल । यनिवानसँ वरिठ कउ दशक विंगा ह्मअउ लागल । उही
 क्रमम ह्महू नगाजीक संयकम अउलहँ ।

कालजम यॐवाक समय ह्म आ संदीय केकवन संगे ठाकन गाम
 सनिआ गेल नही । ठाकन वयावृद्ध यिणासँ रंउ कन नही । ठाकन
 माउ वद्दुग यद्विनदि मनि गेल नदधि । उहि समयम संदीय चानिउ
 वर्षक नदउ । गखनसँ ठाकन यिणा माअक रान सदा सश्चानि नदल
 छलाह । ह्मन जकाँ उह्य असगन नदउ । यॐवाम साधानध
 ठाकन यिणा सदिसखन ह्मन उदाहनध देगे नदधिन । कदधिन ज गूँ
 अंकूनसँ ठाकन गुध लल कनह । संगे नदवाक किहू रॐदा
 उॐवह । ठा सूनि लिअह आ हँसि देक । कखनहू काल कदिठा
 देक-

”अहाँ अक विंगा नदि कनू । ह्म वद्दुग किहू कनव । अहाँक
 यश-प्रगिष्ठाम वृद्धि कनव । अहाँ धेर्य नाखू ।”

वूढा की वजिगधि? चूय रउ जाधि । काजसर गँ किहू गहन नदि
 दखधिन । दिन-नागि नगाजीक याहू-याहू घ्मोगे नहगे छलाह ।
 असलम उहि समयम नगाजीक नाम गाम-गाम यसनल छलेक ।

लाकसरकँ दूनकासँ वहुग उमीद नहके । राषधम वहुग नीक-नीक गय-सय कनेक । मूदा ककना किछु रूउदा दाळ्ग नहि दखाळ्क । गँ किछु दिनक बाद आम जनासर दूनकासँ निनाश दामउ लागल आ गहि वनक चूनाउम दूनका दूनवाक मान वना लन छल । नगाजीकँ गहिवाक अन्मान रउ गल नहनि । गँ उा कनी वसीउ सार्क छलाह । जना-गना चूनाउा जीगवाक हगु प्रयत्नशील छलाह ।

नगाजीक गँ उा धंदा छलनि । ँलाकाक यूवकसरकँ मू० आदर्शवादक मूनमूना यकनविगथि । दिन-नागि अयना-अयना याछु घूमवेग नहिनथि । उहिम सँ किछु चलाक-चूफसर किछु रूउदा उ०। लेग छल । मूदा अधिकांश उहिनाक-उहिना नहि जाळ्ग । नीक समय अन्वाक प्रयासम संघर्ष कनेग-कनेग अनिश्चिा रनिथक गर्भम यउल नहि जाळ्ग। नगाजीक आश्वासन एटेग नहिके । उा सर दूनकन मंठाकँ लन नाना वृंद कनेग नहगे । गहि गनहं वहुग समय वीगि गल । नगाजी केक वन चूनाउा जीगलाह । सलाहकान सह वनलाह । किछु(गारक रनिथ सह सचम्वम वदलि गलेक । मूदा अधिकांश जस-क-गस नहि गल । चूनाउाक समयम नगाजीक चूनाउा दलक सक्रिय सदय वनि जाळ्ग । किछु आमदनी सह कउ लेग । चूनाउा खगम,वाग खगम । संदीया गही गनहक छल । न नोकनी कउ सकल,न नगा वनि सकल । गथायि,नगाजीम उाकन अरूट विश्वास वनल नहलेक । सालक -साल दूनका याछु-याछु घूमगे नहल । दूनकन दूकूम वजवेग नहला

असलम उद्विन नगाजीक म्छिगि ठीक नदि छलेक । यछिला याँच साल हिसाव चूकागा कनवाक हगु बूलाकाक जनासए प्रगिवद्ध छल । जकन दखु सअह अगव गथ कनेग सनाबूग-

”आडान ऊ हाअग स हाअग मूदा अही नगाकँ हनवाक अछि।”

”जनून । यनिवर्गन हवाक चाही । जनगंप्रक मान सअह न रल । ऊ जनगाक नदि सनअ, अयनम लागल नहअ गकना हटा दिअ। दासनकँ आनु, उह्य ऊ ठीक नदि कलक गँ गसनकँ आनु । मगदागाकँ अगक शक्ति सविधानसँ प्राय छेद ।”

”वाग अगक आसान नदि छेक जगक वूमा नहल अछि । बूी सर वदमासक खान थिक । आव आ समय नदि नदि गेल छेका गुंठासर नगाक यादू-यादू घमोग छेक । अकरा बूसाना चाही आ सारु । गखन की कनव? कार/ कवहनी दोगि नदि जाअव । नगाजीक खिलारु कडा गवाह नदि रटि सका ।”

लाकसर आयसम अहि गनहँ गथ कबूअ नहल छल की कानसँ किद्ध(गार आगअ यहुँवल । लाकक गथ सनि कान नूकल । कानसँ चानि-याँवटा भावंउ सन लाक वाहन निकलल आ विना किद्ध करन-सूनन लाकसरकँ घिरनाबू शुनु कअ दलक । कहि नदि आ सर अयन चावूक कगअ नूका कअ नखन छल । कहवी छेक ”मानिक उन रूग यअअ ।” वाग सअह रला दू-चानि सरका लगिगदि सर यप्र-गप्र रागल । कडा किद्ध नदि दखलक । ककना बूी सारुस नदि रलेक ऊ आकनासरक हाथ यकठि लिअअ ,किद्ध यूछि सकअ ? मानि खाबूग-खाबूग आ सर वस जान वँववअम लागि गेल । रागल..। आकनासरकँ अना रा(गेग दखि सअकयन

अमहन-ओमहन 01७ लाकसर सह रागल । लगायाससँ अअनहिन
लाकसर सह रागल । कडा किछ नहि वूमि सकल, कडा किछ नहि
युछि सकल । वस आँखि मूनि कअ रागोण नहल । किछ(गोटकँ
सक रल्लेक अ रूकंय रअ नहल अछि । अ सर विकनअ लागल-
"रूकंय. रूकंय ... रागू..! रागू...! "

अ वदमाससर हँसेग कान यन रुनसँ सवान रअ (गला संगम
अक-दू(गोटकँ यकअन (गल । कान खजल आ रूगीसँ अहि0मसँ
निकलि (गल ।

वदमाससर दूनू (गोटकँ लन-दन नगाजी लग यहँचि (गल ।
नगाजीकँ दखिाहि अकनसरक सीटी-घीटी गुम्म याँअ (गलेक ।

"की वाग छेक? गानासरकँ कथीक यनसानी छह? "

"किछ नहि सनकान! "

"गखन अ अअवअ वाजि नहल छह गकन की हवाक चाही? "

"गलगी रअ (गल सनकान! "

"मूदा आगू रुन गूँ सर अना नहि कनवरु गकन कान (0कान? "

"कान यकअँग छी, घटी मंगेग छी। आव अहन नहि हाअगा "

नगाजी बूसाना कलिखिन । वदमासर दूनू(गोटकँ गहखानाम लन
(गल । धनाधन चमटा लगवेंग नहल । वाहन धनि अकन प्रगिधनि
सूना नहल छल । गकनवाद अकनासरकँ अही0म हाथ-येन वाहि
कअ नाखि दलक । वदमासर वाहन निकलल आ गहखानाम गाला
(0कि दलक ।

नगाजी छलाह अनूएवी लाक । काना यहिल वन चूनाअ नहि लअअ
जा नहल छलाह । घाट-घाटक यानि यीन छलाह । साम-दाम
दँअ, रद अना अ कावूम आवअ गना गकनसँ नियरअ अनेग छलाह।

साँसम जखन वायस घन अञ्जलाह गँ उा वदमाससरक संग चाड
गदखाना दिस वडि गलाह ।

”वलह उमहन। देखिकेक उाकन सरक आखिन की कहव छेक?
”

”हमह सञ्जह कहव वला नही ।”

सर(गोट गदखानाम येन नखेक छथि । नगाजीकँ देखिगदि उा
दनु(गोट वरुनि गाउव लागल । हाथ-येन जाति मारही मांगव
लागल।

”आव अहन गलगी नहि हाव । हमसर सरदिन अहीँ संग
नहलहँ, अहीँ वल जीलहँ । अकटा भोका दिअ । हमसर अहाँकँ
जीगवाक हगु रुनसँ जानक वाजी लगा दव । दिन-नागि अक कव
दव ।”

नगाजी उाकनसरक वाग सुनि वदमाससरकँ खसाना कलिखिन ।

”न! दिनका सरकँ अदिओम किअक अनलहन? खी सर गँ अयन
खासम-खास छथिन । खवनदान! आगूसँ रुन अहन गलगी कनवेँ
गँ हमनासँ वसी खनाव आदमी कडा नहि हावगा।”

”जी सनकान!”

वदमाससर दनु(गोटकँ खलि दलकेक । उासर वाहन आअल ।
वाहन अविगदि उाकनासरक जान म जान आअल । गदखानासँ
वाहन आअल गँ अक(गोट यूनी-गनकानी आ लडू लन ओह नहेक
। उा सर गुखल गँ छलहँ । हाँख-हाँख खलक,यानि यिलक आ
चूयचाय अयन घनक नरुा यकाति ललक । नगाजी कहि नहि कान
वाट निकलि कव नियफा रव गलाह ।

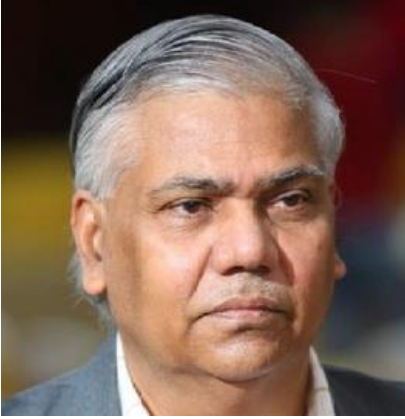
-नवीन्द्र नानायध मिश्र, पिपाक नाम: स्वर्गीय सूर्य नानायध मिश्र, माणाक नाम: स्वर्गीया दयाकाशी दत्ती, वजस: ६६ वर्ष, यैगृक ग्राम: अउन जीह, माणुक: सिधिया आठी, वृगि: रानग सनकानक उय सचिव (सवानिवृफ), यथल मद्रयालिटन मजिसड्रट, दिल्ली(सवानिवृफ), शिजा: चडधानी मिथिला महाविद्यालयसँ वी.उस-सी. रैगिक विहानम ग्रगिष्ठा : दिल्ली विश्वविद्यालयसँ विधि श्लाक, प्रकाशग कृगि: मेथिलीम: प्रकाशन वर्ष:२०११ १.रानसँ साँस धनि (आग्न कथा), २. प्रसंगवथ (निर्वंध), ३. स्वर्ग आहि अछि (याग्रा प्रसंग); प्रकाशन वर्ष:२०१८ ४. रुसाद (कथा संग्रह) ५. नमरुये (उयग्यास) ६. विविध प्रसंग (निर्वंध) १.महनाज(उयग्यास) ८. लजकारन(उयग्यास); प्रकाशन वर्ष:२०१६ ६. सीमाक आहि यान(उयग्यास) १०. समाधान(निर्वंध संग्रह) ११. माणूरुमि(उयग्यास) १२. स्वप्लाक(उयग्यास); प्रकाशन वर्ष:२०२० १३. शंखनाद(उयग्यास) १४. उँउह थिक जीवन(संमनध) १५. ठहैग दवाल(उयग्यास); प्रकाशन वर्ष:२०२१ १६. याथय(संमनध) ११. ह्म आवि नहल छी(उयग्यास) १८. प्रलयक यनाग(उयग्यास); प्रकाशन वर्ष:२०२२ १६. वीगि (गल समय(उयग्यास) २०. प्रगिविष्य(उयग्यास) २१. वदलि नहल अछि सरुकिहू(उयग्यास) २२. नाथ्रु मँदिन(उयग्यास) २३. संयाग(कथा संग्रह) २४. नाचि नहल छलि वसुधा(उयग्यास) २५. दीय जनेग नहउ (उयग्यास)।

अपन मंग्य editorial.staff.videha@gmail.com यन य0अ3।

३. यद्य सधु

३.१. नाज किषान मिश्र-रून आल जाड

३.१.नाज किशान मिश्र-रून आल जाढ



नाज कि(शानमिश्र, निरायण चौरु जननल मेनजन (श्री),
वी.एस.एन.एल.(मूखालय), दिल्ली,गाम- अन्न तीरु, या. अन्न
हार, मधुवनी

रुन आँल जाड

रुना गमकौ, गा छ
सि छनहा न रूलक,
चय्या , कडाला ,किं ता
आना अदि मूलका

नना -गुटका सर गाँ गी वझौ,
नवका चा उनक रा ग ला क नझौ
रा न -साँ म आनि आँन घूनक ,
गय -छा का वझा -वूडका

गअउगा वूढा सर, रा न यना गी ,
साँ म, सका ल ,जनगे वा गी ।

अढना -सी नक सँ, माँ यल दह,
जा उक' गि क्का सँ का न नह?

शि शि नक' समर्थन म (धा छि आउल,
नो दा ,अहि म जा कऽ सहि आउला

वनखा म ,नवि काँ माँ यय लल,
नर म मघ सर छल उगल,
मूदा , रला ह मूका नहि , जा डा म,
यृथी क (धा छि म, छथि दूवकला

नो द कैयेग अछि जा उ सँ,
काँं यि नहल अछि वसा ग,
या नि दूवकि क' सटल, जमल,
कैयेग अछि गा छ यन या गा

ठंढ लगअउलक अयन जा न,
थनथनी धना अउलक धनी कँं,
नि कलल अका सक' ना न , जा उ सँ ,
रि जल गन् ,दूरि यनी कँं।

धा द्वि अल अछि वा ट यन,
ना कन ला कक अवनजा ग,
दि न लगेछ अद्या न सन,
वगी का ल वि गल ,रला यना गा

या नि म नदि अछि ववल गर्मी ,
जा ढक उढ सँ उरि जमा,
प्रकृति क सि नद -उबूगा ररगो,
गखन, अकयन उकन कमगा

टळटडा कृकन ना गि म कृहने,
यति नदल घूनक छा उन यन,
शी ग कक गज खसो अछि ,
टय -टय खसेछ खष्टा उन यना

साँ म सँ नदि आ रूकि नदल अछि ,
सनेग अछि सर उकन गइद,
जा ढ कैयअडान छे उकना ,
दूआँ -दूआँ छे, उकन सद्यः ।

धा द लल ,चि उे- वूनमून सर,
धूआँक कनेछ गि नयबून,
दूवकि जा ळग अछि , जा ढक उडद,
खँ गा म, साँ म यउेछ जखन।

नि धनक ना गि गs रल यहा ७,
डाटना -वि रुन, ना न -या आना

उहि म ऊँ सि रुकल कनि का वसा ग,
गs, गकेळ वा ट, हा उ का दूना यना गा

थनथना ल्लग छे ,दह गनी वक,
नि छून जा ७ संग छे मूदा जी वक।

टि कटि कि आ सहा रल नि यफा ,
गल डा श्या वि आ म यन,
गआगल चलव -रि नव वसी ,
न दवा ल यन, न खा श्र यना

(थथन जा ७क ,गा गि कँ,
वढा नहल अछि नजनी ,
न जा अग गा धनि , रटगेक नहि ,
रा नहनवा सँ, मूहवजनी ।

शि शि न -ना गि आ (धा छि कँ ,
का ना सुनरि सधि छे सा ल्लग,
शी गक यनूषा र्थ वढा वअ लल,
कs वेंसा न , हा अग वगि आल्लगा

कि ठाक न आँल अछि , मूदा
मर्थ गुवन म , रऽ कऽ अमन,
जा छ जा अ, उख यथा अ,
कनेग नहल , अहन सँ उअना

रून अँगेक जा उ गकन,
अखन सँ कि अ, वि ना कनू?
कँयकँया नहल अछि , उँठ अखन ,
यहि न गऽ , उहि सँ लऽ

चलि ग नहगेक अहि ना क', गनमी -वनखा -जा उक क्रम,
जी गक जन्म, यना जय सँ, आ' वंघन म , मा उक' जन्मा

अयन माँघ editorial.staff.videha@gmail.com यन य०३।

४. अन्वलिङ्गक

१.विदह व्ही-यत्रिकाक सरुटा यूनान अंक Videha e journal's all old issues

२.मैथिली यथी डाउनलाड Maithili Books Download

३. मैथिली ँठिया-वीठियाक संकलन Maithili Audios-Videos

४.मैथिली भिषु, वाल आ किलान साहित्य Maithili Children Literature

५.विदह स्त्री काना

६. विदह व्ही-लनिङ्ग

१.विदह सूचना संयर्क अन्वलिङ्ग (including Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement)

८.विदह मिथिलाक खाज

ॡ.विदरु ढिथिला नरु

१.विदेह ॲ-यप्रिकाक सरुटा यूनान अंक Videha e journal's all old issues

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली याजिक ॲ यप्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली याजिक ॲ यप्रिका नव अंक देखवाक लल यूठ सरुकेँ निरुध कउ देखु। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

[Search within Old Issues of Videha](#)

<https://books.google.com/>



Videha Archive of Old Issues विदेह यूनान अंकक आर्काइव (युर्धगः अद्यनसायिक उइथ आ मात्र अकउमिक प्रयाग लल) विदेह ॲ-यप्रिकाक सरुटा यूनान अंक यी.ती.अरु. तउनलात लल क्रमानूसान नीचाँक लिंकयन उयलव अछि। All the old issues of Videha e journal are available for pdf download at the respective links below.

.....

[गिनहूा, नवागी आ कैथी खँइ तउनलात Google's Noto Fonts project/ GitHub](#)

गिनहूा नवा खँइ	कैथी अरीअरु	कैथी टीटीअरु	नवागी अरीअरु	नवागी टीटीअरु
----------------	-------------	--------------	--------------	---------------

<https://fonts.google.com/> (Google Open Fonts download)

[Tirhuta Offline Keyboard download](#)

[Keyman Tirhuta/ Vedic Devanagari Keyboards Download](#)

<https://malarproject.gitlab.io/tirhuta> (Tirhuta Keyboard Online)

.....

१

गजब्र 0कून (सम्यादन)

विदेह-सदह १-	
२१ www.videha.co.in	
विदेह ००-यत्रिकाक अंक १-	
३१० सँ- म०थलीक सर्वश्रेष्ठ	
गद्य आ	
यद्यक अकटा समानान्तर संकलन	
दवनागनी	मिथिलाउन
विदेह:सदह १	विदेह: सदह १ गिनह्या
विदेह:सदह २ म०थली प्रवचन-निवचन- समालाचना	विदेह: सदह २ गिनह्या
विदेह:सदह ३ म०थली यद्य	विदेह: सदह ३ गिनह्या
विदेह:सदह ४ म०थली कथा	विदेह: सदह ४ गिनह्या
विदेह म०थली विदनि कथा [विदेह सदह १]	विदेह: सदह १ गिनह्या
विदेह म०थली विदनि कथा [विदेह सदह १]- संघनध-२	विदेह: सदह १ संघनध-२ गिनह्या

विदह मथिली लघुकथा [विदह सदह ६]	विदह: सदह ६ गिनह्या
विदह मथिली यत्र [विदह सदह १]	विदह: सदह १ गिनह्या
विदह मथिली नाय उग्रत [विदह सदह ८]	विदह: सदह ८ गिनह्या
विदह मथिली गिभ उग्रत [विदह सदह ९]	विदह: सदह ९ गिनह्या
विदह मथिली प्रवन्न-निवन्न-समालावना [विदह सदह १०]	विदह: सदह १० गिनह्या
विदह:सदह ११	विदह: सदह ११ गिनह्या
विदह:सदह १२	विदह: सदह १२ गिनह्या
विदह:सदह १३	विदह: सदह १३ गिनह्या
विदह:सदह १४	विदह: सदह १४ गिनह्या
विदह:सदह १५	विदह: सदह १५ गिनह्या
विदह:सदह १६	विदह: सदह १६ गिनह्या
विदह:सदह १७	विदह: सदह १७ गिनह्या
विदह:सदह १८	विदह: सदह १८ गिनह्या
विदह:सदह १९	विदह: सदह १९ गिनह्या
विदह:सदह २०	विदह: सदह २० गिनह्या
विदह:सदह २१	विदह: सदह २१ गिनह्या
विदह:सदह २२	विदह: सदह २२ गिनह्या

विदहःसदह २३	विदहः सदह २३ गिनह्णा
विदहःसदह २४	विदहः सदह २४ गिनह्णा
विदहःसदह २५	विदहः सदह २५ गिनह्णा
<p>विदह-सदह २६-</p> <p>३६ www.videha.co.in</p> <p>विदह व्ही-यत्रिकाक अंक १-</p> <p>३५० सँ- थीम आधानिग</p> <p>मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ मूल आ</p> <p>अनूदिग गद्य आ यद्यक</p> <p>अकटा समानान्कन संकलन</p>	
विदहःसदह २६ (शौं गह्ण क्रमान सिंह आ शौं अनध क्रमान सिंह अंक १-३५० सँ)	विदहः सदह २६ गिनह्णा
विदहःसदह २७ (गज्ज ०कन आ नवि रूषध या०कत आन राषारसँ अनूदिग गद्य आ यद्य- अंक १-३५० सँ)	विदहः सदह २७ गिनह्णा
विदहःसदह २८ (अनूदिग गद्य आ यद्य- अंक १-३५० सँ)	विदहः सदह २८ गिनह्णा
विदहःसदह २९ (नवि रूषध या०क आ शौं. केलाग क्रमान मिश्र- अंक १- ३५० सँ)	विदहः सदह २९ गिनह्णा

विदहः.सदह ३० (यूल-बोलङ्गल विश्राथी लल- अंक १-३१० सी)	विदहः सदह ३० गिनह्गा
विदहः.सदह ३१ (शौ. कामिनी कामायनी आ व्रमान मनाज कथय- अंक १-३१० सी)	विदहः सदह ३१ गिनह्गा
विदहः.सदह ३२ (नवनाग्नक गन्न-यन्न लखन राग-१- अंक १-३१० सी)	विदहः सदह ३२ गिनह्गा
विदहः.सदह ३३ (नवनाग्नक गन्न-यन्न लखन राग-२- अंक १-३१० सी)	विदहः सदह ३३ गिनह्गा
विदहः.सदह ३४ (नवनाग्नक गन्न-यन्न लखन राग-३- अंक १-३१० सी)	विदहः सदह ३४ गिनह्गा
विदहः.सदह ३१ (नवनाग्नक गन्न-यन्न लखन राग-४- अंक १-३१० सी)	विदहः सदह ३१ गिनह्गा
विदहः.सदह ३६ (नवनाग्नक गन्न-यन्न लखन राग-१- अंक १-३१० सी)	विदहः सदह ३६ गिनह्गा

.....

यू.यी.अस.सी. आ आन ग्रनियगिता यनीजा लल दखू:

विदहः.सदह ११	विदहः.सदह २१	विदहः.सदह २३	विदहः.सदह २६	विदहः.सदह २९
विदहः.सदह ३०	विदहः.सदह ३२	विदहः.सदह ३३	विदहः.सदह ३४	विदहः.सदह ३१

.....

२

विदेहक सएटा यूनान अंक (अंक १ सँ ३१४ आ आगाँ)

विदेहक अंक १-१४६ (दवनागनी, मिथिलाऊन आ ब्रलम)

दवनागनी	मिथिलाऊन	ब्रल
<u>Videha_01_01_08</u>	<u>Videha_01_01_08_Tirhuta</u>	1
<u>Videha_15_01_08</u>	<u>Videha_15_01_08_Tirhuta</u>	2
<u>Videha_01_02_08</u>	<u>Videha_01_02_08_Tirhuta</u>	3
<u>Videha_15_02_08</u>	<u>Videha_15_02_08_Tirhuta</u>	4
<u>Videha_01_03_08</u>	<u>Videha_01_03_08_Tirhuta</u>	5
<u>Videha_15_03_08</u>	<u>Videha_15_03_08_Tirhuta</u>	6
<u>Videha_01_04_2008</u>	<u>Videha_01_04_2008_Tirhuta</u>	7
<u>Videha_15_04_2008</u>	<u>Videha_15_04_2008_Tirhuta</u>	8
<u>Videha_01_05_2008</u>	<u>Videha_01_05_2008_Tirhuta</u>	9
<u>Videha_15_05_2008</u>	<u>Videha_15_05_2008_Tirhuta</u>	10
<u>Videha_01_06_2008</u>	<u>Videha_01_06_2008_Tirhuta</u>	11
<u>Videha_15_06_2008</u>	<u>Videha_15_06_2008_Tirhuta</u>	12
<u>Videha_01_07_2008</u>	<u>Videha_01_07_2008_Tirhuta</u>	13

<u>Videha_15_07_2008</u>	<u>Videha_15_07_2008_Tirhuta</u>	14
<u>Videha_01_08_2008</u>	<u>Videha_01_08_2008_Tirhuta</u>	15
<u>Videha_15_08_2008</u>	<u>Videha_15_08_2008_Tirhuta</u>	16
<u>Videha_01_09_2008</u>	<u>Videha_01_09_2008_Tirhuta</u>	17
<u>Videha_15_09_2008</u>	<u>Videha_15_09_2008_Tirhuta</u>	18
<u>Videha_01_10_2008</u>	<u>Videha_01_10_2008_Tirhuta</u>	19
<u>Videha_15_10_2008</u>	<u>Videha_15_10_2008_Tirhuta</u>	20
<u>Videha_01_11_2008</u>	<u>Videha_01_11_2008_Tirhuta</u>	21
<u>Videha_15_11_2008</u>	<u>Videha_15_11_2008_Tirhuta</u>	22
<u>Videha_01_12_2008</u>	<u>Videha_01_12_2008_Tirhuta</u>	23
<u>Videha_15_12_2008</u>	<u>Videha_15_12_2008_Tirhuta</u>	24
<u>Videha_01_01_2009</u>	<u>Videha_01_01_2009_Tirhuta</u>	25
<u>Videha_15_01_2009</u>	<u>Videha_15_01_2009_Tirhuta</u>	26
<u>Videha_01_02_2009</u>	<u>Videha_01_02_2009_Tirhuta</u>	27
<u>Videha_15_02_2009</u>	<u>Videha_15_02_2009_Tirhuta</u>	28
<u>Videha_01_03_2009</u>	<u>Videha_01_03_2009_Tirhuta</u>	29
<u>Videha_15_03_2009</u>	<u>Videha_15_03_2009_Tirhuta</u>	30
<u>Videha_01_04_2009</u>	<u>Videha_01_04_2009_Tirhuta</u>	31
<u>Videha_15_04_2009</u>	<u>Videha_15_04_2009_Tirhuta</u>	32

Videha_01_05_2009	Videha_01_05_2009_Tirhuta	33
Videha_15_05_2009	Videha_15_05_2009_Tirhuta	34
Videha_01_06_2009	Videha_01_06_2009_Tirhuta	35
Videha_15_06_2009	Videha_15_06_2009_Tirhuta	36
Videha_01_07_2009	Videha_01_07_2009_Tirhuta	37
Videha_15_07_2009	Videha_15_07_2009_Tirhuta	38
videha_01_08_2009	videha_01_08_2009_tirhuta	39
videha_15_08_2009	videha_15_08_2009_tirhuta	40
videha_01_09_2009	videha_01_09_2009_tirhuta	41
videha_15_09_2009	videha_15_09_2009_tirhuta	42
videha_01_10_2009	videha_01_10_2009_tirhuta	43
videha_15_10_2009	videha_15_10_2009_tirhuta	44
videha_01_11_2009	videha_01_11_2009_tirhuta	45
videha_15_11_2009	videha_15_11_2009_tirhuta	46
videha_01_12_2009	videha_01_12_2009_tirhuta	47
videha_15_12_2009	videha_15_12_2009_tirhuta	48
videha_01_01_2010	videha_01_01_2010_tirhuta	49
videha_15_01_2010	videha_15_01_2010_tirhuta	50
videha_01_02_2010	videha_01_02_2010_tirhuta	51

videha_15_02_2010	videha_15_02_2010_tirhuta	52
videha_01_03_2010	videha_01_03_2010_tirhuta	53
videha_15_03_2010	videha_15_03_2010_tirhuta	54
videha_01_04_2010	videha_01_04_2010_tirhuta	55
videha_15_04_2010	videha_15_04_2010_tirhuta	56
videha_01_05_2010	videha_01_05_2010_tirhuta	57
videha_15_05_2010	videha_15_05_2010_tirhuta	58
videha_01_06_2010	videha_01_06_2010_tirhuta	59
videha_15_06_2010	videha_15_06_2010_tirhuta	60
videha_01_07_2010	videha_01_07_2010_tirhuta	61
videha_15_07_2010	videha_15_07_2010_tirhuta	62
videha_01_08_2010	videha_01_08_2010_tirhuta	63
videha_15_08_2010	videha_15_08_2010_tirhuta	64
videha_01_09_2010	videha_01_09_2010_tirhuta	65
videha_15_09_2010	videha_15_09_2010_tirhuta	66
videha_01_10_2010	videha_01_10_2010_tirhuta	67
videha_15_10_2010	videha_15_10_2010_tirhuta	68
videha_01_11_2010	videha_01_11_2010_tirhuta	69
videha_15_11_2010	videha_15_11_2010_tirhuta	70

videha_01_12_2010	videha_01_12_2010_tirhuta	71
videha_15_12_2010	videha_15_12_2010_tirhuta	72
videha_01_01_2011	videha_01_01_2011_tirhuta	73
videha_15_01_2011	videha_15_01_2011_tirhuta	74
videha_01_02_2011	videha_01_02_2011_tirhuta	75
videha_15_02_2011	videha_15_02_2011_tirhuta	76
videha_01_03_2011	videha_01_03_2011_tirhuta	77
videha_15_03_2011	videha_15_03_2011_tirhuta	78
videha_01_04_2011	videha_01_04_2011_tirhuta	79
videha_15_04_2011	videha_15_04_2011_tirhuta	80
videha_01_05_2011	videha_01_05_2011_tirhuta	81
videha_15_05_2011	videha_15_05_2011_tirhuta	82
videha_01_06_2011	videha_01_06_2011_tirhuta	83
videha_15_06_2011	videha_15_06_2011_tirhuta	84
videha_01_07_2011	videha_01_07_2011_tirhuta	85
videha_15_07_2011	videha_15_07_2011_tirhuta	86
videha_01_08_2011	videha_01_08_2011_tirhuta	87
videha_15_08_2011	videha_15_08_2011_tirhuta	88
videha_01_09_2011	videha_01_09_2011_tirhuta	89

videha_15_09_2011	videha_15_09_2011_tirhuta	90
videha_01_10_2011	videha_01_10_2011_tirhuta	91
videha_15_10_2011	videha_15_10_2011_tirhuta	92
videha_01_11_2011	videha_01_11_2011_tirhuta	93
videha_15_11_2011	videha_15_11_2011_tirhuta	94
videha_01_12_2011	videha_01_12_2011_tirhuta	95
videha_15_12_2011	videha_15_12_2011_tirhuta	96
videha_01_01_2012	videha_01_01_2012_tirhuta	97
videha_15_01_2012	videha_15_01_2012_tirhuta	98
videha_01_02_2012	videha_01_02_2012_tirhuta	99
videha_15_02_2012	videha_15_02_2012_tirhuta	100
videha_01_03_2012	videha_01_03_2012_tirhuta	101
videha_15_03_2012	videha_15_03_2012_tirhuta	102
videha_01_04_2012	videha_01_04_2012_tirhuta	103
videha_15_04_2012	videha_15_04_2012_tirhuta	104
videha_01_05_2012	videha_01_05_2012_tirhuta	105
videha_15_05_2012	videha_15_05_2012_tirhuta	106
videha_01_06_2012	videha_01_06_2012_tirhuta	107
videha_15_06_2012	videha_15_06_2012_tirhuta	108

videha_01_07_2012	videha_01_07_2012_tirhuta	109
videha_15_07_2012	videha_15_07_2012_tirhuta	110
videha_01_08_2012	videha_01_08_2012_tirhuta	111
videha_15_08_2012	videha_15_08_2012_tirhuta	112
videha_01_09_2012	videha_01_09_2012_tirhuta	113
videha_15_09_2012	videha_15_09_2012_tirhuta	114
videha_01_10_2012	videha_01_10_2012_tirhuta	115
videha_15_10_2012	videha_15_10_2012_tirhuta	116
videha_01_11_2012	videha_01_11_2012_tirhuta	117
videha_15_11_2012	videha_15_11_2012_tirhuta	118
videha_01_12_2012	videha_01_12_2012_tirhuta	119
videha_15_12_2012	videha_15_12_2012_tirhuta	120
videha_01_01_2013	videha_01_01_2013_tirhuta	121
videha_15_01_2013	videha_15_01_2013_tirhuta	122
videha_01_02_2013	videha_01_02_2013_tirhuta	123
videha_15_02_2013	videha_15_02_2013_tirhuta	124
videha_01_03_2013	videha_01_03_2013_tirhuta	125
videha_15_03_2013	videha_15_03_2013_tirhuta	126
videha_01_04_2013	videha_01_04_2013_tirhuta	127

videha_15_04_2013	videha_15_04_2013_tirhuta	128
videha_01_05_2013	videha_01_05_2013_tirhuta	129
videha_15_05_2013	videha_15_05_2013_tirhuta	130
videha_01_06_2013	videha_01_06_2013_tirhuta	131
videha_15_06_2013	videha_15_06_2013_tirhuta	132
videha_01_07_2013	videha_01_07_2013_tirhuta	133
videha_15_07_2013	videha_15_07_2013_tirhuta	134
videha_01_08_2013	videha_01_08_2013_tirhuta	135
videha_15_08_2013	videha_15_08_2013_tirhuta	136
videha_01_09_2013	videha_01_09_2013_tirhuta	137
videha_15_09_2013	videha_15_09_2013_tirhuta	138
videha_01_10_2013	videha_01_10_2013_tirhuta	139
videha_15_10_2013	videha_15_10_2013_tirhuta	140
videha_01_11_2013	videha_01_11_2013_tirhuta	141
videha_15_11_2013	videha_15_11_2013_tirhuta	142
videha_01_12_2013	videha_01_12_2013_tirhuta	143
videha_15_12_2013	videha_15_12_2013_tirhuta	144
videha_01_01_2014	videha_01_01_2014_tirhuta	145
videha_15_01_2014	videha_15_01_2014_tirhuta	146

videha_01_02_2014	videha_01_02_2014_tirhuta	147
videha_15_02_2014	videha_15_02_2014_tirhuta	148
videha_01_03_2014	videha_01_03_2014_tirhuta	149

विदेहक अंक ११०-३४४

VIDEHA_150	VIDEHA_151	VIDEHA_152	VIDEHA_153	VIDEHA_154
VIDEHA_155	VIDEHA_156	VIDEHA_157	VIDEHA_158	VIDEHA_159
VIDEHA_160	VIDEHA_161	VIDEHA_162	VIDEHA_163	VIDEHA_164
VIDEHA_165	VIDEHA_166	VIDEHA_167	VIDEHA_168	VIDEHA_169
VIDEHA_170	VIDEHA_171	VIDEHA_172	VIDEHA_173	VIDEHA_174
VIDEHA_175	VIDEHA_176	VIDEHA_177	VIDEHA_178	VIDEHA_179
VIDEHA_180	VIDEHA_181	VIDEHA_182	VIDEHA_183	VIDEHA_184
VIDEHA_185	VIDEHA_186	VIDEHA_187	VIDEHA_188	VIDEHA_189
VIDEHA_190	VIDEHA_191	VIDEHA_192	VIDEHA_193	VIDEHA_194
VIDEHA_195	VIDEHA_196	VIDEHA_197	VIDEHA_198	VIDEHA_199
VIDEHA_200	VIDEHA_201	VIDEHA_202	VIDEHA_203	VIDEHA_204
VIDEHA_205	VIDEHA_206	VIDEHA_207	VIDEHA_208	VIDEHA_209
VIDEHA_210	VIDEHA_211	VIDEHA_212	VIDEHA_213	VIDEHA_214
VIDEHA_215	VIDEHA_216	VIDEHA_217	VIDEHA_218	VIDEHA_219
VIDEHA_220	VIDEHA_221	VIDEHA_222	VIDEHA_223	VIDEHA_224
VIDEHA_225	VIDEHA_226	VIDEHA_227	VIDEHA_228	VIDEHA_229

<u>VIDEHA_230</u>	<u>VIDEHA_231</u>	<u>VIDEHA_232</u>	<u>VIDEHA_233</u>	<u>VIDEHA_234</u>
<u>VIDEHA_235</u>	<u>VIDEHA_236</u>	<u>VIDEHA_237</u>	<u>VIDEHA_238</u>	<u>VIDEHA_239</u>
<u>VIDEHA_240</u>	<u>VIDEHA_241</u>	<u>VIDEHA_242</u>	<u>VIDEHA_243</u>	<u>VIDEHA_244</u>
<u>VIDEHA_245</u>	<u>VIDEHA_246</u>	<u>VIDEHA_247</u>	<u>VIDEHA_248</u>	<u>VIDEHA_249</u>
<u>VIDEHA_250</u>	<u>VIDEHA_251</u>	<u>VIDEHA_252</u>	<u>VIDEHA_253</u>	<u>VIDEHA_254</u>
<u>VIDEHA_255</u>	<u>VIDEHA_256</u>	<u>VIDEHA_257</u>	<u>VIDEHA_258</u>	<u>VIDEHA_259</u>
<u>VIDEHA_260</u>	<u>VIDEHA_261</u>	<u>VIDEHA_262</u>	<u>VIDEHA_263</u>	<u>VIDEHA_264</u>
<u>VIDEHA_265</u>	<u>VIDEHA_266</u>	<u>VIDEHA_267</u>	<u>VIDEHA_268</u>	<u>VIDEHA_269</u>
<u>VIDEHA_270</u>	<u>VIDEHA_271</u>	<u>VIDEHA_272</u>	<u>VIDEHA_273</u>	<u>VIDEHA_274</u>
<u>VIDEHA_275</u>	<u>VIDEHA_276</u>	<u>VIDEHA_277</u>	<u>VIDEHA_278</u>	<u>VIDEHA_279</u>
<u>VIDEHA_280</u>	<u>VIDEHA_281</u>	<u>VIDEHA_282</u>	<u>VIDEHA_283</u>	<u>VIDEHA_284</u>
<u>VIDEHA_285</u>	<u>VIDEHA_286</u>	<u>VIDEHA_287</u>	<u>VIDEHA_288</u>	<u>VIDEHA_289</u>
<u>VIDEHA_290</u>	<u>VIDEHA_291</u>	<u>VIDEHA_292</u>	<u>VIDEHA_293</u>	<u>VIDEHA_294</u>
<u>VIDEHA_295</u>	<u>VIDEHA_296</u>	<u>VIDEHA_297</u>	<u>VIDEHA_298</u>	<u>VIDEHA_299</u>
<u>VIDEHA_300</u>	<u>VIDEHA_301</u>	<u>VIDEHA_302</u>	<u>VIDEHA_303</u>	<u>VIDEHA_304</u>
<u>VIDEHA_305</u>	<u>VIDEHA_306</u>	<u>VIDEHA_307</u>	<u>VIDEHA_308</u>	<u>VIDEHA_309</u>
<u>VIDEHA_310</u>	<u>VIDEHA_311</u>	<u>VIDEHA_312</u>	<u>VIDEHA_313</u>	<u>VIDEHA_314</u>
<u>VIDEHA_315</u>	<u>VIDEHA_316</u>	<u>VIDEHA_317</u>	<u>VIDEHA_318</u>	<u>VIDEHA_319</u>
<u>VIDEHA_320</u>	<u>VIDEHA_321</u>	<u>VIDEHA_322</u>	<u>VIDEHA_323</u>	<u>VIDEHA_324</u>
<u>VIDEHA_325</u>	<u>VIDEHA_326</u>	<u>VIDEHA_327</u>	<u>VIDEHA_328</u>	<u>VIDEHA_329</u>
<u>VIDEHA_330</u>	<u>VIDEHA_331</u>	<u>VIDEHA_332</u>	<u>VIDEHA_333</u>	<u>VIDEHA_334</u>

VIDEHA_335	VIDEHA_336	VIDEHA_337	VIDEHA_338	VIDEHA_339
VIDEHA_340	VIDEHA_341	VIDEHA_342	VIDEHA_343	VIDEHA_344

विदेहक सर अंक सखी किछ आबथक यथी/ जानकानी

Learn Maithili Sign Language- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

मैथिली (मैथिली संकग राखा सहिग- मैथिलीम यदिल वन)

Learn Mithilakshar- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn IPA through Mithilakshar- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Braille through Mithilakshar- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Tirhuta Offline Keyboard download

Keyman Tirhuta/ Vedic Devanagari Keyboards Download

Learn Kaithi- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

कैथी लियि (मैथिली साहिय संस्कान उअनलाउ लिंक)

Learn Newari- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Calligraphic Newari (Ranjana)- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Urdu Script- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Tibetan Script- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Japanese Script for Haiku- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Brahmi- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Kharoshthi- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

सुथी रुझ अना मिथिला-नग, मिथिलाक खज, विदेह ॐ-लनिद, विदेह श्री-काना, विदेह यरान (विदेह ॐ-यप्रिकाक सरटा यनान अंक; विदेह यथी उअनलाउ; विदेह मैथिली ँठिया-वीठियाक संकलन आ विदेह शिषु, वाल आ कि(शान साहिय) आ सूचना-संयर्क-अब्रषध (including Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement) सर अंकम समान अक्ति, गळ हनु ॐ सर रुझ सर अंकम ने दल जाळग अक्ति, ॐ सर रुझ दखवा लल किक कनु विदेहक ३४५ म, ३४१म, ३५५ म आ ३१२ म अंका उे चानु अंकम सभिलिग नूयँ ॐ सर रुझ दल गल अक्ति।

विदेहक ३४१म आ आगाँक अंक

दवनागनी	मिथिलाऊन	आइ.पी.ए.	मिथिली डल
VIDEHA_345	VIDEHA_345_Tirhuta	VIDEHA_345_IPA	VIDEHA_345_Braille
VIDEHA_346	VIDEHA_346_Tirhuta	VIDEHA_346_IPA	VIDEHA_346_Braille
VIDEHA_347	VIDEHA_347_Tirhuta	VIDEHA_347_IPA	VIDEHA_347_Braille
VIDEHA_348	VIDEHA_348_Tirhuta	VIDEHA_348_IPA	VIDEHA_348_Braille
VIDEHA_349	VIDEHA_349_Tirhuta	VIDEHA_349_IPA	VIDEHA_349_Braille

दवनागनी	मिथिलाऊन	आइ.पी.ए.	मिथिली डल	कैथी
VIDEHA_350	VIDEHA_350_Tirhuta	VIDEHA_350_IPA	VIDEHA_350_Braille	VIDEHA_350_KAITHI
VIDEHA_351	VIDEHA_351_Tirhuta	VIDEHA_351_IPA	VIDEHA_351_Braille	VIDEHA_351_KAITHI
VIDEHA_352	VIDEHA_352_Tirhuta	VIDEHA_352_IPA	VIDEHA_352_Braille	VIDEHA_352_KAITHI
VIDEHA_353	VIDEHA_353_Tirhuta	VIDEHA_353_IPA	VIDEHA_353_Braille	VIDEHA_353_KAITHI
VIDEHA_354	VIDEHA_354_Tirhuta	VIDEHA_354_IPA	VIDEHA_354_Braille	VIDEHA_354_KAITHI

नागनी	पिनरुप	आइ.पी.ए.	डल	कैथी	नंजल	नदारी	सनरी	डाली
355	Tirhu	IPA	Brail	KAI	Ran	Newa	Kharo	Brahmi

नागनी	पिनरुप	कैथी	नंजल	डल	डाली	IPA	डल	सनरी	उई	डल	डल
356	Tirhu	Kai	Ran	Newa	Brah	IPA	डल	सनरी	उई	Tib	Ume
357	Tirhu	Kai	Ran	Newa	Brah	IPA	डल	सनरी	उई	Tib	Ume

नागनी	पिनरुप	कैथी	नंजल	डल	डाली	IPA	डल	डल	डल
358	Tirhu	Kai	Ran	Newa	Brah	IPA	डल	Tib	Ume
359	Tirhu	Kai	Ran	Newa	Brah	IPA	डल	Tib	Ume

360	Tirhu	Kai	Ran	Newa	Brah	IPA	ब्रह्म	Tib	Ume
-----	-------	-----	-----	------	------	-----	--------	-----	-----

नागरी	गिरह्या	कैथी	नवारी	आइ.पी.ए.	ब्रह्म
361	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
362	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
363	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
364	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
365	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
366	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
367	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
368	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
369	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
370	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
371	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille

.....

३

विदेहक विषयांक

१) हाइकु विषयांक

Videha_15_06_2008	Videha_15_06_2008_Tirhuta	12
-------------------	---------------------------	----

२) गजल विषयांक

Videha_01_11_2008	Videha_01_11_2008_Tirhuta	21
-------------------	---------------------------	----

३) विद्विन कथा निष्ठांक

videha_01_10_2010	videha_01_10_2010_tirhuta	67
-------------------	---------------------------	----

४) वाल साह्य निष्ठांक

videha_15_11_2010	videha_15_11_2010_tirhuta	70
-------------------	---------------------------	----

५) नाटक निष्ठांक

videha_15_12_2010	videha_15_12_2010_tirhuta	72
-------------------	---------------------------	----

६) समीजा निष्ठांक

videha_15_01_2011	videha_15_01_2011_tirhuta	74
-------------------	---------------------------	----

७) नानी निष्ठांक

videha_01_03_2011	videha_01_03_2011_tirhuta	77
-------------------	---------------------------	----

८) अनूदाद निष्ठांक (गद्य-यद्य रानी)

videha_01_01_2012	videha_01_01_2012_tirhuta	97
-------------------	---------------------------	----

९) वाल गजल निष्ठांक

videha_01_08_2012	videha_01_08_2012_tirhuta	111
-------------------	---------------------------	-----

१०) रक्कि गजल निष्ठांक

videha_15_03_2013	videha_15_03_2013_tirhuta	126
-------------------	---------------------------	-----

११) गजल आलाचना-समालाचना-समीक्षा वि(श्यांक

videha_15_11_2013	videha_15_11_2013_tirhuta	142
-------------------	---------------------------	-----

१२) काशीकांग मिश्र मध्य वि(श्यांक

Videha_01_01_2015

१३) अनविद्य Oकून वि(श्यांक

Videha_01_11_2015

स्वांप्रवणा- अनविद्य Oकून: अकित्त-कृगिण (सम्यादक आशीष अनविद्यान) [विदर अनविद्य Oकून वि(श्यांकक
प्रिष्ठ नूय]

१४) ऊगदीश च्छ Oकून अन्लि वि(श्यांक

Videha_01_12_2015

११) विदर सम्मान वि(श्यांक

विदर सम्मान: सम्मान-सूची (समानान्कन साद्विय अकादमी, समानान्कन ललिग कला अकादमी
आ समानान्कन संगीत-नाटक अकादमी सम्मान/ यूनकान नामसँ विद्याग)

साजाकान/ समानर

साजाकान	videha_15_12_2011	videha_15_01_2012	videha_01_02_2012	videha_01_03_2012
videha_01_09_2012	videha_15_01_2013	videha_01_03_2013	Videha_15_04_2016	Videha_01_07_2016

१६) मैथिली सी.डी./ अल्लम गीत संगीत वि(श्यांक

Videha_01_01_2017

११) मैथिली वन यक्रानिा विषयांक

VIDEHA 313

१८) मैथिली वीरनि कथा विषयांक-२

VIDEHA 317

१९) नामलावन 0कून विषयांक

VIDEHA 319

२०) नामलावन 0कून श्रद्धांजलि विषयांक

VIDEHA 320

२१) नाजन्हन लाल दास विषयांक

VIDEHA 333

२२) नवीरु नाथ 0कून विषयांक

<u>VIDEHA 348</u>	<u>VIDEHA 348 Tirhuta</u>	<u>VIDEHA 348 IPA</u>	<u>VIDEHA 348 Braille</u>
-------------------	---------------------------	-----------------------	---------------------------

२३) कदान नाथ चौधनी विषयांक

<u>VIDEHA 352</u>	<u>VIDEHA 352 Tirhuta</u>	<u>VIDEHA 352 IPA</u>	<u>VIDEHA 352 Braille</u>	<u>VIDEHA 352 KAITHI</u>
-------------------	---------------------------	-----------------------	---------------------------	--------------------------

२४) ग्रमलगा मिश्र 'ग्रम' विषयांक

<u>Videha_357</u>	<u>Videha 357 Tirhuta</u>
-------------------	---------------------------

२५) शनदिरू चौधनी विषयांक

<u>Videha_358</u>	<u>Videha 358 Tirhuta</u>
-------------------	---------------------------

४. कयिलक्ष्मण नाटक अ टा कथा आ उल्लयन गजड्ड ओकूनक रियधी

VIDEHA_356

१. उमण मधुलक अ टा कथा आ उल्लयन गजड्ड ओकूनक रियधी

Videha_357

६. नाम विलास सादक अ टा कथा आ उल्लयन गजड्ड ओकूनक रियधी

Videha_358

१. निग नवल सूर्य चड यादव- सूर्य चड यादवक समरु सादिय आ उल्लयन गजड्ड ओकूनक रियधी

निग नवल सूर्य चड यादव

निग नवल सूर्य चड यादव (मिथिलाजन)

८. राजदेव मधुलक सादिययन गजड्ड ओकूनक रियधी

Rajdeo Mandal- Maithili Writer

९. आचार्य नामानद मधुलक अ टा कथा आ उल्लयन गजड्ड ओकूनक रियधी

Videha_360

१०. नद विलास नायक चानिटा कथा आ अकटा अकांकी आ उल्लयन गजड्ड ओकूनक रियधी

Videha_361

११. जगदीश प्रसाद मधुलक सादिययन गजड्ड ओकूनक रियधी

JAGDISH PRASAD MANDAL- Maithili Writer

१२. दुर्गनद मधुलक याँचटा कथा आ उल्लयन गजड्ड ओकूनक रियधी

Videha_363

१३. नानायद यादवक याँचटा कथा आ उल्लयन गजड्ड ओकूनक रियधी

Videha_364

१४. निग नवल दिनेष कुमान मिश्र- दिनेष कुमान मिश्रक समस्त लखन आ उल्लयन गजड्ड ठाकूनक टियधी

निग नवल दिनेष कुमान मिश्र (जानी)

१५. निग नवल स्थील- स्थीलक समस्त साहित्य आ उल्लयन गजड्ड ठाकूनक टियधी

निग नवल स्थील (जानी)

.....

५

"याठक ह्मन यथी किञ यदुथि"- लखक ज्ञाना अग्रन यथी/
नचनाक समीजा सीनीज

१. आशीष अनविद्वान ०१ अगस्त २०२१

१.(a) आशीष अनविद्वान ०१ मार्च २०२३

२. गजड्ड ठाकून ०१ सिप्टेबर २०२२

.....

६

अठिठर्स चाल्स सीनीज

अठिठर्स चाल्स सीनीज-१

विदेहम वलाकानयन मेथिलीम यहिल कविता प्रकाशित रल छला ॐ दिसम्बर २०१२ क दिल्लीक निर्णया वलाकान काठक वादक समय छला उना ॐ अनूदिग नचना छल, गल्लुगुम यस्यूलटी गीताक कविताक दिष्टी अनूनाद कन छलीह आन. भांगा सूदनी आ दिष्टीसँ मेथिली अनूनाद कन छलाह विनीग उग्रला ह्मन जानकानीम असँ वधी सिहनावेवला कविता उ विषययन काना राषाम ने नचल गेल अछि। कताक सालक वादा ॐ समस्या उहन अछि। ॐ कविता सरकँ यहुवाक चाही, खास कऽ सर वटीक वायकँ, सर वहिनक राकँ आ सर यनीक यगिकँ आ विचानवाक चाही ऊ ह्म सर अयना वच्चा सर लल कहन समाज वनन छी।

अतिरस चाञ्चस सीनीज-१ (ताउनलाउ लिंक)

अतिरस चाञ्चस सीनीज-२

विदेहम व्रसु केसनक समथायन विदेह म मीना मा कन अकटा लघु कथा प्रकाशित रला ॐ मेथिलीक यहिल कथा छल ऊ व्रसु केसन यन लिखल गेला दिष्टीम सह गधनि उ विषययन कथा ने लिखल गेल छल, कानध उ कथाक ॐ-प्रकाशित रलाक १-२ सालक वाद दिष्टीम दू (गारम घांघाउज रऽ नहल छल कि यहिल ह्म आकि ह्म, मूदा दूनूक गिथि मेथिलीक कथाक यनवर्गी छला वादम ॐ विदेह लघु कथाम सह संकलित रला।

अतिरस चाञ्चस सीनीज-२ (ताउनलाउ लिंक)

अतिरस चाञ्चस सीनीज-३

विदहम जगदीश चड्ढ 0कून अनिलक किड्डु वाल कविगा प्रकाशित रला।
वादम हूनकन ३ टा वाल कविगा विदह भिषु उम्नम संकलित रल
जळ्म २ टा कविगा ववी चाळ्ळुयन छला। यड्डु व्ही गीनु कविगा,
वादक दूनू ववी चाळ्ळुयन लिखल कविगा यड्डव टा कनु स आग्रह।
अठिरस चाळ्ळस सीनीज-३ (ताउनलाउ लिंक)

अठिरस चाळ्ळस सीनीज-४

विदहम जगदान्द मा "मन्"क अकटा दीर्घ वाल कथा कहि लिभ् वा
उयग्यास प्रकाशित रल, नाम छल चानहा। वादम व्ही नचना विदह
भिषु उम्नम संकलित रल, व्ही नचना वाल मनाविहानयन आधानिग
मैथिलीक यहिल नचना छी, मैथिली वाल साहित्य काना लिखी गकन
ड्रनिंग कार्मि अ उयग्यासकँ नाखल जवाक चाही। काना मोउर्न उयग्यास
आगाँ वटे छे, श्रुय वाळ्ळ श्रुय आ सह्य वाल उयग्यास। यड्डव टा कनु
स आग्रह।

अठिरस चाळ्ळस सीनीज-४ (ताउनलाउ लिंक)

अठिरस चाळ्ळस सीनीज-५

अठिरस चाळ्ळस ५ म मैथिलीक "उसन कहा था" मान कूमान यवनक
दीर्घकथा "यळ्ळ0" (सारान अंगिका) । दिदीक या0क, ज "उसन कहा
था" यड्डन हगा, कँ वूमल छहि ज काना अहि कथाकँ नचि चड्डधन
शर्मा "गुलनी" अमन रस (गलाहा) हम चर्चा कs नहल छी, कूमान
यवनक "यळ्ळ0" दीर्घकथाका अकना यड्डलाक वाद अहाँकँ अकटा

विचित्र, सुखद आ मान होल कनेवला अनूख रूपा, ऊ सक्कीनीअन
द्रजती सँ मिलिना लागत आ रूनाका। मूदा उे नचनाकँ यडलाक वाद
गामस, घृष्ठा सरयन नियंत्रकँ आ सामाजिक/ यानिदानिक दायिद्वकँ
सह अहाँ आन गंरीनगासँ लवे, स धनि यक्का अछि। मूदा अकन
अकटा शर्त अछि ऊ अकना समे निकालि कऽ अक्का उखगहाम यदि
जाँळ।

अठिठर्स चाँस सीनीज-७ (उठनलाउ लिंक)

अठिठर्स चाँस सीनीज-६

जगदीश प्रसाद मधुलक लघुकथा "विसाँठ": १९४२-४३ क अकालम
वंगालम १७ लाख लाक मूँला, मूदा अमर्य सन लिखेग छथि ऊ
दूनकन काना सन-सम्वी उे अकालम ने मनलछि। मिथिलाम अकाल
आअल १९६१ ँ। म आ ँँदिना गाँधी जखन उे अग्र अउली गँ
दूनका दखाउाल (गल ऊ काना मूसहन जागिक लाक विसाँठ खा कऽ
उे अकालकँ जीगि ललछि। मेथिलीम लखनक अकरगाह सिगि विदहक
आगमनसँ यद्विन छला। मेथिलीक लखक लाकनि सह अमर्य सन अकाँ
उहि महाविरीषिकासँ प्रगतिग ने छला आ गँ विसाँठयन कथा ने
लिखि सकला। जगदीश प्रसाद मधुल अयन कथा लिखलछि ऊ प्रकाशित
रल चगना समिक यप्रिकाम, मूदा कार्यकानी सम्यादक ज्ञाना वर्णी
यनिवर्निक कानध उा मेथिलीम ने वनध् अवहठम लिखल वूमा यउल,
आ अगक प्रगती ने रऽ सकल कानध विषय नहे खाँटी आ वर्णी
कृप्रिमा स अकन यूनः ँँ-प्रकाशन अयन असली नूयम रल विदहम
आ ँँ संकलिग रल "गामक जिनगी" लघुकथा संग्रहमा उे यथीयन

जगदीश प्रसाद मधुलकँ टैगान लिटनचन अत्राँ ररलनि। जगदीश प्रसाद मधुलक लखनी मैथिली कथाधानाकँ अकरगाह हवासँ वचा ललक, आ मैथिलीक समानान्तर ँगिहासम मैथिली साहित्यकँ दू कालखण्डम वारि कऽ यदुँ जाँ लागल- जगदीश प्रसाद मधुलसँ पूर्व आ जगदीश प्रसाद मधुल आगमनक बाद। तँ प्रसूत अछि लघुकथा विसाँद- अयन सूत्रा सूनूपमा।

अठिठर्स चारूस सीनीज-६ (ताउनलात लिंक)

अठिठर्स चारूस सीनीज-१

मैथिलीक यहिल आ अकमात्र दलित आत्मकथा: सदीय क्रमान सारही। सदीय क्रमान सारहीक दलित आत्मकथा ज अहाँकँ अयन लघु आकानाक अछेग हिलाति दग आ अहाँकँ ँरी सिगि कऽ दग ज समानान्तर मैथिली साहित्य कगवा यदुँ अहाँकँ अछेँ ने हग। ँरी आत्मकथा विदहम ँरी-प्रकाशित रलाक बाद लखकक यथी "वैशाखम दलानयन"म संकलित रल आ ँरी मैथिलीक अखन धनिक अकमात्र दलित आत्मकथा थिका तँ प्रसूत अछि मैथिलीक यहिल दलित आत्मकथा: सदीय क्रमान सारहीक कलमसँ।

अठिठर्स चारूस सीनीज-१ (ताउनलात लिंक)

अठिठर्स चारूस सीनीज-६

नना गुटकाकँ नागिम सूत्रा लल किछु लाककथा (विदह यटानसँ)।

अठिठर्स चारूस सीनीज-६ (ताउनलात लिंक)

अठिठर्स चळ्ळस सीनीज-६

मैथिली गजलयन यनिचर्चा (विदह यटानसँ)।

अठिठर्स चळ्ळस सीनीज-६ (ताउनलात लिंक)

.....

विदह सम्मान: सम्मान-सूची (समानान्कन साहित्य अकादमी, समानान्कन ललित कला अकादमी आ समानान्कन संगीत-नाटक अकादमी सम्मान/ यूनस्कान नामसँ विस्थाग)

.....

मैथिलीक वर्नी

१

मैथिलीक वर्नी- विदह मैथिली मानक राषा आ मैथिली राषा सम्पादन याधक्रम

राषायाक

२

मैथिलीक वर्नीम यर्याक त्रिविधगा अछि। मूदा प्रक्षयप्र दखला उफन अकन वर्नी ँञ्चू BMAF001 सँ प्रनिग वृमाळ्ळग अछि, स अकन अकना अक उखगाहाम उनटा-यूनटा दियो, तगव धनि यर्याक अछि। यू.पी.अस.सी. क मैथिली (कम्यलसनी) ययन लल सह ँञ्ची यर्याक

अच्छि, स ऊ विद्यार्थी मैथिली (कम्यलसनी) ययन लन छथि स अकन
अकरा आन रूस-नीतिंग दसन-उखगहाम कनथि।

IGNOU ँञ्चू BMAF-001

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com. The eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send your queries to sales.videha@gmail.com. The contents and documents e-published by Videha (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/ documents.

२.मैथिली याथी ताउनलात Maithili Books Download

विदेह याथी

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली याञिक व्ही यत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली याञिक व्ही यत्रिका नव अंक दखवाक लल युह सरक निरुध कउ देखु Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

[Search for Books \(including Audio-Visual & Sign Language\) relating to Mithila/ Maithili](#)

<https://books.google.com/>



Videha Archive of Maithili Books विदेह मैथिली याथीक आर्काइव (युर्धगः अद्यतसायिक उइथ आ मात्र अकतमिक प्रयाग लल) सर याथी पी.डी.एफ. ताउनलात लल क्रमानुसान नीचाँक लिंक सरयन उपलब्ध अछि। All the books are available for pdf download at the respective links below

.....

[गिनहगा, नवाडी आ कैथी हाँध ताउनलात Google's Noto Fonts project/ GitHub](#)

गिनहगा नवा हाँध	कैथी अ.पी.एफ.	कैथी पी.पी.एफ.	नवाडी अ.पी.एफ.	नवाडी पी.पी.एफ.
-----------------	---------------	----------------	----------------	-----------------

<https://fonts.google.com/> (Google Open Fonts download)

[Tirhuta Offline Keyboard download](#)

[Keyman Tirhuta/ Vedic Devanagari Keyboards Download](#)

<https://malarproject.gitlab.io/tirhuta> (Tirhuta Keyboard Online)

.....

वैद्व चर्यायद

चर्यायद

महाकवि उक

उकवचन

शागिनीक्षन ०कून

मैथिली धूर्समागम

विश्रायगि

द्यातीरकि गनद्धिधी

गानउविजयम्

शंकनदव

यानिजागहनध

नामविजय

दशानि ०कून

थामंग हनध यात्रा (अंकिया नार)

लक्ष्मीदव

कूमानहनध नार शग चंद्र नावध वध (अंकिया नार)

जगप्रकाशमल्ल

प्रसावगीहनक्ष नारक

सिद्ध ननसिंहमल्ल

गीगावली सिद्धि

जगन्नागिर्नमल्ल

हन(गोनी) विवाह नारक कृष्णविहान नारक

दुर्धनाथ मा

माधवानन्द नारक

उषाहनक्ष

दुर्धनाथ काव्यग्रन्थावली (संकलन अमननाथ मा १८६१-१९११)

नम्याधि

उषाहनक्ष नारक

श्रीकांग

श्रीकृष्ण जन्म नदय

नक्षीयगि

कृष्णकलिमाला

गीगमाला

काश नामदास

(गोनी)सूर्यवंदन

लाल

(गोनी)सूर्यवंदन नारक

उमायगि

यानिजाग हनक्ष

रानूनाथ

प्ररावगी हनध

दवानध

उषाहनध

नमायगि

नृक्मधी यनिचय

उयाधाय नामदास

आनध विजयारिदान नाटिका

शिवदफ

(गोनीयनिधय सीगास्त्रयंत्रन दूर्गाविजय

यानिजाग नाटक

.....

कथा वौद्ध सिद्ध मरुथया (वाल साहित्य कडिग) मंरुथम रल १२ म

सगन नागि दीय जनयम यीग कथा सरक संकलन

कथा वौद्ध सिद्ध मरुथया

सख्आवाली (नानी निमर्ष कडिग) रयटियाहीम रल १३ म सगन

नागि दीय जनयम यीग कथा सरक संकलन

सख्आवाली

सन जी. उ. ग्रियर्सन (११७१-१९४१)

मैथिली ग्रामन

मैथिली क्रममथी उद्यु वाकावूलनी

मंशी नघूनहन दास (११६०-१९४७) (सोजय- नाधाकृष्ण दास)

सरुद्रा हनध

नासविहानी लाल दास (१८१२-१९४०) (सौज्य- नमानइ मा
"नमध")

सूमणि

हनिनइन दास (सौज्य- नाधाकृषून् दास)

सूदामा चनिग

यं नामजी चौधनी (१८१८-१९७२) (सौज्य- श्री श्रीमाहन चौधनी)

त्रिविध रजनावली

आचार्य नामलाचन शनध (१८८९-१९११) (सौज्य- मैथिली साहित्य
संस्थान)

जयन्ती-स्मानक ग्रन्थ

धनुषधानी दास (१८६७-१९६७) (सौज्य- यज्ञीकान विद्यानइ मा)

मैथिली मं विहानी

हनिमाहन मा (१९०८-१९८४) (सौज्य- मैथिली साहित्य संस्थान/
गोनीनाथ)

अरिनइन ग्रन्थ

अंगिका (हनिमाहन मा त्रि(शषांक)

.....

जौ. नाम रूनास कायति 'ग्रमन' (सौज्य- नाम रूनास कायति 'ग्रमन')

महिषासून मूर्दानाद अवं अन्य नाटक (१९६१)

लाक नाय: जरु जरिन (२००१) (शाध)

हूगली ऊयन वहेग गंगा आ आन कथा (कथा संग्रह) (२००८)

ग्रमन मैथिली दीर्घ कविगा (द्विष्टी अनूनाद-अव वस नदीं) (२००६)

मैथिली लाक संस्कृति (नयाली राषाम) (२००६)

- रैया अल्लो अयन सानाज (नाटक संग्रह) (२०१०)
- घनमूहाँ (उयग्यास) (२०१२)- ङ्गी वृक वर्रिन
- घनमूँहा (उयग्यास) (२०१२)- थिंर वर्रिन
- अनहनियाक चान (गजल संग्रह) (२०१३)
- चीन ऊ ह्म दरखल (यात्रा संम्ननध) (२०१४)
- सूली यन ङ्गजाग अवं अय्य नाटक (२०११)
- सीमाक आन-यान (यात्रा संम्ननध) (२०१६)
- यूद्धरूमिक असगन याद्धा (कविता संग्रह) (२०११)
- अंटीवायनस (कथा संग्रह) (२०१६)
- कानानाक संप्रासम डामनायल जिनगी (लकताउन जायनी) (२०२०)
- मिथिलाक लाकजीवन लाकसद्धर (२०२२)
- साङ्गन गब्वक अन्नषी ज़ा. प्ररूल्ल कूमान सिंह 'मीन'
- मैथिली लाक संवृति संगाष्ठी
- स्मानिका (२०१०)
- आंगन अंक-४ (२०१२) सलहस त्रिषयांक
- आँइन (अंक वर्ष ३६, अंक ३) सामदत त्रिषय
- गामघन-३०-०६-२०१६
- गामघन-०४-१०-२०१६
- गामघन-१६-०१-२०१६
- गामघन-२१-०६-२०१६
- नामरनास कायति "द्रमन"क किद्ध नाटक
- मूनाजी द्वाना साजाफान यू. ३२१-३२६
- दसिल वयनाक वहन्न नामलाचन ठाकून प्रसंग यू. ३४१-३११

हमन झान-यियाणाक आगः षनदिबू चौधनी यू. ३१-३४

जरु जरिन यू. १६८-१०१

रैया, अञ्जलि अयन सानाज यू. १६८-१०१

आलख कथा-क्लेशवेक यू. ८४-८८

आलख यू. यू. १११-१२१

आलख यू. १२१६-१२६०

आलख यू. ६१-६८

नाययून यात्रा प्रसंग यू. ११०-११४

सलहस यनिचर्चा नियारट यू. ४१-४१

नियारट यू. २३१-२४३

नियारट यू. ४४१

नियारट यू १६८-६०१

नियारट यू. १८३-१८१

गंगा प्रसादक स्नायफगा आ हूगलीयन वहेग गंगा यू. २२३-२२६

गीग यू. १४४६-१४१०

गजल गीग यू. २११

अज्ञानक विनूह आ आजाद गजल यू. ६१६-६२१)

विदह नाम रनास कायति 'ग्रमन' नि(षषांक

वृषण चड्ड लाल (सोजय- वृषण चड्ड लाल)

आइलन (कविता संग्रह)

ठालक (वाल कविता संग्रह)

सूनिमा (अनूदिग उयन्यास)

मादिआळन (वी.पी.काळनालाक कथा)

माझा (कथा संग्रह)

(गालवा (कथा संग्रह)

यनमध्वन कायति (सौज्य- यनमध्वन कायति)

धूआ-धजा

अंक १

अंक १४

अंक १७

अंक १६

अंक १८

अंक १० जून २०१२

अंक २४ जून २०१२

२७ जलाळ २०१२

०७ अगस्त २०१२

२३ सूनवनी २०१६

आसिन २०१३

सुजीग क्रमान मा (सौज्य- सुजीग क्रमान मा)

नियार्टन जायनी (नियार्ताज)

चिउ (लघुकथा-संग्रह)

जिडी (लघुकथा संग्रह)

काळली घुनि आउ (वाल लघु-विहनि कथा संग्रह)

गब (लघु कथा संग्रह)

खशनीवाली (लघु कथा संग्रह)

वलवल (कथा संग्रह)

दूधमगी- (नयाली आ मैथिलीम)

अंक ३१ अंक ३२ अंक ३३ अंक ३४ अंक ३५ अंक ३६ अंक ३७ अंक
३८ अंक ३९ अंक ४० अंक ४१

निश्चन ०कून

नयालक नान मनरूमिम

विनीग ०कून (सोजय- विनीग ०कून)

वाँकी अछि हम्मन दुधक कर्ज

संगाष मिश्र (सोजय- संगाय मिश्र)

यासयूग (लघुकथा-संग्रह)

उदास मान (लघुकथा-संग्रह)

अना-किअ (कविता-संग्रह)

अअना (संयादन- कविता-संग्रह)

कनकमधि दीजिग (मूल नयालीसँ मैथिली अनूवाद नूया धीनू आ धीनइ
प्रमर्षि, वाल साहिण्य) (सोजय- धीनइ प्रमर्षि)

रगगा वळक दण-प्रमध

**Ayodhyanath Choudhary (Courtesy- Ayodhyanath
Choudhary)**

Varied Verses (Maithili Verses in English Translation)

...

ऊँ शशिधन कूमन आ सप्रिया ववी कूमानी

रुकम्य (यू. ६३८-६१४)

अधिमा सिंह (सोजय- नचिकगा)

शिशु गीग खल

बल्लानानी सिंह (सोजय- नचिकगा)

प्रम- एक कविगा (अनुदिग नाटक)

अनूष्णी दत्री (सोजय- जमानद मा "जमद")

मिथिलाक त्रिदूषी महिला

जॉ. कमला चौधनी (सोजय- कमला चौधनी)

मैथिलीक वष-रूषा-प्रसाधन सम्वेष्टी शब्दावली २००६

समय-संकग (कथा-संग्रह) २०१०

जॉ. ललिगा मा (सोजय- ललिगा मा)

मैथिलीक राजन सम्वेष्टी शब्दावली २०११

सुष्मिगा या०क (सोजय- कदान कानन)

यनिचिगि (कविगा संग्रह)

कनाजति (कथा संग्रह)

नखिनी या०क (सोजय- कदान कानन)

याथनक शहन (कविगा संग्रह)

यन्ना मा (सोजय- नम्द मा)

अनूष्णी (लघुकथा संग्रह)

कल्यना मा (सोजय- कल्यना मा)

(गासाउनिक गीग)

नशामूक्ति दिग गावी गीग

निनियाँ

यायावनी- (शरालिका वर्मा (द्विष्टी अनुवाद कल्यना मा)

मूनी कामग (सोजय- मूनी कामग)

सखल मन ननसल आँखि (यद्य आ गद्य)

सखल मन ननसल आँखि (कविता)

अंगणः (कविता संग्रह)

चूका (वाल कथा संग्रह)

नीगा मा (सौज्य- नीगा मा)

विलाळ मोसी (वाल लघुकथा संग्रह)

(शरालिका नर्मा (सौज्य- शरालिका नर्मा)

यायात्रनी (यात्रानृफान्)

यायात्रनी (द्विष्टी अनुवाद- कल्याना मा)

अर्थयुग (लघुकथा संग्रह)

अकटा अकास (लघुकथा संग्रह)

रावांजलि (गद्य गीत)

किरु-किरु जीवन (आग्न कथा)

आखन-आखन ग्रीत

नागरांस (उययास)

Naagphans (In English)

विरा नानी

विरा नानीक दूटा नाटक (राग नौ आ वलचन्द्रा)

सुशीला मा (सौज्य- प्ररा खगान/ सुशीला मा)

छिन्नमस्ता- प्ररा खगानक द्विष्टी उययासक मैथिली अनुवाद

कसम ओकून

प्रयात्रनि (आग्नकथा)(यू. ४७६-७१२)

ऑ. कामिनी कामायनी

विदेहःसदह ३१ (उँ. कामिनी कामायनी आ क्रमान मनाज कथय- अंक
१-३१० सँ)

ग्रीणि ०कून

(गानू मा आ आन मैथिली चिप्रकथा -यदिल मैथिली चिप्रकथा (वाल
सादिय)

मैथिली चिप्रकथा (वाल सादिय)

मिथिलाक लाकदवगा (वाल सादिय)

निद्यायगिक यूनुष यनीजा (वाल सादिय)

नस (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

७ वी सी जी- प्रकृति अऊन याथी (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

सर खाळ्ग अछि (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

वा ग्याउ वाह (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

नळ सर (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

(०६) छार आ यैघ (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

(०१) माल-जाल आ जानवन दिस दखु (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

(११) हसन यनिदान (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

जानवन (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

याथी १३: १...२...३... (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

वाजाक अवाज (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

यंजी (११००० मूल मिथिलाऊन गा७यप्र)

11000 PALM LEAF PANJI INSCRIPTIONS (VOLUME I

TO XXII) Compiled, Scanned & Catalogued by Preeti

Thakur

गजद्व Oकून आ घीणि Oकून (समालाचना)

नीगू क्रमानी

मैथिली चित्रकथा (वाल साहित्य)

किनध चौधनी (अनूदिग सचित्र मैथिली वाल कथा)

हमन वाल-नागी

आर्या कौकयिट म

दीया कनमाकन- सही संगुलन म

जंगल म अहाँक स्वागत अछि

बूल छथि आकाश म

रैया क मूकान क चानोलक

वीज संचयक

अर्चरिण कनय "रिवानाची"

(भोचालयक खिस्मा

लाल वनसागी

गुलीक जाइळी यटी

समीनाक विकO राजन

विवाह म जाळी छी

प्रियंका मा (अनूदिग सचित्र मैथिली वाल कथा)

हमन माँछ! नै हमन माँछ!

नशिम प्रिया (अनूदिग सचित्र मैथिली वाल कथा)

कैया सके छी, नहिया कs सके छी

सनीगा Oकून (अनूदिग सचित्र मैथिली वाल कथा)

वही आ ववली

नीलिमा चौधरी (अनूदिग सचिग्र मैथिली वाल कथा)

हमन सरसँ नीक संगी

स्नाफिका ०कून (अनूदिग सचिग्र मैथिली वाल कथा)

गयू वृग नाचल ने हळू छे

गूलिका (अनूदिग सचिग्र मैथिली वाल कथा)

हमना उा चाही!

मधूलिका मिश्र (अनूदिग सचिग्र मैथिली वाल कथा)

उंघाळ्ळग सीमा

लक्ष्मी ०कून

जानवन सर संग रँट-घाँट

यूनम मधुल

सुगे कालक खिष्सा

.....

नाम ँळ्कवाल सिंह 'नाकश' (१९१२-१९६४) (सौजय- ँळी-यूफकालय)

मैथिली लाकगीग

गज नानायध लाल 'शास्त्री' (सौजय- ँळी-यूफकालय)

मैथिली लाकगीगां का अधयन

उँ शंकन क्रमान मा (सौजय- कीर्तिनाथ मा/ आर्काळ्ळव उँट उाआनजी)

Vidyapati A Political Analysis

नाधकृष् चौधरी (१९२१-१९८७) (सौजय- प्रयाग क्रमान चौधरी/

IGNCA)

मिथिलाक ँळिहास

A Survey of Maithili Literature

The Political and Cultural Heritage of Mithila

Mithila in the Age of Vidyapati

श्रीजयकान्त मिश्र (१९२२-२००६) (सौजय- काशीन निसर्व ँंसीशूर
लांछनी, आर्कांछन उँट उअनजी, ँंभियन कछन उँट जीउनी
उँट ँंन, साहित्य-अकादमी उँट जीउनी उँट ँंन)

वृहद मैथिली शब्दकाश राग-१

A History of Maithili Literature Vol. I

Introduction to the Folk Literature of Mithila

Meet the Author

सामदत्त (१९३४-२०२२) (सौजय- नाम रत्नास कायति 'अमन')

आँजन सामदत्त त्रि(शष

प्रयास कृमान चौधनी (१९४१-१९६६) (सौजय- अ(भाक)

सञ्चान प्रयास त्रि(शष

लल्लन प्रसाद ठाकुर (१९१३-१९६१) (सौजय- कूसूम ठाकुर)

लौंगिया मिनचाँ

नाटककान लल्लन प्रसाद ठाकुर समग्र नचनावली (१ टा नाटक, ४

टा अकांकी आ ३ टा गीति नाटिका सहित)

सूराष चड्ड यादव (सौजय- सूराष चड्ड यादव)

नाजकमल चौधनी: मानाशरु

निग नदल नाजकमल

वनेग विगुँग (लघुकथा संग्रह)

गुला

गुला (हिंदी अनूदाद- नमध कृमान सिंह)

नमगा ज़गी

मउन

राट

गुला: कला आ राषा (सम्यादक तानानह त्रियागी आ कदान कानन)

निग नवल सुराष चड्ड यादन (लखक गजड्ड 01कून)

निग नवल सुराष चड्ड यादन (मिथिलाऊन)

अंशाक (सौजय- अंशाक आ भिन्नभंकन श्रीनिवास)

चक्रबूह (कविगा संग्रह) (१९८६)

प्रिकाष (कथा संग्रह) (१९८६)

उहि नागिक रान (कथा संग्रह) (१९९१)

माणवन (कथा संग्रह) (२००१)

संवाद (साजाकान संग्रह) (२००१)

आँखिम वसल (यात्रा कथा) (२०१३)

वाग-विचान (आलाचना) (२०११)

उँगीगाम (कथा संग्रह) (२०११)

अंशाक-सलक़ास (निनिध)

अंशाक-नव कविगा

नीक दिनक वाळूझाय (बंश संग्रह) (२०१८)

कथा-या० (मैथिली कथाक आलाचनात्मक अथयन) (२०२२)

प्रणिमान (सम्यादन)

किनध (प्रणिमान (गोष्ठी- सम्यादक माहन रानझाज)

सन्नान १ (सम्यादन)

सन्नान २ (सम्यादन)

सञ्चान ३ (सम्यादन) प्ररुस त्रि(शष

सञ्चान ४ (सम्यादन)

मूना जी झाना साआकान (यु. ३८२-३८७)

वनेग कम विगउग वसी (यु. २०२३-२०३१)

सम्यादक नाजनइन लाल दास आ कर्षामुग (यु. ११६-१२२)

नामलाचन ०कूनक कविगा यडेग (यु. ३२१-३४१)

कदान नाथ चौधनीक उयग्यास (यु. १०१-१०६)

शनदिबूजी (यु. १०-१३)

विदह नचनाकान अ(शक त्रि(शषांक

नामदत मा (सौजय- शंकनदत मा/ यागानइ मा)

सद्यसाची (अरिनइन अन्न)

मैथिली शव्व संवय

दफ-दगीक वरू कौशल

संकथ अंक-७ (सम्यादक उँ नामदत मा, सहायक सम्यादक उँ

यागानइ मा) १६८८

कीर्तिनाथ मा (सौजय- कीर्तिनाथ मा/ आर्काळ्व उँट उँआनजी)

कूनल: मैथिली रादानूदाद (मूल गमिल आदि-कवि गिनूवल्लवन)

टूलल याँखि (खलील जिव्रानक उयग्यास'द व्राकन विंश'क मैथिली

अनूदाद)

किछू यूनान गय, किछू नन गय (कथा संग्रह)

अनूयम मिश्र यँतकासु अयीसाउ ४० कीर्तिनाथ मा

आशीष अनविज्ञान

संदरुँ सहिग (गजल-आलाचना)

कृमानि ँञ्चुआ (गजल संग्रह)

उंघाजाती (गजल संग्रह)

अनचिह्नान आखन (गजल, नूवाञ्चु आ कगाक संग्रह)

मैथिली गजलक आकनध उा ँञ्चिह्वास

मैथिली नव यप्रकानिगाक ँञ्चिह्वास (अनूलभक: अंगिका आलख: अंगर्जाल

आ मैथिली: गजल ओकून)

मैथिली गजलक नती नकानन

शब्द-अर्थ-शक्ति

स्रगंप्रचगा- अनविद्य ओकून: अकिप-कृगिप (निदह अनविद्य ओकून

नि(शवांकक प्रिष्ट नूय)[सम्यादन]

उाँ यागानद्य मा (सौजय- यागानद्य मा)

लाकजीवन उाँ लाकसाहिय १९८६

संकल्य अंक-१ (सम्यादक उाँ नामदत मा, सहायक सम्यादक उाँ

यागानद्य मा) १९८८

आलख सञ्चयन २००२

मैथिली शक साहिय- शास्त्रीय रगवती गीत (सम्यादन) २००२

मैथिली यप्रकानिगा क सौ वर्ष २००६

लाक, साहिय उाँ शब्द-सम्यदा २००१

गहवन गीत (संकलन-सम्यादन) २००१

मैथिलीक यानम्यनिक जागीय अतसायक शब्दावली २००६

कथा-लाककथा २०१०

कयिलदत ओकून 'सुहलगा' कृग सीगावगनध (सम्यादन) २०११

मंगल-प्रराग गाँधीजी (अनूदाद) २०१३

रान-रान (डॉ. अ. कीर्तिवर्द्धनक हिंदी कविता संग्रहक अनूनाद)

२०१४

गानानुद विथागी (सोजय- गानानुद विथागी/ सुख चडु यादन)

प्रलय नरुय (कविता संग्रह)

अगिक्रमध (कथा संग्रह)

Between the Two Dams (English Translation by
Prabhat Jha)

डैस अँधन मं चाँद (हिंदी अनूनाद- अनूनार सौर)

वचान का यन (जीवकानु)- (अगिथि सम्यादन गानानुद विथागी)

नाजकमल-जीवन का जिया (यु. १६४-२१४)

महिषी की गाना

वृद्ध का दुख डेन मना (हिंदी अनूनाद- अविनाश)

गुमि चिन सानथि (हिंदी अनूनाद- कदान कानन/ अविनाश)

गाना-चालीसा

डूरी ररुल गँ की ररुल

साखी (मैथिली दलिन-कविता)

कवीन आ हुनक मैथिली यदावली

धनाभायी हुवाक समय (कविता म कानाना काल)

दूनिया घन मरुमान (प्रम कविता)

अयन युद्धक साक (गजल संग्रह)

छियानन (कथा संग्रह)

वरुवचन (आलाचना)

गुला: कला आ राषा (सम्यादन)

सुधांशु (शखन चौधनी (सोजय- शनदिबू चौधनी)

(शखन नचिग गजल उा गीग

शनदिबू चौधनी (सोजय- शनदिबू चौधनी)

ऊँ ह्रम जनिगहूँ (२००२)

व७ अजगुग दरखल (२००१)

(गावनग(घष (२०११)

कनिया कक्काक कानामिन (२०१६)

वाग-वागयन वाग खधु-१ (२०१६)

मर्मन्क-श्वानूरुगि (वाग-वागयन वाग खधु-२) (२०२०)

ह्रमन अरगः ह्रनक नहि दष (वाग-वागयन वाग-३) (२०२१)

साजाग (वाग-वागयन वाग-४) (२०२१)

विदह शनदिबू चौधनी त्रि(शषांक

काशीकान्क मिश्र मधूय

विदह काशीकांग मिश्र मधूय त्रि(शषांक

नाजनहन लाल दास

विदह नाजनहन लाल दास त्रि(शषांक

प्रमलगा मिश्र प्रम

विदह प्रमलगा मिश्र प्रम त्रि(शषांक

नवीब्रु नाथ ठकून

विदह नवीब्रु नाथ ठकून त्रि(शषांक

मायानह मिश्र (सोजय- कदान कानन)

अत्रांगन (गजल-गीगल)

कलानह रूड (सोजय- कदान कानन)

काहू यन लहास ह्मन मैथिली गजल संग्रह

अनूलभक-कासी कॉलानी सँ किशन कूटीन धनि

नामकृष्ण मा 'किसून' (सौजय- कदान कानन)

किसून समग्र-१ (सम्यादक कदान कानन आ नमध कृमान सिंह)

किसून समग्र-२ (सम्यादक कदान कानन आ नमध कृमान सिंह)

मैथिलीक नन कनिगा (सम्यादन)

वहूआयामी किसूनजी (सम्यादक मद्दु आ कदान कानन)

कदान कानन (सौजय कदान कानन/ CIIL/ सूर्य चंद्र यादन)

अऊ यन नचैग (संमनधः जीवकानक यप्रक वहान)

वहूआयामी किसूनजी (सम्यादन)

गुलाः कला आ राषा (सम्यादन)

किसून समग्र-१ (सम्यादन)

किसून समग्र-२ (सम्यादन)

अयना नजनि म (सम्यादन)

सृजन कन दीय यत्र (सम्यादन)

रानगी मंगुन अंक-१६ (सम्यादन)

मद्दु (CIIL/ कदान कानन)

इआयल कनकनी

वहूआयामी किसूनजी (सम्यादन)

वावा वैद्यनाथ (सौजय- वावा वैद्यनाथ)

यहना उमानयन (गजल संग्रह)

अनविष्ट 0कून (सौजय- अनविष्ट 0कून/ CIIL)

यनी टूटि नहल अछि (कनिगा संग्रह)

अज्ञानक विनाध म (लघु कथा संग्रह)

वहून्नयिया यदश म (गजल संग्रह)

सवद मिगानथ धाय्या

नाशनाळक लाकयऊ (कथान गद्य)

ऊगाक यगिनाद म (साळकन-दी०क आनाहद गाथा- दीर्घ कविता)

सृजन कन दीय यर्न (सम्यादन)

विदह अनविद्य ०कून वि(षयांक

स्रगंप्रचगा- अनविद्य ०कून: अकिप-कृगिप (सम्यादक आशीष

अनचिहान) [विदह अनविद्य ०कून वि(षयांकक प्रिष्ठ नूय]

नम्ह मा (सोजय- नम्ह मा)

चयल चनन चिा चंचल रान

विकास डा अर्थगंप्र

नाजधन मा (मैथिली साहित्य संस्थान आर्काळ्व)

मिथिलाऊनक उह्वर डा विकास

सम्ह मा समन (आर्काळ्व उेर कोम)

दफ-दगी (मूल)

(गानिंद मा ((IGNCA Site आर्काळ्व)

Maithili-English Dictionary

उे (शेलह माहन मा (आर्काळ्व उेर कोम/ CIIL)

यनिचय निचय

मैथिली गद्य संग्रह- सं

नमानाथ मा (CIIL Site आर्काळ्व)

प्रवब संग्रह

नमानाथ मिश्र "मिहिन" (आर्काड्विड उोट कोम)

मैथिली मूहावना उदम् लाकाकि प्रकाश

आनइ मिश्र (सौजय- नमानइ मा "नमइ")

मिथिला राषाक सूवाध ब्याकनइ

थामानइ मा (सौजय- नमानइ मा "नमइ")

मैथिली गीत चडिका

मैथिली संदण (विरिन्न कविक कविता-सम्यादिग)

यं लक्ष्मीयगि सिंह (सौजय नमानइ मा "नमइ")

द्विष्टी-मैथिली-भित्तक

एवप्रीगानइ उमा (सौजय- नमानइ मा "नमइ")

यदावली

गधनाथ-विश्वनाथ यदावली (सौजय- नमानइ मा "नमइ")

गधनाथ-विश्वनाथ यदावली

न्यूनानायइ मा "नाकण" (सौजय- नमानइ मा "नमइ")

मनमाहन लडू

राला लाल दास (आर्काड्विड उोट कोम)

मैथिली सूवाध ब्याकनइ

खड्ग बल्लर दास 'सूजन' (सौजय- ह्मनद दास "द्विम")

सीगा-शील

जॉ. मदनश्वन मिश्र (सौजय- यञ्जीकान विज्ञानइ मा)

एक छलीह महानानी

यात्री (नागईन) (सौजय- मिथिला सांस्कृतिक यनिषद)

वलचनमा

कालीकान्त मा "वृष"

कलानिधि- कविता-संग्रह

उपेन्द्रनाथ मा "द्यास" (सौज्य- मयंक मा)

नूवाळ्याग-७-उमन खेयाम (मैथिली यज्ञानूनाद)

प्रगीक (कविता संग्रह)

संग्यासी (काव्य)

नमश नानायक (सौज्य- शरालिका वर्मा)

याथनक नाद (लघुकथा संग्रह)

(गायालजी मा "(गायश" (सौज्य- (गायालजी मा "(गायश")

गुम्म रल 01७ छी

विजय नाथ मा (सौज्य- विजय नाथ मा)

अर्दीक लल (गीत-गजल संग्रह)

कामायनी (अनूनाद)

न(गड्ड कूमन (सौज्य- प्रसन्न कूमन मा)

ससनरहानी

प्रवाध नानायक सिंह (सौज्य- नचिकागा)

अहून नगनी (अनूनाद)

चयनिका (सम्यादन)

वेजयनी (कविता)

हथीक दाँ

रटका गय (सम्यादिग कथा संकलन)

प्रमक नाग (नाटक)

मानक मैथिली (द्विष्टी (शाध प्रवच)

अमननाथ (सोजय- अमननाथ)

उधिका- विहनि कथा संग्रह

प्ररूल कृमान सिंह 'मोन'

यंचदनायासक रुमि मिथिला यु. १००१-१०६०

जॉ. गंगेश गुंजन (सोजय- गंगेश गुंजन)

नाथा (१-३०) यु. १३१३-११६०

प्रथम-चोवरिया-नारक (वृधिवधिया)

नारक आळ रान

कथा-संग्रह उचिगवका

गीत-गजल दूखक दूयहनिया

कमलधन दास (सोजय- कमलधन दास)

मैथिल कर्ष कायसुक (गात्र, प्रवन, मूल आ वैवाहिक सम्व

कीर्गिनानायध मिश्र (सोजय- कीर्गिनानायध मिश्र)

ध्वरु हळ्ळग शानि रूय

सीमान्

आदमीकँ जह्लेग

अयन अकान् म

स्मृगियाप्राक अकान्म

नाजनाथ मिश्र

Mithila Painting-Modern Art-Photos

प्रमशंकन सिंह (सोजय- प्रमशंकन सिंह/ मिथिला दर्यध प्रकाशन)

मैथिली राषा साहियःवीसम शगाव्ही (आलाचना)

विद्यायगि कृग ब्याठीरक्तिगनद्धिनी (सम्यादन)

जॉ. नमध मा (सौज्य- नमध मा)

मैथिली काव्यम अलङ्कान

अलङ्कान-राशून

मैथिली काव्यम आगिष

रिन्न-अरिन्न

अहिनावध-वध (खद्यु काव्य)

यानिजाग-मङ्गनी

जॉ. नमान्ध मा 'नमध' (सौज्य- नमान्ध मा "नमध" / CIIL

Site आर्काइव)

हिआउल

सगन नागि दीय जनय

नाइ आ टाकाक गाछ (अनूवाद)

अखियासल

कदान नाथ चौधनी (सौज्य- कदान नाथ चौधनी)

चमलीनानी

माहून

कनान

अवाना नहिन

अयना

हीना

विदह कदान नाथ चौधनी त्रिषांक

या(गइ या0क "नियागी" (सौज्य- या(गइ या0क "नियागी")

विस्नानक वगकही

विहानक वगकी राग-२

ननक विजय (सम्युर्ध)

ननक विजय (संभाधिग)

हमन गाम (वाल उयग्यास)

यिनामिउक दशम

अकटा मिसिया (कथा संग्रह)

नावार (अनुदिग साँस-रिक्कान नारक)

किहू गीग मधून (यात्रा वृथांग)

सुशील (सौजय- सुशील)

घनाडी (उयग्यास) (१९१३)

गामवाली (उयग्यास) (१९८२)

रामगी (नारक) (यहिल मंवन १९९१, प्रकाशन २०१३)

अम्मिगा (लघुकथा संग्रह) (२०१६)

कामधन मा 'कमल' (सौजय- नवानानायक मिश्र)

कमल-गाल (गीग संग्रह)

नामलावन ओकून (सौजय- नामलावन ओकून)

ऊ कहव साँच कहव

आँखि मूनन आँखि खालन (संमनन)

सृगिक (धाखनल नंग (संमनन)

अयूर्ता (कविगा संग्रह)

रूगिहासहना (कविगा संग्रह)

दशक नाम छले सान चिउया (कविगा संग्रह)

लाख प्रश्न अनूपनिग (कविगा संग्रह)

प्रगिध्वनि (त्रिदशी राधाक कविगाक मैथिली नूयान्कनध)

यझानदीक मामी (अनूदिग उयग्यास)

मैथिली लाककथा

आशक कविगा (सम्यादिग कविगा संग्रह)

वगाल कथा (हाय-बंग)

दसिल वयना (अखवान)

त्रिदह नामलाचन ०कून त्रिषयांक

जौ. दवधंकन नवीन (सौजय- दवधंकन नवीन)

आधुनिक साहित्यक यनिदुथ

जौ वधधन मा

निदध-निकूञ

जगदीश चड्ड ०कून "अनिल" (सौजय- जगदीश चड्ड ०कून "अनिल")

आखिम चित्र ह्य मैथिली कन (आग्नकथा- जानी)

धानक उळू यान (दीर्घ कविगा)

गीग गंगा (गीग संग्रह)

गजल गंगा (गजल संग्रह)

गाना अंगना म (गीग संग्रह)

गाना अंगना म (गीग संग्रह)- मूल

त्रिदह जगदीश चड्ड ०कून अनिल त्रिषयांक

नाज किशान मिश्र

चाननि (कविगा संग्रह)

सफयर्ध (कविगा संग्रह)

नवीड्ड नानायध मिश्र (सौजय- नवीड्ड नानायध मिश्र)

रानसँ साँम धनि (आग्न कथा)

प्रसंगवध (निबंध)

सूर्ग अगदि अछि (यात्रा प्रसंग)

रुसाद (कथा संग्रह)

नमस्सुथे (उपन्यास)

निबिध प्रसंग (निबंध)

महनाज (उपन्यास)

लजकारन (उपन्यास)

सीमाक उदि यान (उपन्यास)

समाधान (निबंध संग्रह)

मागूरूमि (उपन्यास)

सुप्ललाक (उपन्यास)

शंखनाद (उपन्यास)

बूँद थिक जीवन (संमनघ)

ठहेंग दवाल (उपन्यास)

याथय (संमनघ)

हम आवि नहल छी (उपन्यास)

प्रलयक यनाग (उपन्यास)

वीणि (गल समय (उपन्यास)

प्रतिविम्ब (उपन्यास)

वदलि नहल अछि सरु किछ (उपन्यास)

नाष्ट्र मँदिन (उपन्यास)

संयाग (कथा संग्रह)

नाचि नहल छलि वसुधा (उयग्यास)

नइ कूमान मिश्र 'नइ' (सौजय- नइ कूमान मिश्र 'नइ')

गामघन (कथा संग्रह)

सूजागा (उयग्यास)

महानानी कौकयी (प्रवचनात्मक निवह)

गुदनीक लाल (उयग्यास)

अनीया कूकून (उयग्यास)

आउमन (कथा संग्रह)

दिल्लीक यार्क (शब्द चित्र)

सूक्या (उयग्यास)

सूर्ध कमल (वाल उयग्यास)

काद्य सनिगा (मैथिली काद्य संग्रह)

यनिवान (संमनधात्मक उयग्यास)

याचक क नऽ (मैथिली शब्द-चित्र)

सग्यानइ या०क (सौजय- सग्यानइ या०क)

हमन गाम (उयग्यास)

जँ. उदय नानायध सिंह "नचिकगा" (सौजय- नचिकगा)

ना अघ्नी : मा प्रविश

आइलन

अक छल नाजा

जनक आ' अग्याय अकांकी

नाटक क लल

नायक क नाम जीवन

प्रयावर्धन

नामलीला

प्रियंवदा (अकांकी)

नचिका निविध (मैथिली, वांशा, हिंदी आ अंग्रेजी)

मैथिली कविता-प्रेमासिक (अप्रैल १९६९)

मैथिली कविता-प्रेमासिक (शलाळू १९६९)

मिथिला दर्शन मार्च २०२१

मिथिला दर्शन नवम्बर २०२१

नवि रूषध या०क

निहर्सल (नाटक)

विदहःसदह २९ (नवि रूषध या०क आ जॉ. कौलाश क्रमान मिश्र- अंक १-३१० सँ)

विदहःसदह २१ (गजब्र ०कून आ नवि रूषध या०कक आन रावासँ अनुदिग गद्य आ यद्य- अंक १-३१० सँ)

जॉ. कौलाश क्रमान मिश्र

विदहःसदह २९ (नवि रूषध या०क आ जॉ. कौलाश क्रमान मिश्र- अंक १-३१० सँ)

क्रमान मनाज कथय

विदहःसदह ३१ (जॉ. कामिनी कामायनी आ क्रमान मनाज कथय- अंक १-३१० सँ)

जॉ. शम्भू क्रमान सिंह

(गुकानाम नामा (अटक कांकधी उयन्यासक मैथिली अनूवाद जॉ शम्भू क्रमान सिंह झाना) याखला

विदेह:सदह २६ (जौं शम्भू कृमान सिंह आ जौं अनूध कृमान सिंह
अंक १-३१० सँ)

जौं. अनूध कृमान सिंह

विदेह:सदह २६ (जौं शम्भू कृमान सिंह आ जौं अनूध कृमान सिंह
अंक १-३१० सँ)

कृमान यवन (सौजय- अंगिका)

य०० (मैथिलीक सर्वश्रष्ट कथा)

जायनीक खाली यन्ना

कशव रानझाज

अजगुण अक्रीका (अक्रीका जायनी) यू. २१४-४६६

किछु यदल आ किछु सूनल- व्हीदी अमीन यू. ४८८-१४८

खलोना यू. ४६१-४८१

येवइ यू. १४६-१६८

किछु कथा १०-४६३

(गायाल मा 'अरिषक' (सौजय- (गायाल मा 'अरिषक')

आउ सन्न सामी कनी (कविता संग्रह)

आमाद कृमान मा (सौजय- आमाद कृमान मा)

विष्वक यथान (कविता संग्रह)

किशन कानीगन (सौजय- किशन कानीगन)

किछु रूना (गल ह्मना

मूनाजी

माकाम दिस (वीहनि कथा संग्रह)

प्रगीक (विहनि कथा संग्रह)

माँम आंगनम कविआञ्जल क्वी (मैथिली गजल संग्रह)

हम यूक्तेग क्वी (साजाकान)

गीन टा वाल नाटक (मैथिली वाल साहित्य)

खनलुञ्जी (मैथिली वाल कविगा- वाल साहित्य)

घाह (हाळूकु-टंका संग्रह)

सदीय क्रमान सारही

वैशाखम दलानयन (यहिल मैथिली दलिन आग्नकथा सहित)

उम प्रकाश मा

किया वूमि ने सकल हमना (गजल, नूवाळू आ कगा संग्रह)

अमिग मिश्र

नत्र अंशु (गजल-हजल, नूवाळू संकलन)

चहन क्रमान मा

मानक वाग (गजल, हजल, वाल गजल, नूवाळू आ कगाक संकलन)

जौ. अनमाल मा

समय साजी थिक (विहनि कथा संग्रह)

ळी ज समय अछि (विहनि कथा संग्रह)

विनय रूषन (सौजय- आशीष अनचिहान)

उजना यनवाक खाज (कविगा संग्रह)

आनइ क्रमान मा

टाकाक माल (नाटक)

कलह (नाटक)

वदलैग समाज (नाटक)

धधाळूग नत्रकी कनियाँक लहास (नाटक)

होगा यनिवर्गन (नारक)

मूक यात्रा (नारक)

शिव क्रमान मा "टिब्लू"

उद्यम-कविता-संग्रह

अंशु-समालाचना

दवांशु वस

नगाभा -मैथिली वाल चित्रशृंखला (कौमिक)

जॉ. विनीग उग्रल

हम यूकेग क्री (कविता संग्रह)

नहन यन नथू - काशीनाथ सिंहरक हिंदी उयग्यासक विनीग उग्रल

झाना मैथिली अनूवाद

मन्त्रद्रष्टामृथशृङ्ग- लखक हनिशंकनश्रीवासक "शलर" (हिंदीसं मैथिली

अनूवाद विनीग उग्रल झाना)

माहनदास- उदय प्रकाशक हिंदी उयग्यासक विनीग उग्रल झाना मैथिली

अनूवाद

माहनदास (मैथिली-दवनागनी) माहनदास (मैथिली-

मिथिलाऊन) माहनदास (मैथिली-व्रल)

जगदानंद मा "मन्" (सोजय- जगदानंद मा "मन्")

नटिया गुकेण हसन घनागीयन (गजल संग्रह)

गाहन कणक नंग (निहनि कथा संग्रह)

चानहा- (वाल उयग्यास)

द्यथा- (कविता-गीग संग्रह)

नाजदव मधुल

अम्वना-कविता-संग्रह

हमन टाल (उयग्यास)

वसंधना(कविता संग्रह)

जाल (यटकथा)

लाज (एकांकी)

जल रंजन (उयग्यास)

प्रिबधीक नंग (विहनि आ लघू कथा संग्रह)

यंचेगी (लघू यटकथा)

नायसी

Rajdeo Mandal- Maithili Writer by Gajendra Thakur

दूर्गानिष्ठ मधुल

संचयिका

कथा कूसूम (विहनि आ लघू कथा संग्रह)

चरु

नाम निलास साहू

अंकन- लघूकथा संग्रह

नथक चक्का उलटि चले वार (कविता/ टनका संग्रह)

कर्म विनु जग सूना (दासन कविता/ टनका संग्रह)

सूलक खिचणी (विहनि/ लघू कथा संग्रह)

दूधववनी (लघू कथा संग्रह)

मनक मेल

नानायध यादव (सौजन्य- उमश मधुल)

खाली घन

नामदत्त प्रसाद मधुल "मानूदान"

हमना विन् जगग सूना छै

गीगांजलि मानू

कयिलक्ष्मन नाउग

उलहन (विहनि - लघू कथा संग्रह)

नंद विलास नाय

सखानी-यटानी(लघूकथा संग्रह)

मदन अमन (दासन लघू कथा संग्रह)

मनजादक राज (गसन लघूकथा संग्रह)

रुनद्रुगिया

छठिक उला

हमन चानूधाम

असल यूजा

ललन क्रमान कामग (सौजय- उमश मधुल)

किछ विहनि आ लघूकथा

उमश यासनान

वर्धिग नस

वचन ठाकुर

वटीक अयमान आ छीननदती (नारक)

वाय रूल यिफी आ अधिकान (नारक)

विसवासघाग (नारक)

ऊँच-नीच (नारक)

राँट (नारक)

जौ. उमश मधुल

जगदीश प्रसाद मधुलक काव्य संसान (अनुसन्धान विक्षेप)

अग्रन्त (संकलन-सम्पादन)

रुनुवूक सँ रूसवूक धनि (संकलन-सम्पादन)

जगज न जाज कवि जगज जाज अनुरदी (संकलन-सम्पादन)

निर्विकल्प (संकलन-सम्पादन)

समस्या सँ समाधान धनि (संकलन-सम्पादन)

निष्क्री- कविता संग्रह

मिथिलाक संस्कान गीत, विध-ब्यवहान गीत आ गीतनाद (संकलन)

मिथिलाक वनद्यति स्रावूत (भा) मिथिलाक जीव-जन् स्रावूत (भा)

मिथिलाक जिनगी स्रावूत (भा)

Mithila_Painting-Modern Art-Photos

सगन नागि दीय जनय- वृंगिहास

सगन नागि दीय जनय- आनगी कुमानी रूवूल

दूध-यानि रूनाक-रूनाक (कथा अवं याधुलियि जगदीश प्रसाद मधुल)-
(छाया अवं सम्पादन- उमश मधुल)

द्विभूक्तानी मूसलमान उनि द्विभूक्तानियग - मूल द्विष्टी लख- गीतश शर्मा,

मैथिली अनुवाद- उमश मधुल

उमश मधुल झाना मैथिली लखकक नचना संसानसँ वीकल विचानक
यासूलटक याथी

जगदीश प्रसाद मधुल नाजदत मधुल जौ. शिव कुमान प्रसाद नामदत

प्रसाद मधुल "मानूदान" नाम विलास साहू नष्ट विलास नाय कयिलक्षन

नाउग प्रीतम कुमान निषाद

मिथिलाक सरु जागि आ धर्मक संझान, लोकगीत आ ब्रह्मदान गीत
(सोजय: उमश मंगल)

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 2
4 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42
43

अन्धनी (जगदीश प्रसाद मधुलक १७ (गार वीठल कथा- चयन अन्धम्
सम्यादन- उमश मधुल)

.....

जगदीश प्रसाद मधुल

गामक जिनगी (लघुकथा संग्रह)

मिथिलाक वटी (नाटक)

मोलाळ्ळ गाळक रूल (उपन्यास)

जिनगीक जीत (उपन्यास)

उठान-यान (उपन्यास)

जीवन-मनन (उपन्यास)

जीवन-संघर्ष (उपन्यास)

गनगन (वाल प्रनक विहनि कथा संग्रह)

यंचवटी (अकांकी-संचयन)

अर्द्धांगिनी..सनाजनी.. सूरदा.. राळ्ळक सिनह ँग्यादि (लघुकथा
संग्रह)

कम्प्रामाळ्ळ (नाटक)

समलिया विआह (नाटक)

बुद्धधनुषी अकास (यज्ञ संग्रह)

शंयुदास (गीनटा दीर्घ कथा मरुतुञ्ज, शंयुदास आ हाँसी)

गीगांजलि (गीग संग्रह)

नागि-दिन (कविगा संग्रह)

सगरुँया याखनि (लघू कथा संग्रह)

गीन ३० अगानहम माघ (गीग संग्रह)

वजन्ना-वूमन्ना (विहनि कथा संग्रह)

नन्नाकन उकेग (नाटक)

वकी वहिन (उयग्यास)

एकमा७ (लघूकथा संग्रह)

उलवा चाउन (लघूकथा संग्रह)

सनिगा (कविगा संग्रह)

सूखाअल याखनिक जा७७० (गीग संग्रह)

ने धाउेअ (वाल उयग्यास)

सूर्यवन (नाटक)

यगमा७ (लघू कथा संग्रह)

रूलहान (लघू कथा संग्रह)

गामक शकल सूनग (लघू कथा संग्रह)

लजविजी (लघू कथा संग्रह)

वटसन काका (लघू कथा संग्रह)

आमक गाळी

अथन गाम

दिनालीक दीय

यंचदत्र सीनीज

यंचदत्र-१ यंचदत्र-२ यंचदत्र-३ यंचदत्र-४ यंचदत्र-५ यंचदत्र-६
७ यंचदत्र-८ यंचदत्र-९ यंचदत्र-१० यंचदत्र-११ यंचदत्र-१२
१३ यंचदत्र-१४ यंचदत्र-१५ यंचदत्र-१६ यंचदत्र-१७ यंचदत्र-१८
१९ यंचदत्र-२० यंचदत्र-२१ यंचदत्र-२२ यंचदत्र-२३ यंचदत्र-२४
२५ यंचदत्र-२६ यंचदत्र-२७ यंचदत्र-२८ यंचदत्र-२९ यंचदत्र-३०
३१ यंचदत्र-३२ यंचदत्र-३३ यंचदत्र-३४ यंचदत्र-३५ यंचदत्र-३६
३७ यंचदत्र-३८ यंचदत्र-३९ यंचदत्र-४० यंचदत्र-४१ यंचदत्र-४२
४३ यंचदत्र-४४ यंचदत्र-४५ यंचदत्र-४६ यंचदत्र-४७ यंचदत्र-४८
४९ यंचदत्र-५० यंचदत्र-५१ यंचदत्र-५२ यंचदत्र-५३ यंचदत्र-५४
५५ यंचदत्र-५६ यंचदत्र-५७ यंचदत्र-५८ यंचदत्र-५९ यंचदत्र-६०
६१ यंचदत्र-६२ यंचदत्र-६३ यंचदत्र-६४ यंचदत्र-६५ यंचदत्र-६६
६७ यंचदत्र-६८ यंचदत्र-६९ यंचदत्र-७० यंचदत्र-७१ यंचदत्र-७२
७३ यंचदत्र-७४ यंचदत्र-७५ यंचदत्र-७६ यंचदत्र-७७ यंचदत्र-७८
७९ यंचदत्र-८० यंचदत्र-८१ यंचदत्र-८२ यंचदत्र-८३ यंचदत्र-८४
८५ यंचदत्र-८६ यंचदत्र-८७ यंचदत्र-८८ यंचदत्र-८९ यंचदत्र-९०
९१ यंचदत्र-९२ यंचदत्र-९३ यंचदत्र-९४ यंचदत्र-९५ यंचदत्र-९६
९७ यंचदत्र-९८ यंचदत्र-९९ यंचदत्र-१००

दूध-यानि रूनाक-रूनाक (कथा अत्रं याधुलियि जगदीश प्रसाद
मधुल)- (झाया अत्रं सम्यादन- उमश मधुल)

जगदीश प्रसाद मधुल जीक ६५ टा याथीक नत्र संकनध निदहक २३३
(Videha_01_09_2017) सँ २५० (Videha_15_05_2018)
धनिक अंकम धानावाहिक प्रकाशन नीचाँक लिंकयन यद्दू:-

VIDEHA 233	VIDEHA 234	VIDEHA 235	VIDEHA 236	VIDEHA 237	VIDEHA 238
VIDEHA 239	VIDEHA 240	VIDEHA 241	VIDEHA 242	VIDEHA 243	VIDEHA 244
VIDEHA 245	VIDEHA 246	VIDEHA 247	VIDEHA 248	VIDEHA 249	VIDEHA 250

यंगु (उयग्यास)- साहिय अकादमी मूल यूनकान २०२१ सँ सम्मानित
याथी

यंगु (हिदी अनूनाद नामधन प्रसाद मधुल)

अथन सागी (लघुकथा संग्रह)

मा७यन (उयग्यास)

सूचिगा (उयग्यास)

सहन्ना सहन्क नदि (गल (लघुकथा संग्रह)

जौ. शशधन क्रमन

उ० न सकी यन चिउे क्की ह्म (राग १-२) (यु. १०५४-१०६५)

खिष्मा अष्टार्कटिका कन (यु. १०१४-१०६१)

वाल कविगा (यु. ६६३-१२११)

वाल कविगा (यु. १००४-१११३)

सचिद्र वाल कविगा (यु. १४१-६३४)

सचिद्र वाल कविगा (यु. १४६६-१६१०)

.....

गजङ्ग ०कून

गजङ्ग ०कून आ घ्रीणि ०कून (समालाचना)

गल्लु कथा आ उाठिया, गल्लु, गुजनागी, राजयूनी आ कश्मीनी कविगा

गल्लु कथा आ उाठिया, गल्लु, गुजनागी, राजयूनी आ कश्मीनी कविगा

(मिथिलाऊन)

मैथिली समीजाशास्त्र

मैथिली समीजाशास्त्र (गिनहूगा)

मैथिली समीजाशास्त्र (राग-२, अनुप्रयाग)

मैथिली प्रणियागिगा

प्रवञ्च-निवञ्च-समालाचना राग-१

प्रवञ्च-निवञ्च-समालाचना राग दू (कूनूअप्रम अन्कर्मनक-२)

प्रवञ्च-निवञ्च-समालाचना (राग-२, कूनूअप्रम अन्कर्मनक खञ्ज-६)

(संजिफ)

निग नवल दिनश कूमान मिश्र

निग नवल दिनश कूमान मिश्र (मिथिलाऊन)

निग नवल दिनश कूमान मिश्र (कैथी)

निग नवल दिनश कूमान मिश्र (नवाठी)

निग नवल दिनष क्रमान मिश्र (IPA)

दुषध यज्ञी- The Black Book

दुषध यज्ञी- The Black Book (मिथिलाऊन)

यर्नग ऊयन रमना ऊ सुगल (वीहनि, लघू आ दीर्घ कथा संग्रह)

यर्नग ऊयन रमना ऊ सुगल (मिथिलाऊन)

यर्नग ऊयन रमना ऊ सुगल (कैथी)

यर्नग ऊयन रमना ऊ सुगल (नन्नागी)

यर्नग ऊयन रमना ऊ सुगल (IPA)

सुषम मिश्रान द्वाळ

The Science of Words

Rajdeo Mandal- Maithili Writer (Now with Supplement I & II)

JAGDISH PRASAD MANDAL- Maithili Writer

निग नवल सुराष चड्ड यादव

निग नवल सुराष चड्ड यादव (मिथिलाऊन)

जगदीश प्रसाद मधुल- अकटा वायाशरही

जगदीश प्रसाद मधुल- अकटा वायाशरही (हिन्दी अनूवाद नामधुन प्रसाद मधुल)

गंगा व्रिज (नारक)

उष्कामुख (नारक)

संकर्षण (नारक)

धार्गि वार वनवाक दाम अगुवान यन छँ (नूवाळ, कगा आ गजल संग्रह)

सहस्रजिग (यद्य संग्रह)

सहस्रादीक चौय७यन (यद्य संग्रह)

द्वयभहृ आ असङ्गाणि मन (दूटा गीग प्रवव)

सहस्रवाढनि (उयग्यास)

सहस्रवाढनि व्रल-मैथिली (मैथिलीक यहिल व्रल यथी)

सहस्रशीर्षा (उयग्यास)

गल्य-गुवु (विहनि आ लघु कथा संग्रह)

शवुभास्रम् (लघुकथा संग्रह)

वाल मधुली/ किष्णान जगग (वाल नाटक, लघुकथा, कविगा आदि)

क्रुनूअप्रम् अन्कर्मनक

द्वनागनी वरसन गिनद्गा वरसन व्रल वरसन

Learn Maithili Sign Language

Learn Mithilakshar Script

Learn Braille through Mithilakshar Script

Learn International Phonetic Script through Mithilakshar Script

Learn Kaithi

Learn Newari

Learn Calligraphic Newari (Ranjana)

Learn Urdu Script

Learn Tibetan Script

Learn Japanese Script for Haiku

Learn Brahmi

Learn Kharoshthi

मिथिला नन/ मिथिला चिप्रकला/ मिथिलाक यावनि गिहान (कथा) आ

मिथिलाक संगीत

जलादीय (वाल-नारक संग्रह)

अजनमृष्टिका (वाल-लघुकथा संग्रह)

वाळक वळोना (वाल-यद्य संग्रह)

नानाभंसी (गीत-प्रवच)

मचधु (नारक)

वाल साहित्य (मूल)- गजब्र ०कून

रस जाणव छू (मैथिलीक २०१२ म प्रकाशित यहिल क्लाउड-रिक्लान

अ- Maithili's first climate-fiction play originally published in 2012)

कमलाक रगगा

गनहनिम यनीलाक

वसी छुट्टी कम वूसकूल

वउद कनेअ दाउन न यो

वाल गजल

रिनिश लावून

अनुदिग साहित्य (आन राषासँ)- गजब्र ०कून

विदहःसदह २१ (गजब्र ०कून आ नदि रूषध या०कक आन राषासँ

अनुदिग गद्य आ यद्य- अंक १-३१० सँ)

वाल साहित्य (अनुवाद- द्विभाषिक- मैथिली-अंग्रेजी)- गजब्र ०कून

मसाव्नी कन यनिवर्णनकानी नवका

(अष ४० टा वाल चित्र-याथी नीचाँक लिंकयन:-

सम	धन सर	अटा नैक दिन	का का नै पीक की न	की अहाँ अे विदेह मरक दसम कीर
एक	वउेटा कियेया	अह का सर नई की	राजसक नअकयने	यनासक नअकयने (विनभक)

बुध	बुध-बुध कवच	बुध-बुध कवच	बुध-बुध कवच	बुध-बुध कवच
बुध	असम नै, असम नै	असम नै, असम नै	असम नै, असम नै	असम नै, असम नै
अंधश्रुति	असम नै, असम नै	असम नै, असम नै	असम नै, असम नै	असम नै, असम नै
बुध-बुध कवच	असम नै, असम नै	असम नै, असम नै	असम नै, असम नै	असम नै, असम नै
बुध-बुध कवच	असम नै, असम नै	असम नै, असम नै	असम नै, असम नै	असम नै, असम नै
बुध-बुध कवच	असम नै, असम नै	असम नै, असम नै	असम नै, असम नै	असम नै, असम नै

विदेह मैथिली-अंग्रेजी टॉकिंग नीउ-अलाउउ ँठिया वूक

<https://bloomlibrary.org/player/Wcf6zr5CoF> (मसाळी कन यनिवर्नकानी नवका)

<https://bloomlibrary.org/player/p3sHdYBgiT> (चलू हूम नै ठीक छी नै!)

<https://bloomlibrary.org/player/f19pSdhGMo> (अकटा नीक दिन)

<https://bloomlibrary.org/player/b2l5wesxCp> (घन सर)

<https://bloomlibrary.org/player/dAzCOFubt7> (की अहाँ उ चिउे सरकँ दखन छी?)

NTA-UGC/ UPSC/ BPSC Maithili Optional- गज्जु ठीकन

मैथिली समीक्षाभास

मैथिली समीक्षाभास (गिनहूगा)

मैथिली समीक्षाभास (राग-२, अनुप्रयोग)

मैथिली प्रगियागिना

[Place of Maithili in Indo-European Language Family/ Origin and development of Maithili language (Sanskrit, Prakrit, Avhatt, Maithili) रानयीय राषा यनिवान मध्य मैथिलीक स्तान/ मैथिली राषाक उह्वन आ विकास (संस्कृत, प्राकृत, अवहट्ट, मैथिली)]

(Criticism- Different Literary Forms in Modern Era/ test of critical ability of the candidates)

(आगिनीध्वन, निद्यायगि आ गोविन्ददास सिलवसम छथि आ नसमय कवि चणुन चणुनयुज निद्यायगि कालीन कवि छथि। अगय समीक्षा शृंखलाक ग्रानह कनवासँ युवै चानु (गोटक शब्दावली नव शब्दक यर्याय संग दल जा नहल अछि। नव आ यूनान शब्दावलीक स्तानसँ आगिनीध्वन, निद्यायगि आ गोविन्ददासक प्रक्षामन धान आउाग, संगदि शब्दकाष वढलासँ खाँटी मैथिलीम प्रक्षामन लिखवाम धाख आरु-आरु खगम हायग, लखनीम प्रवाह आयग आ सूत्रा रावक अरिथ्यकिय रय सका।)

(वद्रीनाथ मा शब्दावली आ मिथिलाक कृषि-मण्य शब्दावली)

(नेलु अतीशन- प्रथम यप्र- लानिक गाथाम समाज आ संवृगि)

(नेलु अतीशन- द्वितीय यप्र- विद्यायगि)

(नेलु अतीशन- द्वितीय यप्र- यद्य समीजा- वानगी)

(नेलु अतीशन- प्रथम यप्र- लाक गाथा नृय नाटक संगीग)

(नेलु अतीशन- द्वितीय यप्र- यात्री)

(नेलु अतीशन- द्वितीय यप्र- मैथिली नामायध)

(नेलु अतीशन- द्वितीय यप्र- मैथिली उयद्यास)

(नेलु अतीशन- प्रथम यप्र- श्व निवान)

(गिनदूगा लियिक उद्द आ विकास)

अनलभक-१-२-३ अनलभक- ४-७

(मैथिली आ दासन यूवनिया राषाक वीचम सम्व्र (वांश, असमिया आ आगिया) [यू.पी.अस.सी. सिलवस, यप्र-१, राग-"अ", क्रम-७])

[मैथिली आ दिष्टी/ वांश/ राजयनी/ मगदी/ संथाली- विद्वान लाक सदा आयाग (वी.पी.अस.सी.) कन सिविल सदा यनीजाक मैथिली (अद्विक) विषय लल]

मैथिली

वांश

असमिया

आगिया

दिष्टी

उर्दू

नयाली

संवृग

संथाली

NTA UGC NET Maithili_01- गज्ज ओकून

NTA UGC NET Maithili_02- गज्ज ओकून

Test Series-1- गज्ज ओकून

Test Series-2- गज्ज ओकून

GS (Pre)

Topic 1 - गज्ज ओकून

गजब्र 0कून (सम्यादन)

<p style="text-align: center;">विदह-सदह १-</p> <p style="text-align: center;">२१ www.videha.co.in</p> <p style="text-align: center;">विदह ००१-यप्रिकाक अंक १-</p> <p style="text-align: center;">३१० सँ मेथिलीक सर्वश्रष्ठ</p> <p style="text-align: center;">गद्य आ</p> <p style="text-align: center;">यद्यक अकटा समानाकन संकलन</p>	
दवनागनी	मिथिलाऊन
विदह:सदह १	विदह: सदह १ गिनह्या
विदह:सदह २ मेथिली प्रवचन-निवचन-समालावना	विदह: सदह २ गिनह्या
विदह:सदह ३ मेथिली यद्य	विदह: सदह ३ गिनह्या
विदह:सदह ४ मेथिली कथा	विदह: सदह ४ गिनह्या
विदह मेथिली विहनि कथा [विदह सदह १]	विदह: सदह १ गिनह्या
विदह मेथिली विहनि कथा [विदह सदह १]- संवन्ध-२	विदह: सदह १ संवन्ध-२ गिनह्या
विदह मेथिली लघुकथा [विदह सदह ६]	विदह: सदह ६ गिनह्या
विदह मेथिली यद्य [विदह सदह १]	विदह: सदह १ गिनह्या
विदह मेथिली नाय उग्र [विदह सदह ६]	विदह: सदह ६ गिनह्या
विदह मेथिली भिष उग्र [विदह सदह ६]	विदह: सदह ६ गिनह्या

विदेह म०थिली प्रवृत्त-निवृत्त- समालावना [विदेह सदह १०]	विदेह: सदह १० गिनह्या
विदेह:सदह ११	विदेह: सदह ११ गिनह्या
विदेह:सदह १२	विदेह: सदह १२ गिनह्या
विदेह:सदह १३	विदेह: सदह १३ गिनह्या
विदेह:सदह १४	विदेह: सदह १४ गिनह्या
विदेह:सदह १५	विदेह: सदह १५ गिनह्या
विदेह:सदह १६	विदेह: सदह १६ गिनह्या
विदेह:सदह १७	विदेह: सदह १७ गिनह्या
विदेह:सदह १८	विदेह: सदह १८ गिनह्या
विदेह:सदह १९	विदेह: सदह १९ गिनह्या
विदेह:सदह २०	विदेह: सदह २० गिनह्या
विदेह:सदह २१	विदेह: सदह २१ गिनह्या
विदेह:सदह २२	विदेह: सदह २२ गिनह्या
विदेह:सदह २३	विदेह: सदह २३ गिनह्या
विदेह:सदह २४	विदेह: सदह २४ गिनह्या
विदेह:सदह २५	विदेह: सदह २५ गिनह्या

विदेह-सदह २६-

३६ www.videha.co.in

विदेह वृत्त-यत्रिकाक अंक १-

३५० सँ- थीम आधानिग

म०थिलीक सर्वश्रेष्ठ मूल आ

अनूदिग गद्य आ यद्यक

अकटा समानान्तर संकलन

विदहःसदह २६ (शौं शम्भू कुमान सिंह आ शौं अनध कुमान सिंह अंक १-३१० सँ)	विदहः सदह २६ गिनह्गा
विदहःसदह २१ (गजश्रु ०पन्न आ नवि रूषध या०कक आन राषासँ अनदिग गद्य आ यद्य- अंक १-३१० सँ)	विदहः सदह २१ गिनह्गा
विदहःसदह २८ (अनदिग गद्य आ यद्य- अंक १-३१० सँ)	विदहः सदह २८ गिनह्गा
विदहःसदह २९ (नवि रूषध या०क आ शौं कौलाग कुमान मिश्र- अंक १-३१० सँ)	विदहः सदह २९ गिनह्गा
विदहःसदह ३० (बुल-कौलजक विद्यार्थी लल- अंक १-३१० सँ)	विदहः सदह ३० गिनह्गा
विदहःसदह ३१ (शौं कामिनी कामायनी आ कुमान मनाज कथय- अंक १-३१० सँ)	विदहः सदह ३१ गिनह्गा
विदहःसदह ३२ (नवनाम्क गद्य-यद्य लखन राग-१- अंक १-३१० सँ)	विदहः सदह ३२ गिनह्गा
विदहःसदह ३३ (नवनाम्क गद्य-यद्य लखन राग-२- अंक १-३१० सँ)	विदहः सदह ३३ गिनह्गा
विदहःसदह ३४ (नवनाम्क गद्य-यद्य लखन राग-३- अंक १-३१० सँ)	विदहः सदह ३४ गिनह्गा
विदहःसदह ३१ (नवनाम्क गद्य-यद्य लखन राग-४- अंक १-३१० सँ)	विदहः सदह ३१ गिनह्गा
विदहःसदह ३६ (नवनाम्क गद्य-यद्य लखन राग-१- अंक १-३१० सँ)	विदहः सदह ३६ गिनह्गा

.....

यू.पी.एस.सी. आ आन प्रतियोगिता यनीजा लल दखू:

विदहःसदह ११	विदहःसदह २१	विदहःसदह २३	विदहःसदह २६	विदहःसदह २९
विदहःसदह ३०	विदहःसदह ३२	विदहःसदह ३३	विदहःसदह ३४	विदहःसदह ३१

.....

Videha-Sadeha

राषायक-विदेह मैथिली मानक राषा आ मैथिली राषा सम्यादन
याधक्रम

विदेह यूनान अंकक आर्काइव

Videha 1-50

Videha 51-100

Videha 101-149

Videha 150-250

Videha 251-Onwards

Audio Archive Folder

Mithila Painting-Modern Art-Photos

Videha Old Issues Folder

Videha Classical Sites Folder

.....

गजब्र 0कून आ आषीष अनचिहान (सम्यादन)

मैथिलीक ग्रगिनिधि गजल

मैथिली गजल: आगमन आ प्रसूान विंदू (गजलक आलाचना-
समालाचना-समीजा)

.....

गजब्र 0कून, ना(गजब्र कूमान मा आ यक्षीकान विद्यानइ मा (सम्यादन)

जीनाम मैयिंग (४१० अ.ती.सँ २००६ अ.ती.)--मिथिलाक यक्षी प्रवब

जीनियालाजिकल मैयिंग (४१० अ.ती.सँ २००६ अ.ती.)--मिथिलाक

यक्षी प्रवब -राग-२

यंजी (११००० मूल मिथिलाउन गाअयप्र)

11000 PALM LEAF PANJI INSCRIPTIONS (VOLUME I TO XXII) Compiled, Scanned & Catalogued by Preeti Thakur

MAITHILI-ENGLISH DICTIONARIES

Maithili-English Dictionary Vol.I

Maithili-English Dictionary Vol.II

ENGLISH-MAITHILI DICTIONARIES

Videha English Maithili Dictionary

English-Maithili Computer Dictionary

.....

दिनश क्रमान मिश्र (सोजय दिनश क्रमान मिश्र)

वखिनी महानद्या

वागमती की सङ्गति!

दूळ यारन क बीच मं.. (कासी नदी की कहानी)

न घाट न घन

वगावत यन मजवून मिथिला की कमला नदी

गुहरी नदी उन तकनीकी साँ-रूक

The Kamla River and People On Collision Course

Bhutahi Balan- Story of a ghost river and engineering witchcraft

Refugees of the Kosi Embankments

.....

यप्रिका-जर्नल-आनिका

मिथिला मिहिन (मिथिलाक) १९३६ (सोजय- सन्ध्र मा समन/ सीमनाथ मा)

मिथिली कविता-प्रैमासिक (सौजय- नचिकागा)

मिथिली कविता-प्रैमासिक (अप्रैल १९६९)

मिथिली कविता-प्रैमासिक (इलाळू १९६९)

कोशिकी (सौजय- यक्षीकान विद्यानइ मा)

कोशिकी (१९११-१२)

दसिल वयना (अखवान) (सौजय- नामलाचन ०१कून)

दसिल वयना (अखवान)

मिथिला दर्शन (सौजय- नचिकागा)

मार्च २०२१

नवम्बन २०२१

Society Today (सौजय- समिग आनइ)

अंक ११

संकल्य (सौजय- यागानइ मा)

अंक १ १९८८

अंगिका (सौजय- गोनीनाथ)

इलाळू-सिगमन २००८ (दनिमाहन मा त्रि(षषांक) अकूवन २०१०सँ

मार्च २०११ अकूवन २०११ सँ मार्च २०१२

रानगी मंउन (सौजय- कदान कानन)

अंक-१६

सञ्चान (सौजय- अ(षाक)

सञ्चान १

सञ्चान २

सञ्चान ३ प्ररास त्रि(षष

सञ्चान ४

मिथिलांगन (सौज्य मूकभ दफ)

अप्रैल-सिगमन २०२२

मैलानंग (सौज्य- प्रकाश मा)

अंक२-३

धूआ-धजा (सौज्य- यनमध्वन कायति)

अंक १ अंक १४ अंक ११ अंक १६ अंक १८ अंक १० इन

२०१२ अंक २४ इन २०१२ 23February2016 २१ शला

२०१२ ०१ अगस्त २०१२ आसिन २०१३

आनिका (सौज्य- नामरुनास कायति ग्रमन)

आनिका (२०१०)

आंगन (सौज्य- नामरुनास कायति ग्रमन)

आंगन अंक-४ (२०१२) सलदस त्रि(षयांक

आँइन (सौज्य- नामरुनास कायति ग्रमन)

आँइन (अंक वर्ष ३६, अंक ३) सामदत्र त्रि(षय

गामघन (सौज्य- नामरुनास कायति "ग्रमन")

गामघन-३०-०८-२०१८

गामघन-०४-१०-२०१८

गामघन-१६-०१-२०१६

गामघन-२१-०६-२०१६

दूधमगी- (नयाली आ मेथिलीम) (सौज्य- सूजीग कूमान मा)

अंक ३१ अंक ३२ अंक ३३ अंक ३४ अंक ३५ अंक ३६ अंक ३७ अंक

३८ अंक ३९ अंक ४० अंक ४१

घन-वाहन (सोजय- चाना समिति)

अप्रैल-इन २०११

नचना (सोजय- सुराष चड्ड यादन)

दिसम्बन "०१ मार्च "०६नाजकमल चौधनी: मानाग्राह

यल्लन (सोजय- धीनड्ड प्रमर्षि)

यल्लन- १ गजल अंक

यूर्नाफन मेथिल (सोजय- प्रमकान्द चौधनी)

अप्रैल-इन २०१० इलाह-सिगम्बन २०१० जनवनी सँ मार्च २०११ अप्रैल-

इन २०११ इलाह-सिगम्बन २०११

लालदास रावांजलि चानिका २०२२ (सोजय जँ संजीव शमा)

.....

किड्ड मेथिली याथी ताउनलाउ साहूट (आयन सार्सी)

NCERT BHASHA SANGAM

NCERT (Maithili-English-Hindi Conversations)

मेथिली-दिइी नार्गालाय (३ घण्टा)

मेथिली (मेथिली संकाग राषा सहिग- मेथिलीम यहिल वन)

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

<https://youtu.be/TebuC-lrSs8>

<https://ncert.nic.in/bs-2021.php>

Sahitya Akademi

प्रकाशन

डिजिटल-याथी

CIIL

अखियासल (नमानड्ड मा नमध)

ज्ञानायल कनकनी- महर्ष

प्रवच संग्रह- नमानाथ मा (वी.पी.एस.सी. सिलवस)

सृजन कन दीय यत्र- सं कदान कानन आ अनदिष्ट ठाकून

मैथिली गद्य संग्रह- सं (शैलधु माहन मा

Archive.Org (विजयदन मा)

Videha Maithili eBooks/ eJournals/ Audio-Video

Archive

IGNCA

Maithili English Dictionary

विज्ञान न्नाकन

मिथिला दर्शन

गीनगुक्ति

OLE Nepal's e-Pustakalaya

याथीक लिंक

IGNCA-ASI (search keyword Mithila)

History of Navya-Nyaya in Mithila

Studies in Jainism and Buddhism in Mithila

Mithila in the Age of Vidyapati

Cultural Heritage of Mithila

Mithila under the Karnatas

Temple Survey Project ASI- English आ Hindi

मैथिली साहित्य संस्मान

दर्शनीय मिथिला (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 1 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 2 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 3 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 4 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 5 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

ब्लूम लाइव्नी मैथिली

अनियन खाउ(बुधन

Pratham Books Maithili Storyweaver

मैथिली पठिया वृक्ष

Videha Read Aloud Talking Maithili Audio

Books (including Maithili Sign Language- Ist time in Maithili)

याथी उँट काँम

I Love Mithila (याथी उअनलाउ लिंक)

online maithili journal

owner I Love Mithila

यान मैथिल चैनल- किनध चोधनी आ संगीता आनइ

मिथिला चैयन

खिसा-यिहानी नना गुटका लल

जानकी अरु. अम समाचान

आकाशवाणी दरंगा यू यूव चैनल

.....

JNU

मैथिली

मैथिली लिखिकन

.....

Videha e-Learning YouTube Channel

.....

विदेह सम्मान: सम्मान-सूची (समानान्कन साहित्य अकादमी, समानान्कन ललित कला अकादमी आ समानान्कन संगीत-नाटक अकादमी सम्मान/ यूनिवर्सिटी नामसँ विद्यालय)

.....

मैथिलीक वर्गनी

१

मैथिलीक वर्गनी- विदेह मैथिली मानक राखा आ मैथिली राखा सम्पादन याधक्रम

राखायाक

२

मैथिलीक वर्गनीम यर्याक विविधता अछि। मूदा प्रक्षयप्र देखला उपरन अकन वर्गनी ब्लू BMAFO01 सँ प्रतिष्ठित वृष्णा अछि, स अकन अकना अक उखआहाम उनटा-यूनटा दियो, ततव धनि यर्याक अछि। यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्यलसनी) ययन लल सह ब्लू यर्याक

अच्छि, स ऊ निद्यार्थी मैथिली (कम्यलसनी) ययन लन छथि स अकन
अकरा आन रूस-नीतिंग दसन-उखगहाम कनथि।

IGNOU व्छू BMAF-001

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com. The eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send your queries to sales.videha@gmail.com. The contents and documents e-published by Videha (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/ documents.

३. मैथिली ँतिया-दीतियाक संकलन Maithili Audios-Videos

विदेह ँतिया-दीतिया

नि द ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली याञिक ँी यत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली याञिक ँी यत्रिका नव अंक दखवाक लल युह सरक निरुध कअ दखू! Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

[Search for Audio-Video related information \(including Print, Audio-Visual & Sign Language\) relating to Mithila/ Maithili](#)

<https://books.google.com/>



"Videha" Ist Maithili Fortnightly ejournal Archive of Audios-Videos 'विदेह' प्रथम मैथिली याञिक ँी यत्रिका ँतिया-दीतिया आर्काइव मैथिली ँतिया-दीतियाक संकलन (यूर्ध्व अद्यवसायिक उद्युध आ माप्र अकतमिक प्रयाग लल) ँतिया-दीतिया दखवाक लल सवधिन लिंककं क्लिक कनू। For viewing audios-videos click the respective links.

.....

मिथिलाक सर जागि आ धर्मिक संज्ञान, लाकगीग आ ब्रह्मज्ञान गीग (सौजयः उमश मंजल)

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 2
4 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42
43

.....

गुनाहारी निधायि यर्ब २०१०

यद्विल राग दासन राग गसन राग चानिम राग याँचम राग

गुनाहारी अन्कनाष्ट्रीय मैथिली सम्मलन आ निधायि यर्ब २०११

01 02 03 04 05 06 07 08 09 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 2
0 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42
43 44 45 46

.....

मैथिली फिल्म

ममगा गावय गीत (सोजय- Saregama)

क्यादान (सोजय- BEJOD)

Maithili Movies on Rent

BEJOD

गामक घन

धूँन

चोवरिया (सोजय- धीनद्ध प्रमर्षि)

चोवरिया

सोराय मिथिला

ललका याग राग-१

ललका याग राग-२

.....

मिनाय-१

वृधियान झोग आ नाऊस

मिनाय-२

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४

.....

NCERT BHASHA SANGAM

NCERT (Maithili-English-Hindi Conversations)

यं लक्ष्मीयनि सिंह (सोजय नमानद्ध सा "नमक्ष")

द्विष्टी-मैथिली-भिऊक

मैथिली-द्विष्टी नार्गालाय (३ घण्टा)

मैथिली (मैथिली संकत राषा सहित- मैथिलीम यहिल वन)

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

<https://youtu.be/TebuC-lrSs8>

<https://ncert.nic.in/bs-2021.php>

ग्रान मेथिल वेनल- किनध चौधनी आ संगीता आनइ

मिथिनंग लाक गनंग

मिथिला वेष्टन

खिस्रा-यिहानी बना गुरका लल

मिनाय

मेलानंग

मिथिलांगन

रंगिमा

मेथिली नंगमंच

काकिल मंच

मिथिला दर्शन

मिथिला मिन्न

स्मृति अंतरनमंट

BEJOD

अचल चित्र

नीलम मेथिली

मैथिली गंगा

मिथिला अंकन

मैथिली क्लास

मैथिली समाचार (जनता टेलीविजन)

मैथिली टॉक

अग्रन टी.वी.

टी.वी. रूठ, जनकपुर

दृथम मीठिया

संस्कान मिथिला

सानगामा मैथिली

नवनस मीठिया

आणि अंतरनमंट

वूजानिया रिलम्भ

अयाधानाथ चौधनी

नठिया जनकपुर

मिथिला टी.वी.

मधून मैथिली

मैथिली-नयाली सीखू

अयन मैथिली

मैथिली या०

सुनद्ध नाउग

मिथिलांचल

अमिग मा

प्रदश मल्लिक

आदिग रहलस्य अद्य ग्युजिक

नयाल टलीविजन

आकाशवाणी मैथिली समाचान

आकाशवाणी अमग महामत्र

नशिम दफ

प्रिया मल्लिक

अनामिका मा

नरु कस, नचिकगा

कृष्ण विहानी

नाम वावू मा

दी. ऊ., विकास मा

गिनद्धग मिथिला

आळ लव मिथिला

लाक कला कड्ड

नजनी यल्लदी

यूनम मिश्र

नंजना मा

शली मा

मैथिली 01कून

अनूयम मिश्र याँतकासु अयीसाउ ४० कीर्तिनाथ मा

ब्लूम लाळ्वनी मैथिली

अनियन खाउ(धुशन

Pratham Books Maithili Storyweaver

मैथिली ँतिया वृक्त

Videha Read Aloud Talking Maithili Audio Books (including Maithili Sign Language- Ist time in Maithili)

<https://bloomlibrary.org/player/Wcf6zr5CoF> (मसाळी कन यनिवर्गनकानी नवका)

<https://bloomlibrary.org/player/p3sHdYBgT> (चलू हम्म नै ठीक छी न!)

<https://bloomlibrary.org/player/f19pSdhGMo> (अकटा नीक दिन)

<https://bloomlibrary.org/player/b215wesxCp> (घन सर)

<https://bloomlibrary.org/player/dAzCOFubt7> (की अहाँ उ चिउ सरकँ दखन छी?)

जानकी अरु. अम समाचान

आकाशवाणी दरुंगा यू यूव चैनल

I Love Mithila

online maithili journal

owner I Love Mithila

.....

वृक्ष चड्ड लाल, जनकपूरक सोजयसँ

मिमिया

छाल-यियही

यदनकान् मा (काथय कमल), एटसिमनि, मधुवनीक सोजयसँ

नसनचोकी

.....

विद्यायनि गीग

गुलिका

गीग-(गानिददास (गायन दीजा रानी)

(गानिददास-१

(गानिददास-२

(गानिधदास-३)

(गानिधदास-४)

(गानिधदास-५)

(गानिधदास-६)

.....

मैथिली गजल (गजल- गजङ्ग ०कून, गायन दीजा रानगी)

वरुन मूकानिव

गजल-२

गजल-३

गजल-४

.....

११म सगन नागि दीय जनञ (०२ अकूवन २०१०), गाम
वनमा , जिला मधुवनी (संथाजक- जगदीश प्रसाद मंगल)

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४ राग-५ राग-६

४२म सगन नागि दीय जनञ, स्थान- गजङ्ग ०कून जीक निज
आवास, गाम- मंरुथ, जिला- मधुवनी। दिनांक- ३१ मञ्जी २०१४ (शनि
दिन), समञ- संख्या छह वजसाँ। (गाष्ठीक नाउाँ- कथा वौद्ध सिद्ध
मंरुथया सगन नागि दीय जनञ। आथाजनक खय- ६२ म

आयाजन, संपादक- गजन्द्र ठाकुर। विशेषता- वाल साहित्ययन
कनिष्ठता।

.....

मैलानंग-१ (सौजन्य- प्रकाश मा)

नचिकाक एक छल नाजा - राग-१

नचिकाक एक छल नाजा - राग- २

का०क लाक- महद्ध मर्लागिया राग-१

का०क लाक- महद्ध मर्लागिया राग-२

मैलानंग-२

कासी समीनान १२ सिगमन २००८ राग-१

कासी समीनान १२ सिगमन २००८ राग-२

.....

मिथिलांगन

विदह मैथिली नाय उम्र

यू यूव लिंक

विदह मैथिली साहित्य/ नाय/ कविता/ यनिचर्चा उम्र

विदह समानान्तर साहित्य अकादमी सम्मान समानाह

जनकपूर- विद्यायगि यर्

जिगद्ध मा, जनकपूर

नामरुद्र

सामा चक्रा 1

सामा चक्रा 2

मैथिली कवि सम्मेलन (मिथिला कवचनल ँ (गैनाळ्ळुजथन, यू.क.)

नियन्त्रिक ॐ 2009 (रानग)

सगन नागि दीय जनञ, कविलपूर, इन २०१०

राग-१ राग-२

कृष्ण कृमान कथयसँ गजद्ध ०कून झाना लल साजाकान

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४ राग-५

राग-६ राग-१

प्रवाध सम्मान: नाजमाहन मा

(स्लाळ्ळुउनकँ वीचम ल' जाउ, अदहाक वाद नाजमाहन मासँ विनीग
उयलक साजाकान छुइि।)

साहित्य अकादमी पूनकान: मन्त्रक्षन मा

मिथिलाक खाज

1. (गोनीषकन

राग-१ राग-२

2. वाङ्मयी-वसेटी

वर्षकृत्य

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४ राग-५

राग-६ राग-७ राग-८ राग-९ राग-१०

समन्वय २-४ नवम्बर २०१२ ङ्घ्रिया ह्वीरुट सनुन रानीय राषा
महासुन

*Samanvay 2-4 November 2012 IHC Indian Languages'
Festival. Venue: India Habitat Centre, Lodhi Road, New
Delhi -- 110 003.*

*3rd November 2012 Maithili- Love's Own Language/
Brahminism in Maithili/ Pre-Jyotirishwar Non-Brahmin
Vidyapati*

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४ राग-५

राग-६ राग-७ राग-८ राग-९ राग-१०

राग-११ राग-१२

*2nd November 2012 Uzna Re- By Shovna Narayan (Pre-
Jyotirishwar Non Brahmin Vidyapati's Life Episode)*

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४ राग-५

राग-६ राग-७ राग-८

१७म सगन नागि दीय जन७ म मूनाजीक यहिल त्रिहनि कथा यासुन
प्रदर्शनी

मिथिलाक मू७न- (नसनवोकीक सूनक संग)

दुदयनानायध मा

राग-१ राग-२ राग-३

नंजन चौधरी आ हनी मिश्र (गवला)

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४ राग-५

राग-६ राग-१ राग-८ राग-९

ललिता नंग आ हनी मिश्र (गवला)

राग-१ राग-२ राग-३

दीजा सानगी

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४

सूषमा

वटगमनी

नइ कूमान मिश्रक गजल या०

नइ कूमान मिश्र जीक कविता या०

राग-१ राग-२

मिथिली- राजयूनी अकादमी, नली दिल्ली

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४ राग-५

मैथिली- राजपूनी अकादमी, नरूँ दिल्ली समीनान 29 मार्च 2009

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४ राग-५

राग-६ राग-१ राग-८ राग-९

मैथिली- राजपूनी अकादमी, झानका, नरूँ दिल्ली समीनान

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४ राग-५

राग-६

.....

विदेह सम्मान: सम्मान-सूची (समानान्कन साहित्य अकादमी, समानान्कन ललित कला अकादमी आ समानान्कन संगीत-नाटक अकादमी सम्मान/पूनस्कान नामसँ विद्याग)

.....

मैथिलीक वर्नि

१

मैथिलीक वर्नि- विदेह मैथिली मानक राषा आ मैथिली राषा सम्पादन याधक्रम

राषायाक

२

मैथिलीक वर्नीम यर्याक निविधता अछि। मूदा प्रक्षयप्र दखला उफन
अकन वर्नी ॐ BMAF001 सँ प्रनिग व्साळग अछि, स अकन अकना
अक उखगहाम उनटा-यूनटा दियो, ताव धनि यर्याक अछि।
यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्यलसनी) ययन लल सहा ॐ यर्याक
अछि, स ऊ निद्यार्थी मैथिली (कम्यलसनी) ययन लन छथि स अकन
अकटा आन रूस-नीतिंग दासन-उखगहाम कनथि।

IGNOU ॐ BMAF-001

अयन मंग्य editorial.staff.videha@gmail.com यन य03।

४. मैथिली शिशु, बाल आ किशोर साहित्य Maithili Children Literature

विदेह शिशु, बाल आ किशोर उम्मेद

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली यात्रिक ७७ी यात्रिका Videha 1st
Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली यात्रिक ७७ी यात्रिका नव अंक देखवाक लेल वृत्त सरक निरूप
कउ देखू Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

[Search for Children Literature \(including Audio-Visual & Sign Language\) relating to Mithila/ Maithili](#)

<https://books.google.com/>



Videha Archive of Maithili Children Literature विदेह
मैथिली शिशु, बाल आ किशोर साहित्यक आर्काइव (यूएनः
अद्यतसायिक उद्देश्य आ मात्र एकतमिक प्रयाग लेल) सर
याथी यी.ती.अरु. ठाउनलात लेल क्रमानुसार नीचाँक लिंक सरयन
उयलब अछि। All the books are available for pdf
download at the respective links below

.....

NCERT BHASHA SANGAM

NCERT (Maithili-English-Hindi Conversations)

यं लक्ष्मीयनि सिंह (सोजय नमान्द मा "नमद")

द्विष्टी-मैथिली-शिशुक

मैथिली-द्विष्टी नार्गलाय (३ घण्टा)

मैथिली (मैथिली संकत राषा सहित- मैथिलीम यहिल वन)

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

<https://youtu.be/TebuC-lrSs8>

<https://ncert.nic.in/bs-2021.php>

विदेह मैथिली शिशु उपग्रह

कथा वौद्ध सिद्ध महथया (वाल साहित्य कड्डिग) मंथम रल ८२ म
सगन नागि दीय जनयम योग कथा सरक संकलन

कथा वौद्ध सिद्ध महथया

नना गुटकाक नागिम सुनवा लल किछु लाककथा

राला लाल दास (आर्काइव जेट कोम)

मैथिली स्वाध ब्याकनध

जं. नमानध मा 'नमध' (सोजय- नमानध मा "नमध")

नाइ आ टाकाक गाछ (अनुवाद)

यागड्ड याोक "नियागी" (सोजय- यागड्ड याोक "नियागी")

विज्ञानक वगकही

विज्ञानक वगकही राग-२

ननक विजय (सम्युर्ध)

ननक विजय (संशाधिग)

हमन गाम (वाल उयन्यास)

यिनामिठक दशम

नावार (अनुदिग साँस-रिक्कान नारक)

नामलावन ओकून (सोजय- नामलावन ओकून)

मैथिली लाककथा

कीर्तिनाथ मा (सोजय- कीर्तिनाथ मा)

कूनल: मैथिली रादानूदाद

जगदीश चड्ड 0कून "अनिल" (सौजय- जगदीश चड्ड 0कून "अनिल")

वाल कविगा

मूनाजी

गीन टा वाल नाटक (मैथिली वाल साहित्य)

खूनलूची (मैथिली वाल कविगा- वाल साहित्य)

दवांशु वप्र

नगाशा -मैथिली वाल चित्रशृंखला (कौमिक)

जगदानन्द मा "मनू" (सौजय- जगदानन्द मा "मनू")

चानदा (वाल उयग्यास)

जगदीश प्रसाद मधुल

गनगन (वाल प्रनक विहनि कथा संग्रह)

ने धाउे (वाल उयग्यास)

नन्द क्रमान मिश्र 'नन्द' (सौजय- नन्द क्रमान मिश्र 'नन्द')

सूर्ध कमल (वाल उयग्यास)

वृषभ चड्ड लाल (सौजय- वृषभ चड्ड लाल)

ढालक (वाल कविगा संग्रह)

सुजीग क्रमान मा (सौजय- सुजीग क्रमान मा)

काळ्ली घुनि आउ (वाल लघु-विहनि कथा संग्रह)

जौ. शशिधन क्रमन

उठि न सकी यन चिउे छी ह्म (राग १-२) (यू. १०१४-१०६१)

खिस्मा अष्टर्कटिका कन (यू. १०१४-१०६१)

वाल कविगा (यू. ६६३-१२११)

वाल कविता (यु. १००४-१११३)

सचिद्र वाल कविता (यु. १४१-१३४)

सचिद्र वाल कविता (यु. १४६१-१६११)

जौं शशिधन क्रमन आ सप्रिया ववी क्रमानी

रुकम्य (यु. ६३१-६१४)

कनकमहि दीजिग (मूल नयालीसँ मैथिली अनूवाद नूया धीनू आ धीनइ
प्रमर्षि, वाल साहिण्य) (सोजय- धीनइ प्रमर्षि)

रुगगा वळक दश-प्रमद

अधिमा सिंह (सोजय- नचिकाग)

शिशु गीग खल

कल्यना मा (सोजय- कल्यना मा)

नशामूकि दिग गावी गीग

निनियाँ

मूनी कामग (सोजय- मूनी कामग)

चूका (वाल कथा संग्रह)

प्रीति ०११

(गानू मा आ आन मैथिली चिप्रकथा -यदिल मैथिली चिप्रकथा (वाल
साहिण्य)

मैथिली चिप्रकथा (वाल साहिण्य)

मिथिलाक लोकदवना (वाल साहिण्य)

विज्ञायनिक यूनूष यनीजा (वाल साहिण्य)

नस (अनूवाद- वाल चिप्रकथा)

७ वी सी जी- प्रकृति अऊन यथी (अनूवाद- वाल चिप्रकथा)

सरु खाळ्ण अछि (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

वा ग्याउ वाह (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

नळ सरु (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

(०६) छार आ येघ (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

(०१) माल-जाल आ जानवन दिस दखु (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

(११) ह्मन यनिवान (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

जानवन (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

याथी १३: १...२...३... (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

वाजाक अवाज (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

नीगू क्रुमानी

मैथिली चिप्रकथा (वाल साहित्य)

नीगा मा (सौज्य- नीगा मा)

विलाळ मोसी (वाल लघुकथा संग्रह)

किनध चौधनी (अनुदिग सचिप्र मैथिली वाल कथा)

ह्मन वाल-नागी

आर्या कौकयिट म

दीया कनमाकन- सही संगुलन म

जंगल म अहाँक स्वागत अछि

ब्रूल छथि आकाश म

रैया क मूझान क चानेलक

वीज संचयक

अर्चरिण कनय "रिवानाची"

(शोचालयक खिस्सा

लाल वनसागी

गुल्लिक जादूळी यटी

समीनाक विक० राजन

निनाह म जाळी छी

प्रियंका मा (अनूदिग सचिग मैथिली वाल कथा)

हमन माँछ! ने हमन माँछ!

जशिम प्रिया (अनूदिग सचिग मैथिली वाल कथा)

कैया सके छी, नहिया कs सके छी

सुनीगा ०कून (अनूदिग सचिग मैथिली वाल कथा)

वधे आ ववली

नीलिमा चौधरी (अनूदिग सचिग मैथिली वाल कथा)

हमन सरसँ नीक संगी

स्नाफिका ०कून (अनूदिग सचिग मैथिली वाल कथा)

गयू वृग नाचल ने हाळू छे

गुलिका (अनूदिग सचिग मैथिली वाल कथा)

हमना उा चाही!

मधूलिका मिश्र (अनूदिग सचिग मैथिली वाल कथा)

उंघाळ्ळी सीमा

लक्ष्मी ०कून

जानवन सरु संग रूँट-घाँट

यूनम मधुल

सुँ कालक खिशा

गज्ज ०कून

वाल साहिण्य (मूल)- गज्ज ०कून

वाल मधुली/ किष्णान जगग (वाल नाटक, लघुकथा, कनिगा आदि)

Learn Mithilakshar Script

जलादीय (वाल-नाटक संग्रह)

अऊनमूष्टिका (वाल-लघुकथा संग्रह)

वाळक वळीना (वाल-यञ संग्रह)

रुँ जाँव छू (मैथिलीक २०१२ म प्रकाशित यहिल क्लाँमट-रिक्कान

रूँ- Maithili's first climate-fiction play originally published in 2012)

कमलाक रूगगा

गनहनम यनीलाक

वसी छूँडी कम ँँसकूल

वउद कनेँ दान न यी

वाल गजल

खिनिष लाँँन

वाल साहिय (अनुवाद- द्विगविक- मैथिली-अंग्रेजी)- गजड्ड 0कून
मसाळी कन यनिदरुनकानी नवका

सनु

घन सर

अकटा नीक दिन

चलू हम गँ ठीक छी न!

की अहाँ उ चिठे सरकँ देखन छी?

रासु

वगीटा! कनियटा!

अगस हम सर नहे छी

रानगालक नाजकूमानी

रानगालक नाजकूमानी (विनु शबुक)

द्रया

कच-कच कचाक

चलू-मलूक नरुनाळ

नना ऊ वेलुनसँ उनाळंग छल

अङ्ग रिवानाची अंक-शृंखला

दानू

अखन नै, अखन नै!

जन्मदिनक उभयव राज

भार नाजा यागन-दूबू कूकू

वचिया ऊ अयन हँसी नै नाकि सकैत छलि

अं(अजी

हम सूघि सकै छी

छार लाल-टूटूटू अनी

कनू नीक, रागू नीक

ॐ सरटा विलाधिक दाख अछि!

चारण आम!

हमन टालक वार

जखन ॐकू शूल (गल

माछी रून आउ टारा!

अमाचीक इलूम मशीन सर

टिंग टांग

याउ-ग्याऊ-नाह

कुकुणक अकटा दिन

हमना नीक लगेण

नीगाक नव-सूलम यहिल दिन

कनी हंसियो न!

लाल वनसागी

रूप-प्रगक नायथाला

आउ यअन गानी

कास अछि छी अंक ग?

विदेह मैथिली-अंग्रेजी टॉकिंग नीउ-अलाउउ ँठिया वृक

<https://bloomlibrary.org/player/Wcf6zr5CoF> (मसाळी कन यनिवर्गनकानी नवका)

<https://bloomlibrary.org/player/p3sHdYBgiT> (चलू हम तँ ठीक छी न!)

<https://bloomlibrary.org/player/f19pSdhGMo> (अकटा नीक दिन)

<https://bloomlibrary.org/player/b2l5wesxCp> (घन सर)

<https://bloomlibrary.org/player/dAzCOFubt7> (की अहाँ उ चिउे सरकँ दखन छी?)

गजङ्ग ठाकुरन (सम्यादन)

विदेह मैथिली शिशु उम्र [विदेह सदह ६]

विदेह: सदह ६ गिनहूगा

गजङ्ग ठाकुरन, ना(गङ्ग कृमान मा आ यक्षीकान विद्यानह मा (सम्यादन)

English-Maithili Computer Dictionary

जॉ. कमला चौधरी (सौजय- कमला चौधरी)

मैथिलीक वंश-रूखा-प्रसाधन सम्वन्धी शब्दावली २००८

जॉ यागानन्द मा (सौजय- यागानन्द मा)

मैथिलीक यानम्यनिक जागीय ब्यवसायक शब्दावली २००६

जॉ. ललिता मा (सौजय- ललिता मा)

मैथिलीक राजन सम्वन्धी शब्दावली २०११

(गोविन्द मा ((IGNCA Site आकाँख्ख))

Maithili-English Dictionary

नामद्व मा (सौजय- शंकरद्व मा)

मैथिली शब्द संवय

.....

किछ मैथिली यथी जाउनलाउ साँख्खट (डायन सार्सी)

Videha Maithili eBooks/ eJournals/ Audio-Video Archive

विस्नान न्नाकन

OLE Nepal's e-Pustakalaya

यथीक लिंक

IGNCA-ASI (search keyword Mithila)

History of Navya-Nyaya in Mithila

Studies in Jainism and Buddhism in Mithila

Mithila in the Age of Vidyapati

Cultural Heritage of Mithila

Mithila under the Karnatas

Temple Survey Project ASI- English आ Hindi

मैथिली साहित्य संस्मान

दर्शनीय मिथिला (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 1 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 2 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 3 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 4 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 5 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

ब्लूम लाइव्नी मैथिली

अनियन खाउ(गुणन

Pratham Books Maithili Storyweaver

मैथिली पठिया वृत्त

Videha Read Aloud Talking Maithili Audio
Books (including Maithili Sign Language- Ist time in
Maithili)

याथी उँट कॉम

खिस्सा-यिहानी नना गुटका लल

जानकी अरु. अम समाचान

आकाशवाणी दनरंगा यू यूव चैनल

.....

विदेह सम्मान: सम्मान-सूची (समानान्कन साहित्य अकादमी, समानान्कन
ललित कला अकादमी आ समानान्कन संगीत-नाटक अकादमी
सम्मान/ यूनस्कान नामसँ विश्याग)

.....

मैथिलीक वर्नी

१

मैथिलीक वर्नी- विदेह मैथिली मानक राषा आ मैथिली राषा सम्पादन
याथक्रम

राषायाक

२

मैथिलीक वर्गनीम यर्याक निविधता अछि। मूदा प्रक्षयप्र दखला उफन
अकन वर्गनी ॐ BMAF001 सँ प्रनिग वृमाळग अछि, स अकन
अकना अक उखगहाम उनटा-यूनटा दियो, तगव धनि यर्याक अछि।
यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्यलसनी) ययन लल सह ॐ यर्याक
अछि, स ऊ विद्यार्थी मैथिली (कम्यलसनी) ययन लन छथि स अकन
अकटा आन रूस-नीतिंग दासन-उखगहाम कनथि।

IGNOU ॐ BMAF-001

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com. The eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send your queries to sales.videha@gmail.com. The contents and documents e-published by Videha (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/documents.

ग.विदेह श्री काना

विदेह श्री काना

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह ग्रथम मैथिली याजिक व्ही यत्रिका Videha Ist
Maithili Fortnightly ejournal विदेह ग्रथम मैथिली याजिक व्ही यत्रिका नव अंक दसवाक लल युह सरक निरुध
कउ दसु! Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

[Search for Works \(including Audio-Visual & Sign Language\) relating to Mithila/ Maithili by Female Writers/ Artists](https://books.google.com/)

<https://books.google.com/>



(युर्ध्वः अद्यतसायिक उड्थ आ मात्र अकतमिक प्रयाग लल) सरु याथी यी.ती.अरु. ताउनलात लल क्रमानूसान नीचाँक लिंक सरुयन उयलब्व अछि। All the books are available for pdf download at the respective links below.

....

सख्आवाली (नानी निमर्ष कड्डिग) रयटियाहीम रल १३ म सगन नागि दीय जनयम यीगि कथा सरुक संकलन

सख्आवाली

अधिमा सिंह (सोजय- नचिकाग)

शिशु गीग खल

ब्लानानी सिंह (सोजय- नचिकाग)

प्रम- अक कनिगा (अनुदिग नारक)

अनुवृणी दत्री (सोजय- नमानव मा "नमध")

मिथिलाक विदूषी महिला

उाँ. कमला चौधनी (सौजय- कमला चौधनी)

मैथिलीक वष-रूषा-प्रसाधन सम्वेष्टी श्रद्धानली २००८

समय-संकग (कथा-संग्रह) २०१०

उाँ. ललिगा मा (सौजय- ललिगा मा)

मैथिलीक राजन सम्वेष्टी श्रद्धानली २०११

सुमिगा या०क (सौजय- कदान कानन)

यनिचिगि (कविगा संग्रह)

कनाजति (कथा संग्रह)

नखिनी या०क (सौजय- कदान कानन)

याथनक शहन (कविगा संग्रह)

यन्ना मा (सौजय- नन्ध मा)

अनूरूगि (लघुकथा संग्रह)

कल्यना मा (सौजय- कल्यना मा)

गासाउनिक गीग

नशामूकि दिग गावी गीग

निनियाँ

यायादनी- (शरुालिका दर्मा (दिष्टी अनूवाद कल्यना मा)

मूनी कामग (सौज्य- मूनी कामग)

सखल मन गनसल आँखि (यद्य आ गद्य)

सखल मन गनसल आँखि (कविता)

अंगगः (कविता संग्रह)

चूका (वाल कथा संग्रह)

नीगा मा (सौज्य- नीगा मा)

विलाळ मोसी (वाल लघुकथा संग्रह)

(शरालिका वर्मा (सौज्य- शरालिका वर्मा)

यायावनी (यात्रावृत्तान्त)

यायावनी (द्विती अनुवाद- कल्याण मा)

अर्थयुग (लघुकथा संग्रह)

अकटा अकास (लघुकथा संग्रह)

राजांजलि (गद्य गीत)

किरू-किरू जीवन (आत्म कथा)

आखन-आखन प्रीत

नागरांस (उपन्यास)

Naagphans (In English)

विरय नानी

विरय नानीक दूटा नाटक (राग नौ आ वलचथा)

सुशीला मा (सोजय- प्रया खान/ सुशीला मा)

छिन्नमस्ता- प्रया खानक द्विष्टी उयद्यासक मैथिली अनूनाद

कूस्म ०कून

प्रयावर्णन (आत्मकथा)(यु. ४७६-७१२)

उाँ. कामिनी कामायनी

विदहःसदह ३१ (उाँ. कामिनी कामायनी आ कूमान मनाज कथय-
अंक १-३१० सँ)

ग्रीणि ०कून

(गानू मा आ आन मैथिली चिप्रकथा-यदिल मैथिली चिप्रकथा (वाल
साहिय)

मैथिली चिप्रकथा (वाल साहिय)

मिथिलाक लाकदवगा (वाल साहिय)

विद्यायणिक यूनूष यनीजा (वाल साहिय)

नस (अनूनाद- वाल चिप्रकथा)

अ वी सी ती- प्रकृणि अऊन याथी (अनूनाद- वाल चिप्रकथा)

सर खाळंग अछि (अनूनाद- वाल चिप्रकथा)

वा ग्याउ वाह (अनूनाद- वाल चिप्रकथा)

नळ सर (अनूनाद- वाल चिप्रकथा)

(०६) छार आ यैघ (अनूनाद- वाल चिप्रकथा)

(०१) माल-जाल आ जानवन दिस दखू (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

(११) ह्मन यनिवान (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

जानवन (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

याथी १३: १...२...३... (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

वाजाक अवाज (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

यंजी (११००० मूल मिथिलाजन गा७यत्र)

11000 PALM LEAF PANJI INSCRIPTIONS (VOLUME I
TO XXII) Compiled, Scanned & Catalogued by Preeti
Thakur

गजद्व Oकून आ ग्रीणि Oकून (समालाचना)

नीगू क्रमानी

मैथिली चिप्रकथा (वाल साहित्य)

किनध चौधनी (अनुदिग सचिप्र मैथिली वाल कथा)

ह्मन वाल-दा७ी

आर्या कौकयिट म

दीया कनमाकन- सही संगुलन म

जंगल म अहाँक स्वागत अछि

ब्रूल छथि आकाश म

रैया क मूझान क चानोलक

वीज संचयक

अर्चरिण कनय "रिवानाची"

शोचालयक खिस्मा

लाल वनसागी

गुल्लिक जादूळी यटी

समीनाक विक० राजन

विनाह म जाळी छी

प्रियंका मा (अनूदिग सचिग्र मैथिली वाल कथा)

हमन माँछ! ने हमन माँछ!

नभि प्रिया (अनूदिग सचिग्र मैथिली वाल कथा)

कैया सके छी, नहिया कs सके छी

सनीगा ०क्रून (अनूदिग सचिग्र मैथिली वाल कथा)

वधे आ ववली

नीलिमा चौधनी (अनूदिग सचिग्र मैथिली वाल कथा)

हमन सरसँ नीक संगी

स्नाफिका ०क्रून (अनूदिग सचिग्र मैथिली वाल कथा)

गयू वृग नाचल ने हाळू छै

गुलिका (अनूदिग सचिग्र मैथिली वाल कथा)

हमना डा चाही!

मधूलिका मिश्र (अनूदिग सचिग्र मेथिली वाल कथा)

उंघाळ्ळग सीमा

लम्नी ०कून

जानवन सरु संग रँट-घाँट

यूनम मधुल

सुगे कालक खिष्ठा

कनकमधि दीडिग (मूल नयालीसँ मेथिली अनूनाद नूया धीनू आ धीनड्ड
प्रमर्षि, वाल साद्विग्य) (सोजन्य- धीनड्ड प्रमर्षि)

रुगगा वळक दण-प्रमध

ऊँ शशिधन क्रमन आ सप्रिया ववी क्रमानी

रुकम्य (यु. ६३८-६१४)

....

लखकक आर्मिगिग नचना आ उळ्ळयन आर्मिगिग समीडकक समीडा

सीनीज

१. कामिनीक यांच टा कविगा आ उळ्ळयन मधूकान्क माक टियधी

Videha_01_09_2016

३. मूनी कामगक अकांकी "जिडगीक माल" आ उळ्ळयन गजड्ड

०कूनक टियधी

VIDEHA_354

यस्यलटी गीता

अठिठर्स चाळस सीनीज-१

मीना मा

अठिठर्स चाळस सीनीज-२

जगदीश चड्र ठाकुर (३ टा वाल कविता जळ्ळम २ टा कविता ववी
चाळ्ळुयन)

अठिठर्स चाळस सीनीज-३

....

विद्यायति गीत

गुलिका

गीत-(गानिधुदास (गायन दीजा रानगी)

(गानिधुदास-१

(गानिधुदास-२

(गानिधुदास-३

(गानिधुदास-४

(गानिधुदास-५

(गानिधदास-६)

मैथिली गजल (गजल- गजद्व 0कून, गायन दीजा रानगी)

वरुन मूकानिव

गजल-२

गजल-३

गजल-४

यान मैथिल चैनल- किनध चौधनी आ संगीगा आनद

सोम्या मा

नशिम दफ

प्रिया मल्लिक

अनामिका मा

नजनी यल्लदी

यूनम मिश्र

नंजना मा

इली मा

दीयशिखा मा

मैथिली 0कून

अनूयम मिश्र यॉतकासु

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com. The eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send your queries to sales.videha@gmail.com. The contents and documents e-published by Videha (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/ documents.

६. विदेह ँी-लनिङ्ग

विदेह ँी-लनिङ्ग



[संघ लाक सना आयाग/ विद्वान लाक सना आयागक यनीजा लल मेथिली (अनिनार्य आ उच्चिक) आ आन उच्चिक विषय आ

सामान्य ज्ञान (अंग्रेजी माध्यम) हेतु सामित्री] [अन.टी.ए.- यू.जी.सी.-
नट-मैथिली लल सह]]

.....

मैथिलीक वर्नी

१

मैथिलीक वर्नी- विदह मैथिली मानक खाषा आ मैथिली खाषा सम्पादन
याधक्रम

खाषायाक

२

मैथिलीक वर्नीम यर्याक त्रिविधा अछि। मूदा प्रक्षयप्र दखला उफन
अकन वर्नी अछि BMAF001 सँ प्रनिग वृमाळण अछि, स अकन
अकना अक उखगहाम उनटा-यनटा दियो, गगव धनि यर्याक अछि।
यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्यलसनी) ययन लल सह अछि यर्याक
अछि, स अ विद्यार्थी मैथिली (कम्यलसनी) ययन लन छथि स अकन
अकटा आन रूस-नीतिंग दासन-उखगहाम कनथि।

IGNOU अछि BMAF-001

.....

Maithili (Compulsory & Optional)

UPSC Maithili Optional Syllabus

BPSC Maithili Optional Syllabus

मैथिली प्रश्नपत्र- यू.पी.एस.सी. (उच्चिक)

मैथिली प्रश्नपत्र- यू.पी.एस.सी. (अनिवार्य)

मैथिली प्रश्नपत्र- वी.पी.एस.सी. (उच्चिक)

.....

यू. पी. एस. सी. (मस) ँनल: मैथिली साहित्य विषयक टुट सीनीज
यू.पी.एस.सी. क प्रिलिमिनी यनीजा सम्यन्न रऽ (गल अछि। ज
यनीजार्थी अदि यनीजाम उफीर्ष कनगाह आ ऊँ मसम दूनकान ँनल
विषय मैथिली साहित्य हगहि गँ उा अदि टुट-सीनीजम सम्मिलित रऽ
सकेग छथि। टुट सीनीजक प्रानस प्रिलिम्सक निजलुक गकाल वाद
हायग। टुट-सीनीजक उफन विद्यार्थी सेन कऽ
editorial.staff.videha@gmail.com यन य0। सकेग छथि, ऊँ
मलसँ य0वाम असाकई हगहि गँ उा हसन द्वाझअय नसन
9560960721 यन सह प्र(क्षाफन य0। सकेग छथि। संगम उा अयन
प्रिलिम्सक अउमिट कारिक सेन कअल काँयी सह वनीरिक्शन लल
य0वथि। यनीजाम सर प्रश्नक उफन नदि दमय यउेग छेक मूदा ऊँ
टुट सीनीजम विद्यार्थी सर प्रश्नक उफन दगाह गँ दूनका लल (प्रयसन
नहगहि। विदहक सर श्रीम उकाँ ँलीहा यूर्धगः निःशुक्त अछि। - गजद्व
0कून

संघ लाक सदा आयाग झाना आयाजिग सिविल सर्विसज (मूअ्य)
यनीजा, मैथिली (अड्विक) लल टम्ट सीनीज/ यक्ष-यत्र- १ आ २

Test Series-1- गजड्ड ओकून

Test Series-2- गजड्ड ओकून

.....

NTA-UGC/ UPSC/ BPSC Maithili Optional- गजड्ड ओकून

मैथिली समीजाभासू

मैथिली समीजाभासू (गिनहूगा)

मैथिली समीजाभासू (राग-२, अनूप्रयाग)

मैथिली ग्रणियागिगा

[Place of Maithili in Indo-European Language Family/ Origin and development of Maithili language (Sanskrit, Prakrit, Avhatt, Maithili) रानयीय राषा यनिवान मध मैथिलीक सान/ मैथिली राषाक उइव डा विकास (संस्कृत, प्राकृत, अवहट्ट, मैथिली)]

(Criticism- Different Literary Forms in Modern Era/ test of critical ability of the candidates)

(आगिनीधन, निद्यायगि आ गोविन्ददास सिलवसम छथि आ नसमय कवि चणुन चणुनगुज निद्यायगि कालीन कवि छथि। अणय समीजा शृंखलाक ग्रानह कनवासँ युर्व चानू (गोटक शब्दावली नव शब्दक यर्याय संग दल जा नहल अछि। नव आ यूनान शब्दावलीक सानसँ आगिनीधन, निद्यायगि आ गोविन्ददासक प्रक्षाफनम धान आडाग, संगहि शब्दकाष वढलासँ खाँटी मैथिलीम प्रक्षाफन लिखवाम धाख आरु-आरु खगम दायग, लखनीम प्रवाह आयग आ सूत्रा रावक अरिथिकि रय सका।)

(वडीनाथ मा शब्दावली आ मिथिलाक कृषि-मण्य शब्दावली)

(नेल्यु अडीशन- प्रथम यत्र- लानिक गाथाम समाज डा संस्कृति)

(नेलू अतीशन- द्वितीय यत्र- विद्यायगि)

(नेलू अतीशन- द्वितीय यत्र- यद्य समीजा- वानगी)

(नेलू अतीशन- प्रथम यत्र- लाक गाथा नृय नाटक संगीग)

(नेलू अतीशन- द्वितीय यत्र- याग्री)

(नेलू अतीशन- द्वितीय यत्र- मैथिली नामायध)

(नेलू अतीशन- द्वितीय यत्र- मैथिली उयग्यास)

(नेलू अतीशन- प्रथम यत्र- शब्द निवान)

(गिनहूगा लियिक उद्भव आ विकास)

अनूलभक-१-२-३ अनूलभक- ४-१

(मैथिली आ दासन युवनिया रगषाक वीचम सम्वन्न (वांश्ला, असमिया आ उािया) [यू.यी.अस.सी. सिलवस, यत्र-१, रग-‘अ’, क्रम-१])

[मैथिली आ दिह्री/ वांश्ला/ राजयूनी/ मगही/ संथाली- विद्वान लाक सना आयाग (वी.यी.अस.सी.) कन सिदिल सना यनीजाक मैथिली (अद्विक) निषय लल]

मैथिली-दिह्री नार्गालाय (३ घण्टा)

मैथिली

वांश्ला

असमिया

उािया

दिह्री

उर्दू

नयाली

संस्कृत

संथाली

NTA UGC NET Maithili_01

NTA UGC NET Maithili_02

GS (Pre)

Topic 1

.....
यू.पी.एस.सी. आ आन प्रतियोगिता यनीजा लल दखू:

विदरु.सदरु ११	विदरु.सदरु २१	विदरु.सदरु २३	विदरु.सदरु २५	विदरु.सदरु २६
विदरु.सदरु ३०	विदरु.सदरु ३२	विदरु.सदरु ३३	विदरु.सदरु ३५	विदरु.सदरु ३७

.....
General Studies

NCERT-Environment Class XI-XII

NCERT PDF I-XII

Sansad TV

<http://prasarbharati.gov.in/>

<http://newsonair.com/>

.....
Other Optionals

IGNOU eGyankosh

.....
यटान (निसार्स सवृन)

.....
मैथिली मूहावना अदम् लाकाकि प्रकाश- नमानाथ मिश्र मिहिन (खाँटी प्रवाहयूक मैथिली लिखवाम सहायक)

उँ. कमला चौधनी-मैथिलीक वष-रूषा-प्रसाधन सम्वेष्टी शव्दावली (खाँटी प्रवाहयूक मैथिली लिखवाम सहायक)

उँ यागानइ मा- मैथिलीक यानम्यनिक जागीय अदसायक शव्दावली (खाँटी प्रवाहयूक मैथिली लिखवाम सहायक)

उँ. ललिता मा- मैथिलीक रगजन सम्वेष्टी शव्दावली (खाँटी प्रवाहयूक मैथिली लिखवाम सहायक)

मैथिली शव्द संवय- उँ श्रीनामदव मा (खाँटी प्रवाहयूक मैथिली लिखवाम सहायक)

दग्द-वगीक वस्फू कौशल- उँ. श्रीनामदवमा

यनिचय निचय- उँ (शैलइ मारुन मा

English Maithili Computer Dictionary (Complete)-
Gajendra Thakur

Maithili English Dictionary- (गोविंद मा

अधिमा सिंह -शिशु गीत खल

आनंद मिश्र (सोजय श्री नमानंद मा 'नमद')- मिथिला राषाक स्वाध
द्याकनद

मैथिली स्वाध द्याकनद- राला लाल दास

नाधाकृष्ण चौधनी- A Survey of Maithili Literature

नाधाकृष्ण चौधनी- मिथिलाक ळ्गिहास

जयकान्त मिश्र- A History of Maithili Literature Vol. I

नाजश्वन मा- मिथिलाजनक उद्भव आ विकास (मैथिली साहित्य संस्ठान
आर्काइव) (यू.पी. अस.सी. सिलवस)

दरद-वर्गी (मूल)- श्री सुनंद मा सुमन (यू.पी. अस.सी. सिलवस)

प्रवच संग्रह- नमानाथ मा (वी.पी. अस.सी. सिलवस) CIIL Site

सुराष चंद्र यादव-नाजकमल चौधनी: मानाशारु

शिव कृमान मा 'टिळु' अंशु-समालाचना

ऑ वचश्वन मा- निदब-निकृअ

ऑ. दरशंकन नदीन- आधूनिक साहित्यक यनिदृथ

प्रमथंकन सिह-मैथिली राषा साहित्यःवीसम शताब्दी (आलाचना)

ऑ. नमानध मा 'नमध'

हिआउल

अखियासल CIIL Site

दूर्गानध मधुल-चरु

रुन गृहि मनलशु राळुल सरकँ सह यदुः-

नामलाचन 0कून-मैथिली लाककथा

कूमान यदन (सारान अंगिका)

यळु0 (मैथिलीक सर्व(श्रुठ कथा)

उायनीक खाली यन्ना

कदाननाथ चौधनी

अखाना नखान	उमलीनानी	गहन	कान	अयना	खाना
------------	----------	-----	-----	------	------

ऑ. नमध मा

रिख-अरिख	मैथिली काथम अलखान	अलखान-रायन	मैथिली काथम थगिय	अखिनालध-वन	थानिअण-गधनी
----------	-------------------	------------	------------------	------------	-------------

या(गड्ड या0क 'नियागी'

विशानक वानली	विशानक वानली राग-२	अकटा मिरिया (कथा संधल)
नक विअय (सधुधी)	नक विअय (संथानि)	किठ पीम मन्त (याय वृषा)

राम नाम	विनामिश्रक दशम	नवका (अनुदिग साहित्य-द्विजान नवका)
---------	----------------	------------------------------------

अनुदिग साहित्य (आन राषासँ)- गजब्र 0कून

विदेह:सदह २१ (गजब्र 0कून आ नदि रूषध या0कक आन राषासँ

अनुदिग गद्य आ यद्य- अंक १-३१० सँ)

वाल साहित्य (अनुवाद- द्विषाषिक- मैथिली-अंग्रेजी)- गजब्र 0कून

मसाळी कन यनिदरनकानी नवका

(षष ४० टा वाल चित्र-याथी नीचाँक लिंकयन:-

कम	घन सर	अकटा नीक दिन	कल रन नै 0क क्री न	की अहाँ उ चिउे सरकँ दखन क्री?
रुद्र	वडीटा अलिपटा	अँरु रन सर नईकी	रानकक नकनमि	रानकक नकनमि (दिन शुक)
रघु	कन-कन दखन	कन-कनक नकनमि	नन इ केसरँ अनकटा कन	अकटा दिखनकी अँक-अँकन
राम	असन नै असन नै	अकदिनक उअन रक	मड नकन यान-दरु० कन०	बँचय इ असन रँती नै नकि लीउे कनि
अँकधी	रन कनि नईकी	कन नान-रुद्रक अँरु	कन नीक दशु नीक	अँरु सरुटा दिखन अँक-अँक
कल अँक	रन रनक नक	असन अँक० घन अँक	मकी अँक अँक टाटा	अकदिनक उअन मनीन सर
दिन टा	याड-याड-याड	कन०क अँकटा दिन	रन नीक ननी०	नीकक नक-पुअन यँकल दिन
कनि रँकयें न	नान वरनगी	रन०कक नकनमि	अँक घन अँरु	कान० अँक अँक अँक ०२

विदेह मैथिली-अंग्रेजी टॉकिंग नीउ-अलाउउ ँठिया वूक

<https://bloomlibrary.org/player/Wcf6zr5CoF> (मसाळी कन यनिदरनकानी नवका)

<https://bloomlibrary.org/player/p3sHdYBgiT> (चलू हम नै 0क क्री न!)

<https://bloomlibrary.org/player/f19pSdhGMo> (अकटा नीक दिन)

<https://bloomlibrary.org/player/b2l5wesxCp> (घन सर)

<https://bloomlibrary.org/player/dAzCOFubt7> (की अहाँ उ चिउे सरकँ दखन क्री?)

.....
किष्कू मेथिली याथी ठाउनलाउ साळ्ट (आयन सार्स)

NCERT BHASHA SANGAM

NCERT (Maithili-English-Hindi Conversations)

यं लम्कीयगि सिंढ (सोजय नमान्ढ मा "नमढ")

द्विई-मेथिली-भिकक

मेथिली-द्विई नार्गलाय (३ घण्टा)

मेथिली (मेथिली संकग राया सहिग- मेथिलीम यहिल वन)

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

<https://youtu.be/TebuC-lrSs8>

<https://ncert.nic.in/bs-2021.php>

Sahitya Akademi

प्रकाशन

ठिकरल-याथी

CIIL

अखियासल (नमान्ढ मा नमढ)

शआयल कनकनी- मरुड

प्रवब संग्रह- नमानाथ मा (वी.पी.अस.सी. सिलवस)

सृजन कन दीय यर्त- सं कदान कानन आ अनविद्य ठाकून

मिथिली गद्य संग्रह- सं (शैलध्व माहन मा

Archive.Org (विजयदत्त मा)

Videha Maithili eBooks/ eJournals/ Audio-Video
Archive

IGNCA

Maithili English Dictionary

विज्ञान नमूकन

मिथिला दर्शन

गीनगुकि

OLE Nepal's e-Pustakalaya

याथीक लिंक

IGNCA-ASI (search keyword Mithila)

History of Navya-Nyaya in Mithila

Studies in Jainism and Buddhism in Mithila

Mithila in the Age of Vidyapati

Cultural Heritage of Mithila

Mithila under the Karnatas

Temple Survey Project ASI- English आ Hindi

मैथिली साहित्य संस्मान

दर्शनीय मिथिला (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 1 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 2 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 3 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 4 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 5 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

ब्लूम लाइव्भनी मैथिली

अनियन खाउ(बुधन

Pratham Books Maithili Storyweaver

मैथिली पठिया वृक्ष

Videha Read Aloud Talking Maithili Audio Books (including Maithili Sign Language- Ist time in Maithili)

याथी अँट काँम

I Love Mithila (याथी अउनलाउ लिंक)

online maithili journal

owner I Love Mithila

ग्रान मेथिल चैनल- किनध चौधनी आ संगीता आनइ

मिथिला चैयन

खिस्या-यिहानी नना गुटका लल

जानकी अरु. अम समाचान

आकाशवाणी दरुंगा यू यूव चैनल

आकाशवाणी मेथिली समाचान

आकाशवाणी अमृग महामत्र

सुनइ नाउग

.....

JNU

मेथिली

मेथिली लक्षिकान

.....

Videha e-Learning YouTube Channel

.....

विदेह सम्मान: सम्मान-सूची (समानान्तर साहित्य अकादमी, समानान्तर ललित कला अकादमी आ समानान्तर संगीत-नाटक अकादमी सम्मान/ यूनाइटेड नामसँ विद्यालय)

.....

Maithili eBooks/ eJournals/ Audios-Videos can be downloaded from: **Maithili eBOOKS/ eJournals/ Audios-Videos**

अन्य मंगल editorial.staff.videha@gmail.com यन य0ड0

१.विदेह सूचना संयुक्त अन्वेषण (including Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement)

विदेह सूचना संयुक्त अन्वेषण (including Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement)

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली यात्रिक व्ही यत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली यात्रिक व्ही यत्रिका नव अंक दखवाक लेल युष्ठ सरकै निरूपण कउ दखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

Search for Information relating to Mithila/ Maithili

<https://books.google.com/>



सूचना

Do not judge each day by the harvest you reap but by the seeds that you plant.

- Robert Louis Stevenson

.....

Videha: Maithili Literature Movement

Videha eJournal (link www.videha.co.in) is a multidisciplinary online journal dedicated to the promotion and preservation of the Maithili language, literature and culture. It is a platform for scholars,

researchers, writers and poets to publish their works and share their knowledge about Maithili language, literature, and culture. The journal is published online to promote and preserve Maithili language and culture. The journal publishes articles, research papers, book reviews, and poetry in Maithili and English languages. It also features translations of literary works from other languages into Maithili. It is a peer-reviewed journal, which means that articles and papers are reviewed by experts in the field before they are accepted for publication.

१

"विदेहक जीविग लखक-सम्यादक, आशालनी, सार्दजनिक जीवन जीनिहान, कला-संगीत-नंगमंचकर्मी आ नंगमंच-निर्दशक यन वि(षयांक शृंखला"

विदेह अनविद्य ओकून वि(षयांक

स्वंगप्रवगा- अनविद्य ओकून: व्यक्तिगत-कृतिगत (सम्यादक आशीष अनचिहान)
[विदेह अनविद्य ओकून वि(षयांकक ग्रिह नूय]

विदेह जगदीश चड ओकून अनिल वि(षयांक

विदेह नामलाचन ओकून वि(षयांक

विदेह नाजनइन लाल दास वि(षयांक

विदेह नवीइ नथ 0कून वि(षयांक

विदेह कदान नाथ चौधनी वि(षयांक

विदेह प्रमलगा मिश्र प्रम वि(षयांक

विदेह अनदिइ चौधनी वि(षयांक

विदेह कला-निमर्ष वि(षयांक (सइर- संज्ञ दास, कृषू कृमान
कथय, शशिवाला, अस.सी.सुमन आ (श्वगा मा चौधनी)

विदेह नचनाकान अ(षाक वि(षयांक

विदेह नाम रनास कायि 'प्रमन' वि(षयांक

विदेह अयन जीविग लखक-सम्यादक, आइलनी, सार्वजनिक जीवन
जीनिहान, नंगमंचकमी आ नंगमंच-निदर्शक यन वि(षयांक शृंखलाक
अन्कर्गण (१)अनविइ 0कून, (२)जगदीश चइ 0कून अनिल,
(३)नामलाचन 0कून, (४) नाजनइन लाल दास, (५)नवीइ नथ 0कून,
(६) कदान नाथ चौधनी, (७) प्रमलगा मिश्र 'प्रम', (८) अनदिइ चौधनी,
(९) नचनाकान अ(षाक आ (१०) नाम रनास
कायि 'प्रमन' वि(षयांक निकालन अछि। उ १० म सँ नामलाचन 0कून,
नाजनइन लाल दास आ नवीइ नथ 0कून आव हमना सरक वीच
ने छथि। शष १ (गार मान (१)अनविइ 0कून, (२)जगदीश चइ
0कून अनिल, (३) कदान नाथ चौधनी, (४) प्रमलगा मिश्र 'प्रम', (५)
अनदिइ चौधनी, (६) नचनाकान अ(षाक आ (१) नाम रनास

कायति 'ग्रमन' कन श्टस विदहम 'लाळ्ळरुटाळ्ळम रुला' सन नहण। उा
अयन नव नचना (कथा, कविता वा कथणन गद्य-यद्य) वा नव याथी
वा नव प्राउकान [नंगमंच, सउक नाटक वा अय काना (पुठिया-
विशुअल सहिग)] ऊ वि(भषांक निकललाक वादक हूअय वा विदहयन
ने हूअय य0। सकै छथि। उाकन हम समीजा सहिग ँी-प्रकाशन
कनव आ उाळ्ळयन या0क, आगा, द्रष्टाक मध सम्रादक ग्रानशु लल
प्रसूग कनव।

"विदहक जीविग लखक-सम्रादक, आशुलनी, सार्वजनिक जीवन
जीनिहान, कला-संगीग-नंगमंचकर्मी आ नंगमंच-निर्दशक यन वि(भषांक
शृंखला" क चयन प्रक्रियाक विधि निम्न प्रकारसँ अछि।

निअम:

- १) लगरुग याँच-छह मास यहिनसँ विदह अयन या0ककँ समाद दवा
लल लल सूचना देग अछि।
- २) आअल समादमसँ विदह मात्र जीविग लाकक चयन कनेग अछि।
- ३) उेसरु लाकक लखन/ काज अवं आचनधक साम्यता दखल जाळ्ळग
अछि। जिनकन लखन/ काज उा आचनधम वसी साम्यता (कम रूँक)
रुटेअ गहन छह टा नाम चयनिग हाळ्ळग अछि।
- ४) छह नाम अलायन ँी गुलना कअल जाळ्ळग छै ज ँी छह (गारुकँ
लखन/ काजक अजम समाजसँ की रुटलनि।

१) जिनका सरसँ कम ररुल वूमाळ्ण अळि गळ्ण गीन लाककँ अगिला चनध लल नाखिलल जाळ्ण अळि।

६) उगीन चयनिग जीविग लाकक नचना, काज आ उड्थ आदिक वीचम यनस्यन गुलना कअल जाळ्ण अळि।

१) अंगिम नूयसँ विदह दाना अकटा नाम चूनि सालक अंगम घाषधा कअल जाळ्ण अळि आ नियग समययन ँी वि(षयांक निकालवाक प्रयास कअल जाळ्ण अळि।

प्रश्न ३० सकेअ ऊकी ऊयनका निअम अहन छे जळ्म अंगिम नूयसँ सर स्याथ जीविग लाककन चयन समययन रऽ जगनि? गऽ अकन उअन छे ने। विदहक या०क लग सह अयन सीमा छनि। मूदा अही सीमाक संग हमना सरकँ अयन वसु दवाक अळि आ मैथिली लल अकटा अहन नरुा वना दवाक छे जळ्सँ आवयवला १००-६०० वर्खक साहिय विदहक लीकसँ प्रनधा यावया।

अही विचानक संग विदह उअनसंस्था, यत्रिका, लखक, कलाकान, सूर्यसदी वा सार्वजनिक जीवन जीनिहानयन अयन (धआन सह कंड्रिग कऽ नहल अळि ऊ स्याथ छथि मूदा जिनकायन विदहक वि(षयांक काना कानधवष ने प्रकाशित रऽ सकला। अकन नाम रल विदहक "निग नवल सिनीज", अकन विवध नीचाँ "निग नवल सिनीज"म दल जा नहल अळि।

-गजब्र 01कून, सम्यादक विदह, whatsapp no
+919560960721 HTTP://VIDEHA.CO.IN/ ISSN 2229-
547X VIDEHA

२

"विदह दाना अक वनम काना अकटा जीविग संस्था, यत्रिका वा
संस्था-याथी-यत्रिकासँ इअल स्रयंसदीक समग्र मूल्यांकन शृंखला"

विदह अंक ३११(०१ इन २०२३) "मिथिला सूँट
यूनियन (अम.अस.यू.)" वि(षयांक

निअम:

- १) संस्था कौटगनी- संस्थाक काज माला आदि यद्विननाळ, यत्रिका-
आनिका आदि छयनाळ, अ मात्र नकाँठ वनवाल हूअय, नेहूअया
संस्था दाना जागिवादी कइनागा ने वढाउल अवाक अर्ग नहण, संस्था
यौकट संस्था ने हवाक चाही आ जीविग हवाक चाही।
- २) संस्था-याथी-यत्रिकासँ इअल स्रयंसदी कौटगनी- लखक-प्रकाशकसँ
ळगन आन अ लाक याथी-यत्रिका कन विक्री कऽ अयन जीविय-यायनक
संग मैथिलीक प्रचानम सहायक छथि, संगम संस्था (नंगमंच संस्था
सद्विग) सरसँ सम्विग स्रयंसदी, गिनका मूल्यांकन विदह वि(षयांक
निकालि कऽ कनगा
- ३) यत्रिका कौटगनी- मैथिलीक काना यत्रिकाक अयन विदह वि(षयांक
प्रकाशग कनगा मूदा उलल अळ यत्रिकाक सर अंक विदहयन

उठनलात लल उ०० यत्रिकाक संयादक वा काँयीना०००ट धानक दगा,
स शर्त अ०कि।

चयन यत्रियाक निअम "विदहक जीविग लखक-सम्यादक, आइलनी,
सार्वजनिक जीवन जीनिहान, कला-संगीत-नंगमंचकर्मी आ नंगमंच-
निर्दशक यन वि(शषांक शृंखला"क चयन यत्रियाक निअम सन नहगा।

-गजइठ ०कून, सम्यादक विदह, whatsapp no
+919560960721 HTTP://VIDEHA.CO.IN/ ISSN 2229-
547X VIDEHA

३

"विदह मानाशरु" शृंखला

विदह अयन जीविग लखक-सम्यादक, आइलनी, सार्वजनिक जीवन
जीनिहान, नंगमंचकर्मी आ नंगमंच-निर्दशक यन वि(शषांक शृंखलाक
अन्कर्ग (१)अनदिइ ०कून, (२)जगदीश चइ ०कून अनिल,
(३)नामलाचन ०कून, (४) नाजनइन लाल दास, (५)नदीइठ नाथ ०कून,
(६) कदान नाथ चौधनी, (७) यमलगा मिश्र 'यम', (८) शनदिइ चौधनी,
(९) नचनाकान अ(शक आ (१०) नाम रूनास कायति
'यमन' वि(शषांक निकालन अ०कि।
अही सइरुमहिनका सरयन "विदह मानाशरु" शृंखला अन्कर्ग
"मानाशरु" आर्मत्रिग कयल जा नहल अ०कि।
"विदह मानाशरु" शृंखलाक विद्वनध निम्न यकान अ०कि:
(१) ०००क लखक ऊयनम काना एक (गारयन अयन मानाशरु लिखवाक

✉ editorial.staff.videha@gmail.com यन य0। सके छथि
(२) विदेह लखक नाम मानाशरु लिखवाक लल चयनिा कs ठाकन
सार्वजनिक घाषणा कनग।
"विदेह मानाशरु" लिखवाक निअमः
(१) मानाशरु यूध नूयँ सम्विग लाकयन कडिग हूअया सादिय
अकादमी, अ.वी.टी. आ किछु बकिग नूयँ लिखल मानाशरु/
वायाशरुम लखक संमनध आ बकिग प्रसंग जाँ कय सम्विग
लाकक वदन्न अयन-आग-प्रसंसा लिखे छथि "विदेह मानाशरु" खीर
वर्तु कय रूटवाल सन नहग। खीर वर्तु कय रूटवाल अहन अकमाप्र
दूर्नामध अछि जगय काना "उयनिंग" वा "क्लाजिंग"
सनीमनी अलगसँने हळ छे, यहिल आ अकिम मेचक सळ हळ
छे आ गकन कानध छे ज अलगसँ कअल "उयनिंग" वा "क्लाजिंग" म
दूर्नामधम ने खला नहल लाक मूअ अगिथि/ अगिथि हळ छथि आ
रुकस खिलाी सँ दून चलि जाळ छे। खीर माप्र आ माप्र रूटवाल
खिलाीयन कडिग नहगे अछि स ठाकन दूर्नामध "उयनिंग सनीमनी"
ने वनन् साम "उयनिंग मेच" सँ आनष्ट हळंग अछि आ ठाकन
समायन "क्लाजिंग सनीमनी"सँ ने वनन् "हळंगल मेच आ द्राही"सँ
खगम हळंग अछि आ रुकस माप्र आ माप्र खिलाी नहगे छथि
गहिना "विदेह मानाशरु" माप्र आ माप्र सम्विग लाकयन कडिग नहग
आ काना संमनध आदि जाँ कs रुकस अयनायन कडिग कनवाक
अनूगि ने नहग।
(२) मानाशरु लल "विदेह यटान"म उयलव्व सामग्रीक सवरुँ सहिग
उययाग कअल जा सकेग।

- (३) विद्वद्म ष्टी-प्रकाशित नचना सरक कॉपीनाळ्ट लखक/संग्रहकर्ता लाकनिक लगम न्हगि। सम्यादक 'विद्वद्' ष्टी-यत्रिकाम प्रकाशित नचनाक प्रिंट-नव आर्काळ्टक/ आर्काळ्टक अनूदादक आ मूल आ अनूदिग आर्काळ्टक ष्टी-प्रकाशन/ प्रिंट-प्रकाशनक अधिकान नखेग छथि। उ ष्टी-यत्रिकाम काना नॉयल्टी/ यानिश्रमिकक प्रावधान ने छे।
- (४) "विद्वद् मानाश्ररु"क रॉर्मट: सम्विग लाकक यनिचय (सम्विग लाकक जन्म, निवास-स्थान आ कार्यस्थलक ऐ(गालिक-सांस्कृतिक विद्वचना सहित) आ नचना/ काजक विवनेष (समीजा सहित)।

घाषणा: "विद्वद् मानाश्ररु" शृंखला अन्गण (१) नाजनइन लाल दास जी यन मानाश्ररु निर्मला कर्ष, (२) नवीइ नाथ ओकून यन मूनी कामग आ (३) कदान नाथ चौधनी यन प्रम माहन मिश्र झाना लिखल जायग। षषण (गारयन निर्णय शीघ्र कल जायग।

-गजइ ओकून, सम्यादक विद्वद्, whatsapp no
+919560960721 HTTP://VIDEHA.CO.IN/ ISSN 2229-
547X VIDEHA

४ (१)

विद्वद्क "निग नवल सिनीज"

विद्वद् झाना उ वि(षयांक प्रकाशित हळ छे तकन संग विद्वद् उहन संस्था, यत्रिका, लखक, कलाकान, स्रयंसत्री वा सार्वजनिक जीवन जीनिहानयन अयन (धआन सह कडिग कनग जिनकायन विद्वद्क

विषयांक काना कानधवण ने प्रकाशित रऽ सकला अकन प्रक्रिया आ कार्यान्वयनक विवन्ध अना अछि।

निअम आ कार्यान्वयनः

१) ह्यम अकरा काना संस्था, यत्रिका, लखक, कलाकान, स्त्रयंसत्री वा सार्वजनिक जीवन जीनिहानयन समग्र आलाचना कनव जकन रगषा मैथिली अथवा अंग्रेजी नहण। उ यथीक यहिल नूय व्ही-वूक कन नूयम अंग आ प्रयास नहण ऊ अकन प्रिंट सह आवय ऊ यनिष्क्रियन निर्दन कनण।

२) उ शृंखलामः-

(i) सुराष चंद्र यादवयन कडिग "निग नवल सुराष चंद्र यादव",

(ii) राजद्वेद मंडलयन कडिग "Rajdeo Mandal- Maithili Writer" आ

(iii) जगदीश प्रसाद मंडल कडिग "Jagdish Prasad Mandal- Maithili Writer" प्रकाशित रल अछि।

यहिल दूनू यथीक लाकार्यध ३१ दिसम्बर २०२२ कँ १११म सगन नागि दीय जनय म कअल गेला। गसन यथीक लाकार्यध २१ मार्च २०२३ कँ ११२ म सगन नागि दीय जनय म कअल गेला।

(iv) "निग नवल दिनश कुमान मिश्र" आ

(v) "निग नवल सधील" जानी अछि।

आगाँक

घाषणा

लल <http://videha.co.in/investigation.htm> देखेग नही।

यूर्वयी०का: कमलानद् माक याथी "भेथिली उयग्यास: समय समाज आ सवाल" (२०२१) क शीर्षक ग्रामक अछि। ओही हूनकन किछ सवर्ध उयग्यासकानयन किछ सिधुिकरउ कथिग समीजाग्नक आलखक संग्रह अछि, २६३ यन्नाक ओही याथी हाँवाउभुम लाँव्रनीकँ माग्न वचल जा सका, जगस ओही सति जायग, अमजनसँ हम ओही चानि सय याँच राकाम किनलौ मूदा उम याँचा याँक सामित्री ने अछि।

अगस अकरा रूल सूधान अछि, अकरा गअन सवर्ध लखक सूराष चड यादत्रक उयग्यास 'गुला'कँ विन् यढन उा दू याँगि लिखलहि आ नियरा दलहि, उा दूनू याँगि हम अगस अहाँक मनानंजनार्थ प्रसूग कस नहल छी। अहाँ गुला यढनहिय हअव, जँ ने यढन छी तँ यहिन यढि लिअ, कानध गखन वशी मनानंजक अनूरन हअग, गुला सूराष चड यादत्र जीक अन्मगि सँ उयलव्व अछि विदह आकाँव्वयन अँ <http://videha.co.in/pothi.htm> लिंकयन।

"उयग्यासक कमजानी अछि लखकक नाजनीगिक यूर्वाग्रह। नाजनीगि विषयक यज्ञधनगा नचनाक संग ग्याय नहि कस यवेग अछि।"

जँ उयग्यासम नाजनीगि दून-दून धनि ने छै उागस 'नाजनीगिक यूर्वाग्रह' आ 'नाजनीगि विषयक यज्ञधनगा'क तँ प्रश्न ने छै। नाजनीगिक यूर्वाग्रह वा यज्ञधनगाक साढन धूमकागु आ यात्री प्रयूक कलहि। सूराष चड यादत्र जीक 'राट' ज २०२२म आयल जँ सूराष चड यादत्र जीक

अनुमति सँ उयलव्व अछि विदेह आर्काइवयन
उ <http://videha.co.in/pothi.htm> लिंकयन, स नाजनीगियन
अछि मूदा उगहूडा सूर्यषडीक रगगा (भेलीकँ नाजनीगिक यूनाइटेड वा
यउधनगाक साळनक आबथकागा नै यउलो यदू ह्मन याथी 'निग नवल
सूर्यष चड यादव' ज उयलव्व अछि
उ <http://videha.co.in/pothi.htm> लिंकयन।

कमलानन्द माक विन् यउन सूर्यष चड यादवक विन्डु ब्राह्मधवादी
जागिग यूनाइटेड अकटा खानाक घड़ी अछि। जउ हिसाव
ब्राह्मधवादकँ आगाँ वडवेल कमलानन्द मा नामयंथक साळन यकउे छथि
आ सामाजिक ग्रायक वलि चडवऽ चाहे छथि, तकन प्रगि समानान्दन
धाना सवग अछि। उी अपन वायाउराम गउन सवर्धसँ छीनि कऽ,
समानान्दन धानाक लाकक हककँ मानि कऽ लल साहिग अकादमीक
मैथिल अनुवाद असाउनमधक गर्वसँ चर्चा कनेग छथि। आ उी
असाउनमध दिनका मनिटसँ नै जागिग टाउरिलसँ रटल छथि,
अही सर किनदानीक अवजम रटल छथि। दिनका सन लाक लल
मैथिली वायाउराक अकटा याँगि अछि, समानान्दन धाना लल जीवन-
मनधक प्रश्न।

आव अहाँ यछव ज तकन प्रगिकान समानान्दन धाना कना कलक, उा
गँ कन्नानाहट नै कनेग, गँ तकन उफन अछि ह्मन ३ टा याथी ज
१११म सगन नागि दीय जनय म लाकारिग रल ३१ दिसम्बन २०२२
कँ, वअह सगन नागि दीय जनय जकना साहिग अकादमी गग दस
वर्खसँ गीति लवाक प्रयास कऽ नहल अछि। अहाँसँ उे तीनु याथीयन

टिच्यधी ँी-यत्र सङ्गत editorial.staff.videha@gmail.com यन
आर्मत्रिण अञ्चि। यहिल दू यथी म नाजदत्र मधुल आ सूरुष चड्ड
यादत्रक साद्विचक समीञ्जा अञ्चि ऊ ह्मन तसन यथी मैथिली
समीञ्जाशरुक् सिद्धांगक आधानयन कञ्जल गेल अञ्चि। तक्ना वाद
जगदीश प्रसाद मधुल जी यन यथी लिखल गेल (११२ सगन नागि
दीय जनय म लाकार्येठ) सरुटा यथीक लिंक नीचाँ दल गेल
अञ्चि। 'निग नवल दिनश कुमान मिश्र' आ 'निग नवल सूशील' जानी
अञ्चि।

[Rajdeo Mandal- Maithili Writer \(Now with Supplement I & II\)](#)

निग नवल सूरुष चड्ड यादत्र

[निग नवल सूरुष चड्ड यादत्र \(मिथिलाजन\)](#)

JAGDISH PRASAD MANDAL- Maithili Writer

निग नवल दिनश कुमान मिश्र (जानी)

निग नवल सूशील (जानी)

[मैथिली समीञ्जाशरुक्](#)

[मैथिली समीञ्जाशरुक् \(गिनहूगा\)](#)

[संगम यदू कमलानन्द मा क ब्राह्मणवाद्यन प्रहानः](#)

[दूषेठ यञ्जी- The Black Book](#)

दुषध यज्ञी- The Black Book (मिथिलाउन)

-गजद्व ओकून, सम्यादक विदह, whatsapp no
+919560960721 HTTP://VIDEHA.CO.IN/ ISSN 2229-
547X VIDEHA

४(२)

निग नदल दिनभ क्रमान मिश्र

दिनभ क्रमान मिश्रक 'दूळ याउन क वीच म' कासी नदीक उगिहासिक आभकथा थीक, उा मिथिलाक आन धान सरक उगिहासिक आभकथा सह लिखन छथि जना वडिनी महानद्या, वागमगी की सङ्गि!, दूळ याउन क वीच मं.. (कासी नदी की कहानी), न घाट न घन, वगावग यन मजवून मिथिला की कमला नदी, गुहरी नदी ओन तकनीकी माउ-रूंक, The Kamla River and People On Collision Course, Bhutahi Balan- Story of a ghost river and engineering witchcraft, Refugees of the Kosi Embankments। साहित्य अकादमीक मैथिली यनामर्षदात्री समितिक सदस्य यंकज मा यनाभन दाना हिनकन याथी सरसँ येनाक येना मैथिली अनूवाद कs अयना नाम उयग्यास छयवाउल (गल अछि, जकना छद्म समीऊक कमलानद्य मा उे चान लखकक निसर्व कहै छथि! अगs स्यष्ट कs दी ज ङ्गी चान लखक आ छद्म समीऊक दूनू अलीगढ मुस्लिम विद्यालयक हिन्दी विरगम छथि ङ्गी निसर्व दिनभ क्रमान मिश्रक थीक, ज आळ.आळ.टी. खगयूनसँ सिविल ङ्ङ्गीनियनिळ म वी. टक.

१६६८म आ सद्ब्रानल ँङ्कीनियनिळम अम.टक. १६१०म कन छथि,
आ उँ निसर्व लल ब्वालिराँउ छथि। जखन काना विषयम नामांकन
ने हाँ छे गखन लाक हानि-थाकि दिदीम नामांकन लँ, ने गँ
कमलानद मा कँ व्मऽ म आवि जँगहि जँ ँ नी निसर्व काना सिविल
ँङ्कीनियनक रऽ सकेग अछि, रऽ सकेग व्मला हाँह। दिदी मूल
आ मैथिलीक स्क्रीनशॉट आँगा संलग्न अछि।

दिनभ कुमान मिश्र मिथिलाक ने छथि मूदा मिथिलाक सर धानक कथा
उा लिखन छथि, हम सर हूनका प्रगि कृगह छी आ हूनकन मृधसँ
मिथिलावासी कहिया उमृध ने रऽ सकाग, मूदा मूलधानाक पुनश्चान आ
याँ लाल्य लाकसँ कृगघ्न रटग स रून सिद्ध रला। उे लखककँ दस
वानह वर्ष यद्विन सह गानानद वियागी उद्धानक रटल छलखिह जँ
लिखन नदथिह जँ उा कविगाम प्रगविग रऽ अनायास अयन नचनाम
दासनक सामित्री चानि कऽ लँ छथि, अहन सना आव उे कमलानद
मा क आश्रय गकलहि मूदा दूरगथ! जँ हिसाव ब्राह्मधवादकँ आगाँ
वढवेल कमलानद मा वामयंथक साहन यकउे छथि आ सामाजिक गायक
वलि चढवऽ चाहे छथि, गकन प्रगि समानान्कन धाना सवग अछि।
सीलिंगसँ वचवा लल जमीन-जछावला लाक कथूनिसृ वनला आ आव
ब्राह्मधवाद वचवालल वामयंथक शनध, अहन लाक सरसँ कथूनिसृकँ
वहग नूकसान रल छे।

दिनभ कुमान मिश्रक सरटा यथी आव हूनकन अनुमगिसँ उपलव्व अछि
विदह आकाँवमऽ

<http://videha.co.in/pothi.htm>

अस अकटा गय मान याति दी ज ऊखन विल (गझकँ यूकल (गलहि
ज की उा अक वॉक रानगम याळ्ळनीक उनसँ दनीसँ आनि नहल
कथि? गँ हूनकन उफन नहहि ज माळ्ळक्रासॉहृ याळ्ळनीक उन काना
उग्राद दनीसँ ने उगानन अक़ि। स विदह यरानम ह्म सर उे गनहक
निष्क नहिगा अकना आन समृद्ध कनेग नहव, कानध समानान्कन धानाम
सगल माँक़ ज्ञान याखनिक सर माँक़ ने सउे, अगुक्ता मलाह (गार-
(गार कs सगल माँक़ निकालेग नहल कथि, निकालेग नहगा।

सिधीकरत समीजायन अन्किम ग्रहान।

मूल दिनश क्रमान मिश्र (दूळ्ळ यारन क वीच मं... २००६): यह धान
दन की वाग हे कि 1923 स 1946 क वीच कासी उप्र मं मलनिया
स 5,10,000, कालाजान स 2,10,000, हेज स 60,000 तथा चचक
स 3,000 मोगं (कूल 7,83,000) हूँली।

धान यंकज मा यनाशन (साहिय अकादमीक मैथिली यनामर्षदात्री
समिगिक सदस्य) [जलप्रांगन २०११ (यू. १०३)]:

ने अँग्रेज सब आ ने नवका रंगेज सब। 1923 सँ 1946 के बीच मे कोसी क्षेत्र में मलेरिया
से पाँच लाख दस हजार, कालाजार सँ दू लाख दस हजार, हैजा सँ साठि हजार आ चेचक
सँ तीन हजार लोकक मृत्यु भेल ! माने सब मिला कए करीब पौने आठ लाख लोक मरि

मूल दिनश क्रमान मिश्र (दूळ्ळ यारन क वीच मं... २००६): रानगवर्ष
मं विहान मं कासी नदी का वांधन का काम 12वीं शताब्दी मं किसी नाजा
लक़्कध द्वितीय न कनवाया था उन ँस काम क लिउ उसन प्रजा स
'वीन' की उयाधि याळ्ळी उन नदी का गरवब 'वीन वांध' कहलाया।
ँस गरवब क अवशष अरी री स्योल जिल मं रीम नगन स

काठ्ठी 5 किलामीटन दक्षिण मं दिखाठ्ठी यण हं। जॉ. क्रांसिस व्कानन (1810-11) का अन्मान था कि यह वांध किसी किल की सूनजा क लिण वनी वाहनी दीवान नहा हागा आकि यह वांध (धोस नदी क यश्चिमी किनान यन गिलयूगा स उसक संगम तक 32 किलामीटन की दूनी मं रूला हुआ था। जॉ. उब्लू उब्लू हन (1877) व्कानन क ठूस तक क साथ सहमत नहीं (थ कि यह वांध किसी किल की सूनजा दीवान था। स्थानीय लागों क हवाल स हन का मानना था कि अधिकांश लाग ठूस किल की दीवान नहीं माना उन उनक हिसाव स यह कूठ उन ही चीज थी मगन वह निश्चिण नूय स कूठ कहन की स्थिति मं नहीं (था हिन ही जा आम धानधा वनी है वह यह है कि यह कासी नदी क किनान वना काठ्ठी गटवध नहा हागा जिसस नदी की धाना का यश्चिम की उन खिसकन स नका जा सका। लागों का यह ही कहना था कि ऐसा लगा था कि ठूस गटवध का निर्माध कार्य अकाअक नक दिया गया हागा।

कूठ समीअक कमलानध मा झाना चान उययासकानक यी0 (0)कव,
दखू कूठ समीअक कमलानध मा झाना उधूग चान यंकज मा यनाधन
(मैथिली उययास, समय, समाज आ सवाल य. २११-२१८):

पंकज पराशरक पहिल उपन्यास 'जलप्रांतर'(2017) शोधपरक उपन्यास अछि। मैथिलीमे शोधपरक उपन्यास लिखबाक परम्परा नहि रहल अछि। एहि दुआरे ई उपन्यास रेखांकन योग्य अछि। पराशरजी एहि उपन्यासमे कोसी नदीक बान्हक इतिहास-कथा लिखलनि अछि। उपन्यासक वैशिष्ट्य ई जे बारहम शताब्दीसँ ल' क' आधुनिक काल धरि कोसी पर बान्ह बनेबाक दुसाध्य प्रयत्न, प्रशासनिक उठा-पटक, राजनीतिक दाँव-पेंच आदिक विस्तृत व्योरा रोचक कथाक माध्यमसँ कहलनि अछि। ध्यान देबाक बात ई जे सभटा सूचना आ व्योरा अत्यन्त विश्वसनीय बनि पड़ल अछि। पटुआ कक्का आ फूल बाबू सदृश्य पढ़ल-लिखल आ सचेत पात्रक माध्यमसँ लेखक एहि अनुसन्धानकेँ रखलनि अछि। दलान पर बैसल लोकक जिज्ञासाकेँ बढ़ावेत पटुआ कका कहैत छथिन, "पहिल बेर बारहम शताब्दीमे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मण सेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह जे 1178सँ 1205 ई. धरि शासन

मैथिली उपन्यास : समय समाज आ सवाल : 257

कयने छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगरसँ दू कोस पश्चिममे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकाननकेँ अनुमान रहनि, जे ई बान्ह सम्भवतः कोनो किलाकेँ रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मतसँ डब्ल्यू. डब्ल्यू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलनि जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत जे नदी पश्चिम दिस नहि बहय लागय।" एहि तरहें बान्हक मादे

चान यंकज मा यनाभन (साहित्य अकादमीक मैथिली यनामर्षदात्री समितिक सदस्य) [जलप्रांतर २०११ (पृ. ३१)]:

पटुआ कका पछिला गप केँ आगाँ बढ़बैत कहलखिन, 'फूल बाबू कोसी नदीक बैसन प्राचीन काल सँ मनुक्खक निवास लेल उपयुक्त स्थान रहल अछि। बारहम-तेरहम सदी मे भारत मे जखन कइक टा नदी सुखा गेल, तँ ओहि ठामक पशुचारक समाजक लोक एतय आबि कए बसलाह। तहिये सँ बढ़ैत जनसंख्या आ कोसी नदीक बदलैत प्रवाहक मध्य टकराहटि होमय लागल। नदीक अनियंत्रित धारा केँ लोक बाढ़ि बूझय लागल। पहिल बेर बारहम शताब्दी मे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मणसेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह, जे 1178 सँ 1205 ईस्वी धरि शासन कयनेँ छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगर सँ दू कोस पश्चिम मे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकानन के अनुमान रहनि, जे ई बान्ह संभवतः कोनो किला के रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मत सँ डब्ल्यू. डब्ल्यू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलखिन, जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत, जे नदी पच्छिम दिस नहि बह' लागय।' पटुआ कका सँ मुँहजबानी एतेक रास ऐतिहासिक तथ्य सुनियो कए फूल बाबू सहमति मे मूड़ी नहि डोलेलखिन। जाहि सँ ओतय बैसल लोक सबहक उत्सुकता और बढ़ि गेलनि, जे गप मे एहेन कोन तथ्य रहि गेलै जे फूल बाबू संतुष्ट नहि भेलखिन ? लोक केँ बुझेलनि जे फूल बाबू शास्त्रार्थ के अखड़हा पर माटि फेकि रहल छथिन। पटुआ कका केँ आइ जोड़ीदार भेटि गेलनि !

मूल दिनः क्रमान मिश्र (दूर याटन क वीच मं... २००६): कासी क प्रवाह कि रयावहगा की एक मलकरिनाजभाह गुगलक की खोज क सन् 1354 म वंगाल स दिल्ली लोटन क समय मिली हे। वगाया जागा हे कि जव सुल्तान की खोजं कासी क किनान यद्वीं गा दखा कि नदी क दूसन किनान यन हाजी शम्सुद्दीन खलियास की खोजं मुकावल क लिउ गेयान खी हे। यह वही हाजी शम्सुद्दीन (थ जिहान हाजीयून तथा समस्कीयून शहन वसाय (थ। रिनाज की खोजं शायद कूनसला क आस-यास किसी जगह यन कासी क किनान साच मं यउ गळी। नदी की नहान उहं आगे वढन स नाक नही थी। आखिनकान खसला हुआ कि नदी क साथ-साथ उफन की उन वढा जाय उन जहाँ नदी यान कनन लायक हा जाय वहाँ यानी की थार ली जाया। सुल्तान की खोजं प्रायः सो कास उन गळी उन जियानन क यास, जा कि उसी स्थान यन अवस्थित था जहाँ नदी यहाउं स मैदानां मं उगनी थी, नदी का यान किया। नदी की धाना गा यहाँ यगली जून थी यन प्रवाह खणना गज था कि याँच-याँच सो मन क रानी यहन नदी मं गिनकां की गनह वह नह (थ। जहाँ नदी का यान कनना मूमकिन लगा उसक यनां उन सुल्तान न हाथियां की कान खी कन दी उन नीच वाली कान मं नश लटकाय गय जिसस कि यदि काळी आदमी वहगा हुआ हा गा खस नशां की मदद स उस वचाया जा सका। शम्सुद्दीन न करी साचा री न था कि सुल्तान की खोजं कासी का यान कन लंगी उन जव उस का खस वाग का यगा लगा कि सुल्तान की खोजं न कासी का यान कनन मं कामयावी या ली हे गा वह राग निकला।

चान यंकज मा यनाभन (साहित्य अकादमीक मैथिली यनामर्षदात्री समितिक सदस्य) [जलप्रांगन २०११ (यू. १०१)]:

'बेश, तँ सुनु। 1354 मे फिरोजशाह तुगलक के फौज जखन बंगाल सँ दिल्ली चुरि रहल छल, तँ कोसीक प्रवाह बहुत तेज छलै। तुगलकी सेना जखन कोसी के किनार पर पहुँचल, तँ कोसीक ओहि पार मे हाजी शम्सउद्दीन इलियास के सेना तुगलकी सेना सँ मोकाबला करबाक लेल अस्त्र-शस्त्र ल' कए तैयार छल। ई वएह हाजी शम्सउद्दीन छलाह, जे हाजीपुर आ समस्तीपुर नगर बसौने रहथि। फिरोजशाह तुगलक के सेना संभवतः कुरसेला के आस-पास कोसी के तेज धार देखि कए सोच मे पड़ि गेल। पानिक रफतार देखि कए तुगलकी सेना केँ नदी पार करबाक हिम्मत नहि भ' रहल छलै। अंततः तुगलकी सेनापति तय कयलनि, जे नदीक किनारे-किनार उत्तर दिस बढ़ल जाय। जतय जा कए नदीक पाट कनेँ कम बूझि पड़्य, ओतय पानिक थाह लेल जायत। एहि आशा मे फौज उत्तर दिस बढ़ैत रहल। कुरसेला सँ सय कोस आगाँ गेलाक बाद कोसी के पेट कनेँ शिकस्त बुझेलै। कोसी ओतहि पहाड़ सँ नीचाँ उतरैत अछि। पानिक वेग के अनुमान एहि सँ कयल जा सकैए, जे पाँच-पाँच सय मनक पाथर कोसी मे खढ़ जकाँ बहि रहल छल। तुगलकी सेनापति केँ जतय नदी पार करब कनेँ आसान बुझेलनि, ओतय एक लाइन मे सैकड़ों टा हाथी केँ ठाढ़ क' देल गेल। नीचाँ चला लाइन मे बड़का-बड़का रस्सा लटका देल गेल, जे जँ बयो पानि मे भासि जायत, रस्सा के मदति सँ निकालि लेल जायत। एहि तरहँ फिरोजशाह तुगलकक सेना कोसी पार क' गेल। हाजी शम्सउद्दीन सपनो मे नहि सोचनेँ छल, जे तुगलकी सेना कोसी पार क' जायत। जखन हाजी शम्सउद्दीन केँ पता लगलै जे तुगलकी सेना कोसी पार क' चुकल अछि, तँ ओ डरे सँ पड़ा गेल। तँ एहि कोसीक तेज धार के ल' कए एतेक आत्मविश्वास मे छल हाजी शम्सउद्दीन।'

(... शीघ्र अही लिंकयन आन स्क्रीनशॉट अयउट कएल जायत।)

विदेहक ३६३ म अंक दिनांक ०१ नूवनी २०२३ सँ ग्रानम्ह... निग
नवल दिनभ कृमान मिश्र

<http://videha.co.in/> विदेह: प्रथम मैथिली यात्रिक व्ही-यत्रिका

ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) यना

-गजब्र 01कून, सम्यादक विदेह, whatsapp no

+919560960721 HTTP://VIDEHA.CO.IN/ ISSN 2229-

547X VIDEHA

४ (३)

निग नवल सशील

कमलानन्द माकँ हम किञ्च कृद्म समीञ्चक कहलियनि?

कानध उा कृद्म समीञ्चक कृथि।

उा लिखे कृथि- "मैथिली उयग्यास-यात्राक लगरुग सय वर्षक बाद
मैथिल अन्कनजागीय विवाहक सयना, संघर्ष आ विउम्वना यन
गनिमायूक उयग्यास लिखवाक श्रय (गोनीनाथकँ जाळ्ग कृनि। "

गँ की कमलानन्द मा स्त्रीलसँ ङ्गी (श्रय कृनि ललनि? की ङ्गी हूनकन
ब्राह्मधवादी संज्ञानक अहंकान- ज हम ककना चढा सकै छिउ आ
ककना उगानि सकै छिउ- कन यनाकाष्ठा थीक, आकि हूनकन
अध्ययनक अरुवक प्रमाध?

चलू अहाँकँ लs चली कमलानन्द मा कन सार्थी दूनियाँसँ दून, कृल-
कृद्मसँ दून स्त्रीलक जादूवला साहित्यक निश्चल दूनियाँमा।

अहाँकँ स्याग अछि स्त्रीलक साहित्यक दूनियाँमा।

प्ररूग अछि स्त्रीलक 'गामवाली' (१६,८२) ज आव उयलव्व अछि
विदह आर्काङ्कनम लिंक <http://videha.co.in/pothi.htm> यन।

यहिल याँगीम उयग्यास आनसूसँ यहिनहिय 'गामवाली' उयग्यासक
सम्बन्धम स्त्रील लिखे कृथि-

"विधवा विवाह आ अन्कजागीय विवाहक समर्थनमा "

आ उयग्यास आनसूस।

गामवालीक मृगु आ गखन समला, गामवालीक दाह संक्रान क कनगै?
ब्राह्मण समाज कि जादव समाज?

मैथिलीक सिधीकटउ समीजायन अन्किम ग्रहान।

विदेहक ३६३ म अंक दिनांक ०१ नूनवनी २०२३ सँ ग्रानह... नि
नवल स्थील

<http://videha.co.in/> विदेह: प्रथम मैथिली याञिक व्ही-यत्रिका
ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) यन।

-गजब्रु ०।कून, सम्यादक विदेह, whatsapp no

+919560960721 HTTP://VIDEHA.CO.IN/ ISSN 2229-
547X VIDEHA

१

विदेहक "साहित्यिक प्रष्टाचान विषयांक"

विदेह "साहित्यिक प्रष्टाचान विषयांक" लल निम्नलिखित विषययन
आलख व्ही-मल editorial.staff.videha@gmail.com यन
आर्मंत्रिण अञ्चि।

१. साहित्य, कला आ सनकानी अकादमी-
(क) प्रनस्रानक नाजनीगि
(ख) सनकानी अकादमीम येसवाक गअन-लाकगांत्रिक विधान
(ग) सफागुट आ अकादमी कन काज कनवाक गनीका
(घ) सनकानी सफाक छद्म विनाधम उयजल गाकालिक समानांगन सफाक

कार्ययद्धिनि

- (ढ) अकादमी यूनसुननम याळ्ळु रूकुनः मिथक वा यथार्थ
२. बृकिगग साहिय संसुनन आ यूनसुननक नाजनीगि
३. प्रकाशन जगगम यसनल प्रशुचान आ लखक
४. मैथिलीक ङुङ्ग लखक संगुनन आ उकन यदाधिकानी सवहक
आचनन

ग. सुल-कॉलजक मैथिली त्रियगम यसनल साहियिक प्रशुचानक त्रिध
नूय-

- (क) याधुक्रम
(ख) अधुयन-अधुयन
(ग) नियुकि

ङ. साहियिक यप्रकानिग, निबू मंन-माला-माळ्ळु आ लकार्यधक खल-
गमाशा

१. लखक सवहक जन्म-मनन शगार्षी कन चूनान , केलंतुनननद आ
गकना याङ्कुक नाजनीगि
८. दलित अंनं लखिका सवहक संगुनन रुद-रान आ उकन (शाषधक
त्रिध गनीका

९. काना आन त्रिषया

६

विदेह व्रॉतुकासु लिसु

विदेह WWW.VIDEHA.CO.IN सम्वन्धी सूचना लल अ्यन whatsapp नम्वन हमन whatsapp no +919560960721 यन य013, उाकन प्रयाग माप्र विदेह सम्वन्धी समाचान दवाक लल कअल जाअग।

-गजद्व 01कन, सम्यादक विदेह, whatsapp no +919560960721 HTTP://VIDEHA.CO.IN/ ISSN 2229-547X VIDEHA

मैथिली आ मिथिलासँ संवांधिग किछू मूअ्य साँदर:- आन लिंकक विषयम सूचना editorial.staff.videha@gmail.com कँ ँी मलसँ य01वी।

<http://www.videha.co.in/> ("विदेह" प्रथम मैथिली याञिक ँी यप्रिका)

<http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> (ँरननरयन मैथिली

राषाक प्राचीनम उयस्रिगि/ मैथिलीक यहिल ब्लॉग- मैथिली राषा ब्लॉगक अश्री(गरन, १ शलाँ २००४)

<http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> (ँरननरयन मैथिली

राषाक प्राचीनम उयस्रिगि/ मैथिलीक यहिल ब्लॉग- मैथिली राषा ब्लॉगक अश्री(गरन, १ शलाँ २००४)

रालसनिक गाछ ऊ सन २००० सँ यादूसिटीजयन ँल http://www.geocities.com/.../bhalsarik_gachh.html, <http://www.geocities.com/ggajendra> आदि लिंकयन आ

अखना ग जलाळ २००४ क यासु <http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> (किछ दिन लल <http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> लिंकयन, आग wayback machine of https://web.archive.org/web/*/videha 258 capture(s) from 2004 to 2016- <http://videha.com/> रालसनिक गाछ-प्रथम मैथिली ब्लॉग / मैथिली ब्लॉगक अश्री(गटन)कन नूयम ऑनरनरयन मैथिलीक प्रचीनगम उयसुगिक नूयम विद्यमान अछि। ओ मैथिलीक यहिल ऑनरनर यत्रिका थिक जकन नाम वादम १ जनवनी २००६ सँ "विदेह" यओलै ऑनरनरयन मैथिलीक प्रथम उयसुगिक यात्रा विदेह- प्रथम मैथिली यात्रिक ओ यत्रिका धनि यद्वल अछि, ज <http://www.videha.co.in/> यन ओ प्रकाशित हाओंग अछि। आव "रालसनिक गाछ" जालवृफ 'विदेह' ओ-यत्रिकाक प्रवक्ताक संग मैथिली राषाक जालवृफक अश्री(गटन)क नूयम प्रयूक रस नदल अछि। विदेह ओ-यत्रिका ISSN 2229-547X VIDEHA यल्लवमिथिला (धीनद्ध प्रमर्षि) २०१६ माघ संक्रान्ति- २००३ जनवनी मैथिलीक दासन ऑनरनर यत्रिका अछि ज ओ लिंक www.pallavmithila.mainpage.net यन छल मूदा आव ओ उयलब नै अछि। ओ टियधी मात्र ओगिहास शुद्धता लल अछि।

.....
<http://videha-aggregator.blogspot.com/> (मैथिली राषा ब्लॉगक अश्री(गटन))

<http://www.videha.com/> (ऑनरनरयन मैथिली राषाक सरसँ यनान उयलब उयसुगि/ लाकाप्रिय ब्लॉग- मैथिली राषा ब्लॉगक अश्री(गटन) ग जलाळ

२००४ www.gajendrathakur.blogspot.com)

<http://esamaad.blogspot.com/> (युक्त मंजुल आ प्रियंका साक यहिल मैथिली यूज यटल, ६ अगस्त २००४ सँ)

<http://prakarantar.blogspot.com/> (प्रकारान्तर्गत मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग, रून्वनी २००९)

<http://vidyapati.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग, अगस्त २००९)

<http://www.vidyapati.org/> (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग, अगस्त २००९)

<http://hellomithila.blogspot.com/> (दुल्ला मिथिला- धीन्द्र प्रमर्षि, सथादक-प्रकाशक, नूया मा, सथादन सहयोग, यल्लव, मैथिली साहित्यिक, ३ मर्ळ २००६)

<http://pallav.blogsome.com/> (दुल्ला मिथिला- धीन्द्र प्रमर्षि, सथादक-प्रकाशक, नूया मा, सथादन सहयोग, यल्लव, मैथिली साहित्यिक, ११ मर्ळ २००६)

<http://hellomithilaa.blogspot.com/> (मैथिली ग्रूज यार्टल, सिगसुन २००१)

<http://www.hellomithila.com/> (मैथिली ग्रूज यार्टल, सिगसुन २००१)

<http://shampadak.wordpress.com/> (मैथिली ग्रूज यार्टल, जनवनी-रून्वनी २००६)

<http://www.esamaad.com/> (मैथिली ग्रूज यार्टल, जनवनी-रून्वनी २००६)

<http://hellomithilaa.wordpress.com/>

<http://premarshi.wordpress.com/> (धीन्द्र प्रमर्षि)

.....

<http://anchinharakharkolkata.blogspot.com/> (मैथिलीक लोकप्रिय गजलक ब्लॉग)

<https://mithilastudentunion.com/> (Mithila Student Union)

.....

<https://vigyanprasar.gov.in/vigyan-ratnakar/> (विज्ञान न्नाकन)

JNU

<http://sanskrit.jnu.ac.in/maithili/index.jsp>

http://sanskrit.jnu.ac.in/student_projects/lexicon.jsp?lexicon=maithili

.....

ALL INDIA RADIO DOORDARSHAN आकाशवाणी दूरदर्शन

<http://prasarbharati.gov.in/>

<http://newsonair.com/>

<https://doordarshan.gov.in/>

आकाशवाणी मैथिली याउकार <http://prasarbharati.gov.in/podcast.php?filterlang=Maithili&from=1947-08-15&fromwp=2020-08-29&to=2050-12-31&search=GO>

आकाशवाणी यटना/ दनरंगा मैथिली नञ्जल ग्रज टकर उअनलाउ-1 <http://newsonair.com/RNU-NSD-Audio-Archive-Search.aspx>

आकाशवाणी यटना/ दनरंगा मैथिली नञ्जल ग्रज टकर उअनलाउ-2 <http://newsonair.com/Regional-Text.aspx>

आकाशवाणी दनरंगा <http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=282>

आकाशवाणी दनरंगा यु यूव वेनल <https://www.youtube.com/channel/UCGdNveEFmv4pPolWiTEMxVA>

आकाशवाणी रागलयन <http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=359>

आकाशवाणी युधियाँ <http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=256>

आकाशवाणी यटना <http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=122>

ALL INDIA RADIO ENGLISH NEWS

ALL INDIA RADIO NEWS ARCHIVE

ALL INDIA RADIO TALKS AND CURRENT AFFAIRS

RAJYA SABHA TV NEWS DISCUSSIONS

SANSAD TV

VIDEHA e-LEARNING YOUTUBE CHANNEL

<https://www.youtube.com/@videha-elearning>

Videha Read Aloud Talking Maithili Audio Books (including Maithili Sign Language- Ist time in Maithili)

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

.....

<http://bramhanews.blogspot.com/> (मैथिली समाचान)

<http://www.mithilakhabar.com/> (नयालक मैथिली स्त्री यपिका)

<http://mithilaneews.com/>

<http://www.maithilineews.blogspot.com/> (मिथिला आ मैथिलीक समाचानक साइट)

<http://www.hamargam.in/> (मैथिली यूज यर्टल)

<http://mithiladotcom.blogspot.com/> (मैथिली नाट्टीय दैनिक)

<https://mppdainik.com/> (मैथिल यलजांगनध प्रकाश, मैथिली दैनिक)

<http://mithilasamad.blogspot.com/> (मिथिला समाद, मैथिली दैनिक)

<http://janakpurnews.blogspot.com/> (मिथिला आ मैथिलीक समाचानक साइट)

<http://www.mithilalok.com/> (मैथिली यूज यर्टल)

<http://mithimedia.blogspot.com/> (मैथिली यूज यर्टल)

<http://www.mithimedia.com/> (मैथिली यूज यर्टल)

<https://mithiladharohar.blogspot.com/> (मैथिली यूज यर्टल)

<https://simanchal.com/> (मैथिली यूज यर्टल)

<https://maithilijindabaad.com/> (मैथिली यूज यर्टल)

.....

<https://kirtinath.blogspot.com/> (कीर्तिनाथ मा वृत्त)

<http://jct27novmaithili.blogspot.com/> (ऊगदीश चन्द्र 0कून "अनिल" क ब्लॉग)

<http://brikhesh.blogspot.com/> (वृषभ चन्द्र लाल)

<http://www.chetnasamiti.org/> (बाना समिति, यटनाक क्वसाइट)

<http://shiva-pustak-bhandar.blogspot.com/> (मैथिली याथी कानू)

<https://mishrarn.blogspot.com/> (खनसँ साँस खनि)

<https://rjanakpuri.blogspot.com/> (साहित्ययूनी)

<http://bataahmaithil.in/>

<http://maithilpravahika.org/>

<http://ganeshbawra.blogspot.com/>

<http://maithilnews.com/>

<http://anandjhakavitakahani.blogspot.com/>

<http://chaaywala.blogspot.com/>

<http://maithilputr.blogspot.com/>

<http://maithilputramanu.blogspot.com/>

<http://mithilanchalpatrika.blogspot.com/>

<http://mithilakbat.blogspot.com/>

<http://maithilitimesonline.blogspot.com/>

<http://mithilavidehavajjitirhut.blogspot.com/>

<http://samadiya.blogspot.com/>

<http://jitumaithili.blogspot.com/>

<http://pratipadamaithili.blogspot.com/>

<http://bhatsimar.blogspot.com/>

<http://maithilirangmanch.blogspot.com/>

<http://www.mithilavaani.blogspot.com/>

<http://www.maithilisongsjagat.co.in/>

<http://mithilablog.com/>

<http://www.lahakchahak.com/>

<http://www.jaimithila.com/>

<http://www.dahejmuktmithila.org/>

<http://mithilavaani.blogspot.com/>

<http://www.chamundanagarpachahi.com/>

<http://kisunsankalplok.wordpress.com/>

<http://www.kisunsankalplok.co.nr/>

<http://maithilisongshub.blogspot.com/>

<http://www.rajnipallavi.com/>

<https://maithilinesnetwork.com/>

<https://mithilamirror.com/>

<https://www.emithila.in/>

<http://csts.org.in/> (CSTS)

<http://www.samaysaal.com/> (समय साल)

<https://www.maithili.org.in/> (नाशन चौधरी)

<https://doorvaksata.org/> (मिशन दूर्वाङ्गा)

<http://mithilaksharshikshaabhiyan.in.net/> (मिथिलाऊन शिक्षा अरियान)

<http://mithilakshar.in/> (मिथिलाऊन शिक्षा अरियान)

<https://missionmithilakshar.blogspot.com/> (सिडिनक्- मिशन मिथिलाऊन लिये)

<https://mithilani.in/> (मिथिलानी)

<https://www.maithilmanch.in/> (मैथिल मंच)

<http://madhubani.co.in/>

<http://www.premkumarmallik.com>

<http://apandalan.wordpress.com/>

<http://www.mithilaworld.tk/>

<http://www.mithilachowk.com/>

<http://maithilisongsgeet.blogspot.com/>

<http://rayprabhatbhatt.blogspot.com/>

<http://amitmohanjha83.blogspot.com/>

<https://maithilisthasthyaparicharcha.blogspot.com/> (मैथिली स्वास्थ्य यनिवर्चा- नमाकन चौधरीक ब्लॉग)

<http://maithili-darpan.blogspot.com/> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://mithilatol.blogspot.com> (मिथिलाराल मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://maithilicinema.blogspot.com/> (मैथिली फिल्म)

<http://maithilifilms.blogspot.com/> (मैथिली फिल्म)

<http://maithili-drama.blogspot.com/> (विदेह मैथिली नाच उपन- वचन ओकनक ब्लॉग)

<http://mjnk.co.cc/> (मैथिली जनकयन ग्रुप, गनाबली मॉडल, मिथिला रूढ्यमंथन)

<http://www.TeraiNepal.co.cc/> (गैनाबली नयाल मिथिला जनकयन मध्यम हलवाल Anytime Anywhere see)

<http://maithilaurmithila.blogspot.com/> (मैथिलक आ मिथिलाक लाकप्रिय ब्लॉग)

<https://www.mithiladainik.in/> (मिथिला दैनिक)

<http://www.mithilaamanch.blogspot.com> (मिथिला मंच)

<http://maithilisong.blogspot.com/> (मिथिला आ मैथिलीक समाचानक ब्लॉग)

<http://maithilifoundation.blogspot.com/> (मैथिली रूढ्यमंथन)

<http://maithilibhasha.blogspot.com/> (काथय कमलक ब्लॉग)

<http://rkjteoth.blogspot.com/> (नूयण कृमान सा "ग्रंथ"क ब्लॉग)

<http://paraati.blogspot.com/> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://singarhaar.blogspot.com/> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://vaachik.wordpress.com/> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://mithilainfo.blogspot.com> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://mithlasamachar.blogspot.com> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://pilakhwar.blogspot.com/> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://desilbayna.blogspot.com/> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://maithilynjha.blogspot.com/> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://gaam-ghar.blogspot.com/> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://mithila-mihir.blogspot.com/> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://www.maithililekhaksangh.blogspot.com/> (मैथिली लेखक संघक जालस्थल)

<http://www.maithili.co.uk/> (मिथिला कवचनल (मैथिलीक जर्नल, यू.के.))

<http://minapjanakpur.org/> (मिनाय, जनकपुर)

<http://www.airdarbhanga.org/> (आकाशवाणी दरभंगाक साइट)

<http://mithilangan.org/> (मिथिलांगनक साइट)

<http://www.desilbayana.com/> (दसिल वयना, हेदनावाद)

<http://www.vnym.in/> (विद्ययणि मैथिल यूवा मंच)

<http://www.jaimithila.com/> (मिथिलाक सभ्या, संस्कृति, विरूपि, गीत-संगीत आ वरुण नास जानकारीक लल)

<http://sobhagamithilatv.com/> (सोभय मिथिला- यदिल मैथिली चैनल)

<http://kashyap-mithila.blogspot.com/>

<https://kashyapartschool.wordpress.com/> (कृष्ण कुमान कथय आ शशिवालाक साइट)

<http://mithilapaintingtraining.blogspot.com/>

<http://dularuababumaitilifilm.blogspot.com/>

<http://senuraklaajmaithilifilm.blogspot.com/>

<http://maithlivideosongs.blogspot.com/>

<http://kalikantjhabuch.org/> (काली काँच सा "वृव")

<http://saketanands.blogspot.com/> (साकैतानन्दजीक जालवृद)

<http://gunjang.blogspot.com/> (गुंजलजीक जालवृद)

<http://darihare.blogspot.com/> (थाम दनिहरेक जालवृद)

<http://deoshankarvin.blogspot.com/> (दवर्षकन नवीनक जालवृद)

<http://www.udayanarayana.com/> (नदिकाराक साइट)

<http://www.indianembassy.org.np/> (रानगीय दूतावास नयाल)

<http://www.purvottarmaithilsamaj.com/> (पूर्वोत्तम मैथिल समाज)

<http://www.purvottarmaithil.blogspot.com/> (मिथिला सांस्कृतिक समन्वय समिति प्रेमासिक यत्रिका)

<http://apanmithladhaam.blogspot.com/>

<http://maithilikavita.blogspot.com/>

<http://pankajjha23.blogspot.com/>

<http://maithili-haiku.blogspot.com/>

<http://manak-maithili.blogspot.com/>

<http://mithiladay.org/>

<http://dsal.uchicago.edu/lsi/> (Linguistic Survey of India, Gramophone recordings)

<http://dsal.uchicago.edu/lsi/taxonomy/term/1718> (Linguistic Survey of India, Gramophone recordings, Maithili)

<http://music2.cooltoad.com/music/category.php?id=10576>

<http://maithiliacademy.org/>

<https://maithiliacademybihar.org/> (मैथिली अकादमी, यटना)

मैथिली राजपूनी अकादमी, दिशी

http://artandculture.delhigovt.nic.in/wps/wcm/connect/doiit_art/Art+Culture+and+Language/Home/Maithili-Bhojpuri+Academy/

<http://maithili.sourceforge.net/>

<http://ansiss.org/>

<http://fedoraproject.org/>

<https://fedorahosted.org/fuel/wiki/fuel-maithili>

<http://l10n.gnome.org/teams/mai>

<http://translate.fedoraproject.org/languages/mai>

<http://www.biharlokmanch.org/> (मिथिला-मैथिली यथी नानाङ्गन कीनु)

http://www.biharlokmanch.org/mithila_products_online.php (Buy Mithila-Maithili books online)

<http://mithila-haat.com/> (Buy Mithila-Maithili books/ other materials online)

<http://www.antikaprakashan.com/> (अंगिका प्रकाशनक साइट- मैथिली प्रकाशन)

<https://shashiprakashan.blogspot.com/> (शशि प्रकाशन- - मैथिली प्रकाशन)

<https://pallavipublication.blogspot.com/> (पल्लवी प्रकाशन- - मैथिली प्रकाशन)

<http://www.navarambh.com/> (नवानभ- - मैथिली प्रकाशन)

<http://www.gorkhapatra.org.np/>

<http://www.sajha.org.np/>

<http://www.kantipuronline.com/>

<http://mithilahyd.org/>

<http://www.jyoticonsultant.com/> (मैथिलक नोकरी जॉट कॉम)

<http://www.mithilamanthan.com/>

<http://www.brandbihar.com/>

<http://www.biharbrains.org/>

<http://maithilijokes.blogspot.com/>

<http://www.rdo91fm.blogspot.com/>

<http://www.kfm961.com/> (दुल्ला मिथिला कार्यक्रम प्रथक अनिक नयाली समयानूसान नागि ९.३० वजसँ ११ वजसनि आ नाजनीगिक विषयवक्यन कडिग चोवटिया कार्यक्रम प्रथक सामक नागि १० सँ ११ वजसनि प्रसानढ)

<http://www.radiokantipur.com/> (दुल्ला मिथिला कार्यक्रम प्रथक अनिक नयाली समयानूसान नागि ९.३० वजसँ ११ वजसनि आ नाजनीगिक विषयवक्यन कडिग चोवटिया कार्यक्रम प्रथक सामक नागि १० सँ ११ वजसनि प्रसानढ)

<http://www.jump.tv/en/channel/nepal1/> (नयाल टी.वी.-जन्म टी.वी. मैथिली कार्यक्रम सूचना)

<http://janakifm.org.np/> (जानकी अरु.अम., मैथिली समाचान त्रिथिया)

<http://www.mithilaradio.com/> (मैथिली त्रिथिया)

<http://www.youtube.com/user/Janakifm> (जानकी अरु.अम., मैथिली समाचान त्रिथिया Youtube channel)

<http://www.radiomithila.org/> (मैथिली त्रिथिया)

<http://www.appanmithila.org/> (त्रिथिया अथन मिथिला ९४.४ MHZ)

<http://www.janakipurtoday.com.np/>

<http://madanpuraskar.org/>

<http://www.madheshuk.org/> (असौमिअणन ँर नयाली मअसीऊ ड्लन यू.क.)

<http://www.mithilaart.com/> (श्रीमणि प्रया माक साइट)

<http://www.mithilavihar.com/>

<http://www.sugatisopan.com/>

<http://www.maithilsamaj.org.in/>

<http://www.maithilsamaj.com/>

<http://www.janakpurbcity.com/>

<http://www.janakpur.com.np/>

<http://home.att.net/~maithils/>

<http://shyamprakashjha.com/>

<http://ramanathjha.com/>

<http://www.ramajha.com/>

<http://sudhakar.co.in/maithili>

<http://www.maithils.net/>

<http://www.getpredictiononline.com/>

<http://www.bihartimes.com/>

<http://www.bihar.ws/>

<http://www.patnadaily.com/>

<http://www.krraman.blogspot.com/>

<http://www.adi-maithili-kavita.blogspot.com/>

<http://www.mithilasevasamiti.blogspot.com/>

<http://www.jankitoday.blogspot.com/>

<http://opjha.blogspot.com/>

<http://chitthajagat.in/> (दवनागनी लिपिक ब्लॉगक अग्री(गटन))

<http://mailorang.blogspot.com/> (मेलानंग नाथ संस्थाक ब्लॉग)

<http://mailorang.in/> (मेलानंग)

<http://mailorang.com/> (मेलानंग)

<http://vandanageet.blogspot.com/>

<http://www.darbhangaraj.blogspot.com/>

http://mithila_samachar.tripod.com/mithilasamachar/ (मिथिला आ मिथिलीक समाचानक साइट)

<http://www.ciilcorpora.net/maisam.htm>

<http://www.ildc.in/Maithili/MIindex.aspx> (मिथिली अज्ञान आ द्रोह)

<http://www.mithilaarts.com/>

<http://www.mithilapainting.org/>

<http://www.maithili.net/> (मिथिला-मिथिल-मिथिलीक लाकप्रिय साइट)

<http://www.mithilaonline.com/> (मिथिला-मिथिल-मिथिलीक लाकप्रिय साइट)

<http://www.onlinemithila.in/> (मिथिला-मिथिल-मिथिलीक लाकप्रिय साइट)

<http://www.nnl.gov.np/>

<http://www.nepalacademy.org.np/>

<http://www.karnagoshthi.org/>

<http://surmasti.com/>

<http://www.maithiliworld.com/>

<http://www.mithila-museum.com/aboutMM/Eindex.html>

<http://www.tribhuvan-university.edu.np/>

<http://www.swastifoundation.com/> (स्वस्ति रूडभुवनक साइट)

<http://foundationsaarcwriters.com/>

<http://www.opmcm.gov.np/>

<http://www.moe.gov.np/> (नेपाल सनकानक साइट)

<http://lnmu.bih.nic.in/>

<http://gov.bih.nic.in/> (विहान सनकानक साइट)

<http://www.india.gov.in/>

<http://rajbhasha.nic.in/>

<http://www.hindinideshalaya.nic.in/>

<http://themithila.tripod.com/>

<http://www.mithilaconnect.com/>

<http://www.esabha.net/> (मैथिल विवाहक साइट)

<http://www.maithilivivah.com/> (मैथिल विवाहक साइट)

<http://www.kanyadan.net/> (मैथिल विवाहक साइट)

<http://www.maithilbrahminvivahbandhan.org/> (मैथिल विवाहक साइट)

<http://www.mithilashaadi.com/> (मैथिल विवाहक साइट)

<http://www.kalyanifoundation.org/>

<http://www.madhubani.com/>

<http://www.janakpur.org/>

<http://www.darbhangafriends.com/>

<http://www.hindisansthan.org/>

<http://www.biharassociation.net/>

<http://www.nationallibrary.gov.in/> (बनल लाइब्रेरी कालकाण)

<http://dpl.gov.in/> (दिल्ली यंत्रिक लाइब्रेरी)

<http://www.connemarapubliclibrarychennai.com/> (कनमना यंत्रिक लाइब्रेरी)

<http://rrrlf.nic.in/> (नाजा नाम मदन नाय लाइब्रेरी राउउभन)

<http://www.sahitya-akademi.gov.in/> (साहित्य अकादमीक साइट)

<http://www.nbtindia.org.in/> (बनल क्व ड्रमक साइट)

<http://www.csuchico.edu/anth/mithila/>

<http://web.mac.com/nadjagrimm/iWeb/JWDC/Mithila%20Art%20.html>

<http://www.southasianist.info/india/mithila/index.html>

<http://www.mithilalive.com/>

http://www.ethnologue.com/show_language.asp?code=mai

<http://linguistlist.org/forms/langs/LLDescription.cfm?code=mai>

<http://www.languageshome.com/English-Maithili.htm>

<http://www.rosettaproject.org/archive/mai>

<http://www.nepal.gov.np/>

<http://maithili-mp3-songs.folkmusicindia.com/>

<http://www.ciil.org/> (राष्ट्रीय भाषा सम्मानक साइट)

<http://www.ciilibrary.org/>

<http://www.lisindia.net/Maithili/Maithili.html>

http://www.ntm.org.in/languages/maithili/default_maithili.asp (राष्ट्रीय अनुवाद मिशन)

<http://www.samsung.com/in/news/localnews/2012/tagore-literature-awards-bring-together-india-best-literary-talent> (TAGORE LITERATURE AWARD)

<http://www.samsung.com/in/news/localnews/2011/samsung-felicitates-the-winners-of-tagore-literature-awards-2010> (TAGORE LITERATURE AWARD)

<http://www.samsung.com/in/Tagore-Awards/index.html> (TAGORE LITERATURE AWARD)

<http://jnanpith.net/> (राष्ट्रीय ज्ञानपीठक साइट)

<http://bparishad.in/> (राष्ट्रीय भाषा यनिषद, कलकत्ताक साइट)

<http://www.bharatiyabhashaparishad.com/> (राष्ट्रीय भाषा यनिषद, कलकत्ताक वागर्थ)

<http://www.themanbookerprize.com/> (मैन-वूकरन पुस्तकानक साइट)

<http://www.commonwealthfoundation.com/> (कॉमनवेल्थ फाउण्डेशन साइट)

<http://www.crossword.in/> (वाक्य-क्रॉसवर्ड साइट)

<http://www.pulitzer.org/> (पुलित्जर पुरस्कार साइट)

<http://nobelprize.org/> (नोबेल पुरस्कार साइट)

<http://www.goakonkaniakademi.org/akademi/aims.htm> (गोवा कोंकणी अकादमी साइट)

<http://www.museindia.com/>

<http://www.asiawrites.org>

<http://indianorway.wordpress.com/>

<http://samanvayindianlanguagesfestival.org/>

<http://jaipurliteraturefestival.org/>

<http://dscprize.com/>

<http://www.hindu.com/lr/2011/04/03/stories/2011040350010100.htm>

<http://southasianlitfest.com/>

<http://www.varnamala.org/>

<http://india.poetryinternationalweb.org/>

<http://www.fortunecity.com/victorian/charcoal/49/>

<http://www.tarainews.com.np/>

VIDEHA IST MAITHILI FORTNIGHTLY EJOURNAL ARCHIVE

<http://videha-archive.blogspot.com/>

विदेहग्रथम मैथिली याञिक ङ्गी यपिका मैथिली याथीक आर्काङ्ग

<http://videha-pothi.blogspot.com/>

विदेहग्रथम मैथिली याञिक ङ्गी यपिका ँडिया आर्काङ्ग

<http://videha-audio.blogspot.com/>

विदेहग्रथम मैथिली याञिक ङ्गी यपिका वीडिया आर्काङ्ग

<http://videha-video.blogspot.com/>

विदेहग्रथम मैथिली याञिक ङ्गी यपिका मिथिला चिपकला, आञ्चनिक कला आ चिपकला

<http://videha-paintings-photos.blogspot.com/>

विदेह ङ्गी-यपिकाक सरटा यूनान अंक Videha e journal's all old issues

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha/>

विदेह ङ्गी-यपिकाक यदिल १० अंक

<https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archive-part-i/>

विदेह ङ्गी-यपिकाक १०म सँ १४९ म अंक

<https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archive-part-ii/>

विदेह ङ्गी-यपिकाक ११०म आ आगाँक अंक

<https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archive-part-iii/>

मैथिली याथी डाउनलाड Maithili Books Download

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-pothi>

मैथिली ँडिया संकलन Maithili Audio Downloads

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-audio>

मैथिली वीडियोक संकलन Maithili Videos

<http://sites.google.com/a/vidaha.com/vidaha-video>

मिथिला चित्रकला/ आधुनिक चित्रकला आ चित्र Mithila Painting/ Modern Art and Photos

<http://sites.google.com/a/vidaha.com/vidaha-paintings-photos/>

सगन नागि दीय जनय

<http://sagarraatideepjaray.blogspot.com/>

<http://sagarraatideepjaray.wordpress.com/>

विदरु मैथिली क्विज :

<http://videhaquiz.blogspot.com/>

विदरु मैथिली जालनुप अग्रिगटन :

<http://videha-aggregator.blogspot.com/>

विदरु मैथिली साहित्य अंग्रेजीम अनूदिा

<http://madhubani-art.blogspot.com/>

विदरुक युर्व-नूय "सालसनिक गाछ" :

<http://gajendrathakur.blogspot.com/>

विदरु व्ठुक्क :

<http://videha123.blogspot.com/>

विदरु खाल्ल :

<http://videha123.wordpress.com/>

Maithili Sign Language- यद्विल मैथिली संकाग लियि क्वांग

<https://maithili-sign-language.blogspot.com/>

विदह ब्राह्मी- ब्राह्मी लिपिम मेथिलीक यदिल ब्लाग

<https://maithili-brahmi.blogspot.com/>

विदह खनाही- खनाही लिपिम मेथिलीक यदिल ब्लाग

<https://maithili-kharoshthi.blogspot.com/>

विदह कैथी लिपिम- मेथिलीक कैथी लिपिम यदिल ब्लाग

<https://maithili-kaithi.blogspot.com/>

विदह नवाडी लिपिम- मेथिलीक नवाडी लिपिम यदिल ब्लाग

<https://maithili-newari.blogspot.com/>

विदह आइ.पी.ए. लिपिम- मेथिलीक आइ.पी.ए.म यदिल ब्लाग

<https://maithili-ipa.blogspot.com/>

विदह- उर्दू नफालिक लिपिम मेथिलीक यदिल ब्लाग

<https://maithili-urdu.blogspot.com/>

विदह- तिब्बती लिपिम मेथिलीक यदिल ब्लाग

<https://maithili-tibetan.blogspot.com/>

विदह: सदह : यदिल पिनह्या (मिथिलाऊन) जालवृफ (ब्लाग)

<http://videha-sadeha.blogspot.com/>

विदह:ब्रल: मेथिली ब्रलम: यदिल वन विदह ब्राना

<http://videha-braille.blogspot.com/>

विदह गूगल-ग्रुप

<https://groups.google.com/g/videha>

विदेह रसवृक्ष श्रृंखला

<https://www.facebook.com/groups/7436498043>

<https://www.facebook.com/groups/10299304978>

<https://www.facebook.com/groups/vidaha>

गजेंद्र ठाकुर ब्लॉग

<http://gajendrathakur123.blogspot.com>

मंगल गुरुवा

<http://mangan-khabas.blogspot.com/>

Videha Radio विदेह मधुबनी-मिथिली कथा-कविता आदिक यद्विल याउकास सल्लट

<http://videha123radio.wordpress.com/>

<http://videha.listen2myradio.com/>

विदेह मिथिली नाच उमर

<http://maithili-drama.blogspot.com/>

समदिया

<http://esamaad.blogspot.com/>

मिथिली फिल्म

<http://maithilifilms.blogspot.com/>

मिथिली हाकु

<http://maithili-haiku.blogspot.com/>

मानक मैथिली

<http://manak-maithili.blogspot.com/>

विहनि कथा

<http://bihanikatha.blogspot.com/>

मैथिली कविता

<http://maithili-kavita.blogspot.com/>

मैथिली कथा

<http://maithili-katha.blogspot.com/>

मैथिली समालोचना

<http://maithili-samalochna.blogspot.com/>

Maithili Literature in English

<http://madhubani-art.blogspot.com/>

पिनड्या- कोथी खोंछ/ मैथिल ब्राह्मणक यज्ञी आधानि छगिहस

https://deepblue.lib.umich.edu/bitstream/handle/2027.42/110341/pandey_1.pdf?sequence=1 (उपन-विहानक मैथिल ब्राह्मण आगि)

<https://www.unicode.org/L2/L2009/O9329-maithili.pdf> (यूनीकाउ पिनड्या खोंछ लल आवदन ३० सिपसुन २००९- विददक सहयोग)

<https://www.unicode.org/L2/L2011/11175r-tirhuta.pdf> (यूनीकाउ पिनड्या खोंछ लल आवदन १ मल्ली २०११- विददक सहयोग)

<http://www.tirhotalipi.4t.com/> (दवनागनी-पिनड्या खोंछ- वचन आधानि)

<http://www.anujha.co.cc/> (दवनागनी यूनीकाउ आधानि पिनड्या खोंछ-मिथिला)

"विकीथिउिया"म मैथिली

<http://translatewiki.net/wiki/Project:Translator>

http://meta.wikimedia.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili

<http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai>

<http://incubator.wikimedia.org/wiki/Wp/mai>

<http://translatewiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/mai>

अगिम याँचू साँट विकी मैथिली प्रकृतक अछि। अदि लिंक सरयन जा कय प्रकृतक आगाँ वढाऊ।

यूनिक्वॉट गिनहूँ दोंद, "विकीपीडिया"म मैथिली आ आव मैथिली "गूगल ट्रांसलट"म सखा अगिला लक "अमजन अलखा"

गूगल ट्रांसलट

गूगल ट्रांसलटक लिंक

<https://translate.google.com/?sl=en&tl=mai&op=translate>

गूगल ट्रांसलटक आन यूट कनवाक खगा छै गहूँ लल अगिला काज अछा नदल छी:

<https://translate.google.com/about/contribute/>

[Crowdsourcing Maithili Community](#)

[Please fill the form](#)

Next Step

Download the Crowdsourcing app from android play store and start contributing

or go to web on the following link for contributing:

<https://crowdsourcing.google.com/about/>

Crowdsourcing by Google is a gamified platform that empowers users to directly train Google's artificial intelligence systems and make Google products work equally well for everyone, everywhere.

ग्रान्त:

विकीपीडिया ०१ दूनवनी २००८ लिंक

<https://books.google.co.in/books?id=VC-BD5Ad6z4C&lpg=PA1&pg=PA1#v=onepage&q&f=false> (मैथिली दूननागनी)

<https://books.google.co.in/books?id=cTezCU59bJwC&lpg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false> (मैथिली गिनहूँ)

<https://books.google.co.in/books?id=3zKudz6wA08C&lpg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false> (मैथिली ब्रल)

गूगल ट्रांसलट २३ दून २०११क लिंक

<https://www.facebook.com/groups/vidaha/permalink/138489416229195/>

गूगल ट्रांसलेशन टूलम

"विद्धानी" रायाक वदलाम मैथिली लल अलग ट्रांसलेशन टूल वन्वाक आवदन विद्वक सदस्यगढ झाना दल गेल अछि। अयन यागदान गूगल ट्रांसलट लल कनु, आ कअल सन्धादन वदलवा काल कानध म (अंग्रेजीम) "विद्धानी" नाम्ना काना राया ने ह्वाक चर्वा कनु। उ लिंकयन अनुवाद कनु; गूगल अकाउंटसँ लॉग इन कलाक वाद ।

<http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseProject>

<http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseActivity?project=gws&langcode=bh> (link closed)

मिथिलाऊन (गिनह्या) खँह लल आवदन ३० सितम्बर २००६ आ रुन संस्थापिण आवदन १ मध्नी २०११ कँ श्री अंशुमन या(भुय झाना दल गेल आ दनु वन अम विद्वक सदस्यगक वर्धन रला। ११ जनकँ श्री अंशुमन या(भुय अकन स्त्रीकृगिक सूचना विद्वक रुसवक श्रययन दलनि। आव छी खँह वनि कऽ गेयान अछि आ नौचौक लिंकयन उठनलाउ लल उपलब्ध अछि।

[गिनह्या, नवाउी आ कैथी खँह उठनलाउ Google's Noto Fonts project/ GitHub](#)

गिनह्या नवा खँह	कैथी अटीअरु	कैथी टीटीअरु	नवाउी अटीअरु	नवाउी टीटीअरु
-----------------	-------------	--------------	--------------	---------------

<https://fonts.google.com/> (Google Open Fonts download)

Tirhuta Offline Keyboard download

Keyman Tirhuta/ Vedic Devanagari Keyboards Download

<https://malarproject.gitlab.io/tirhuta> (Tirhuta Keyboard Online)

https://keymanweb.com/?_ga=2.7155890.1818820209.1675749426-2042013574.1675749426#mai-tirh,Keyboard_tirhuta

https://keymanweb.com/?_ga=2.241635586.1818820209.1675749426-2042013574.1675749426#mai-tirh,Keyboard_malar_tirhuta

<https://aksharamukha.appspot.com/converter> (Script/ Website Converter)

<https://aksharamukha.appspot.com/keyboards> [Input (IME)]

<https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts> (fonts- opensource)

<https://www.cdac.in/> (Tirhuta/ Unicode Typing Tool)

अमजन अलम्ना मैथिली (श्रीम्र....)

किद्ध मैथिली विकियिडिया यजक लिंक:

विदह (यपिका) <https://mai.wikipedia.org/s/kgv>

ःःःःःःः संसानम मेथिली राषा <https://mai.wikipedia.org/s/s6h>

ःःःःःः गःः <https://mai.wikipedia.org/s/ipm>

विदह <https://mai.wikipedia.org/s/ie1>

विदहक रःःःः रःःः <https://mai.wikipedia.org/s/iu1>

विदह सःःः <https://mai.wikipedia.org/s/jc2>

विदह आःःः <https://mai.wikipedia.org/s/jc0>

विदह मिथिला नः <https://mai.wikipedia.org/s/jc3>

विदह मिथिलाक सः <https://mai.wikipedia.org/s/jc4>

विदह सूःः संःः अःः <https://mai.wikipedia.org/s/jc5>

शुःः प्रःःः <https://mai.wikipedia.org/s/iu7>

अःःःः आःः <https://mai.wikipedia.org/s/ion>

मेथिली गः <https://mai.wikipedia.org/s/idz>

मेथिली ढल गः <https://mai.wikipedia.org/s/iex>

मेथिली रः गः <https://mai.wikipedia.org/s/ifi>

.....

किःः मेथिल यः, ःःः-ःःः, कःःः/ यू यू ढेःःःःःःःःःःःः (ःःःःःः)

NCERT BHASHA SANGAM

NCERT (Maithili-English-Hindi Conversations)

मेथिली-ःःः ढःःःः (३ घःः)

मेथिली (मेथिली संःः राषा सःः- मेथिलीम यःःः ढन)

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

<https://youtu.be/TebuC-lrSs8>

<https://ncert.nic.in/bs-2021.php>

SAHITYA_AKADEMI

<http://sahitya-akademi.gov.in/publications/e-books.jsp>

<http://sahitya-akademi.gov.in/general/Digitalbooks.jsp>

CIIL

<http://corpora.ciil.org/maisam.htm>

अखियासल (नमानह मा नमह)

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI1.pdf>

इआयल कनवनी- मद्दु

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI2.pdf>

प्रवण संग्रह- नमानाथ मा (वी.पी. अस. सी. सिलवस)

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI3.pdf>

सुजन कन दीय यर्व- सं कदान कानन आ अनविह Oवन

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI4.pdf>

मैथिली गद्य संग्रह- सं (बेलदु भाहन मा

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI5.pdf>

ARCHIVE.ORG (विजयदव मा)

https://archive.org/details/vijay_deo_jha

Videha Maithili eBooks/ eJournals/ Audio-Video Archive

<http://videha.co.in/archive.htm>

IGNCA

<http://ignca.nic.in/coilnet/mithila.htm>

<http://ignca.nic.in/coilnet/kalyani.htm> (MAITHILI ENGLISH DICTIONARY)

मिथिला दर्शन

<https://mithiladarshan.com/> (online pdf of Maithili journal)

गौनगुक्ति

https://archive.org/details/@teerbhukti_journal

OLE NEPAL's E-PUSTAKALAYA (<https://pustakalaya.org/en/>)

याथीक लिंक

आळ. जी. अन. सी. अ. - अ. अ. आळ. <https://ignca.gov.in/divisionss/asi-books/>

https://ignca.gov.in/Asi_data/16612.pdf (History of Navya-Nyaya in Mithila)

https://ignca.gov.in/Asi_data/42365.pdf (Studies in Jainism and Buddhism in Mithila)

https://ignca.gov.in/Asi_data/63227.pdf (Mithila in the Age of Vidyapati)

https://ignca.gov.in/Asi_data/64994.pdf (Cultural Heritage of Mithila)

https://ignca.gov.in/Asi_data/72754.pdf (Mithila under the Karnatas)

अ. अ. आळ. अंथेजी https://tspasibhopal.nic.in/assets/pdf/publication/temples_of_mithila_english.pdf

अ. अ. आळ. हिंदी https://tspasibhopal.nic.in/assets/pdf/publication/temple_of_mithila_hindi.pdf

मैथिली साहित्य संस्नान <https://www.maithilisahityasansthan.org/resources>

दर्शनीय मिथिला (मैथिली साहित्य संस्नान लिंक)

Brochure 1 (मैथिली साहित्य संस्नान लिंक)

Brochure 2 (मैथिली साहित्य संस्नान लिंक)

Brochure 3 (मैथिली साहित्य संस्मरण लिंक)

Brochure 4 (मैथिली साहित्य संस्मरण लिंक)

Brochure 5 (मैथिली साहित्य संस्मरण लिंक)

<https://bloomlibrary.org/language:mai> (ब्लूम लाइब्रेरी मैथिली)

अनियन स्रष्टा (http://www.aripanafoundation.org/)

PRATHAM BOOKS MAITHILI STORYWEAVER

https://www.youtube.com/playlist?list=PLAT74nNc2fmYaW29mRVAIgzRq63_9zWbI (मैथिली कथा वक्ता)

<https://www.youtube.com/channel/UCE1HEUJEzc-NUbMsHzklHLw> (विदेह मैथिली-अंग्रेजी टॉकिंग नीउ-अलाउउ कथा वक्ता आ संगम मैथिली संका)

राधा- द्रु मैथिलीम यदिल वन)

<https://bloomlibrary.org/player/Wcf6zr5CoF> (मसाहरी कन यनिवर्तनकानी नक्का)

<https://bloomlibrary.org/player/p3sHdYBgiT> (वलू हूम नै ठीक छी नै!)

<https://bloomlibrary.org/player/f19pSdhGMo> (अकटा नीक दिन)

<https://bloomlibrary.org/player/b2l5wesxCp> (घन सर)

<https://bloomlibrary.org/player/dAzCOFubt7> (की अहाँ उ विउे सरक दखन छी?)

यथी जॉट कौम

<https://store.pothi.com/browse/free-ebooks/?language=Maithili>

I LOVE MITHILA

<https://www.ilovemithila.com/maithili-books-pdf-free-download/> (यथी डाउनलाउ लिंक)

<https://www.ilovemithila.com/> (online maithili journal)

<https://maithili.com.np/> (owner I Love Mithila)

मैथिली फिल्म

<https://youtu.be/4jhaQ3Nw38I> (ममगा गावय गीग, सौज्य- Saregama)

<https://youtu.be/V3KWthhB6Kg> (क्यादान, सौज्य- BEJOD)

<https://www.bejod.in/> (Maithili Movies on Rent)

<https://mubi.com/films/gamak-ghar> (Maithili Movies on Rent)

<https://mubi.com/films/dhuin> (Maithili Movies on Rent)

थान मैथिल

<https://www.youtube.com/channel/UCq30Llck2tNw8B14t8jjzQg> (थान मैथिल वेबल-किनध चौधनी आ संगीगा आनध)

<https://www.youtube.com/@mithirangloktarang677> (मिथिनंग लाक गनंग)

<https://www.youtube.com/MithilaChapter> (मिथिला चैद्यन)

<https://www.youtube.com/soumyajha> (खिया-यिहानी नना गुटका लल)

<https://www.youtube.com/@maithilirangmanch9536> (मैथिली नंगमंच)

<https://www.youtube.com/@kokilmanch4330> (काकिल मंच)

<https://www.youtube.com/@mithilanatyakalaparishadmi5636> (MINAP)

<https://www.youtube.com/@mlrmedia3097> (मैलानंग)

<http://www.youtube.com/user/mailorang> (मैलानंग)

<https://www.youtube.com/@praakshjha> (मैलानंग)

<https://www.youtube.com/@mithilangan109> (मिथिलांगन)

<https://www.youtube.com/@bhangimamaithilitheatre9509> (रंगिमा)

<https://www.youtube.com/@MithilaDarshan> (मिथिला दर्शन)

<https://www.youtube.com/@MithilaMirror> (मिथिला मिनन)

<https://www.youtube.com/@SmritiEntertainmentMaithili> (स्मृति एंटरटेनमेंट)

<https://www.youtube.com/@achalchitra> (अचल चित्र)

<https://www.youtube.com/@Bejod> (BEJOD)

<https://www.youtube.com/@neelammaithili> (नीलम मैथिली)

<https://www.youtube.com/@maithiliganga4714> (मैथिली गंगा)

<https://www.youtube.com/@MithilaJunction> (मैथिला जंक्शन)

<https://www.youtube.com/playlist?list=PLgmlEgU89nhRIGV-rG2SXY3uuhnXGT-j5> (दीयशिखा सा)

https://www.youtube.com/playlist?list=PLT8LMrml4tPHxM64K8Iov_Arr_3uPaPgf [मैथिली समाचान (जना टेलीविजन)]

<https://www.youtube.com/@maithilitalks> (Maithili Talks)

<https://www.youtube.com/@AppanTV> (Appan TV)

<https://www.youtube.com/@TVTODAYJANAKPUR> (TV Today, Janakpur)

<https://www.youtube.com/@drishyambiharlok7552> (Drishyam Media)

<https://www.youtube.com/@sanskarmithila> (संस्कान मैथिला)

<https://www.youtube.com/@saregamaapanmaithili3522> (सन्गामा मैथिली)

<https://www.youtube.com/@NavrassMedia> (नवनस मीडिया)

<https://www.youtube.com/@jyotient778> (ज्योति अंटरटेनमेंट)

<https://www.youtube.com/@RKSMITHILIPRODUCTION> (रूकानिया फिल्म्स)

<https://www.youtube.com/@ayodhyanathchoudhary345> (अयोध्यानाथ चौधरी)

<https://www.youtube.com/@RadioJanakpur97MhzOfficial> (रेडियो जनकपुर)

<https://www.youtube.com/@mithilatv1> (मैथिला टी.वी.)

<https://www.youtube.com/@Madhurmaithilichannel> (मधुर मैथिली)

<https://www.youtube.com/@sktutorials8921> (मैथिली-नयाली सीख)

https://www.youtube.com/playlist?list=PL_HQDKXbaRKq3YTS7-Pkks1Y-UIL33fiD (अयन मैथिली)

https://www.youtube.com/playlist?list=PLH1UiGl69_SLRhxZMZ1TSxUi-JXcHhAZr (मैथिली या0)

<https://www.youtube.com/@maithiliforiassurendraraut1589> (सुन्दर नाउग)

<https://www.youtube.com/@UdayaSingh> (नरु कस, नविकारा)

<https://www.youtube.com/@kunjbiharimithilaratna> (कृष्ण विद्वानी)

<https://www.youtube.com/@RAMBABUJHA> (नाम वावू सा)

<https://www.youtube.com/@VJEntertainments008> (वी. ज., विकास मा)

<https://www.youtube.com/@user-ib7pn3li5q> (गिनह्ग मिथिला)

<https://www.youtube.com/c/ilovemithila> (आल्ल लव मिथिला)

<https://www.youtube.com/@LokKalaKendra> (लोक कला केंद्र)

<https://www.youtube.com/@rajnipallavi> (नजनी यल्लवी)

<https://www.youtube.com/@PoonamMishra> (यूनम मिश्र)

<https://www.youtube.com/@ranjanajhasangeetdivyam2908> (रंजना मा)

<https://www.youtube.com/@julijhaofficial8057> (जुली मा)

<https://www.youtube.com/@maithilithakur> (मैथिली ठाकुर)

<https://podcasters.spotify.com/pod/show/anupam-mishra04/episodes/Episode-40-e135mlu/a-a5uoe0r> (अनूपम मिश्र यॉउकाउ)

जानकी अरु अम समाचान

<https://www.youtube.com/user/Janakifm/videos> (जानकी अरु अम समाचान)

<https://www.youtube.com/@AmitJhaOfficial> (Amit Jha)

<https://www.youtube.com/@PMPCORNER> (Pravesh Mallick)

<https://www.youtube.com/@AdityaFilmsandmusic> (Aditya Films & Music)

<https://www.youtube.com/@NepalTelevision> (Nepal Television)

<https://www.youtube.com/playlist?list=PLEqde8-nxNTHL78RKSiutGeeTjXot3YrY> (AIR MAITHILI NEWS)

<https://www.youtube.com/playlist?list=PLJuuojdqz3NMKxKUbbc07cT3sPrgRejS> (AIR AMRIT MAHOTSAV)

<https://www.youtube.com/@Mithilanchal> (Mithilanchal)

<https://www.youtube.com/channel/UCsB8UkEYLZe471GrcAlcG1A> (Rashmi Dutt)

<https://www.youtube.com/channel/UCVYE4fcasReMXTpbXWgp2mg> (Priya Mallick)

<https://www.youtube.com/@AnamikaJhaOfficial> (Anamika Jha)

Videha e-Learning

<https://www.youtube.com/@videha-elearning>

संघ लोक सेवा आयोग/ विद्वान लोक सेवा आयोगक यनीजा लल मैथिली (अनिवार्य आ उच्चिक) आ आन उच्चिक विषय आ सामाज्य ज्ञान (अंग्रेजी माध्यम) द्यु सामिथ्री [अन.टी.अ.-यू.डी.सी.-नट-मैथिली लल सदा]

Videha Read Aloud Talking Maithili Audio Books (including Maithili Sign Language- Ist time in Maithili)

https://www.youtube.com/@videha_ejournal

.....

<http://www.youtube.com/user/ggajendra71> (विद्वद्)

<https://www.youtube.com/gunjanshree>

<http://www.youtube.com/user/Maithilines>

<http://www.youtube.com/user/jitumaithil> (जिह्वा मा, जनकपुर)

<http://www.youtube.com/user/sobhagya8> (सोराय मैथिला)

<http://www.youtube.com/user/bhaskaranjha> (राखन मा)

<http://www.youtube.com/user/mahakalijha>

<http://www.youtube.com/user/karia1885>

<http://www.youtube.com/user/omuniv>

<http://www.youtube.com/user/sumankumar137>

<http://www.youtube.com/user/gyansjha>

<http://www.youtube.com/user/bclalan>

<http://www.youtube.com/user/gareri1986>

<http://www.youtube.com/user/avinashjha84>

<http://www.youtube.com/user/chandankumarjha1>

<http://www.youtube.com/user/chandanmishra2010>

<http://www.youtube.com/user/nirmaana>

<http://www.youtube.com/user/Janakifm1>

http://www.youtube.com/watch?v=XpSuVHtbaQ8&feature=mfu_in_order&list=UL

<http://www.youtube.com/user/gxcng>

<http://www.youtube.com/user/gautamkrishna85>

<http://youtu.be/3i30G5Nf3y8>

<http://youtu.be/sJnxSe-ckmo>

<http://www.youtube.com/user/jitmohanjha>

<http://www.youtube.com/user/MiTJnPNN>

<http://www.youtube.com/watch?v=-9KaC8ji9t4>

<http://www.youtube.com/user/luvvivek2k7>

<http://www.youtube.com/user/bindassatyandra>

<http://www.youtube.com/user/rustymind1>

<http://www.youtube.com/user/MrDeveshKarna>

<http://www.youtube.com/user/rambabushah>

<http://www.youtube.com/user/mukeshjha84>

<http://www.youtube.com/user/Mauahi>

www.youtube.com/user/MrBasantjha

<http://www.youtube.com/user/themadan>

<http://www.youtube.com/user/sentukhu>

<http://www.youtube.com/user/yarowjha>

<http://www.youtube.com/user/mkoxp>

<http://www.youtube.com/user/luvvick21>

<http://www.youtube.com/user/njyclubashok>

<http://www.youtube.com/user/MrRamkisor>

<http://www.youtube.com/user/pratyushsangita/>

<http://www.youtube.com/user/hellomithilaa>

<http://www.youtube.com/user/mariyoshj>

<http://www.youtube.com/user/dearshantanu/>

www.youtube.com/user/RajuPrasadRajbanshi

www.youtube.com/user/premarshi

<http://www.youtube.com/user/Dhipre> (दीनद्व प्रमर्षि)

<http://www.youtube.com/user/TheShubhaprabhat>

<http://www.youtube.com/user/njyclubashok>

<http://www.youtube.com/user/mithilaconnect>

<http://www.youtube.com/user/NAYAKSAURABH80>

<http://www.youtube.com/user/Rabindra888>

<http://www.youtube.com/user/uday88mandal>

<http://www.youtube.com/user/nimesdeath>

<http://www.youtube.com/user/pawanks6102>

<http://www.youtube.com/user/sahayogee>

<http://www.youtube.com/user/sunilkumarpawan>

<http://www.youtube.com/user/vidhuk>

http://www.dailymotion.com/video/xjophq_documentary-kosi-katha_shortfilms#from=embed

<http://blackbuddhas.com/>

<http://youtu.be/CPwpkn5YI1I>

अयन मंगल editorial.staff.videha@gmail.com यन य0131

Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement

Issue No. 88 (November-December 2019) of Muse India at <http://museindia.com/> displays Maithili literature in an extremely poor light. Moreover, it wrongly claims to be a representative review of Maithili Literature, whereas it was only in line with the Sahitya Akademi, Delhi; a mere representation of the so-called "dried main drain". It is expected that Muse India will correct itself by announcing an issue exclusively devoted to the parallel tradition of Maithili literature.

T.K. Oommen writes in the "Linguistic Diversity" Chapter of "Sociology", 1988, page 291, National Law School of India University/ Bar Council of India Trust book: "... the Maithili region is found to be economically and culturally dominated by Brahmins and if a separate Maithili State is formed, they may easily get entrenched as the political elite also. This may not be to the liking and advantage of several other castes, the traditionally entrenched or currently ascendant castes. Therefore, in all possibility the latter groups may oppose the formation of a separate Maithili state although they also belong to the Maithili speech

community. This type of opposition adversely affects the development of several languages."

T.K. Oomen further writes: "... even when a language is pronounced to be distinct from Hindi, it may be treated as a dialect of Hindi. For example, both Grierson who undertook the classic linguistic survey of India and S. K. Chatterjee, the national professor of linguistics, stated that Maithili is a distinct language. But yet it is treated as a dialect of Hindi". (Ibid, page 293)

Do not judge each day by the harvest you reap but by the seeds that you plant. - Robert Louis Stevenson

...

Videha: Maithili Literature Movement

Parallel Literature

The references to parallel literature are found in Vedas, where Narashanshi is referred to as parallel literature.

Parallel Literature in Maithili

The need for parallel literature in Maithili arose due to the constant onslaught on literature and dignity by

the Public and Private Academies, for example, Maithili-Bhojpuri Akademi of Delhi, Maithili Akademi of Patna, Sahitya Akademi of Delhi, Nepal's Prajna Pratishthan, all of which are government Academies. In addition to these Academies, the onslaught on Maithili Literature and dignity was constantly done by the so-called literary associations which were recognised by the Sahitya Akademi and were the main tool for usurping all the literary space meant for this language. Besides these, the funding to these and other parochial associations and organisations led to the presentation of an interface in the name of Maithili, which was mediocre and non-representative.

The Book of Bihari Literature (Abhay K. Editor)

This book contains five translations from non-representative Maithili short stories into English by Vidyanand Jha. Nagarjun (Maithili's Yatri) and Usha Kiran Khan are from the Hindi quota though both got the Sahitya Akademi prize from the Maithili quota. Vibha Rani and Rajkamal Chaudhary are from the Maithili quota though both wrote in Hindi also.

This book is edited by Abhay K. who has read Samskrit only up to high school. Yet he pretends to translate

Arthashastra directly from Samskrit into English. I am Kovid in Samskrit and from the quality of the translation, I can presume that he has used some intermediary language in translating Samskrit texts into English. It is a matter of ethics to acknowledge the source.

Vidyanand Jha's translation is below par, for example, he has no inkling what would be the English word for 'olak sanna', and there are plenty of such instances. I have some suggestions for him: First, read A Bird's Eye View on Mithila by Rajnath Mishra, it mentions all the terms for which you could not find English equivalents. Then go to the Videha archive (www.videha.co.in) and look for Umesh Mandal's Picture Dictionary containing vegetation, animals and skill sets of Mithila, here you will find the actual photographs too. Further, under A Parallel History of Maithili Literature (Videha www.videha.co.in), you will find sample English translations of some Maithili short stories. Therefore, what Vidyanand Jha is presenting as exotic is the original thing of the Maithili Language (but not that of Maithili literature, as was two decades ago). Interestingly his choice of short stories reminds me of Contemporary Maithili Short Stories (Maithili

short stories translated into English) edited by Murari Madhusudan Thakur and published by the Sahitya Akademi in 2005. It seems that the stories in this selection are leftover material from that collection. Rip Van Winkle awoke after two decades but Vidyanand Jha is still in slumber not realizing the changes that have happened during the period.

If you compare the translation of this selection vis-a-vis the English translation of Latin American Spanish literature, you would be able to understand the difference.

But these types of selections are not known for their literary excellence, Harper Collins publishes these types of selections for five-star hotels and Airport lounges. The publishers announced this book on March 22, 2022. So, in 6-7 months, you will get old materials only.

The Bride: The Maithili Classic Kanyadan by Harimohan Jha (1908-1984) translated into English by Lalit Kumar (Assistant Professor, Department of English, Deen Dayal Upadhyaya College, University of Delhi)- Harper Perennial (Harper Collins Publishers)

I had pre-ordered the book, which was scheduled to be delivered to my kindle account on the 1st of December 2022, but the delivery date was postponed, and it was delivered to my account on the 14th of December 2022.

When Maithili was recognised by the Sahitya Akademi (National Academy of Letters- of India) way back in 1965, Late Ramanath Jha stated that his Maithili language is saved now (Maithilik Vartman Samasya, Ramanath Jha).

Sh. Harish Trivedi has committed the same mistake. In his foreword Harish Trivedi writes- "In Hindi, the language to which Maithili is the closest (and of which it was indeed an integral part until it was granted recognition as a separate language by the constitution in 1993) ..."

Harish Trivedi refers to the inclusion of Maithili in the eighth schedule of the constitution of India. Here the year mentioned should be 2003 instead of 1993. Moreover, Maithili was a separate language in 2003, 1993, and 1965 and during the time of pre-Jyotirishwara Vidyapati. The status granted to Maithili by Sahitya Akademi and the Constitution of India, on

the other hand, strengthened the hands of the obscurantist elements like Ramanath Jha, Shardananda Jha (he is not a famous person but why I have taken his name, I will explain it later) and others who gaslighted Harimohan Jha. Harimohan Jha's Khattar Kakak Tarang, Pranamya Devata, Rangshala and Charchari all these books were eligible for the Sahitya Akademi Award initiated in 1966 for Maithili (because of recognition given to Maithili by Sahitya Akademi in 1965). But a philosophy treatise was awarded the prize in 1966, this philosophy book itself is a horrific one, and if one has read the book to understand the nuances of Indian Philosophy, then he will have to unlearn first to be able to grasp the philosophical concepts from a new book on Indian Philosophy. In 1967 no award was given for the Maithili Language.

Ramanath Jha's obscurantism vis-a-vis Panji is evident from one example (because Lalit Kumar also seems to have followed in his footsteps, though he gives credit for his ignorance to some other writers). He was casteist, conservative and confused. The inter-caste marriage in Panji was well known to him (but he chose to keep the Dooshan Panji secret- which has

been released by us on google books in 2009), and it was apparent that the great navya-nyaya philosopher Gangesh Upadhyaya married a "Charmkarini" and was born five years after the death of his father (see our Panji Books Vol I & II available at <http://videha.co.in/pothi.htm>). Sh. Dinesh Chandra Bhattacharya writes in the "History of Navya-Nyaya in Mithila"-

"The family which was inferior in social status is now extinct in Mithila- Gangesha's family is completely ignored and we are not expected to know even his father's name.", which is a total falsehood. He writes further that all this information was given to him by Prof. R. Jha. So how would this casteist-conservative-confused allow the award to be given to Sh Harimohan Jha? So, the Sahitya Akademi saved the Maithili Language by recognizing it, as asserted by Prof. R. Jha, is wrong and so is the assertion made by Sh. Harish Trivedi.

Mr Lalit Kumar is a young person, but he is being misused by some obscurantist elements, who gaslighted Harimohan Jha. Harimohan Jha stopped writing in Maithili following the recognition of it by Sahitya

Akademi and was awarded the Sahitya Akademi prize for his autobiography in 1985, after his death, which means nothing.

Mr Lalit Kumar writes- "Yoganand Jha's Bhalmanusha (1944) and Shardananda Jha's Jayabara (1946) attack such social divisions that played a decisive role in marriages." Yoganand Jha's Bhalmanusha (1944) was indeed a pathbreaking novel, but Shardananda Jha's novel was reactionary. Prof Radha Krishna Choudhary rightly observes- "Yoganand Jha's 'Bhalamanusa' deals with the social problems connected with the problem of marriage. As a reply to this novel, Shardanand Jha wrote a second-rate novel 'Jayabara,' having little literary merit. (RADHAKRISHNA CHOUDHARY A Survey of Maithili Literature)

Mr Lalit Kumar for his Panji-related ignorance gives credit to Mm. Parmeshwar Jha's "Mithila Tattva-Vimarsha." Prof Radha Krishna Choudhary rightly observes- "Mm. Parmeshwar Jha's 'Mithila Tattva-Vimarsha' is the history of Mithila in Maithili prose and is based mainly on tradition. Mm. Mukunda Jha Bakshi's 'Mithilabhashamaya Itihas' gives an account of the Khandawala dynasty. From the point of view of

modern Maithili prose, these two works are important, though from the historical point of view, are unreliable. (RADHAKRISHNA CHOUDHARY A Survey of Maithili Literature)

The following excerpt from Our Panji Paband ((part I&II) is being reproduced below for ready-reference: -

महानाज हनसिंहदत्त- मिथिलाक कर्धारि वंशक। आगिनीश्वर आकूनक वर्ध-
ननाकनम हनसिंहदत्त नायक आकि नाजा छलाह। 1294 ॐ. म जन्म आ 1
307 ॐ. म नाजसिंहासना घियासूडीन गुगलकसँ 1324-
25 ॐ. म हानिक वाद नयाल यलायना मिथिलाक यक्षी-
प्रवचक ब्राह्मण, कायस्तु आ ऊप्रिय मध्य आधिकानिक स्थायक, मैथिल ब्राह्मण
क हनु गुणाकन मा, कर्ध कायस्तुक लल शंकरदत्त, आ ऊप्रियक हनु विजयद
त्त अहि हनु प्रथमगया नियूक्त रलाह। हनसिंहदत्तक प्रनघासँ आ ॐ ह
नसिंहदत्त नायदत्तक वंशज छलाह, ज नायदत्त कर्धारि वंशक १००६ शकम
स्थापना कन नदधि- नईद शुभं शभि शक वर्ष (१०१६ शक)... मिथिलाक य
क्षिण लाकनि शक १२४८ गदनुसान १३२६ ॐ. म यक्षी-
प्रवचक वर्मान सन्नूयक प्रान्तक निर्धय कअलहि। पुनः वर्मान सन्नूयम (था
उ वृद्धि विलासी लाकनि मिथिलम महानाज माधव सिंहसँ ११६० ॐ. म आद
श कनवा अ यक्षीकानसँ शाखा यूफकक प्रधयन कनवअलहि। अकन वाद याँ
जिम (कखना काल वर्धिग १६०० शक मान १६१८ ॐ. वारुवम माधव सिंह
क वादम १८०० ॐ. क आसयास) (आप्रिय नामक अकटा नव ब्राह्मण उय
जागिक मिथिलाम उग्रहि रला।

So, the Srotriyas as a sub-caste arose around 1800 CE as per authentic panji files.

Sh. Anshuman Pandey [Gajendra Thakur of New Delhi provided me with digitized copies of the genealogical records of the Maithil Brahmins. The panjikara-s whose families have maintained these records for generations are often reluctant to allow others to pursue their records. It is a matter of 'intellectual property' to them. I was fortunate enough to receive a complete digitized set of panji records from Gajendra Thakur of New Delhi in 2007. [Recasting the Brahmin in Medieval Mithila: Origins of Caste Identity among the Maithil Brahmins of North Bihar by Anshuman Pandey, A dissertation submitted in partial fulfilment of the requirements for the degree of Doctor of Philosophy (History) in the University of Michigan 2014]. Later these Panji Manuscripts were uploaded to google books in 2009).

The so-called Maharajas of Darbhanga were permanent settlement zamindars of Cornwallis, and there were so many in British India, but in Nepal there were none. In the annexure of our book (Panji Prabandh vol I&II), we have attached copies of genealogy-based upgradation orders (proof of upgradation for cash). So, before 1800 CE, there was no srotriya sub-caste in

British India and there is no such sub-caste within Maithil Brahmins in Nepal part of Mithila even today. Srotriya before that referred to following some education stream in British India, in Nepal it still has that meaning.

Mr Lalit Kumar further tries to put his agenda by writing- "Harimohan choose a middle ground in his reformist agenda." He gives laughable reasons for his contention viz. "he espouses the significance of local traditions, languages, scripts, education system, and moral values" thereby meaning that these are conservative values!

(All the referred books are available for free pdf download from the link <http://videha.co.in/pothi.htm>)

VIDEHA MAITHILI LITERATURE MOVEMENT AND A PARALLEL HISTORY OF MAITHILI LITERATURE

Therefore, the missing portions, the ignored and non-represented aspects of society, started to be chronicled. It led to the depiction marked by the richness of vocabulary and experiences and was a revolution in literature and art as far as people speaking Maithili are concerned. The quality now has not remained mediocre. The real power of the Maithili language was

realised by the native speakers, mediocrity was replaced by excellence. This attempt at the writing of History of Parallel Literature for the Maithili Language arose as the mediocre agency (private and governmental) funded so-called mainstream literature, which has no readership, and no acceptance among the speakers of Maithili continued to be presented by these Akademies as representative literature. The mediocre interface of Maithili literature was presented by the government radio and television stations also. Literary journals like Museindia (www.museindia.com) & Publishers like Harper Collins were also used for their sinister design.

Pseudo-criticism in Maithili and the case of Kamalananda Jha

The title of Kamalanand Jha's book "Maithili Novel: Time, Society and Questions" (2021) is misleading. It is a collection of some syndicated so-called critical articles on some of his caste novelists. The 263-page book can only be sold in hardbound to libraries where it will rot. Here is a correction, a non-caste writer's work, i.e., Subhash Chandra Yadav's novel 'Gulo', has been dealt with by him in two lines, of course without

reading it. I am presenting those two lines here for your entertainment. You must have read *Gulo*, if you haven't already, read it first because then you will have a more entertaining experience. *Gulo* is available on Videha Archive with the permission of Subhash Chandra Yadav at this link <http://videha.co.in/pothi.htm>.

"The weakness of the novel is the author's political bias. The partisanship towards a particular politics does not do justice to the work."

In a novel where politics is not remotely involved, there is no question of 'political bias and partisanship of a particular politics'. *Dhumketu* and *Yatri* used political bias or partisanship. Subhash Chandra Yadav's 'Vote' which came out in 2022 and is available with permission of Subhash Chandra Yadav on Videha Archive at this link <http://videha.co.in/pothi.htm>, is on politics but even there Subhashji's enchanting style obviates the need of any political bias... Read my book 'Nit Naval Subhash Chandra Yadav' which is available at this link <http://videha.co.in/pothi.htm>. On the other hand, Mr Kamlanand Jha sounds like a spokesperson of some political party or a casteist organisation rather

than a literary critic. Kamalananda Jha's Brahministic bias against Subhash Chandra Yadav is an alarm bell. The parallel stream is conscious of how Kamalananda Jha takes the leftist stance to promote Brahminism and wants to sacrifice social justice. In his biodata, he proudly mentions the Maithili translation assignment bestowed on him by the Sahitya Akademi, and this assignment was allotted to him not on account of merit but solely on the ground of his caste title and in lieu of these deeds. For people like him, Maithili-related work is merely a line in their *curriculum vitae*, but it is a question of life and death for the people of the parallel stream. Why did I call Kamalananda Jha a pseudo-critic? Because he is a pseudo-critic. He writes: "After nearly a hundred years of journey, Gaurinath is credited with writing a dignified novel on the dreams, struggles and ironies of inter-caste marriage. So, did Kamalananda Jha take away this credit from Sushil? Is this the culmination of the arrogance of his Brahministic upbringing ("*Through my whims and fancies I can place some literature on top and can downgrade some to the bottom*") or is this the evidence of his lack of study? Let me take you away from the selfish world of Kamalananda Jha, away from deception and disguise to the sincere world of Sushil's magical

literature. Welcome to the world of Sushil's literature. Here is Sushil's 'Gambali' (1982) which is now available in the Videha Archive at the link <http://videha.co.in/pothi.htm>. In the first line of this novel, even before the novel begins, Sushil writes about the novel 'Gambali': "In support of widow marriage and inter-caste marriage" and here begins the novel. The death of a village woman and then the trouble ensues, who will cremate this village woman? Brahmin community or Yadav community of the village? Dinesh Kumar Mishra's 'Dui Patan Ke Bich Me' is a historical biography of the Kosi River. He has also written historical biographies of other rivers of Mithila like 'Bandini Mahananda,' 'Bagmati Ki Sadgati!', 'Dui Patan Ke Bich Me... (Story of the Kosi River)', 'Na Ghat Na Ghar, Kamla River, 'Bhutahi River and Technical Herbalism', 'The Kamla River and People on Collision Course, Bhutahi Balan- Story of a Ghost River and Engineering Witchcraft, Refugees of the Kosi Embankments. Pankaj Jha Parashar, a member of the Maithili Advisory Committee of the Sahitya Akademi, Delhi has plagiarised paragraph after paragraph from his books and has published a novel in Maithili in his name, which pseudo-critic Kamalananda Jha mentions

as research of this thief author Pankaj Jha Parashar! Let me clarify here that both the thief writer and the pseudo-critic are in the Hindi department of Aligarh Muslim University. This research is done by Dinesh Kumar Mishra, who is a graduate of IIT, Kharagpur in Civil Engineering (in 1968) and M. Tech in Structural Engineering (in 1970) and is qualified for that research. In Hindi, the cut-off for admission is the lowest across universities, otherwise, Kamalananda Jha would have known that this research could be done by a civil engineer only. The Hindi original and Maithili screenshots are attached below. Dinesh Kumar Mishra is not from Mithila, but he has authored the story of all the streams of Mithila. We are grateful to him, and the people of Mithila will remain indebted to him for this. This thief writer Pankaj Jha Parashar is a habitual offender. More than a decade ago he found a saviour in Mr Taranand Viyogi who wrote that he (thief writer Pankaj Jha Parashar) gets influenced involuntarily stole others' material in his works. Now he has found another saviour in Kamalananda Jha. The parallel stream is conscious of how Kamalananda Jha takes the leftist side to promote Brahminism and wants to sacrifice social justice. Communism has suffered a lot

from people who became communists to escape the land ceiling.

All books by Dinesh Kumar Mishra are now available in the Videha Archive with his permission:

<http://videha.co.in/pothi.htm>

Let us recall here that when Bill Gates was asked whether he was delaying the introduction of the X-Box in India for fear of piracy. His answer was Microsoft never delays the launch of products for fear of piracy. We will continue enriching Videha Archive (<http://www.videha.co.in/archive.htm>), despite such risks because not all the fish in the pond rot by some rotten fish in parallel streams. The fishermen here have been and will continue to remove such rotten fish.

The final blow to syndicated pseudo-literary criticism in Maithili.

Original Dinesh Kumar Mishra (Dui Patan Ke Beech Me... 2006): It is noteworthy that between 1923 and 1946, 5,10,000 people died of malaria, 2,10,000 from Kala Azar, 60,000 of Cholera and 3,000 of smallpox in the Kosi region (783,000 total deaths). Thief Pankaj Jha Parashar (Member of Maithili Advisory

Committee of Sahitya Akademi, Delhi) [Jalpranthar 2017 (p. 103)]:

ने अंग्रेज सब आ ने नवका रंगरेज सब। 1923 सँ 1946 के बीच मे कोसी क्षेत्र में मलेरिया से पाँच लाख दस हजार, कालाजार सँ दू लाख दस हजार, हैजा सँ साठि हजार आ चेचक सँ तीन हजार लोकक मृत्यु भेल! माने सब मिला कए करीब पौने आठ लाख लोक मरि

Original Dinesh Kumar Mishra (Dui Patan Ke Beech Me... 2006): On the Kosi River in Bihar, India, a dam was built by King Laxman II in the 12th century and for this, he received the title of 'Bir' from the people and the embankment of the river was called 'Bir Dam' The remains of this embankment are still visible in Supaul district, about 5 km south of Bhim Nagar. Dr Francis Buchanan (1810-11) speculated that the dam must have been an outer wall built to protect a fort as it stretched over a distance of 32 kilometres from Tilyuga to its confluence on the western bank of the Dhaus river. Dr W.W. Hunter (1877) did not agree with Buchanan's contention that the dam was the protective wall of a fort. Quoting locals, Hunter believed that most people did not consider it a fortress wall and according to him it was something else but he was not in a position to say anything. Yet the common impression is that it must have been an embankment built along the Kosi River to prevent the river's current from sliding westwards. People also said that it seemed that the construction of the embankment

had suddenly stopped.

The pseudo-critic Kamalananda Jha's saviour of the habitual offender thief Pankaj Jha Parashar quoted the plagiarised work as follows: (Maithili Novel, Time, Society and Questions pp. 257-258):

पंकज पराशरक पहिल उपन्यास 'जलप्रांतर'(2017) शोधपरक उपन्यास अछि। मैथिलीमे शोधपरक उपन्यास लिखबाक परम्परा नहि रहल अछि। एहि दुआरे ई उपन्यास रेखांकन योग्य अछि। पराशरजी एहि उपन्यासमे कोसी नदीक बान्हक इतिहास-कथा लिखलनि अछि। उपन्यासक वैशिष्ट्य ई जे बारहम शताब्दीसँ ल' क' आधुनिक काल धरि कोसी पर बान्ह बनेबाक दुसाध्य प्रयत्न, प्रशासनिक उठा-पटक, राजनीतिक दाँव-पेंच आदिक विस्तृत व्योरा रोचक कथाक माध्यमसँ कहलनि अछि। ध्यान देबाक बात ई जे सभटा सूचना आ व्योरा अत्यन्त विश्वसनीय बनि पड़ल अछि। पटुआ कक्का आ फूल बाबू सदृश्य पढ़ल-लिखल आ सचेत पात्रक माध्यमसँ लेखक एहि अनुसन्धानकेँ रखलनि अछि। दलान पर बैसल लोकक जिज्ञासाकेँ बढ़ाएत पटुआ कका कहैत छथिन, "पहिल बेर बारहम शताब्दीमे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मण सेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह जे 1178सँ 1205 ई. धरि शासन

मैथिली उपन्यास : समय समाज आ सवाल : 257

कयने छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगरसँ दू कोस पश्चिममे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकाननकेँ अनुमान रहनि, जे ई बान्ह सम्भवतः कोनो किलाकेँ रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मतसँ डब्यू. डब्यू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलनि जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत जे नदी पश्चिम दिस नहि बहय लागय।" एहि तरहेँ बान्हक मादे

Thief Pankaj Jha Parashar (Member of Maithili Advisory Committee of Sahitya Akademi, Delhi) [Jalpranthar 2017 (p. 31)]:

पट्टुआ कका पछिला गप केँ आगाँ बढबैत कहलखिन, 'फूल बाबू कोसी नदीक बेसिन प्राचीन काल सँ मनुक्खक निवास लेल उपयुक्त स्थान रहल अछि। बारहम-तेरहम सदी मे भारत मे जखन कइक टा नदी सुखा गेल, तँ ओहि ठामक पशुचारक समाजक लोक एतय आबि कए बसलाह। तहिये सँ बढैत जनसंख्या आ कोसी नदीक बदलैत प्रवाहक मध्य टकराहटि होमय लागल। नदीक अनियंत्रित धारा केँ लोक बाढ़ि बूझय लागल। पहिल बेर बारहम शताब्दी मे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मणसेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह, जे 1178 सँ 1205 ईस्वी धरि शासन कयनेँ छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगर सँ दू कोस पश्चिम मे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकानन के अनुमान रहनि, जे ई बान्ह संभवतः कोनो किला के रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मत सँ डब्लू. डब्लू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलखिन, जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत, जे नदी पच्छिम दिस नहि बह' लागय।' पट्टुआ कका सँ मुँहजबानी एतेक रास ऐतिहासिक तथ्य सुनियो कए फूल बाबू सहमति मे मूढ़ी नहि डोलेलखिन। जाहि सँ ओतय बैसल लोक सबहक उत्सुकता और बढ़ि गेलनि, जे गप मे एहेन कोन तथ्य रहि गेलै जे फूल बाबू संतुष्ट नहि भेलखिन? लोक केँ बुझेलनि जे फूल बाबू शास्त्रार्थ के अखड़हा पर माटि फेकि रहल छथिन। पट्टुआ कका केँ आइ जोड़ीदार भेटि गेलनि!

जलप्रांतर / 31

Original Dinesh Kumar Mishra (Dui Patan Ke Beech Me... 2006): A glimpse of the horrors of the Kosi River can be seen in the event when the army of Feroz Shah Tughlaq returned to Delhi from Bengal. It is said that when the troops of the Sultan reached the banks of the Kosi, they saw that on the other side of the river, the troops of Haji Shamsuddin Ilyas were waiting, ready for a battle. This was the same Haji Shamsuddin who founded the cities of Hajipur and Samastipur. Feroze's troops were stranded on the banks of the Kosi somewhere around Kursela. The speed of the river was preventing them from moving forward. It was finally decided to proceed northward along the river and to locate the water where it was navigable. The troops of the Sultan went up about a

hundred *kos* and crossed the river near Ziaran, situated at the same place where the river descended from the mountains into the plains. The river was thin, but the flow was so fast that heavy stones weighing five hundred *manas* were floating like straws in the river. On either side of the river where it was found possible to cross it the Sultan erected a row of elephants, and ropes were hung in the bottom row so that if a man loses control he could be rescued with the help of these ropes. Shamsuddin never thought that Sultan's troops would be able to cross the Kosi and when he came to know that Sultan's troops had managed to cross the Kosi, he fled.

Thief Pankaj Jha Parashar (Member of Maithili Advisory Committee of Sahitya Akademi, Delhi) [Jalpranthar 2017 (p. 105)]:

'बेश, तँ सुनु। 1354 मे फिरोजशाह तुगलक के फौज जखन बंगाल सँ दिल्ली चुरि रहल छल, तँ कोसीक प्रवाह बहुत तेज छलै। तुगलकी सेना जखन कोसी के किनार पर पहुँचल, तँ कोसीक ओहि पार मे हाजी शम्सउद्दीन इलियास के सेना तुगलकी सेना सँ मोकाबला करबाक लेल अस्त्र-शस्त्र ल' कए तैयार छल। ई वएह हाजी शम्सउद्दीन छलाह, जे हाजीपुर आ समस्तीपुर नगर बसौने रहथि। फिरोजशाह तुगलक के सेना संभवतः कुरसेला के आस-पास कोसी के तेज धार देखि कए सोच मे पड़ि गेल। पानिक रफ्तार देखि कए तुगलकी सेना केँ नदी पार करबाक हिम्मत नहि भ' रहल छलै। अंततः तुगलकी सेनापति तय कयलनि, जे नदीक किनारे-किनार उत्तर दिस बढल जाय। जतय जा कए नदीक पाट कनेँ कम बुझि पड़य, ओतय पानिक थाह लेल जायत। एहि आशा मे फौज उत्तर दिस बढ़ैत रहल। कुरसेला सँ सय कोस आगाँ गेलाक बाद कोसी के पेट कनेँ शिकस्त बुझेले। कोसी ओतहि पहाड़ सँ नीचाँ उतरेत अछि। पानिक वेग के अनुमान एहि सँ कयल जा सकैए, जे पाँच-पाँच सय मनक पाथर कोसी मे खड़ जकाँ बहि रहल छल। तुगलकी सेनापति केँ जतय नदी पार करव कनेँ आसान बुझेलनि, ओतय एक लाइन मे सेकड़ौं टा हाथी केँ ठाढ़ क' देल गेल। नीचाँ वला लाइन मे बड़का-बड़का रस्सा लटका देल गेल, जे जे बयो पानि मे भांसि जायत, रस्सा के मदति सँ निकालि लेल जायत। एहि तरहेँ फिरोजशाह तुगलकक सेना कोसी पार क' गेल। हाजी शम्सउद्दीन सपनो मे नहि सोचनेँ छल, जे तुगलकी सेना कोसी पार क' जायत। जखन हाजी शम्सउद्दीन केँ पता लगलै जे तुगलकी सेना कोसी पार क' चुकल अछि, तँ ओ डरे सँ पड़ा गेल। तँ एहि कोसीक तेज धार के ल' कए एतेक आत्मविश्वास मे छल हाजी शम्सउद्दीन।'

A Parallel History of Maithili Literature

I

Introduction

FESTIVAL OF LETTERS OR FESTIVAL OF SHAME

SAHITYA AKADEMI AND the DOWNFALL OF INDIAN
LANGUAGES (IN SPECIAL CONTEXT OF MAITHILI
LANGUAGE)

When Maithili was recognised by the Sahitya Akademi
(National Academy of Letters- of India) way back in
1965, Late Ramanath Jha stated that his Maithili

language is saved now (Maithilik Vartman Samasya, Ramanath Jha).

He was wrong on this on two counts. What he referred to as applicable, if it applied at all, only to the part of Maithili speaking area, geographically located in India. Maithili is spoken, natively, in India and Nepal. After the treaty of sugauli (ratified in 1816), which was in the aftermath of the Anlo-Nepalese war of 1814-16, the hilly regions were incorporated in British India, including the Nepalese-speaking Darjeeling Area. Similarly in 1816 and 1860, the Britishers ceded some Terai region to Nepal. As a result, part of Maithili speaking Area, which was earlier ruled by Malla Kings (when Maithili was an official language of the region), was ceded to Nepal. Even today some Maithili scholars (!!) refer to the golden period of Maithili as the period of "Nepali (!!)" Malla Kings (Ramanath Jha, Introduction to Maithili Sahityak Itihas by Dr Durganath Jha "Shreesh").

Ramanath Jha himself admits that during his visit to "Vir Library" of Nepal (Kathmandu) he came to know about the Nepal legacy (his monograph on kirtaniya

Natak, which he wrongly presents as Kirtaniya Nach) in respect of Maithili. So, he cannot be blamed for his lack of knowledge in this respect. He was wrong on the second count also, and this second count was an artificial creation. He began a tradition of elitism and conservatism in Sahitya Akademi, as the first convener of the Maithili language. The tradition got stronger and stronger in the last 55 years of the Existence of Maithili in that Akademi. So, he ensured that liberal writers, like Sh. Harimohan Jha, attacking casteism and conservatism did not get the award, even though the year 1967 went unrewarded and the 1st award in 1966 was given to a non-literary book in Maithili (academic book of Philosophy!!!).

He was casteist, conservative and confused. The inter-caste marriage in Panji was well known to him, and it was apparent that the great navya-nyaya philosopher Gangesh Upadhyaya married a "Charmkarini" and was born five years after the death of his father. But he informed Sh. Dinesh Chandra Bhattacharya in a distorted way. Sh. Dinesh Chandra Bhattacharya writes in the "History of Navya-Nyaya in Mithila".

"The family which was inferior in social status is now extinct in Mithila-Gangesha's family is completely ignored and we are not expected to know even his father's name.", and he writes further that all this information was given to him by Prof. R. Jha. So how would this casteist-conservative-confused allow the award to be given to Sh? Harimohan Jha. So, the Sahitya Akademi saved the Maithili Language by recognizing it, as asserted by Prof. R. Jha, was wrong on those two counts.

Now come to Nepal, the Prajna Pratisthan and other organizations often recognize Indian Maithili writers, but Sahitya Akademi of India does not recognize Nepalese Maithili writers, be it the Seminars or the poets meet, be it an anthology of poems or prose published by the Akademi. Regarding the treatment of Nepalese Maithili writers by Sahitya Akademi Sh. Ram Bharos Kapari "Bhramar" laments that there is demand in Nepal that they should also not award Indian Maithili writers/ publish them in their anthologies as reciprocity demands this.

The narrow-mindedness of the Maithili advisory board of the Indian Sahitya Akademi has its origin in the organizations that are recognized by the Sahitya

Akademi, the basis of which is extra-literary credentials. These are pseudo-organizations running on paper, political organizations or casteist organizations pocket-run by a few. The complete list is:

**MAITHILI LITERARY ASSOCIATIONS (!!!) RECOGNIZED
by SAHITYA AKADEMI**

1. The Secretary, All India Maithili Sahitya Samiti, Tirbhukti, 1/1B, Sir P.C. Banerjee Road, Allahabad-211 002.
2. The General Secretary, Akhil Bharatiya Maithili Sahitya Parishad, C/o Dr. Ganapati Mishra, Lalbag, Darbhanga-846 004.
3. The Secretary, Chetna Samity, Vidyapati Bhawan, Vidyapati Marg, Patna-800 001.
4. The Secretary, Mithila Sanskritik Parishad, 6 B, Kailash Saha Lane, Kolkata-700 007.
5. The Secretary, Vidyapati Seva Sansthan, Mithila Bhavan Parishar, Darbhanga-846 004.

6. The Secretary, Centre for the Study of Indian Traditions, Tantrabati Geeta Bhavan; Ranti House, Ranti, Madhubani-847 211

Now the Literary Association lists read as under. Serial no. 1 & 6 above have been derecognised and has been replaced by other non-literary associations at sr no 5, 6 & 7 below.

(1) The General Secretary, Akhil Bharatiya Maithili Sahitya Parishad, Professors' Colony, Digahi West, Opp. of Primary School, Darbhanga-846 004, (Bihar)

2) The Secretary, Chetna Samiti, Vidhya Pati Bhavan, Vidyapati Marg, Patna-800 001 (Bihar)

3) The Secretary, Mithila Sanskritik Parishad, 6B, Kailash Saha Lane, Kolkata-700 007, (West Bengal)

4) The Secretary, Vidhya Pati Sewa Sansthan, Mithila Bhavan Parishar, Darbhanga-846 004, (Bihar)

5) The Secretary, Anand, Samajik Sanskritik Sahityik Manch, Rajkumarganj (Mirzapur Chowk), Darbhanga-846 004, (Bihar)

6) The General Secretary, Mithila Sanskritik Parishad, Rosebery 5032, Sahara Garden City, Adityapur-2, Jamshedpur-831 014, (Jharkhand)

7) The General Secretary, Akhil Bharatiya Mithila Sangh, G-6, Hans Bhavan, Wing 2 I.T.O., Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi-110 002, (Delhi)

What is the literary credential of the Centre for the Study of Indian Traditions (now recognised and replaced by another pocket association)? Chetna Samiti and Vidyapati Seva Sansthan are casteist political outfits, vehemently displaying the casteist attire of a great ancient poet, whose caste is still uncertain (VIDYAPATI), but who was certainly not Brahmin. All India Maithili Sahitya Samiti (now derecognised and replaced by a non-literary association) became non-existent even during the lifetime of the Late Jaykant Mishra, same is the case with Akhil Bhartiya Maithili Sahitya Parishad. Mithila Sanskritik Parishad has done a crime through an investiture ceremony of the great Vidyapati, they tried to convert Vidyapati and "Maithili" language to the language of only the Brahmins (the name of the artist who sketched the Vidyapati has still not been disclosed by this organisation). When these

non-existent organizations exercise voting powers granted by Sahitya Akademi and chose a convener, it is not a coincidence that for successive times only conservative people among the Maithil Brahmin caste, are chosen. The complete list is:

1. Ramanath Jha, 2. Jaykant Mishra, 3. Surendra Jha Suman, 4. Sureshwar Jha, 5. Ramdeo Jha, 6. Chandranath Mishra Amar, 7. Vidyanath Jha Vedit, 8. Veena Thakur, 9. Prem Mohan Mishra, 10. Ashok Avichal.

The result is now for everybody to see. The complete list of Sahitya Akademi awards (till 2019) is:

Total booty distribution- 50 times, Maithil Brahmins- 42 times, Kayasthas- 6 times, Rajpoots- 3 times; Others- 0 times!!! (Now in 2021 Sh. Jagdish Prasad Mandal has been awarded this prize for his novel "Pangu", so the count is now not zero but one.

The result is not based on the quality of the books but solely upon the caste-based other considerations and the disease has its root in the faulty seedling that the Sahitya Akademi of India found through the faulty literary associations.

What were the objectives of the setting of this Akademi?

Sahitya Akademi was established (National Academy of Letters to be called Sahitya Akademi) by Government of India resolution No F-6-4/51G2(A) dated December 1952 "to set high literary standards, to foster and co-ordinate literary activities in all the Indian languages and to promote through them all the cultural unity of the country; to promote good taste and healthy reading habits, to keep alive the intimate dialogue among the various linguistic and literary zones and groups through seminars, lectures, symposia, discussions, readings and performances, to increase the pace of mutual translations through workshops and individual assignments and to develop a serious literary culture through the publications of journals, monographs, individual creative works of every genre, anthologies, encyclopedias, dictionaries, bibliographies, who's who of writers and histories of literature."

The Akademi boasts of publishing "one book every thirty hours" and holding "at least thirty seminars every year" at regional, national, and international levels, " along with the workshops and literary gatherings-about two hundred in number per year".

The Akademi recognises " Besides the twenty-two languages enumerated in the Constitution of India", English and Rajasthani as languages. Sahitya Akademi has constituted twenty-four language Advisory Boards "to render advice for implementing literary programmes in these 24 languages".

The Akademi gives prizes in twenty-four languages recognised by it for original and translated works. It gives " special awards called Bhasha Samman to a significant contribution to the languages not formally recognized by the Akademi as also for contribution to classical and medieval literature"; "It has also a system of electing eminent writers as Fellows and Honorary Fellows and has also established a fellowship in the names of Dr Anand Coomaraswamy and Premchand".

FESTIVAL OF LETTERS (SHAME)!!!!

In February every year, Sahitya Akademi "holds a week-long Festival of Letters; It begins with the ceremony to present the Akademi's Annual Awards for creative writing".

In February every year, there is a need to examine whether Sahitya Akademi is fulfilling its objective and

whether Sahitya Akademi is aware of the rich cultural and linguistic variety prevalent in India.

On scrutiny it is revealed that Sahitya Akademi believes in "forced standardisation of culture through a bulldozing of levels and attitudes" and it is not "conscious of the deep inner cultural, spiritual, historical and experiential links that unify India's diverse manifestations of literature".

The Akademi boasts of publishing "one book every thirty hours" and holding "at least thirty seminars every year" at regional, national, and international levels, "along with the workshops and literary gatherings-about two hundred in number per year". If we see the data in respect of Maithili it comes out that every year around twelve books should have been published in Maithili and the Maithili writers might have attended thirty seminars every year at regional, national, and international levels and might have participated in eight literary gatherings every year. The number of Maithili books published by the Akademi is pathetically low, and when we see the assignments, through which these books get artificially prepared (be it translation, anthology or monograph), then the people getting these assignments are often related to

the members of the advisory board (as the answer to RTI application by Sh. Vinit Utpal brings forth). The quality suffers, and as a result, there is no readership.

How this Akademi failed? And why this Akademi failed? And what action should be taken against Akademi for its intentional failure?

Firstly, Akademi is not the name of a man or woman. Akademi or its member of the Advisory Board consists of persons, and if the group of persons is failing the Akademi, that language itself is to blame! But again, the language is not the name of a man or woman. So, the people speaking that language are to be blamed for the failures of the Akademi. Really!!

Even if it is partially true, the Sahitya Akademy cannot shirk its responsibilities. How an advisory committee can be considered representative of Maithili-speaking people (even that of India), when the Convener of that language is nominated by six organisations (recognised by the Sahitya Akademi for reasons best known to it), having no remote connection with literature? Sahitya Akademi sowed seeds of Acacia and expected Mango fruit. Having said that it is also true that the Akademi

or any organisation can transform itself, but only when the conservative people representing these find pressure from the literary fraternity, change themselves or are replaced.

What is the solution?

The literary fraternity has already taken initiative by establishing parallel Sahitya Akademi awards and parallel literary meets. It should be taken further. All legal means should be explored to take the Akademi to the task. On all available forums, the fact is made clear that the literature being prepared by Sahitya Akademi through assignments is not grammatically correct, that it is not up to mark and is of inferior quality. On all available forums, it should be made clear that the thin, casteist-looking (quantitatively and qualitatively) and pale Maithili literature, which is being shown by the Sahitya Akademi of India to the world, has no readership or respect in its native speaking area of India and Nepal. And that Maithili has moved not because of Sahitya Akademi but despite it.

Demand

The six organisations representing Maithili should be derecognized with immediate effect and an inquiry

initiated to ascertain their genuineness. A committee should be set up to scrutinize the work done by the Sahitya Akademi (in respect of Maithili) in the last 55 years. The awards should be kept in abeyance till the results of the inquiry are made public and corrective steps are taken.

II

THE CELEBRATION BEGINS

Videha Ist Maithili Fortnightly International e-journal has e-published more than three hundred issues to date. Meanwhile, we will enumerate the problems faced and the solutions found by us. The Journey began in the year 2000 at yahoo Geocities- the first words on the internet in Maithili were written by me on the yahoo Geocities sites (now yahoo has discontinued Geocities) towards the end of 2000 when I suffered a major accident which kept me confined to crutches for one and a half years. But that shaped my destiny. I could concentrate on my Maithili writings and my research on Tirhuta Manuscripts. On 5th July 2004, the first blog in Maithili came (gajendrathakur.blogspot.com) as "Bhalsarik Gachh", which was rechristened as Videha ejournal from 1st January 2008. From 1st January 2008 it came to be

published as a fortnightly journal. The first rechristened issue brought the story of the life and creations of a forgotten Maithili poet Late Ramji Choudhary (1878-1952).

Till the eighth issue of Videha the columns on Music, Mithila Painting, Children column, learn samskrit through Maithili got strengthened. Moreover, the projects on digitalisation of Maithili Classics and Panji Manuscript-leafs got started. The searchable dictionary (Maithili-English_Maithili) was designed and strengthened. From the eighth issue, a latest unpublished Maithili Play of Nachiketa "No Entry Maa Pravish" began its e-publication in Videha. Nachiketa, the greatest dramatist of Maithili Literature was silent for the last 25 years, as far as the drama was concerned.

Technology has two aspects, bad (its chances of misuse) and good (its effective use). It is a great leveller; it challenges status quo forces. It is applicable in all areas of knowledge. So, school-going children today have a clearer understanding of the universe and atoms than the Aryabhata or Sir Issac Newton had. After mass-scale use of printing education and

literature expanded its wings, but only after the "Internet and electronic transformation of tools of knowledge", it has become universal, it has jumped geographical boundaries. All shackles unfurled, the weak links of the chain were identified, and the chain which tried to capture knowledge, which tried to thwart its expansion, started breaking down. And the greatest beneficiary became the Maithili Literature. What is Videha, nothing, it is only its commitment to the Maithili Language, which helped it expand its base, and Videha became the means that were able to bind together the Maithili-speaking areas in both parts of the boundary (India & Nepal). Videha gave Maithili a batch of committed writers and a batch of committed readers. It challenged the status quo and casteist forces. It challenged confused writers, who were using Maithili as a tool to ride the ladder of Hindi. The lack of criticism, the lack of teeth in criticism was the reason that some writers and dramatists were using Hindi-Mix Maithili for cheap popularity, they were using derogatory language for the so-called lower castes of their society (some were finding plea in Natyashastra- when even the modern-day Samskrit

Drama is not using Prakrit etc.!!), and for their mimicry, those castes started keeping distance with this kind of literature. And once the confusion of the confused thinned, a new type of awakened literature, stage, and drama (top-class) became the norm.

Videha is regularly getting some excellent brains. Since its inception, Videha, the idea factory, is dependent upon them. As far as their versatile qualities are concerned, people associated with Videha are different. All are known for their perseverance and resilience. All are known for their arduous work. All are known for their quality work. All are known for their discipline. And all are committed; committed to Maithili and the Mithila. The cumulative force resulted in a natural revolution. A revolution in the field of Maithili Literature, art, music, craft, stage, and drama. The only international e-journal in Maithili started this quality movement in Maithili. Nothing less than world standard was acceptable. The awards were instituted to recognize the parallel field of Maithili Literature, art, music, craft, stage, and drama. Only the best was selected, there was no scope for the second best. The

participation of readers in the decision-making processes was encouraged. The readers got full access to the digitalised Maithili Literature. More than five hundred Maithili books and around 11000 palm-leaf mithilakshar manuscripts were digitalised and made available online under the "Videha Archive" section of www.videha.co.in (and the number is increasing every day). The audio-video-paintings-photographs were archived, and all these archived "art and lifestyle" of the people of Mithila were then placed online. The Videha Archive is a unique gift to the world.

So, what is the ideology of people associated with Videha? Is it collective thinking? No, of course not. In Videha all are welcome. Here all are welcome to discuss their respective ideology. Having said this, it needs emphasis that there are some basic human principles where no compromise is possible. The casteists, those having genetic superiority complex (which is another name for an inferiority complex), the practitioners of plagiarism, those who are unable to take part in a healthy discussion and persons who are not able to withstand the criticism of their creation, Videha is not a platform for them. The ideology of

people associated with Videha may have different tinges, not all need to toe the line taken by any member of the editorial board. Videha believes in the individuality of ideas and the editorial board never imposes its ideology upon its members. At the same time, it is being emphasized that each member of the Videha editorial board has a strong ideological leaning, the ideology of humanism is practised by all.

Videha-Maithili Literature Movement has its roots in the year 2000 when I started making Maithili Websites on Yahoo Geocities. After Yahoo Closed Geocities these sites were automatically deleted. However, the early form of Videha "Bhalsari Gachh" was started on 5 July 2004, and it is the earliest presence of Maithili on the internet. Videha and its vibrant members did their utmost in translating lacs of words on Wikipedia, and they successfully opposed the nomenclature "Bihari Languages" (Gerard M accepted the role of Umesh Mandal, the co-editor of Videha, go to Gerard M's blog and click the Dasipat Aripa photo from Videha archive (Preeti Thakur) placed at his blog, you will reach <http://videha.co.in/>). In Google translate/Wikipedia localisation drive, in Tirhuta and Kaithi script research

and the localisation of Braille in consonance with the Maithili Language, Videha shouldered the responsibility as a pioneer in technology viz-a-viz Maithili Language. It was a pioneer in many respects. It started for the first time a Maithili Websites Aggregator at <http://videha-aggregator.blogspot.com/>, the first braille site in Maithili, the first mithilakshar site in Maithili among others (total list).

Videha has organised several dozen Maithili book fairs to date. The 16th Videha Maithili book fair was held at Sagar Rati Deep Jaray, Patna on 10-11th December 2011 and the 17th Videha Maithili book fair was held at Guwahati, on 22-23 December next year at the Vidyapati Parv organised by Mithila Sanskritik Samanvay Samiti. The detailed list of all the venues (datewise). Videha also organised a parallel Sahitya Akademi Kavi Sammelan, besides awarding parallel Sahitya Akademi prizes, as corrective measures, as the awards and Kavi Sammellans of Sahitya Akademi were awarded/ organised in a unilateral manner where merit took a beating. Videha has, thus, fulfilled its obligation by interfering in the murky affairs of government organisations. Videha cannot remain a silent spectator, be it plagiarism or copyright violations.

So, the authors like Pankaj Parashar, and Ashok Sahu, who were engaged in lifting other articles/ stories/ poems were banned after verifying the sources and target writings.

Literature in translation is a major issue with Videha. Lack of translation in America resulted in Americans lagging in quality literature. We practise literature in translation in both directions- from Maithili into English and from other languages into Maithili. As far as translations from other languages into Maithili are concerned English, Nepali, Sanskrit and Hindi function as buffer languages in the process. Direct translations into Maithili are limited; and it is done directly only from English, Sanskrit, Hindi, Nepali and Bengali, although there are some exceptions. As far as the question of translations from Maithili into other languages is concerned, directed translations are again limited; and it is again done directly only into English, Hindi, Sanskrit, Bengali and Nepali, barring some exceptions. Videha contacted some notable personalities of class literature, took permission, and translated that literature into Maithili. Most of the time English was used as a buffer language and translation work from English, Hindi, Konkani, Telugu, Gujarati, Odia,

Kannada, Nepali and Telugu into Maithili was completed; and these works were regularly published in Videha. Maithili novels, poems, and short stories, on the other hand, were translated from Maithili into English and were published regularly in Videha.

VIDEHA became a Maithili Literature movement. No, VIDEHA was from day one of the Maithili Literature movement. Many established misconceptions got cleared through VIDEHA. The well-known facts, the not-so-obvious plot of some people to kill Maithili through its twin institutions the Sahitya Akademi and the CIIL was unearthed. The Right to Information came in handy. Sri Vinit Utpal asked for information from Sahitya Akademi through his RTI application dated 23.09.2011 (file no. RTI-125) and sought information on "Assignment assigned by Maithili Advisory Board, Sahitya Akademi under the convener ship of Sri Vidyanath Jha 'Vidit'". The information included a proposal received, a proposal rejected, and a proposal kept in abeyance." The statutory mandatory information supplied by the Sahitya Akademi unearthed a vicious circle of Maithili-speaking so-called litterateurs, hell-bent upon making Maithili a language-"of the Maithil Brahmin, for the Maithil Brahmin and

by the Maithil Brahmin". More than 90% of the assignments went to the friends, relatives, and acquaintances of the 10-member Maithili Advisory Board. No assignment to Sh. Jagdish Prasad Mandal, Sh. Rajdeo Mandal, Sh. Bechan Thakur (the greatest Short-story-novel writer of Maithili, the greatest living poet of Maithili and the greatest living Maithili dramatist; respectively), Sh. Umesh Paswan, Sh. Umesh Mandal, Sh. Ramdev Prasad Mandal "Jharudar", Sh. Durganand Mandal, Sh. Sandeep Kumar Safi or to Sh. Anand Kumar Jha. When every member of the Maithili advisory board is hand in glove with the Sahitya Akademi to kill the Maithili language then where lies the hope? The demand for Mithila state by these people will see that 10 Maithil Brahmin families would loot the Mithila state. Then where lies the hope? Here lies hope. Sh. Bechan Thakur has created a parallel Maithili stage and theatre, a slap on the existing slapstick humouristic Maithili theatre. Sh. Umesh Paswan is a discovery of the Parallel Sahitya Akademi Poetry festival organised by Videha. Sh. Jagdish Prasad Mandal, Sh. Rajdeo Mandal, Sh. Jharudar, Sh. Sandeep Kumar Safi and Sh Umesh Mandal have pumped their

energy, wealth, and time into our Maithili Language.
This language will live...proofs are given below: -

Google Translate:

<http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseProject>

then Wikipedia translate:

<http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai>

<http://translatewiki.net/wiki/Project:Translator>

<http://translatewiki.net/wiki/Project:Translator>

http://meta.wikimedia.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili

<http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai>

<http://incubator.wikimedia.org/wiki/Wp/mai> <http://translatewiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/mai>

<http://ultimategerardm.blogspot.com/2011/05/bihari-wikipedia-is-actually-written-in.html>)

[Monday, May 09, 2011

The #Bihari #Wikipedia is written in #Bhojpuri

This is the kind of article that has many people's eyes glazed over. It is about standards and scientific documents, and it is about languages most of my readers have never heard about. For the people that do speak one of the languages that are considered Bihari, it is extremely relevant, and it has implications for Wikipedia.

This is information provided by Umesh Mandal that explains the "Bihari group of languages" with the Maithili language:

Kellogg (1876/1893) and Hoernle (1880) regarded Maithili as a dialect of Eastern Hindi; Beames (1872/reprint 1966: 84-85), regarded Maithili as a dialect of Bengali, Grierson has done a great service to the Maithili language, however, he erred when he gave a false notional term of "Bihari" language after that western linguists started categorizing Maithili as a dialect of "Bihari" language; although there is nothing known as "Bihari Language" and both Maithili and Bhojpuri are spoken in Bihar (of India) as well as in Nepal.

Umesh is working on the localisation of MediaWiki for the Maithili language and as this language is currently in the Incubator, the language committee does its due diligence and trying to understand if Maithili can have a place in the Bihari Wikipedia. The information provided by Umesh makes it quite clear: "no".

This still leaves us with the misnomer that is the Bihari Wikipedia. The language used for the localisation and the articles is Bhojpuri. Bhojpuri has the ISO-639-3 code "bho".

Are you still following all this? Ok, there is one question I am not asking: How about the Kaithi script?

Thanks, GerardM]

Excerpt from a Maithili e-journal published as PDF (from Videha 2011: 22; Videha: A fortnightly Maithili e-journal. Issue 80 (April 15, 2011), Gajendra Thakur [ed]. <http://www.videha.co.in/>."Gajendra Thakur of New Delhi graciously met with me and corresponded at length about Maithili, offered valuable specimens of Maithili manuscripts, printed books, and other records, and provided feedback regarding requirements for the encoding of Maithili in the UCS."-Anshuman Pandey.] |

TIRHUTA UNICODE See the final UNICODE Mithilakshara Application (May 5, 2011) by Sh. Anshuman Pandey at Page 23 of the Videha 80th issue (Tirhuta version) is attached"Figure 11: Excerpt from a Maithili e-journal published as PDF (from Videha 2011: 22" and at Page 12 Videha is included in References Videha: A fortnightly Maithili e-journal. Issue 80 (April 15, 2011), Gajendra Thakur [ed]. <http://www.videha.co.in/>. and role of Videha's editor is acknowledged on Page 12 "Gajendra Thakur of New Delhi graciously met with me and corresponded at length about Maithili, offered valuable specimens of Maithili manuscripts, printed books, and other records,

and provided feedback regarding requirements for the encoding of Maithili in the UCS."]

The Maithili Speaking area is shrinking. It is shrinking due to a conscious-subconscious policy of the Governments of India and Nepal, and the situation became critical due to the invasion of Hindi and Nepali media and the biased educational system in Maithili-speaking areas, and due to the large-scale migration, which has happened in one single generation. The question of Hindi saw to it that Vajjika, Angika and now Thethi, Surjapuri etc. languages should get the tacit support of supporters of Hindi, first in the name of religion and second in the name of caste. Through this they did not support Vajjika, Angika, Thethi or Surjapuri; but they tried to weaken Maithili, which resulted in the weakening of Vajjika, Angika, Thethi and Surjapuri. For all this, the Maithili-speaking people, more so the officials (I will explain it later), are also responsible, as they tried to delimit Maithili within the two castes and four districts. All other people and areas, than these, were considered northern, southern, eastern, and western deviations of so-called pure Maithili, which was fictitiously considered as being

spoken by these Maithil Brahmins/ Karna Kayasthas of Madhubani, Darbhanga, Saharsa and Supaul districts. For the last 45 years the officials, yes, I call them officials, the officials of the Maithili Department of Sahitya Akademi, did not try to accommodate the people outside this fictitiously delimited domain. But the major problem lies somewhere else. The slow poisoning was given in many disguises, be it the faulty top-heavy education system, which neglected primary and middle school education through the Mother Language Maithili, or be it through the concept of dialect, which initially conveniently declared languages like Maithili as dialects. Elementary education through Maithili was a non-starter because the Maithili books published by the Bihar State Textbook Publishing Corporation Limited seemed to be in Avahatt, it was not fit for children. Further, the authors and subjects selected for these books had a casteist bias. Maithili became a tool for caste-based politics, as once Hindi had been a tool for religion-based politics. Still, these officials, of the Maithili Department of Sahitya Akademi, are residing in their own built ghetto, bereft of any thinking or vision. Another reason for the present

plight of Maithili is the policy undertaken by the tax collectors of Mithila (permanent settlement Zamindars of Cornwallis), whom the sycophants call King or the great king (Raja/ Maharaja) or Mithilesh (King of Mithila) these were mere tax collectors, the right for which were given to the highest bidders permanently; and there was not one such Mithilesh (tax collectors), but many within the borders of Mithila. These tax collectors employed mostly those two castes from four districts in their merchandise venture, and as the selection was based on sycophancy, so the work suffered. So, they imported the lathiyals from outside the Mithila region. The masses of Mithila suffered a blow from the double-edged weapon. First, from their people who did not consider them as their own and second, the outsiders looted them. Now after some time these outsiders, the non-Maithili speaking people, found it convenient to declare the masses (not belonging to the two castes from four districts) as non-Maithili speaking people, and the officials/ sycophants from those two castes from four districts tacitly agreed to it. Now these outsiders, the non-Maithili speaking people, formed a majority in many places of Mithila, and they led the rumour that Maithili,

like Samskrit, is an upper-caste phenomenon, and thus they legitimized their anti-Maithili stance (all these facts have been brilliantly dealt with in the Maithili Novels of Sh. Jagdish Prasad Mandal) and they propagated the case of Hindi, first based on religion and second based on caste. But why our people fell into their trap, why these tax-collector Maharajas did not consider the masses of Mithila as their own and imported the perpetrators to loot their masses? The simple answer is that merit took a downward leap in auction-based tax collection rights allocation.

We started from one and reached number three, then thirty and now three hundred!! and we are growing... and are three hundred not out and are creating a grand history. <http://www.videha.co.in/> Videha Ist Maithili Fortnightly e-Journal ISSN 2229-547X has e-published its 300th issue recently. When I began this venture in the year 2000 with a Samsung TV net appliance, and when the existing was posted on 5th of July 2004, I moved all alone. Then on 31st January 2007, I suddenly thought to include the public, as after some groundwork I was ready for it. I decided to e-publish Videha and did publish it, on a fortnightly

basis, the first issue that came on 1st January 2008 tried to include all the previous posts.

From all corners of this planet earth, the people tried to change the destiny of Mithila and Maithili. Now Sh. Ashish Anchinhar, Sh. Munnaji (Manoj Kumar Karn), are part of our team; and together we are three hundred not out now. With three hundred plus issues, 30,000 pages of Maithili literature (one hundred lac words corpora) creation and 11000 Tirhuta manuscript transcription we maintained a 50000-word Maithili-English vocabulary database. Now we are 350 strong, with 350 authors.

Videha has faced challenges and has withstood them. We never shirk from any question and/ or problem. The question of the state of Mithila is one such question which often comes calling. We are in favour of the states of Mithila within the sovereign borders of India and Nepal. We are in favour of Mithila. But which type of Mithila, that type that we had during the Zamindari Raj, where means of sustenance and avenues of existence remained limited for a few castes? Or that culture that existed within "Aryavarta-Indian

Nation newspaper" and other Industries during that Raj. A dozen families of Mithila galloped all these mostly from a single caste!! No, we are not in support of that Mithila, that Mithila where Maithili would be swallowed, as it is being swallowed by the Sahitya Akademi and the CIIL, swallowed by another dozen families. We are not in favour of that Mithila where the proceeding of the legislative assembly would be held in a language other than Maithili. Till the misgivings of the people of Mithila are addressed, we cannot support any Mithila state movement. So the people striving hard for Mithila state should sit on a protest before the advisory board members of the Sahitya Akademi/ CIIL and sing patriotic songs in front of their houses, and pressurise them not to misuse government funds by unscrupulously awarding functions of Akademi outside Mithila and not to misuse the power of assigning translation and other rights to themselves and to those people who are hell-bent upon destroying our language. The RTI application by Sh. Vinit Utpal has thwarted an attempt to strangulate Maithili, but if the supplementary work is not done the sinister design would resurface again. We request the Maithili advisory board members of Sahitya Akademi immediately return their assignments taken in their name and the name of the members of their

family. Otherwise, pressure should be mounted to force these 10-member Maithili Advisory Board members to voluntarily resign from their membership in the larger interest of Maithili. So, what is our answer viz-a-viz demand of Mithila state: it is a categorical Yes.

The technology-centric venture called Videha became a success. The native speakers of Maithili reside in Bihar (of India) and South-East Nepal. The net connectivity had been extremely poor in these areas. Then how the authors, new and old, started using Unicode for writing for Videha. The Nepal Side of Mithila had been using Preeti, Kantipur, Himala etc. fonts, the Kolkata Maithili-speaking population had been using the Marathi fonts and the rest had been using the fonts based on the old Remington keyboard. All these three types of fonts are ASCII fonts. We researched these fonts and provided font converters to our Nepal-based authors. We also provided phonetic and Remington-based Unicode writers to all Maithili authors, who asked for them. We asked the authors if they may send their creations in any font, but at the same time, we encouraged them to use Unicode fonts. The technical support that we provided resulted in numerous receipts

of typed entries from persons like Sh. Gangesh Gunjan, who in earlier stages had been sending their creations in their handwritings. As Sh. Gangesh Gunjan was well versed in Remington keyboard typing, so he made wonderful use of the Remington Unicode typewriter. He sent that software to some of his friends too and he was courteous enough to intimate about this to us, although there was no need for that. Sh. Saketanand also used that software and sent his short story कालनात्रिश्च दान्धा in Unicode, and it was published in one of the issues of Videha. The technology-centric venture called Videha became a success because we made it simple and intelligible at a time when even the technologists were not sure about the future of this Unicode. The virtual medium was being seen with anxiety by the literary fraternity, and the copy-paste system of theft was rampant in those days. But we assured the authors that with Videha they may rest assured that the copyright thieves would not be spared, while at the same time we were firm, that only for fear of misuse of technology we should not stop our venture midway. With the internet and technology, the geographic barrier became non-existing. The end of the problem of distribution in Maithili literature became possible due to our technology-friendly attitude and it

proved a boon for our Maithili language. And it made the technology-centric venture called Videha a success... It is the success of the parallel Maithili literature movement.

III

HONOUR KILLING OF GANGESH UPADHYAYA (FIRST BY RAMANATH JHA, THEN BY UDAYANATH JHA 'ASHOK' (A PARALLEL HISTORY OF MITHILA AND MAITHILI LITERATURE, WHY TODAY ITS NEED BEING FELT MORE INTENSELY?))

I was not surprised, though I must have been when I saw a monograph on Gangesh Upadhyaya, whose copyright is being held by Sahitya Akademi, the author of the monograph is Udayanath Jha 'Ashok'. I thought that Udayanath Jha 'Ashok', who has been given Bhasha Samman also, by the same Sahitya Akademi, would do some justice. But truth and research seem elusive in Sahitya Akademi monographs, at least that I found in this monograph.

I searched and searched through chapters, that now the author will show courage. But the author like Ramanath Jha seems ashamed of the roots and

offspring of Gangesh Upadhyaya. He tries to confuse the issue, but there is no confusion now at least since 2009. But in 2016 Sahitya Akademi seems to carry out the casteist agenda. Udayanath Jha mockingly pretends to search his name, lineage etc, where nothing is there to search for, yet he could not muster the courage, to tell the truth, and ends up just repeating the facts in 2016 that Dineshchandra Bhattacharya already has published way back in 1958.

The honour killing of Gangesh Upadhyaya by Prof. Ramanath Jha is being taken forward by Sahitya Akademi, Delhi in a most hypocritical way.

Ramanath Jha's obscurantism *vis-a-vis* Panji is evident from one example. The inter-caste marriage in Panji was well known to him (but he chose to keep the Dooshan Panji secret- which has been released by us in 2009), and it was apparent that the great navya-nyaya philosopher Gangesh Upadhyaya married a "Charmkarini" and was born five years after the death of his father (see our Panji Books Vol I & II available at <http://videha.co.in/pothi.htm>). Sh. Dinesh Chandra

Bhattacharya writes in the "History of Navya-Nyaya in Mithila". (1958)

"The family which was inferior in social status is now extinct in Mithila----- Gangesha's family is completely ignored and we are not expected to know even his father's name-----...As there is no other reference to Gangesa we can assume that the family dwindled into insignificance again and became extinct soon after his son's death." [1958, Chapter III pages 96-99), which is a total falsehood. He writes further that all this information was given to him by Prof. R. Jha, and he seemed thankful to him.

The following excerpt from Our Panji Prabandh (parts I&II) is being reproduced below for ready reference:

-

महानाज हनसिंहदत्त- मिथिलाक कर्धार्ट वंशका आगिनीध्वन 01कूनक
वर्ध-नन्नाकनम हनसिंहदत्त नायक आकि नाजा छलाह। 1294 ॐ। म
जन्म आ 1307 ॐ। म नाजसिंहासना घियासईन गुगलकसँ 1324-
25 ॐ। म हानिक वाद नयाल यलायना मिथिलाक यज्ञी-प्रवचक
ब्रह्मण, कायस्त आ उप्रिय मध्य आधिकानिक स्थायक, मैथिल ब्रह्मणक
हनु गुणाकन मा, कर्ध कायस्तक लल शंकरदत्त, आ उप्रियक हनु
विजयदत्त अहि हनु प्रथमगया नियूक्त रलाह। हनसिंहदत्तक प्रनघासँ

आ ॐ हनसिंहदत्त नायदत्तक वंशज कुलार्ह, ज नायदत्त कार्धारि वंशक १००६ शाकम स्थायना कन नरुथि- नरुद शुचं शशि शाक वर्ष (१०१६ शाक)... मिथिलाक यद्युग लाकनि शाक १२४८ गदनुसान १३२६ ॐ. म यक्षी-प्रवचक वर्गमान सनूयक प्रानशुक निर्धय कउलहि। पुनः वर्गमान सनूयम (थाउ वृद्धि विलासी लाकनि मिथिलश महानाज माधव सिंहसँ ११६० ॐ. म आदश कनवाउ यक्षीकानसँ शाखा प्ररुकक प्रधयन कनवउलहि। उकन वाद याँजिम (कखना काल वर्धिग १६०० शाक मान १६१८ ॐ. वारुवम माधव सिंहक वादम १८०० ॐ.क आसयास) (श्राप्रिय नामक अकटा नव ब्राह्मण उयजागिक मिथिलाम उग्रदि रला।

So, the Srotriyas as a sub-caste arose around 1800 CE as per authentic panji files. Sh. Anshuman Pandey [Gajendra Thakur of New Delhi provided me with digitized copies of the genealogical records of the Maithil Brahmins. The panjikara-s whose families have maintained these records for generations are often reluctant to allow others to pursue their records. It is a matter of 'intellectual property' to them. I was fortunate enough to receive a complete digitized set of panji records from Gajendra Thakur of New Delhi in 2007. [Recasting the Brahmin in Medieval Mithila: Origins of Caste Identity among the Maithil Brahmins of North Bihar by Anshuman Pandey, A dissertation submitted in partial fulfilment of the requirements for

the degree of Doctor of Philosophy (History) in the University of Michigan 2014].

Later these Panji Manuscripts were uploaded to Videha Pothi at www.videha.co.in and google books in 2009).

The so-called Maharajas of Darbhanga were permanent settlement zamindars of Cornwallis, and there were so many in British India, but in Nepal there were none. In the annexure of our book (Panji Prabandh vol I&II), we have attached copies of genealogy-based upgradation orders (proof of upgradation for cash). So, before 1800 CE, there was no srotriya sub-caste in British India and there is no such sub-caste within Maithil Brahmins in Nepal part of Mithila even today. Srotriya before that referred to following some education stream in British India, in Nepal it still has that meaning.

ORIGINAL PANJI REFERENCES ARE PLACED BELOW:

DOOSHAN PANJI- THE BLACKBOOK

४६.

१८८/२	वर्मकानिधी	माधुन	वरनियाम	छादन
गण्डर्विंशामिधि कानकगंगेश	छादनगंगेशक	नाँव्ही	न्याकनक- मागृक (अह्णाग)	गंगेश

	वल्गरा	रुवाळ	माहध्वन	
			जीव	

२१/१० छादनसँ गण चिन्तामधि कानक जगद्गुनु गंगेश

छादनसँ गण चिन्तामधि कानक

गंगेशक वल्लरा चर्मकानिधी यिगु यनाऊ यञ्च नर्व द्यगीग गण चिन्तामधि कानक गंगेशाग्यधि- चर्मकानिधी मधाक सन्तानक लागिम छलहि

छादन सँ गण चिन्तामधि कानक म०म० गंगेश

"गण चिन्तामधि कानक म. म. या. गंगेशक निषयक लख प्राचीन यज्ञीसँ उयलबुद्धि।।

यिगु यनाऊ यंच नर्व द्यगीग गंगेशाग्यधिः छणि प्राचीन लखनीयः कृप्रायि

द्वानद्व यज्ञी ३६-२ छादनसँ जगद्गुनु गुनु गंगेश स्याय वरनियामसँ जयादिग्य स्या साधकन यती

द्वानद्व यज्ञी ३३६-३ जगद्गुनु गंगेश स्या स्यन दो रुधानिसमसँ हनादिग्य दो।। यप्र स्याच (गाना जजिवाल सँ जीव यती ७ स्या सद्गदि रुधध्वना अप्रस्तान स्यनत्रागु हनिशर्म दानिगि क्वचिगु जजिवाल ग्राम

द्वानद्व यज्ञी ३०=१ छादनसँ उयायकानक म.म. या. वड्डमान स्याच खध्वलासँ विश्वनाथ स्या शिवनाथ यती गंगेश- म.म. वड्डमान/ स्यन/ हनिशर्म

Ganges, the author of the Tattvachintamani, wrote one text equivalent to 12,000 texts. Now come to the fact mentioned in the Panji- it clearly states that Ganges of Tattvachintamani was born five years after the death

of his father and he married a tanner, so why did Ramanath Jha hide this from Dinesh Chandra Bhattacharya? Vardhamana, son of Gangesh, calls Gangesh *sukavikairavakananenduh*. But the conspiracy under which the poems of a famous scholar like Gangesh are not available today is clear from the example given above. Vasudev of Bengal was a classmate of Pakshadhar Mishra of Mithila, he came to study in Mithila, passed the *shalaka* examination and received the title of *sarvabhaum*. Vasudeva memorised the *tattvachintamani* of Gangesh and the *nyayakusumanjali karika* of Udayana. Pakshadhar and other Mithila teachers did not allow writing (copying) *tattvachintamani*. Raghunath Shiromani, a disciple of Vasudeva, took the right of certification after he defeated his guru Pakshadhar Mishra in a scriptural debate (*shastrartha*). The *Navya Nyaya* school was founded in Navadvipa by Vasudeva-Raghunath. Pakshadhar Mishra was a contemporary of Vidyapati (distinct from the Padavali writer who was of the pre-Jyotirishwar period) who wrote in Sanskrit and Avahatta. And the arrival of Mithila students of Bengal from Bengal stopped after Raghunath Shiromani. Gangesh Upadhyaya enjoyed *param guru*'as well as *jagad guru*'titles, the highest titles of the time and

as per Panji only Vacaspati Mishra II was the other person who enjoyed the title of '*param guru*'. The extinction of Navya-Nyaya School from Mithila, as described above, was a revenge of nature against the honour killing of Gangesh Upadhyaya and his family.

[Translation of the Maithili Short Story, 'Shabdashastram' (based on the true Panji records of Gangesh Upadhyaya) was done by the author Gajendra Thakur himself: published as 'The Science of Words' Indian Literature Vol. 58, No. 2 (280) (March/April 2014), pp. 78-93 (16 pages) Published By: Sahitya Akademi]

3

Kamlanand Jha has written a book on Nagarjun (Maithili's Yatri) where he credits him with giving a new direction to Maithili literature. Chandradhar Sharma Guleri wrote 'Usne kaha tha', a marvellous short story in Hindi, the best one of its time. But his literary corpora is very little in quantity, so if anyone tried to give him credit for giving direction to Hindi short story writing would make himself a laughing stock. And Yatri's Maithili literary corpora is even thinner than Guleri's. Moreover, Rajkamal Chaudhary

calls him of the medieval age (Rajkamal Monograph, Subhash Chandra Yadav, Page no 14). He wrote Chitra (25 poems). He wrote, rather hurriedly published his 'Patrahin Nagn Gachh' (44 poems) for Sahitya Akademi Award in Maithili, which he got in 1968. After that he stopped writing in Maithili, so how can he influence anybody when after getting the award one stops writing in that language? This is one example of his instability so far as his ideology is concerned. He became a Buddhist monk when he left for Sri Lanka and became a Brahmin again when he returned after a 2nd sacred thread ceremony performed in his village. This is another example of his instability so far as his ideology is concerned. Kamlanand Jha does not know Maithili literature. His comments should be exposed, as he tries to give a bad name to the great tradition of Maithili literature. There were mainstream writers, but there were writers of parallel tradition also (see below Annexures 1 & 2). He has confused the Sanskrit and Avahatt Vidyapati Thakkurah with the Padavali writer pre-Jyotirishwar Vidyapati. He should read the writing of Vijay Kumar Thakur, a leftist historian, who has given ample light on pre-Jyotirishwar Vidyapati. [*My article on Vidyapati in Prabandh Nibandh Samalochna Vol.II*]

(available in Videha Archive) covers all these, the logo of Videha is the photograph of Pre-Jyotirishwar Vidyapati, sketched by Panak Lal Mandal, recipient of Videha Samman for fine arts.]

Annexure 1

चक्षु मा (१८३१-१९०१), मूलनाम चक्षुनाथ मा, ग्राम-
यिष्ठान्क, दनरंगा। कवीश्वर, कविचक्षु नामसँ विरूषिण। शिर्षनकँ
मैथिलीक प्रसंगम मूय सहायण कनिहान। कृति- मिथिला राषा
नामायध, गीति-सूत्रा, महभवाधी संग्रह, चक्षु यदावली, लक्ष्मीश्वर
विलास, अहिल्याचरित आऽ विद्यायति नचिण संस्कृत यूनुष-यनीजाक गद्य-
यद्यमय अनुवाद।

१

आयक रदन कचहनी नाम।

सर अणाय रनल गहि ०म।

सय वचन विनल जन राष।

सर मन धनक हनन अरिलाष।

कयट रनल का काटिक काटि।

ककन न कन मर्यादा छोटि।

रुन कति 'चञ्च' कचहनी घूसा।

सरु सहमग ककना क दूसा।

२

नगिया दिन दूनगगिया ह राला!

(गोया जगतक भेया ह राला

कटय कसेया हाथ

हाकिम रल निनदेया ह राला

काय लगायव माथ

वनसा नदि रल सनसा ह राला

अनसा क७ (गल मह

नगिया दिन दूनगगिया ह राला

जन गन जिवन संदह

मूखिया व७ व७ सूखिया ह राला

अन्नवक दूखिया उल

क सह कान कनखिया ह राला

सूखिया विनना टाल

३

अस्र शस्र नाक आव मामिलाक मानि।

राळ् राळ्कँ यरेळ् निग्र निग्र गानि॥

०कू लाक हकू याव साधू कँ उजानि।

देव ऊ ललार लख क सकेळ् टानि?

चाही नदि धन, ललितनाम, यकवान जिलवी,

मनादिनादक हगु अमनयगि सदन न टवी।

ळी अन्न अरिलाष ह मन कन्धामयि दती

रकि राव सँ सग अहिक यदयंकज सती॥

अन्न महग, उगमग अछि राग, हयग काना निस्फाना

उफन यश्चिम रूमि अगथा यर्ग असह गुषाना।

धर्म-दिनाधी सहसह कनळ्ळ, कूमग कथा निस्फाना

कनथू कृया जगजननी दती महिसीवाली गाना॥

मिथिला की छलि की रय (गलि,

याहदलक मूनि, जनक नृयगिवन

स्नान रकि सँ (गलि।

वाचयगि मिश्रादि जगङ्गु

निर्जिग वेद्व समलि

स शानदा स्मर्ग जनि (गली
वढल कृनिद्या कलि।
वर्धाश्रम विधि ककनहू नूचि नहि
श्रुति श्रद्धाकँ (0लि
यूजा या0 धान वकमूझा
सरटा वंचन खलि।
कह कविचञ्च कचरुनी रनिदिन
वहूग राग कन जलि,
कलह कनाय धर्म धन ना(श
कलिक दनिद्रा चलि।

४

मय कहन रल घान ह शिद्र।
(गोधन वियगि, धनम अवनगि दखि काग हिय कनव क(0ान॥
साधू समाज नाजसँ यीगि अगि हनषिग-चिग चान।
अकूलिन लाकँ धनधि यनियूनिग कूलिन समादन था७॥
धनम स्नीगि घीगि ककनहू नहि, खलहिक चलळळ जान।
कह-मूल-रूल सह अ व दूनलर अन्न (गल दशक 0ान॥

किङ्क शुरु साधन वनि नहि यञ्छुठ थकल मन, मगि खना
कह कवि चड्ड ह मन दुख भएग हायग कृया भिन्न गान॥

७

समन् समन् मन! शंकन समय रयंकन जानि
ककन हृदय नहि कलषिण शासन कलि नृप यानि॥
कवल भिन्न कनूषाकन सत्रयिण नहि जन हानि॥
रक्ति कल्यलगि जानह यनम यनभमनि खानि॥
काहू विषयम न लागह यागह अनूचिण मानि
सुखसौँ अन्क विलसवह 'चड्ड' चूञ्ज नजधानि॥

ANNEXURE 2

१

रूपुनीलालक अकाली कविणाअकाली कविण /

रूपुनीलालक रूसली वर्ष १२६१ .१४ ष्टी-१६१३)सन सालक (
अकाली कविणा

[श्रियर्सन [(मैथिली क्रममेथी उच्च वाकावलनी)

साल अकासिक वर्धन सूनूचोदिस य७ल अकाल /
रल वनिसाग खिन्न उ सालककहाँ लंगि वननौँ हाल /
नाहिधि आदि थीक वनिसागक / ऊहिँ अला गहिँ गेला
मिगिसिना मन यूनल मनानथदे सीसा किछु गेला /
अनद७ आउम्वन रानीगनजा हँ चहूँ उन /
यूख नूख नाखल धनगी कनरल वनखा कन उन /
यूनर्वसू थिक व७ यूनूगाउहा व७ कसनस /
विआ वि७नक ऊ किछु उयटलधनि वनिसल असनस /
मघा रल मंगाहिआ कल्लनजगरनि क ने जान /
यूनवा यून यछु ने नाखलककना कनव वखान /
उफना आळू जाय घन वेसलसयों ले ने वून /
हथिआ शृंग मूँ दे मूनलगनिकों लागल घून /
चिना चिग मिग ने नाखलउहा रल उकु धागी /
नाक नंगोलहि सरे नछुफनदाम नूकोलहि खागी /
जागिष यठिसाधि रूगाल-साधि / यठि ऊ जन उलाह-
नखागधिग वीजसौँ उआकिरुगनि कौँ कच्ची वाल /
श्रीनाम कृयागणि उहा न जानथिजाहि कृया सर काज /
यानिक प्रश्न कवों जों यूछिउहिंसहा कहेंग हाळूहि लाज /
ऊहिखन नदी नाल ने रनलगाहिखन नोदी सनगी /
विना जल जग किछु ने उयजलदगध रल छथि धनगी /
ग नन नोदीक आगम वूमलज छल कृषि किसान /
देव वयव्व यव्व ने नाखलज७ि कटोलक धान /

कादा म२आ अका न उयजलने उयजल किछू साम /
गझुती गझुनि खगदि सूखाअलएल विधागा नाम /
मर्गुवनम क कन नञ्जाकहाँ जाँळू कँ रागि /
सूखल यगाल हाल ने उगहँसगनहँ लागल आगि /
धृक जीवन उँळू नृयगि ॰॰ञ्जकँज नाकल गदि यानि /
जीवाजन्-गु विकल यूहमीमगाकँ हा ने आनि /
नदीन खठी उी चीन /नाय अका ने उयजल-
घनदूनदिन एल अंव चीन /नानी-घन साच कने नन-
धनिक लाक सर मनदि मगन छथिनाखथि वहूगा ठनि /
हसाथि नृयेया घन के नाखथिमहगी एल अंव सन /
कडा कूनथी खग मास् वसाहलजादि कोति छल अयना /
काक जना हनिवासन ठानलराग वहूग के सयना /
काक जना मिलि जनन वसाहलनिनधन वैसल गकँळू /
एल धननिनि दूँळू रुसिल जगनाहति आठान मकँळू /
काल यगल गिनहूगिम रागीगँ ॰॰ी वहि गल हादा /
घनहूँकि मकँळू कन लादा /नानी-घन मगन कने नन-
मालिक उीन महाजन सरकँघन ठनी अन्न-घन /
लाक वूमाठान उाहा गके छथिमूँह / गनीवक सन
समे दखि वनिआँ सर सनकलठनँ ल(गोलक टट्टी /
सून्न दाकान सहनम यनि गलसून्न एल सर चट्टी /
सूखल गाग वाग री लटयटकगक वाग अंव सहना /
नन नानी सर सान गआगलविकनी एल अंव गहना /
मँगरीका खूटी उी ग०कीनकमूँनी ने नाक /

करसनि विच्छिआ ओ मिमिमिआँवाइवइ ओ वाक /
चइइहान, हेकल ओ सिकीओन घमोनिक दाना /
सूगि, नवग्रह ओ यचखँगीलशुनी रल निदाना /
गायन दरवजाग ने वचलकनम रल निखइ /
गमघेल, अठेआ ओ यिकदानीने गसला ओ गटू /
वाटी, वइआ ओ यनवइआराजन कनेक थानी /
माधव सीदि सदिग सावननाने वचल घन मागी /
धन संयोगि घन किछू ने वचल/ सरटा यो (गल वंधक
गेडा रूख छटल ने ककनाअहन यट रल खंधक /
देव अंश अवनल कयनीजा यन नाम सहाअ /
मिथिलायून वूअन जव लागयस सनि यइँचल धाअ /
खनिद अनाज जहाजदिँ वामलरनी कनि कनि वाना /
सदन गिलंगा आआ यन रनीओन आलाळ्णि (गाना /
हाजीयूनम लाख हजारनमके लाखन हळ्ळ यटना /
वाजिगयून सल्लगानयून (गालाने जानग हौ कगना /
गागी, वेल, छकअ, ऊँट विहानअवहग हळ्ळ सर दाना /
मिसन कइँआ कँ याखनन मयदिल्लक अगी (0काना /
श्री लक्ष्मीश्वन सिंह नृयोगिमहानाज मिथिलश /
अचल नाज दअरंगाश्रीयोगि हनदिँ कलश /
गागी वेल लाखन हजारननगाकँ यन घअन /
यदिल्लक (गाला मध्वन, रीअजरुना ओन अअन /
वनीयडी, ओ यचमहलाकृष्णोेल ओ कमगोल /
हनहनयून, यिअनूळ वननोकानज कगकाँ वनिओल /

वानि याखनि, विनसायन वननोय(छोल का ने जान /
नवहृद, सनिसा उा रटयूना, गा साँ दडिध उजान
मंमानयून, महनेल, कश्चेलीम(धयून ह०० खास /
वनीयून, कमान, ननेहिउावननोँ रूलयनास /
ममना ह०० जगजानिा जगममहथा उोन वछोन /
दूहवी उो महिनाथयूनउोन जेनगन तक ह०० दोन /
वलदवयून उो टंगा वननोँमिनजायून लघू हार /
सीवीयटी उो कयसीआसदन (गाला सोना0 /
गुनवाकँ यनवनसी हाकिमकन गिनहूम आक /
ने गा मनग का नन नानीवाल वव सूखा क /
का मूनदा गनदा मे मिलगअसंख जीव चल जागा /
सन समधी कँ संरा न लहूनने ववग जलदागा /
सरकँ सर उयछे रे (गलधून याखन उो स०क /
नहि (गल ब्राह्मण सागी यधुिगकायथ यछिमा 0कून रुनक /
कडा उानसिअन नाम लिखाउालकडा माहर्निन रँट /
धर्मकार्यम लूटथि नूयेआगँ रल सर कन रँट /
कडा जमानग देकँ ववलाहजिनका अमला नही /
ककना मानि कँग यि0 गाउेहिउगनेहि जन्मक (0ही /
ककनहँ गानग गाग सूखाउालवहूगा हाअय चलाना /
मागुयिगा घन यनिजन नानयवावू (गलाह जहलखाना /
ककनहँ घन रल खानागलासीरुट माहर्निन घाँछ /
कडा अदालगिम ति०आ०० छथिककनहँ उयनेहि माँछ /
अगना सूनि हाकिम निसिआउालगँ लागल जन 0का /

नाक नंगोलिह्रि सरै माहर्निनलागल चूनक टीका /
जाग, विकोआ, लोकिक वंशककिनिआमंग सकूल /
गाछी, वाँस, वेल ओ महिसिजगह केल एकखूल /
गाहि नूथेआ सौँ कना गजनले कानट सौँ नीन /
गँ कानन वहूगा घन मगआराळ् रणीजा रीन /
आअ लार वहादून ओ /दठिरंगा धाम
वावू ओ ववूआन सहिग मिलिकीह्र कूमेटी खान /

.....

.....

.....

अह सर संग वेँओ केजाय कूमेटी रल /
अजव कान सनकान कगिनह्र यहूँचल नल /
वाजिगयूनसँ सअक निकालेआय दोठिह दोठी /
दहया गंअक यूल वहाअआअ चोनही चोनी /
धर्मधीन, वलवीन, कथनी जानग हळ् /जगदीशन
लछमी सागन क याखनिमगाहि कीह्र हळ्सटीसन /
वअ लार कलकफ्नालश्रीदुर्गा ह्यअ संग /
आगना क छाटा लाल वहादूनवेँओ सर अकनंग /
अट कमिश्न ओन कलह्रनवालहिं वाग नअंट /
अह याचा हळ्जलास यन वेँओसंग जाग अह अंट /
खवनि गअ अखवान मोँमथिल क अह हाल /
सनह्र ह्रिनंगी अत्रध देकँमटह्र दुख क जाल /
ह्रूम दीह्र दाउ लार कासनह्र ह्रमान वेँन /

मदगि कनहू नआआनकाष्ठा वै(0 हो चैन /
व७ लार दाउ वीन उ०।७साहव ओ जननेल /
भजन मजिचन ओन कलङनसंगजाग कननेल /
दस दससौँ अन्न मंगाउलदीहू सरनि क दाम /
महामूँग, गहूम ओ चाउनवज७ ओन वदाम /
गली, यटना ओ रटसानदीली ओ अजमन /
आगना ओन काहूयून ठाकाजहाँ अन्न क ठन /
र७ नमाना अन्न गिनहूगिमलादि गा७ी ओन वेल /
गज, गुनंग, गदहा ओ छक७संग सियादी छेल /
छग्री ओ यै०।न मागल सरवाँकावीन नजयूग /
सारग वननि नजाग ह०००जेस हनुमन्क दूग /
आ(ग सरहन डा मैनायलटन वीन जमान /
वनछी ओ गनुआनि गहेकन गहे गीन कमान /
चढि गुनंग यन कने कवा०००गजमादान हा७ संग /
सारग वननि न जाग ह०००दखि गखनूक नंग /
कनग काम सर धाममट्ट अट सर लूट /
ठाहि री७ गाछी सहिगवाबे स७क ओ यूल /
जिल यटन ओ रटसानप्रगन्ना महिसोन /
गहाँ वसहिँ एक सजानगहि घन जा लक्ष्मी दो७ /
श्री ज्ञानिका प्रणादिगधर्मधीन वृद्धिमान /
गहसीलदान कानट क खासाजानहिँ सकल जहान /
वाव् ००सनी प्रसाद दियोटीसा मध्वनम आ७ /
हूकूम दीहू स्यननउँटकँटाल टाल हा७ जा७ /

मन यँचा मनगन रै लिअवहूँगा लिअ खेनाग /
धय धय अंगनज वहादूनसरकँ शरल गाग /
गनिव, गनी, गुनवा, कन् जै, जैव्राककध दग असीस /
श्री नघुनाथ वटे वदसाहीगदी लाख वनीस /
रुगुन लाल कनि वननग हँअह नोदी क हाल /
(गोनमिंट (गोननल वहादूनगिनहूँगि नाखहिँ वहाल /

२

नाथकृषू चौधनी (मिथिलाक ँगिहास) (विदह यरानम उयलब्व(

"१११० क अकाल मिथिलाक ँगिहासम अङ्घिगीय छल आ मिथिलाक जनसंख्या घटिकँ एक दम्न कम्म रुऽ (गल छला १८१३ १४ म पूनः- एकटा उाहन अकाल मिथिलाम रल छल जकन विद्वनध ह्मना रुगुनी लाल कनिक अकाली कनिफसँ ररुअये, अकाली कनिफ अय्रकाशिन अछि। अकालकँ दून कनवाक हगु आ मझनकँ नाजी दवाक हगु गहि काल नलगातीक याजना चलाउल (गल जकना सम्व्वम रुगुनीलाल लिखेग छथि-

'कथनी अजान जान कलनका वनाय शाना
यवन का छकाय मैदानम धनाया हौ॥
छाग हँ अगदान वग वीच धाय धाया
सरलाग हटाजाग कगाजाग खग हौ॥
गानकी अयानकान खवनि दग वान वाना
वग गया टिकसदान नल की उवाअी हौ॥

कनक हँ अनान (आन यीऊ कग लगन छाना
जान की धमाक स मशीन की वगळी हो॥
कम्यूसन यहनदान काथी सव अजवदाना
काळला रन कनल कान धूआँस उगाया हो॥
वाजा एक वजन लाग हाथी असा
यिकन लाग जैसा जा चढनदान नैसाधन याया हो॥
गंगाकँ रनल धान उगनि गया रूपून यान गाजीकी॥
अजवकान कनिफ यह वनाया हो॥'''

-Gajendra Thakur, editor, Videha (be part of
Videha www.videha.co.in -send your WhatsApp no to
+919560960721 so that it can be added to the Videha
WhatsApp Broadcast List.)

अयन मंगच editorial.staff.videha@gmail.com यन य०।३।

द.विदेह मिथिलाक खाज

विदेह मिथिलाक खाज

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली यात्रिक ॐ यत्रिका
Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली यात्रिक ॐ यत्रिका नव अंक
दखवाक लेल वृष्ठ सरक निद्रुष कउ दखू। Always refresh the pages for viewing new issue
of VIDEHA.

ग्रफ़ अछि विदेह, मिथिला, गीनगुकि आ गिनहूक नामसँ विद्याग वर्मान रानग आ नयालम यसनल माटिक प्राचीन
आ नव स्थायय, विप्रांकिग अरिल्लख आ मूर्फिकलाक अकटा छोट संग्रह। उ संग्रहकँ युर्ध कनवाक हग अयन वहुमूय
संग्रह editorial.staff.videha@gmail.com कँ य0।। आर्काव्वक सर्वाधिकान नवनाकान, सद्यविग खटाअरहन आ
संग्रहकर्फक लगभ छहिन। खटा सर य0वा लेल धयवाद या0कगध। साराना विषय विवन्ध दखवा लेल किक
कनु **दर्भनीय मिथिला, Brochure 1, Brochure 2, Brochure 3, Brochure 4, Brochure 5 (मैथिली
साहित्य संस्थान लिंक), IGNC ASI (Cultural Heritage of Mithila-search keyword Mithila), Temple
Survey Project ASI-English आ Hindi.** युर्धः अद्यवसायिक उद्यथ आ माग्र अकउमिक प्रयाग लेल।



गुदनक्षत्री रूगवणीयून
(Madhubani,
Bihar) वौद्ध गाना सँ
समानगा नाकम
कृधुल दखू



सूर्य रूगवणीयून
(Madhubani
Bihar)



विष्णू रूगवणीयून
(Madhubani,
Bihar)



दूर्गा, याखनिसँ
रुटल, आगदि वहनी
मडिन (वजानसँ
दजिध)म स्थायिग



रुनद्वान मडिन
घनथामयून
(दनरंगा)- चानि
रुs गेल



(गोनीशंकन, उमथनि, हँठी वाली,
मध्रवनी



(गोनीशंकन, उमथनि, हँठी वाली, मध्र
वनी



(गोनीशंकन, उमथनि, हँठी वाली,
मध्रवनी



(गोनीशंकन, उमथनि, हँठी वाली,
मध्रवनी



(गोनीशंकन, उमथनि, हँठी वाली, मध्वनी

(गोनीशंकन, उमथनि, हँठी वाली, मध्वनी

वाळ्सी-
वसेटी, अननिया मिथिलाउन गाम्म
लख



वाळ्सी-
वसेटी, अननिया मिथिलाउन गाम्म
लख

वाळ्सी-
वसेटी, अननिया मिथिलाउन गाम्म
लख

वाळ्सी-
वसेटी, अननिया मिथिलाउन गाम्म
लख



धनरुना, वनमनखी, यूर्धियाँ, ननसिंह
अवगान

धनरुना, वनमनखी, यूर्धियाँ, ननसिंह
अवगान

यूनधदनी, यूर्धियाँ



विदक्षन स्तान अरिलख, मध्वनी

अन्नाठाठी अरिलख, मध्वनी

वृद्ध अष्टभागु, सिसन वसंगयून, वग
हा



12 शगाडी, काळलख, मध्वनी

अहिल्या स्तान

अग्नि विद्वान् स्तान्, मध्वनी वृद्ध, मृंगेन



अन्ध्राऽऽदी, मध्वनी



अशोक स्तंभ, वसाह, वैशाली



वृद्ध



अत्रलाकिगध्वन गाना, रागलयन्



वसाह, वैशाली



वृद्ध रूमिच्यर्ष



वृद्ध, गाम्



वृद्ध मरुतक, सुल्लगानगंज



वैशाली मूर्ति



चाम्भु नाग-
नागिनी, मृंगेन



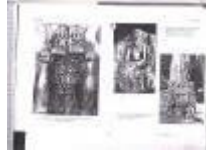
मृकूटधनी वृद्ध, अंगीचक, रागलयन्



नावेग ग(धश,
10म शगाष्टी, दनरंगा



दनरंगा अजियम



दनरंगा अजियम



दूर्गा, कार्तिकेय



10म शताब्दी, सीट रगवानयन, अ
न्ध्रा 01डी



गद्यक वृद्ध



गोम वृद्ध, वैशाली



हनिहन वृद्ध



विठ्ठल स्वभाव महिला, नाजमदल



लोनिया नहनगड, अशोक स्तर



लामश स्यामा गुरा



मंगन



नागनाज तीर्थकन



क्रमानिल रटर रुकलार, नालद्व



01ड वृद्ध

विक्रमशिला विश्वविद्यालय, रागलय
न



यार्वगी



नामायध



नामयूनवा वृषर



नामयूनवा



वृद्धक अन्व(शष



सकिसा



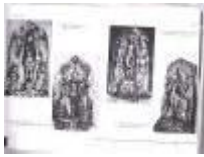
सफमागृका



सर्वीण रद्ध मधुल



सूर्य



सूर्य



सूर्यक संगी



सूर्य, मध्वनी आ रागलयून



मूर्ति



उमा माहेश्वर, कल्याणसूदन



विष्णु वृद्ध



अष्टयागिनी मठिन, सहनसा



दनरंगा नगन,
1934



मूर्ति



वैशाली वृषर शीर्ष



याँखियूकफ मठिला



वनगंगा



दनरंगा मतिकल कॉलज



मूर्ति, वैशाली



वैशाली, शालरंजिका रागलयन



अदिल्या



दनरंगा



दूहदूहिन मठिन, जनकयून



गङ्गीक्षेत्र



हनिहनसुान



जानकी मडिन



जिला स्यास्थ कार्यालय नाजविनाज,
नयाल



काखलखाकार्यालय, नाजविनाज, नया
ल

गंगासागन याखनि, मध्वनी



मध्वनी हॉथीरल



जानकी मडिन, सीगामटी



कलनक्षेत्र वावा



मिथिला विश्वविद्यालय, दरुंगा

हनूमान मडिन, मध्वनी



जनकपूज जानकी मडिन



जानकी मडिन, सीगामटी



कयिलक्षेत्र



लक्ष्मीक्षेत्र येलस,
1934



माधुमिकविद्यालय, जनकपूर



महदु चौक, जनकपूर



जनकपूर मंठय



मिथिला,
1988 रूकथ



यगलावावा धर्मभाला, जनकपूर, न
याल



यंतील अहल्या



मधुवनी वस स्टँड



नाज हत ख्रिस,
1934



नाज हॉथीरल, दनरंगा,
1934



सोना० सरा



शिव मथिन, 1934



शिवशंकर सिनमा, मधुवनी



थामा मठिन



विद्यायगि मूर्फि, विष्टी



उग्रगाना, गानासुान, महिषी, सहनसा



विद्यायगि सुानक, विष्टी



विष्टी, उदना महादव



विष्टी, विधुधुनी रगवणी



अहल्या मठिन, अहियानी



अभाक संर, वैशाली



सूय अभाक संर, वैशाली



वलिनजयून किला यूनी गेट



वलिनजयून किला मीनान



वधी सुान, विनारयून, सहनसा



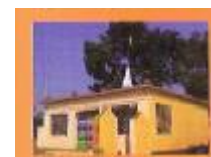
गाँधी याखनि, ढाका, मागिहानी



गाँधी विद्यालय, ढाका, मागिहानी



गिनिजा सुान, मधुवनी



दुनिहन मडिन, सानयून



कमलादिगु सनान



मदनशुन शिव मडिन



यनमशुनी मडिन, 0Aडी, मधुवनी



शांगि रूय, वैशाली



ऊन मडिन, रागलयून



कयिलशुन शिव मडिन



मडान यर्वग, वाँका



नामजानकी मडिन, सीगामटी



उञ्चै0 रगवगी



ऊन मडिन, वैशाली



लौनिया नडनगरु



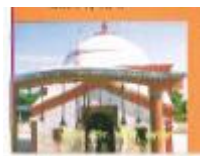
मागिहानी सगुअरु सनानक



सगुअरु सनानक, सीगामटी



उञ्चै0 मडिन



सिंधध्वन स्तान, मधयूना



वैशाली स्तूप



वृषर शीर्ष, नामयूनवा



याँखियूक्फ दनी, वैशाली



रुगतान विष्णु, दतना, वनगाँव



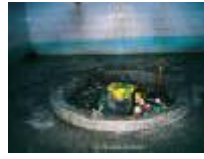
सूर्यधाम, यनसा



विक्रमशिला विश्वविद्यालय, रागलय
न



सिंह शीर्ष, नामयूनवा



वावा वतुध्वन, दतना, वनगाँव



शास्त्रार्थ स्तल, गानास्तान मदिषी



उग्रगाना मदिन, मदिषी, सदनसा



विनारयून मदिन, मधयूना



शनर, नयाल



वर वृज, वनगाँव



शास्त्रार्थ स्तल, गानास्तान मदिषी



गानासुत्तान महिषी	मागा गाना, गानासुत्तान महिषी	उग्रगाना (खादन दाधी गाना) मूर्ति, महिषी
		
वशिष्ठ मूनि, गानासुत्तान महिषी	आवर्धिग काली उञ्चै०	वैद्व्यदत्ती गाना वानी समस्कीयून
		
रुगवती दकुली	रुगवती गिनिजा रूबून	रुगवती मृधमूर्ति गब्रवानि
		
रुगवती वानी समस्कीयून	गुवनध्वनी कार्थ	दत्तीकाली कार्थ
		
गंगामूर्ति नगनतीह दनरंगा	गोसाउन मच्चिन कार्थ	हेरुदु दत्ती दावीतीह
		

काली उच्चैः



महिषासुरमर्दिनी नाहन-
रुगवणीयून



रैनव, रैनव-वलिया



शिव-
यार्वगी मडिन, कयिलक्षनसुान



उमामाहृश्वन, गिनहृग

महिषासुरमर्दिनी वहनी दनरंगा



उमा भृष्टमर्दिनी मिर्जायून दनरंगा



नटनाऊ, गानालाही



शिव मडिन, सिगिया, विथी



विष्णु, रुवानीयून

महिषासुरमर्दिनी हावीठीह



यमूना रैनव वलिया मध्रवनी



शिव-
यार्वगी मडिन, कयिलक्षनसुान



उमामाहृश्वन, महादवम०



विष्णु, री० रुगवानयून



विष्णु, जयनगन



विष्णु, लदक्ष



विष्णु, साहा-
यनी, हावीठीह



अश्वभायी विष्णु, सवास, मूजङ्गनयून



वनाह मूर्ति, गिलकक्षनस्तान



मिथिलाऊन अरिलख, विष्णु वृद्ध मूर्ति



रुगवती उञ्चै, वनीयडी



रुगवती वा(अश्वनी, रंजनीसम



चाम्बा मडिन, कटना, मूजङ्गनयून



अष्टयुज ग(अश्वनी, हावीठीह



अष्टयुज ग(अश्वनी, कार्थ



गंगा, आन्ना-01डी



<p>महिलासूनमर्दिनी, दूर्गा</p>	<p>मल्लमर्दिनी मडिन, मिर्जापूर, दनरुं गा</p>	<p>नरनाज</p>
		
<p>नाममडिन, अद्वियास्तान</p>	<p>सरुनी, वैशाली, निबू गिलक-यस्त्रायवीगधानी</p>	<p>नूयनगन शिव मडिन</p>
		
<p>सूर्य, दकूली</p>	<p>सूर्य मूर्ति, उिलादी</p>	<p>सूर्य मूर्ति, निबू, वनूआन</p>
		
<p>उमामादृश्वन</p>	<p>यमूना, आन्ध्रा-ठाडी</p>	<p>सिमनोनागठ मूर्ति</p>
		
<p>आदि काली, चैनपूर सरुनसा चैनपूर सरुनसा- मिथिलाक अकमाप्र नीलकंठ मडिन, संगम आदिकालीन रुच्य काली- मडिन सरु अदि गामम अष्टि। महा</p>	<p>आथागठक स्वामी माध्वानन्द कोलाचार्य काली मडिन आथा गठ लगा यूनान गठ। अकन यूवम व्रह्मयूनाक वावा हनिहननाथ</p>	<p>आथागठक दसमुखी काली आथा गठ लगा यूनान गठ। अकन यूवम व्रह्मयूनाक वावा हनिहननाथ</p>

शिवनाथि आ कालीयुजा वऽ धूमधाम
सँ चैनयूनम हाळ्ळग अछि।



काळ्ळख (मध्वनी) दतीक मडिन

महादत मडिन आ दजिधम उञ्चै०
रगवगी छथि।



अकोन, वनीयट्टी, रगवगी दूर्गा, र
गवगीयी०

महादत मडिन आ दजिधम उञ्चै०
रगवगी छथि।



अकोन, वनीयट्टी, रगवगी दूर्गा, र
गवगीयी०



१. अष्टयुज गऽषण, कार्थ २. शिव मडि
न, सिधिया, विष्टी



१. वौद्ध दती गाना, वानी, समस्कीयून
२. उग्रगाना मडिन, मदिषी, सहन
सा



१. रगवगी, वानी २. रगवगी, दक
ली



१. रगवगी गिनिजा, रूलहन २. का
ली, उञ्चै०



१. रैनव, रैनव वलिया २. उमामा
दक्षन, महादतम०



१. दतीकाली, कार्थ २. गुसाउनि म्ठ
ल मडिन, कार्थ



१. गंगा मूर्ति, नगनतीह, दनरंगा
२. रगवगी मृधूर्ति, गब्वानि



१. हेहड दती, हावीतीह २. गुवनध
नी, कार्थ

१. ग(क्ष), लहिनयासनाय २. उमामा
दक्षन ३. नटनाज, ४. विष्णु, गिलक,
जनउ धानी, सहान, वैशाली



१. कथिग काली, उञ्चै, २. अष्टगुज ग
(क्ष), कार्थ



१. महिषासून मर्दिनी, हावीठीह,
२. उमा, ऋद्धमर्दिनी, मिर्जायून, दन
रंंगा



१. महिषासूनमर्दिनी, रगवगीयून,
नाहन, महिषासून मर्दिनी, वहनी,
दनरंंगा



१. ऋद्धमर्दिनी रगवगी, मिर्जायून, दन
रंंगा २. नाम मदिन, अद्विष्यास्मान



१. ऋद्धमर्दिनी रगवगी, मिर्जायून, द
नरंंगा २. सिंद्धन स्मान, मधयूना



१. नटनाज, गानालाही २. उमामा
दक्षन



१_ (क्षसायी, सवास, मूजङ्गनयून, २
_ नटनाज_ गानालाही ३_ रगवगी ४
_ उमा मादक्षनी



१-
भिव यार्दगी मदिन, कयिलक्षन स्मान
२. सूर्य मूर्ति तिलाही



१_ सूर्यमूर्ति, विष्णु वन्भान २. गं
गा, आन्ना OIठी



१_उच्चैः शृंगवती, वनीयष्टी २_महिला
सन्मर्दिनी, दुर्गा ३_ चामुण्डा मर्दिन,
कटना, मूजङ्गनयून ४._रगवती दान
श्वनी, रञ्जानिसम



१_निष्क, लदह, २.सूर्य, दकली

१. वनाहमूर्ति, गिलकश्चनस्तान, २.
निष्क, रत्नानीयून



१_निष्क_साहा यनती, स्थायिग-
दायीतीह २.वृद्ध-
निष्क मूर्ति अरिलख

१. निष्क, जयनगन २.निष्क, री०
रुगवानयून



१_निष्क, सहान, २_वनाह ३_ग
(दश ४.शिव मर्दिन_नूयनगन



१_यमना, आन्ना ०।०।, २.अष्टयुज
ग(दश, दावीतीह



१_यमना, रैनव वलिया, २_शष
सायी, सवास, मूजङ्गनयून, ३_नट
नाज_गानालाही ४_रगवती ५_
उमा माहश्वनी



कथिग, काली, उच्चैः, वनीयष्टी



मूर्ति (मिथिला उप)



सम्पत्तः सूर्य



वधु(गायाल, मिथिला



निष्क, जाल, दनरंगा



निष्क



निष्क, उमोल, दनरंगा

मिथिलाक खाज

व्ही आलख हमन दशकसँ ऊपनक मिथिलाक यात्राक उयनाकक सूत्र-
वृफानक अछि आ उम उ सर सानक सानीय निवासी आ गाँवत
सरक अकथनीय यागदान छि । कखना कालाँ राक गाँक
आँवन लकनि सह नीक गाँवत सिद्ध रला। -गजब्र ०कून

"मिथिलायदयश्च मधुंग नियत्रा व्ही मिथिला नगरी" - मिथिला जग
श्रकँ मथल जाँव अछि- याधनीक विनद।

किला आ गढ

वलिनजयून किला- मधुवनी जिलाक वावूनही प्रखसँ १ किलामीटन
यूव वलिनजयून गाम अछि। अकन दजिद दिशाम अकटा यूनान
किलाक अत्र(ष अछि। किला चानि किलामीटन नमगन आ अक
किलामीटन चाकन अछि। दस हीटक मार दवालसँ व्ही घनल अछि।

असूनगढ किला- मिथिलाक दासन किला मधुवनी जिलाक यूव आ उफन
सीमा यन गिलयूगा धानक कागम महादत्र म० लग १० अकम यसनल
अछि।

जयनगन किला- मिथिलाक गसन किला अछि रानग नयाल सीमा यन प्राचीन जयपूर आ वर्तमान जयनगन लगा दरंगा लग यंचार गामसँ प्राफ गाम अरिलख यन जयपूर कन वर्धन अछि।

नहनगढ- वगियासँ १२ मील यश्चिम-उपनम ङ्गी किला अछि। गीन यैक्फम ११ टा ऊँच तीह अछि।

लौनिया-नहनगढ- नहनगढसँ उपन सिंग अछि, अगस अष्ठाक संर आ वौद्ध स्तूप अछि।

दक्लीगढ- शिवहन जिलासँ गीन किलामीटन यूव हाब्द कन कागम दू टा किलाक अवशेष अछि। चानू दिस खधाब्द अछि।

करनागढ- मूजङ्गनयूनम करना गामम विशाल गढ अछि, दक्ली गढ जकाँ चानू काग खधाब्द खनल अछि।

नौलागढ-वगूसनायसँ २१ किलामीटन उपन ३१० अकाम यसनल ङ्गी गढ अछि।

जयमंगलगढ- वगूसनायम वनियानयून थानाम कावन मीलक मध अकटा ऊँच तीह अछि। अगस ङ्गी गढ अछि। नाडाकाठी (मपोल) गाम लग ङ्गी गढ अछि।

मंगलगढ- समस्तीयून जिलाम हसनयून व्लॉकम दूधयूना वजान लग दडाढ गाम लग। रगतान वृद्धक उयदष अगस रल, स्थानीय नाजा मंगलदक आग्रहयन वृद्ध किछ दिन अगस निवास सह कलहि।

अलौलीगढ- खगत्रियासँ ११ किलामीटन उफन अलौली गाम लग १०० अकठम यसनल ँली गढ अछि।

कीचकगढ- यूर्धिया जिलाम उंगनघाटसँ १० किलामीटन उफन महानद्या नदीक यूवम ँली गढ अछि।

वनूगढ- टुङगाछ थानाम कदल धानक कागम ँली गढ अछि।

दनिजनगढ- वहादुरगंजसँ छह किलामीटन दक्षिणम लानसवनी धानक कागम ँली गढ अछि।

नऊनी- दनरंगाक विनोल प्रखण्डसँ १३ किलामीटन यक्षिमम अकटा गढ अछि ज लानिकक मानल जाळ्ग अछि।

वृद्ध

कृष्णाम- हाजीयूसँ वफीस किलामीटन उफन-यूवम वसाढ-दौशाली आ लगम दासाकृष्ण लग गाम गढ-टीलासँ २ कि.मी. उफन-यूव अछि कृष्णाम , जगस जेनक २४म गीर्थकन महादीनक जन्म रल छलहि। अगस वृद्धक छाउन, अरिषक यूषकनधी (नाजा अरिषकसँ यूव अगस नहाळ्ग नहथि), अ(षाक रुम्ह आ संसद-रदन (नाजा दिशालक गढ) अछि।

यजवागढ दनही टाल- अगस अकटा वृद्ध मूर्फि रटल छल, मूदा उकन आव काना यगा ने अछि। ँली छल सह नखवानी गामक लग अछि।

मंगलगढ- समस्तीयून जिलाम हसनयून व्लोकम दूधयूना वजान लग दडाढ गाम लगा रगवान वृद्धक उयदण अगऽ रल, स्थानीय नाजा मंगलदवक आग्रहयन वृद्ध किछु दिन अगऽ निवास सह कलहि।

मूसहननियां ठीह- अंधना 01ठीसँ ३ किलामीटन यश्चिम यरुन गाम लग अकरा ऊँच ठीह अछि। वृद्धकालीन अकजनियाँ का0ली, वौद्धकालीन मूर्ति, याँ, वर्षनक टुकड़ी आ यजवाक अवशेष अगऽ अछि।

अकोन- मध्वनीसँ २0 किलामीटन यश्चिम आ उफनम अकोन गामम अकरा ऊँच ठीह अछि, अगऽ वौद्धकालक मूर्ति अछि।

लोनिया-नहनगढ- नहनगढसँ उफन स्थित अछि, अगऽ अष्ठाक संर आ वौद्ध स्तूप अछि।

विक्रमशिला- रागलयूनम स्थित प्राचीन विश्वविद्यालय। रागलयून जिलाक अंगीचक गामम नाजा धर्मयालक वनाउल वृद्ध विश्वविद्यालय अछि। १0८ ब्याख्याना लल नहवाक स्थान आ वाहनसँ यढय वला लल सह स्थान अगऽ निर्मित अछि।

चम्यानगन- रागलयूनक यश्चिमम, आव नगनसँ सटि (गल अछि। ४०० जेन लाकनिक अकरा यद्विप्रसूल अछि, अगऽ महावीन गीनटा वस्रावास कन नहथि। दू टा जेन मडिन अगऽ अछि, जे जेनक वानहम गीर्थकन दासयूक्त नाथकँ समर्पित अछि। महावीन विदहम छह टा वस्रावास विगलहि। वर्षा मृगुम चानि मास अक 01म निवासकँ वस्रावास कहल जाँ छला वृद्ध अकरा वस्रावास विदहम ने विगलहि, मूदा देशाली नगनीम आम्रयालीक उद्यानम लिच्छवीगधकँ सङ्ग दन

कला। आम्रयालीसँ रिडा ग्रहण कऽ वृद्ध (गला वधूमती कनय चानि मासक वस्रावासा।

अरिलख

(गोनी-शंकन स्नान, मध्वनी जिलाक जमथनि गाम आ हँठी वाली गामक बीच छी स्नान (गोनी आ शङ्कनक सम्मिलित मूर्ति आ अयन मिथिलाउनम लिखल यालवंशीय अरिलखा विद्वानस्नानसँ २-३ किलामीटन उफन दिशाम छी स्नान अछि।

रौ०-रुगतानयून अरिलख- नाजा नाचदक यून मल्लदसँ संवधिग अरिलख अऽ अछि। मध्वनी जिलाक मधयून थानाम छी स्नान अछि।

रुगीनथयून- यद्योल लग रुगीनथयून गामम अरिलख अछि जऽसँ उऽनवान दंशक अंगिम दून शसक नामरुद्रदव आ लक्ष्मीनाथक प्रशासनक विषयम सूचना रूटेग अछि।

मंदान यवर्ग- वांका स्मिग स्नानम मिथिलाउनक गुफदंशीय १म् शगावीक अरिलख अछि। समूद्र मंथनक हनु मंदानक प्रयाग रूल कला निकटम चौसीम जेनक वानहम गीर्थकन दासयूक नाथक दूटा मूर्ति अछि, येष मूर्ति लाल याथनक अछि तँ दासन काँसाक जकन सामाँ दूटा यदचिह्न अछि। जेनक वानहम गीर्थकन दासयूक नाथक जन्म चम्यानगनम आ निर्वाध अँदे रूल कलहि।

विदक्षन- मधुवनी जिलाम लाहनानाउ सृजन लग सिंग भिदधामक स्यायना महानाज माधवसिंह कलशि। गळू यूगक मिथिलाजनक अरिलख सह्य अगऽ अछि।

वसेटी (वाळसी-वसेटी), अननिया अरिलख - यूधियाँम श्रीनगन लग मिथिलाजनक ँी अरिलख मिथिलाक यहिल महिला शासक नानी ँड्रावगीक नायकालक वर्धन कनेग अछि। नानी ँड्रावगी (११८४-१८०२) ऊ अकालक समय रूत-खॉन-वर्क आ अग्र कल्याधकानी कार्यक प्रानष्ट कन नहथि।

जयनगन किला- मिथिलाक गसन किला अछि रानग नयाल सीमा यन प्राचीन जययून आ वर्धमान जयनगन लग। दनरंगा लग यंचार गामसँ प्राय गाम अरिलख यन जययून कन वर्धन अछि।

विषू

ह्लासयडी- मधुवनी जिलाक हूलयनास थानाक जा(गक्षन स्यान लग ह्लासयडी गाम अछि। कानी याथनक विषू रगवानक मूर्ति अगऽ अछि।

यियनाही- लोकहा थानाक यियनाही गामम विषूक मूर्तिक चानू हाथ रन्न रऽ गल अछि।

मधुवन- यियनाहीसँ १० किलामीटन उफन नयालक मधुवन गामम चतुर्गुज विषूक मूर्ति अछि।

कमलादिग्र सान- अंधना 01ठी लगम कमलादिग्र सानक विषू मंदिन
कर्षाट नाजा नाग्रदक मंत्री श्रीधन दास झाना स्यायिग रला

मंमानयून अन्मधुलक नखवानी गामम वृऊक नीचाँ नाखल विषू मूर्फि,
गांधान(शेली म वनाउल (गल अठ्ठि।

मरिहानी- विषू मदिन

जनकयून- वृहद् विषूयूनाधम मिथिलामाहाग्यम जनकयून उप्रक दर्शन
अठ्ठि। सप्रहम शगावीम संगं सून कि(आनकाँ अयाधाम सनयू धानम नाम
आ जानकीक दू टा रब्य मूर्फि रटलहि, जकना उा जानकी मदिन,
जनकयूनम स्यायिग कऽ दलहि। दर्फमान मदिनक स्यायना टीकमगऽक
महानानी झाना १६११ व्ही. म रला नगनक चानूकाग यमनी, (गनूखा
आ दूधवगी धान अठ्ठि। नाम नदमी (चैत्र शुक्र नदमी), जानकी नदमी
(वैशाख शुक्र नदमी) आ विवाह यंचमी (अगहन शुक्र यंचमी) यन
अगऽ मला ल(गैअ

अंधना-01ठीक सानीय वाचस्यगि संग्रहालय- (गो७ गामक यउिधीक
रब्य मूर्फि अगऽ नाखल अठ्ठि।

(गोगम तीर्थ- कमगोल सृजनसँ ६ किलामीटन यधिम व्रक्यून गाम लग
अकटा (गोगम कूध यूकनधी अठ्ठि।

मंगनक यूव 'सीगा-कूध'गर्म कूध अठ्ठि, सीगा जी अफे यृथीम समाहिग
रल ठली। 0ंठा जलक कूध 'नामकूध', लकूध कूध, रनग कूध, आ

शत्रुघ्न कृष्ण सह अष्टि, रैयानीम वडु मिलाना स मिलान वावू गढ नानिकलम सह ऋ, वसी यढल लिखल गामम स आव कहाँ?

हलादरु- जनकयूनसँ ३१ किलामीटन दक्षिण यश्चिमम सीगामढी नगनम हलदधन भिद मदिन आ जानकी मदिन अष्टि। असँ ३८ किलामीटन यन य्धनीक उप्रम सीगाकृष्ण अष्टि। हलादरुम जनक दान हन चलवा काल सीगा रटलि छली। नाम नदमी (वेग शुक्र नदमी) आ जानकी नदमी (वैशाख शुक्र नदमी) यन अगऽ मला लगेअ।

रूलहन-मध्वनी जिलाक हनलाखी थानाम रूलहन गामम जनकक य्धवारिका छल अगऽ सीगा रूल लाटे छली।

धनुषा- जनकयूनसँ ११ किलामीटन उपन धनुषा स्नानम यीयनक गाछक नीचाँ अकरा धनुषाकान खडु यल अष्टि। नामक गाल ४० धनुष अष्टि। उसँ यूव दाधगंगा धान वहेअ ऊ लक्ष्म दाना दाधसँ उद्यारिग रल छला।

सुझा- जनकयून लग जलधन भिदधामक समीय सुझा ग्रामम शुक्रदवजीक आश्रम अष्टि। शुक्रदवजी जनकसँ भिजा लवाक हनु मिथिला उल छला- उ ०म हनका ०हनवाक द्यदस्ता रल छला।

सिंहधन- मधयूनसँ १ किलामीटनयन (गोनीयून गाम लग सिंहधन भिदधाम अष्टि।

कयिलधन- कयिल मूनि दान स्थायिग महादव मध्वनीसँ ६ किलामीटन यश्चिमम अष्टि।

कृष्ण- समस्तीयूनसँ उफन-यूव, लहनियासनायसँ ६० किलामीटन दक्षिण-यूव आ सहनसासँ २७ किलामीटन यक्षिम व्ही अकटा प्रसिद्ध शिवस्नान अछि। अगऽ चिउ-अग्रानथ सह अछि अगऽ उऊन आ कानी (गेवन, लालसन, दिघोऊ, मेल, नकटा, (गेनी, गगन, सिल्ली, अधानी, हनिअल, चाहा, कनन, नगवा चिउ सर नवमनसँ मार्च धनि दरखवाम अवेअ।

सिमनदह- थलवाना सृजन लग शिवसिंह झाना वसाउल शिवसिंहयून गाम लग व्ही शिवमदिन अछि।

सामनाथ- मधुवनी जिलाक सोना० गामम सरगगाछी लग सामदर महादर छथि।

मदनक्षन- मधुवनी जिलाक अंधना ०।डीसँ ४ किलामीटन यूव मदनक्षन शिव स्नान अछि।

च(धुक्षन- संमानयूनम हनगी गाम लग च(धुक्षन ०।कून झाना स्थायिग च(धुक्षन शिवस्नान अछि।

शिलानाथ- जयनगन लग कमला धानक कागम शिलानाथ महादर छथि।

उग्रनाथ- मधुवनीसँ दक्षिण य(धोल सृजन लग रुवानीयून गामम उगना महादरक शिवलिंग अछि। विद्यायगिकँ यास लगलहि गँ उगनानूयी महादर जटासँ गंगाजल निकालि जल यियलखिह। विद्यायगिक ह० कलायन उे स्नान यन उगना हूनका अयन असल शिवनूयक दर्शन दलखिह।

उच्चैः छिन्नमस्तिका रंगवती- कमगोल सृजनसँ १६ किलामीटन यूर्वाफन उच्चैःम कालिदास रंगवतीक यूजा कनेग छला। रंगवतीक मौलिक मूर्ति मस्तक विहीन अछि।

उग्रगाना- मधुन मिश्रक जन्मरूमि महिषीम मधुनक (गोसाउनि उग्रगाना छथि।

रुद्रकालिका- मधुवनी जिलाक काञ्चलख गामम रुद्रकालिका मंदिन अछि।

चामुण्डा- मूजङ्गनयन जिलाम कटनागढ लग लक्ष्मणा वा लखनदण्ड धान लग दुर्गा द्वाना चण्ड-मूक वध कथल गेल। उण्ड स्नानयन ष्ठी मंदिन अछि।

यनसा सूर्य मंदिन- संमानयनम सश्रामसँ याँच किलामीटन यूर्व यनसा गामम साठ चानि शीटक रथ सूर्य मूर्ति रटल अछि।

चैनयन सहनसा- मिथिलाक अकमात्र नीलकंठ मंदिन, संगम आदिकालीन रथ काली-मंदिन सह ३ गामम अछि। महाशिवनाथि आ कालीयूजा वऽ धूमधामसँ चैनयनम हण्डग अछि।

धनरुना, वनमनखी, यूर्धियाँम ननसिंह अवगानक स्नान अछि, अकटा खाह जकाँ येष याया अछि जण्डम ज किछ रुकवे गँ वऽ काल धनि (गाँ-गाँ अवाज हण्डग नहना ष्ठी स्नान आव ननसिंह रंगवानक मूर्ति आ मंदिनक कानधसँ वस विकसित रुऽ गेल अछि। अँ ननसिंह याया खाँ अवनित रल छला।

विसही- मधुवनी जिलाक वनीयड़ी थानाम कमगोल नलद सृजनसँ ६ किलामीटन यूव आ कयिलक्षण स्नानसँ ४ किलामीटन यश्चिम विसही गाम अछि। आगिनीक्षण पूर्व महाकवि विद्यायगिक जन्म-स्नान ॐ गाम अछि।

मिथिलाक वीस टा सिद्ध थी०- १.गिनिजास्नान (रूलहन, मधुवनी), २.दुर्गास्नान (उचे०, मधुवनी), ३.नरुक्षनी (दाखन, मधुवनी), ४.गुवनक्षनीस्नान (रुगतगीयून, मधुवनी), ५. रुद्रकालिका (काळलख, मधुवनी), ६.चमूछा स्नान (यचाही, मधुवनी), ७.सानामाळ (जनकयून, नयाल), ८.यागनिद्रा (जनकयून, नयाल), ९.कालिका स्नान (जनकयून स्नान), १०.नाजक्षनी दती (जनकयून, नयाल), ११.छिनमरुफा दती (उजान, मधुवनी), १२.वनदुर्गा (खननख, मधुवनी), १३.सिधक्षनी दती (सनिसत्र, मधुवनी), १४.दती-स्नान (अंधना ठाडी, मधुवनी), १५.कंकाली दती (रानग नयाल सीमा आ नामवाग प्लस, दनरंगा), १६.उग्रगाना (महिषी, सहनसा), १७.काथानी दती (वदलाघाट, सहनसा), १८.यूनन दती(युर्धियाँ), १९.काली स्नान (दनरंगा), २०.जैमंगलास्नान(मंगन), २१. जनकयून यनिक्रमाक १५ स्तल आ आगुक्का मूथ दतगा १. हनुमाननगन- हनुमानजी, २.कल्या(क्षेत्र- शिवलिंग, ३.गिनिजा-स्नान- शक्ति, ४.मटिहानी- विष्णु मछिन, ५.जालक्षेत्र- शिवलिंग, ६.मनाळी- माधुव सृषि, ७. शूद्र कुंभ- धूव मछिन, ८.कंचन वन- काना मछिन ने माघ मनानम दूथ, ९.यर्वग- याँच टा यर्वग, १०.धनुषा- शिव धनुषक टुकड़ी, ११.सगाखड़ी- सफरिषिक साग

टा कृष्ण, १२.हनुषाहा- विमलागंगा, १३. कन्धा- काना मदिन ने माघ
मनानम दृथ, १४. विसौल- विश्वामित्र मदिन आ १५.जनकपुत्र।

दनरंगा कौथालिक चर्व- १८६१म स्थायित्वा चर्व १८६१ कन
रुकम्यम उगिग्ररु रुऽ गला अकना हली नाजनी चर्व सह कदल
जाञ्जल संट हांसिस षिसी चर्व मृजङ्गनयनम अञ्जि।

रिखा सलामी मजान- गंगासागन याखनि दनरंगाक महानयन च्छी
मजान अञ्जि। मकदूम वावाक मजानःललिग नानायध मिथिला
विश्वविद्यालय आ कामध्वन सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय दनरंगाक वीच
स्मिग च्छी मजान द्विबू आ मुस्लिम मगादलषीक अकटा यादन स्नान
अञ्जि। दनरंगा टावन मञ्जिद च्छेस्लाम मगादलषीक अकटा रथ मञ्जिद
आ धार्मिक स्कुल अञ्जि।

६. विदेह मिथिला नम्र

विदेह मिथिला नम्र

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली याञिक ँली यत्रिका
Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली याञिक ँली यत्रिका नव अंक
दखवाक लेल पृष्ठ सरकै निःरुध कअ देखू। Always refresh the pages for viewing new issue
of VIDEHA.

रानग आ नयालक माटिम यसनल मिथिलाक धनी प्राचीन कालसँ महान पुन्रुष आ महिला लोकनिक कर्मरूमि नहल
अछि। प्रसू अछि मिथिला नम्रक अकरा छोट संग्रह। उ संग्रहकँ पूर्ध कनवाक हेतु अपन वद्मूच्य संग्रहकँ
editorial.staff.videha@gmail.com कँ य013। आर्काइवक सर्वाधिकार नवनाकान, सञ्चालन द्वाराआरुन आ
संग्रहकारक लगम छहिन। द्वारा सर य00वा लेल धन्यवाद या0कगध। साराना पूर्धग अद्यवसायिक उद्देश्य आ माप
अकउमिक प्रयोग लेल। विशेष विवरनध दखवा लेल त्रिक

कनू [VIDEHA 346](#), [VIDEHA 347](#), [VIDEHA 366](#) आ [मिथिला नम्र](#) / [मिथिला चित्रकला](#) / [मिथिलाक यावनि गिहान](#)
(कथा) आ [मिथिलाक संगीत](#)।



वैदिक जनक

वैदिक नाडा मृगवैदिक कालक
नमी सथाक नामसँ छलाह, यरू
कनेा सदरु स्वर्ग
गलाह, मृगवदम वर्धन अछि।
डा षड्भक संग दलहि असन
नमूचीक विनद्ध आ गार्हिस षड्भ
दूनका वचडालहि शायथ
ब्राह्मणक विदयमाथन आ
यूनाधक निमि दनु (गारुड
यूनाद्वि (गोगम छथि स दनु
एक छथि आ एगसँ विदरु
नायक ग्रानस। माथवक यूनाद्वि
गोगम मिप्रविद्ध यरूक/ वलिक
ग्रानस कएलहि आ यूनाध एकन
यूनाधकायना रल मदाजनक-२
क समयम यारुवल्लुङ्ग दाना।
निमि (गोगमक आश्रमक
लग **अयक** आ मिथि-जिनका
मिथिला नामसँ सखा सान कएल
जाएल छहि, **मिथिला** नगनक
निर्माड कएलहि। निमीक
अयनयून वर्मान जनकायूनम
छल, मिथीक मिथिलानगनीक
छान एखन धनि निर्धाना नदि
रए सकल अछि, अनूमानि।



वाचीक



सीगायनि नाम

अष्टि जनकयूनक लग

। सौनव्वज जनक सौगाक

यिगा कृथि आ अगयसँ

मिथिलाक नाजाक सुदुठ यनथ्यना

दसवाम अवेग अष्टि। कृगि

जनक सौनव्वजक वादक 18म

यूफम रल छलाह। कृगि

दिनथनारक यू छलाह आ

जनक वद्लाधक यू छलाह।

याहुवलक दिनथारक शिद्य

छलाह, दूनकासँ यागक शिजा

लन छलाह। कनाल जनक दाना

अकटा ब्राह्मध यूगीक शील-

अयदनधक प्रयास रल आ

जनक नाजवैश समाक र७

गल (संदर अश्वघष-वृद्धवनिग

आ कौटिल्य-अर्थशास्त्र)।



लन कृग



विदघ माथन

शगयथ ब्राह्मधक विदघ माथनक

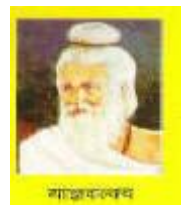
विदह आगमन, आगिक

सदानीनारसँ आगाँ नहि वडवाक

चवी

शगयथ ब्राह्मधक विदघमाथन आ

यूनाधक निमि दूनु गोटक



नाजसनयी याहुव
लूक

याहुवलक मिथिलाक दार्शनिक

नाजा कृगि जनकक दनवानम

छलाह। दूनकन मागाक वा

यिगाक नाम सख्वाः नाजसनी

छलह। उना दूनकन यिगा

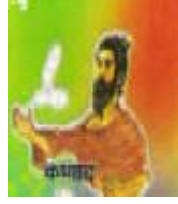
दवनागर्क मानल जाह्लग छह।

युनाहिन (गोगम ऋथि स दू
अक ऋथि आ अगर्स विदरु
नायक ग्रानरु)

यारुवलुक १. शुक्र
यजनवद, २. शणयथ
व्राकंध, ३. वृददानथक
उयनिवद आ ४. यारुवलुक
शुगिक दृष्टा/लखक ऋथि



अंगनाज कर्धी



वैशेषिक दर्शन कंधाद

वैशेषिक दर्शन कंधाद



महावीन जैन 599-
527

महावीन विदरुम ऋरु टा
वसावास विगलरुि



(गोगम वरुु BC
563-483

उना नं महावीन विदरुम ऋरु
टा वसावास विगलरुि मूदा वरुु
अकारा ने मूदा मिथिलाम वरुु
धर्मक प्ररुवल यरुुगि वरुुला वरुु
वैशाली नगनीम अम्रयालीक
उशानम लिदुवीगधर्क सधुग दन
रुुलारुु



चाधक BC 350-
283

धर्म आ विधिक उग्रम कौरुथक
अर्थशास्रु आ यारुवलुक शुगिम
वउ समाना अरुि उ चाधकक
मिथिलानारी वयवाक प्रमाध
अरुि



चरुुगुय मौरुय चाध
कक शिथ BC
340-293

चाधकक शिथ

अर्थशास्त्रम(१.६ विनयाधिकानिक
प्रथमाधिकान(६) षण्ऽध्यायः
द्विद्वियजय
अनियन्त्रगण(६) कनाल जनकक
यपनक सहा चर्वा अष्टि।

गद्विनद्विगुणितन(६)द्वियधुपुनकाऽपि
नाजा सशा विनथगि- यथा
दाधुका नाम राजः कामाद्
ब्राह्मण कथायमरिमयमानः
सवधनायु विननाथ कनालध
वेदहः....।



आर्यरुद्र वैज्ञानिक 476-
550

यज्ञीम आर्यरुद्रक विवन्ध- (२१)
(३४/०८) महियणियः मंगनोनी माछेन
से यीगाच्च न सा दामू दो माधुन से
वीजी फिनयनरुद्रः ७ सा आर्यरुद्रः ७
सा उदयरुद्रः ७ सा विजयरुद्र ७
सा सलावनरुद्र (सनयनरुद्र) ७ सा
रुद्र ७ सा धर्मजटीमिध ७ सा
धानाजटी मिध ७ साव्रकजनी मिध
७ सा प्रियूनजटी मिध ७ सा



सिद्ध सनहयाद 700-
780

सनहयाद-सिद्धिनदू मः
यडम यडिअउ, मधु यिवनो
विसनउ अमःउ। मिथिलाम
अऊनानस सिद्धिनकू ऊकन यूवम
सिद्धिनकू ग(६)शजीक अंतूश
अँजी, लिखल जाळण अष्टि।
मिथिलाम ढी धानधा ऊ माँउ
यिलारसँ अनध शक्ति जीध
दळण अष्टि; ढी सनहयादक



आदि शंकराचार्य 7
88-
820 मंउन मिधसँ
शास्त्रार्थ

विद्युजटी मिश्र अ स्या अजयसिंहः अ
 स्या विजयसिंहः अ स्या अ स्या
 आदिननाहः अ स्या महाननाहः अ
 स्या दशोधन सिंहः अ स्या साठन
 जयसिंहकाचार्यामस महाप्र विद्या
 यानङ्गण महामहयाथा
 यः ननसिंहः।।



म.म.(गानू मा 1050-
 1150

कनमह सानकनियाम (गानू माक
 वर्धन यक्षीम
 अछि- महामहयाथाय भूर्नाज
 (गानू यक्षीक अनुसान यीठीक
 गधना कलार्स (गानूक
 जन्म (गानूक सानकनियाम
 कनमह-वयस २४म यीठी चलि
 नहल अछि) आर्यरुद्रक
 वाद (आर्यरुद्रक माधन-काथयम
 ३६ म यीठी चलि नहल
 अछि) आ विद्यायिक
 यद्विन (विद्यायिक विषञ्जान
 विद्यी-काथयम १४म यीठी चलि
 नहल अछि) लगरण १०९०
 ली.म सिद्ध द्वाङ्गण अछि।
 कानध अदि पनई एक यीठीक

मिथिलावासी द्वाङ्गण प्रमाध
 अछि।



कृष्णानाम आ दाथी स्वन्नन

मिथिलाक यादव (गुआन) जातिक
 लाकदवना कृष्णानाम अयन दाथी
 स्वन्ननयन सवाना



वैश्वीधन ब्राह्मण

४० सँ गुधा कला सँ
आर्यरङ्कक जन्म लगरण ४१६
झी. आ विद्यायुगक जन्म
लगरण १३१० झी. अवेग
अछि जे अहिदाससम्पन्न अछि।



छात्रन महनाज

मिथिलाक अम आगिक लाकदवना



नाजा सलहस

मिथिलाक दुधर्वशी (दूसाध)

आगिक लाकदवना



दीना- रुदनी

मिथिलाक मूसहन आगिक

लाकदवना



दूलना दयाल

गोनू साक गाम रनेगक

नाजकमान, "वदना गोठिन

नरुआ दयाल" लाककथक

मलाह कथनायका रनेगाम

अखना दिनकन गहवन छहिन



धागि यँजियान



कालिदास



वाधि कायस्तु

विद्यायुक्त यूनस-यनीजाम
मृगकालम गंगा नदीक आयव
आ वाधि-कायस्तुके अयनाम
समवाक खिसा वधिग अट्टि ज
वादम विद्यायुक्त लs कs सख
प्रचलिग रला



मल्लदव

मिथिलाक कर्धाट वंशक संस्थापक
नाचदवक युग मिथिलाक
गंवरनिग्या नाजयूग मल्लदवके
अयन वीर्ययूनस मानेग छथि

नाभकृष् आ कनगानाम मल्लिक

मिथिलाक अग्या घननक ग्रानष्टिक गवेथा



महानाज हनसिंहदव

मिथिलाक कर्धाट वंशक
आगिनीश्वरन 0कूनक वर्ध-
नदाकनम हनसिंहदव नायक
आकि नाज
छलाह 1294 ई. म जन्म
आ 1307 ई. म नाजसिंहासना
घियासुद्दीन तुगलकसँ 1324-
25 ई. म हानिक वाद नयाल
यलायना मिथिलाक यज्ञी-प्रवक्क
ब्राह्मध, कायस्तु आ उपिय मथ
आधिकानिक स्थापक, मैथिल
ब्राह्मधक हगु गुधाकन मा, कर्ध
कायस्तुक लल शंकरदफ, आ
उपियक हगु विजयदफ अदि
हगु प्रथमग्या नियुक्त रलाह
हनसिंहदवक प्रनधासँ आ ई

महानाज नाचदव

मिथिलाक कर्धाट
वंशक 1097 ई. म
क्यायना 1147 ई. म मृग



मंरी गधेश्वर

मिथिलाक कर्धाट वंशक नग
हनसिंहदवक
मंरी। स्वगिस्त्रायाम मिथिलाक
सांविधानिक अगिहासक वर्धना

हनसिंहद्व नाचदवक वंशज
छलाह, ऊ नाचदव काधोटि
वंशक १००९, शकम क्क्याना
कन नहथि- नथेद शृचं शधि
शक वर्ष (१०१९,
शक)... मिथिलाक यधिंग लकनि
शक १२४८ गदनुसान १३२६
श्री. म यश्री-प्रववक वर्मान
स्वनूयक ग्रानसक निर्धय
कलशि प्रनः वर्मान स्वनूयम
थाउ वृद्धि विलासी लकनि
मिथिलश महानाज मात्र सिंदर्स
११६० श्री. म आदश कनवा
यश्रीकानर्स शाखा युफकव
प्रधयन कनवडलशि। उकन
वाद यौजिम (कस्का बाल
वर्धिंग १६०० शक मान १६१८
श्री. वाफवम मात्र सिंदक
वादम १८०० श्री.क
आसयास) (श्राधियनामक अकटा
नव ब्राह्मण उयजागिक मिथिलाम
उग्रधि रला



मीनां साहव



अमन वावा



गनीवन वावा

मिथिलाक मुस्लिम लाकनिक वीच
असिद्ध लाकगाथक नायका



लालवन वावा

मिथिलाक चर्मकान जागिक
लाकदवगा



लानिक

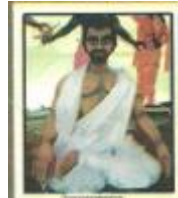


शंकन मिश्र

मिथिलाक मलाह जागिक
लाकदवगा



वं० चमान



नाय नक्षयाल



यऊधन मिश्र

मिथिलाक (बावि जागिक
लाकदवगा



कानिख यजियान



अयाची मिश्र

सुद्धरुम शपात्रीक रुवनाथ मिश्र
सुठ येघ नैयायिक छलाह आ
कहिया ककनासँ काना वफूक
याचना नहि कअलहि, गहि लल
सर दूनका अयाची मिश्र कहल
सगलहि।



"वालाऽहं जगदानन्द न म वाला
सनस्रणी। अयू(क्षी यंयम वर्ष
वर्धयामि जगत्प्रयम् ॥" क
वका। यद्धरुम भगव्दीम रवनाथ
मिश्रक घनम मध्वनी जिलाक
सनिसव शम्मम शंकर मिश्रक
जन्म रला शंकर मिश्र महानाज
रेनव सिंलिक कनिष्ठ यूग नाजा
यूनवाफमदकक आश्रिग कलादा
अकन वर्धन नसाधेव ग्रंथम
ररुगे अष्टिका शंकर मिश्र
कवि, नाटककान, धर्मशास्त्री आ
याय-वै(शेषिकक आश्याकान
नदथि शंकर मिश्र
ग्रंथवली- १. (गोपी दिगम्बर
प्रहसन २. कृष्ण विनाद नाटक
३. मनारवयनारव
नाटक४. नसाधेवग, दूर्गा-
टीका५. नादिनिनाद१. वै(शेषिक
सूय यन उयम्मान८. कृष्णमांजलि
यन आमाद६. सधुनसधु-साद्य
टीका १०. कृष्णगादिकाज्ञान
११. श्रद्ध प्रदीप १२. प्रायश्चिग
प्रदीप।

विश्यायिक समकालीन जयदव
मिश्र, ज अयन अकाद्य गवक
कानध यजन्त मिश्रक नामसं
जानल (गलादा)

मैथिलीक आदिकवि विश्यायिक (शागिनीश्व न यूव)

मैथिलीक आदिकवि विश्यायिक
(विश्यायिक विप: विदद
विपकला सखानसं यूनयुग
यनकलाल मधुल बाना)
कवीश्वन शागिनीश्वन(लगरग
१२११-१३१०)सं यूव (कानध
शागिनीश्वनक अहम रिक
चर्च अष्टिका), मैथिलीक आदि
कवि संयुग आ अवलुक्तक
विश्यायिक ०कूनसं रिन्ना
सखना४ विशी गमक वार्वन
कारक श्री महेश ०कूनक
युग समानाकन यनथनाक
विदाया नाचम विश्यायिक
यदावलीक (शागिनीश्वनसं
यूवसं) नुय-अरिनय दक्षिण
अष्टिकाशागिनीश्वन यूव
विश्यायिक:- कशीनक अरिनव
गुय (दशम भगव्दीक अक
आ अगानरुम भगव्दीक
ग्रानरु)- अहम अश्वीश्वन
युगारिहा- निरक्षिधी म
विश्यायिक उलस कने कथि
श्रीधन दासक सद्रिकवधामिगु,
(नवना ११ रनवनी १२०६,
मधुवकालीन मिथिला, वि. क.



महानाड शिव सिंद

मिथिला नरेश विद्यायुक्त
आश्रयदाता अखिलान वंशक
महानाड शिव सिंद



उगना महादत्त

महादत्त विद्यायुक्त अखिलान
गीग सुनवा लल उगना नाकन
वनि नरेश अखिलान



महाकवि विद्यायुगि

0कून 1350-
1435
(मिथिलीक आदि क
वि आगिनीश्वर-
युव विद्यायुगिसँ रिन्न
, संकृग आ अवरुठ
म लखन)

0कून)- श्रीधर दास
विद्यायुक्त याँव टा यद उड्डा
कन छथि ज विद्यायुक्त
यदानलीक राधा छी।
◆जाव न माला कन
यनगास
गाव न गारि मन्तन
विलास। ◆ आ
◆मूला मूल काय
मकनब◆
आगिनीश्वर (१२११-
१३१०) **वृषः कलाल-** ॥अथ
विद्यायुक्त वर्धना॥ **अथः**
कलाल- ॥अथ नाथ वर्धना॥
म उखरा

महाकवि विद्यायणि ०कून

1350-1435

विद्यायणि ०कून 1350-

1435 विष्वज्जान विद्दी-काथय

(नाजा भिन्नसिद्धिक दनवानी)

आ संयुग आ अवहठ

लखका कीर्णिला,

कीर्णियाका, यूनस यनीजा,

(गानउविजय, लिखनावली

आदि ग्रंथ समग विपूल

संयाम कालजयी नचना ०ली

मैथिलीक आदिकवि विद्यायणि

(आगिनीधन पूर्व)सँ रिन्न

छथि

(चिपक आनन मिथिला

सांयुगिक यनिषद, कालकागा

द्वाना काना कलाकानसँ

वनवाडाल, कलाकानक नाम

६०-१० सालसँ अह्मण

कानवसँ गुफ नाखल (गल

अछि।)



शंकनदन 1449-

1569



जगज्यागिर्मिल १६१३-

३१



सुनीणि कुमान चट

जी मैथिली प्रमी 189

०-1977

यानिजागरुन्ध



अनन्दिध घाष मैथिली प्रमी 1872-1950

विद्यायणि गीणक अंग्रजीम अनुवाद

दनगोनी विवाह नाटक, कृष्ण

विद्यान नाटका



ऑ. सन आशुगाष मूखर्जी मैथिली प्रमी 1864-1924



सन जी. अ. ग्रियर्सन मैथिली प्रमी 1851-1941



कवि चन्द्रा मा 1831-1907

मूलनाम चन्द्रनाथ

मा, ग्राम- विद्यानछ, दनरंगा

कवीश्वर, कविचन्द्र नामसँ

विरूषिण। ग्रियर्सनक मैथिलीक

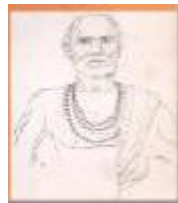
प्रसंगम मूय सहायगा

कविदाना

कृति- मिथिला राषा

नामायध, गीणि-सुधा, मरुतवाधी

संशद, चन्द्र यदावली, लक्ष्मीश्वर



महाकवि लालदास 1856-1921

दिनक जन्म खजौंजा ग्रामम १८५६

खी. म गथा मृणू १९२१ खी. म

रलखि । दिनक अन्क नवना उयलख

खल्ल अछि, यथा नमश्चर वनिग

नामायाध, ❖ श्री भिजा, ❖ सावित्री-

सयवान, ❖ चन्धी वनिग, ❖

❖ विन्दवली, ❖ दुर्गा

सकश्री, ❖ गच्छक मिथिला

माहागुण्य आदि । मैथिलीक

अंगिनिक खी संकृग, दिष्टी गथा

दानसीक झागा छलाह । कविगाक

अंगिनिक गद्यम सख खी नवना कजल



म. म. यशमश्वर मा 1856-1924

जन्म 1856 खी. म गनेनी

ग्राम (दनरंगा) जिलाम रल

छलखि गथा निधन 1924 खी.

म । संकृग आकनधक खी

दिज्ञज विद्वान् छलाह

गथा ❖ वैयाकनध कशनी ❖ क

उयाधिसँ विरूषिण छलाह ।

मैथिली साहित्यम अयन

कृति ❖ मिथिलागुण्य

विमर्श ❖ गथा ❖ सीमिणी

आध्यायिका ❖ क कानध

महापुरुष स्तान नखेा छथि

विलास, अहिंसाचरिता आऽ
विश्रायति नविण संभूत यन्त्र-
यनीजाक गद्य-यद्यमय अन्वादा



अन्ध विहानी प्रसाद शास्त्री 1859-
1929

। नमश्चरिता चरिता नामायध दिनक
सरसं विशिष्ट श्रद्ध अष्टि । नाम-
कथाक उल्लसम सीताक महिमाक महत्वा
दत्त मिथिला गथा मेथिलीक प्रणि श्लो
अयन श्रद्धा गथा रक्तिके चक्र कञ्ज
अष्टि ।



सर्वप्रं स्रगं वच्चा सा 1860-
1921

मधुवनी जिलांगण लवाधी(नवानी) गामम
दिनकन जन्म रत्नदि दिनक कृति सर
अष्टि। 1. सुलावन-माधव वधू काच,
2. आयवार्थिक गायर्य आच्यान, 3. गूढार्थ
गणपलाक(श्री मदरगवनीगीगा आचार्य
मधुसूदनी टीका यन) 4. आकियंयक
टीका 5. अक्कदकन्न निरुक्ति
विचन 6. सद्यरिवान टियध 7. सगप्रणियज
टियध 8. आकन्गन विचन 9. सिद्धांग
लजध विचक 10. अष्टिफिवाद गूढार्थ
गणालाक 11. शक्तिफिवाद टियध 12. खडन-
खड खाद्य टियध 13. अङ्गेण सिद्धि चडिका
टियध 14. कृत्काऽलि प्रकाश टियध।

। श्लो महानाज नमश्चरिता
सिंहक दनवानम नाज-यजिगत
यदयन अन्का वर्ष धनि
सुप्रणिष्ठिग क्लार ।



म. म. शशिनार्थ सा 1
860-1930



मंशी नधूनदन दास 1860-
1945

गाम-सखवान, जिला-मधुवनी। "मिथिला
नाटक" आ "दूगांगद द्यायग"क
लखवा



मधूसूदन डामा 1866-
1939



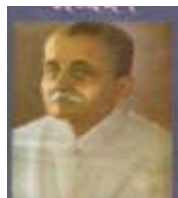
म.म. मूनलीधन मा
१८६८-१९२६

जन्म- गाम-रनाम (जिला
मधुवनी), अयन मागृक
थामसीधयम वसि (गलाह
काशीसँ १९०६ ङ्गी. म
ङ्गी "मिथिलामाद" नामक
मासिक मैथिली यधिकाक
प्रकाशन शुत्र कलहि
द्विगयदश (अनूवाद), मैथिली
द्याकनध, "अहीन गयया"
(उयघ्यास) प्रकाशिया



मकूद मा "वस्त्री"
1869-1936

जन्म दनियून वस्त्री टाल शम
(मधुवनी जिला) म 1869 ङ्गी.
म रल गथा दिनक निवन
काशीम 1937 ङ्गी. म रलहि ।
दिनक लिखल संघृग म अवनक
ग्रंथ अछि । मैथिलीम दिनक



जँ. सन गंगानाथ मा 1871-
1941

जन्म मधुवनी जिलाक सनिसव-यादी
शमम 1871 ङ्गी. म रल गथा निवन
प्रयागम 1941 ङ्गी. म । ङ्गी अयना
समयक संघृगक प्रकाध विद्वान म. म.
विप्रधन मिश्र, म. म. जयदत्त मिश्र गथा
म. म. भिन्नकमान शास्त्रीसँ मीमांसा अवं



जनार्दन मा जनसीद
न 1872-1951

महत्त्वपूर्ण कृति अष्टि ❖ मिथिला
रायामय इतिहास ❖ । अकन
अग्निनाक मेथिलीम दिनक दूट
निवच सर सख प्रकाशिन रल
। मिथिलाक अगिहासिक वर्धन
सरसं यद्विन दिनक प्रकाशिन
रल । अदि इतिहासम
मिथिलाक सर्वागमूखी यनिचय
प्रकाश कल गल अष्टि ।

दर्शनक अध्ययन कलहि गथा दर्शनक
विरिण दूनरु ग्रंथक अठ्ठनीम अनुवाद
कल याक्षाय संसानक धान आकृष्ट
कलहि । इी गवर्नमण्ट संकृग कौलज
वनानसम 1917 सँ 1923 धनि प्रिसियल
छलाद गथा अलाहावाद
विश्वविद्यालयक 1923 सँ 1932 यर्यक
कृत्यागि नरुलाद । मेथिलीम दिनक
सभ्यादिग कथा माक ❖ महेश्वराधी
संशुद ❖ गथा ❖ गधनाथ-विश्वनाथ
यदावली ❖ प्रकाशिन अष्टि । मेथिली
साहित्य यनिवद् दाना प्रकाशिन
दिनक ❖ वेदान्त दीयक ❖ (दर्शन)
विषयक अयूव ग्रंथ अष्टि । अदिसँ रिन्न
दिनक निवच सर सामयिक मेथिली यद्व-
यद्विकाम प्रकाशिन अष्टि ।



नासविहानी लालदास 1872-
1940

"मिथिला दर्यद" क लखक।



नामचन्द्र मिश्र "चन्द्र"
1873-
1937 मेथिल प्रग



महादेशाकनधाचार्य
यं दीनवबू मा 187
8-1955



रुवनाथ मिश्र 1879-
1933

मैथिली शब्दकोष "मिथिला शब्द
प्रकाश"क लेखक।



कीर्त्यानन्द सिंह

रुंकाथ चौधरी 18
84-1928



रुद्रग्रीवानन्द झा 1886-
1970

कवियलक्षण मिश्र 1887-
1987

बालकृष्ण मिश्र 1888-
1948

गाम सलमयून, थाना-

उडियानयून, जिला

समस्तीयून। ❖सीगादा❖❖यूफक

रंजानसँ प्रकाशित।



वलद्वन मिश्र 1890-
1975

आचार्य नामलाचन शनध 1889-
1971

सीगानाम सा 1891-
1975

दिनक जन्म सहरनासा जिलाक
वनगाँव ग्रामम 1890 ई. म
अर्ध निधन रुनवनी, 1975म
रुलहि । ग्रान्धम यं. (गनालाल
चौधरीसँ शोधिय यिठि ई
काशीम यं. सुत्राकन द्विवदीजीक
शिय रुलाह । वद्ग वर्ष धनि

सीगामठीम जन्म आ दनरंगाम मृगु "मैथिली
नामवनिग मानस" सहित गुलसीदासक समरु
नवनाक मैथिलीम लेखन। मिथिलाजनम मैथिलीक
प्रकाशनक ग्रान्ध कनिहाना प्रकाशन
संस्था "यूफक रुधन", लखनिय्यासनाय, यरनाक
संस्थायक।

जन्म चोगामा ग्रामम १८९१
ई.म तथा निधन १९१५ ई.
म रुलहि । संयुग्म शोधिय
शास्त्रक अंनक नवनाक
अगिनिक मैथिलीम
दिनक ❖अध चनि❖
(महाकाव्य), ❖रुकि

सनसुणी रत्न (वानाधसी) म
 ह्मलिखि विरागम कार्य
 कऱल । यक्ष्ण् यटनाक
 काशीप्रसाद जयसवाल निसर्च
 संस्मानम अन्क प्राचीन पिछ्णी
 ह्मलिखिक दवनीम लिख्मनि
 कऱला । मिथिलामाद प्रकाशन
 अर्च म.म. मन्लीधन साक
 प्रासादनसं कोपिषीडी १९१०
 ङ्ही.सँ.मादम लिख्म
 लगलाह् । दिनक प्रकाशि
 नवना अछि । नामायध
 भिजा, वद्य सा,
 संवृगि, राना भिजा,
 गय-सय विकक,
 समाज आदि । यछिपडी
 याव् भनि यटना न्हलाह्
 वनावि मिदिनम लिखो
 न्हलाह् ।



गानाचनध मा 1892-
 1928



वडीनाथ मा 1893-
 1973

जन्म मधुवनी जिलाक सनिसव
 ग्रामम १८९३ ङ्ही. म रलहि
 गथा १९१४ ङ्ही. म ङ्ही काशी
 लार कऱलिह । वङ्ग दिन

स्वा, लोक लउध,
 यद् आचनि, यूवायन
 यवदान, उनटा वसा,
 अलकान दर्यध, रुक्य
 धर्न, काय षट-नस,
 मेथिली काययवन, आदि
 प्रक उयलब अछि । दिनक
 गीगाक मेथिली अनूवाद सन्ध
 उयलब अछि । मिथिला मादक
 सथादन १९२० ङ्ही.सँ १९२१
 ङ्ही. धनि ङ्ही कऱल ।



जीवनाथ नाय 1893-
 1964

धनि ॐ मूङ्कनयूनक धर्म
 समाज संवृग कौलजम साद्विगक
 अधायक छलाह । मैथिलीक
 विद्याग कवि लकनि यथा
 समनजी, मधुयजी, मादनजी आदि
 दिनक भिद्य छथिह । संवृग
 साद्वियम दिनक अन्क नवना
 अछि । जादिम नाभा
 यनिधय (महाकाच) क सान
 विभिष्ट अछि । मैथिलीम
 दिनक अकावली यनिधय
 (महाकाच) एक नवीन कीर्णमान
 स्यापिग कअलका काना
 अलंकानक दृष्टाक गकवाक
 ह्गु अकावली
 यनिधय यर्याक अछि ।



उमश मिश्र 1895-
1967

अन्न मधुवनी जिलाक गजहना
 ग्रामम 1895 ॐ. म रल छलह
 । ॐ अकहनि वर्षक आयूम
 १९६१ ॐ. म प्रयागम
 स्र्गवासी रलाह । ॐ अयन
 स्रनाम-धय पिगा म. म. जयदन
 मिश्र गथा म. म. जा. गंगनाथ



वावू धनुषधानी दास 1895-
1965

मैथिलीम विहानी कविक अनूवाद
 प्रकाशिता



अमननाथ मा 1897-
1955

सनिसव याहीराल ग्रामम
 १८९१ ॐ. म रल । दिनक
 नेधन यरनाम अखन ॐ
 विहान लक सना आयागक
 अथडा छलाह, १९११ म
 रलह । ॐ अलाहावाद
 विश्वविद्यालयक नडा वर्ष धनि

साक सांनिध्यम विद्यार्जन कऽला
 १९२३ सँ १९७९ धनि मिश्री
 अलाहाबाद विश्वविद्यालयम
 संस्कृतक प्राध्यापक छलालह ।
 दनरंगा ❖ मिथिला शोध
 संस्नान❖क निदशक यदयन
 किच्छ समय कार्य कऽ १९६२
 सँ ६७ धनि कामध्वन सिद्ध
 संस्कृत विश्वविद्यालयक कुलपति
 नहलालह । म. म. मन्नीधन सासँ
 प्ररतिग रऽ ❖ मिथिलामाद❖म
 ३० लिखव ग्रान्थ कऽलहि गथा
 अयन विविध प्रकानक नवनासँ
 मैथिलीक गद्यकँ समूह कऽलहि ।
 मैथिलीम दिनक प्रसिद्ध ग्रन्थ
 अछि❖❖वमला❖
 (भक्तपीयनक ❖टय्यर❖क
 रावान्वाद), ❖नलायाग्यान❖,
 ❖मैथिली-संस्कृति❖ गथा अनक
 वर्धनात्मक एवं आलाचनात्मक
 निवध; मनवाधक कृष्णजन्मक
 सभ्यादन, विद्यापतिक
 कीर्तिला, कीर्तियाका, गानज
 विजय आदिक अनुवाद-
 सभ्यादन संस्त्र कऽला



कुलपति नहि यक्षा द्वि
 विश्वविद्यालयक संस्त्र कुलपतिक
 यदकँ सुभारिण कऽलहि । ३०
 अंगनजीक प्रकाश विद्वान्
 छलालह, गहि संग
 दिष्टी, उर्दू, खानसी, संस्कृत, वज्जला
 एवं मैथिलीक संस्त्र अहू
 विद्वान् छलालह । मैथिलीम दिनक
 ज्ञाना सभ्यादिग ❖द्वयनाथ काथ
 प्रकाशली❖ गथा ❖गोविन्ददासक
 शृङ्खानरजन❖ मरुद्गपूर्य अछि
 अहिसँ रिन्न दिनक मैथिली
 साहित्य यनिषदक अधकीय
 राषध गथा अय लख प्रकाशित
 अछि ।



रालालाल दास 1897-
1977

दिनक जन्म दनरंगा जिलाक
कसनोन म रलहिए । सादिय
सईनाक अगिनिक अयन संगोन
उमगा गथा मेथिली सादियक
सर्वगाम्खी विकासक हगु सगा
गयन नदवाक कान(बै) राला वावु
मेथिली संसानक एक क्खक नुयम
नदलाह । दिनक
निधन 1977 छी. म रल ।
मेथिलीक प्रवान-प्रसानम छी
अयन जीवन समयिग कउन
छलाह। याधक्रमम मेथिलीकै छान
ह गदि हगु छी वीग उओलहिए
। विशालय कनक अन्क यथीक
निर्माध कउन । मेथिली सादिय
यनिषदक छी संक्रायक मधुलक
सदय छलाह
। 1931 सँ 1940 छी. यर्यक
उकन प्रधान मन्त्री नदलाह ।
दिनक
मन्दिप्रकालम अरानगी नामक
मासिक यकक प्रकाशन रल ।
अदिसँ पूर्व (१६-२६-३१) क्खन
क्रमनजीक संग संयुक्त
सय्यादनम मिथिला नामक यक
चलाओल । छी नवीन अर्ब
प्रगिशील विचानक लक छलाह
। ननर लखककै प्रामादिय

क्रमान गंगानह सिंह 1898-
1971

जन्म वनेली नाजयनिवानम 24-9-
1898, मृगः-श्रीनगन युधि 17-1-
1970 । रूपायुर्वे भिजामिनी, विद्वान अर्ब
कुलयोगि, कामध्वन सिंह दनरंगा संकृग
विश्वविशालय । नवना अगिलही (अयुर्वे
उयथास) गथा अन्क कथा अर्ब अकांकी
। युगक अननूय सामाजिक कृतीगि
आदिकै आधान वना अ स्धानवादी दृष्टि
कथा सरदिक नवना ।

ब्रजभारुन ओकून 18
99-1977

कनव, (मेलीम) अकनूयणा
अनव, नव प्रकाशनसँ मैथिलीक
साहित्य रंजानक यूनि कनव
दिनक कर्मच्य वनि (गल छल ।
दिनक लिखल ❖मैथिली
द्याकनध❖ गथा दिनकदि दाना
सन्धादिग❖ गद्यकृतसंज्ञलि वद्द
दिन धनि निद्यालयम यडाउल
जाह्लग नहल । दिनक लिखल
अनक निवद्य
समालावना, कविगा, संयनध, जीवनी
-साहित्य मैथिलीक यत्र-यन्निकाम
द्विऽआञ्जल अद्वि ।



गुवनक्षत्रन प्रसाद 1902-

दनरंश। जिलाक वनेली
गाम, निवास नायसाहव यास्त्रनि
लहनियासनाया सनस्रणी शूल
लहनियासनायम १९३०-१९६४
श्री. धनि अश्यायना
मैथिलीम "वाल
नामायध❖ प्रकाशना।



जयनानायध मा 'दिनीग'

1902-1991



ननस्र नाथ दास दि

शालंकान १९०४-

१९९३



सुधाकन मा "शास्त्री"
1904-1974



दामादन लाल दास विश्वानन्द 1904-
1981



वव्आजी मा 'अह्ला
ग' 1904-1996

२००१- वव्आजी
मा अह्लाग (ग्रगिह्ला
याधुव, मव्वाकाय)लल साद्विग्य
अकादमी यूनघाना



श्रीनल्लर मा द्दारी 1905-
1940



नमानाथ मा 1906-
1971

जन्म दनरंग जिलाक उजान
(धर्मयून) ग्रामम 1906 व्दी. म
अवं द्दिनक निवन दनरंगम
१९११ व्दी. म रल्लहि
। 1930 व्दी. म अठनजीम अम.
अ. कालाक वाद व्दी कगाक वर्ष
धनि मधयून उच्च विश्चालयक
प्रधानाधायक छल्लाद, गकना वाद
दनरंश-नाज-लाव्द्वनीक
यूफकालयाधुअक नूयम 1936 सँ
अन्किम समय धनि नल्लाद
। 1952 सँ 62 व्द्वधानी मिथिला



काशीकान्क मिश्र "म
ध्र्य" 1906-
1987

१९१०- काशीकान्क
मिश्र मध्र्य (नाधा
विनद, मव्वाकाय) यन साद्विग्य
अकादमी यूनघान ग्राक
मैथिलीक प्रशक कवि आ
मैथिलीक प्रवान-प्रसानक
समर्पिग
कार्यकर्ता संकान कविगारसँ
क्रान्कि गीगक आद्वान कालनि
। प्रकृगि प्रमक विलजध कवि
। घसल अ०बी कविगक

बॉलडम प्रा. सा अठनडीक
प्राथमिक नूयं काजका यधाम् ठाडी
बॉलडम मैथिली विरगगाधज
वनाडल (गलाह । 1965 म
नमानाथ वावू साहिय अकादमीक
मैथिलीक ग्रगिनिधि निर्वाचिग
रलाह जाहि यद यन ड
डीवनक अन्क समय गक नदलाह
।

दिनक नवनाक डध वद्ग चायक
छल । दिनक अनुसंधानागक
निर्वक दू (गोट
संग्रह ॥ निवधमाला ॥ गथा ॥ प्रबंध
संग्रह ॥ प्रकाशिग अछि ।
संकलिग सभ्यादिग युक्तक
सरम ॥ मैथिली यद्य-संग्रह ॥
॥ मैथिली गद्य-संग्रह ॥
॥ प्राचीन गीग ॥ ॥ कथा
वाद्य ॥ ॥ नवीन गीग ॥
॥ कविगा कूसम ॥ ॥ कथा
संग्रह ॥ आदि अछि
। ॥ कथारसनिगगन ॥ क आधान
यन प्राञ्जल गद्य (लेलीम
दिनक ॥ उदयन-
कथा ॥ गथा ॥ वननूचि-कथा ॥ वष
चागि यडलक ।
चाकनधक ॥ मिथिला रावा
प्रकाश ॥
॥ अलङ्कारप्रबंध ॥ आदि अन्क
अछ प्रकाशिग अछि । ॥ मैथिली

लल कथ आ शिष्य-
संवदना ॥ दूहू रुन यन वनम
लाकाग्रियगा स्टलनिग



लक्ष्मीनाथ (गासाळी) 1793-1872



अरिनाम दास

मिथिलाक प्रसिद्ध रागना
वाचक।

साहित्य यत्र प्रेमसिक यत्रिकाक
संयादका



मही दास

धनदना काठी वनमनसी असली
नाम_ नामान्शुद्धलाल
दास_ आश्रम_ मायामहला, कृष्णाघाट, रागलयन



भद्रलगा 1909-1993

गाम- उनाठी, समस्तीपुरा यूर्ध
नाम- कथिलयन ठाकुर "भद्रलगा"।
नामाश्रयी नसिक समुद्रदायक
संग। दिनकन नचिग वेदही
विवाद संकीर्ण, विनय
यदावली, शिववाही, चावनी, मूला-
संकीर्ण, सीगावनन। प्रवचकाद्य
आ भद्रलगाक- ददावली-कविग
आदि मिथिलाक महिला वर्ग आ
संकीर्णकान लोकनिक कंठम
यनिद्याय अछि आ लोकमंगलक



वचन राग, संग 1928-1991



स्वर्गप्रगा सनानी
स्व. नामरूल मधुल



सुष्म सा "शास्त्री"

1930-1998

जनकपूर, नयाल, गूलावस्ताक
जलक दुर्लभ रूपा। नयाल ग्रह
ग्रगिष्ठानक मानद सदस्या- न्न.
सुष्म सा शास्त्री।

अनुष्ठानम चायक नूरुं चन्द्रा
अष्टिा दिनक "वेदही
विवाद" मिथिलाक कीर्णिया नाय
यनथनाकँ लोकत्रचिक अनुकूल
वनोन अष्टिा



कांशीनाथ सा "किनध"

1906-1988

जन्म स्तान-धर्मपूर, लालना
नाउ, दनरंगा विहान । मेथिली
राया आंदोलनम मरुप्रयुध
रूमिका। ❖यनाशन❖ मरुकाद्य
लल साहित्य अकादमी आ ❖कथा
किनध❖ लल वेदही यूनश्चानसँ
सम्मानि । प्रकाशिा कृगि:
चंद्रग्रहण (उपस्थास), वीन-ग्रसून
(वालकथा), जय जन्मरूमि
(अकांकी), विज्ञा
विशयगि (नाटक), कथा-किनध
(कथा-संग्रह), किनध-
कविगावली, काक दिनक
वाद (कविगा-संग्रह), यनाशन
(मरुकाद्य) आ किनध-निर्वचवली
(निर्वच-संग्रह)
आदि। १६, १८, २०- कांशीनाथ
सा ❖किनध❖



यामानस सा 1906-

1949



मैथिलीमे रामकोटी

नमाकांग सा, नयाल 1907-
1971

(यनाशन, महाकाव्य)यन मैथिली म
साहित्य अकादमी युनयानसँ
सम्मानिता



श्रीशनाथ सा 1907-
1965

वद्मूखी प्रगिराक कवि ।
प्राचीन आ नवीन यद्गणिक
काव्य-नवनाक विलज्ज संयोग
द्विनकन कविगाम रट्टेण अञ्चि
। दलित वर्ग, शोषधक
समया, स्रदश प्रमक यथार्थवादी
नवनाक संग संग अकितिनह
कथनाक अन्क विशिष्ट कविगा
मैथिलीम लिखलनि ।



गुवनश्वन सिंह 'गुवन'
1907-1944

अयन खाडीक वद्मूखी
प्रगिराक कवि । प्राचीन आ
नवीन शैलिक कविगाक नवना
विपुल संग्याम कथलनि
◆गुवन रानगी◆ कविगा
संकलन प्रकाशनसँ मैथिली आज
आ नव वगनाक शंख दूवलनि



द्वनिमाहन सा 1908-
1984

द्विनकन मैथिली कृषि १९३३
म ◆कथादान◆
(उपग्यास), १९४३



कालीकान्क सा 1909-

मूल गाम
टंगा (द्विनयून), मध्वनी। रुन
मागृक वनदवडा, या.
उनलाहा, राया-



गंग्रनाथ सा 1909-
1984

जन्म १९०९ श्री म दनरंगा
जिलाक धर्मयून ग्रामम रलहि
मृत् ४-१-◆८४, चक्रवर्ती

म "द्विनागमन" (उपन्यास), १९४७
 म "ग्रन्थ दत्ता" (कथा-
 संग्रह), १९४९
 म "नगाला" (कथा-
 संग्रह), १९६०
 म "वर्चनी" (कथा-संग्रह) आऽ
 १९४८ स्त्री. म "खट्टन कताक
 नग" (बिंथ) अछि। मृगयायांग
 १९८७म (जीवन
 याया, आग्रकथा)यन मैथिलीक
 साहित्य अकादमी युनियनसँ
 सम्मानित।

मदनयून, जिला-युर्धियाम वसि
 (गलाह) साधना
 (मधुवनी), मदनयून आ काशीम
 याधिली छाकनधक
 अधयना "दन्मान वनिग"क
 लखका।

मिथिला कौलजम अर्थशास्त्रक
 प्राध्यापक छलाह । अन्वकाश
 शब्द क काव्य साधनाम
 लागल नरुलाह ।
 महाकाव्य, मूकक, अर्वाकी सर
 विधाम स्त्री सिद्ध हक छलाह
 । दिनक कीवक
 वंश महाकाव्य
 अठनतीक ब्रैक रसक
 (अभिप्राजन छद्म) म लिखल
 अछि ।
 मैथिलीम सेनट अर्ब ब्रैक
 रसक स्त्री प्रथम प्रयाका
 थिकाह । संवृग यनथनाम
 काव्य नवना कनिगहँ याधाय
 (भेलीक नवीना दिनवा
 नवनाम रल ।
 दिनक कीवक
 वंश आ कुपु.
 वनिग महाकाव्य मरुल-
 यज्ञशिक्षा अर्ब नमया मे
 थिली साहित्यम अयन विशिष्ट
 छान नखेछ । गकन
 अर्गिनिक मूकक काव्यम
 विषय वरुक थायवगा अर्ब
 थिय (भेलिक प्रवृना अर्बे
 अछि । एक दिन यदि
 प्राचीन टंगक स्त्रीधन कबनाक
 नवना कलहि गँ दासन
 दिस सेनट



जीवनाथ मा १९१०-
१९७७



सुनल मा 'सुमन' १९१०-
२००२







जन्म: ग्राम : क्लीयन, जिला-समस्तीपुर ।
प्रकाशित कृति: प्रगियदा, अर्चना, साठान-
रादव, अंकावली, अर्कनाद, ययस्त्रिनी, उफना
आदि गीससँ अधिक मौलिक कविता-
युक्त, युनस-यनीजा, अन्गीगांजलि, मृग
शृंगान तथा वर्धनकाकन, यानिजाग-
दनध, कुचुजन्म, आनन्द-विजय आदि
कवितीय अल्लक अन्वलाद-संयादन;
◆मैथिली काद्य यन संयुक्त
प्रराव◆ नामक समीजा-
अंथा ◆ययस्त्रिनी◆ लल १९११ म साहित्य
अकादमी युनयान तथा ◆उफना◆ यन
१९१८ म मैथिली अकादमीक विद्यायणि
युनयान प्राक । मैथिलीक प्रथम र्देनक

(वर्द्धयदी) ◆वेलउ◆ आदि
लिखवाम युधि सरुला प्राक
कअलिह । ◆कृत्र
चनिप◆ मरुकाद्य यन
दिनका १९७९ स्त्री क साहित्यक
अकादमी युनयान ररुलिह
। १९८० स्त्री. म दिनका
अरिन्धन अल्लसमयिणि कअल
(गलिह ।



यं. नामचन्द्र मा १९१०-
०-

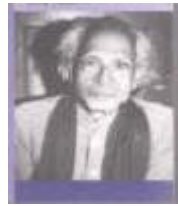
गाम गनेनी। काशी मिथिला
अल्लमालाक सभ्यादका

यत्र  स्वयं  क लघ्वग्रहित
 सभ्यादका १९६१- सन्ध्र मा  समन 
 (नवीन्द्र नाटकावली- नवीन्द्रनाथ
 टैगोर, वाँझा)लल साहित्य अकादमी
 मैथिली अनुवाद यूनव्दाना २०००
 श्री. - यं. सन्ध्र
 मा  समन , दनरंगा; यात्री-वाना
 यूनव्दाना





'नागाईन' वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'
 1911-1998

जन्म अयन मामागाम सगलखाम रल्लि, ऊ दूनकन गाम
 गनैनीक समीयद्विम अठि, जिला-दनरा । मूल नाम:
 वैद्यनाथ मिश्र । द्विधिम नागाईन नाम प्रयाग ।
 प्रकाशित कृति: चिप्रा, यप्रदीन नन्न गाछ (मैथिली
 कविता-संघर्ह); याना, वलवनमा, नवगुनिया (मैथिली
 उपन्यास); यूगधाना, सगनं(ग) रंखानाली, यासी यथनाश्री
 आंखं, खिचडी विप्लव दखा रूमन, गुमन कला था, रूजान
 रूजान वाच्य वाली, यूनानी जोगिया का
 कानस, नन्नगरा, अस री रूम का ! अस री गुम का
 ! (द्विधै कविता-संघर्ह); नगिनाथ की
 चाची, वलवनमा, नश्री योध, वावा वटसननाथ, वनूध क
 वट, दुखमावन, कृष्णियाक, अरिनहन, उधगाना, लूमनगिया
 (द्विधै उपन्यास); आसमान में चक्ष गेन (कहानी
 संघर्ह); रन्माकून (द्विधै खभु काच); अन्नदीनम्
 द्वियादीनम् (निवन्न-संघर्ह); गीग



आनसीप्रसाद सिंह 1911-
 1996

जन्म: ग्राम-उनेग, जिला-समस्तीपुर ।
 प्रकाशित कृति: माटिक दीय, यूजाक
 रूल, सूर्यमुखी (कविता-संघर्ह), मघदूग
 (अनुवाद), आनसी, नधदास, संजीवनी (द्विधै
 काच संघर्ह)।  सूर्यमुखी  लल १९८४ म
 साहित्य अकादमी यूनव्दाना प्राप् ।



गुनू जयदत्त मिश्र 19
 11-
 1991 शिष्य गंगानाथ
 सा

(गान्धिव; मधयूग; विद्यायणि क गीग, विद्यायणि की कव्दानियां (अनुवाद) । यूपदीन नम गाछ लल १९६८ म साहित्य अकादमी यूनयान प्राक । यायावनी जीवन । मैथिली ग्रगिनिधिक नूयम नूस ग्रमध । नागार्शन (स. श्री वैद्यनाथ मिश्र ययी), दिव्ही आ मैथिली कवि, १९९४ व्ही.म साहित्य अकादमीक व्हा (रयाना दशक सर्वोच्च साहित्यक यूनयान)।



यशोधन मा

मिथिला वैरव, दर्शन मैथिली
याथीयन 1966 म यव्हा साहित्य
अकादमी यूनयान मैथिली लल
प्राक।



वैद्यनाथ मल्लिक 'विधु'

1912-1987

१९१६- वैद्यनाथ मल्लिक विधु
(सीगायन, महाकाव्य) लल
मैथिलीक साहित्य अकादमी
यूनयान।



रिमि मा 1912-

पूर्धिया जिलाक मदनयून
गामका जन्म १ नवम्बर १९१२
व्ही। वनेलीक श्री श्रामानध
संस्कृत अग्रजगाम नानायध
संकीर्ण महामधुलीक
क्यायना।



नाथानाथ दास १९१२-



उयध्व ओज्हा 'मदन' 1913-

1980

जन्म १९१३ व्ही. म दनरंगा जिलाक वानिया
ग्रामम रल्लि । मृगू २४-१-१९८० । संयुक्त
मिजाम साहित्याचार्य आ वज्जेदा नाजक विद्वान्-



जयनाथ मिश्र 1913-

1985

यनीजार्सँ साहित्य-नम्रक उपाधिसँ विदुषि
रलाह । दैनिक आर्यावर्षि आदिअदिसँ, यक्ष्ण
१९६० सँ मिथिला मिहिनक उय-सथ्यादक अवं
सह-सथ्यादक नूयँ कार्य कनेन १९९१ म सवा
निवृत्त रलाह । माहनजी कनीव यवास वर्ष
साहित्य साधनाम लागल नहलाह ।
विजयानध, कृञ्जन्जन, सुदर्शन, युष्नीक, शास्त्री, वामन
आदि छद्म नामसँ यम-यमिकाम विविध विषययन
दिनक लेख सर प्रकाशिन रल अछि । माहन
जीक वाञि ३०ल मन्लीम १०१ गोट
कविगाक संकलन अछि जाहिम दिनक सुदीर्घ
काव्य-आनाधनाक विरिष विचानधानाक आ विरिष
अनूरीक सामग्री उपलब्ध अछि । अदि
युष्कयन माहनजीकेँ १९९८ म साहित्य
अकादमि युनयान रटलछि । अदिसँ वहरा युर्व
दिनक रलाली नामक कविगा संग्रह सन्ध
प्रकाशिन रल छल ।



श्रीकांग आकून "विद्यार्थिकान"



यश्वन्थ मा १९१४-
१९९८

लख (श्री) यश्वन्थ माफेयु यश्वन्थ
मादानध मा, भिवनगन, अन्ननिया, युर्विया
यिगा-स्र श्री रिखिया मा गुन्- यश्वन्थ
रिखिया मा युर्विया जिलाक कनेली लगक
भिवनगन गामका जन्म २२ सिपस्रन
१९१४ २२ी। सोनाम अयन मोसा स्र.



आनध मा १९१४-
१९८८

लूनमा सँ यँगीशास्त्रक अध्येयना १९४८-
१९७१ छी. धनि दनरंगम नहि आचार्य
नमानाथ माकँ यौजि यडउलनि शास्त्रार्थ
यनीजा- दनरंग। मखानाज क्रमान जीवधन
सिंहक यज्ञयत्री संघानक अवसन यन
मखानाजाधिनज(दनरंग।) कामधन सिंह
द्वाना आयाजिा यनीजा-१९३७ छी. जाहिम
मोखिक यनीजाक मृत्यु यनीजक
म.म. जौ. सन गंगनाथ मा छलाह।



राका हासगात्रा, निदधक मिथिला म्यूजि
यम, निगारा



माँगनि खवास १९०८-
१९४३ संगीगहू

यवगठियाम जन्म आ अन्ध
वशसम मृग्या यवगठियाक
नायवहादून लक्ष्मीनानायध सिंहक
भिया



नामाध्रय मा 'नामनं
ग' अरिनद रागरख
(१९२८-२००९)

जन्म ११ अगस्त १९२८
छी. गदनुसानराज कुल्लयज
अकादमी लिथिक मन्त्रवनी
जिलानगंग खदना नामक
गामम रलछि अरिनद
गीगांजलि, हूनकन उच्चकारिक
शास्त्र नवना
अठ्ठि मिथिलावासी श्री
नामनं ग नाग गीनगुकिफ, नाग
वेदही रेनव, आऽ नाग
विद्यायगि कथ्याध कन नवना
सह कञ्ज छथि आऽ मेथिली
रायाम दिनकन



नामवगुन मल्लिक ध्रुवद संगीत 1905-1990



अरुणानायाध मल्लिक



कृमान गानानध सिंद,
संगीत



संगीतार्य नायवहादून लक्मीनानायाध
सिंद



र्यतिग यनमानध चौधनी, संगीत



हृदयनानायाध सा



संगीत राखन नाजकृमान थामानध सिं
ह १९१६-१९९४



मिथिलथ कृमान सा, गवला वादन



ना(गधन लाल कर्ध,
गवला वादक



वावू साहव चौधरी 1916-
1998

दनरंगा जिलाक दलानयून गामका
१९४३ स्त्री. म जीविकार्थ कलकामा
अजलाहा नवम कडाम सनाथ
आध्यात्मनम वासि कउ शिजाक स्त्रीपी।
कलकामा सनानीग मेथिल संघम प्रवथा
कलकामा मेथिली आर्ट ग्रस.
९/१, खिलाग घाष लन, कलकामा-
१००००६ सँ मेथिली-मिथिला आध्यात्मनम
सक्रिया ❖कृत्स❖ आ ❖वाधक❖ दूटा
नाटका १९११-१९ खनि ❖मिथिला
दर्शन❖ आ ❖मेथिली दर्शन❖ मेथिली
मासिकक सन्थादना



नामचनिप्र या(द्युय "अक्ष" १९११-
२०१०

लक्ष्मध (लखन) मा 1916-
2000

मिथिला नाथ अरिण्यानी।



लक्ष्मीनाथ मा मिथिला चित्रकला 1917-
1990

शुद्धयद मा 'उयल'
1916-

गाजा जिलाक अलखदफ-
मदनयूनक निवासी। जन्म १६
अक्टूबर १९१६ स्त्री।



उयद्व नाथ मा 'द्यास'
1917-2002

जन्म सनान-दैनियून
मकशीराल, मन्वनी, विहान ।
१९६९- उयद्वनाथ मा ❖द्यास❖
(दू यग, उयद्यास) लल साहित्य
अकादमी यूनयानसँ सम्मानि।
साहित्य अकादमीक अनूवाद
यूनयान प्राक । प्रकाशिन कृपि:
रुमान, दू यग



मनमोहन मा 1918-
2009

जन्म
सनिसवम, अश्रकध, वीनरवाथा, मिथिलाक
निशाग्रनमा २००९- मम मनमोहन
मा (गंगाग्र, कथासंग्रह)यन मृथायनांग
साहित्य अकादमी युनयान



ब्रजकिशोरन दर्मा 'मधियङ्ग'
1918-1986

जन्म सान-वहण, दनरंगा विहान ।
१९१३- ब्रजकिशोरन दर्मा 'मधियङ्ग'
(नेका वनिजाना, उयथास) लल साहित्य
अकादमी युनयानसँ सम्मानि ।
उयथासवान, कथाकान अ कवि ।
प्रकाशिन कृति:
काव्यागल, कनकी, अङ्गिनानीधन, लानिक
विजय, नेका-वनिजाना, लवहन-
कृशहन, नाय नवयाल, आदिम गुलाम
आदि उयथास अ कान (नाटक)
आदि



आद्याचनध मा 1920-

(उयथास), विठवना, रजना
रजल (कथा-संग्रह), यान
संग्यासी, प्रीक
(काथ), महाराना (यदिल दू
वर्ष) आदि



यं. सहयद मा १९१
९-

"मिथिला की धनहन" यथी
प्रकाशिन



वृद्धिधानी सिंह नमाकन 1919-1991

जन्म मधुवनीम 1919 ॐली. म रल्ल । अयन
यिगा न्न. उमधानी सिंहरसँ निरिण्ण विषयक
शिजा ग्रन्ध कऱलहि । ॐली नामकृन्न
कॉलज, मधुवनीक मेथिली विरगाधज छलार
। जगऱसँ अवकाश ग्राय कऱलहि । वाय्या-
वन्धहरिसँ ॐली कनिकार्यम लागल नरुलार
अछि । संवृग गथा मेथिली इनु रायाम
दिनक नवना प्रकाशिन अछि ।
यथा ॐमेथिलीम ॐप्रयास ॐ (कथा-संघर),
ॐमधुमी ॐ, ॐअमनवायु ॐ (कनिगा-
संघर), ॐशनशया ॐ (संउ-काद्य) ॐश्रुगि
साह्यी ॐ (महाकाद्य) आदि ।



स्वांशु (शखन चौधनी 1922-1990

जन्म दनरंगाक मिश्रलाम 1922 ॐली. म
रल्लहि गथा मृगु 1990 ॐली. म रल्लहि ।
किछु दिन निरिन्न जीविकाम नरि यधग
साह्यकानक जीवन ग्रानर कऱल । किछु
दिन ॐवेददी ॐक सय्यादन श्री समनजी
अनं श्री कृन्नकान्क मिश्रजीक संग कऱल
गयधग 1960 ॐली. सँ 1982 ॐली. धनि
यटनाम ॐमिथिला मिदिन ॐक सरुल



नाम ॐकवाल सिंह नाकश (१९१२- १९९४)

जन्म १४ शला ॐ
१९१२, मृगु २१
नरमन
१९९४, दिनकन
मेथिली
लाकगीग (संघर आ
सय्यादन) अकटा

चड्ड रानु सिंह 1922-

२००४- चड्डरानु
सिंह (शकृन्ला, महाकाद्य)लल
साह्य अकादमी यूनधान



जयकान्क
मिश्र (१९२२-
२००९)
मेथिली साह्यक
अकटा वऱ येध
विद्वान ॐ. जयकांग
मिश्र सन् १९९२ म
ॐलाहावाद
विश्वविद्यालयक
अंग्रजी आ

सम्यादन कञ्ज । दिनक दू गोट
नाथकृषि-रुद्राङ्ग वाहक
जिनगी, लटाङ्ग आँचन, गथा यद्विल
साँस दिनक नाटकक नीक द्यावहनिक
अन्वक यनिवायक अछि । कृष्णनामसँ
दिनक दू गोट उय्यास मिहिन म
प्रकाशिन रल अछि । दिनक उय्यास छी
वगहा संसान ज मेथिली अकादमी द्वारा
प्रकाशिन रल आ जाहि यन 1980 क
साहित्य अकादमीक प्रमदान दल गेल ।

लज्जुनी याथी वनि
गेल अछि।

आधुनिक युनायियन
राषा त्रिरागक
प्रारुसन आ हउ
यद सँ सवानिवृफ
रल छलाह। गकना
वाद आ चिप्रकूट
शामादय
विश्वविद्यालयम राषा
आ समाज
विज्ञानक तीन न्युम
कार्य कञ्जलि। स.
मिश्र अखिल
राजगीय मेथिली
साहित्य समिति,
छलाहवादक
अध्यज, गंगानाथ
निसर्व छेष्टीयूर,
छलाहवादक
अधेगनिक सचिव
आ सम्यादक, दिष्टी
साहित्य सम्मलन,
प्रयागक प्रवष
त्रिरागक संयाजक
आ साहित्य
अकादमी, नळी
दिल्लीक मेथिली
प्रतिनिधि आ राषा
सम्यादक नहल
छलाह। मेथिली
साहित्यक ङ्गिहास,

रुका लिटनचन ँरु
मेथिला, कीर्गनिया
श्रमा सरक
क्रिटिकल
अजीशन, लक्नस ँन
थॉमस हाजी, लक्नस
न खान याअन आ
द कॉन्सुक्त श्रॉल
रून अंगलिष
याअदी दिनक
लिखिा किछु अंथ
अच्छि। दिनकान
वृहण मेथिली अद्व
काष माग दू खद्य
प्रकाशिग रअ
सकल, आदिम
दतनागनीक संग
मेथिलाउन आ
खानटिक अंग्रजीम
सहा मेथिली अद्वक
नाम नदुगा ३
रूनवनी २००६ काँ
साग वज साँमम
दिनकान निधन रऽ
गलद्वि।



उद्यम ओकून

१९२९-१९६१

History of
Mithila,
Madhubani
Painting,
Studies in
Jainism and
Buddhism in
Mithila आदि याथी
प्रकाशना

गोविंद मा 1923-

जन्मस्थान- बलसहरून, सनिसव
याही, मधुवनी, विहान । सिद्ध
कथाकान, उयद्यासकान, नारककान, राखा
वैज्ञानिक आ अन्वादका साहिय
अकादमी यूनकान, साहिय अकादमी
अन्वाद यूनकानसँ सम्मानिना विहान
सनकानसँ कामिल वृद्ध
यूनकान, थियर्सन यूनकान आदिसँ
सम्मानिना । प्रकाशना कृषि:
उयद्यास, नारक, कथा, कनिगा, राखा
विहान आदि विरिन्न विनाम अंगीस
टा याथी प्रकाशना । प्रकाशन: सामाक
योपी, नयाली साहियक ब्रिह्मिदास
(अनु) आदि । १९६३- (गोविंद
मा (सामाक योपी, कथा) युक्त लल
साहिय अकादमी यूनकानसँ सम्मानिना
। १९६३- (गोविंद मा (नयाली साहियक
ब्रिह्मिदास- कृमान प्रवान, अंगीस) लल
साहिय अकादमी मैथिली अन्वाद
यूनकान। प्रवाध सम्मान 2006 सँ
सम्मानिना विदरु सन्थादकक
समानान्कन साहिय अकादमी रुला
यूनकान २०१० (समग्र यागदान लल)

यागानह मा 1923- 1986

दिनक जन्म मधुवनी जिलाक
काबलख शमम 1923 ब्ही म
रलखि । मृग्य 1986 म रलखि
। अंगीस अम. अ.
कजलाक यथा ब्ही किद्ध
दिन चरुवनी मिथिला कालजम
प्राधायक नरुलाह । विहान
प्रशासनिक सवाम 1981 धनि
विरिन्न यदयन कार्य कजल ।
गयधामिथिली अकादमीक
निदभक 84 धनि । यागानह
साजी मैथिली साहियम अयन
उयद्यास रलमानस अर्न
यविका क हगु च्याग छथि
। दिनक नारक मूनिन
मणियम अर्न कथा
संग्रह उउंग वंशी यथय
प्रगिष्ठा प्राक कजल अछि ।
अकन अंगिनिक ब्ही मरुप्रा
गाधीक आप्रकथक अन्वाद
अर्न आमक
जलखनी नामक एक कथा
संग्रहक सन्थादन सल कजल
छथि ।



नामकृष्ण मा 'किशन'

1923-1970

आधुनिक धानाक विभिष्ट
कवि, कथकान, चिन्क ।
प्रकाशि कृपि: आग्रनयद
(कविता संग्रह), मैथिली
नवकविता (संस्थादन)।



उमानाथ मा 1923-

2009

जन्म:-01-01-1923, मृत् 07-
12-2009 मदनैल, रूकुनी
। रूयूर्त अळनजी निरगाथुज
अर्त प्रणि-कूलयणि मिथिला
विश्वविद्यालय, दनरंगा ।
नवना:-नखाचिन्, अणीग (कथा
संग्रह); मैथिली नवीन
साहित्य, अळन धनष, विद्यायणि
गीणशरी
(संस्थादन)। १९८१- उमानाथ
मा (अणीग, कथा) यन मैथिलीक
साहित्य अकादमी यूनयानर्स
संस्थानि।



गराशंकन दास 19

23-2006



प्रवाध नानायध सिंह 1924-

2005

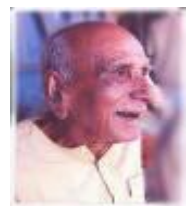
द्विष्टी, संयुग, मैथिली, याली अर्त खानसीक
विद्वान् मिथिला, मैथिल अर्त मैथिलीक अर्त
अनय रूक अर्थि । कलकपा नदि



मदनश्वन मिश्र 1924-

2004

"अक अलीह मदानानी" प्रकाशि।



अमाध नानायध मा

"अमाध" 1924-

मिथिला दर्शन, मिथिली कविता, मिथिली
 नंगमंच आदि यंत्रिकाक प्रकाशनक
 माध्यमसँ श्री प्रवाधजी मिथिलीक ज सना
 कएल अछि। गहन दर्शन (था)म सखद
 नहि । अन्क वळला कृषिके ली अनूवाद
 सख कएल अछि । द्वितीय सख
 दिनक कविता संग्रह प्रकाशित अछि
 । कलकत्ता विश्वविद्यालयम द्वितीय पूर्व
 अध्यक्ष। २००२- जे. प्रवाध नानायक
 सिंह (याम)क सन- कर्णल जेन
 हिन, उर्दू लल साहित्य अकादमी मिथिली
 अनूवाद यन्त्राना।



मूनलीधन सिंह, ब्रजमाहन ठाकुर, शुरुं
 कन मा, मदनश्वन मिश्र १९२४-
 २००४, ललिता नानायक मिश्र, ददननाथ
 नाथ



मणिनाथ मिश्र मर्गंग १९२४-



आनंद मिश्र १९२४-
 २००७



जे. जयमन्क मिश्र १९२७-
 २०१०



चञ्चलनाथ मिश्र अमन १९२५-

जन्म: खाजयून, मधुवनी । वनिठ
 कवि, कथकान-उपन्यासकान । हाथ-
 बंधक कविताम वजा। मिथिलीक लल



मूक्तिनाथ मा (१९२६-
 २००९)

जन्म ११-१०-१९२१ मृत् ०१-०९-

२०१०, गाम-ढंगा-रुनियून-मऊनही।

१९९१- जयमक मिश्र (कविता

कूसमांजलि, यद्य) लल साहित्य अकादमी

यूनयान- मैथिली।

समर्थिण बकिद्ध । यांच दर्जनसं वसी

कथा आ विदागनी, वीनकथा (उयथास)

जल समाधि (कथा संग्रह) प्रकाशित

। १९९३- चडनाथ मिश्र ❖अमन❖

(मैथिली यत्रकानिगाक ढुगिहास) लल

साहित्य अकादमी यूनयानसं सम्मानि।

७म. ७ल. ७कऱमी, लखनिय्यासनायसं

शिक्षक न्युम अवकाश प्राप्ता आशा

दिशा, गुदगुदी, युगवक्र, उन्टा याल

आदि कविता संग्रह प्रकाशित।

१९९९- चडनाथ मिश्र ❖अमन❖

(यनशुनामक वीठल वनायल

कथा- नाज(भखन वसू, वंशा) लल साहित्य

अकादमी मैथिली अनूवाद यूनयान।

चडनाथ मिश्र अमन २०१० म मैथिली

साहित्य लल **साहित्य अकादमीक**

रुला (खाना दशक सर्वोच्च साहित्यक

यूनयान)।



शुरंकरन मा 1926-



दीनानाथ या०क 'वडू'

1928-1962



अनं विहानी लाल

दास "००डू"

1928-2010

२००१- अन्क विहानी लाल

दास ❖००डू❖ (युद्ध आ

याद्वा-अगम सिंह

भिनि, नयाली)लल साहित्य



कृष्णकान्त मिश्र १९२४-
२०००



जगदानन्द सा १९२८-



दुर्गनाथ सा "श्रीश"

देवकान्त जय मधुवनी जिलाक
वेढा गामम १९२९ २००० म
एलडि। दिदी आ मेथिलीम
एम. ए. आ वी. ए. कलाक
बाद किछ दिन बूलम
अध्यायन, रूढ मिश्रण
कोलज, लखनियासनायम मेथिली
आ दिदी विरगक अथडा
मेथिली राघाम यहिल
प्रो. एच. जी। "श्रीश" जीक
मेथिलीम प्रकाशित नवना अछि-
"मेथिली साहित्यक इतिहास",
"युवन रानी" (संस्थादन),
"महामाण्डल डी मन्" (कविता),
"नाथ कथा सान" (संस्थादन),
"युनसुखार्थ" (यद्य नाटक) आ
अनक कविता, अकांकी आ
भालाचनारामक निवृत्त



नाजकमल चौधरी 1929-
1967

महिषी, सदनसा। नवना:- आदि
कथा, आच्छलन, याथन
दूल (उयथास), सनगंथा (कनिगा
संग्रह), ललका याग (कथा
संग्रह), कथा यनाग (कथा संग्रह
सय्यादन)। द्वितीय अंक
उयथास, कनिगाक
नवना, चोनरी (वठला उयथासक द्वितीय
नूयानन) अणक ग्रसिद्धा



विश्वनाथ मा "विषयायी"
1929-2005

"नाम स्यथ सागन" (मैथिली
नामायध) १९६० ७१ म प्रकाशिता
२१ जनवरी २००१ कँ मृग्यु



जयधारी सिंह 192
9-2007

समीकक, कवि । प्रकाशन:
वेद्विगानम गापिक
सिद्धांग, समीजा भाषा अदि ।
नामकृत्, बोलज, मध्वनीमें
मैथिली विरागक पूर्व अथक
।



जेलेब्र मारुन मा 1929-
1994

१९६२- जेलेब्र मारुन मा (शनगवद्ध
थकि आ कलाकान-सुवाधवद्ध
सन, अं(अजी)लल सादिय अकायमी
मैथिली अनुवाद युनयाना



बिजयनाथ ओज्हा 1929-
2008



नमघचक्र वर्मा 193
0-



गोपालजी मा 'गोयश'

1931-2008

जन्म मन्वनी जिलाक मन्थ गामम
१९३१ स्त्री.म रल्लिहिनकन
नविण **सान दाल्लक चिठी**,
गुम रल 01६ छी,
अलवम **आव कद् मन**
कहन ल(गे) **"मखानक**
याग" प्रकाशित रल जाहिम
सानदाल्लक चिठी वष लावायिय
रला २००६ स्त्री.-थी (गोपालजी
मा (गोयश, मन्थ, मन्वनी; याप्री-
वपना यूनकाना



विक्रान्त ओज 1931-

२००१- विक्रान्त ओज (वानन
घन गच्छिया, यद्य)मैथिली लल साहित्य
अकादमी यूनकाना



गानाकांग मिश्र 1931-



ललि 1932-1983

जन्म सन वसे० चानयना
मन्वनी, विहान । प्रसिद्ध
कथकान डा उयथासकान ।
प्रकाशित कृति: अग्निनिधि, (कथा
संघर्ष), यूर्ध्व-यूप (उयथास)
आदि।



मूर्नानि मन्वसूदन ओज 1932-

गानार्थकन वंदयाधायक वंगला
उयथास "आनाथ निकरान"क मैथिली अनुवाद
लल साहित्य अकादमीक अनुवाद
यूनकान 1999 रल छहिन।



विद्यानानायक ओज न 1933-



धूमकर्तु 1932-

2000

जन्म स्थान

काठलख, मधुवनी, विद्वान ।

प्रसिद्ध कथाकान, उद्योगासकान आ

कवि । प्रकाशिका कुणि : दू टा

कथा संग्रह आ एक टा

उद्योगास ।



नाजमाद्दन सा 1934-

जन्म स्थान क्रमनवाजिगयून, वैशाली, विद्वान । प्रख्यात

कथाकान आ संयादक । आळ काश्चि यनस् (कथा-

संग्रह) लल १९९६ म साहित्य अकादमीसँ सम्मानित ।

प्रकाशिका कुणि : एक आदि अकांग, मू० साँव, अकटा

गसन, अनलक्षक, आळ काश्चि यनस् (कथा

संग्रह), गलीनामा, रनदि

विशयाणि, टीयधीयादि (आलाचना)। ♦आनम्♦ यणिकाक

संयादना प्रवाच सम्मान 2009 सँ सम्मानित।



डॉ. धीनद्ध 1934-

2004

जन्म स्थान

आरुना, मधुवनी, विद्वान । प्रसिद्ध

कथाकान, उद्योगासकान आ कवि

प्रकाशिका कुणि : क्रुत्स आ

केनध, यमाळ्ळा घनक

आणि, शगनूया आ मन् अयन

सिद्धि (कथासंग्रह) हँगनम

टाँगल कार, काश्चि आ आळ

(कविता संग्रह) सहिग केक

वेधम विरिञ्च यथी।



नमश नानायक १९३४- २०११

नाम- नमश नानायक दास, जन्म १७ मार्च

१९३४ कँ मधुवनीक वरुना गाममा यिगा-श्री

द्विनकर लाल दास। शिजा मधुवनी, मधुवनी

आ यटनामा १९६१ झी.सँ १९९४ झी. धनि

अ.अन. कौलज, यटनाम दिदी विरागम

अध्यायना याथनक नाव (मैथिली कथा



वावू श्री सणनानायक सिंह आ नाघनाचार्य



मायानन्द मिश्र 1934-

द्विनक जन्म ११ अगस्त १९३४

झी. कँ स्योल जिलाक कर्नेनयाँ

गामम रल्लिना राक. लाटा, आणि

गाम आ♦ याथन आडान च्छ-

वेड्- द्विनकान कथा संग्रह सर

अहि विद्वानि याग याथन, मंग-

पुस, खागा आ♦ विउ

संग्रह, १९१२) प्रकाशिका मृग १२ जनवरी

२०११ का यटनामा



गानानथ प्रसाद १९३१-
२०११

सामदत्त १९३४-

उपन्यासकार आ कवि । साहित्य
अकादमी युनियनसँ सम्मानित ।
प्रकाशिका कृति: चानादाह, दारल
अनानकली (उपन्यास), काल धनि
(कविता संग्रह), चनेनेनि (गीति
नाथ) साम सासह
(दाहा)। २००२- सामदत्त (सहस्रमुखी
चौक यन, यद्य) लल साहित्य
अकादमी युनियन २००१ छी.
- श्री सामदत्त, दनरंगा, यात्री-वार्ता



आ सूर्यांक दिनकरन उपन्यास
सर अछि। दिशानन दिनकरन
कविता संग्रह अछि। अकर
अभिनिक सान की नेथा माटी
क लाग, ग्रथम (शेल यूरी
व, मंगयू, युनियन आ श्री-क
दिनकरन दिव्यीक कृति
अछि। १९६६- मायानह
मेश (मंगयू, उपन्यास) यन
स्थितिक साहित्य अकादमी
युनियनसँ सम्मानित।
प्रदान सम्मान २००७सँ
सम्मानित।



नाजमद्दुन लाल दास
१९३४-

"कर्मभूतक"क
सम्पादन। "विद्या-विधि"क
प्रकाशिका



नमान्द न्ध 1934-
2011

जन्म स्थान
उसमाम0, दनरंगा, विहान ।
वनिल कवि, कथकान 0
उयद्यासकाना साहित्य अकादमी
यूनवानसँ सम्मानिगा प्रकाशिग
कृति: कचोट, प्रिकाध, अंगदीन
आकाश (कथा-संग्रह), दूनरूल
(उयद्यास), अंगः, 0कान नाम
(कविगा-संग्रह)।
२०००- नमान्द न्ध (काक
नास वाग, यद्य)लल साहित्य
अकादमी यूनवाना विदह
सथ्यादकक समानान्न साहित्य
अकादमी रूला यूनवान
२०११ (समथ यगदान लल)

यूनवान, प्रवाध साहित्य सम्मान

२०११।



कालीकांग सा "वूच"
1934-2009

दिनक जन्म, महान दार्शनिक
उदयनाचार्यक कर्मरूमि
समकीयून जिलाक कनियन
शामम 1934 रूँ. म रूलनि ।
यिगा स्र. यंतिग नाजकि(गान सा
गामक मद्य विद्यालयक प्रथम
प्रवनाथायक ठलाह । मागा
स्र. कला दवी गुदिधी ठलीह ।
अंगनग्राणक समकीयून
काॅलज, समकीयूनसँ कयलाक
यक्ष्ण विहान सनकानक प्रखंउ
कर्मवागीक नूयम सत्रा ग्रानर
कयलनि । वालदि कालसँ
कविगा लखनम विषय नूचि ठल
। मैथिली ययिका - मिथिला
मिदिन, माटि - यानि, राखा गथा
मैथिली अकादमी यटना दाना
प्रकाशिग ययिकाम समय - समय
यन दिनक नचना प्रकाशिग
द्वयल नरूलनि । जीवनक
विविध विभार्क अयन कविगा



शाम चड्ड 1934-

उयद्यास "नूया दीदी" प्रकाशिग
गाम मलंगिया, जिला- मन्वनी।

अर्ध गीत प्रकृत कयलनि ।
साहित्य अकादमी दिल्ली द्वारा
प्रकाशित मैथिली कथाक
विकास (संपादक जॉ
वास्कीनाथ मा) म हाथ कथा
कानक सूची म जॉ विशयाणि
मा दिनक नवना ॐ-धर्म
शास्त्राचार्यक उल्लेख कयलनि ।
मैथिली अकादमी यटना अर्ध
मिथिला मिहिन द्वारा प्रशंसा यत्र
रञ्जल जाल्ले छल । शृंगाननस
अर्ध हाथ नसक संग-संग
विवान मूलक कविताक नवना
सख कयलनि । जॉ दुर्गनाथ
मा शीश संकलित मैथिली
साहित्यक अंगिहासम कविक
नूयम दिनक उल्लेख कएल गेल
अछि । प्रकाशित
कृति (मुख्यनांग) : कलानिधि-
कविता-संग्रह



अनीलाल शर्मा "आप्रिय" १९३१-

"मिथिला की यादिय यनयना" यथे प्रकाशित



नामरुद्र, धनुषा, नयाल १९३१-
२०२०

साहित्य तथा अन्याय उपक कानक सरल
व्यक्तिसर अयन प्रनवाअण आ यथ-प्रदर्शक
माने छथि । मैथिली साहित्य-उपम दिनक



कदाननाथ चौधरी
(१९३६-)

मैथिलीक यदिल रिब ममगा
भावय गीत कन निर्माणा
द्वयमसँ अकरा निर्माणा छथि

यनिवयक माद अवाअ कलव यर्याक द्वाअ
 अ मथिलीक मूड्वय साद्विकान अ. धीनद्व
 दिनका मथिली साद्विक सर्वध्रुव कथकान
 मानेअ छथि । दिनक कथाम प्रीकाप्रकताक
 अदयग प्रयागद्विटा नदि, अयिग अकटा
 आदर्श कथक समक वैश्वसरविद्यमान नद्वे
 अद्वि । कथकानक अगिनिक द्वा उद्वुद्व
 समालाचक, नाटककान आ कवि सद्द छथि ।
 नयालम मथिलीक यद्विल मानाप्रामा लिखवाक
 ध्रुव सद्द दिनका जद्वल्य छनि । सामाजिक
 कृतीगिसरक कृशलगासँ विप्रध
 कनवाम, विननीय वनअवाम आ मन-मक्तिद्वयन
 अमित द्वाय द्वाअवाम नामरद्व सिद्धरुक् छथि
 । धनूषा जिलाक कृथी गामम जनमल नामरद्वक
 यूर्ध नाम नामरद्व कर्ध छनि । अश्वनजी
 विषयक अवकाशध्राय शिजक नामरद्व
 थाकनध, याअयप्रकक आ सद्दयक यूककसर
 लिखवाक काजम निनकन सकिय छथि।

कदाननाथ चौधनी आ दसन
 मदनमादन दासा वादम
 आर्थिक मजदूरीवध गसन
 सद्दनिर्माणा रलखिन उदयरान्
 सद्द। मागा-स्र. कृसमयनी दनी,
 येगा- स्र. कि(गानी चौधनी,
 अश्व: ०३/०१/१९३६
 धी.+यपा. नद्वना (दनरंगी),
 अश्व यानिनातिक सदय-यदी-
 धीमगी कृमद चौधनी, संगान-
 प्रथम यूदी-धीमगी किनध मा,
 द्वितीय यूदी-धीमगी अर्चना
 चौधनी, शिजा- १९१८ द्वा.म
 अर्थशास्त्रम ग्रापकापन, १९१९,
 द्वा.म लो। १९६९ द्वा.म
 किलिद्वानिया वि.वि.सँ अर्थशास्त्र
 म ग्रापकापन, १९११ द्वा.म
 मार्केटिंग अंत त्रिसद्वीशूशन
 विषयम गोखन गेट
 यूनिवर्सिटी,
 सानअरिसिधा, USA सँ
 अम.वी.अ., १९१८ म राना
 आगमना १९८१-८६ क वीच
 दनान आ प्रैकद्वर्षमा रुन
 सद्दद्वी, यू(ध द्वा.म
 नेटायनमंरक वाद २००० सँ
 सद्दनियासनाय, दनरंगम
 नेवासा ६ टा उयद्यास-
 मस्तीनानी २००४, कनान
 २००६, माद्वन २००८,



जीवकांग 1936-

नाम- जीवकांग सा,यिगा-गुधानन्द
सा, मागा-महेश्वरी ददी, जन्म-
२१.०१.१९३६ अणुआड, जिला-
सूयोल। नोकनी-विज्ञान
भिजक (उ.वि.खजोली १९७१-
८१), द्वितीय भिजक (उ.वि.उडाड
७१ उ.वि.याखनाम १९८१-
९८)। यहिल नवना-रूजोडिया आ
टिटरही (कविगा, जनवनी १९६७
मिथिला मिहिन)। यहिल छयल
याथी- दू कृत्सक वाट (उपयास
१९६८)। नूगन याथी-खिखिनक
वीअनि (२००१ वाल यद्य
कथा), अ०बी खसलछ वनम (यद्य-
कथा संग्रह) आ यंजनि ग्रम



दवकांग सा 1936-

अवाना नद्विगन २०१२, दीना
२०१३, अयना २०१८.
सम्मान- १) विद्वद् साहित्य
सम्मान, वर्ष-२०१३ (मानसंउ
मिथिली मंच, नाँची दाना), २)
प्रवाच साहित्य सम्मान, वर्ष-
२०१६ आ ३) कदान सम्मान,
वर्ष-२०१६, 'अवाना नद्विगन'
मला



उँ अमनष या०क 1 936-

द्विनक जन्म सीगामठी जिलाक
अनर्गण सामानि ग्रामम
१९३६ म रल्लि । १९७१ म
यटना विश्वविद्यालयसँ मैथिलीक
७म. ७. यनीजाम प्रथम
श्रेणीम प्रथमस्मान याउल ।
१९७१ सँ १९६० खनि
नामकृत्
महाविद्यालय, मध्वनीम
आच्यागा नूर्यं एकना वाद
यटना विश्वविद्यालयम आच्यागा
नूर्यम कार्य कन७ लगलार ।
यटना विश्वविद्यालयम मैथिली
निरागाधक नूर्यं । मैथिली

प्रकाशिया (जीवन-वृत्तक

अंश)। यूनान-साहित्य

अकादमी १९९८ गके अछि

चित्ते, यद्य, किनध

सम्मान (१९९८), वेदही

सम्मान (१९९९)। प्रकाशिया यथी-

कनिगा संघः नाचू ह

युद्धी (११), धान नदि द्यच्छ

मूक (९१), गकेग अछि

चित्ते (९१), खाँजा (१९९६), यानिम

जगल अछि वफी (९८), रूनगी

नीलाकाशम (२०००), गाछ मूल-

मूल (२००४), छाह

साहाअन (२००६), खिखिनिक

वीअनि (२००१)

कथा-संघः अकसनि ०।८ कदम

गन न (१२), सूर्य गलि नदल

अछि (११), वक्फू (९३), कनमी

मील (९८)

उप्यासः दू कृदसक

वाट (६८), यनियग (११), नदि, काह

नदि (१६), यीयन गुलाव

छल (११), अगिनवान (९१)

द्विधी अनुवाद- निशान की

चित्तिया (गकेग अछि चित्ते, साहित्य

अकादमी, दिल्ली २००३)।

प्रवाध सम्मान २०१० सँ सम्मानिग।

उप्यासक आलावनाग्रक

अध्ययन (१)। प्रवचयन

दिनका विद्वान विश्व-विद्यालय

द्वाना डि. लिङ्ग उपाधि

रटलहि । ॥ (१)। प्रवच

यूरुकाकान नूर्य सहा प्रकाशिया

रल अछि विद्वान नायुराया

यनियदक विद्यायगि अकानलीक

सन्धादक मधुलक सदय ।

दिनक अय प्रकाशिया नवना

अछि (१)। निवच संकलन (१)।

अकना छाति निरिप यद्य-

यग्निकाम दिनक काका निवच

प्रकाशिया छहि । मेथिली

अकादमी द्वाना प्रकाशिया

कथा-संघदक द्द अक

सन्धादक छथि । ॥

अधिवान उच कनीय

आलावनाग्रक निवच लिखे

छथि । २०००- जे. अमनग

या०क, (गमस- रीया

सादनी, द्विधी)लल साहित्य

अकादमी मेथिली अनुवाद

यूनाना।



वलनाम 1936-

2008

जन्म स्थान

यवही, मधुवनी, विहान । विशिष्ट

कथकान । प्रकाशित कृति :

दकवल दवाल (कथा-संग्रह)।



मैथिलीयू प्रदीय 1936-

ग्राम- कथकान, दनरंगा। प्रशिक्षित

अम.अ., साहित्य नग्न, नवीन

शास्त्री, यंचाभि साधका दिनकान

नकिा "जगदस्य अर्ही अवलस्य

हमन" आ "सरक संधि अर्ही लअ

छी ह अस्य, हमना किअ विसने छी

ये" मिथिलाम लजंत रअ गल

अछि।



नामदव सा 1936-

कथकान, समीजक, अनूवादक,

ग्रंथ सथादक । साहित्य

अकादमीक मूल अर् अनूवाद

यूनकान प्राय कर्ण ल. ना.

मिथिला विश्वविद्यालय

दनरंगाक मैथिली विरगक

यूर्व प्राचार्य । प्रकाशन:

यसिसेा याथन. (अनू.) आदि

। १९९१- नामदव

सा (यसिसेा

याथन, अकांकी)लल साहित्य

अकादमी यूनकानसँ सम्मानित

। १९९४- नामदव

सा (सगाष्ट- नाजिहन सिंह

वदी, उर्दू) लल साहित्य

अकादमी मैथिली अनूवाद

यूनकान।



नवीब्रु नाथ 01कून 1936-



विनाद विहानी वर्मा 1937-

2003



वीनब्रु मलिक 1937

-

जन्म युधिष्ठिर जिलाक धमदाहा
ग्रामम 1936 ई. म रल्लिह । नन
अवकास गीग गवाम अवं कविगा
लिखवाम निःश्व त्रिच । काना मंच
यन 01७ रला यन ७७ सहजुदि
शीगाक आकादिग कनेा छथि ।
दिनक साग गोट मथिलीक गीग
संग्रह, एक मिनी महकाच, एक
प्रयगधमी काच, एक उय्यास, एक
नाटक एक नागि अवं एक दिष्टी
नाटक, प्रकाशिग रल छथि ।



कीर्तिनानायध मिश्र 1937-

जन्म ११ जलाइ १९३१ ई. कं ग्राम
भाकहाना (वनेनी), जिला वगूसनायम
रल्लिह। दिनकन प्रकाशिग कुगि अछि
सीमानक, महानगन (दीर्घ कविगा), दम
कवन नदि लिखव, ब्रह्म द्वाइग गीगि
क्यू (अदि यथीयन साहित्य
अकादमी 1997 यूनकान), आदमीक
जाइगे (कविगा संग्रह)। संग्रनध-अयन
अकांगम, मृगि यादा, यप्रक दर्यधमा
सग्यादन- आखन मासिक
यप्रिका, आधुनिक मथिली साहित्य,
'63, नाजकमल जीवन आ साहित्य,

मथिल कनध कायसुक योजिक
सर्वेअध, वलानक वानिदान आ यल्लवी गथा
अय कथा (कथा संग्रह)



(गोनीकांग चौधनीकांग 1937-
2001

जन्म-
3 जनवनी 1937 ई. यनसेनी,
मधुवनीमा कवि, सग्यादक, समी
जक । आखन, अगनियप्रक
सग्यादन । अग्नि-भिखा (कविगा
संग्रह)।



यूगल किशान मिश्र
१९३८-२००१

मथिली शब्दकाया

'68, कथा-संकलन- काल का0नी।

आलाचना- अर्थान-2004



प्रदूळ कुमान सिंह 'मोन' 1938-

ग्राम- यास- दसनपन, जिला-समस्तीपुरा मैथिलीम

१.नयालक मैथिली साहित्यक

अंगित्वास(विनाटनगन,१९१२००.), २.वक्रग्राम(नियोगाज

दनरंगा १९१२ ००.), ३.मैथिली प्रेमसिकक

सभ्यादन (विनाटनगन,नयाल १९१०-

१३००.), ४.मैथिलीक ननागीण (यटना, १९६६

००.), ५.नयालक आधुनिक मैथिली

साहित्य (यटना, १९६६ ००.), ६. प्रमवध चयनि

कथा, राग- १ आऽ २ (अनुवाद), १. वागीविक

दशम (महनान, २००५ ००.)। २००४- जे. प्रदूळ

कुमान सिंह 'मोन' (प्रमवध की कहानी-

प्रमवध, दिही) लल साहित्य अकादमी मैथिली अनुवाद

युनवान।



कुलानध मिश्र 1940-

2000



मदुशुननाथ मल्लिक 1938-



अनशुनाम सा १९३८-

ग्राम- मंथ (मधुवनी), कुगि-

गुल्लमब्रस ँरु घीस ००न

अलिथ प्रामा,विश्वियन याअटि

ग्राम।



विलट यासवान 'विदंगम'

1940-



रुजुन नदमान हा

समी 1940-2011

जन्म यकठी
काठी, सीगामठी, विहाना
सुविद्या
कवि., संवादक, समालोचक।
प्रकाशित कृति- गाना
अव, रानक प्रीजाम (कविता
संग्रह), रानक राखा
सर्वज्ञ, याना, नाजकमल चौधरी
की शानद
कवित्तियाँ (अनुवाद)।



गुधनाथ मा

गुधनाथ मा "लाक मञ्ज" मैथिली नाथ यत्तिकाक संवाहन- सथा
दन कन छथि। मैथिलीम आधुनिक नाटकक प्रधयना हूनकन
नाटक सः अछि:

मञ्ज्यामिनी: अकाङ्क नाथ (लेलीम दूटा यात्र, यन्त्र संयुक्त
यनिवानक यज्ञ लनिहान आ श्री गहन विनाथी।

याथय: अकाङ्क नाथ (लेलीम नकिा, मृदा युर्ध्वाङ्कक सः
त्रिषयणा उम रटगा मृद्य अरिन्ना मिथिलाक
अ(भगसिं दूखी रऽ गामकं कर्ममूली वनवैणं छथि,
मञ्जन विनाथ कने छथि।

लाल-वृष्कन: अकाङ्क नाथ (लेलीम नकिा) दाही नोदीसँ
समानल निम्न आ मञ्ज-निम्न दर्ग स्रष्टाकाक यद्विन्दिया आ

जन्म मञ्जनी जिलाक अकदछा शम्भ
१९४० ँरी. म रल्लिहा



प्ररास कृमान चौधरी 1941-

1998

गाम- यिंजान्छ, जिला- दनरंगा । प्रथाग

कथाकान डा उयथासकान । प्ररासक

प्रकाशित कृति : कथा-प्ररास, प्ररासक

कथा, नव घन 30य यूनान घन

खसय, दिदवल

(कथासंग्रह), अरिष्क, युगयुग, ह्मना

लग नद्व, नवान्छ, नाजा याखनिम वराक

मञ्जनी (उयथास) । निरिन्न मद्धयुर्ध

यत्तिकाक सथादन । प्रेमासिक कथा

गोष्ठी 'सगन नागि दीय जनय' कन

ग्रान्छ। १९९०- प्ररास कृमान

जन्म-यटना जिलाक वनाह
गाममा कृति अध्यायका द्विध
कविता संग्रह "नभि
नाथि" आ मैथिली कविता
संग्रह "निर्माही" प्रकाशित।
१९९६म अवलकलाम
आजाद- अवलकली
दसनवी, उर्दूसँ मैथिली
अनुवादयन साहित्य
अकादमीक मैथिली अनुवाद
यूनकान।



साकगान्छ 1940-

वनिह कथाकान, गधनाथक

(कथा-संग्रह) लल साहित्य

अकादमी यूनकानसँ

सम्मानित। प्रकाशित कृति:

मैथिली कथा

साहित्यम 1962 सँ सक्रिय ।

(गोष्ठीक चालिस_यवास टा

कथा, नियगाँज. सम्मान, यात्रा_

विवनध मैथिलीम प्रकाशित।

अधिकांश यत्तिकाक छयल

। यद्विल मैथिली

कथा (श्लेषियन)

1962म (मैथिलीमिदिन)

वादा औत्तिकायार्जन लल प्रवास कनवा लल अरिथक
छाथा

सागम चनिप्रः अकाङ्क नाद्य (शेलीम नकिा) मैथिली
नंगमचयन महिला अरिन्धीक अरवाव, सागम चनिप्रक
प्रतीजाम यूवाग्यास सगम रऽ जाळ्ण अछि।

(अथ नऽिः आत्रुनिक सामाजिक यूवाङ्क नाटका) पिा-
मागाक मृगुक वाद अग्रक अन्कक प्रणि पिगुका
चवहना

आकक लाकः यूवाङ्क नाटका) विषय निम्नमधवर्गीय
वनजगानी आ विवाहक दायिप्रक वासा

ऊय मैथिलीः यूवाङ्क नाटका) मिथिलाक राविक-सांस्कृतिक
समया एकन कथावस् अछि।

महाकवि निद्यायिनिः निद्यायिनि नव विषय

चौधरी (प्रवासक कथा, कथा) लल साहित्य
अकादमी यूनयानसँ सम्मानि ।

प्रकाशिन । द्विदियाम दू दर्जन
कथा आदि प्रकाशिन ।

सन १९९५म छयल यदिल
कथा_संघरु अकादमीक क
डाही वर्ष साहित्य अकादमी
यूनयाना येघ

वाद्य स अवेवला नियमित
नखाकिा कने, ययाननक क
कथा वस् वना क नाककमल
प्रकाशन स प्रकाशिन अर्न
अर्ण चकिा

उयथास (अनुमंती
द्विजन)

असर्वज्ञांग । आकाशवाधीक
नाष्ट्रीय कार्यक्रमम प्रसानि दू
टा उल्लेखनीय वृफ नूयक

अमदानद्या अरयानथ यन
आभानि अङ्गल वालगा

हे अर्न मानखंठ क अमीध
अपक बाला अल्लेखक समया

यन आभानि

वृफनूयक नेना

जागन चकिा अर्न प्रसिद्ध ।



गंगागुंजन १९४२-



प्रमशंकन सिंह १९४२-



मार्क(अुय) प्रवासी १
१९४२-२०१०

जन्म
 स्तान- यिलखवा, मन्वनी। श्री
 गंगेश गुंजन मैथिलीक प्रथम
 चोवटिया नाटक वृधिवधियाक
 लखक कृति आ दिनका
 उचिावका (कथा संग्रह) क लल
 साहित्य अकादमी यूनयान
 रटल कृति अकन अगिनिक्फ
 मैथिलीम दम अकटा मिथा
 यनिवय, लाक सनु (कविा
 संग्रह), अहान- व्ज्जा (कथा
 संग्रह), यदिल
 लाक (उययास), अर्
 रान (नाटक)प्रकाशिा दिधीम
 मिथिलांचल की लाक
 कथा, मधिययक
 नेका- वनिजानाक मैथिलीसं दिधी
 अनूवाद आ शब्द गेयान
 हे (कविा
 संग्रह)। १९९४- गंगेश
 गुंजन (उचिावका, कथा)युक्त
 लल साहित्य अकादमी यूनयानसं
 सम्मानिा ।



ददु मा १९४३-

शम+यान्- जगियाना, थाना- जाल, जिला- दनदंगा। मैलिक
 मैथिली: १.मैथिली नाटक आ नंगमंच,मैथिली
 अकादमी, यटना, १९१८ २.मैथिली नाटक
 यनिवय, मैथिली अकादमी, यटना, १९८१ ३.यूनयार्थ आ
 निशायी, मुवा प्रकाशन, रागलयून, १९८६ ४.मिथिलाक
 विरूगि जीवन मा, मैथिली
 अकादमी, यटना, १९८१।नायान्नायक, (लखन
 प्रकाशन, यटना २००२ ६.आधुनिक मैथिली साहित्यम
 दाय-बंध, मैथिली अकादमी, यटना, २००४
 १.प्रयाधिका, कर्ध(गाली), कालकागा
 २००१, ८.व्जीकध, मुवा प्रकाशन रागलयून २००८
 ९.युगसंघिक प्रगिमान, मुवा प्रकाशन, रागलयून २००८
 १०.काना समिगि आ नायमंच, काना समिगि, यटना
 २००८। २००९, व्जी.-श्री प्रमशंकन
 सिंद, जगियाना, दनदंगा यात्री-काना यूनयान।



ज्. सीमनाथ मा १९४५-

जन्म शम: गन्वान, जिला:
 समकीयून । प्रकाशिा कृगि:
 अग्यायिनी
 (महाकाव्य); अादर्थ (कविा
 संग्रह), अऊन काना (काव्य
 संग्रह)। अरियान, दम
 कालिदास (उययास)। अग्यायिनी लल १९८१म
 साहित्य अकादमी यूनयान
 प्राय।



मदु मर्लागिया १९४६-

गाम- चानयना (मधुवनी), कृषि-
विश्वार्यगिक शृंगानिक यदक
काद्यशास्त्रीय
अध्ययन, लालदास, सुखकन मा
"शास्त्री", अनुरव, वदलि जाल्ल
घन टा

जन्म: काठलस, मधुवनी, विहान ।
प्रखन कवि, समालाचक, ग्राधायक
। विविधा निव्व यूक्त लल सन्
१९६२म सखिण अकादमी
यूनयानसँ सम्मानि । प्रकाशि
कृषि: पिधाना, वीधा, की रूनेथ की
नदि, नाम गँ थिक आरु (कनिा
संकलन), यनिवायिका, सीगानाम
मा, कवि चूगामधिक काद्य
साधना, विविधा
(निव्व, आलावना), टावन चोकरसँ
आदि ।

गाम- मलीगिया, जिला- मधुवनी
। मैथिलीक स्यनिचिा
नाटकतान, गंग निदर्शक एवं
मेलानगक संस्कारक अथज ।
लाक साखिण यन गंरीन
भाष आलस ।
मैथिलीम 13टा नाटक, 19टा
अकांकी, 14टा कृत
आ 10टा नटिया नाटक
प्रकाशि आ आकाशवादी सँ
प्रसानि । सीनियन
रुलाभिय (राना
सनकान), अटननभल
थियटन
अट्टिचूट (नयाल), प्रवाध
साखिण सम्मान आदि सँ
सम्मानि । संग्रणि श्रानिधन
लिखिा मैथिलीक प्रथम यूक्त
वर्धनदाकन यन भाष कार्य ।
श्री मरुद्ध मलीगियाक जन्म २०
जनवनी १९४६ म मधुवनी
जिलाक मलीगिया गामम
रुलहिा मलीगियाजी मैथिली
दिदी, अंग्रेजी आ नयाली
रायाक जानकान आ थियटन
भिज्जध, यटकथा लेखन आ
गमस्यवी भाषक श्रीलास
भिज्जक कृषिा २००२ ई. - श्री
मरुद्ध
मलीगिया, मलीगिया; यापी-वाना



डॉ नाम दयाल नाकश, सलाई, नयाल
1942-

मैथिली मातृभाषा, हिन्दीक प्राध्यापक आ नयालीक लेखक
श्री गीतू राधा नाकशक अधिकारम अना न मिसनाएल
छेक अ कानहुसँ हिन्दीक रिन्न नहि कएल जा सकैत
अछि । श्री विशेषतः नयालीक लिखैत छथि, मुदा
लेखनक विषय मूलतः मैथिलीक संस्कृति नएत छनि ।
उना मैथिली, हिन्दी आ अशुनजीम सख श्री अनक
नचना कएल छथि । नयालक नाजकीय-ग्रहण-प्रतिष्ठानक
सदस्य नाकश दिल्ली विश्वविद्यालयसँ पीएचडी आ
अमेरिकाक विन्सोन युनिवर्सिटीसँ याच उन्नत
निसर्त कएल छथि । डॉ. नाकशक जन्म २१ जलाइ
१९४२ श्री. कस सलाई जिलाक सिस्टरियाम रल छनि
। नयाली, मैथिली, हिन्दी आ अशुनजीम मूलिक, सखादिग
आ अनूदिग कस कनेव दू दर्जन याथी
प्रकाशित, दर्जनरनि दशक प्रमद सख कएल छथि ।
नयाल ग्रहण प्रतिष्ठानक सदस्य- श्री नाम दयाल नाकश
(1999)।



उदय दाषी 1943-
2001

जन्म स्थान नामयून-
कानिगामा, दरभंगा । कवि-
कथाकान, गीत-गजलकान ।
प्रकाशित कृति: यंधाक उधम
(कविता संग्रह)। हिन्दीम अनक
याथी प्रकाशित। उडियासँ
मैथिली अनुवाद हू मूयनानक
साहित्य अकादमीसँ यूनयूग।
२००३- उदय दाषी (कथा
कविनी- मनाज
दास, उडिया) लल साहित्य
अकादमी मैथिली अनुवाद
यूनयून।



उदयचंद्र मा "विना
द" 1943-

जन्म 5 अप्रैल 1943 श्री।।
गाम- नदिका, मधुवनी । जन्म-
शाम- झलदा, मधुवनी ।
प्रकाशित कृति: संक्रान्ति, मोसम
अयला यन, अहना
स्तिमित, रनि दह (गोना, अदि
जनयदम, दाहा गीन सय
दू, कहलनि
यमी, सहनजमीन, अयज, प्रधवा
चक (कविता-संग्रह), धूनी
(सहयोगी कविता
संग्रह); जाँ (कथा
संग्रह), उदास गाछक
वसंत (नाटक)। माटि
यानिक वनध
सखादका २००१ श्री.-श्री
उदय चंद्र
मा विनाद, नदिका, मधुव
नी; यामी-वपना यूनयून।



नवनी नमध लाल, जनकपुर 1943-



मंजुषन सा 1944-

जन्म ६ जनवरी १९४४
श्री.शम-लालगंज, जिला-
मन्वनीमा प्रकाशिका
कृषि: खादि, अखिनहन
गाम, वदसल नापिक
श्रृंखला (कविता संग्रह): अम वट
दू (कथा संग्रह), अमा लख गाम
वगद (ललिा निवव)। मेथिली
कथा संग्रहक दिदी
अनुवाद ❖ कुंजली ❖ नामसं
प्रकाशिका दि दूख
येनाउल्लुज (अंश्रीम ललिा
निवव)। २००६ श्री-श्री
मंजुषन सा, लालगंज, मन्वनी
यापी-वना यूनयाना
२००६- मंजुषन सा (कक उनि
यन, आगकथा) यन सादिय
अकादमी यूनयाना



मंजुषन मिश्र 1945-

अनुवादक, निववकान ।
प्रकाशन: गमिल सादियक
श्रृंखलास, खरूपि (दनु
अनुवाद)।



जगदीश प्रसाद मंतल



नाज



गाम-वनमा, गम्निया, जिला-मधुवनी। अम. अ.। कथाकान
(गामक जिनगी-कथा संग्रह आ गनगध-वाल-ग्रनक
लघुकथा संग्रह), नाटककान(मिथिलाक वटी-
नाटक), उयथासकान(मोलादल्ल गाछक दूल, जीवन
संघर्ष, जीवन मनध, उछान-यान, जिनगीक
जीग-उयथास)। मार्क्सवादक गहन अध्ययन। दिनकन
कथाम गामक लोकक जिजीवियाक दर्शन आ नव
दृष्टिकोष दृष्टि(गावन खरल अछि। विदल सथादकत
समानाकन साहित्य अकादमी युनयान २०११ मूल
युनयान- श्री जगदीश प्रसाद मधुल (गामक
जिनगी, कथा
संग्रह)। मैथिली उयथास 'यंगु' लल साहित्य अकादमी युनयान
न २०२१



महानाजाधिनाज नमश्वन सिंह 1860-
1929



विनादानर मा 1895-
1971



महानाजाधिनाज कामश्वन सिंह 1907-
1962



ललित नानायक मिश्र 1922-
1975

महानाजाधिनाज ल
क्ष्मिन सिंह 1858-
1898



सन रन(गादिब मिश्र
, अलीगढ आ काम
श्वन सिंह



जौ. नामवनन यादव
, नयाल नाय्यगि



सुर्गीय विश्वेश्वरी प्रसाद मंडल, नाजन
गा 1919-1982



रूयड्ड नानायध मधुल



कर्युनी ठाकुर 1921-
1988



नामविलास यासदान १९४६-

जन्म १ जलाइ १९४६, गाम-
शहनवमी, जिला खगडिया। खनगीय
नाजनीगिह।



नाम लखध नाम "नमध"



रागड्ड सा



चणुनानन मिश्र

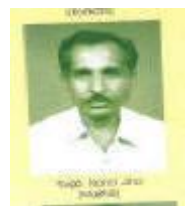


नमाकांग मिश्र



नमानाथ मिश्र "मिहिन"
न"

"मैथिली मूलावना अजम् लाकाकि
प्रकाश" प्रकाशिता।



गजब्रु नानायक चौधरी, यप्रकान 1929
-2008

भारुन रानझाज 1943-

गाम- नवानी, जिला- मधुवनी ।

मैथिलीक प्रखन समालाचका २००१

श्री-श्री आनह्य भारुन

मा, रानझाज, नवानी, मधुवनी; यात्री-

चपना यूनघाना प्रवाध

सम्मान 2008 सँ सम्मानिा।

यागानह्य मा 1955-

२००१- डॉ. यागानह्य

मा (विहानक

लाकतथा- पी.सी. नाय

चौधरी, अं(ग्रजी)लाल साह्यि

अकादमी मैथिली अनूवाद

यूनघाना **प्रकाशिता**

कृति: लाकजीवन आ लाक

साह्यि (निवन्ध)

१९८६, यनिधीगा (कथकव्यांश)

१९८७, रुकीन भारुन

सनायगी (अनूवाद)

२०००, आलख

सञ्चयन (निवन्ध)

२००२, विहानक

लाकतथा (अनूवाद)

२००३, सनदलगा (विनिवद्य)

२००६, मैथिली यप्रकानिाक सौ

कर्य (निवन्ध)

२००६, गहवनगीग (निवन्ध)

२००७, लाक-साह्यि आ शव्द

सम्यदा (निवन्ध)

२००७, मैथिलीक यानम्यनिक

जागीय न्यत्रसायक

शव्दावली (शाध-अन्थ) २००९



हीनानन्द मा "शास्त्री"
, यप्रकान



प्रमशंकन मा, यप्रकान

दीनानाथ मा, यप्रकान



शनदिबू चौधरी, यप्रकान

नन्द मा, अर्थशास्त्र-
यप्रकान

"विकास आ अर्थशास्त्र" प्रकाशिका



नाजश्वन
मा (१९२३-
१९११)

जन्म- सहनसा जिलाक

नसुआन गाम (आव सयोल
जिला)।

कृषि- मिथिलाजनक उद्भव आ

विकास, अवहृष्टः उद्भव आ

विकास, मैथिली साहित्यक

आदिकाल, विद्यायणिक संगीतम

वर्षिण नायक-नायिका रूढ

अनं नाग-नागिनी दर्शीकनधा

महाकवि विद्यायण

नाटक, शास्त्रार्थ

नाटक, कर्षणीघाट

नाटक, अकादशी, विद्याधन-

कथा, उर्वशी, धर्मशास्त्र- कथा, मन
का।



अस. अन. सण्यार्थी

मिथिलाक कला आ भिद्यकलायन

लखना



नाधकृष्ण चौधरी, ळगिहासकान 1921-1985

मिथिलाक ळगिहास, A Survey of Maithili

Literature, THE POLITICAL AND

CULTURALHERITAGE OF MITHILA प्रकाशित



प्रा. नामगनध शर्मा
१९२०-२०११



विजयकान् मिश्र ळगिहासकान 1927-1994

जं. विजयकांग मिश्रक जन्म १० अगस्त १९२१ मंगरोनी

गाम - ऊ नद्य ग्राम आ गाँविक सावनाक जन्म-सुली

अछि- (जिला मधुवनी) म रल्लहि। ऊ 1948 म प्राचीन

रानीय ळगिहास आ संयुगि विषयम अलाहावाद

विश्वविद्यालयसँ सनाफकाफन उपाधि कलाक वाद कगत

वनस भनि विद्वान सनकान आ यटना विश्वविद्यालयसँ सखद

नदलाह आ 1957 ळी. सँ रानीय यनाफन विरगम

काज कएलहि आ उक्तन

भिषुयालगढ, कोशमी, वैशाली, दरिफनायन, कृष्णान, याटलिय

य, कानियन, सानयन, किलावली, नालदा, नाजगीन, चडवली,

आ दक्षी खुदाऴ्म विरिना रूमिकाम राग

लल्लहि दिनकन लिखल-सग्यादिग याथी सरम अछि:

1. वैशाली, 1950 2. कृष्णान अक्षकवर्गसः 1950-1957



द्विजङ्घ नानायध सा, ळगिहासकान



सूनक्षन सा, नाजनी
गि विरिहान

२००१- सूनक्षन

सा (अकनजम विद्यट- जयन्त

विश्व नालीकन, मना०)लल

साहित्य अकादमी मैथिली

अनूवाद यूनकान

3.यूनायिड की दुष्टिम वैशली 4.नागल रड्डाज
यानिराखडू(भखन 5.मिथिला आर्ट अड्ड
आकिरडवान (सख्यादिग) 6.कडनल हनिरडज ँरु
मिथिला 7.शुंगान रडनानवली- अक अथयन 8.उड
यूनायिडविडान- 9.यूनायिड शड्डानली।



रागीनथ लाल दास

खानाक कअक डशम नाजडूा
नरुल अडि आ जी.अ.टी.टी. म
खानाक अगिनविड सखु अलाह।



कामड्डनाथ सा "अमल"

1938-

जन्म- 4 जनवरी 1938, गाम
काड्डलख (मडूवनी)।
अिरांस (कथासंशुड) अकाशिंग।



**लक्षीकान्क सा निजुर्व वैक गवरुन 1913-
1988**



राशुनानायड सा 1941-



**अन. अन. सा त्रिलोक
ट**



नमाकांग नाय "नमा"

1947

जन्म- रादा युडिमा
सम्बन् 2003, अथम नवना-
अरुक, वाल मासिक अयाग, कथा
वैश्याक द्वितीय
रागम 1964अ. अकाशिंग
अुगि(क) गीनटा वावाजी-(नुसीर
मिथिलीम मिथिलीम टालुस्टायक
कथाक अनुवाद-1967अ.म.

(स्व) दूल्याग, कविता
संग्रह 1978, (ग) रंगक
गाला (2004 डी.म), (घ)
कटोण याँसि: दँसो
याँसि, कथा संग्रह-
2005, शीघ्र प्रकाश्य-
कृष्णकान्ता मिश्र (निनिवन्ध)
साहित्य अकादमी नर्दी
दिल्ली। प्राय: उ० स०
मचना (कथा-निवन्ध कविता)
मिथिली हिन्दीक यप्र-
प्रिया, आकाशवादी एवं
दूनदर्शनसँ प्रकाशित/ प्रसारित।
साहित्य अकादमी द्वारा
आयोजित कवि सम्मेलनक
आयोजनक क्रममे नलक चयनमे
प्रतिदिना यउन छावा
अनिगमा विकलांग सवा निवृत्त
अध्यापक (उच्च विद्यालय)
समयक- श्री
ममानिवास, मानानाय टाल या.
मनहन (समस्पीयन)।



प्रारुसन महेश्वर 1947-

जन्म: रलाही, सयोल, विहान ।

प्रसिद्ध कवि, कथकान, आलाचक



महेश्वर 1944-2009



सुराशचन्द्र यादव 1

948-

। वृत्ति: रू. ना. विश्वविद्यालयक
 प्राग्वहिक कद्व, सहनसाम मैथिली
 विद्याशास्त्रक प्रकाशित कृति
 साहित्य अकादमीसँ प्राकाशित
 मानाश्रम (शेखर मदन मा ।
 सहयोगी संकलन-संकथ
 । नानकमल जयन्ती प्रसंगक
 संयादना

जन्म मधुवनी जिलाक जमसम
 गाममा प्रसिद्ध मैथिली गीतकार
 आ गायक

जन्म ०१ मार्च १९४८, मातृक
 दीवानगंज, स्योलमा येतृक
 छान: कलवा-
 मनादी, स्योला घनदसिया (मैथि
 ली कथा-संग्रह), मैथिली
 अकादमी, यटना, १९८३, द्वा
 ली (अंग्रेजीसँ मैथिली
 अनूवाद), साहित्य
 अकादमी, नरु
 दिल्ली, १९८८, चौकल
 कथा (दिनमदन साक कथाक
 चयन अत्रं रूमिका), साहित्य
 अकादमी, नरु
 दिल्ली, १९९९, विद्या
 आउ (वंगला सँ मैथिली
 अनूवाद), किस्न संकथ
 लाक, स्योल, १९९१, रानग-
 विराजन ओन द्वि
 उय्यास (द्वि
 आलाचना), विद्या नारुलाषा
 यनिषद, यटना, २००१, नाक
 मल चोवनी का सहन (द्वि
 जीवनी) सानांग प्रकाशन, नरु
 दिल्ली, २००१, वनेग-विगुंग
 (कथा-संग्रह) २००६।
 मैथिलीम कनीव सफन टा
 कथा, गीस टा समीक्षा आ
 द्वि, वंगला गथा अंग्रेजी म
 अनक अनूवाद प्रकाशित।



सूरुद्र मा 1909-
2000

"रुमेशन ँरु मेथिली
लैंगुञ्ज"क लखका
१५,८६- सूरुद्र मा (नागिक यप्रक
उपन, निवव्र)यन मेथिलीक
साहित्य अकादमी यूनयानसँ
सम्मानि।



नामावगान यादव, मेथिली राषिकी, नयाल 194
2-

दश-विदशक राषाविज्ञान जर्नलम यचासा आलखक ज्ञाना मेथिलीक
विशिष्टाकँ उजागन कनिहाना मेथिली धनिशाक 1984 छी. म जर्मनीसँ
आ मेथिलीक सबरुँ थाकन 1996 छी. म वलिन आ न्यूयार्कसँ
प्रकाशिन। 2000 छी. म लंदनसँ प्रकाशिन रानीय आर्यराषायुक्तक म
संकलिा दिनकन मेथिली राषा संवंधी आलख विषय उलखनीया
नयाल नाजकीय प्रह्ला-प्रगिहानसँ यासाळ दाम् प्रह्ला-यूनयानसँ
सम्मानि।



या(गङ्ग प्रसाद याद
व, राषिकी,सिनहा,
नयाल 1946-

1998 छी. म जर्मनीसँ
प्रकाशिन लैंगुञ्ज लैन मेथिली
सिंटेक आ टायिक्क लैन
नयालीज लिथिचिक्क, नीठिञ्ज
लैन मेथिली
लैंगुञ्ज- लिटनवन अञ्च कञ्च
आ लक्ष्मीधारी लैन
नयाल (सन्धादिग) प्रकाशिन।
नयाल नाजकीय प्रह्ला-
प्रगिहानम राषा-निरागक
घाहू नदि कपाक महल्लयुद्ध
कार्यक सन्धादना नयाल प्रह्ला
प्रगिहानक सदय्या श्री
या(गङ्ग प्रसाद यादव
(1994)। नयाल प्रह्ला
प्रगिहान आजीवन सदय्या
श्री या(गङ्ग प्रसाद यादव।



नमान्द्र मा 'नमऱ'

1949-

- जन्म: 02 जनवरी 1949, ढिङ्गा-
 ७म.७., पी.७व.डी., आजीविका-
 रानगीय निजर्व वैक, यटना (सवा
 निवृत्त)। **प्रकाशन:** 1. नवीन मैथिली
 कविता, 1982, 2. मैथिली नऱव
 कविता, 1993, 3. मैथिली साहित्य अ
 नाजनीति, 1994, 4. अस्त्रियासल,
 1995, 5. वसाहल, 2003,
 6. रजानल, 2005., 7. निर्याण कौस
 श्रुत कर्न? ह्रिष्टी- निजर्व वैक, यटनाक
 प्रकाशन सन्धादिग 8. मैथिलीक
 आनऱिक कथा, 1978 समीजा,
 9. थामानद्र नवनावली, 1981,
 10. जनार्दन मा जनसीदन कुग
 निर्दशीसासु (1914) आ
 यूनर्विवाह (1926), 1984,
 11. वानाथसावृण श्रीजगन्नाथयुनी
 याण (1910), 1994, 12. गजनाथ
 सावृण सूननाजविजय नाटक (1919),
 1994, 13. नासविहानीलाल दासवृण
 समृति (1918), 1996, 14. जीवछ
 मिश्रवृण नामधन (1916), 1996,
 15. स्टर्घाँट (स्टर्वाणी), 1998,
 16. नूवय गँ सय न गँ दूस्ति, 1998,
 17. यूनानद्र सावृण मिथिला
 दर्यध (1925), 2003, 18. यद्वन
 नवनावली (1888-1934) 2003,
 19. श्रीनन्तर मा (1905-1940) कुग

नामलावन 0कून 1949-

- श्री नामलवन 0कून, जन्म १८ मार्च १९४९,
 ड़ी.यलिमहन, मन्वनीमा वनिठ
 कवि, नंगवर्मी, सन्धादक, समीजका रावाड़ी
 आध्यात्मिक सक्रिय रागीदानी। **प्रकाशित**
कृति- ढ्रगिहारासहना, माटियानिक गीण, दशक
 नाम छल सन चिउंया, अयूवी (कविता
 संघह), वगाल कथा (बंध), मैथिली लक
 कथा (लककथा), प्रगिन्नति (अनुदिग कविता), आ
 सके ड़ी, किन् किउ आउ अनुदिग
 कविता), लाख प्रध
 अनुफनिग (कविता), आदुगन (अनुवाद), श्रुतिक
 (वाखनल नंग (संखनधागक निवव), आँसि
 मूनन: आँसि खालन (निवव)। अनुवाद
 लल **रावा-रानगी सन्धान 2003-**
04 (सी. आळ. आळ. ७ल., मेसून) आ सके
 ड़ी, किन् किउ आउ शक्ति चड़याधायक वांश
 कविता-संघहक मैथिली अनुवाद लल प्राया
 निदह सन्धादकक समानान्दन साहित्य
 अकादमी यूनघान २०१२ अनुवाद
 यूनघान- श्री नामलावन 0कून- (यज्ञानदीक
 मासी, वांशसँ मैथिली अनुवाद, वांश-उययास
 - मानिक वंशयाधाय)

गंगा प्रसाद मंठल "

अकला", नयाल 19

44-

यं सुहन मा शास्त्री नाड़िय
 प्रगिरा यूनघानसँ सम्मानिग।
 मिथिलांचलक किछू लक
 कथा (संकलन आ
 सन्धादन) आ शिनीषक
 दूल (अनुवाद) प्रकाशित।

विश्यायि विवन्ध, 2005,

20. मेथिली उय्यासम विपिण समाज,

2003। अनूवाद लल **रखा-रानी**

सम्मान 2004-

05 (सी. आर्. आर्. एल., मेस्न) छडा

विगह आ0 कदा-रुकीन माहन

सनायपिक उय्या उय्यासक मेथिली

अनूवाद लल ग्राम



महद्वनानायध निधि, धनूषा, नयाल



यनमधन कार्या, धनूषा, नयाल



यथा सा "जिज्ञास"

जयनानायध सा "जिज्ञास", नयाल



सूश सा, नयाल 1920-1995



नादिनी नमध सा 1950-

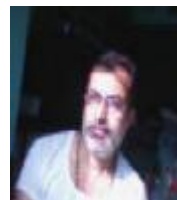


जॉ. कमलाकार र छानी 1952-

कवीन (मेथिली) यन (षावा)



विनाद विहानी लाल 1953-



अनविद्य 0कून 1954-



याम दनिहन 1954-

उच्च स्तान यवही, मध्वनी, विद्वान
। चरिा कथाकान । सयस ऊयन कथा
प्रकाशिा ।



दिनश कुमान सा

मैथिलीक वृत्तिहासयन लखना

यनी टूटि नदल अछि (कविा
संघर), अज्ञानक विनाशम (कथा
संघर), वद्वनिय्या प्रदश म (गजल संघर)।



अशोक कुमान ओज्हा

उच्च 2 जनवनी 1944 स्त्री। गाम

वगगाँव (यँजेल)।

नागमंजल (नारक-

अनूवाद), निशांग, वसधाक

संसांन (उय्यास)

उच्च स्तान वनदा, वनीयट्टी
मध्वनी, विद्वान । कवि, कथाकान
प्रकाशिा कुाि : सनिसाम रू
कथा संघर) अनूदिा कुाि :
कनिप्रिया (धर्मवीन राननी)



प्रगायनानायक सा,
नयाल



शीगल सा, नयाल



उग्रनानायक मिश्र "कनक"



शंभूनाथ चौधरी
1920-2008



बुभुकांग सा



यंचानन मिश्र



घारूसन गुनमेता



महबुब नानायध सिंह "मगन"



सूर्यकांत मा, जनकपुर

फागिनीधनयन लखना



नमध मा (1957-)

सचना: यक्षाभाय (कथा-संग्रह)-
1995, काब-वारिका (कविता-
संग्रह)- 1999, अलंकान-
राघन (पूर्व-खंड) -
2002, अलंकान-
राघन (अलंकान शाब्द)-
2003, रिन्न-अरिन्न (समीक्षा)-
2008, संग
सथ्यादन: मैथिली (मिथिला
विश्वविद्यालय, मैथिली विभागक
शाब्द-यंत्रिका) -
1996, सथ्यादन: मैथिली (मिथिला
विश्वविद्यालय, मैथिली विभागक
शाब्द-यंत्रिका)- 2007, 2008



विजयनाथ मा

"अर्दीक लल" (गीत-गजल
संग्रह प्रकाशित)।



यागनथ दीना



चावा वैद्यनाथ

यदना लूमनयन (गजल संग्रह)



जगदीश चंद्र ठाकुर "अनिल" १९५०

मूल नाम जगदीश चंद्र ठाकुर, जन्म:

27.11.1950, शंभुआन, मधुवनी । सत्ता निवृत्त चैक अधिकाणी। मैथिलीम प्रकाशना याधी-1. गाना अतनाम - गीत संग्रह-1978; 2. धनक उल्लं यान-दीर्घ कविता-1999, गीत गंगा (गीत संग्रह), गजल गंगा (गजल संग्रह)।



विद्यानन्द मा 1965-

वृद्धपूर्धमा, १९६५क
 कौथिनियाँ, संपानयन मधुवनीम
 जन्मा यनागी जकाँ, विष्टाल
 काना यिनीग जकाँ, दनूरक डूल
 जकाँ (कविता संग्रह) प्रकाशना ।
 मूलतः कवि, (था) कथा
 लिखलनि, ज अयन मार्मिक
 अर्थिकक कानध वस चर्चा
 रल । विज्ञानापूर्ध यनिक्रिगिक
 यादू डिम्बान समाजाधिक
 कानधक खाज दिनकान मूल
 सृजन प्रनधा थिक ।



रुनकृष्ण मा 1950-

जन्म १० जलाहली १९५०
 हली. गाम- वाहलसमा
 अरियप्रधक अधयध छाठि
 मार्क्सवादी नाजनीगिम सक्रिया
 अन्क कविता आ
 आलाचनात्मक निवध प्रकाशना
 अन्वाद एवं विकास विषयक
 शाध कार्यम त्रुवा स्रंप
 मखना प्रकृगि एवं जीवनक
 आदाग्य वाधक अग्रधी
 कविता "अना ग नदि
 ज" (कविता संग्रह)। २००८
 हली. - श्री रुनकृष्ण माक कविता
 संग्रह अना ग नदि जलल
 किर्तिनायध मिश्र साहित्य
 सस्याना



उदय नानायध सिंह नविकणा 1951-

जन्म-१९५१ हली. कलकामा यदिल काय संग्रह कवथा
 वदनि। १९५१ अमृगय याध (कविता



आशीष अन्विहान

मूल
 लखन: कृमानि हल्ला (गजल संग्रह), उधाजडी (गजल संग्रह), अन्विहान



कृमान यवन 1958

गाम मनेठा। कथा संग्रह, कविता
 संग्रह आ अंध संग्रह शोध

संकलन) आऽ न्नायकक नाम जीवन
(नाटक)। १९१४ म अक छल नाजा/ नाटकक
लल (नाटक)। १९१५-११ ग्र्यावर्षन/
नामलीला (नाटक)। १९१८म जनक आऽ अय
अकांकी। १९८१ अनूपन (कविता-संकलन)।
१९८८ ग्रियंवदा (नाटिका)। १९९१-
नवीद्वनाथक वाल-साहित्य (अनुवाद)।
१९९८ अनुकृति- आचरितक मैथिली कविताक
वंगलाम अनुवाद, संगहि वंगलाम दूटा कविता
संकलन। १९९९ अशु ठा यनिहास।
२००२ खाम खयाली। २००६म मथमयूष
अकवचन (कविता संग्रह)। २००८ स्त्री म नाटक "ना
अध्नी: मा प्रविश" सभूई नूर्य "विदह" स्त्री- यप्रिकाम
धानावाहिक नूर्य स्त्री-प्रकाशिन रथ अकटा कीर्त्तिमान
वक्लका २००९ स्त्री-श्री उदय नानायक
सिंह नविकका नाटक ना अध्नी: मा प्रविश लल
कीर्त्तिनानायक मिश्र साहित्य सभाना



कीर्त्तिनाथ मा १९५५-

कनल: मैथिली खानानुवाद



आखन (गजल, नूवाळ आ कताक संग्रह), मैथिली गजलक आकनध आऽ
हास, मैथिली वव यप्रकानिकाऽऽगिहास, मैथिली गजलक नती भकानन, शव-
अर्थ-शक्ति
गजल ओकन आ आशीष अनविहान (सम्पादन): मैथिलीक प्रगिनधि
गजल, मैथिली गजल: आगमन आ प्रसन्न विद् (गजलक आलावना-
समालावना-समीक्षा)



महबूरु हजानी



स. चन्द्रकान्त मिश्र,
आसी, दनरंगा



स. मरुद्व नानायध मा, वलौजा, मध्वनी



रूलवड्ड मिश्र नमध

स. नाजकृमान मल्लिक, साहनाय (याखनिरीग), मध्वनी



कि(शाननाथ मा

गाम- वित्त, या.

सनिसवयादी, मध्वनी।

"लाकवद" याथी प्रकाशिता

सुयनानायध मा "सनस"



सुयनानायध मा "सनस"

याथी "मैथिली श्री

सीगानामचनिमानस"

प्रकाशिता



कलानिध रड्ड

काइ यन लदास दमन मैथिली गजल संग्रह



दयानाथ मा

गाम नागदह, मध्वनी। मैथिली

नंगमंउल मिथि-

याधिक, कालकागा।



जॉ. सुवाकन चौधनी

१९४६-

जन्म १७ मार्च १९४६ ळी।

प्रकाशिता याथी: काजन, गीन

नंग गनह चित्र (कथा

संग्रह), यंठी डी कृपा

(प्रदसन), विप्लवी सुराव

(नारक)।



स. चूनचून मिश्र, नरहिका, मधुवनी।

मिथिला नायक आखलन कर्म।



सयनानायक लाल कर्ध

मिथिला चित्रकला



ल. कर्नल मायानाथ
मा 1945-

जन्म 1 अप्रैल 1945 ँदी।
गाम- रनाम (मधुवनी)। जकन
नानि चपुन खरू (मैथिली लोक
कथा संग्रह) प्रकाशित। विद्व
सम्पादकक समानाकन साहित्य
अकादमी यूनकान २०११
वाल साहित्य यूनकान- ल.क.
मायानाथ मा (जकन नानी
चपुन खरू, कथा संग्रह)



श्याम किशान सिंह



सचिब्रनाथ मा

मिथिला लोक चित्रकला



कालीनाथ ओकून

श्याम सर्वसीमा



नाऊड्ड दिमल, जनकयून, नयाल 1949-



ननध कूमान त्रिकल 1950-



जनक किशान लाल
दास

मैथिली, नयाली आ हिन्दी राजाक ग्राह्म विमल भिजाक
 हकम विद्यावानिधि (पी. एच. डी.)क उपाधि प्राप्त कउन
 छथि। कक्षा लिखकस यथेष्ट यश अनजनितान
 डा. विमलक लखनीक प्रथमा मैथिलीक सङ्ग नयाली आ
 हिन्दी साहित्यम सङ्ग द्वाङ्ग नहलनि अछि। प्रिग्वन
 विश्वविद्यालय-अर्गना ना. ना. व. केथस, जनकपुर-भ्रमम
 प्राध्यापन कउनितान डा. विमलक युद्ध नाम नाञ्ज लार
 छियनि। दिनक जन्म २६ जलाङ्गी १९४९ छी। कऽ रल
 अछि। साहित्यकानक नव पीढीक निनकन उग्रनिग
 कनवाक कानध छी डा. धीन्द्रक वाद जनकपुर-यनिसनक
 साहित्यिक गुनक नूयम स्थापि रऽ गेल छथि।

जन्म २१ जलाङ्गी १९१० रगवानपुर
 दसूआ (समकीपुर)। काब-
 अनियन, मद्आ मदन नस रयकय, विन
 वापी दीय जनया कथा-संघर- रनि
 गेल दरक वनाना उयथास- रद्वेक
 टीसा नाटक- चाखगन खेवा



कृष्णचन्द्र मा "मयंक"



लक्ष्मी मा "सागन"

1953-

"उचनि वेसू कोआ" मैथिली
 कविगा संग्रह प्रकाशिता



नन्दिनी माची



आनदानन्द दास "यनिमल"



शम्भु मिश्र "शम्भु"

1946-



सुनन्दनाथ



अमननाथ

१९१७ ई. म "ऊर्ध्वता" लघुकथा
संग्रह प्रकाशना दाय
कथाना।



वच्चा 0कून



वृद्धिनाथ मिश्र



नाजानाम सिंह ना(0न, धनूषा



वेद्यनाथ विमल 1955-



ठाँ वास्कीनाथ सा 1
940-



जिगद्ध मिश्र "जीवन"



वीनद्ध नानायध सा



वीनद्ध सा 1956-
गानू सा यन
सखना।



वैकुण्ठ मा १९५४-

विद्या-सुर्गीय नामचन्द्र मा, जन्म-२४ - ०१ - १९१४ (ग्राम-

रुनवाडा, जिला-दरभंगा), शिक्षा-

स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र), यथा- शिक्षिता

मैथिली, हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषा म लगभग २०० गीतक नव

ना। गानू मा यन आभानि नाटक "हाथिनामधि (गानू मा ग

था अथ कहानी" क लेखन।

अन अलावा हिन्दीम लगभग ११ उद्योगस तथा कथाक लेखन

।

वैकुण्ठ मा

विद्यानन्द मा 'यक्षी कान' १९५७-

जन्म-

०९.०४.१९५७, यक्षी, गौरी,

ककनोडा (मधुवनी), नशादय (यू

धिष्या), शिवनगन (अननया)

आ सम्प्रति यूर्धिष्या विद्या

लब (योग यक्षीशास्त्र मार्फत)

यक्षीकान मादानन्द

मा, शिवनगन, अननया, यूर्धि

ष्या। विद्यामह-स. श्री रिखिया

मा। यक्षीशास्त्रक दस वर्ष

धनि १९७०-७१ सँ १९७९-८०।

धनि अध्ययन, २२ वर्षक

वससँ यक्षी-प्रवचक संवर्द्धन

आ संनकषम संलग्न।

कृति- यक्षी भासा प्रकृतक

लियंगनध आ संवर्द्धन।



महेंद्र नानायध कर्ष



जौ. विश्वधन मिश्र



अर्जुन नानायध चौ
धनी



नन्द

गजलकाना



महाप्रकाश 1946-

जन्म: वनगाँव, सहनसा, विहान

। वनिष्ठ कवि आ कथकाना

प्रकाशिका कृति: कविता

संरना, संग समय क (कविता

संग्रह)। कीर्तिनायक मिश्र

साहित्य सम्मान २०१० छी-

श्री महाप्रकाश (कविता

संग्रह ♦संग समय क♦)।

महेश मिश्र, नयाल



छपानस सिंद मा 1946-

कमल काँग मा 194

3-



अध्याधनाथ चौधरी,

धनूषा, नयाल 194

7-

मूला: कविक नूयम यनिक्का

कृति । नयालक आधुनिक

कविताक उग्रम दिनक नाम

उल्लसनीय अछि । श्री

चौधरीक लखनम मानवीय

संरनाक प्रगतिष्ठ याउल

जाउल अछि । कविताक संग

कथा आ निवचन सभ छी

कलम चलवै कृति ।

रुचिकारक लखन दिनक

निष्ठा धिकनि । धनूषा

जिलाक डूहवी गामक

नरनिहान श्री चौधरीक जन्म

६अक्टूबर १९४१कs रल

कनि । दिनक उग्रम

उदियान नामसँ एक कविता-

संश्रुत प्रकाशिका कनि ।



विद्यानाथ मा 'विदिग'



सियानाम मा "सनस"

1948-

उच्च स्तान मंदथ, मध्वनी विद्यान
। प्रसिद्ध गीतकान, वादम कथा
लखन ग्रानस कलनि । प्रकाशिन
कृति आंजन रनि
सिंगनदान, (शादिगाउल उल्लेग
सूर्यक भयक (कथा संश्रुद)।



अशियुथ 1948-

कथ: गनेनी, दनरंगा। मूलनाम
मदुध मा । मेथिलीम
सदुधवाद् कविगा संश्रुद
प्रकाशिन । मूकि प्रसंगक
अनुवाद प्रकाशिन । नामयंथी
आधुनलनम सक्रिया
भेजा, सध्वाद आदि यपिकाक
सथ्यादन । नामयंथी
विचानधानाक सगक कवि।



मधुकांग मा 1949-



वीनू राळ



सगानध या0क



यागीनाज



कृधाल 1951-



नाम रनास काय0
ग्रमन, धनूषा, नयाल
1951-

जन्म-वधवोना, जिला
धनुषा (नयाल)। वक्त्रा(नी: ओ
नाष्ट्रग भूआ (कविगा
संग्रह), नदि, आव नदि (दीर्घ
कविगा), गाना संग जञ्चो न
कूजवा (कथा संग्रह, मैथिली
अकादमी
घटना, १९८४), ममक ययले
अधन (गीग, गजल
संग्रह, १९८३), अथन
अनविखान (कविगा
संग्रह, १९९० ष्टी.), नानी
चद्दाकी (नाटक), अकटा
आउन
वसक (नाटक), मदिवासन
मर्दावाद अवे अथ
नाटक (नाटक
संग्रह), अकथा (कथा-
संग्रह), मैथिली संसृगि वीच
नगाउंदा (सांस्कृतिक निव्व
सरक संग्रह), विसनल-
विसनल सन (कविगा-
संग्रह), जनकपून लोक
चित्र (मिथिला रेटिडस), लोक
नाथ: ऊट-ऊटिन (अनसखान)।
नयाल ग्रहा ग्रणिहानक
सदयगा- श्री नाम रनस
कार्या 'ग्रमन' (2010)।



धीनन्द्रनाथ मिश्र



शिवद्वलाल कर्ध, धनुषा, नयाल 1951-

लखकसँ अधिक शिऊकक न्युम यनिचा आ ग्रणिष्ठा
छथि । प्रिगुवन विश्वविद्यालयअन्धीगना. ना. व.
केथर, जनकपुन-धामक सह-प्राध्यायक श्री कर्धक
ऐगिहासिक विषय-नरूपुन लिखल काक लख
मैथिली, हिन्दी आ अशुनजी रावाम प्रकाशिन अछि ।
ज्ञान-सूत्राय स्त्री कदिया कालकऽ कविता-कथा सह
लिखि लेा छथि । दिनक लखन
रूानवर्द्धक, जानकानीमूलक एवं सामानजल न्हैा अछि
। दसलायन वृष्णा जाल्ल अछि ऊ स्त्री दिनक गहीन
अध्ययनक यनिधाणि थिक । सामाजिक तथा साहित्यिक
सह-संस्कारसह सह सक्रिय प्राध्यायक कर्धक जन्म
धनुषा जिलाक दवडीहा गामम २ जनवनी १९५१ स्त्री.
कऽ रल छनि ।



ब्रह्मदेव लाल दास



च(भुशुन खान

गाम- यडीराल, जिला मधुवनी।
लघुकथा लल चर्किा ग्रणिष्ठा



दयाकान्क मा



गजद्व नानायध सिंह
, नयाल



यश्वशी श्री गजब्र नानायध सिंह



दनिकान्क मा



यश्वनानायध मा



प्रवासी साहियालंकान



सीगानाम सिंह



गुलानइ मिश्र



ज्योतइ कृमान मा 1952-

जन्म म्मान दनियून, वकशी
 टाल, मन्वनी विहाना प्रकाशिन
 कृगि: आनाद अवनाद, दशम सूडी
 (कथा संग्रह), द्कानामिक हिसुडी
 णर मिथला (अंघडी)।



ज्योतशंकन श्रीनिवास 1953-

जन्म म्मान लारुना मन्वनी, विहान ।
 चरिण कथकान अ आलाचक । गीण अ
 कविगा सख कदिया काल लिखेण कथि ।
 प्रकाशिन कृगि : प्रिकाध, अदहन, गाछ-
 याण, गामक लाक (कथा संग्रह)।



ज्योतशक 1953-

जन्म म्मान
 लारुना, मन्वनी, विहाना
 चरिण कथकान, कवि अ सभ्यादव
 प्रकाशिन कृगि : चक्राचूद
 (कविगा संग्रह) प्रिकाध
 सख्यगी कथा संग्रह), उद्वि
 नागिक खन (कथा-
 संग्रह), माणवन (कथा संग्रह)।



विरूणि आनद्ध 1953-

जन्म: शिवनगन, मधुवनी, विहाना
 चरिणि कवि, कथाकान, संयादक ।
 प्रकाशित कृति टूटा उययास
 टूटा समीडा, गीन टा कथ
 संग्रह, टूटा गीग-गजल संग्रह
 डा चानिटा कथा-संग्रह
 प्रकाशित २००६- विरूणि
 आनद्ध (का०, कथा)मैथिली लल
 साहित्य अकादमी यूनयान ।



धनुर्वन मा

गम- विशोला "वाक्काथीविनवनम्" लल
 श्रीवाधीयूवालेकनध
 यूनयान 2010 प्राय्



नाजनद्ध मा

२००६- नाजनद्ध
 मा (कालवला- समनश
 मज्जमदान, वांश)लल साहित्य

कयान कानन 1959-

जन्म सान स्योल, विहाना
 चरिणि कवि, कथाकान डा
 संयादक। प्रकाशित कृति :
 आकान लेग शद्ध (कविगा
 संग्रह), अनुदिग कृति नाजा
 नाम मरुन नाय, प्रायश्चिगा
 सय्यादन संकथ, रानिी मंउन
 (यथिका)।



शिवकान्क या०क



आद्यानाथ मा "नवीन"

जॉ. शशिनानथ मा 1954-

गम-दीय, जिला- मधुवनी।
 मैथिली, वांश, नवानी आ
 दवनागनी यांरुलियिक
 वि(शषरु) साहित्य
 अकादमीक रावा
 सम्मान 2007 क्रासिकल आ
 मधुकालीन साहित्य लला



जॉ. यागद्ध या०क "वियागी", वैज्ञानिक

"विज्ञानक वाकदी" प्रकाशित।



अमलगास 1956-

अकादमी मैथिली अन्वय
युनियन



यंननाथ मिश्र



दिगम्बर ओज्हा



ग.ग.सा १९५०-



कश्यपानानायक लाल कर्ध



जे.के.सा १९५५-



कमलाकांग सा

अध्यक्ष, मैथिली अकादमी, यटना



ललित प्रसाद ओज्हा १९५१-
१९९५



जे.के. कमलानन्द सा



लाकनाथ मिश्र

जन्म १५ नवम्बर १९५१ मुंगेर म
श्रीमती सुल्का देवी आ श्री हीनानंद
ओज्हाक द्वितीय बालक । स्निहक ग्राम-
समेल, जिला-मन्डवी। सिविल
स्कुलिनियन, टाटा स्कुलम चाकनी।
प्रकाश साक स्ति "कथा माध्यायन की"
म मूय गुमिका। नाटककान आ मंच

अखिल भारतीय दूरक लिखल किछ प्रसिद्ध
मैथिली नाटक छद्म : वतका
साहब, मिथुन निला काका, लागिया
मिनवाळी, वकल आदि ना अंग।



डॉ. नवीन्द्र कुमार चौधरी 1966-

जन्म: 5 मार्च 1966 छी। गनयागंज, सयोल।
मैथिलीक प्राध्यापक। नजाम्मीक यदक आ
विद्वान आ मानस्यु सनकान दाना यनकृपा।
मानस्युक मैथिली आञ्चलनम अग्रणी।



अशोक अविचल

जन्म- १ जनवरी १९६१, गाम-
नरुआ संग्राम, जिला मधुवनी।
मैथिली प्राध्यापक। नवना: अक
वनू नक वनू (लघु
नाटक), मैथिली राया: सर्वज्ज
आ वि(क्षय, हम्ना दशक
रागम (मैथिलीक प्रथम अर्संग
नाटक), सथादन: मानस्युक
सनश, कचोट (नौ
अंक), मानस्युक नाधी (द्विधी
साकालिक), सम्मान: अन्तर्देशीय
मैथिली सम्मलनम सम्मान
(२०००), यनमर्दस लकीनाथ
गोस्वामी समिति सम्मान
(२००६)



डॉ. श्रीयुगि सिंह १९८४-

"उमंग-गनंग" कविता-संग्रह
प्रकाशित।



जै. उमाकान्त

मैथिली बंधु-आलखक याथी
"अयन वाग" प्रकाशिका



सुकांग साम १९५०-

जन्म दनरंगा जिलाक गनेनी
गामम १९५० ई. म रल्लहि ।
वी. अ. यास क. अ. यटनाक
दैनिक जनशक्तिक सहायक
सथायक छलाह । रू नव
रवाना
टाइम्स, यटनामा वाच्यवस्तुसँ
अयन योग (यिगा यात्रीजी)
गुण कविगा कनवाक गथा कथा
लिखवाम सदा यथ अर्जन
क. अ. लहि अर्कि । वर्मान
नाजनीणि सामाजिक विषयसँ
सम्बद्ध बंधुवाक, सनल रायाम
लिखल नव कविगा दिनक
विषयवा छहि । गामघनक
यनिवश गदनुकूल शब्द अर्न विष्ट
नवनाम ब्रमदि सिद्ध छथि ।

स्थील १९४२-

अश्रिगा (लघुकथा संग्रह), रामपी (नाटक) प्रकाशिका



जै. दत्तकांग मिश्र १९५२-

यिगा कविचूडामधि यं काशीकांग
मिश्र "मधुर", "वनीयन अनमधुलम
मैथिली" याथी प्रकाशिका

धीद्व

मूल नाम- वागेध्वन सा कथा-
संग्रह "दिल्लकान", नाटक "लाल्क
कठना", गीग-
प्रवच "युतामा" प्रकाशिका



जै. निधानद्व लाल दास

यिगा स्वर्गीय सूर्यनायाध
दासा रानविसर्गज
कॉलज, रानविसर्गज सँ
अं(धजी निरागाधज यदसँ
१९९६ म अवकाशप्राप्ता
जै. सुन्दर सा "सुमन"क
संयोजकद्वक
कार्यकालम "मैथिली
यनामर्षदागु समिति" (साहित्य
अकादमी, दिल्ली)क सदथा
मैथिली यपिका सर जना
वरुन, प्रयाग; मिथिला
मिदिन, यटना; स्रदश, दनरंगा;
यद्व, यटना आ यनी
यलान, अननियाम नवना
प्रकाशिका १९६१ ई. सँ
नाष्ट्रीय स्वयंसक संघ म

सक्रिय प्रांतीय प्रतिनिधि
२००४ धनि जिला
सनसंधवालका
ज.पी.आद्यालनम लकारांग
सनानी। जॉ. अ.पी.ज. अबूल
कलामक अंग्रजी
याथी "द्वैतमार्ग" माधुसूदन
मैथिलीम "प्रज्ञालिपि
ग्रन्थ" नामसँ अनूवाद।
साहित्य अकादमी मैथिली
अनूवाद यूनकान २०१०-
जॉ. नित्यानंद लाल
दास- (द्वैतमार्ग) माधुसूदन-
जॉ. अ.पी.ज. कलाम, अंग्रजी)
लाल



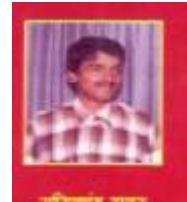
नाजनाथ मिश्र १९५०-

"अ वर्ष आरंभ भू जन
मिथिला" प्रकाशना



यशुयगिनाथ मा, मरुताफनी, नयाल १९५४-

दिनक लखन विनवागक रचना अछि आ सभ्य विषयम
नीकजकाँ जानकानी देग अछि । विरल यम-यप्रिकास
दिनक लख-नवना वनावनि दखवाम अवेग नहेछ
। ना.ना.व. केथस, जनकयुनभामम मैथिली विषयक प्राध्यायनम
संलग्न श्री मा मैथिलीसभ्ये स२०नागक गणिविधिसँ सदा
ऊल छथि । मैथिली स्याक लायाचर अवेकाम नरुल
अयन लियि गिनद्वारम विषयक नखनिहान श्री मा अकन
संनजध-सभ्यदिनक दिशाम सदा क्रियाशील छथि । प्रकायक मा
मैथिली मरुताकायम नस निनूयध विषययन विशावानिधि



अनिलचंद्र ठाकुर १
१९५४-२००९

जन्म १३ सितम्बर १९५४ छ्ती.कँ
करिहान जिलाक समली
गामम रहलसि १९८२ छ्ती.म
द्वितीय साहित्यम प्रागवाफन
कलाक वाद नवम्बर '९३ सँ
नवम्बर '९४ धनि "सुवह" हरु
लिखि यप्रिकाक सभ्यादन-
प्रकाशन कएलसि आ काशी

कउन छथि आ भिजा गथा कानून नियम सह्य गणक
छथि । मन्दाकिनी जिलाक अकनदिया नहनहन श्री साक
जय ४ दिससभ १९७४ कऽ रलछनि । अन्तम मिथिला नदसँ
सम्मानिना।

उप्रीय शमीध केकम
अधिकानी नदथि
मैथिली, अँगिका, दिखी आ
अं(अजीम समाननूर्य लखना
मृगक पूर्व वन दूमनसँ वीमान
चलि नदल छलाह। **प्रकाशिका**
कृषि: आव मानि जाउ(मैथिली
उयथास)- यद्विन रानपी-मंजुन
यत्रिकाम प्रकाशिका रल, रन
मेलानंग दाना युक्काकान
प्रकाशिका
रला ; कच(अँगिकाक यद्विल
सध काच,1975); अक डीन
नाम (दिखी
नाटक,1981); अक घन स७क
यन (दिखी उयथास,
1982); द ययल (अं(अजी
उयथास, 1990); अना कदाँ
सख यावे (दिखी कलानी
संघद,2007)। आव मानि
जाउ (मैथिली उयथास) - अदि
उयथासम अक अहन युक्कीक
संघर्ष-गाथा अँकिा अछि ज
अयन लगनसँ जीवन वदलेग
अछि। असंघ गामक अँ
कथा कृलीनाक अंधयानक
कथा, संघानविहीनाक
उद्यारन आ रविथक यीथेकँ
वचअवाक चोनी छी।



वृषभ चन्द्र लाल

जन्म 29 मार्च 1955 बी. वॉ
रत्नसिंहिया विद्यालय, स. उदियानानायक
लाल, माता: श्रीमती गुजनश्री
दत्ता द्विनकन कठिनकन नाम
विश्वेश्वर कठिन मूलक
नाजनीतिकर्मी । नयालम
लाकराचलल निनकन संघर्षक
क्रमम ११ वन गिनकन ।
लगरग ६ वर्ष ऊल । समग्रगि
गनालीक म(वश लाकराचिक
यारीक नाथीय उयाधज ।
मैथिलीम किठ कथा निरिन्न
यप्रयपिकाम प्रकाशित । आधलन
कविता संग्रह आ वी.पी
काठनालाक प्रसिद्ध लघु उययास
मादिआठनक मैथिली न्याकनक
गथा नयालीम संघीय शासनगिन
नामक युक्त प्रकाशित । आ
विश्वेश्वर प्रसाद काठनालाक
प्रगिचन्द्र नाजनीति अन्यायी आ
नयालक प्रजापिक आधलनक
सक्रिय यज्ञ कथि। नयाली
नाजनीगियन वनावनि लिखे
नये कथि।



नानायक्षी 1956-

जन्म: घाघनडीहा (मन्वनी)।
मैथिली सावा-साहित्यम अम.
अ., यी-अव. जी. कामधन लगा
संयुक्त विद्यालय, घाघनडीहाम
अधायन । प्रकाशित
कृति: धनि घनि नरुल क्री
(काव्य-संग्रह)।



श्री. श्री श्रीशंकर मा 1952-



जगदीयनानायक "दीयक"



नाजदर मंतल

भिक्षा- अम. उ. द्वाय, अल अल चौ., यगा- ग्राम-

मूसद-निय्यां, नानसाना (निर्मली, मध्वनी)। प्रकाशिका कुणि- अष्टना-कविगा-
संग्रह, हसन टाल (उयथास), वसंधना(कविगा संग्रह), जाल (यटकथा), ला
ज (अकांकी), जल रंजन (उयथास), प्रिवधीक नंग (विहनि आ लघु कथा संग्र
ह), यंवेणी (लघु यटकथा), नायसी।



शिवप्रसाद यादव



दीनद्व कृमान मा 1958-

जन्म 30 अगस्त 1958, गाम- काठल्लख (मध्वनी), यिगा

श्री कामद्व नाथ मा। प्रॉसकर्मन (मैथिली कथा

संग्रह) प्रकाशिका।



मानध्वन मनूज 1958-

जन्म

गहनिया (मानयोन, मध्वनी)म,

1978सँ 1992 धनि नोसनाम

विस्त्रि जहाजयन कार्यना, रून

यापी नलमा सखन (कथा

संग्रह) प्रकाशिका।



नवानाथ मा



महेश्व नानायक नाम 1958-



गानानेश्व वियागी 1966-



रालचद्व मा

महिषी, सहनसाम जन्मा यद्विल यथी
 अयन यद्धक साध (गजल
 संग्रह) १९६१ म प्रकाशिता अय
 युष्क हल्फजय, प्रलय नद्वय(कविगा-
 संग्रह), अगिक्रमध (कथा-
 संग्रह), शिलालख (लघुकथा
 संग्रह), कर्मधानया नाजकमल
 चैवनीक कथाकृति अकटा वंयाकली
 अकटा विषधन संकलन-सयादना
 साहित्य अकादमी मैथिली वाल
 साहित्य यूनघान २०१०-गानानद्व
 वियागीक यथी "झी रटल गँ की
 रटल" लला याप्री-वगना यूनघान
 २०१० झी.- जँ. गानानद्व वियागी।

अ.टी.जी., वी.अ.,
 (अर्थशास्त्र), मूष्ठीसँ थिअटन
 कलाम उिधमा। मैथिलीक
 अगिनिक
 दिष्टी, मनाठी, अ(अश्री आ
 गुजनागीम निधगा। १९१४
 झी.सँ मनाठी आ दिष्टी
 थिअटनम निदधक। मदानाद्व
 नाथ उयावि १९६६ आ
 १९६९ मा
 आद्व. अन.टी. कन लल
 नाटक ❖सीगा❖ क
 निदधना ❖वासद्व
 संगिति❖ आद्व. अन.टी.क लक
 कलाक (भाव आ प्रदर्शनसँ
 जल अथि आ नायगालासँ
 जल अथि विकलांग वाल
 लल थिअटनसँ निध
 टी.वी. मीठियाम नवनाग्रक
 निदधक नूयँ कायी लखन-
 वीकल वनायल मनाठी
 अकाकी(अनुवाद), सिंहाकलाक
 न (मनाठी साहित्यक ११०
 वर्ष), आकाश (जी.टी.वी.क
 धानावाकिक ३०
 अथिसाउ), जीवन सन्धा(
 मनाठी
 साकादिक, जी.टी. मूष्ठी), ध
 नाजी नाना चैवनी
 (मनाठी), न्धयघन



मनमोहन मा



कुमान शेलद्र



नमश 1961-

(मनाठी), रिन नहीं करी
नहीं(दिष्टी), आदर
(दिष्टी), याथा (मनाठी
सीनयल), मयूनयस्र (मनाठी
वाल-धानावादि), हनुकभन
रून २०० अ.डी.)
(डी.डी.)। २००६, म-
रालवद्र मा (वीमल वनायल
मनाठी अर्वाकी- सथायक स्र
अशी आ नम्रकन
मपकनी, मनाठी)लल सादिय
अकादमी मैथिली अनूवाद
यूनयान।

नमश 1961-
नमश स्रान
नमश, मयूनयनी, विद्वान। चर्वि
नमशकान अ कवि । प्रकाशिन
नमशि: समांग, समानांगन, दरखल
नमश (कथा संग्रह), नागरुनी (गजल
संग्रह), सांगान, समव्रण स्रनक
नमशू, कासी धानक सथा, याथन
नमश दूरि (काथ
संग्रह), ग्रगिकिया (आलाचनाग्रक
नमश)।



मघन प्रसाद 1961-



प्रदीय विहानी 1963-

उच्च स्तान कञ्जेली मलिक
टाल, खजेली, मन्वनी, विहाना
चर्कि कथाकान, उययासकान अ
नंगकमी । प्रकाशिन कुपि: गुमकी
अ विहानि, विस्वियस
(उययास), उगीह कमला
अयगीह कमला, खध-खध
जिनगी, सनाकान (कथा संग्रह)।
२००१- प्रदीय
विहानी (सनाकान, कथा)मैथिली
लल साहित्य अकादमी युनकान
।



वड्डमाहन सा यनी



डॉ. सुनद्ध लार, नयाल



डाशन अनकयूनी, नयाल



डॉ. अनविह अकू 1
957-



रूलचड्ड मा "प्रतीध"

1961-

गम गुमेल दनरंगा, आयल
नवल प्रयाग, यांगल गाछक
छाहनि, दमना मानक खजन
विउया, वसोक
वजनिका (कविता संग्रह), दू
द्वारा रविशुभ (कथा संग्रह)।



वदनी नानायदा वर्मा

ददशंकन नदीन 1962-

डा ना मा सी (गद्य-यद्य मिथिग
द्विधी-मैथिलीक ग्रानथिक
सर्जना), चानन-काजन (मैथिली
कविता
संग्रह), आधुनिक (मैथिली) साहित्यिक
यनिदुध, गीतिकाष क नूय मं
विद्यायोगि यदावली, नाजकमल
चौधरी का
नवनाकर्म (आलाचना), जमाना
वदल गया, साना वावू का
यान, यरुवान (द्विधी
कहानी), अरिधा (द्विधी कविता-
संग्रह), द्वाथी चलथ वजान (कथा-
संग्रह)।



नाजड्ड किशान, नयाल

कूमान मनीष अनवि

१९६४-



कूमान सूडन शशि, न
याल

कूमान सूडन
शशि, जनकयूनचम, नयाला
यथा-यप्रकानिगा
शिक्षा: प्रिगुवन
विश्वविद्यालयर्स, अम. अ. मैथिली,
प्रथम (श्रीमि प्रथम साना
मैथिलीक प्रायः सर विभम



दिमांशु चौधरी, नयाल

पिा : स्रगीय कामध्वन

चौधरी, मााः श्रीमती चन्द्रावती

चौधरी, उच्चः वि स

२०२०/६/१

लदान, सिनहा, भिजाः

झागकादन(नयाली), यशाः

यप्रकानिा (सम्यगि : नाट्टिय

समाचान समिणि), कृणि : की रान

सांQ ? (मैथिली कविा

संधर), विगा दू दशकसं नयाली

आ मैथिली लखन गथा

अरियानम निनकन क्रियाशील

आ विरिन्न संघ संस्थासं आवद्ध

।



सगनानायक महता



गुवनश्वन याथय

नवनाना वद्धा नास नवना
विरिन्न यप्र-यप्रिकाम प्रकाशिा
दिधी, नयाली आऽ अं(अजी
रायाम संख नवनाना आऽ
वद्धानास नवना प्रकाशिा
सम्यगि- काकियून प्रवासक
अनव बूनम कार्यना



आनन्द कृमान मा 1977-

उच्च स्तान: मंरुथ, संमानयून; यिगा
सु. अरुयकांग मा, मागा श्रीमणी
वृद्धकाली दवी, प्रकाशन- "वधवृत्त"
नवकी कनियुक्त लहास", "होग्
यनिवर्गन", "वदलेग समाज",
"टाकाक माल", "कलह" (याँवू
मैथिली नाटक) प्रकाशित। विदह
संस्थादकक समानानन साहित्य
अकादमी यूनघान २०११ यून
यूनघान- आनन्द कृमान मा
(कलह, नाटक)



वनदवीयून रवनाथ, नाटककान



वड्डश



नाम संवक सिंह



शहीद दुर्गानिध मा, नयाल



उदयनाथ मा "अ
शाक"



कयिलक्षन नाउग



कयिलक्षन साहू



जॉ. शम् कृमान सिंह

उलहन (विहनि - लघु कथा संग्रह) प्रकाशना

जन्म:

18 अप्रील 1965 सहनसा

जिलाक मन्दिषी प्रखंडक

लहूआन गाममा आनरिक्क

भिक्षा, गामहिसा, आल्ल. उ., वी.

उ. (मैथिली)

सम्मान) उम. उ. मैथिली (सुधय

दक प्राक्) गिलका माँषी

रागलयून

विश्वविद्यालय, रागलयून, विह

न साँ BET [विहान यापना

यनीजा (NET क

समगुय) आच्यागा हगु उफीर्ष,

1995] ❖मैथिली नाटकक

सामाजिक विवरण❖ विषय

यन यी-

उच. जी. वर्ष 2008, गिलका

माँ. रा. विश्वविद्यालय, रागलयून

, विहान साँ मैथिलीक कगाक

प्रगिष्ठिग यद-यप्रिका सरथ

कविगा, कथा, निवंध आदि

समय-समय यन प्रकाशना

नर्मानम (भेजिक

सलाहकान (मैथिली) नाष्ट्रीय

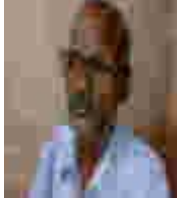
अनूवाद मिशन, कश्मीर

रागनीय राखा संकान, मेसून-

6 म कार्यना

शिः

प्रबंधक, संग्रह, जे. एम. ए. सी.
सी लि., मन टाउ, विन्ड्यून
जमलदयून - 831 001, अद्य
गणित्तिः वर्ष 1996 सीं
वर्ष 2002 धनि विद्यायणि
यनियद समन्धीयूनक
सांस्कृतिक, गणित्तिः अर्ले
मैथिलीक प्रवान-प्रसान ह्णु
ऑ. नमन क्रमान विकल आ
श्री उदय नानायध चौधनी
(नाष्ट्रयणि यूनधान ग्रक
शिकक) क नष्ट्रम संलक्ष।
प्रकाशिका कृतिः उधप्ररा-
कविता-संग्रह, अंशु-
समालाचना।



नाम विलास साहू

मनक

मेल, अंकून- लघुकथा संग्रह, नथक चक्का उलटि चले वाट (क
त्रिणा/ टनका संग्रह), कर्म विन् ऊग सहा (दासन कविता/ टन
का संग्रह), झूलक सिचुठी (विहनि/ लघु कथा संग्रह), दूधवच
नी (लघु कथा संग्रह) प्रकाशिका।



महाकान्त ओज्हा



वचनन मा, निर्मली

'निवन्-निक्क' प्रकाशिका।



धीनद्ध कूमान, निर्मली



चद्ध(अखन कामगि 1959-

मैथिली कवि। शिजा- अम.७.
(नाजनीगिभास्य), यिा- स्व. या(गनद्ध
कामगि , गाम-यासू- कनियन, राया-
बूलमास नगन, थाना- नासगा, जिला-
समसूगीयन, विहाना संग्रगिग्रसद्ध
सहकानिगा प्रसान यदाधिकाने
(वनीयष्टी)।



नद्ध विलास नाय

"रनद्रगिया", "ठठिक जाला",
"रुमन चानूधाम" प्रकाशिगा।



विनय रूख

उजना यनवाक खाज (कविगा संग्रह)



सूवाकन मा, मद्धाफनी , नयाल

सअसं वशी सगक नाटकम मंवना



सदन आलम "(गो
रून"

गाम-यूनसोलिया, राया-
जयनगन, जिला मधुवनी।



डॉ. गुवन कि(शान मिश्र "गुवनश"

मैथिली कथा संग्रह- (गावनद्धा)



दिनकान कूमान

"यूकीफन मैथिल"क सभ्यादना



डॉ. विनय विश्ववद्ध



नामदेव प्रसाद मधुल मानुदान

मैथिलीक रिस्त्रानी 0कानक नामसं प्रसिद्ध मैथिलीक यहिल

जनकवि नामदेव प्रसाद मधुल मानुदान।

"रुमना विन् जगण सूना के" आ "गीगाश्रुलि मातृ" प्रकाशिका



उमेश यासवान

"वर्धिग नस" प्रकाशिका



ओम प्रकाश मा

घाघनडीहा (मन्वनी)।

"किया वृषि नै सकल रुमना" (गजल, नृवाष्ट आ काग संश्रुत) प्रकाशिका



जगदानन्द मा मन्

नटिया गुकेरु रुमन घनाडीयन (गजल संश्रुत), गहन काक न

ग (विहनि कथा संश्रुत), चानदा- (वाल उययास), अथा-

(कविता-गीग संश्रुत)।



अबुलाल शास्त्री



ओम अमल नाय



नशु क्रमान मिश्र नशु



ओम. नशु क्रमान मिश्र



नशु क्रमान प्रसाद



दिलीप कृमान मा



मूनलीधन मा

कविलयून, दनरंगाला वल कथा

संग्रह "किलयिलहा गाछ"

(2010) प्रकाशिला



वचन ठाकुर

गाम: वनोनगंज, मधुवनी

प्रकाशिल कृति: वटीक अयमान

आ छीननद्वी (नाटक), वाय

रल यिपी आ अधिका

(नाटक), विसवासघा

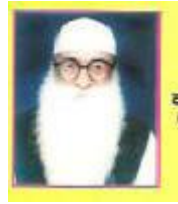
(नाटक), ऊँच-नीच

(नाटक), रॉट (नाटक); अक

दर्जनसँ वशी नाटक प्रकाशनक

प्रोजेमा

ऊँ गानाकान्क मा



कमलधन दास

"मैथिल कथ कयकुक

गाय, प्रवन, मूल आ वैवाचिक

सख्त" याथी प्रकाशिला



गंगा मा

मैथिली नंगमंजल कविल

मं, कालकागा। कालकागा आ

गाम यज्ञानिरीह टालम

मैथिली नंगमं व निर्देशना

अमनकान्क, नयाल



धीकान्क मधुल, मैथि

ली नंगमं व



नवानानायक मिश्र 1

955-

यिपा-धी (गाविह

मिश्र, मागा- श्रीमणि अडुला

द्वी।

गाम- कृष्मोल, या. नागदह-

वलाहन, राया-

अनउद्वार, जिला-मधुवनी।

मैथिली नंगमं वसँ

सख्त "कविल मं व" संकाक

माधमसँ



कमलेश कुमार दास, नंगमंच कलाकार



किशान कशब, मेथिली नंगमंच



कुमान गगन, मेथिली
नंगमंच



अशोक दास, जनकपुर



मदन ओज्हा



अरुण कुमार यादव,
मेथिली नंगमंच

चर्चिा नंगकमी, जनकपुरक
चर्चिा संस्था मिथिला नायकला
यनिषदक संस्थापक । गीन
दशकसँ वसी समयसँ नंगऊपम
सक्रिया कनीव ३०४० (गाट
मंचीय नाटकक सय
प्रसूति, २०२१ (गाट स०क
नाटकक द्जानसँ वसी प्रदर्शनम
अरिनय । २० (गाट टली-
सीनियल आ आवा दर्जन
मेथिली र्दीवन हिलमम अरिनय
। यून्स्कान: सयाम
अन्ानाधिद्रय म्हासवम
सर्वधेषु अरिन्गा २०४६
वि.स., ऊपीय ग्रन्तरा
यून्स्कान (नयाल
सनकान) २०६३ वि.स।



आशुवास यादव अरिहू



कृषू कृमान कथय 1949-

जन्म १७ सितम्बर १९४९ ँली।
थिया- कवि-उपन्यासकान
स्र. ँड्डनानायध लाल "सँवैलिया"।
जनवनी १९६७ ँली. म नना सर
लल "नाल्लट डूल", १९८१
ँली. म "कला आधानिग जीवन आ
भिक्षध यद्धगि"क प्रवर्गिन आ गकन
कार्यान्वयन लल भिवा कथय आ
शशिवालाक सहयोगसँ "रानगी विकास
संस्था"क स्थापना। नवना: शशिवालाक
संग "मघदूग" आ "गीग-(गान्दिह)"क
मैथिली अनुवाद, माऊ-राग, मिथिला
चित्र-भिक्षा, राग-१, मिथिला चित्र-
कान, राग-३।



सलिंग कृमूद



वटाही सा, मिथिला चित्रकला



प्रवीध कृमान Oाकृन

जन्म गिधि-३१ दिसम्बर 1977; जन्म स्तान-
कञ्जेली, सकनी, मधुवनी; भिक्षा- सूर्य
नानायध ढाँली
डूल - ननयगिनगन, वी. अर. सी - ममानिअल



लाला यतिग, मिथि
ला मूर्गिकला

कॉलेज - दनरंगा, तिममा ब्लक क्षेत्र
 डिजाइनिंग (नभनल डिजाइनिंग) क्षेत्र
 डिजाइनिंग - नयी दिल्ली)
 , विपकला डिजाइन क्षेत्र यूवांनमानम
 विशेष यात्रा, निवास
 स्नान- दिल्ली , अठिया; यात्रा- श्री सय
 नानायध
 डिजाइन , सक्ती - कञ्जेली ; माता- श्रीमती
 मालती डिजाइन , सक्ती - कञ्जेली । वर्तमानम
 अयन अक्काटि विजनस अक्काटि) क
 नामसं शुभ्राण , यूकेम प्राउठ उक्लाइंट
 डिजाइन सर्वेटक नूयम कार्यनम।



नाज्झु यतिग, मिथिला मूर्तिकला



गिनीश चड्ड लाल



नवदू कूमान सा, यत्र कान



चड्ड किशान लाल, यत्रकान, नयाल



उयड्ड रंग नागवंशी, नयाल

सक नाटका



नमश नंजन, यनवा
 द्वा, नयाल 1966-

यनवादा, नयालम जन्म ।

नयालीय कथा-उगक नवीन

मूदा सम्मानि नाम ।

जनयजवन कथा-दृष्टि आ

		<p>मादक भिन्न । (था७ लिखलनि, मुदा वन-वन चर्चि नह्लाह ।</p>
 <p>विनीग ओज्हा</p> <p>"वाँकी अछि ह्यन दूधक कर्ज" प्रकाशना</p>	 <p>सुजीग कृमान मा, नयाल</p> <p>जिह्वी (लघुकथा संग्रह), चिउँ (लघुकथा- संग्रह), नियारुन जायनी (नियार्णज), गह्व (लघुकथा संग्रह), खरनीवाली (ल घुकथा संग्रह), काहल्ली घुनि आउ (वाल लघु-विहनि कथा संग्रह), दूधमपी- (सम्यादन- नयाली आ मोंथलीम)।</p>	 <p>सनाज खिलात्री</p> <p>नयालक यहिल मोंथली नटिया भाटक संवालक</p>
 <p>दनांशु मिश्र</p> <p>अग्र- गुलायटी, स्योला मास कथुनिकभनम अम. अ., हिंदी, अंग्रेजी आ मोंथलीक विरिख यत्र-यत्रिकाम कथा, लघुकथा, विहान-कथा, चित्र- कथा, कार्टून, चित्र-प्रहलिका व्यादिक प्रकाशना विषय: गुजनाग नाक शाला याध-यूक्त मंजल हाना आओम कजाक लल विहान कथा ❖ जंग ❖ प्रकाशना</p>	 <p>सांघ मिश्र, नयाल</p> <p>यासया (लघुकथा- संग्रह), उदास मान (लघुकथा- संग्रह), अना-किअ (कविता- संग्रह), अना (संयादन- कविता- संग्रह)।</p>	 <p>सुनील कृमान मल्लिक, गायक, जनकयून, नयाल 1968-</p> <p>मोंथलीक गायक-संश्रिगकानक नूयम ग्रसिद्ध छथि । मोंथली रायाक गीगसरम मोंलिक गथा साथक संश्रिगक सृजनम दिनक सक्रिया प्रशंसनीय छनि । सुनीलक गायन गथा संश्रिगम केसर अलवमसर सहा वाहन रल अछि । लखनदिस दिनक</p>

(२००४ स्त्री.), नाशा: मेथिलीक
यदिल-विप्र-शुंखला
(कोमिक्त) प्रकाशना

सक्रियता यनिमाधाग्रक न्युम
कम नद्विगद् गुधाग्रक दृष्टिं
दृदययर्थी मानल जाइल
अछि । यथासँ विद्वान-शिक्षक
हथि ।



धीनद्ध प्रमर्षि, सिनहा, नयाल १९६७-

वि.सं.२०२४ साल रादव १८ गी सिनहा जिलाक
(गोविन्दयून-१, वफीयून गामम जन्म लनिहान प्रमर्षिक
युध नाम धीनद्ध मा छियनि। कान्फियूनसँ हला मिथिला
कार्यक्रम प्रफा कारा अउी नूया-धीनद्धक धीनद्धक
अवाज गामक वडा-वडा चिह्ने
अछि। **यल्लव** मेथिली साहित्यिक यत्रिना
आ **समाज** मेथिली सामाजिक यत्रिकाक सथादना



अमनद्ध यादव, नयाल



नवीद्ध नानायध मिश्र

यिपाक नामःसुवर्गीय सूर्य नानायध मिश्र, मागाक नामःसुवर्गीया दयाकाशी दवी,
येकूत ग्रामःअउन डीह, मागुकःसिचिआ शरी। वृषिःयाजना आग्रक उय स
चिव, दिल्लीम यथल मद्रापालिटन मजिसुद्रट। आव सवा निवृफा शिजाः वद्ध
धानी मिथिला महाविद्यालयसँ वी.अस-
सी. खेगिती विद्वानम प्रगिहा; दिल्ली विश्वविद्यालयसँ विधि शागका प्रकाशना कु
गि : मेथिली:-

१. **खनसँ साँम खनि** (आगा कथा), २. **प्रसंगवश** (निर्वच), ३.
सुवर्ग अदि अछि (यापा प्रसंग), ४. **रुसाद** (कथा संग्रह) १.
नमस्कार (उयथास) ५. विविध प्रसंग (निर्वच) १. महनाज (मेथिली उयथा
स) , ६. लजकाटन (मेथिली उयथास)
७. सीमाक उदि यान (मेथिली उयथास) १०. समाधान (निर्वच संग्रह) ११. मा
गुरूमि (उयथास) १२. सुललाक (उयथास) १३. शंखनाद (उयथास)।



नघनाथ मुखिया



कुमान रातन



प्रदीय यथ



संदीप कृमान सार्दी

"वैशाखम दलानयन" प्रकाशिका



उमश मंउल

निश्चिती- कविता संघर्ष, मिथिलाक संस्मान गीत, विच-

द्यवहान गीत आ गीतनाद (संस्मरण),

"मिथिलाक वनस्थिति स्मरण (आ मिथिलाक जीव-

जन् स्मरण (आ मिथिलाक जिनगी स्मरण (आ)", सगन नागि दीप जनय- वृ

गिहारास, दूध-यानि रूनाक-

रूनाक (कथा अवं याधुलियि उगदीश प्रसाद मधुल)-

(छाया अवं सथादन- उमश मधुल), दिव्कानि मूसलमान ओन दिव्कानिया

- मूल दिव्की लख- गीतश शर्मा, मैथिली अनूवाद- उमश मधुल



वड्डमधि



स. रमकान्क मा, गायक



मूनलीधन, मैथिली र्खिन्न निर्दशक



कूंज विहानी, मैथिली
गायक



नामवावू मा, गायक



वि.यि.उदासी



जगड्ड सहयागी



उदयनानायध रिह्म गायक



प्रकाश सा, रिह्म निर्देशक



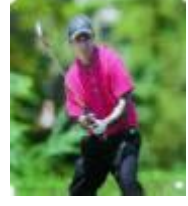
कीर्ति आजाद क्रिकेट



श्रीनाम सा शर्नज



अरिषक सा गोब्र



अशोक कृमान 198

1-

साभानध काठकानक
यन्निवानम समन्धीयून जिल्लाक
मास्त्रियानयून सखलानी गामम
जन्मल अशोक कृमान
कहिया ब्रूल नदि गेलाह
दिनम यवास टाका कमनिहान
दिल्लीक अकटा गोब्र क्लवक
अहि कौठीक 1994 २२ी. म
चानिक मिथ्यानाय लगा कउ
गोब्र कार्सै वाहन कउ दल
गेला वेह कौठी दस सालक
रीगन रानाक नमन अक
गोब्रन वनि गेला



नाजम नंजन, मैथिली रूतना प्राजक्त



विनाद मिश्र

जं. विनाद मिश्र सम्प्रति आङ्ग्ली
आङ्ग्ली टी नूतकी, उफनाखंठम
अंग्रेजी यद्वेणु कथि आ
द्विनक नवनाb अंग्रेजी आ
द्विदी म प्रकाशित रल कथि
अदि वर्ष द्विनक कविता
संग्रह Silent Steps and
Other Poems प्रकाशित रल
कथि अवन अंगिनिक द्वी
अंग्रेजीम आलावनाक उग्रम
आ0 टा यथी संयादिग कन
कथि द्विनक
यथी Communication Skills
for Engineers and
Scientists वद्गा ङ्ङीनियनिंग
संस्कानम याथ यूक्त नूयम
यदाडाल आङ्ग्ल अष्टि।

संजय मा

सूक्तानगंज, रागलयून

मारुतनालाक सी.डी.डा।



नाजकमल मा, अंग्रेजी लखक, यप्रकान

द्विनकन अंग्रेजी उयथास "द ब्रू वउसुधउ" , "ङ्ङरू यू
आन अरुनउ ँरू द्वाङ्ङुअ" आ "रुयनयूरू" प्रकाशित
कथि "द ब्रू वउसुधउ" (१९९९)यन दूनका "कौमनवक
नाङ्ङटसं द्राङ्ङुअ र्दोन वक र्दुई वूक-यूनभिया" रटल
कथि। नाजकमल मा श्री मूनीध्वन मा आ श्रीमती नंजना
साक यूा कथि, "आङ्ङ आङ्ङ टी.सुगयून"सं
वी.टक.कथि, आ आङ्ङ काष्टि दिन्नीम नद्दे कथि, जग
डा "ङ्ङुधियन अक्षयस" म अउटन कथि।

विश्वध्वन या0क



मानस विदानी दर्मा, वैज्ञानिक



रुहीश्वर नाथ 'रामू' मिथिला नग्न 1921-
1977



नामधानी सिंह 'दिनकर' मिथिला नग्न 1908-
1974



नामदृज वनीयूनी 18
99-1967



डॉ. हनिवंश गनु 1927-
2009

जन्म 21 जून 1927 ढूंही।

गाम- चकसलम, या. - यरानी, जिला- समस्तीपुरा

गीत दर्शन सँ वशी द्विष्टी याथी जस्टिम काय-

कथा-प्रवचन सम्मिलित अष्टि।



हनिशंकन श्रीवास्तव "शलरु"
1934-



डॉ. जनार्दन प्रसाद
मा 'द्विज'

द्विष्टीक साहित्यकार।



नामधन प्रम

द्विष्टीक नाटककार।



डॉ. नवल किशान दास "नवल"



महानानंद मा 1955-



नामास्त्रा शशिधन



(गानलाल मनीषी)

गणेश चंचल १९३०-
२०११



कुश्न अमिणार

श्री. अमनद्ध



शंयु अ(गदी)

कम ८ जनवनी

१९४१, प्रकाशिन कुणि:उमनाअल

श्रीह (कथा-

काथ) १९९८, सांजा (कथा

संथद)१९९९, गसनी

मिआ (कथा

काथ)२००३, वज्जिका छंद

वेरवास २००१



याश्चान नामावगान अन्ध १९२३-
१९९९



मज्हरन म्माम १९३०-
२०१२



अन्ध प्रकाश १९४
८-२०१२



अंशुमन याशुय



दिनश कुमान मिश्र



गिनद्गा यूनीकाउक

आवदनकागी

मिथिलाक वाडिक अक्यटी।

मिथिलाक भाटा-भाटी सर

धनयन किगाव प्रकाशिंग। उफन

विहान की बथा

कथा (१९९०), कासी- उम्र केंद

स सजा-७-मोग

गक (१९९२) वीदिनी महानंदा

(१९९४), चाया य७ वकूल

का- वाड नियंत्रण का

नदय (२०००), वगात्रा यन

मजवून मिथिला की कमला नदी

(२००४), गुाही नदी ओन

गकनीकी सा७- दूक (२००१),

, दूही यारन क वीच मं-कासी

नदी की कलानी (२००६) तथा

वागमगी की सन्नगि (२०१०)।

उमप्रकाश रानी १

९,५६-

कासी नदीक लक सांस्कृतिक अथ

यन - नदियाँ गागी हैं, विहान क

यानस्थानिक नाच आ मेथिलीक ला

क नाच प्रकाशिंग



वेदही सीगा



याहूवलक यती मेप्रयी

याहूवलकक दू टा यती

छलथिह यदिल कायायनी आ

दासन मेप्रयी। मेप्रयी ब्रह्मवादिनी

छलीह कायायनीसँ हनका

गीनटा य

छलहि- चडकान्ना, मदाभघ आ

त्रिजया



मागीदाळ

मेथिलाक नजक (लाचि) जागि

काकयना



विह्ला

चयानगनक विह्ला



गांगा दती

मिथिलाक मलाह आगिक
लाकदवणा गांगादतीक रगणा
अखन मिथिलाक मलाह
लाकनिम प्रचलित अछि।



नशमा, कस्मा, रूझा



मानंगक भागीसायन



विन्धवासिनी दती मैथिली लाकगीग 1920- 2006



कामधनी दती 1922-

मधुवनी जिलाक नवानी गामका
जन्म १९२२ ई. म अयन
मागुक नाहनम रलनि। यणि य
मदनमहन मा। वनेनीवासी
प्रसिद्ध गामिक यधिग कभव मिध
हनक यिग छलथिना "मिथिला
संघान गीग" यथी।



कस्मलगा कर्ध



अधिमा सिंह 1924-



लिली न 1933-

समीक्षिका, अनुवादिका, सत्यादिका

। प्रकाशन: मैथिली

लाकगीत, वसवधन (अनु.), शिशु

खल गीत आदि लठी ब्रवर्न

कॉलज, कलकाम पूर्व

प्राध्यायिका।

जन्म: २६

जनवनी, १९३३, पिता: सीमनाथ

मिश्र, पिता: जॉ. अच. अनु. न. दुर्गा

गंज, मैथिलीक निशिष्ट कथकान

अवं उय्यासकान । मनीविका

उय्यासयन साहित्य

अकादमीक १९६२ स्त्री. म

यूनकान । मैथिलीम लगरण

दू सय कथा आ याँव टा

उय्यास प्रकाशित । नियूल

वाल साहित्यक सृजना अन्क

रानीय रायाम कथाक

अनुवाद-प्रकाशित। यदिल

प्रवाध सम्मान २००४ सँ

सम्मानित।



चित्रलखा देवी १९३५-



माहिनी मा १९३७-



शं. सावित्री मा



कविता देवी १९४२-



प्रमिता मा



शान्ति स्मन १९४२-

जन्म १५ सितम्बर १९४२, कासिम

यून, सहनसा, विद्वान, प्रकाशित

कृति, ❖ ३

प्रगोष्ठिता, यनछाच्छी
 टूटगी, सुलगण यसीन, यसीन
 क निध, मोसम दूआ
 कवीन, समय खावनी नही
 दगा, गय नह कवनान, रीगन-
 रीगन आग, मघ
 छुट्टनील (मैथिली गीत
 संग्रह), (भाष प्रवचः
 मधुवर्गीय चाना डोन द्विष्टी
 का आधुनिक काद्य, उयद्यासः
 जल मूका दिनना सम्मानः
 साहित्य सना सम्मान, कवि नम
 सम्मान, महादत्री तर्मा सम्मान।
 अध्यायन कायी



प्ररावणी मा 1945-
1999



स. उल्लानानी सिंह 1945-
1993

उल्लानानी सिंहः जन्म। जलाच्छी,
 1945, निधन : 13 डान, 1993, यिगा :
 प्रा. प्रवाध नानायध सिंह सथादिका :
 मिथिला दर्शन, निषष अध्यायन :
 मैथिली, द्विष्टी, वंगला, अंग्रजी, राया
 विहान अवं लाक साहित्य । प्रकाशित
 कृति : सलामा (आधुन वाच्छुक कंच
 नाटकक अन्वाद 1965), प्रम अक
 कविगा (1968) वंगला नाटकक



उषाकिनध खान 19
45-

जन्मः २४ अकूवन
 १९४५, कथा अवं उयद्यास
 लखनम प्रथाप । मैथिली गथा
 द्विष्टी दूनू रायाक चर्कि
 लखिका । प्रकाशित
 कृतिः अन्पनि
 प्रध, दूवीजा, हसीना
 मीजिल, रायणी (उयद्यास) ।
 २०१०-श्रीमणि उषाकिनध

अनुवाद, विषवृत्त (1968) वंगला
नाटकक अनुवाद, विष्णी
(1972), सनचिा: मैथिली कविा संग्रह
(1973), लिखी संग्रह

खान (रामणी, उय्यास) लल
साहित्य अकादमी युनयान-
मैथिली।



नीनजा नधू 1945-

जन्म: ११ अक्टूबर १९४१, नाम: कामाख्या
ददी, उयनाम: नीनजा नधू, जन्म
स्नान: नवटाल, सनिसवयाही । शिजा: वी. उ.
(आनर्स) उम. उ., पी-उच. डी., गृहिणी
। प्रकाशित नवना : उासकध (कविा
मि. मि., १९६०) लखन यन
यानिवानिक, सांयुक्तिक यनिकषक प्रराव ।
मैथिली कथा धाना साहित्य अकादमी
नधू दिखीसँ स्नागनशापन मैथिली कथाक
यखरु टा प्रगिनिधि कथाक सय्यादन
। सृजन धान यियासल कथा संग्रह, आगग
ऊध ल कविा संग्रह, मृगहना कथा
संग्रह, प्रगिनिधि लिखी कथा संग्रह, १९६०
सँ आरंभनि सउसँ अधिक
कथा, कविा, भाषानिवय, ललिनिवय, आदि
अनक यप्र-यप्रिका गथा अरिनहनप्रकम
प्रकाशित । मैथिलीक अगिनिक किछ
नवना लिखी गथा अंग्रजीम
सह। २००३- नीनजा



दीधा ओज्हा 1954-

जन्म- रवानीयून, य(छोल (मधुवनी)।
यिा श्री श्रीमार्दन ओज्हा प्रकाशित
कृति: मैथिली नामकायक
यनयना, ँगिहास-
दर्यध (समीजा), विशायगिक
उम (समालावना), रानणी (उय्यास)



रामेश मिश्र

रानगक उखास आयालयक
वानिम महिला आयाधीश आ
लिखि मैथिलानी।

नेहू (सृष्टिना, कथा)लल साहित्य

अकादमी यूनियन



ज्योतिष मृदूला मिश्र



वीद्या कर्ण 1946-

जन्म 3 नवम्बर 1946, गाम- यरानी, या.पंचगञ्जिया, जिला- सहनसा

सदस्य, मैथिली साहित्य अकादमी यनामर्भदागृ समिति 1987-

1993, सदस्य, राया यनामर्भदागृ समिति (मैथिली), राानीय

ज्ञानपीठ। अवकाशप्रदाक विश्वविद्यालय आचार्य आ

अध्यक्ष, मैथिली निराग, यरना विश्वविद्यालय। **प्रकाशित**

कृति- अर्गला, रावनाक अस्मियंजन (मैथिली काव्य

संग्रह), शंखनाद, गुग्गुलु समयय, अन्वव (द्विधै काव्य संग्रह)।

प्रकाशः सफयदी (मैथिली निवव संग्रह), चानियिक यृष्ठरूमिम

मैथिलीक प्रसिद्ध उय्यास, मैथिली-उय्यासक कथा किट्टू कल्लेग

अस्मि (मैथिली आलाचना); जिह्मीनामा (द्विधै काव्य

संग्रह), क्रमशः (द्विधै आलाचना)।



(शरालिका वर्मा 19

43-

जन्म: ९ अगस्त, १९४३, जन्म

स्थान: वंगली टला, रागलयन

। शिक्षा: अम., यी-अच.डी.

(यरना

विश्वविद्यालय), अ. अम. कालज,

यरना म द्विधैक प्राधायिका

यदसँ सवानिवृध। नानी

मनक श्रिक्तिकँ खालि:कनुध

नससँ रनल अशिकरण

नचना। प्रकाशित

नचना: सहनेग नान, विदक्केग

(ON; निग्रलखा (कविता

संग्रह), श्रुति नखा (संयानध

संग्रह), अकटा

आकाश (लघुकथा

संग्रह), यायावनी (याया-

वृफाक), रावाश्रुलि (काव्य-

प्रगीग), किरफ-किरफ

जीवन (आग्नकथयन साहित्य अ

कादमी यूनियन)। अर्थयुग (ल

घुकथा संग्रह) आसन-



नीगा मा 1953-

जन्म : २१-०१-

१९५३, धनसाय: ग्राध्यायिका ।

लखन यन समाजक यनन्यना

गथा आधुनिकताक संघान सँ

द्वारा विसंगणिक

प्रदाना प्रकाशिका कृति :

रुनिद्ध, कथा संग्रह

१९६४, कथानवनीग

१९६०, सामाजिक अस्माव अ

मैथिली साहित्य भाव समीजा

। किलाँ मोसी (वाल लघुकथा

संग्रह)।



प्रमलगा मिश्र 'प्रम'

1948-



आशा मिश्र 1950-

जन्म: ६-१-१९५० स्त्री., प्रकाशिका

कथा म मैथिलीक संग द्वितीय म

संघ । सरसँ येव विजय

मैथिली कथा संग्रह ।



सँ. सुशिला मा 1957

आखन प्रीग, नागरदांस (उयद्या
स)। २००४ स्त्री.- सँ. श्रीमती
(शेरुलिका वर्मा, यटना; यात्री-
चपना यूनकाना



सँ. सुनीति मा



मनका मलिक 1966-

उच्चस्नान: नदिका, माणा: श्रीमती
 वृद्धा दती, यिगा: यं. दीनानाथ
 सा, शिजा: अम. अ., वी. अउ., प्रसिद्ध
 अरिन्धी दू सयसं वशी
 नाटकम राग ललनि । रंशिमा
 (नाथमंभ) क रूययूर्व
 उयाधजा, यप्रिकाक
 सथ्यादन, कथालखन आदिम
 कृशल । अिनियन आदि
 अन्नक संस्का दाना यूनयूग-
 सभ्यानिगा



शानदा सिद्धा मैथिली लाकगीग 1953-



लालयनी दती



शकुंगला चौधनी



गोदावनी दत्ता, मिथिला चिप्रकला



उषा वर्मा 1948-



कमला चौधनी 195

3-

कृगि- मैथिलीक वश-रूया-
 प्रसाधन सद्यवी
 शवावली, प्रकाशनाधीन: वाट
 विलायल यानि (कथा
 संग्रह), यिया मभ्रमास (कविता
 संग्रह), आगायुष्मी दतीक



सीता देवी, मिथिला चित्रकला



गंगा देवी १९२८-
१९९१

मिथिला चित्रकला

वंगला लघु उद्ययास **मन**

मंझराक मेथिली अनूवादा

मूजङ्गनयनसँ प्रकाशित मेथिली

साहित्यिक यत्रिता **झागी**क

सम्पादन (१९८४-८५)।



सनसुगी चौधरी, जन
कयन



जै. अनुराधा चौधरी



विरा नानी 1959-

मेथिली क 3 साहित्य अकादमी
यूनयान विज्ञा लखकक 4 (गाट
किगाव "कथादान" (हनिमालन
सा), "नाजा यासन मं विरानी
मछलियां" (अरास नमान
चाऊधरी), "विल टलन की
जायनी" व "यटाऊय" (लिली
न) द्वितीय अनूदिग
छहिल 2 (गाट लककथक
युफक "मिथिला की लोक



धामना चौधरी 1963-

अभ्यापिथि: ११
देसखन, १९६३, जन्मस्थान
मनुआना, सिधिया
खर्द, समस्तीयन, पिया : श्री
मार्क(अय प्रवासी, मागा: श्रीमणी
शुशीला सा, अन्धायन । स्यनिकिया
कवियत्री, कथाकान । प्रकाशित
कृति: वानसाष्टी (कविता
संश्रुत), मिमिनकाना
(कथासंश्रुत)।

कथां" व "गान् मा क किम्"।

मिथिली कथा संग्रह "स्वर्हसं"

निकसेग"।



सूष्मिता यादव 1962-

जन्म: सयोल, विहान । यनिविनि

कविता संग्रह प्रकाशित ।

कथानाचक, कथासंग्रह

प्रकाशनाधीन । नाञ्जीणि आक्रम

अम. अ.। संगीत, यटिगम त्रुवि ।

मिथिलीक याथी यप्रिका यन अन्क

नखाचिप्र प्रकाशित । समकालीन

जीवन, समय, आ गवन चंदनक

कवियित्री । अन्क राषाम

नचनाक अनुवाद प्रकाशित।



उर्मिला देवी, मिथिला चित्रकला



यमूना देवी, मिथिला
चित्रकला



यशोदा देवी, मिथिला चित्रकला



नुमा मा, सख्यादक मिथिला दर्यद



यन्ना मा

अनुष्ठी (लघुकथा संग्रह)।



सुधा कर्ध



नूगन दास

सम्यादिका, मिथिलांगन



नाधिका मा, अंघ्र
जी लखिका

दूनकन अंघ्रजी
उययास "सल" आ "लेवृस
न दयन हॉस" आ
अंघ्रजी लघु कथा संग्रह "द
अलीरुवृ अघु द
मानूणि" प्रकाशित अछि।
उययास "सल" लल
दूनका "ऋच प्रिक
गुंनलन" यूनयान ररल
कृहि आ ह्री यथी सालह
रायाम अनूदिग रल अछि।
नाधिका "अमदरुं
कौलज"सँ "अन्ध्रायालाजी" यद
न कृथि आ "शिकतागा
विश्वविद्यालय"सँ नाजनीणि
विहानम मासर्स उित्री लन
कृथि आ "द्विभूस्नान
टावृस" आ "विजनस वरुं"म
काज कन कृथि आ
संगम "नाजीव गांधी
दाउरुअन, दिल्ली" म
सद्व, जगु आ आगंवावदर्स
धीणि वडा सर लल सयर्क
कार्यक्रमक यानह कन नदथि।



स्वयंप्रसा मा 1970-



नूया धीनू 1973-

नूया धीनू- जन्मस्थान-
मयनाकउनी, सफनी, श्रीमती यूनम
मा आ श्री अनूधरमान माक
यूथी। स्थायी या- अञ्जल-
सगनमाथा, जिला- सिनद्धा प्रथम
प्रकाशिता नवना-कोहली
कानउ, मारिसँ
सिनद्ध (कविता), रंगगा वळक
दश-ग्रमध (कनक दीजिताक
यूक्तक धीनद्ध प्रमविसँग
मैथिलीम सहअनुवाद, सदीगसखी
कृति- नाट्टियगान, रान, नद्धक
वजन, वाना, प्रियगम ह्मन
कमोआ (यदिल मैथिली
सीडी), प्रम रल
गनघुकीम, सन्जिता मापूत्र
गीगमाला, सुखक सनसा
सथ्यादन-यन्नव, मैथिली साहित्यिक
मासिक यदिका, सथ्यादन-
सहयाग, ह्मन मैथिली
याथी (कजा १, २, ३, ४ आ

आळ्ळ काष्टि डा अयन यणि
आ वञ्चिक संग टक्काम नद्धे
कृथि।



नंजना मा, विद्यायणि
संगीत गायिका

ग आ कजा 9-10 क उद्विक
मैथिली विषय याथयूक्तक राषा
सभ्यादन।



नशिम दफ, गायिका, जनकयून



कामिनी कामायनी



मूनी सा यूना नचना
कान



कामिनी 1978- यूना कत्रियिणी



नूसाना सिडीकी



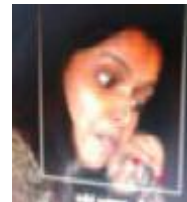
कल्यना मिश्र, मैथिली
नंगमंच



शुगि सा,
, मैथिली नंगमंच



किनश सा, मैथिली नंगमंच



प्रियंका सा, मैथिली
नंगमंच



सृगु कर्ध, मेथिली नंगमंच



सविना

झागि वस, नंगमंच



अनुप्रिया

महा दर्मा, नंगमंच



मृदूला प्रधान



अनुध मिश्र, महिला वॉकिंग



नाखी दास, मिथिला चिप्रकला



वनानसी यंजिन, मिथिला चिप्रकला, धनुषा, नयाल



मदनकला दत्री कर्ध, मिथिला चिप्रकला, नयाल



मदनकला कर्ध, मिथिला चिप्रकला, नयाल



महास्वनी दत्री, मिथिला चिप्रकला



निर्जला मा, मिथिला चिप्रकला, नयाल



रूला साद, मिथिला चिप्रकला, महाराष्ट्र, नयाल



मंजनी यशनी



संगीता कुमारी, मैथिली रूग्ना प्रजक



विश्वनी दास



गोनी सन



सीमा मा



दादी मिश्र, कवियित्री १९१३-
१९९६

काठलख, मधुवनी। जन्मस्थान
गिलाडी, नयाला



मोसमी वनशी, कवि
यित्री



शेल मा



शान्ति देवी



शिवाला

येगा श्री उग्र नानायध
माल, यगि श्री उमश कुमान
कष्ट (विसरुथ)। शिवा कथय
आ कुन्न कुमान कथयक
सदुयागसँ "रानगी विकास
संस्था"क सहायना। नवना: कुन्न
कुमान कथयक
संग "मघदूत" आ "गीत-
गाविष्ट"क मैथिली



मूली कामग

सस्कल मन गनसल आँखि (कविता संग्रह)।



प्रनधा मा

मिथिला लाक कला



अंशुमाला

मिथिली लाकगीगा



(श्वेता मा चौधरी, चित्रकान

गाम सनिसव-याही, ललित कला आ गृहविज्ञानम ग्रागका
मिथिला चित्रकलाम सॉर्टिक्रेट कासी कला
प्रदर्शनी: अफ्. अल. आन. आळ्., जम(शदयूनक सांस्कृतिक
कार्यक्रम, ग्राम-श्री मला जम(शदयून, कला मडिन
जम(शदयून (अड्कीवीअन आ वकेशॉय)। कला सखी
कार्य: अन. आळ्. टी. जम(शदयूनम कला प्रगिअगिगाम
निर्धायकक नूयम सहरागिगा, २००२-०१ अनि
वसना, जम(शदयूनम कला-अडक (मिथिला चित्रकला), वूमन
कॉलज युक्तकालय आ डॉटल कूलवार्ड लल नाल-
यर्टिंगा प्रगिअगिग चॉसन: कानयानट
कथूनिकअस, टिअा; टी. अस. आन. टी. अस, टिअा; अ. आळ्.
अ. टी. अ., अट वेंक ँरू अड्किया, जम(शदयून; निरिअ
अकि, डॉटल, संगठन आ अकिअग कला संग्रहका



(श्वेता मा

मिथिला चित्रकला, समग्रिग
सिंगायूनम निवास



नानी मा

दोवी: मिथिला चित्रकला, ललित कला, संगीत आ रानस-
राग।



मार्गी कर्ध

मिथिला चित्रकला



निक्की प्रियदर्शिनी



प्रशा मा



ऑ. नलिनी चौधरी



नीलम चौधरी, कथक नृत्यांगना



श्रेया मल्लिक

येगा स. शिवनन्दन मल्लिक, गाम-
महिसानि, दनरंगा। यणि श्री
कमलेश
कुमान, रनद्वी, दनरंगा।



गुंजन कर्ध

नाँटी मन्वनी, सम्प्रणि यू.क.म नद्वे

कृथि www.madhubaniarts.co.uk यन

द्वनकन कलाकृणि दसि सने क्री।



यूनम मंउल

प्रियंका साक संग मैथिली बूज

याँटल "समदिया"



प्रियंका मा

यूनम मंउलक संग मैथिली

बूज याँटल "समदिया"



कृगि नानायध

www.esamaad.blogspot.com क

संचालन ।



ऑ. लललगा मा १६,७१

जन्म

यनलवार, दनरंगामा "मैथलीक

राजन सधवी

शद्वावली" प्रकाश्ल"।

www.esamaad.blogspot.

com क संचालन ।



आनुरुपी कुमानी १६,

६१-

"मैथली मूकुक काथम

नानी" प्रकाश्ल।



मीना मा

ध्रुव केसनक समथायन नलदद म मीना मा कन अकटा लघु कथा
प्रकाश्ल। रल्ला। ७७ मैथलीक यदल कथा छल ज ध्रुव केसन यन
ललखल। गला। दलद्वीम सल्ला गाथनल अदल नलषययन कथा नदल लल
खल। गल छल।



अनुरुपा प्रलदशरुवलनी

यगल ऑ. नान कर्ष, गाम-

उजान (वउकागाम), या. लारुना

नाउ, जलला दनरंगाल। समुध्रगल

ललजलाना (संगुकू नाथ

अमनलकाम), शलउा-

अम. अल. सी. (ऑरु

नलरुान), ल. ना. मलथलला

वल. वल., दनरंगाल; वी. अल. सी.

वी. आन. अशुठकन वल. वल.

मूजदुनयूनसँ, द्वाँवी, मलथलला

वलप्रवला, कमथुटना७७७



शरुवा

मैथली नंगमवा

चित्रकला, ललित कला। उयलवि:

अखिल रानीय कला आ

दरुक्तानी ग्रणियागिणाक

यूनयान 1995 म; संयान रानी

राव नृय ग्रणियागिणा 1989 म

सदरगि।



ग्रीणि ठाकूर

गाम- जगली, राया

गानानगन, यूर्धियाँ। मेथिली वाल

साहियम "गानू मा आ आन

विप्र कथा २००६", "मेथिली

विप्रकथा २००६" आ "मिथिलाक

लाकरदवा २०१०", निघायगिक

यूनय यनीजा (वाल

साहिय) २०१४ प्रकागि।



नवगी मिश्र



अनूयमा सा

ग्रंसयनंसी व्हेटननशनल, राना।



विनीगा मल्लिक



गान्नि लक्मी चौधनी

ग्राम (गानिद्वयून, जिला स्योल

नेवासी आ नागइ मिश्र

महाविद्यालय, सदरसा म

कार्यना युक्तकालयाधुज श्री
धामानद माक उह
सुप्री, आउन श्रम मदिषी
(युनर्वास जानायडी), जिला
सहनसा निवासी आ दिडी बूल
उरु व्खानमिक्त सँ उउल
अन्नषक आ समाजशास्त्री श्री
अउय कृमान चौधनीक
अधीगिनी कृथि प्राधीशास्त्र सँ
शागवापन नदिगा भिजाशास्त्रक
शागक भिजाथी आ अकरा
समाजशास्त्री सँ सानिधक चलिग
आम जीवनक सामाजिक विषय-
विषय आ खास कऽ महिलाजय
सामाजिक समथा आ प्रघटनाम
दिनक विषय अरिनुवि
सुराविका।



डॉ कल्याना मधिकान्क
मिश्र

पिगा डॉ भिन्न कृमान मा, गम
नारी, सासुन- गजखाना।
मठिकल भिजा अ. अ.
हॉथीरल/ आरु हॉथीरलसँ
सम्बन्ध कय फी-नाग विषयसु।
मूहसँ १९६०-६२ म



कूसुम अकून
प्रयावरिन
(आत्मकथा)



मदिनी याअक
१९६१-
याथनक शहन
(कविगा संग्रह)

प्रकाशिका दशरथ मथिली

यंत्रिका "विदेह"क यंत्रिका

मदिकान्क मिश्र (निर्माणा- मथिली

रिहम- आउ यिया ह्मन

नगनी) संग सभ्यादना

(c)२०००- २०२३ विदेह: प्रथम मथिली याञिक व्ही-यंत्रिका (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004). सभ्यादक: गजध्र ठाकुर। Editor: Gajendra Thakur. In respect of materials e-published in Videha, the Editor, Videha holds the right to create the web archives/ theme-based web archives, right to translate/ transliterate those archives and create translated/ transliterated web-archives; and the right to e-publish/ print-publish all these archives. नवनाकान/ संग्रहकर्णा अयन मेलिक आ अप्रकाशिका नवना/ संग्रह (संयुद्ध उभनदायिद्ध नवनाकान/ संग्रहकर्णा मध्य) editorial.staff.videha@gmail.com कँ मल अट्टेवमधक नूयमँ य०। सकीं छथि, संगम आ अयन सञ्जिय यनिचय आ अयन चैन कञल (गल खरटा सख य०।वथि। अणऽ प्रकाशिका नवना/ संग्रह सरक कौपीनाव्ठ नवनाकान/ संग्रहकर्णाक लगम छथि आ अणऽ नवनाकान/ संग्रहकर्णाक नाम नै अछि अणऽ व्ही संयादकात्रीन अछि। सभ्यादक: विदेह व्ही-प्रकाशिका नवनाक देव-आर्काव्ठ/ थीम-आधानिक देव-आर्काव्ठक निर्माधक अधिकान, उ सर आर्काव्ठक अनूवाद आ लिथंगनध आ एकना देव-आर्काव्ठक निर्माधक अधिकान; आ उ सर आर्काव्ठक व्ही-प्रकाशिका/ प्रिंट-प्रकाशिका अधिकान नखीं छथि। उ सर लल काना नॉयरी/ यानिध्रमिकक प्रावधान नै छै, स नॉयरी/ यानिध्रमिकक व्ठ्ठक नवनाकान/ संग्रहकर्णा विदेहसँ नै ज०थु। विदेह व्ही यंत्रिकाक मासम दू टा अंक निकलीं अछि ज मासक ०१ आ ११ तिथिकँ www.videha.co.in यन व्ही प्रकाशिका कञल जाव्ठ अछि। The contents and documents e-published by Videha (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/ documents.

(c) २०००-२०२३ सर्वाधिकान सूनजिगा विदेहम प्रकाशिका सरटा नवना आ आर्काव्ठक सर्वाधिकान नवनाकान आ संग्रहकर्णाक लगम छथि। रालसनिक गाछ ज सन २००० सँ यादूसिटीजयन छल http://www.geocities.com/.../bhalsarik_gachh.htm, <http://www.geocities.com/ggajendra> आदि लिंकयन आ अखना अ जलाव्ठ २००४ क यान्ठ <http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.htm> (किछ दिन लल

<http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.htm> लिंकयन, आग wayback machine of
https://web.archive.org/web/*/videha 258 capture(s) from 2004 to 2016-
<http://videha.com/> 'खलसलनलक गलकुक-डुरथम डेथलल ड्लुग / डेथलल ड्लुगक अशुी(गरन) कन नुडड डुडननरडन
डेथललक डुरललनगड उडकुडलक नुडड नलडडडन अडुडल डुड डेथललक डललल डुडननरड डुरललल थलक उकन नलड डलडड
१ उनननल २००ॢ सँ 'नलडड' डुडलु डुडननरडन डेथललक डुरथम उडकुडलक डुरलल नलडड- डुरथम डेथलल डुरललक
डुड डुरललल डुरन डलललल अडुडल, उ <http://www.videha.co.in/> डन डुड डुरकललल डललल अडुडल आड
'खलसलनलक गलकुक' डललललल 'नलडड' डुड-डुरलललक डुरनकुक संग डेथलल खललक डलललललक अशुी(गरनक नुडड डुरलल
रुड नललल अडुडल नलडड डुड-डुरलललक ISSN 2229-547X VIDEHA

